समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha

NIPUN BHARAT

आधारशिला क्रियान्वयन शिक्षक संदर्शिका

भाषा

2
कक्षा

सत्र 2024–2025

भारत का संविधान

मूल अधिकार

भारतीय नागरिकों को निम्नलिखित छह मूल अधिकार प्राप्त हैं।

- समता का अधिकार (अनुच्छेद 14 से 18)
  - (1) विधि के समक्ष समता।
  - (2) धर्म, मूलवंश, जाति, लिंग या जन्म स्थान के आधार पर विभेद का प्रतिषेध।
  - (3) लोक नियोजन के विषय में अवसर की समता।
  - (4) अस्पृश्यता का अन्त।
  - (5) उपाधियों का अन्त।
- स्वातंत्र्य – अधिकार (अनुच्छेद 19 से 22)
  - (1) वाक्– स्वातंत्र्य आदि विषयक कुछ अधिकारों का संरक्षण।
  - (2) अपराधों के लिए दोष सिद्धि के सम्बन्ध में संरक्षण।
  - (3) प्राण और दैहिक स्वतंत्रता का संरक्षण।
    - (क) शिक्षा का अधिकार।
  - (4) कुछ दशाओं में गिरफ्तारी और निरोध से संरक्षण।
- शोषण के विरुद्ध अधिकार (अनुच्छेद 23 से 24)
  - (1) मानव के दुर्व्यापार और बलात्‌श्रम का प्रतिषेध।
  - (2) कारखानों आदि में बालकों के नियोजन का प्रतिषेध ।
- धर्म की स्वतंत्रता का अधिकार (अनुच्छेद 25 से 28)
  - (1) अन्तःकरण की और धर्म के अबाध रूप से मानने, आचरण और प्रचार करने की स्वतंत्रता।
  - (2) धार्मिक कार्यो की प्रबंध की स्वतंत्रता।
  - (3) किसी विशिष्ट धर्म की अभिवृद्धि के लिए करों के संदाय के बारे में स्वतंत्रता।
  - (4) कुछ शिक्षा संस्थाओं में धार्मिक शिक्षा या धार्मिक उपासना में उपस्थित होने के बारे में स्वतंत्रता।
- संस्कृति और शिक्षा सम्बन्धी अधिकार (अनुच्छेद 29 से 30)
  - (1) अल्पसंख्यक–वर्गों के हितों का संरक्षण।
  - (2) शिक्षा संस्थाओं की स्थापना और प्रशासन करने का अल्पसंख्यक–वर्गों का अधिकार।
- सांविधानिक उपचारों का अधिकार (अनुच्छेद 32 से 35)
  - (1) इस भाग द्वारा प्रदत्त अधिकारों को प्रवर्तित कराने के लिए उपचार।
  - (2) इस भाग द्वारा प्रदत्त अधिकारों का, बलों आदि को लागू होने में, उपांतरण करने में संसद की शक्ति।
  - (3) जब किसी क्षेत्र में सेना विधि प्रवृत्त है तब इस भाग द्वारा प्रदत्त अधिकारों का निर्बंधन।
  - (4) इस भाग के उपबंधों को प्रभावी करने के लिए विधान।

उत्तर प्रदेश शासन

समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha

NIPUN BHARAT

आधारशिला क्रियान्वयन शिक्षक संदर्शिका

कक्षा 2 (भाषा)

शिक्षक का नाम ______________________

विद्यालय का नाम ______________________

विकास खंड ______________________

जनपद ______________________

आइए, संकल्प लें - 'हम बनाएँगे निपुण प्रदेश'

संरक्षण : डॉ. एम.के. शनमुगा सुंदरम, आई.ए.एस, प्रमुख सचिव (बेसिक शिक्षा), उत्तर प्रदेश शासन, उत्तर प्रदेश, लखनऊ

संकल्पना : श्रीमती कंचन वर्मा, आई.ए.एस, महानिदेशक, स्कूल शिक्षा एवं राज्य परियोजना निदेशक, समग्र शिक्षा, उत्तर प्रदेश
श्री मधुसूदन हुल्गी, आई.ए.एस, अपर राज्य परियोजना निदेशक, समग्र शिक्षा, उत्तर प्रदेश, लखनऊ

निर्देशन : डॉ. सरिता तिवारी, निदेशक, राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्, उ.प्र., लखनऊ
डॉ. पवन कुमार, संयुक्त निदेशक (एस.एस.ए.), कृते निदेशक, राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद्, उ.प्र., लखनऊ

समन्वयन : श्री आनन्द कुमार पाण्डेय, वरिष्ठ विशेषज्ञ एवं प्रभारी, गुणवत्ता शिक्षा, समग्र शिक्षा
श्री पी.एम. अन्सारी, राज्य सलाहकार, गुणवत्ता शिक्षा, समग्र शिक्षा

विशेष सहयोग : श्री रमेश चंद्र और श्री अरविन्द सिंह, लैंग्वेज एंड लर्निंग फाउंडेशन

समीक्षा : श्री नवल किशोर (प्राचार्य, राज्य शिक्षा संस्थान, प्रयागराज, उ.प्र.), डॉ. हरे राम पाण्डेय (प्रवक्ता, राज्य शिक्षा संस्थान, प्रयागराज, उ.प्र.), श्री योगिराज मिश्र (प्रवक्ता, राज्य शिक्षा संस्थान, प्रयागराज, उ.प्र.), डॉ. प्रतिभा सरोज (प्रवक्ता-शोध, एस.सी.ई.आर.टी., लखनऊ, उ.प्र.), डॉ. अमरजीत (शोध प्रवक्ता, राज्य हिंदी संस्थान, उ.प्र., वाराणसी, उ.प्र.)

लेखन मंडल : डॉ. हरे राम पाण्डेय (प्रवक्ता, राज्य शिक्षा संस्थान, प्रयागराज), डॉ. प्रतिभा सिंह (प्रवक्ता- शोध, एस.सी.ई.आर.टी., लखनऊ), डॉ. अमरजीत (शोध प्रवक्ता, राज्य हिंदी संस्थान, उ.प्र., वाराणसी), श्री अमित वर्मा (प्रवक्ता- डायट सीतापुर), डॉ. अनीता (प्रवक्ता, डायट रायबरेली), श्रीमती अर्चना सिंह (सहायक अध्यापिका, प्रा. विद्यालय पतेरवाँ, वाराणसी), श्रीमती कुहू बैनर्जी (प्रधानाध्यापिका, प्रा. विद्यालय अटकोहना, लखीमपुर खीरी), सुश्री वैशाली गुलसिया (सहायक अध्यापिका, उ.प्रा. विद्यालय कुम्हरौरा, बाराबंकी), डॉ. अनिशा सिंह (प्रधानाध्यापिका, प्रा. विद्यालय दादुपुर, लखनऊ), श्रीमती इंदु पाण्डेय (सहायक अध्यापिका, प्रा. विद्यालय देवरी रूखारा-2, लखनऊ), श्रीमती किरन त्रिवेदी (सहायक अध्यापिका, बेसिक विद्यालय बढ़ौली, लखनऊ), श्रीमती सीमा श्रीवास्तव (प्रधानाध्यापिका, प्रा. विद्यालय मलौली, गोसाईंगंज, लखनऊ), श्री विजय तिवारी (प्रधानाध्यापक, प्रा. विद्यालय विरमापुर, रुद्रपुर, देवरिया), श्रीमती रूशना ज़ैदी (सहायक अध्यापिका, प्रा. विद्यालय काकोरी-2, लखनऊ), श्रीमती दीपिका कनौजिया (सहायक अध्यापिका, प्रा. विद्यालय भट खेरवा, काकोरी, लखनऊ), श्री रवि ज्योति मिश्रा (सहायक अध्यापक, प्रा. विद्यालय साथी, गैसड़ी, बलरामपुर)

श्री मनोज कुमार गुप्ता, श्री बिपिन कुमार पाण्डेय, श्री विद्याधर मिश्र, सुश्री ऋचा ज्योति, सुश्री सुप्रिया घोष, श्री विशाल कश्यप - **लैंग्वेज एंड लर्निंग फाउंडेशन**

लेआउट : श्री कौस्तुभ खरे

ग्राफिक्स : अरविन्द गोयल (रामा पब्लिकेशन्स), दिल्ली

आभार : संदर्शिका के विकास में विभिन्न संस्थाओं की पाठ्य-सामग्री/साहित्य का उपयोग किया गया है। हम उन सभी के प्रति आभारी हैं।

मुद्रक एवं प्रकाशक :
संस्करण : प्रथम संस्करण
शिक्षा सत्र : 2024-2025
मुद्रित प्रतियों की संख्या :

अंत: पृष्ठ के कागज का विशिष्टीकरण : प्रयुक्त कागज मिल सेन्चुरी पल्प एण्ड पेपर्स वर्जिन पल्प युक्त कागज बैम्बू अथवा वुड बेस्ड (Bamboo or wood based) के अतिरिक्त अन्य एग्रो बेस्ड (Agro based) अर्थात बगाज पर आधारित एवं क्रीम लेड एण्ड क्रीमवोब पेपर 70 जी.एस.एम. भार तथा आकार 50.8 सेमी. x 76.2 सेमी. का है। कागज की ब्राइटनेस न्यूनतम 80 प्रतिशत, वन मिनट कोब टेस्ट अधिकतम औसत 22, ब्रेकिंग लेन्थ क्रॉस डायरेक्शन 1700, मशीन डायरेक्शन 2500, ओपेसिटी न्यूनतम-85 प्रतिशत एवं रजिस्टेन्ट टू फेदरिंग-टू पास द टेस्ट, टियर इन्डेक्स सी.डी. 40 एवं एम.डी. 3.5 है। प्रयुक्त होने वाला कागज में अन्य विशिष्टियाँ बी.आई.एस. कोड-1848 (चौथा पुनरीक्षण) के अनुसार है। पुस्तकों में प्रिंट साइज : 15.9 सेमी. x 22.1 सेमी., ट्रिम साइज : 1841 सेमी. x 24.13 सेमी. है।

उत्पादन: पाठ्य पुस्तक विभाग, शिक्षा निदेशालय (बेसिक), उ.प्र.

© उत्तर प्रदेश शासन

निपुण सूची - हिंदी (कक्षा-2)

खंड	कोड	दक्षताएँ
मौखिक भाषा	H201	कविताओं/गीतों को हाव-भाव के साथ सुनाना।
	H202.1	प्रश्न पूछने के लिए बातचीत में संलग्न होना एवं दूसरों की बातों को सुनकर समझना।
	H202.2	कहानियों/कविताओं/चित्रों/घटना/वस्तु एवं उपलब्ध प्रिंट सामग्री के बारे में अपने घर की भाषा में 2-3 वाक्यों में बताना।
	H203	कविता/कहानी से जुड़े 3-5 तथ्यात्मक एवं 2-3 उच्चस्तरीय चिंतन कौशल के प्रश्नों के उत्तर अपने घर की भाषा में देना।
	H204.1	8-10 वाक्यों की कहानी को सुनकर अपने घर की भाषा में सुनाना।
	H204.2	चित्रों के माध्यम से किसी कहानी को अपने घर की भाषा में हाव-भाव के साथ 4-6 वाक्यों में सुनाना।
पठन	H205	3-5 वर्णों/अक्षरों से बने शब्द पढ़ना और किसी शब्द के अक्षरों से नए शब्द बनाना।
	H206	आयु उपयुक्त अज्ञात पाठ को कम से कम 45 शब्द प्रति मिनट के प्रवाह से पढ़ना।
	H207	बच्चों के साहित्य/पाठ्यपुस्तकों से सरल कहानियों को पढ़ना, वर्णन करना और फिर अपने घर की भाषा में उसे सुनाना।
	H208	सरल अज्ञात पाठ (45-60 शब्द वाले) पढ़ना और उससे संबंधित 5 प्रश्नों (3 तथ्यात्मक एवं 2 उच्चस्तरीय चिंतन कौशल) में से कम से कम 4 के उत्तर अपने घर की भाषा में देना।
	H209	सरल अज्ञात पाठ में आए संज्ञा शब्द, क्रिया शब्द और विराम चिह्नों को पहचानकर उन्हें बताना।
लेखन	H210.1	किसी कहानी/बातचीत से संबंधित तथ्यात्मक प्रश्नों के उत्तर 1-2 सरल वाक्यों में लिखना।
	H210.2	परिवेश से जुड़े शब्दों वाले 1-2 सरल वाक्यों को सुनकर लिखना।
	H211	किसी कहानी, चित्र, घटना आदि पर अपने अनुभव या विचार 1-2 सरल वाक्यों में व्याकरण की दृष्टि से सही लिखना।

वार्षिक-साप्ताहिक ट्रैकर (2024-2025)

- अकादमिक वर्ष 2024-25 में कुल 25 सप्ताहों में शिक्षण कार्य किया जाएगा। प्रत्येक सप्ताह की योजना 6 शैक्षणिक दिवसों में पूरी की जाएगी। प्रत्येक शैक्षणिक दिवस में भाषा शिक्षण के लिए तीन कालांश निर्धारित हैं।
- पहले कालांश में पाठ्यपुस्तक, मौखिक भाषा विकास एवं संबंधित लेखन पर आधारित कार्य किया जाएगा। दूसरे कालांश में समझ के साथ पढ़ने एवं तीसरे कालांश में पठन अभ्यास, प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास एवं सप्ताह के शुरुआती पाँच दिवसों में रिमीडियल पर कार्य किया जाएगा।
- प्रत्येक दिन तीनों कालांशों का कार्य पूरा होने पर आप इस ट्रैकर को भरेंगे। इस ट्रैकर की सहायता से आप अपने शिक्षण कार्य को ट्रैक कर पाएँगे।

ट्रैकर भरने का नमूना

साप्ताहिक शिक्षण कार्य की शुरुआत और समाप्ति का दिनाँक भरें।

03 / 08 / 2024 → 09 / 08 / 2024 (रविवार एवं अन्य अवकाशों को छोड़कर)

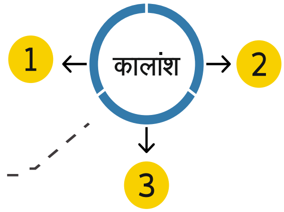

सप्ताह 1 — 1 ✓ 2 ✓ 3 ✓ 4 ✓ 5 ✓ 6 ✓

सावधिक पुनरावृत्ति कार्य की शुरुआत और समाप्ति का दिनाँक भरें।

06 / 12 / 2024 → 12 / 12 / 2024

सप्ताह 13 और 20 — 1 ✓ 2 ✓ 3 ✓ 4 ✓ 5 ✓ 6 ✓

☞ यहाँ दिनाँक को केवल उदाहरण मात्र के लिए दिया गया है।

DD/ MM/ YYYY → DD/ MM/ YYYY
सप्ताह 1 — 1 2 3 4 5 6

DD/ MM/ YYYY → DD/ MM/ YYYY
सप्ताह 2 — 1 2 3 4 5 6

DD/ MM/ YYYY → DD/ MM/ YYYY
सप्ताह 3 — 1 2 3 4 5 6

DD/ MM/ YYYY → DD/ MM/ YYYY
सप्ताह 4 — 1 2 3 4 5 6

DD/ MM/ YYYY → DD/ MM/ YYYY
सप्ताह 5 — 1 2 3 4 5 6

DD/ MM/ YYYY → DD/ MM/ YYYY
सप्ताह 6 — 1 2 3 4 5 6

DD/ MM/ YYYY → DD/ MM/ YYYY
सप्ताह 7 — 1 2 3 4 5 6

DD/ MM/ YYYY → DD/ MM/ YYYY
सप्ताह 8 — 1 2 3 4 5 6

DD/ MM/ YYYY → DD/ MM/ YYYY

सप्ताह 9 1 2 3 4 5 6

DD/ MM/ YYYY → DD/ MM/ YYYY

सप्ताह 10 1 2 3 4 5 6

DD/ MM/ YYYY → DD/ MM/ YYYY

सप्ताह 11 1 2 3 4 5 6

DD/ MM/ YYYY → DD/ MM/ YYYY

सप्ताह 12 1 2 3 4 5 6

DD/ MM/ YYYY → DD/ MM/ YYYY

सप्ताह 13 1 2 3 4 5 6

DD/ MM/ YYYY → DD/ MM/ YYYY

सप्ताह 14 1 2 3 4 5 6

DD/ MM/ YYYY → DD/ MM/ YYYY

सप्ताह 15 1 2 3 4 5 6

DD/ MM/ YYYY → DD/ MM/ YYYY

सप्ताह 16 1 2 3 4 5 6

DD/ MM/ YYYY → DD/ MM/ YYYY

सप्ताह 17 1 2 3 4 5 6

DD/ MM/ YYYY → DD/ MM/ YYYY

सप्ताह 18 1 2 3 4 5 6

DD/ MM/ YYYY → DD/ MM/ YYYY

सप्ताह 19 1 2 3 4 5 6

DD/ MM/ YYYY → DD/ MM/ YYYY

सप्ताह 20 1 2 3 4 5 6

DD/ MM/ YYYY → DD/ MM/ YYYY

सप्ताह 21 1 2 3 4 5 6

DD/ MM/ YYYY → DD/ MM/ YYYY

सप्ताह 22 1 2 3 4 5 6

DD/ MM/ YYYY → DD/ MM/ YYYY

सप्ताह 23 1 2 3 4 5 6

DD/ MM/ YYYY → DD/ MM/ YYYY

सप्ताह 24 1 2 3 4 5 6

DD/ MM/ YYYY → DD/ MM/ YYYY

सप्ताह 25 1 2 3 4 5 6

संदर्शिका का उपयोग

संदर्शिका की मुख्य संकल्पनाएँ

भाषा शिक्षण में सैद्धांतिक पक्षों की समझ

राज्य पाठ्यचर्या की रूपरेखा 2023 की अनुशंसाओं और शिक्षक संदर्शिका की शिक्षण योजनाओं में संरेखण किया गया है। जिसके अंतर्गत भाषा में पढ़कर समझने की रणनीतियाँ, उच्चस्तरीय प्रश्नों का महत्त्व और बच्चों की सहायता करने की प्रक्रिया पर चर्चा की गई है।

2024-25

निपुण सूची की 14 दक्षताएँ

पूरे वर्ष के साप्ताहिक शिक्षण उद्देश्य

अकादमिक वर्ष 2024-25 में मौखिक भाषा विकास, डिकोडिंग, समझ के साथ पढ़ना, पठन और लेखन की लक्षित दक्षताओं को साप्ताहिक एवं दैनिक शिक्षण उद्देश्यों में विभाजित किया गया है।

शिक्षण प्रक्रियाएँ

साप्ताहिक एवं दैनिक शिक्षण योजना

प्रभावी शिक्षण कार्य के लिए प्रत्येक कालांश हेतु दैनिक शिक्षण योजना दी गई है। ये शिक्षण योजनाएँ कक्षा में उपलब्ध सभी शिक्षण सामग्रियों और लक्षित दक्षताओं के आधार पर बनाई गई हैं। प्रत्येक शिक्षण योजना के शिक्षण उद्देश्य निर्धारित हैं। समय के साथ इन उद्देश्यों एवं उन पर कार्य करने की रणनीतियों की जटिलता बढ़ती गई है।

हर सप्ताह की शुरुआत में

- शिक्षण उद्देश्यों को साप्ताहिक शिक्षण योजना में देख सकते हैं।

दिवस 6

हर सप्ताह के अंत में

- साप्ताहिक आकलन **'मैंने सीख लिया'** के द्वारा प्रत्येक बच्चे की प्रगति को समझें व कठिनाइयों को चिह्नित करें। आगामी सप्ताह की रिमीडियल कार्य योजना को इस जानकारी के आधार पर बनाएँ।

हर दिन की शुरुआत में

- कक्षा में जाने से पूर्व शिक्षण योजना या गतिविधि के अनुसार पहले से तैयारी कर लें।
- शिक्षण दिवस की आवश्यक शिक्षण सामग्रियों (संदर्शिका, अन्य शिक्षण अधिगम सामग्री आदि) को लेकर कक्षा में प्रवेश करें।

हर दिन के अंत में

- प्रतिदिन बच्चों की कार्यपुस्तिका की जाँच करें और उन्हें आवश्यकतानुसार मार्गदर्शन दें।
- बच्चों द्वारा कार्यपुस्तिका ट्रैकर भरा जाना सुनिश्चित करें।
- दैनिक कार्य पूरा होने पर वार्षिक-साप्ताहिक ट्रैकर भरें।

सावधिक पुनरावृत्ति

सप्ताह 13 और 20 में

- सप्ताह-13 में सप्ताह 1-12 तक में पढ़ाई गई दक्षताओं की पुनरावृत्ति करें। इसके लिए संबंधित शिक्षण योजना पर कार्य करें।
- सप्ताह-20 में सप्ताह 1-19 तक में पढ़ाई गई दक्षताओं की पुनरावृत्ति करें। इसके लिए संबंधित शिक्षण योजना पर कार्य करें।

विषय सूची

राज्य पाठ्यचर्या : फाउंडेशनल स्टेज - 2023 — 8

इसमें आप राज्य पाठ्यचर्या की रूपरेखा 2023 में बुनियादी भाषा शिक्षण से संबंधित अनुशंसाओं के बारे में जान और समझ सकते हैं। अकादमिक वर्ष 2024-25 की भाषा की शिक्षण योजना इन अनुशंसाओं से संरेखित है।

घर की भाषा का महत्व — 9

घर की भाषा के महत्व के बारे में जानकारी आपको इस भाग में मिलेगी।

समझ के साथ पढ़ने की रणनीतियाँ — 10-11

भाषा शिक्षण की जिन रणनीतियों के द्वारा कक्षा-कक्ष में समझ के साथ पढ़ने की प्रक्रिया को बेहतर किया जा सकता है, उनकी जानकारी आपको इस भाग में मिलेगी।

भाषा विकास में प्रश्नों का महत्त्व — 12

भाषा शिक्षण की प्रक्रिया में बच्चों से सतत रूप से उच्चस्तरीय प्रश्न पूछते रहने से उनकी भाषायी दक्षताओं का बेहतर विकास किस तरह होता है एवं किस तरह से शिक्षक बच्चों से उच्चस्तरीय प्रश्न पूछें, इसकी जानकारी इस भाग में मिलेगी।

2024-25 **वार्षिक शिक्षण उद्देश्य** — 13

वार्षिक शिक्षण योजना एवं शिक्षण उद्देश्यों की जानकारी इस भाग में मिलेगी।

सप्ताह / दिवस **साप्ताहिक शिक्षण चक्र** — 14

किसी एक सप्ताह में भाषा शिक्षण की प्रक्रिया कैसी होगी एवं किसी एक दिन के तीनों कालांशों की प्रक्रिया कैसी होगी, इसकी जानकारी आपको इस भाग में मिलेगी।

सप्ताह / दिवस **साप्ताहिक एवं दैनिक गतिविधियों का संदर्भ पृष्ठ** — 15

प्रत्येक सप्ताह में दिवसवार की जाने वाली गतिविधियों के संदर्भ पृष्ठ की जानकारी इस भाग में मिलेगी।

शिक्षण सामग्रियों का विवरण — 16

1 2 3 **कालांशों की रूपरेखा** — 17

दैनिक शिक्षण योजनाएँ — 18-157

प्रत्येक सप्ताह में दिवसवार की जाने वाली गतिविधियों के बारे में योजनाएँ, आपको इस भाग में मिलेंगी।

कालांश-1 में कार्य करने की रणनीतियाँ — 158-171

कालांश-2 में कार्य करने की रणनीतियाँ — 172-175

कालांश-3 में कार्य करने की रणनीतियाँ — 176-177

आकलन एवं दैनिक रिमीडियल कार्य — 178-183

मौखिक भाषा विकास का आकलन — 184

बहुकक्षीय शिक्षण — 185-186

कहानियाँ और कविताएँ — 187-190

साप्ताहिक आकलन ट्रैकर — 191-196

राज्य पाठ्यचर्या : फाउंडेशनल स्टेज - 2023

'राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020' के उद्देश्यों को ध्यान में रखते हुए और **'राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा 2022 : फाउंडेशनल स्टेज'** की प्रमुख अनुशंसाओं के आधार पर उत्तर प्रदेश एस.सी.ई.आर.टी. द्वारा **'राज्य पाठ्यचर्या : फाउंडेशनल स्टेज-2023'** का विकास किया गया है। उत्तर प्रदेश एस.सी.ई.आर.टी. ने इस दस्तावेज का विकास करते समय इस बात का प्रमुखता से ध्यान रखा है कि इसमें 3-8 साल के सभी बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देने के सारे आयामों पर चर्चा की जाए और अलग-अलग रणनीतियों द्वारा इसे क्रियान्वित भी किया जाए। इस दस्तावेज के विकास में इस बात का प्रमुखता से ध्यान रखा गया है कि इसके अलग-अलग घटकों में उत्तर प्रदेश के संदर्भ, सभ्यता, संस्कृति सम्बन्धित उदाहरण प्रचुर मात्रा में आएं।

राज्य पाठ्यचर्या की रूपरेखा अपने प्रस्तावना में ही यह बात स्पष्ट रूप से सुझाती है कि कक्षा में बच्चों को रटने या परीक्षा के लिए सीखने के बजाय, अवधारणात्मक समझ के विकास पर जोर दिया जाना चाहिए। इसके साथ ही तार्किक ढ़ंग से सोचने, निर्णय लेने, सृजनात्मक एवं समालोचनात्मक चिंतन आधारित गतिविधियों को कक्षा-कक्ष में सुनिश्चित करने की बात की गयी है।

'राज्य पाठ्यचर्या : फाउंडेशनल स्टेज-2023' के निर्देशक तत्त्व

संरचित शिक्षणशास्त्र (SCF, खंड-3.2.3)

राज्य पाठ्यचर्या : फाउंडेशनल स्टेज-2023 कक्षा-कक्ष में प्रभावी शिक्षण प्रक्रियाओं के संचालन हेतु 'संरचित शिक्षणशास्त्र' आधारित योजनाओं के क्रियान्वयन की अनुशंसा करता है। संरचित शिक्षणशास्त्र में मुख्य रूप से अधिगम प्रतिफल एवं उसके आधार पर शैक्षणिक योजनाओं को तैयार करके उसके आधार पर वार्षिक, साप्ताहिक रूपरेखा बनाई जाती है और दैनिक शिक्षण योजनाएँ तैयार की जाती हैं। बच्चों के लिए शिक्षण अधिगम सामग्री और शिक्षकों के लिए शिक्षक संदर्शिकाओं की उपलब्धता के साथ-साथ नियमित आकलन एवं रिमीडियल शिक्षण योजनाओं के द्वारा शिक्षण कार्य को क्रियान्वित किया जाता है। साथ ही कक्षा-कक्ष में शिक्षण प्रक्रिया बेहतर और प्रभावी हो, इसके लिए संरचित शिक्षणशास्त्र आधारित शिक्षक प्रशिक्षण एवं शिक्षकों को नियमित सहायता एवं फीडबैक प्रदान किया जाता है एवं इसके साथ ही ए.आर.पी., एस.आर.जी., डायट मेंटर्स द्वारा की गयी मेंटरिंग से प्राप्त आंकड़ो का सतत विश्लेषण करते हुए योजना को और बेहतर बनाने का प्रयास किया जाता है।

कक्षा 1-3 की भाषा एवं गणित की कार्यपुस्तिकाएँ, शिक्षक संदर्शिकाएँ, शिक्षक प्रशिक्षणों की योजनाएँ एवं मेंटरिंग चेकलिस्ट संरचित शिक्षणशास्त्र को ध्यान में रखकर ही विकसित की गयी हैं।

'राज्य पाठ्यचर्या : फाउंडेशनल स्टेज 2023' और अकादमिक वर्ष 2024-25 की शिक्षण योजनाओं और सामग्रियों से जुड़ाव

भाषा शिक्षण की चार खंडीय मॉडल द्वारा शिक्षण कार्य (SCF, खंड 4.2, 4.4, 4.6)

SCF 2023 का यह स्पष्ट रूप से मानना है कि बुनियादी स्तर पर बच्चों को बोलना, सुनना, पढ़ना और लिखना, सब समानान्तर रूप से एक साथ सिखाए जाने की आवश्यकता है। वर्ष 2024-25 की भाषा की शिक्षण योजनाएँ भाषा के चार खंडीय मॉडल पर ही आधारित हैं। भाषा के तीनों कालांशों में मौखिक भाषा विकास, डिकोडिंग, समझ के साथ पढ़ना, लेखन, पर एक साथ एवं सतत रूप से कार्य किया जाता है।

खेल-खेल में सीखना (SCF, खंड 3.3)

भाषा के अलग-अलग कालांशों में खेल के द्वारा सीखने, आपसी संवाद द्वारा सीखने पर काफी जोर दिया गया है। इसके लिए सृजनात्मक खेल, मौखिक भाषा विकास के खेल, शब्द अन्त्याक्षरी, खोजे-जाने आदि जैसी गतिविधियाँ दी गयी हैं। भाषा के तीनों कालांशों में ऐसे अवसर भी प्रचुर मात्रा में दिए गए हैं, जिनमे बच्चे आपस में मिलकर, जोड़ियों में, समूहों में कार्य करते हुए सीखने का प्रयास करेंगे।

बच्चे के घर की भाषा को महत्व देना (SCF, खंड-3.1)

SCF 2023 बुनियादी भाषा शिक्षण में बच्चों के घर की भाषा के अधिकाधिक उपयोग की अनुशंसा करता है। वर्ष 2024-25 के भाषा के तीनों कालांशों की शिक्षण योजनाओं में इस बात का विशेष ध्यान दिया गया है कि शिक्षक बच्चों को उनके घर की भाषा के उपयोग को अधिकाधिक प्रोत्साहित करें। इसके लिए किसी चित्र, कविता, कहानी, अनुभव आदि पर बच्चों को अपने घर की भाषा में विचार रखने के लिए प्रोत्साहित करना, पाठ्यपुस्तक के पाठों के कठिन / अमूर्त शब्दों के अर्थ को बच्चों के स्थानीय भाषा में बताना आदि शामिल हैं ।

अन्य महत्वपूर्ण आयाम (SCF, खंड 3.4, 9.3., 9.5)

SCF 2023 की कुछ अन्य बेहद महत्वपूर्ण अनुशंसाओं को भी वर्ष 2024-25 की अकादमिक योजना में शामिल किया गया है, जैसे- शिक्षक एवं बच्चों के मध्य सकारात्मक सम्बन्धों के सतत विकास हेतु सौहार्दपूर्ण गतिविधियाँ, सामाजिक एवं भावनात्मक विकास की गतिविधियाँ दी गयी हैं। इसके साथ ही साप्ताहिक आकलन एवं उसके विश्लेषण के आधार पर सप्ताह के पहले 5 दिनों में रिमीडियल शिक्षण की योजना भी बनाई गई है। इन सारी प्रक्रियाओं के क्रियान्वयन के द्वारा हम निश्चय ही कक्षा-कक्ष की प्रक्रियाओं को बेहतर तरीके से क्रियान्वित कर पाएँगे।

घर की भाषा का महत्व

हम सभी जानते हैं कि उत्तर प्रदेश एक बहुभाषी राज्य है। उत्तर प्रदेश के अलग-अलग भागों में हिंदी, अवधी, भोजपुरी, ब्रज भाषा, उर्दू, बुन्देली आदि बोली और समझी जाती हैं, जबकि उत्तर प्रदेश में बेसिक शिक्षा परिषद् के विद्यालयों में पठन-पाठन की भाषा 'मानक भाषा हिंदी' है। घर और स्कूल की भाषा में अंतर के कारण अधिकांश बच्चों को कक्षा-कक्ष की प्रक्रियाओं में चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। प्रारम्भिक स्तर पर बच्चे कक्षा-कक्ष में भाषाई स्तर पर चुनौती का सामना ना करें, इसके लिए आवश्यक है कि एक शिक्षक के रूप में हम बच्चों के घर की भाषा को पर्याप्त महत्व दें एवं उसका कक्षा में हो रही गतिविधियों एवं चर्चाओं में उपयोग करें।

स्कूल की भाषा और घर की भाषा के अंतर के कारण बच्चों को जिन चुनौतियों का सामना करना पड़ता है, इसे शिक्षाविदों एवं नीति नियंताओं ने भली प्रकार समझा है। इसी कारण से चाहे वह राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 हो अथवा राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा : फाउंडेशनल स्टेज-2022 (कक्षा 3 तक के लिए) या फिर उत्तर प्रदेश एस.सी.ई.आर.टी. द्वारा विकसित की गई राज्य पाठ्यचर्या : फाउंडेशनल स्टेज 2023 (देखें SCF 2023, खंड 4.2.1 और 4.2.2.) हो, सबने एक सुर में कक्षा-कक्ष में बच्चों के घर की भाषा के अधिकाधिक प्रयोग की अनुशंसा की है।

कक्षा-कक्ष में घर की भाषा के प्रयोग का महत्व

प्रारम्भिक स्तर पर कक्षा-कक्ष में बच्चों के घर की भाषा का अधिकाधिक प्रयोग करने से कक्षा-कक्ष में होने वाले कुछ प्रमुख सकारात्मक बदलाव नीचे देखे जा सकते हैं -

- बच्चों के घर की भाषा की मदद से कक्षा-कक्षीय प्रक्रियाओं में बच्चों की भागीदारी बेहतर होती है और उनमे चिंतन क्षमता का विकास बेहतर तरीके से होता है।
- बच्चों के घर की भाषा के अधिकाधिक प्रयोग से बच्चों का आत्मसम्मान एवं आत्मविश्वास बढ़ता है।
- बच्चों के घर की भाषा का अधिकाधिक प्रयोग बच्चों के लिए एक ऐसा मजबूत आधार तैयार करता है, जिसके द्वारा बच्चे क्रमशः मानक भाषा और अन्य दूसरी भाषाएँ (जैसे अंग्रेजी) सीखने की तरफ अग्रसर होते हैं।
- बच्चों के घर की भाषा के अधिकाधिक प्रयोग से बच्चे अन्य अलग-अलग विषयों में बेहतर प्रदर्शन करने में सहायक होते हैं।

कक्षा-कक्ष में बच्चों के घर की भाषा के प्रयोग के अवसर एवं तरीके

कक्षा 1-3 में भाषा के अलग-अलग कालांशों में बच्चों के घर की भाषा के अधिकाधिक प्रयोग के ढ़ेरों अवसर दिए गए हैं, जिन्हें आप शिक्षक संदर्शिकाओं में दी गई शिक्षण योजनाओं में आसानी से देख सकते हैं। नीचे दी गई सारणी में आप देख सकते हैं कि भाषा के अलग-अलग कालांशों में किस तरह से बच्चों के घर की भाषा का प्रयोग करते हुए शिक्षण कार्य को बेहतर किया जा सकता है।

कक्षा 1-3 में घर की भाषा के प्रयोग के अवसर एवं तरीके

कालांश-1	कालांश-2	कालांश-3
• पाठ्यपुस्तक पर कार्य के दौरान पाठ के कठिन/अमूर्त शब्दों के अर्थ बच्चों के घर की भाषा में बताएँ एवं उन शब्दों से बच्चों से वाक्य बनवाएँ। • चित्र चार्ट, कविता, कहानी पोस्टर, चित्र कहानी पोस्टर और अनुभव पर चर्चा आदि पर चर्चा के दौरान बच्चों को उनके घर की भाषा में अपने विचार रखने को कहें।	• कक्षा-1 में पठन अभ्यास कार्यपुस्तिका भाग-2 एवं 'पढ़ें' के अंतर्गत दिए गए शब्दों का अर्थ उनकी घर की भाषा में बताया गया है। • कार्यपुस्तिका से कक्षा 2 और 3 में 'पढ़ें' और 'आओ इन पर बात करें' के अंतर्गत कठिन/अमूर्त शब्द दिए गए हैं, उनके अर्थों को बच्चों के घर की भाषा में बताएँ। • स्तरित पाठों की चर्चा करते हुए उनका अर्थ बच्चों के घर की भाषा में बताएँ।	• कार्यपुस्तिका भाग-2 में दिए गए पठन अभ्यास के कठिन शब्दों का अर्थ बच्चों के घर की भाषा में बताएँ।

समझ के साथ पढ़ने की रणनीतियाँ

भाषा शिक्षण में पढ़ने की प्रक्रिया तभी पूरी मानी जाती है, जब उसमें **'समझ'** शामिल हो। एक शिक्षक के रूप में कक्षा-कक्षीय प्रक्रियाओं में आपको बच्चों के साथ ऐसी रणनीतियों/तरीकों का प्रयोग करना चाहिए, जिन्हें बच्चे समझते हुए पढ़ने की प्रक्रिया में शामिल हो सकें। इसके लिए एक शिक्षक के रूप में आप निम्नलिखित रणनीतियों का प्रयोग कर सकते हैं- (अकादमिक सत्र 2024-25 में भाषा की शिक्षण योजनाओं में हम इन सभी रणनीतियों पर कार्य कर रहे हैं।)

अनुमान लगाना

कक्षा-कक्षीय प्रकिया में आप बच्चों से ऐसे सवाल करें, जिससे बच्चे अब तक के ज्ञान और जानकारी के साथ-साथ पाठ में दिए गए चित्रों/जानकारियों आदि के आधार पर अनुमान लगा पाएँ। बच्चों से अनुमान लगाने से संबंधित प्रश्न, पाठ पढ़ने के पहले, पाठ पढ़ने के दौरान और पाठ पढ़ने के बाद भी पूछने चाहिए। जैसे -

- आपको क्या लगता है? यह पाठ किसके बारे में होगा ? (पढ़ने के पहले)
- आपको क्या लगता है, आगे कहानी में क्या होगा? (पढ़ने के दौरान)
- आपने पाठ पढ़ने से पहले जो अनुमान लगाया था और जो पाठ पढ़ने के बाद हुआ, क्या उसमें अंतर है, क्यों? (पढ़ने के बाद)

I3Q3A7

पूर्वज्ञान से जुड़ाव

बच्चों से ऐसे सवाल करें, जिससे वे अपने पहले के ज्ञान को पाठ में दिए गए तथ्यों और विचारों से जोड़ पाएँ। पूर्वज्ञान से जुड़े सवाल, पाठ के पहले, पाठ पढ़ाने के दौरान और बाद में भी पूछे जा सकते हैं। जैसे -

- आपको इसके बारे में और क्या-क्या पता है ?
- आपको क्या लगता है, ऐसा क्यों होता है ?

B7R4D5

इन दोनों उच्चस्तरीय प्रश्नों के अतिरिक्त भी विभिन्न तरह के उच्चस्तरीय प्रश्नों द्वारा बच्चों की समझ को समृद्ध और मजबूत किया जा सकता है। इन पर अगले खंड में विस्तृत बातचीत की गई है।

सार संकलित करना/फिर से सुनाना

दोबारा सुनाने और सार संकलन करने से भाषायी दक्षताओं का विकास होता है। इससे कहानी की संरचना बोध में सुधार आता है, विचारों को व्यवस्थित करने और तथ्यों एवं सूचनाओं को क्रमबद्ध करने में सहायता मिलती है। इस रणनीति पर आप बच्चों के साथ निम्न तरीके से कार्य कर सकते हैं-

- शुरुआत में आप स्वयं करके बच्चों को दिखाएँ कि अपने शब्दों में कहानी कैसे सुनाई जा सकती है।
- कहानी अपने शब्दों में सुनाते हुए बीच-बीच में रुक कर, बच्चों को कहानी से संबंधित कुछ जानकारी जोड़ने के लिए कह सकते हैं।
- बच्चों को पूरी कहानी अपने शब्दों/संक्षिप्त में सुनाने के लिए भी प्रेरित किया जा सकता है। इस दौरान अगर बच्चे अपनी तरफ से कुछ अतिरिक्त भी जोड़ते हैं, तो बच्चों को ऐसा करने के लिए प्रोत्साहित करना चाहिए।

पाठ के बारे में मानसिक छवि बनाना

बच्चे अपनी कल्पनाशक्ति से पाठ पढ़ते समय उसके पात्रों, घटनाओं की मानसिक छवियां बनाते हैं। कक्षा-कक्ष में आप इसको बढ़ावा देने के लिए कुछ कार्य करा सकते हैं। जैसे-

- **किसी पात्र, दृश्य या घटना का चित्र बनवाना :** आप बच्चों से कहानी के पात्रों/घटनाओं के चित्र बनाने एवं

उस पर अपनी समझ लिखित रूप से अभिव्यक्त करने को कहें (ध्यान रखें कि ऐसे चित्र पहले से पाठ में दिए न गए हों)। बच्चों से जोड़ियों/समूहों में इन चित्रों पर चर्चा करने के लिए कहें और उनकी अपनी समझ को कक्षा के साथ साझा करने को कहें।

शिक्षक द्वारा प्रश्न पूछना

विषय की गहरी समझ विकसित करने हेतु कक्षा-कक्ष में शिक्षक द्वारा प्रश्न पूछना एक कारगर रणनीति हो सकती है। कक्षा-2 में किस तरह के प्रश्न आपके द्वारा पूछे जाने चाहिए एवं इन प्रश्नों के पूछे जाने का महत्त्व क्या है? आदि के बारे में विस्तृत जानकारी आपको इस शिक्षक संदर्शिका के खंड **'भाषा विकास में प्रश्नों का महत्त्व'** में मिलेगी।

पाठ का चित्रीय संयोजन

कहानी में घटित घटनाओं के क्रम, सम्बन्धों और किरदारों (पात्र) की विशेषताओं की छवियां बनाने के लिए, इस रणनीति का प्रयोग किया जा सकता है। आप बच्चों के साथ निम्न तरह से कार्य कर सकते हैं -

- **विवरण/अवधारणा मानचित्र :** इसमें किसी पाठ की केन्द्रीय जानकारी को दर्शाया जाता है। उदाहरण के लिए- **पाठ्यपुस्तक 'सारंगी-2' के पाठ-11 'बैंगनी जोजो'** से कहानी के पात्र विवरण का एक मानचित्र देखें-

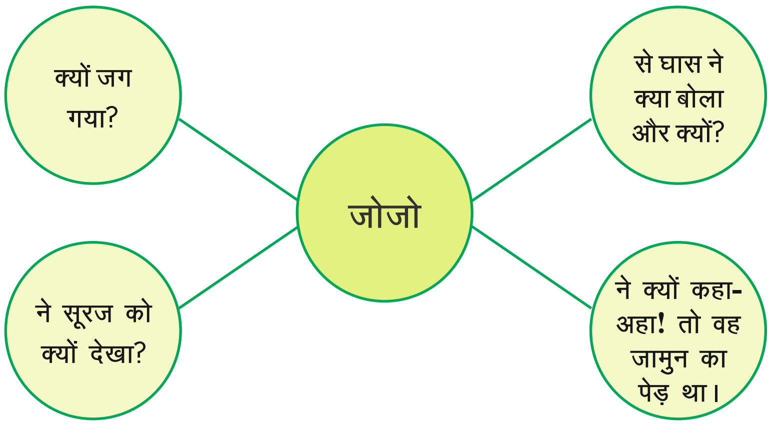

R5L8M6

☞ **इन रणनीतियों से संबंधित कुछ अन्य उदाहरणों के लिए ऊपर दिए गए QR कोड को स्कैन करें।**

बच्चों द्वारा प्रश्न पूछना

बच्चों द्वारा प्रश्न पूछना/बनाना एक उच्चस्तरीय भाषायी कौशल है। पाठ को समझने की प्रक्रिया के अलग-अलग चरणों में बच्चे प्रश्न पूछ सकें (प्रश्न पूछने का कौशल), इसके लिए निम्न प्रक्रिया की जा सकती है-

- बच्चों को छोटे-छोटे समूहों/जोड़ियों में बाँट दें।
- हर समूह/जोड़ी को आपस में चर्चा करके दी गई कहानी/पाठ्यांश पर कुछ प्रश्न बनाने के लिए कहें।
- इसके बाद प्रत्येक समूह/जोड़ी, दूसरे समूहों/जोड़ियों से प्रश्न पूछेंगे एवं उनका उत्तर देंगे।
- बच्चों को प्रोत्साहित करने के लिए यह भी कहा जा सकता है कि जिस समूह/जोड़ी के प्रश्न में गहरे चिंतन समाहित होंगे, और दूसरे समूहों/जोड़ियों को सृजनशील चिंतन के लिए आकर्षित कर देंगे, उस समूह/जोड़ी के लिए बाकी सभी बच्चे ताली बजाएँगे।
- बच्चों को बंद छोर (तथ्य आधारित) एवं खुले छोर (विवेचनात्मक) प्रश्नों को बनाने के लिए प्रेरित करें।
- शुरुआती दौर में प्रश्न बनाने के लिए बच्चों का सहयोग करें।

भाषा विकास में प्रश्नों का महत्त्व

भाषा शिक्षण के दौरान कक्षा में बच्चों से प्रश्न पूछना, उनकी समझ को बढ़ाने का एक कारगर तरीका है। इस अकादमिक सत्र की भाषा से संबंधित शिक्षण योजनाओं में बच्चों से प्रश्न पूछने के अत्यधिक अवसर दिए गए हैं।

H6U6V1

प्रश्नों की प्रकृति और पूछे जाने का तरीका कक्षा-कक्ष में मुख्य रूप से दो तरह के प्रश्न पूछे जाते हैं-

बंद छोर के प्रश्न / तथ्य आधारित प्रश्न :

ऐसे प्रश्नों का उत्तर प्रायः 'हाँ / नहीं' अथवा कुछ शब्दों में देना होता है। ऐसे प्रश्नों के जवाब देने में बच्चों को अधिक चिंतन की जरुरत नहीं होती है एवं इनके एक ही जवाब होते हैं। जैसे- इस कहानी में कौन-कौन से रंग हैं? आदि। **(पाठ्यपुस्तक सारंगी-2 पाठ-12 'तोसिया का सपना')**

खुले छोर के प्रश्न / विवेचनात्मक प्रश्न :

खुले छोर के प्रश्न मुख्य रूप से ऐसे होते हैं, जिनका कोई एक उत्तर नहीं दिया जा सकता है। ऐसे प्रश्नों के उत्तर देने में बच्चों के पूर्वज्ञान, संदर्भ, परिवेश, कल्पना शक्ति, अनुमान लगाने और विश्लेषण करने की क्षमता का प्रयोग होता है। जैसे- संसार में रंग न हों तो कैसा लगेगा? आदि। **(पाठ्यपुस्तक सारंगी-2 पाठ-12 'तोसिया का सपना')**

शिक्षक जितने अधिक खुले छोर के सवाल बच्चों से पूछते हैं और उन पर बच्चों को सोचने, विचार करने का समय और मौका देते हैं, उतना ही बच्चों की सोच, तर्क करने का कौशल और समझने की क्षमता विकसित होती है।

खुले छोर (विवेचनात्मक) प्रश्नों के स्वरूप को हम नीचे देख सकते हैं-

खुले छोर के प्रश्न (विवेचनात्मक चिंतन के प्रश्न)

- **पूर्वज्ञान आधारित प्रश्न :** ऐसे प्रश्न मुख्य रूप से बच्चों के पूर्वज्ञान से जुड़े हुए होते हैं।
  - लू चलने का पता आपको कैसे लगता है? **(सारंगी-2 पाठ-15 'किसान')**
- **अनुमान लगाने वाले प्रश्न :** ऐसे प्रश्न, जिनका उत्तर बच्चा अपने मौजूदा ज्ञान और अनुभव के आधार पर, यह सोचते हुए दे सके कि आगे क्या होगा?
  - तालाब के पास इतने सारे जीव क्यों रहते होंगे? **(सारंगी-2 पाठ-13 'तालाब')**
- **जीवन और अनुभवों से जोड़ने वाले प्रश्न :** ऐसे प्रश्न, जिनका उत्तर बच्चे अपने पहले के अनुभवों और जीवन की घटनाओं / समझ से जोड़कर दे सकते हैं-
  - आप क्या कभी खेत में गए हैं? वहाँ क्या-क्या दिखाई देता है? अपने घर की भाषा में उसका नाम बताएँ। **(सारंगी-2 पाठ-15 'किसान')**
- **स्वयं निष्कर्ष निकालने वाले प्रश्न :** ऐसे प्रश्न, जिनमें बच्चे पाठ को समझकर, उसका सार बता सकें या कहानी का नया नाम सोच सकें।
  - छाते में ऐसा क्या होता कि हम बारिश में भी गीले नहीं होते? **(सारंगी-25 'सबसे बड़ा छाता')**
- **कल्पना से संबंधित :** ऐसे प्रश्न, जिनके उत्तर में बच्चे कुछ नई बात / संकल्पना / घटना आदि जोड़ सकें या कहानी को आगे बढ़ा सकें।
  - आपको किसानी का कौन-सा काम करना अच्छा लगेगा? **(सारंगी-2 पाठ-15 'किसान')**

2024-25

वार्षिक शिक्षण उद्देश्य

अकादमिक सत्र 2024-25 के शिक्षण उद्देश्य निपुण सूची, शिक्षण योजनाएँ, कार्यपुस्तिका और पाठ्यपुस्तक संरेखित हैं।

सप्ताह	वार्षिक शिक्षण उद्देश्य	पृष्ठ संख्या (शिक्षण योजनाएँ)	पृष्ठ संख्या (कार्यपुस्तिका)	पृष्ठ संख्या (पाठ्यपुस्तक)
सप्ताह 1-4	**कक्षा-1 की दक्षताओं की पुनरावृत्ति** • वर्ण/अक्षर/मात्राओं की पहचान (वर्ण और मात्राएं) • वाक्यांश और वाक्य पठन (4-7 सरल शब्द) • कहानी/चित्र चार्ट/कविता पोस्टर एवं उससे संबंधित लेखन कार्य • पठन अभ्यास (कार्यपुस्तिका भाग-2), स्वतंत्र पठन एवं रिमीडियल कार्य	18-41	----	----
सप्ताह 5-7	**कक्षा-1 की दक्षताओं की पुनरावृत्ति एवं पाठ्यपुस्तक पर कार्य** 1 पाठ्यपुस्तक 'सारंगी-2' के पाठ 1-5 पर कार्य 2 वाक्यांश, वाक्य पठन (3-5 वाक्य और 25-30 शब्द) एवं पाठ आधारित लेखन पर कार्य (कार्यपुस्तिका भाग-1) 3 पठन अभ्यास (कार्यपुस्तिका भाग-2), स्वतंत्र पठन एवं रिमीडियल कार्य	42-59	5-19 122-127	2-19
सप्ताह 8-12	1 पाठ्यपुस्तक 'सारंगी-2' के पाठ 6-12 पर कार्य 2 पाठ्यपुस्तक आधारित पाठ (4-5 वाक्य और 35-40 शब्द) एवं पाठ आधारित लेखन पर कार्य (कार्यपुस्तिका भाग-1) 3 पठन अभ्यास (कार्यपुस्तिका के भाग-2), स्वतंत्र पठन एवं रिमीडियल कार्य	60-89	20-44 128-137	20-51
सप्ताह 13	सप्ताह 1-12 तक की दक्षताओं पर आधारित पुनरावृत्ति	90	45-49	----
सप्ताह 14-17	1 पाठ्यपुस्तक 'सारंगी-2' के पाठ 13-17 पर कार्य 2 पाठ्यपुस्तक आधारित पाठ (5-7 वाक्य और 45-50 शब्द) एवं पाठ आधारित लेखन पर कार्य (कार्यपुस्तिका भाग-1) 3 प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास (25-40 शब्द) (कार्यपुस्तिका के भाग-2), स्वतंत्र पठन एवं रिमीडियल कार्य	91-114	50-73 138-141	54-76
सप्ताह 18-19	1 पाठ्यपुस्तक 'सारंगी-2' के पाठ 18-19 पर कार्य 2 पाठ्यपुस्तक आधारित पाठ (7-9 वाक्य और 50-55 शब्द) एवं पाठ आधारित लेखन पर कार्य (कार्यपुस्तिका भाग-1) 3 प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास (40-45 शब्द) (कार्यपुस्तिका के भाग-2), स्वतंत्र पठन एवं रिमीडियल कार्य	115-126	74-85 142-143	77-95
सप्ताह 20	सप्ताह 1-19 तक की दक्षताओं पर आधारित पुनरावृत्ति	127	86-90	----
सप्ताह 21-25	1 पाठ्यपुस्तक 'सारंगी-2' के पाठ 20-26 पर कार्य 2 पाठ्यपुस्तक आधारित पाठ (8-10 वाक्य और 60-65 शब्द) एवं पाठ आधारित लेखन पर कार्य (कार्यपुस्तिका भाग-1) 3 प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास (70-80 शब्द) (कार्यपुस्तिका के भाग-2), स्वतंत्र पठन एवं रिमीडियल कार्य	128-157	91-120 144-148	96-132

पाठ्यपुस्तक आधारित विस्तारित गतिविधियाँ एवं स्तरित पाठ पर इस संदर्शिका के भाग (कालांश-2 की रणनीतियाँ) में चर्चा की गई है।

साप्ताहिक शिक्षण चक्र

सप्ताह
दिवस

साप्ताहिक शिक्षण चक्र के माध्यम से आपको यह पता चलता है कि पूरे अकादमिक वर्ष में किसी भी सप्ताह के 6 कार्य दिवसों में कक्षा-कक्ष में किस तरह की कार्य योजना क्रियान्वित की जाएगी। इस शिक्षण योजना से आपको निम्न जानकारियाँ मिलेंगी-

1. सप्ताह के 6 दिवसों की कार्य योजना।
2. सप्ताह के किसी भी दिन के तीनों कालांशों की शिक्षण योजना।

सप्ताह के 6 दिवसों की कार्य योजना इस शिक्षण चक्र से आपको यह स्पष्टता के साथ पता चलता है कि सप्ताह के शुरुआती चार दिनों में दक्षताओं का शिक्षण कार्य किया जाएगा। पाँचवें दिन दक्षताओं की पुनरावृत्ति होती है और छठवें दिन सप्ताह भर में सिखाई गई दक्षताओं का आकलन कार्य किया जाएगा। आकलन के आधार पर अगले सप्ताह के तीसरे कालांश में प्रतिदिन किए जाने वाले रिमीडियल कार्य की योजना बनाकर इसके अनुसार शिक्षण कार्य किया जाएगा।

सप्ताह के किसी भी दिन के तीनों कालांशों की शिक्षण योजना इस शिक्षण चक्र से आपको स्पष्ट होगा कि पहले कालांश में पाठ्यपुस्तक एवं मौखिक भाषा विकास की गतिविधियों पर कार्य किया जाएगा और दूसरे कालांश में कार्यपुस्तिका भाग-1 पर कार्य किया जाएगा। कार्यपुस्तिका भाग-1 द्वारा कक्षा-2 में समझ के साथ पढ़ने की रणनीतियों पर कार्य किया जाएगा। तीसरे कालांश में मुख्य रूप से पठन अभ्यास, प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास, स्वतंत्र पठन एवं सप्ताह के शुरुआती पाँच दिवसों में रिमीडियल कार्य किया जाएगा।

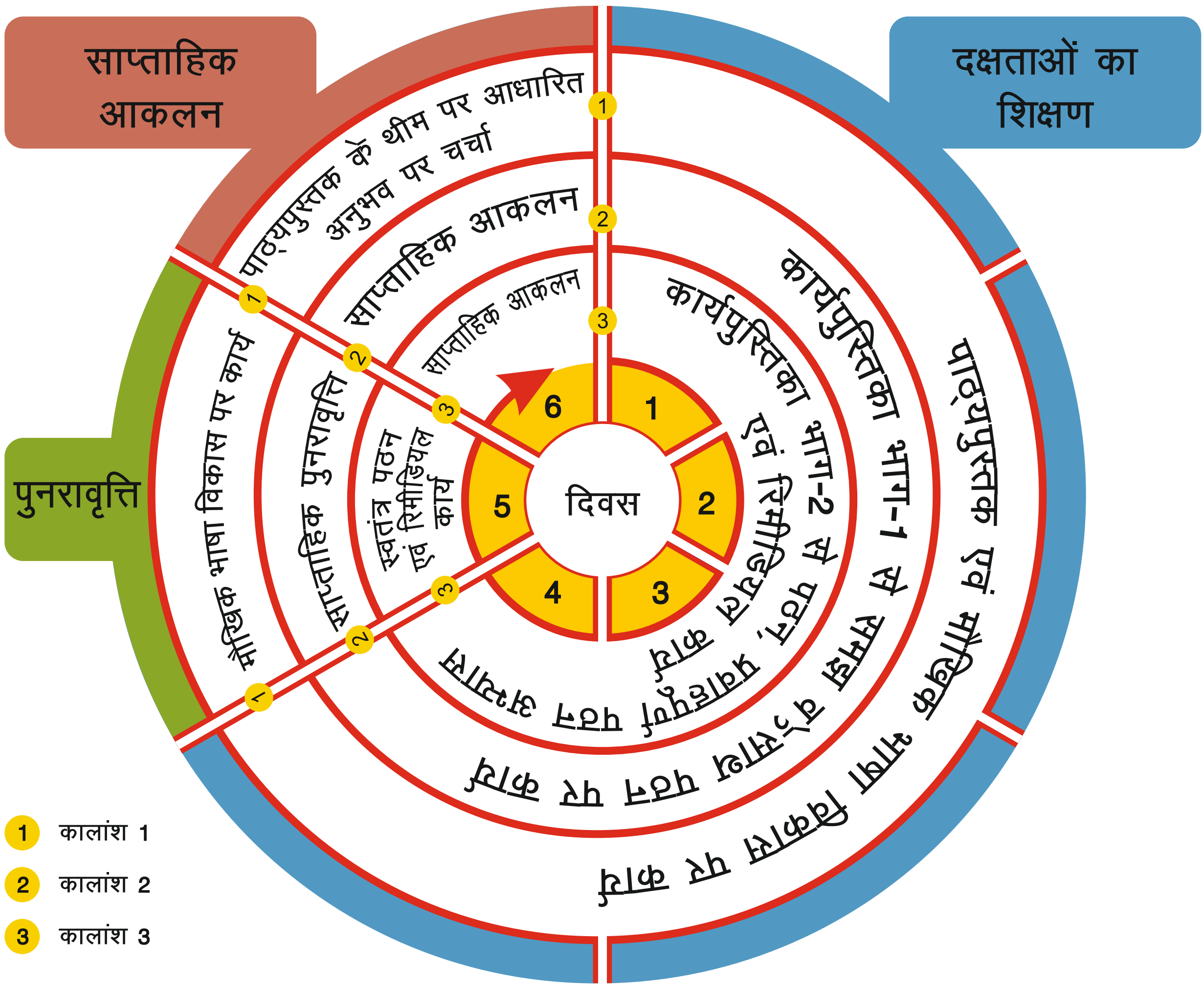

नोटः इस शिक्षण चक्र के अनुसार कक्षा-2 में सप्ताह 1-25 तक कार्य किया जाएगा।

साप्ताहिक एवं दैनिक गतिविधियों का संदर्भ पृष्ठ

अकादमिक वर्ष 2024-25 में भाषा के तीनों कालांशों की शिक्षण योजनाओं में अलग-अलग प्रकार की गतिविधियों की चर्चा की गई है। कक्षा में कार्य करते समय शिक्षण योजना को सुचारू रूप से चलाने के लिए गतिविधियों के चरणों को विस्तार से देखने की आवश्यकता है। इन गतिविधियों का विस्तृत विवरण देखने के लिए नीचे गतिविधियों के सामने उनके विस्तृत चरणों के संदर्भित पृष्ठों की संख्या दी गई है, आप उन पृष्ठों पर जाकर गतिविधियों के विस्तृत चरणों को देख सकते हैं। गतिविधियों के चरणों को पहले से पढ़कर आवश्यकतानुसार तैयारी कर लें, ताकि कक्षा-कक्ष की प्रक्रिया प्रभावी रूप से पूरी की जा सके।

कालांश	खंड	गतिविधि	पृष्ठ संख्या
1 (40 मिनट)	**मौखिक भाषा विकास और पाठ्यपुस्तक 'सारंगी-2' एवं संबंधित लेखन पर कार्य (सप्ताह 1-25)**	सौहार्दपूर्ण वातावरण निर्माण की गतिविधियाँ	158
		सामाजिक भावनात्मक विकास (SEL) और मौखिक खेल की गतिविधियाँ	159-164
		मौखिक कहानी सुनाना	164
		कविता/कहानी पोस्टर पर कार्य	165
		चित्र चार्ट पर कार्य	166
		पाठ्यपुस्तक पर कार्य करने की रणनीति	166-168
		चित्र कहानी पोस्टर	168-169
		सृजनात्मक गतिविधियाँ (सप्ताह 9-25)	169-171
		अनुभव पर चर्चा	171
2 (40 मिनट)	**कार्यपुस्तिका भाग-1 पर कार्य (सप्ताह 1-25)**	वर्ण/अक्षर/मात्रा पहचान/ब्लेंडिंग/शब्द पर कार्य	172-173
		पाठ्यपुस्तक आधारित विस्तारित गतिविधियाँ एवं स्तरित पाठ पर कार्य	173-174
		श्रुतलेख पर कार्य करने की रणनीति	175
3 (40 मिनट)	**कार्यपुस्तिका भाग-2 पर कार्य (सप्ताह 1-25)**	पठन अभ्यास पर कार्य	176
		प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास पर कार्य	176-177
		स्वतंत्र पठन पर कार्य	177
		आकलन एवं दैनिक रिमीडियल कार्य	178-185

शिक्षण सामग्रियों का विवरण

अकादमिक **वर्ष 2024-25** में कक्षा-2 में तीनों कालांशों में भाषा शिक्षण हेतु निम्न सामग्रियाँ उपयोग में ली जाएँगी-

कक्षा-2 की भाषा की पाठ्यपुस्तक सारंगी-2 मुख्य रूप से भाषा के चार खंडीय मॉडल पर आधारित है। इसमें **मौखिक भाषा विकास, डिकोडिंग, पठन** एवं **लेखन** आधारित गतिविधियाँ एक साथ दी गई हैं। **मौखिक भाषा विकास** के अवसर से सम्बन्धित **'चित्र और बातचीत, कविता, आओ कुछ बनाएँ, खेल-खेल में एवं खोजें और जानें'** आदि गतिविधियाँ हैं। वहीं **डिकोडिंग** (शब्द पहचान, ब्लेंडिंग आदि) के अवसर से सम्बन्धित गतिविधियों में अलग-अलग पाठों में **'शब्दों का खेल'** गतिविधि प्रमुख रूप से है। **पढ़ने** का अवसर से सम्बन्धित गतिविधियों में मुख्य रूप से **'आनंदमयी कविता, खेलगीत, सुनें कहानी, मिलकर पढ़िए'** आदि दिए गए हैं। **लेखन** सम्बन्धित गतिविधियों की बात की जाए तो पाठ्यपुस्तक के प्रत्येक पाठ के पीछे अभ्यास गतिविधियों में लिखने का प्रारम्भ **चित्रों से, अक्षर प्रतीकों** से होता हुआ **शब्द एवं वाक्य लिखने** तक की गतिविधियों का समावेशन किया गया है।

सारंगी-2 के अलग-अलग पाठों एवं उनकी अभ्यास गतिविधियों पर कार्य करने की रणनीतियों को आप इसी शिक्षक संदर्शिका के आगे के हिस्सों में विस्तार से देख सकते हैं।

कविता पोस्टर

- **कविता पोस्टर** का उपयोग **कालांश-1** में शुरुआती **सप्ताह 1-5** में किया जाएगा।
- **कविता पोस्टर** के द्वारा बच्चों के मौखिक शब्दावली विकास एवं कविता गायन पर कार्य किया जाएगा।

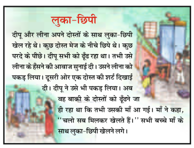

कहानी पोस्टर

- **कहानी पोस्टर** का उपयोग **कालांश-1** में **सप्ताह 2-6** में किया जाएगा।
- **कहानी पोस्टर** के द्वारा बच्चों के मौखिक शब्दावली विकास एवं मौखिक भाषा की दक्षताएँ जैसे- अनुमान लगाना, विश्लेषण करना आदि पर कार्य किया जाएगा।

चित्र चार्ट

- **चित्र चार्ट** का उपयोग **कालांश-1** में **सप्ताह 1-19** में किया जाएगा।
- **चित्र चार्ट** के माध्यम से बच्चे अपने घर की भाषा में बात कहने में सक्षम हो पाएँगे। साथ ही, अनुमान लगाना, कल्पना करना आदि दक्षताओं के विकास पर भी कार्य किया जाएगा।

चित्र कहानी पोस्टर

- चित्र कहानी पोस्टर का उपयोग **कालांश-1** में **सप्ताह 12-19** में किया जाएगा।
- चित्र कहानी पोस्टर के माध्यम से बच्चे अपने घर की भाषा में बात कहने में सक्षम हो पाएँगे। साथ ही, अनुमान लगाना, कल्पना करना आदि दक्षताओं के विकास पर भी कार्य किया जाएगा।

कार्यपुस्तिका (भाग-1 और भाग-2)

- कार्यपुस्तिका, पाठ्यपुस्तक से संरेखित है। कार्यपुस्तिका के दो भाग हैं।
- **कार्यपुस्तिका भाग-1** का उपयोग **कालांश-2** में और **कार्यपुस्तिका भाग-2** का उपयोग **कालांश-3** में किया जाएगा।
- **कार्यपुस्तिका भाग-1** से समझ के साथ पढ़ने की गतिविधियों पर एवं **कार्यपुस्तिका भाग-2** से पठन अभ्यास, प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास पर कार्य किया जाएगा।

1 2 3 कालांशों की रूपरेखा

- इस संदर्शिका में 25 सप्ताहों की शिक्षण कार्य योजना दी गई है। प्रत्येक सप्ताह में कुल 6 दिन शिक्षण कार्य होगा। भाषा शिक्षण के लिए प्रतिदिन 40-40 मिनट के तीन कालांश निर्धारित हैं।
- कालांश-1 में पाठ्यपुस्तक 'सारंगी-2' एवं मौखिक भाषा विकास से संबंधित गतिविधियों पर कार्य किया जाएगा।
- कालांश-2 में समझ के साथ पढ़ने पर कार्य किया जाएगा।
- कालांश-3 में पठन अभ्यास, स्वतंत्र पठन, प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास पर कार्य किया जाएगा।
- रिमीडियल कार्य सप्ताह के शुरुआती पाँच दिवस के तीसरे कालांश में किया जाएगा।

1 कालांश — 40 मिनट

गतिविधियाँ

- कविता / बालगीत
- पाठ्यपुस्तक से पठन
- चित्र कहानी पोस्टर / कहानी पोस्टर / कविता पोस्टर एवं चित्र चार्ट पर कार्य एवं संबंधित लेखन
- अनुभव पर चर्चा
- सामाजिक एवं भावनात्मक विकास से संबंधित गतिविधियाँ
- सृजनात्मक खेल गतिविधियाँ / मौखिक भाषा विकास की खेल गतिविधियाँ
- मौखिक कहानी सुनाना

शिक्षण सामग्री

- पाठ्यपुस्तक **'सारंगी-2'**
- चित्र कहानी पोस्टर
- कविता पोस्टर
- कहानी पोस्टर
- चित्र चार्ट
- शिक्षक संदर्शिका

2 कालांश — 40 मिनट

गतिविधियाँ

- पुनरावृत्ति (वर्ण / अक्षर / शब्द पठन / वाक्यांश और वाक्य पठन)
- पाठ्यपुस्तक आधारित विस्तारित गतिविधियाँ
- स्तरित पाठ से पठन एवं लेखन कार्य

शिक्षण सामग्री

- कार्यपुस्तिका (भाग-1)
- शिक्षक संदर्शिका

3 कालांश — 40 मिनट

गतिविधियाँ

- पठन अभ्यास
- प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास
- रिमीडियल कार्य
- स्वतंत्र पठन

शिक्षण सामग्री

- कार्यपुस्तिका (भाग-2)
- पुस्तकालय की किताबें
- शिक्षक संदर्शिका

- प्रत्येक सप्ताह के दिवस 6 में कालांश 2 और 3 में साप्ताहिक आकलन 'मैंने सीख लिया' पर कार्य किया जाएगा।

☞ कालांश 1 एवं 2 में गतिविधियों से संबंधित लेखन कार्य भी किया जाएगा।

सप्ताह 1 **दिवस 1**

मौखिक भाषा विकास पर कार्य

कालांश 1 — 40 मिनट

विद्यालय और साथियों से जुड़ाव

विषयवस्तु: SEL और मौखिक खेल

तैयारी: खेल से संबंधित सामग्री पहले से एकत्र कर लें।

खेल गतिविधि (7-10 मिनट)

- आप खेल गतिविधि **'करके दिखाओ'** के विस्तृत चरणों को संदर्शिका से देखें। गतिविधि से संबंधित सभी निर्देश स्पष्टता के साथ बच्चों को देते हुए गतिविधि कराएँ, जैसे- आप एक पर्ची उठाएँ और उसे पढ़कर बताएँ। फिर पर्ची में लिखे हुए कार्य को करके दिखाएँ।
- अब बच्चों से कहें कि वह भी कोई नई क्रिया करते हुए अपना परिचय दें।

सामाजिक भावनात्मक विकास गतिविधि (10-15 मिनट)

- आज **'परिचय'** की गतिविधि बच्चों के साथ कराएँ। इससे संबंधित सभी निर्देश संदर्शिका से स्पष्टता के साथ बच्चों को दें।

लेखन कार्य (7-10 मिनट)

- आप बच्चों को आज की गतिविधि से संबंधित कोई चित्र बनाकर, उनमें रंग भरने और अपने साथी के साथ बातचीत करने को कहें।
- जब बच्चे चित्र बना लें, तो उनके चित्र **'बच्चों का कोना'** में लगा दें। अब कुछ बच्चों को बुलाकर चित्रों पर हुई चर्चा को सभी के साथ साझा करने को कहें।

कार्यपुस्तिका (भाग-1) पर कार्य

कालांश 2 — 40 मिनट

चयनित वर्णों (क, र) को पहचानना और उन्हें मिलाकर पढ़ना।

विषयवस्तु: डिजिटल कार्यपुस्तिका

तैयारी: डिकोडिंग कौशल के चरणों को समझ लें।

कार्यपुस्तिका सप्ताह-1 दिवस -1 पर कार्य करें -

- **गतिविधि-1 (7-10 मिनट) :** आप बोर्ड पर **'क'** और **'र'** वर्ण को अन्य वर्ण (8-10) के साथ लिखें। फिर 4-5 बच्चों को बुलाकर 'क' और 'र' वर्ण पहचानने और उस पर गोला लगाने को कहें। जब बच्चे गोला लगा रहे हों तो सभी बच्चों को ध्यान से देखने को कहें।
- **गतिविधि-2 (7-10 मिनट) :** बच्चों को अपनी नोटबुक/कॉपी में **'क'** और **'र'** वर्ण को पाँच-पाँच बार लिखने को कहें। इस दौरान आवश्यकतानुसार उनकी मदद करें।
- **गतिविधि-3 (5-7 मिनट) :** आप **'र'** और **'क'** वर्ण से शुरू होने वाले कुछ शब्दों को बोर्ड पर लिखें। फिर उन शब्दों को पढ़ें और बच्चों से उन शब्दों की पहली ध्वनि पहचानकर उसका प्रतीक बोर्ड पर लिखवाने का अभ्यास करवाएँ। इसके बाद बच्चों को अपनी नोटबुक/कॉपी में शब्दों का पहला वर्ण लिखने को कहें। जैसे- रबर का पहला वर्ण 'र'।
- **गतिविधि-4 (7-10 मिनट) :** बच्चों को नोटबुक/कॉपी में कटहल का चित्र बनाकर उसमें रंग भरने को कहें। जब बच्चे चित्र बना लें तो अपने साथियों को दिखाने को कहें।

कार्यपुस्तिका (भाग-2) पर कार्य

कालांश 3 — 40 मिनट

बच्चों द्वारा पठन अभ्यास

विषयवस्तु: डिजिटल कार्यपुस्तिका- पठन अभ्यास-1

तैयारी: अभ्यास के लिए अन्य शब्दों की सूची बना लें।

पठन अभ्यास (35-37 मिनट)

- पठन अभ्यास-1 में दिए गए शब्दों को बोर्ड पर लिखें और फिर पढ़कर सुनाएँ।
- आप बच्चों को बोर्ड पर लिखे शब्दों को जोड़ियों/समूहों में बारी-बारी से पढ़ने को कहें। इस दौरान आप कक्षा में घूम-घूमकर अवलोकन करें और आवश्यकतानुसार उनकी सहायता करें।
- पठन अभ्यास के अंत में कुछ शब्दों पर बातचीत करें और शब्दों को नोटबुक/कॉपी में लिखने और पढ़ने को कहें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा: आज की गतिविधियों के दौरान क्या आप सभी बच्चों को उनके नाम से संबोधित कर पाए? प्रयास यह होना चाहिए कि बच्चों को हमेशा उनके नाम से संबोधित किया जाए।

मौखिक भाषा विकास पर कार्य

कालांश 1 40 मिनट

चित्र के बारे में अपने घर की भाषा में बात करना।

विषयवस्तु: चित्र चार्ट **'गाँव'**।

तैयारी: बंद एवं खुले छोर के प्रश्न तैयार कर लें।

चित्र चार्ट पर शिक्षक द्वारा चर्चा (5-7 मिनट)

- आप बच्चों से चित्र चार्ट में दिख रही चीजों/घटनाओं/गतिविधियों के बारे में कुछ बंद छोर के प्रश्न पूछें, जैसे- बच्चे क्या खेल रहे हैं? आदि। फिर प्रत्येक प्रश्न पर बच्चों की प्रतिक्रियाएँ लें।

चित्र चार्ट पर समृद्ध चर्चा (10-15 मिनट)

- आप चर्चा को आगे बढ़ाएँ और 4-5 खुले छोर के प्रश्न पूछें, जैसे- बच्चे और कौन-कौन से खेल खेलते हैं? चारपाई पर बैठे लोग क्या बातें कर रहे होंगे? आदि। बच्चों को अपने घर की भाषा में बात कहने के लिए प्रोत्साहित करें।

लेखन कार्य (10-15 मिनट)

- आप बच्चों से चित्र चार्ट पर हुई चर्चा से जुड़ा, कोई चित्र बनाने को कहें। फिर बच्चों को जोड़ियों में बाँटकर आपस में चर्चा करने को कहें।
- अंत में, किन्हीं 3-4 बच्चों को सभी के साथ अपने चित्र पर बातचीत करने को कहें।

कार्यपुस्तिका (भाग-1) पर कार्य

कालांश 2 40 मिनट

चयनित वर्णों (न, म) और उनसे बनने वाले शब्दों को पढ़ना।

विषयवस्तु: डिजिटल कार्यपुस्तिका

तैयारी: डिकोडिंग कौशल के चरणों को समझ लें।

कार्यपुस्तिका सप्ताह-1 दिवस-2 पर कार्य करें -

- **गतिविधि-1 (7-10 मिनट) :** आप बोर्ड पर **'न'** और **'म'** वर्ण को अन्य वर्ण (8-10) के साथ लिखें। फिर 4-5 बच्चों को बुलाकर 'न' और 'म' वर्ण पहचानने और उस पर गोला लगाने को कहें। जब बच्चे गोला लगा रहे हों तो सभी बच्चों को ध्यान से देखने को कहें।
- **गतिविधि-2 (7-10 मिनट) :** बच्चों को अपनी नोटबुक/कॉपी में **'न'** और **'म'** वर्ण को पाँच-पाँच बार लिखने को कहें। इस दौरान आवश्यकतानुसार उनकी मदद करें।
- **गतिविधि-3 (5-7 मिनट) :** आप **'न'** और **'म'** वर्ण से शुरू होने वाले कुछ शब्दों को बोर्ड पर लिखें। फिर उन शब्दों को पढ़ें और बच्चों से उन शब्दों की पहली ध्वनि पहचानकर उसका प्रतीक बोर्ड पर लिखवाने का अभ्यास करवाएँ। इसके बाद बच्चों को अपनी नोटबुक/कॉपी में शब्दों का पहला वर्ण लिखने को कहें। जैसे- नमक का पहला वर्ण 'न'।
- **गतिविधि-4 (7-10 मिनट) :** आप बोर्ड पर कुछ शब्दों के वर्णों/अक्षरों को तोड़कर लिखें, जैसे- [क] [र] → [कर] [न] [म] → [नम] [क] [म] → [कम] [म] [न] → [मन] [न] [र] [म] → [नरम] [क] [र] [न] → [करन] आदि। फिर एक-एक वर्णों/अक्षरों पर अंगुली रखते हुए मिलाकर एक शब्द के रूप में पढ़कर दिखाएँ। इसके बाद सभी बच्चों को इन्हें बोर्ड से अपनी नोटबुक/कॉपी में पढ़ते हुए लिखने को कहें।

कार्यपुस्तिका (भाग-2) पर कार्य

कालांश 3 40 मिनट

बच्चों द्वारा पठन अभ्यास

विषयवस्तु: डिजिटल कार्यपुस्तिका- पठन अभ्यास-1

तैयारी: अभ्यास के लिए अन्य शब्दों की सूची बना लें।

पठन अभ्यास (35-37 मिनट)

- आप बोर्ड पर कल के शब्दों को लिखें और बच्चों को पठन अभ्यास-1 को आदर्श रूप से पढ़कर सुनाएँ। अब बच्चों को जोड़ियों/समूहों में बाँटकर पिछले दिवस में नोटबुक/कॉपी में लिखे शब्दों को पढ़ने को कहें। आप कक्षा में घूमते हुए कुछ बच्चों के पास जाएँ और आवश्यकतानुसार उनकी सहायता करें। कुछ बच्चों को कक्षा के समक्ष पढ़ने को कहें। अंत में, शब्दों पर संक्षिप्त चर्चा करके समेकन करें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा: आज के दिवस में की गई सभी गतिविधियों पर चिंतन करें कि आज किन गतिविधियों में बच्चों ने सबसे अधिक प्रतिभाग किया? और किस गतिविधि के लिए और बेहतर योजना बनाने की आवश्यकता है ?

मौखिक भाषा विकास पर कार्य

कालांश 1 40 मिनट

चित्र के बारे में अपने घर की भाषा में बात करना।

विषयवस्तु: चित्र चार्ट **'गाँव'**।

तैयारी: बंद एवं खुले छोर के प्रश्न तैयार कर लें।

चित्र चार्ट पर शिक्षक द्वारा चर्चा (5-7 मिनट)

- कल की चर्चा को संक्षेप में दोहराते हुए बच्चों से कुछ बंद छोर के प्रश्न पूछें एवं बातचीत करें।
- आप चर्चा को आगे बढ़ाएँ और कुछ नए बंद एवं 4-5 खुले छोर के प्रश्न पूछें, जैसे- बच्चे और क्या-क्या खेल, खेल रहे होंगे? आदि।

चित्र चार्ट पर समृद्ध चर्चा (10-15 मिनट)

- चित्र चार्ट पर दूसरे दिन कार्य करने के दौरान, आप यह सुनिश्चित करें कि आप 4-5 खुले छोर के प्रश्न पूछ रहे हों, जैसे- आपके गाँव में मुर्गी, गाय के अलावा और कौन से जानवर हैं? आदि। सुनिश्चित करें कि सभी बच्चों को बोलने के अवसर मिलें।

लेखन कार्य (10-15 मिनट)

- अब आप बच्चों को उनकी पसंद का कोई चित्र बनाकर उसमें रंग भरने को कहें। अंत में, किन्हीं 3-4 बच्चों को सभी के साथ अपने चित्र पर बातचीत करने को कहें।

कार्यपुस्तिका (भाग-1) पर कार्य

कालांश 2 40 मिनट

चयनित वर्णों (स एवं मात्रा 'ा') और उनसे बनने वाले शब्दों को पढ़ना।

विषयवस्तु: डिजिटल कार्यपुस्तिका

तैयारी: डिकोडिंग कौशल के चरणों को समझ लें।

कार्यपुस्तिका सप्ताह-1 दिवस-3 पर कार्य करें -

- **गतिविधि-1 (5-7 मिनट) :** बच्चों को अपनी नोटबुक/कॉपी में **'स'** वर्ण को पाँच-पाँच बार लिखने को कहें। इस दौरान आवश्यकतानुसार उनकी मदद करें।
- **गतिविधि-2 (5-7 मिनट) :** आप **'स'** और **'र'** वर्ण से शुरू होने वाले कुछ शब्दों को बोर्ड पर लिखें। फिर उन शब्दों को पढ़ें और बच्चों से उन शब्दों की पहली ध्वनि पहचानकर उसका प्रतीक बोर्ड पर लिखवाने का अभ्यास करवाएँ। इसके बाद बच्चों को अपनी नोटबुक/कॉपी में शब्दों का पहला वर्ण लिखने को कहें। जैसे- सड़क का पहला वर्ण 'स'।
- **गतिविधि 3 और 4 (7-10 मिनट) :** आप बोर्ड पर अब तक दोहराए गए कुछ वर्णों को एवं उन वर्णों में 'ा' प्रतीक लगाकर लिखें, जैसे न - ना, क - का, म - मा, र - रा आदि। अब लिखे गए वर्णों/अक्षरों को उच्चारित करें और बच्चों से ध्वनि का अंतर पहचानने का अभ्यास करवाएँ। इसके बाद बच्चों को नोटबुक/कॉपी में मछली का चित्र बनाकर उसमें रंग भरने को कहें।
- **गतिविधि-5 (5-7 मिनट) :** आप बोर्ड पर कुछ शब्दों के वर्णों/अक्षरों को तोड़कर लिखें, जैसे- [का] [र] → [कार] [ना] [म] → [नाम] [मा] [मा] → [मामा] [सा] [रा] → [सारा] आदि। फिर एक-एक वर्णों/अक्षरों पर अंगुली रखते हुए मिलाकर एक शब्द के रूप में पढ़ते जाएँ। इसके बाद सभी बच्चों को इन्हें बोर्ड से अपनी नोटबुक/कॉपी में पढ़ते हुए लिखने को कहें।
- **गतिविधि-6 (5 मिनट) :** आप कुछ शब्दों को बोर्ड पर लिखें, जैसे- मन, रस, कम, काम, नाम, कार, मामा, नाना, सारा, करन आदि। फिर अंगुली रखकर एक-एक शब्दों को पढ़ते जाएँ। इसके बाद बच्चों को इन्हें नोटबुक/कॉपी में लिखकर जोड़ियों में पढ़ने को कहें।

कार्यपुस्तिका (भाग-2) पर कार्य

कालांश 3 40 मिनट

बच्चों द्वारा पठन अभ्यास

विषयवस्तु: डिजिटल कार्यपुस्तिका- पठन अभ्यास-2

तैयारी: अभ्यास के लिए अन्य शब्दों की सूची बना लें।

पठन अभ्यास (35-37 मिनट)

- पठन अभ्यास-2 में दिए गए शब्दों को बोर्ड पर लिखें और फिर पढ़कर सुनाएँ।
- आप बच्चों को बोर्ड पर लिखे शब्दों को जोड़ियों/समूहों में बारी-बारी से पढ़ने को कहें। इस दौरान आप कक्षा में घूम-घूमकर अवलोकन करें और आवश्यकतानुसार उनकी सहायता करें।
- पठन अभ्यास के अंत में कुछ शब्दों पर बातचीत करें और शब्दों को नोटबुक/कॉपी में लिखने और पढ़ने को कहें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा: क्या बच्चे कार्यपुस्तिका से पढ़ने के दौरान वर्णों/शब्दों पर अंगुली रखकर पढ़ रहे थे? बच्चों से इसकी अपेक्षा रखें और इससे संबंधित निर्देश नियमित रूप से दें।

मौखिक भाषा विकास पर कार्य

कालांश 1 — 40 मिनट

विद्यालय और साथियों से जुड़ाव।

विषयवस्तु: SEL और मौखिक खेल

तैयारी: खेल से संबंधित सामग्री पहले से एकत्र कर लें।

खेल गतिविधि (7-10 मिनट)

- आप खेल गतिविधि **'मैं होता तो क्या करता'** के विस्तृत चरणों को संदर्शिका से देखें। गतिविधि से संबंधित सभी निर्देश स्पष्टता के साथ बच्चों को देते हुए गतिविधि कराएँ, जैसे- आप भी एक पर्ची उठाकर, पर्ची में लिखे हुए जानवर के नाम को पढ़कर बताएँ। फिर आप कहें कि आप यह जानवर होते तो क्या करते?

सामाजिक भावनात्मक विकास गतिविधि (10-15 मिनट)

- आज **'महसूस करें और चलें'** की गतिविधि बच्चों के साथ कराएँ। इससे संबंधित सभी निर्देश संदर्शिका से स्पष्टता के साथ बच्चों को दें।

लेखन कार्य (7-10 मिनट)

- आप बच्चों को आज की गतिविधि से संबंधित कोई चित्र बनाकर, उनमें रंग भरने और अपने साथी के साथ बातचीत करने को कहें।
- जब बच्चे चित्र बना लें, तो उनके चित्र **'बच्चों का कोना'** में लगा दें। अब कुछ बच्चों को बुलाकर चित्रों पर हुई चर्चा को सभी के साथ साझा करने को कहें।

कार्यपुस्तिका (भाग-1) पर कार्य

कालांश 2 — 40 मिनट

चयनित वर्णों (त, ल, ब एवं मात्रा ' ि') और उनसे बनने वाले शब्दों को पढ़ना।

विषयवस्तु: डिजिटल कार्यपुस्तिका

तैयारी: डिकोडिंग कौशल के चरणों को समझ लें।

कार्यपुस्तिका सप्ताह-1 दिवस-4 पर कार्य करें -

- **गतिविधि-1 (7-10 मिनट) :** बच्चों को अपनी नोटबुक/कॉपी में **'त'**, **'ब'** और **'ल'** वर्ण को पाँच-पाँच बार लिखने को कहें। इस दौरान आवश्यकतानुसार उनकी मदद करें।
- **गतिविधि-2 (5-7 मिनट) :** आप **'त'**, **'ब'** और **'ल'** वर्ण से शुरू होने वाले कुछ शब्दों को बोर्ड पर लिखें। फिर उन शब्दों को पढ़ें और बच्चों से उन शब्दों की पहली ध्वनि पहचानकर उसका प्रतीक बोर्ड पर लिखवाने का अभ्यास करवाएँ। इसके बाद बच्चों को अपनी नोटबुक/कॉपी में शब्दों का पहला वर्ण लिखने को कहें। जैसे- बस का पहला वर्ण 'ब'।
- **गतिविधि-3 (5-7 मिनट) :** आप बोर्ड पर अब तक दोहराए गए कुछ वर्णों को एवं उन वर्णों में ' ी ' प्रतीक लगाकर लिखें, जैसे ब - बी, त - ती, ल - ली, क - की आदि। अब लिखे गए वर्णों/अक्षरों को उच्चारित करें और बच्चों से ध्वनि का अंतर पहचानने का अभ्यास करवाएँ।
- **गतिविधि-4 (5 मिनट) :** आप कुछ शब्दों को बोर्ड पर लिखें, जैसे- बस, कल, बल, तब, कील, बीस, तीर, कली, नीम, तबला आदि। फिर अंगुली रखकर एक-एक शब्दों को पढ़ते जाएँ। इसके बाद बच्चों को इन्हें नोटबुक/कॉपी में लिखकर जोड़ियों में पढ़ने को कहें।
- **गतिविधि-5 (5-7 मिनट) :** आप बच्चों को अब तक दोहराए गए वर्णों/मात्राओं से बनने वाले पाँच शब्द बोलें और बच्चों को नोटबुक/कॉपी में लिखने को कहें।

'सुनकर लिखें' गतिविधि समाप्त होने पर बोले गए शब्दों को बोर्ड पर लिखें और बच्चों को जोड़ियों में करके एक दूसरे की नोटबुक/कॉपी जाँचने को कहें।

कार्यपुस्तिका (भाग-2) पर कार्य

कालांश 3 — 40 मिनट

बच्चों द्वारा पठन अभ्यास

विषयवस्तु: डिजिटल कार्यपुस्तिका- पठन अभ्यास-2

तैयारी: अभ्यास के लिए अन्य शब्दों की सूची बना लें।

पठन अभ्यास (35-37 मिनट)

- आप बोर्ड पर कल के शब्दों को लिखें और बच्चों को पठन अभ्यास-2 को आदर्श रूप से पढ़कर सुनाएँ। अब बच्चों को जोड़ियों/समूहों में बाँटकर पिछले दिवस में नोटबुक/कॉपी में लिखे शब्दों को पढ़ने को कहें। आप कक्षा में घूमते हुए कुछ बच्चों के पास जाएँ और आवश्यकतानुसार उनकी सहायता करें। कुछ बच्चों को कक्षा के समक्ष पढ़ने को कहें। अंत में, शब्दों पर संक्षिप्त चर्चा करके समेकन करें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा: क्या कक्षा के सभी बच्चे शब्दों को सटीक रूप से ब्लेंड करके शब्दों की तरह (एक इकाई के रूप में) पढ़ पा रहे हैं? यह सुनिश्चित करें कि सभी बच्चे इस कौशल को निपुणता से कर पाएँ।

मौखिक भाषा विकास पर कार्य

कालांश 1 40 मिनट

कविता गायन और मौखिक शब्दावली विकास

विषयवस्तुः कविता पोस्टर **'खीरा-ककड़ी'**

तैयारीः विषय से संबंधित चर्चा के बिन्दु तय कर लें।

मौखिक रूप से कविता सुनाना (7-10 मिनट)

- आप कविता पोस्टर बच्चों को दिखाते हुए, कविता के शीर्षक का अनुमान बच्चों से लगाने को कहें। जैसे- यह कविता किसके बारे में है?
- अब आप उन्हें हाव-भाव के साथ, कविता मौखिक रूप से 1-2 बार सुनाएँ। इसके बाद कविता पोस्टर दिखाते हुए, कविता के प्रत्येक शब्द पर अंगुली रखते हुए पढ़ें एवं कठिन/अमूर्त शब्दों को बोर्ड पर लिखें।

कविता पर शब्दावली विकास (5-7 मिनट)

- कविता में आए कठिन/अमूर्त शब्दों, जैसे- बतिया, पकड़ी आदि के अर्थ बच्चों के परिवेश से जोड़ते हुए समझाएँ।

बच्चों द्वारा आपस में चर्चा (7-10 मिनट)

- कविता समाप्त होने के बाद बच्चों को जोड़ियों में बाँटकर, कुछ प्रश्नों के माध्यम से कविता के बारे में उनसे बातचीत करें, जैसे- बकरी क्या-क्या खाती होगी? अगर ककड़ी बकरी को पकड़ लेती तो क्या होता? आदि। बच्चों को अपने घर की भाषा में बातचीत करने के लिए प्रोत्साहित करें।

लेखन कार्य (7-10 मिनट)

- बच्चों को कविता से जुड़ा कोई चित्र बनाने को कहें और अपने साथी को दिखाने और उस पर थोड़ी बातचीत करने को कहें। फिर, किन्हीं 3-4 बच्चों को सभी के साथ अपने चित्र पर बातचीत करने को कहें।

कार्यपुस्तिका (भाग-1) पर कार्य

कालांश 2 40 मिनट

सप्ताह में सिखाए गए वर्णों/अक्षरों/शब्दों पर पुनरावृत्ति कार्य।

विषयवस्तुः डिजिटल कार्यपुस्तिका

तैयारीः डिकोडिंग कौशल के चरणों को समझ लें।

कार्यपुस्तिका सप्ताह-1 दिवस-5 पर कार्य करें -

- **गतिविधि-1 (7-10 मिनट) :** आप वर्ण में 'ी' प्रतीक से शुरू होने वाले कुछ शब्दों को बोर्ड पर लिखें। फिर उन शब्दों को पढ़ें और बच्चों से उन शब्दों की पहली ध्वनि पहचानकर उसका प्रतीक बोर्ड पर लिखवाने का अभ्यास करवाएँ।
- **गतिविधि-2 (5-7 मिनट) :** आप बोर्ड पर शब्दों के वर्णों/अक्षरों को तोड़कर लिखें, जैसे- नी म → नीम , इसी प्रकार 4-5 शब्दों को लिखें। फिर एक-एक वर्णों/अक्षरों पर अंगुली रखते हुए मिलाकर एक शब्द के रूप में पढ़ते जाएँ। फिर बच्चों को बोर्ड से नोटबुक/कॉपी में पढ़ते हुए लिखने को कहें।
- **गतिविधि-3 (7-10 मिनट) :** आप बोर्ड पर एक छोटी ग्रिड बनाएँ, जिसमें नीम, ताली, कान, नाम, नील, कील आदि लिखें। ग्रिड से शब्द खोजने की प्रक्रिया बच्चों को करके दिखाएँ। फिर ग्रिड से खोजे गए शब्दों को बच्चों को नोटबुक/कॉपी में पढ़ते हुए लिखने को कहें।
- **गतिविधि 4 और 5 (7-10 मिनट) :** आप अब तक दोहराए गए 10 शब्दों को बोर्ड पर लिखें, जैसे- नील आदि। फिर अंगुली रखकर एक-एक शब्दों को पढ़ते जाएँ। इसके बाद आप बच्चों को अब तक दोहराए गए वर्णों/मात्राओं से बनने वाले पाँच शब्द बोलें और बच्चों को नोटबुक/कॉपी में लिखने को कहें।

स्वतंत्र पठन पर कार्य

कालांश 3 40 मिनट

बच्चों द्वारा चयनित किताब का स्वतंत्र पठन एवं अतिरिक्त सहायता की आवश्यकता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य।

विषयवस्तुः स्वतंत्र पठन एवं रिमीडियल कार्य

तैयारीः चित्रात्मक कहानी की पुस्तकें।

स्वतंत्र पठन (15-17 मिनट)

- आप बच्चों को पुस्तकालय या रीडिंग कॉर्नर से चित्र सहित छोटी कहानी की किताबें अपनी इच्छा से चुनने एवं पढ़ने का अवसर दें। बच्चों को किताबों को उलटने-पलटने, पढ़ने एवं आपस में बातचीत करने के पर्याप्त अवसर दें।
- कुछ बच्चों लगभग 50% (कोशिश करें हर सप्ताह नए बच्चों को मौका मिले) को उनकी किताब की कहानी पर अपनी बात रखने का अवसर दें। बच्चे जैसी भी कहानी बताएँ, उसे स्वीकार करें। बच्चों को कहानी वाक्यों में बताने की अपेक्षा रखें एवं उन्हें सहयोग करें।

रिमीडियल कार्य (15-20 मिनट)

- अवलोकन के आधार पर अतिरिक्त सहायता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य करें। इसके लिए बच्चों के स्तरानुसार वर्ण/शब्द स्तर की गतिविधियाँ कराएँ।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षाः बच्चों को अपनी प्रतिक्रिया पूरे वाक्यों में देने को प्रोत्साहित करें।

मौखिक भाषा विकास पर कार्य

कालांश 1 | 40 मिनट

मौखिक कहानी सुनाना एवं चर्चा।

विषयवस्तु: मौखिक कहानी सुनाना

तैयारी: विषय से संबंधित चर्चा के बिन्दु तय कर लें।

मौखिक रूप से कहानी सुनाना (7-10 मिनट)

- आप बच्चों के स्तर की पूर्व में सुनी या पढ़ी हुई किसी एक कहानी को अपने शब्दों/स्थानीय भाषा में मौखिक रूप से बच्चों को सुनाएँ।
- आप कहानी से बच्चों का जुड़ाव बनाने के लिए बीच में कुछ बंद छोर के प्रश्न भी पूछें, जैसे- कहानी किसके बारे में थी? आदि।

बच्चों के साथ कहानी पर चर्चा (7-10 मिनट)

- बातचीत को समृद्ध बनाने के लिए 4-5 खुले छोर (कल्पना, अनुभव, अनुमान एवं तर्क आधारित) के प्रश्न भी पूछें, जैसे- यदि आप इस कहानी में होते तो क्या करते? आदि।

बच्चों द्वारा आपस में चर्चा (5-7 मिनट)

- कहानी समाप्त होने के बाद बच्चों को जोड़ियों में बाँटकर पात्रों के बारे में चर्चा करने को कहें, जैसे- उन्हें कौन-सा पात्र अच्छा लगा और क्यों? आदि। अंत में, सभी जोड़ियों की प्रतिक्रिया लें।

लेखन कार्य (7-10 मिनट)

- बच्चों को सुनी हुई कहानी पर अपने विचार/समझ कुछ शब्दों या 1 वाक्य में लिखकर व्यक्त करने को कहें।
- लेखन कार्य के बारे में बच्चों को जोड़ियों में बात करने को कहें। कुछ बच्चों को अपनी बात कक्षा के साथ साझा करने को कहें।

आकलन

कालांश 2 | 40 मिनट

साप्ताहिक आकलन

विषयवस्तु: डिजिटल कार्यपुस्तिका

तैयारी: आकलन की योजना और प्रश्न पहले से तैयार करें।

- आप डिजिटल कार्यपुस्तिका के भाग-2 पठन अभ्यास 1 और 2 को बोर्ड पर लिख दें और बच्चों से उसे पढ़ने और फिर लिखने को कहें, साथ ही कक्षा में उपलब्ध अन्य पठन सामग्रियों को पढ़ने के लिए प्रोत्साहित करें।

शिक्षक द्वारा आकलन (30-35 मिनट) :

- आप बच्चों को बारी-बारी से बुलाएँ और उन्हें डिजिटल कार्यपुस्तिका से **'मैंने सीख लिया'** का प्रिंट निकाल लें या कॉपी में स्पष्ट लिख लें , फिर बच्चे को पढ़ने को कहें।
- बच्चों को **'मैंने सीख लिया'** को पढ़ने के लिए पर्याप्त समय दें। अगर बच्चे झिझक रहें हों, तो उन्हें सहज महसूस कराएँ।
- बच्चों द्वारा जितने वर्ण/अक्षर और शब्द सही पढ़े गए हों, उनकी संख्या एक लिस्ट में बच्चों के नाम के साथ लिखें, फिर ट्रैकर भरें।

आकलन

कालांश 3 | 40 मिनट

साप्ताहिक आकलन

विषयवस्तु: डिजिटल कार्यपुस्तिका

तैयारी: आकलन की योजना पहले से तैयार कर लें।

शिक्षक द्वारा आकलन (25-27 मिनट)

- आप कालांश-2 के आकलन को जारी रखें।

सुनकर लिखें (10 मिनट)

- आप बच्चों को सामूहिक रूप से **'सुनकर लिखें'** गतिविधि करवाएँ। सभी बच्चों के लिख लेने के बाद, आप बोर्ड पर शब्द लिख दें और बच्चों को एक-दूसरे की कॉपी जाँचने को कहें। इस पर कार्य करने के विस्तृत चरणों को संदर्शिका से देखें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा: जिन बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य किया गया है, क्या वे बच्चे इस अभ्यास को सफलतापूर्वक कर पाए हैं या नहीं, इसे देखने के लिए उन बच्चों द्वारा किए गए कार्य को अवश्य जाँचें।

मौखिक भाषा विकास पर कार्य

कालांश 1 | 40 मिनट

विद्यालय और साथियों से जुड़ाव

विषयवस्तु: SEL और मौखिक खेल

तैयारी: खेल से संबंधित सामग्री पहले से एकत्र कर लें।

खेल गतिविधि (7-10 मिनट)

- आप खेल गतिविधि **'कहानी सुनो और क्रमबद्ध करो'** के विस्तृत चरणों को संदर्शिका से देखें। गतिविधि से संबंधित सभी निर्देश स्पष्टता के साथ बच्चों को देते हुए गतिविधि कराएँ, जैसे- आप एक सेट की सारी पर्चियों को लेकर कहानी की घटनाओं को क्रम से सजाकर दिखाएँ।

सामाजिक भावनात्मक विकास गतिविधि (10-15 मिनट)

- आज **'क्या अच्छा लगा'** की गतिविधि बच्चों के साथ कराएँ। इससे संबंधित सभी निर्देश संदर्शिका से देखकर स्पष्टता के साथ बच्चों को दें।

लेखन कार्य (7-10 मिनट)

- आप बच्चों को आज की गतिविधि से संबंधित कोई चित्र बनाकर, उनमें रंग भरने और कुछ शब्द या 1 वाक्य लिखने एवं उस पर अपने साथी के साथ बातचीत करने को कहें।
- जब बच्चे चित्र बना लें, तो उनके चित्र **'बच्चों का कोना'** में लगा दें। अब कुछ बच्चों को बुलाकर चित्रों पर हुई चर्चा को सभी के साथ साझा करने को कहें।

कार्यपुस्तिका (भाग-1) पर कार्य

कालांश 2 | 40 मिनट

चयनित वर्णों (द, प, च) और उनसे बनने वाले शब्दों एवं वाक्यांशों को पढ़ना।

विषयवस्तु: डिजिटल कार्यपुस्तिका

तैयारी: डिकोडिंग कौशल के चरणों को समझ लें।

कार्यपुस्तिका सप्ताह-2 दिवस-1 पर कार्य करें -

- **गतिविधि-1 (7-10 मिनट) :** बच्चों को अपनी नोटबुक/कॉपी में **'द'**, **'प'** और **'च'** वर्ण को पाँच-पाँच बार लिखने को कहें। इस दौरान आवश्यकतानुसार उनकी मदद करें।
- **गतिविधि-2 (5 मिनट) :** आप **'द'**, **'प'** और **'च'** वर्ण से शुरू होने वाले कुछ शब्दों को बोर्ड पर लिखें। फिर उन शब्दों को पढ़ें और बच्चों से उन शब्दों की पहली ध्वनि पहचानकर उसका प्रतीक बोर्ड पर लिखवाने का अभ्यास करवाएँ।
- **गतिविधि-3 (5-7 मिनट) :** आप बोर्ड पर शब्दों के वर्णों/अक्षरों को तोड़कर लिखें, जैसे- [प] [ती] [ला] → [पतीला]। इसी प्रकार 4-5 शब्दों को लिखें। फिर एक-एक वर्णों/अक्षरों पर अंगुली रखते हुए मिलाकर एक शब्द के रूप में पढ़ते जाएँ। फिर बच्चों को बोर्ड से नोटबुक/कॉपी में पढ़ते हुए लिखने को कहें।
- **गतिविधि-4 (5-7 मिनट) :** आप बोर्ड पर एक छोटी ग्रिड बनाएँ, जिसमें 4-6 शब्द लिखें, जैसे- ताली आदि। ग्रिड से शब्द खोजने की प्रक्रिया बच्चों को करके बताएँ। फिर ग्रिड से खोजे गए शब्दों को बच्चों को नोटबुक/कॉपी में पढ़ते हुए लिखने को कहें।
- **गतिविधि-5 (5-7 मिनट) :** आप बच्चों को अब तक दोहराए गए वर्णों/अक्षरों से बनने वाले वाक्य जैसे- मदन का बकरा, दीपा का पपीता आदि को बोर्ड पर लिख दें। अंगुली रखकर एक-एक शब्द को पढ़ते जाएँ। फिर बच्चों को भी इन वाक्यों को उच्चारित करते हुए नोटबुक/कॉपी में लिखने को कहें।

कार्यपुस्तिका (भाग-2) पर कार्य

कालांश 3 | 40 मिनट

बच्चों द्वारा पठन अभ्यास एवं अतिरिक्त सहायता की आवश्यकता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य।

विषयवस्तु: डिजिटल कार्यपुस्तिका- पठन अभ्यास-3 एवं रिमीडियल कार्य

तैयारी: रिमीडियल की गतिविधि संदर्शिका से देखें।

पठन अभ्यास (15-17 मिनट)

- पठन अभ्यास-3 में दिए गए शब्दों और वाक्यांशों को बोर्ड पर लिखें और फिर पढ़कर सुनाएँ। आप बच्चों को बोर्ड पर लिखे शब्दों और वाक्यांशों को जोड़ियों/समूहों में बारी-बारी से पढ़ने को कहें। इस दौरान आप कक्षा में घूम-घूमकर अवलोकन करें और आवश्यकतानुसार उनकी सहायता करें।
- पठन अभ्यास के अंत में कुछ शब्दों और वाक्यांशों पर बातचीत करें और शब्दों और वाक्यांशों को नोटबुक/कॉपी में लिखने और पढ़ने को कहें।

रिमीडियल कार्य (15-20 मिनट)

- पिछले सप्ताह के साप्ताहिक आकलन के आधार पर अतिरिक्त सहायता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य करें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा: बच्चों द्वारा लेखन कार्य किए जाने के दौरान क्या आपने घूम-घूमकर उनके कार्य का अवलोकन किया? बच्चों के लेखन कार्य का अवलोकन करें एवं उन्हें आवश्यकतानुसार दैनिक रूप से सहायता दें।

मौखिक भाषा विकास पर कार्य

कालांश 1 | 40 मिनट

चित्र के बारे में अपने घर की भाषा में बात करना।

विषयवस्तु: चित्र चार्ट **'बरसात'**

तैयारी: बंद एवं खुले छोर के प्रश्न तैयार कर लें।

चित्र चार्ट पर शिक्षक द्वारा चर्चा (5-7 मिनट)

- आप बच्चों से चित्र चार्ट में दिख रही चीजों/घटनाओं/गतिविधियों के बारे में कुछ बंद छोर के प्रश्न पूछें, जैसे- चित्र में क्या-क्या दिख रहा है? आदि। फिर प्रत्येक प्रश्न पर बच्चों की प्रतिक्रियाएँ लें।

चित्र चार्ट पर समृद्ध चर्चा (10-15 मिनट)

- आप चर्चा को आगे बढ़ाएँ और 4-5 खुले छोर के प्रश्न पूछें, जैसे- बारिश में चायवाला चाय क्यों बना रहा है? आदि। बच्चों को अपने घर की भाषा में बात कहने के लिए प्रोत्साहित करें।

लेखन कार्य (10-15 मिनट)

- आप बच्चों से चित्र चार्ट पर हुई चर्चा से जुड़ा, कोई चित्र बनाने और कुछ शब्द या 1 वाक्य लिखने एवं उस पर अपने साथी के साथ बातचीत करने को कहें। फिर बच्चों को जोड़ियों में बाँटकर अपने द्वारा बनाए गए चित्र एवं लेखन कार्य पर आपस में चर्चा करने को कहें। अंत में, किन्हीं 3-4 बच्चों को सभी के साथ अपने चित्र पर बातचीत करने को कहें।

कार्यपुस्तिका (भाग-1) पर कार्य

कालांश 2 | 40 मिनट

चयनित वर्णों (अ, ह एवं मात्रा 'े') और उनसे बनने वाले शब्दों एवं वाक्यांशों को पढ़ना।

विषयवस्तु: डिजिटल कार्यपुस्तिका

तैयारी: डिकोडिंग कौशल के चरणों को समझ लें।

कार्यपुस्तिका सप्ताह-2 दिवस-2 पर कार्य करें -

- **गतिविधि-1 (5-7 मिनट) :** बच्चों को अपनी नोटबुक/कॉपी में **'अ'** और **'ह'** वर्ण को पाँच-पाँच बार लिखने को कहें। इस दौरान आवश्यकतानुसार उनकी मदद करें।
- **गतिविधि-2 (5 मिनट) :** आप **'अ'** और **'ह'** वर्ण से शुरू होने वाले कुछ शब्दों को बोर्ड पर लिखें। फिर उन शब्दों को पढ़ें और बच्चों से उन शब्दों की पहली ध्वनि पहचानकर उसका प्रतीक बोर्ड पर लिखवाने का अभ्यास करवाएँ।
- **गतिविधि 3 और 4 (7-10 मिनट) :** आप बोर्ड पर अब तक दोहराए गए कुछ वर्णों को एवं उन वर्णों में ' े ' मात्रा लगाकर लिखें, जैसे न - ने , प - पे , ल - ले, च - चे आदि। इसके साथ लिखे गए वर्णों/अक्षरों को उच्चारित करें और बच्चों से ध्वनि का अंतर पहचानने का अभ्यास करवाएँ। अंत में, कुछ अमात्रिक शब्द बोर्ड पर लिखकर उसमें ' े ' मात्रा लगाकर शब्द के रूप में पढ़ने का अभ्यास कराएँ।
- **गतिविधि-5 (5-7 मिनट) :** आप कुछ शब्दों को बोर्ड पर लिखें, जैसे- तेल, रेल, रेत, केला, देना, ताली, चीनी, हमला, अनार, अचार आदि। फिर अंगुली रखकर एक-एक शब्दों को पढ़ते जाएँ। इसके बाद बच्चों को इन्हें नोटबुक/कॉपी में लिखकर जोड़ियों में पढ़ने को कहें।
- **गतिविधि-6 (5-7 मिनट) :** आप बच्चों को अब तक दोहराए गए वर्णों/अक्षरों से बनने वाले वाक्य जैसे- अनार के दाने लाल-लाल, अकेले हल चलाते बाबा आदि को बोर्ड पर लिख दें। अंगुली रखकर एक-एक शब्द को पढ़ते जाएँ। फिर बच्चों को भी इन वाक्य को उच्चारित करते हुए नोटबुक/कॉपी में लिखने को कहें।

कार्यपुस्तिका (भाग-2) पर कार्य

कालांश 3 | 40 मिनट

बच्चों द्वारा पठन अभ्यास एवं अतिरिक्त सहायता की आवश्यकता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य।

विषयवस्तु: डिजिटल कार्यपुस्तिका- पठन अभ्यास-3 एवं रिमीडियल कार्य

तैयारी: रिमीडियल की गतिविधि संदर्शिका से देखें।

पठन अभ्यास (15-17 मिनट)

- आप बोर्ड पर कल के शब्दों और वाक्यांशों को लिखें और बच्चों को पठन अभ्यास-3 को आदर्श रूप से पढ़कर सुनाएँ। अब बच्चों को जोड़ियों/समूहों में बाँटकर पिछले दिवस में नोटबुक/कॉपी में लिखे शब्दों और वाक्यांशों को पढ़ने को कहें। आप कक्षा में घूमते हुए कुछ बच्चों के पास जाएँ और आवश्यकतानुसार उनकी सहायता करें। कुछ बच्चों को कक्षा के समक्ष पढ़ने को कहें। अंत में, शब्दों और वाक्यांशों पर संक्षिप्त चर्चा करके समेकन करें।

रिमीडियल कार्य (15-20 मिनट)

- पिछले सप्ताह के साप्ताहिक आकलन के आधार पर अतिरिक्त सहायता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य करें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा: क्या कक्षा के सभी बच्चे शब्दों को सटीक रूप से ब्लेंड करके शब्दों की तरह (एक इकाई के रूप में) पढ़ पा रहे हैं? यह सुनिश्चित करें कि सभी बच्चे इस कौशल को निपुणता से कर पाएँ।

मौखिक भाषा विकास पर कार्य

कालांश 1 | 40 मिनट

चित्र के बारे में अपने घर की भाषा में बात करना।

विषयवस्तु: चित्र चार्ट **'बरसात'**

तैयारी: बंद एवं खुले छोर के प्रश्न तैयार कर लें।

चित्र चार्ट पर शिक्षक द्वारा चर्चा (5-7 मिनट)

- कल की चर्चा को संक्षेप में दोहराते हुए बच्चों से कुछ बंद छोर के प्रश्न पूछें एवं बातचीत करें।
- आप चर्चा को आगे बढ़ाएँ और कुछ नए बंद एवं 4-5 खुले छोर के प्रश्न पूछें, जैसे- चित्र में कितने स्कूल के बच्चे भीग रहे हैं? आदि।

चित्र चार्ट पर समृद्ध चर्चा (10-15 मिनट)

- चित्र चार्ट पर दूसरे दिन कार्य करने के दौरान, आप यह सुनिश्चित करें कि आप 4-5 खुले छोर के प्रश्न पूछ रहे हों, जैसे- आपको बरसात में भीगना कैसा लगता है? आदि। सुनिश्चित करें कि सभी बच्चों को बोलने के अवसर मिलें।

लेखन कार्य (10-15 मिनट)

- अब आप बच्चों को उनकी पसंद का कोई चित्र बनाकर उसमें रंग भरने और कुछ शब्द या 1 वाक्य लिखने एवं उस पर अपने साथी के साथ बातचीत करने को कहें।

कार्यपुस्तिका (भाग-1) पर कार्य

कालांश 2 | 40 मिनट

चयनित वर्णों (घ, ग, आ) और उनसे बनने वाले शब्दों/वाक्यांशों को पढ़ना।

विषयवस्तु: डिजिटल कार्यपुस्तिका

तैयारी: डिकोडिंग कौशल के चरणों को समझ लें।

कार्यपुस्तिका सप्ताह-2 दिवस-3 पर कार्य करें -

- **गतिविधि-1 (5-7 मिनट) :** बच्चों को अपनी नोटबुक/कॉपी में **'घ'**, **'ग'** और **'आ'** वर्ण को पाँच-पाँच बार लिखने को कहें। इस दौरान आवश्यकतानुसार उनकी मदद करें।
- **गतिविधि-2 (5 मिनट) :** आप **'घ'**, **'ग'** और **'आ'** वर्ण से शुरू होने वाले कुछ शब्दों को बोर्ड पर लिखें। फिर उन शब्दों को पढ़ें और बच्चों से उन शब्दों की पहली ध्वनि पहचानकर उसका प्रतीक बोर्ड पर लिखवाने का अभ्यास करवाएँ।
- **गतिविधि-3 (7-10 मिनट) :** आप अब तक दोहराए गए वर्णों/मात्राओं से बनने वाले शब्दों के कुछ चित्र बोर्ड पर बनाएँ या डिजिटल कार्यपुस्तिका से दिखा दें। फिर बच्चों को अपनी नोटबुक/कॉपी में चित्रों को पहचानकर उसके नाम लिखने को कहें।
- **गतिविधि-4 (5-7 मिनट) :** आप बच्चों को अब तक दोहराए गए वर्णों/अक्षरों से बनने वाले वाक्य जैसे- करीना की दादी, गीता की दीदी आदि को बोर्ड पर लिख दें। अंगुली रखकर एक-एक शब्द को पढ़ते जाएँ। फिर बच्चों को भी इन वाक्य को उच्चारित करते हुए नोटबुक/कॉपी में लिखने को कहें।
- **गतिविधि-5 (5-7 मिनट) :** आप बच्चों को अब तक दोहराए गए वर्णों/मात्राओं से बनने वाले पाँच शब्द बोलें और बच्चों को नोटबुक/कॉपी में लिखने को कहें।

'सुनकर लिखें' गतिविधि समाप्त होने पर बोले गए शब्दों को बोर्ड पर लिखें और बच्चों को जोड़ियों में करके एक दूसरे की नोटबुक/कॉपी जाँचने को कहें।

कार्यपुस्तिका (भाग-2) पर कार्य

कालांश 3 | 40 मिनट

बच्चों द्वारा पठन अभ्यास एवं अतिरिक्त सहायता की आवश्यकता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य।

विषयवस्तु: डिजिटल कार्यपुस्तिका- पठन अभ्यास-4 एवं रिमीडियल कार्य

तैयारी: रिमीडियल की गतिविधि संदर्शिका से देखें।

पठन अभ्यास (15-17 मिनट)

- पठन अभ्यास-4 में दिए गए शब्दों और वाक्यांशों को बोर्ड पर लिखें और फिर पढ़कर सुनाएँ। आप बच्चों को बोर्ड पर लिखे शब्दों और वाक्यांशों को जोड़ियों/समूहों में बारी-बारी से पढ़ने को कहें। इस दौरान आप कक्षा में घूम-घूमकर अवलोकन करें और आवश्यकतानुसार उनकी सहायता करें।
- पठन अभ्यास के अंत में कुछ शब्दों और वाक्यांशों पर बातचीत करें एवं शब्दों और वाक्यांशों को नोटबुक/कॉपी में लिखने और पढ़ने को कहें।

रिमीडियल कार्य (15-20 मिनट)

- पिछले सप्ताह के साप्ताहिक आकलन के आधार पर अतिरिक्त सहायता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य करें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा: आज के दिवस में की गई सभी गतिविधियों पर चिंतन करें कि आज किन गतिविधियों में बच्चों ने सबसे अधिक प्रतिभाग किया? और किस गतिविधि के लिए और बेहतर योजना बनाने की आवश्यकता है ?

मौखिक भाषा विकास पर कार्य

कालांश 1 40 मिनट

विद्यालय और साथियों से जुड़ाव।

विषयवस्तु: SEL और मौखिक खेल

तैयारी: खेल से संबंधित सामग्री पहले से एकत्र कर लें।

खेल गतिविधि (7-10 मिनट)

- आप खेल गतिविधि **'मैं जो कहूँ'** के विस्तृत चरणों को संदर्शिका से देखें। गतिविधि से संबंधित सभी निर्देश स्पष्टता के साथ बच्चों को देते हुए गतिविधि कराएँ, जैसे- आप किसी बच्चे से बोलें कि वो 1 बोले, तो आप खड़े होकर ताली बजाएँ और फिर जब 2 बोलें तो आप अपनी जगह पर कूदकर दिखाएँ।

सामाजिक भावनात्मक विकास गतिविधि (10-15 मिनट)

- आज **'भावनाओं के भी चित्र होते हैं'** की गतिविधि बच्चों के साथ कराएँ। इससे संबंधित सभी निर्देश संदर्शिका से देखकर स्पष्टता के साथ बच्चों को दें।

लेखन कार्य (7-10 मिनट)

- आप बच्चों को आज की गतिविधि से संबंधित कोई चित्र बनाकर, उनमें रंग भरने और कुछ शब्द या 1 वाक्य लिखने एवं उस पर अपने साथी के साथ बातचीत करने को कहें। जब बच्चे चित्र बना लें, तो उनके चित्र **'बच्चों का कोना'** में लगा दें। अब कुछ बच्चों को बुलाकर चित्रों पर हुई चर्चा को सभी के साथ साझा करने को कहें।

कार्यपुस्तिका (भाग-1) पर कार्य

कालांश 2 40 मिनट

चयनित वर्णों (य, ज एवं मात्रा 'ो') और उनसे बनने वाले शब्दों/वाक्यांशों को पढ़ना।

विषयवस्तु: डिजिटल कार्यपुस्तिका

तैयारी: डिकोडिंग कौशल के चरणों को समझ लें।

कार्यपुस्तिका सप्ताह-2 दिवस-4 पर कार्य करें -

- **गतिविधि-1 (5-7 मिनट) :** बच्चों को अपनी नोटबुक/कॉपी में **'य'** और **'ज'** वर्ण को पाँच-पाँच बार लिखने को कहें। इस दौरान आवश्यकतानुसार उनकी मदद करें।
- **गतिविधि-2 (5 मिनट) :** आप **'य'** और **'ज'** वर्ण से शुरू होने वाले कुछ शब्दों को बोर्ड पर लिखें। फिर उन शब्दों को पढ़ें और बच्चों से उन शब्दों की पहली ध्वनि पहचानकर उसका प्रतीक बोर्ड पर लिखवाने का अभ्यास करवाएँ।
- **गतिविधि 3 और 4 (7-10 मिनट) :** आप बोर्ड पर अब तक दोहराए गए कुछ वर्णों को एवं उन वर्णों में ' ो ' मात्रा लगाकर लिखें, जैसे ज - जो , ग - गो , य - यो, घ - घो आदि। इसके साथ लिखे गए वर्णों/अक्षरों को उच्चारित करें और बच्चों से ध्वनि का अंतर पहचानने का अभ्यास करवाएँ।
- **गतिविधि-5 (7-10 मिनट) :** आप अब तक दोहराए गए वर्णों/मात्राओं से बनने वाले शब्दों के कुछ चित्र बोर्ड पर बनाएँ या डिजिटल कार्यपुस्तिका से दिखा दें। फिर बच्चों को अपनी नोटबुक/ कॉपी में चित्रों को पहचानकर उसके नाम लिखने को कहें।
- **गतिविधि-6 (5-7 मिनट) :** आप कुछ शब्दों को बोर्ड पर लिखें, जैसे- जग, जय, गाय, ताज, राय, जाना, बोला, गोली, समोसा, जोकर आदि। फिर अंगुली रखकर एक-एक शब्दों को पढ़ते जाएँ। इसके बाद बच्चों को इन्हें नोटबुक/कॉपी में लिखकर जोड़ियों में पढ़ने को कहें।

कार्यपुस्तिका (भाग-2) पर कार्य

कालांश 3 40 मिनट

बच्चों द्वारा पठन अभ्यास एवं अतिरिक्त सहायता की आवश्यकता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य।

विषयवस्तु: डिजिटल कार्यपुस्तिका- पठन अभ्यास-4 एवं रिमीडियल कार्य

तैयारी: रिमीडियल की गतिविधि संदर्शिका से देखें।

पठन अभ्यास (15-17 मिनट)

- आप बोर्ड पर कल के शब्दों और वाक्यांशों को लिखें और बच्चों को पठन अभ्यास-4 को आदर्श रूप से पढ़कर सुनाएँ। अब बच्चों को जोड़ियों/समूहों में बाँटकर पिछले दिवस में नोटबुक/कॉपी में लिखे शब्दों और वाक्यांशों को पढ़ने को कहें। आप कक्षा में घूमते हुए कुछ बच्चों के पास जाएँ और आवश्यकतानुसार उनकी सहायता करें। कुछ बच्चों को कक्षा के समक्ष पढ़ने को कहें। अंत में, शब्दों और वाक्यांशों पर संक्षिप्त चर्चा करके समेकन करें।

रिमीडियल कार्य (15-20 मिनट)

- पिछले सप्ताह के साप्ताहिक आकलन के आधार पर अतिरिक्त सहायता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य करें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा: क्या बच्चे कार्यपुस्तिका से पढ़ने के दौरान वर्णों/शब्दों पर अंगुली रखकर पढ़ रहे थे? बच्चों से इसकी अपेक्षा रखें और इससे संबंधित निर्देश नियमित रूप से दें।

मौखिक भाषा विकास पर कार्य

कालांश 1 40 मिनट

कहानी द्वारा मौखिक शब्दावली विकास

विषयवस्तु: कहानी पोस्टर **'लुका-छिपी'**

तैयारी: विषय से संबंधित चर्चा के बिन्दु पहले से तय कर लें।

मौखिक रूप से कहानी सुनाना (7-10 मिनट)

- बच्चों को कहानी पोस्टर के चित्र दिखाते हुए, कहानी के शीर्षक और कहानी के बारे में अनुमान लगाने को कहें। कहानी को अपने शब्दों में बच्चों को सुनाएँ।
- बच्चों का जुड़ाव कहानी से बनाने के लिए, बीच-बीच में कुछ बंद छोर के प्रश्न भी पूछें,जैसे- बच्चे क्या खेल रहे थे? आदि।

कहानी पर शब्दावली विकास (5-7 मिनट)

- कहानी में आए कठिन/अमूर्त शब्दों जैसे- दोस्त, परदा आदि के अर्थ बच्चों के परिवेश से जोड़ते हुए समझाएँ।
- बच्चों को बारी-बारी कहानी में आए कुछ चयनित शब्द को बोलें और उन्हें कहानी पोस्टर में ढूँढ़ने के लिए कहें।

बच्चों द्वारा आपस में चर्चा (7-10 मिनट)

- बच्चों को जोड़ियों में बाँटकर खुले छोर के प्रश्नों के माध्यम से कहानी के बारे में उनके विचारों को साझा करने का अवसर दें, जैसे- आप अपनी माँ के साथ कौन-कौन से खेल खेलते हैं? आदि।

लेखन कार्य (7-10 मिनट)

- बच्चों से कहानी से जुड़ा कोई चित्र बनाने और कुछ शब्द या 1 वाक्य लिखने एवं उस पर अपने साथी के साथ बातचीत करने को कहें।

कार्यपुस्तिका (भाग-1) पर कार्य

कालांश 2 40 मिनट

सप्ताह में सिखाए गए वर्णों/अक्षरों/शब्दों पर पुनरावृत्ति कार्य।

विषयवस्तु: डिजिटल कार्यपुस्तिका

तैयारी: डिकोडिंग कौशल के चरणों को समझ लें।

कार्यपुस्तिका सप्ताह-2 दिवस-5 पर कार्य करें -

- **गतिविधि-1 (5-7 मिनट) :** आप बोर्ड पर शब्दों के वर्णों/अक्षरों को तोड़कर लिखें, जैसे- [सो] [ह] [न] → [सोहन]। इसी प्रकार 4-5 शब्दों को लिखें। फिर एक-एक वर्णों/अक्षरों पर अंगुली रखते हुए मिलाकर एक शब्द के रूप में पढ़ते जाएँ। फिर बच्चों को बोर्ड से नोटबुक/कॉपी में पढ़ते हुए लिखने को कहें।
- **गतिविधि-2 (5-7 मिनट) :** आप अब तक दोहराए गए वर्णों/मात्राओं से बनने वाले शब्दों के कुछ चित्र बोर्ड पर बनाएँ या डिजिटल कार्यपुस्तिका से दिखा दें। फिर बच्चों को नोटबुक/कॉपी में चित्रों को पहचानकर उसके नाम लिखने को कहें।
- **गतिविधि 3 और 4 (5-7 मिनट) :** आप बोर्ड पर अब तक दोहराए गए कुछ वर्णों को एवं उन वर्णों में ' ा ' एवं ' ो ' मात्रा लगाकर लिखें, जैसे ज - जा - जो , प - पा - पो आदि। इसके साथ लिखे गए वर्णों/अक्षरों को उच्चारित करें और बच्चों से ध्वनि का अंतर पहचानने का अभ्यास करवाएँ।
- **गतिविधि-5 (5-7 मिनट) :** आप कुछ शब्दों को बोर्ड पर लिखें, जैसे- मोर, गोपाल, घायल, समोसा, योजना, बजाना, गायब, अमीर, अजीत, जोतना आदि। फिर अंगुली रखकर एक-एक शब्दों को पढ़ते जाएँ। इसके बाद बच्चों को इन्हें नोटबुक/ कॉपी में लिखकर जोड़ियों में पढ़ने को कहें।
- **गतिविधि-6 (5-7 मिनट) :** आप बच्चों को अब तक दोहराए गए वर्णों/मात्राओं से बनने वाले पाँच शब्द बोलें और बच्चों को नोटबुक/कॉपी में लिखने को कहें।

स्वतंत्र पठन पर कार्य

कालांश 3 40 मिनट

बच्चों द्वारा चयनित किताब का स्वतंत्र पठन एवं अतिरिक्त सहायता की आवश्यकता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य।

विषयवस्तु: स्वतंत्र पठन एवं रिमीडियल कार्य

तैयारी: चित्रात्मक कहानी की पुस्तकें।

स्वतंत्र पठन (15-17 मिनट)

- आप बच्चों को पुस्तकालय या रीडिंग कॉर्नर से चित्र सहित छोटी कहानी की किताबें अपनी इच्छा से चुनने एवं पढ़ने का अवसर दें। बच्चों को किताबों को उलटने-पलटने, पढ़ने एवं आपस में बातचीत करने के पर्याप्त अवसर दें।
- कुछ बच्चों लगभग 50% (कोशिश करें हर सप्ताह नए बच्चों को मौका मिले) को उनकी किताब की कहानी पर अपनी बात रखने का अवसर दें। बच्चे जैसी भी कहानी बताएँ, उसे स्वीकार करें। बच्चों को कहानी वाक्यों में बताने की अपेक्षा रखें एवं उन्हें सहयोग करें।

रिमीडियल कार्य (15-20 मिनट)

- अवलोकन के आधार पर अतिरिक्त सहायता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य करें। इसके लिए बच्चों के स्तरानुसार वर्ण/शब्द स्तर की गतिविधियाँ कराएँ।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा: बच्चों को अपनी प्रतिक्रिया पूरे वाक्यों में देने को प्रोत्साहित करें।

मौखिक भाषा विकास पर कार्य

कालांश 1 40 मिनट

मौखिक कहानी सुनाना एवं चर्चा।

विषयवस्तु: मौखिक कहानी सुनाना

तैयारी: विषय से संबंधित चर्चा के बिन्दु तय कर लें।

मौखिक रूप से कहानी सुनाना (7-10 मिनट)

- आप बच्चों के स्तर की पूर्व में सुनी या पढ़ी हुई किसी एक कहानी को अपने शब्दों/स्थानीय भाषा में मौखिक रूप से बच्चों को सुनाएँ।
- आप कहानी से बच्चों का जुड़ाव बनाने के लिए बीच में कुछ बंद छोर के प्रश्न भी पूछें, जैसे- कहानी किसके बारे में थी? आदि।

बच्चों के साथ कहानी पर चर्चा (7-10 मिनट)

- बातचीत को समृद्ध बनाने के लिए 4-5 खुले छोर (कल्पना, अनुभव, अनुमान एवं तर्क आधारित) के प्रश्न भी पूछें, जैसे- यदि आप इस कहानी में होते तो क्या करते? आदि।

बच्चों द्वारा आपस में चर्चा (5-7 मिनट)

- कहानी समाप्त होने के बाद बच्चों को जोड़ियों में बाँटकर पात्रों के बारे में चर्चा करने को कहें, जैसे- उन्हें कौन-सा पात्र अच्छा लगा और क्यों? आदि। अंत में, सभी जोड़ियों की प्रतिक्रिया लें।

लेखन कार्य (7-10 मिनट)

- बच्चों को सुनी हुई कहानी पर अपने विचार/समझ कुछ शब्दों या 1 वाक्य में लिखकर व्यक्त करने को कहें।
- लेखन कार्य के बारे में बच्चों को जोड़ियों में बात करने को कहें। कुछ बच्चों को अपनी बात कक्षा के साथ साझा करने को कहें।

गतिविधि में अधिकतम बच्चों की प्रतिभागिता तय करें।

आकलन

कालांश 2 40 मिनट

साप्ताहिक आकलन

विषयवस्तु: डिजिटल कार्यपुस्तिका

तैयारी: आकलन की योजना और प्रश्न पहले से तैयार करें।

- आप डिजिटल कार्यपुस्तिका के भाग-2 पठन अभ्यास 3 और 4 को बोर्ड पर लिख दें और बच्चों से उसे पढ़ने और फिर लिखने को कहें, साथ ही कक्षा में उपलब्ध अन्य पठन सामग्रियों को पढ़ने के लिए प्रोत्साहित करें।

शिक्षक द्वारा आकलन (30-35 मिनट) :

- आप बच्चों को बारी-बारी से बुलाएँ और उन्हें डिजिटल कार्यपुस्तिका से **'मैंने सीख लिया'** का प्रिंट निकाल लें या कॉपी में स्पष्ट लिख लें , फिर बच्चे को पढ़ने को कहें।
- बच्चों को **'मैंने सीख लिया'** को पढ़ने के लिए पर्याप्त समय दें। अगर बच्चे झिझक रहें हों, तो उन्हें सहज महसूस कराएँ।
- बच्चों द्वारा जितने वर्ण/अक्षर और शब्द सही पढ़े गए हों, उनकी संख्या एक लिस्ट में बच्चों के नाम के साथ लिखें, फिर ट्रैकर भरें।

आकलन

कालांश 3 40 मिनट

साप्ताहिक आकलन

विषयवस्तु: डिजिटल कार्यपुस्तिका

तैयारी: आकलन की योजना पहले से तैयार कर लें।

शिक्षक द्वारा आकलन (25-27 मिनट)

- आप कालांश-2 के आकलन को जारी रखें।

सुनकर लिखें (10 मिनट)

- आप बच्चों को सामूहिक रूप से **'सुनकर लिखें'** गतिविधि करवाएँ। सभी बच्चों के लिख लेने के बाद, आप बोर्ड पर शब्द व वाक्यांश लिख दें और बच्चों को एक-दूसरे की कॉपी जाँचने को कहें। इस पर कार्य करने के विस्तृत चरणों को संदर्शिका से देखें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा: जिन बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य किया गया है, क्या वे बच्चे इस अभ्यास को सफलतापूर्वक कर पाए हैं या नहीं, इसे देखने के लिए उन बच्चों द्वारा किए गए कार्य को अवश्य जाँचें।

मौखिक भाषा विकास पर कार्य

कालांश 1 | 40 मिनट

विद्यालय और साथियों से जुड़ाव।

विषयवस्तु: SEL और मौखिक खेल

तैयारी: खेल से संबंधित सामग्री पहले से एकत्र कर लें।

खेल गतिविधि (7-10 मिनट)

- आप खेल गतिविधि **'मेरे बारे में बताओ'** के विस्तृत चरणों को संदर्शिका से देखें। गतिविधि से संबंधित सभी निर्देश स्पष्टता के साथ बच्चों को देते हुए गतिविधि कराएँ।

सामाजिक भावनात्मक विकास गतिविधि (10-15 मिनट)

- आज **'भावनाएँ व्यक्त करना'** की गतिविधि बच्चों के साथ कराएँ। इससे संबंधित सभी निर्देश इस संदर्शिका से स्पष्टता के साथ बच्चों को दें।

लेखन कार्य (7-10 मिनट)

- आप बच्चों को आज की गतिविधि से संबंधित कोई चित्र बनाकर, उनमें रंग भरने और कुछ शब्द या 1 वाक्य लिखने एवं उस पर अपने साथी के साथ बातचीत करने को कहें।
- जब बच्चे चित्र बना लें, तो उनके चित्र **'बच्चों का कोना'** में लगा दें। अब कुछ बच्चों को बुलाकर चित्रों पर हुई चर्चा को सभी के साथ साझा करने को कहें।

कार्यपुस्तिका (भाग-1) पर कार्य

कालांश 2 | 40 मिनट

चयनित वर्णों (ध, ट, इ, ख) और उनसे बनने वाले शब्दों/वाक्यांशों/ वाक्यों को पहचानना।

विषयवस्तु: डिजिटल कार्यपुस्तिका

तैयारी: डिकोडिंग कौशल के चरणों को समझ लें।

कार्यपुस्तिका सप्ताह-3 दिवस-1 पर कार्य करें -

- **गतिविधि-1 (7-10 मिनट) :** बच्चों को अपनी नोटबुक/कॉपी में **'ध'**, **'ट'**, **'इ'** और **'ख'** वर्ण को पाँच-पाँच बार लिखने को कहें। इस दौरान आवश्यकतानुसार उनकी मदद करें।
- **गतिविधि-2 (5 मिनट) :** आप **'ध'**, **'ट'**, **'इ'** और **'ख'** वर्ण से शुरू होने वाले कुछ शब्दों को बोर्ड पर लिखें। फिर उन शब्दों को पढ़ें और बच्चों से उन शब्दों की पहली ध्वनि पहचानकर उसका प्रतीक बोर्ड पर लिखवाने का अभ्यास करवाएँ।
- **गतिविधि-3 (5-7 मिनट) :** आप बोर्ड पर शब्दों के वर्णों/अक्षरों को तोड़कर लिखें, जैसे- ध र ती → धरती। इसी प्रकार 4-5 शब्दों को लिखें। फिर एक-एक वर्णों/अक्षरों पर अंगुली रखते हुए मिलाकर एक शब्द के रूप में पढ़ते जाएँ। फिर बच्चों को बोर्ड से नोटबुक/कॉपी में पढ़ते हुए लिखने को कहें।
- **गतिविधि-4 (5-7 मिनट) :** आप बोर्ड पर एक छोटी ग्रिड बनाएँ, जिसमें 4-6 शब्द लिखें, जैसे- मटर आदि। ग्रिड से शब्द खोजने की प्रक्रिया बच्चों को करके बताएँ। फिर ग्रिड से खोजे गए शब्दों को बच्चों को नोटबुक/कॉपी में पढ़ते हुए लिखने को कहें।
- **गतिविधि-5 (5-7 मिनट) :** आप बच्चों को अब तक दोहराए गए वर्णों/अक्षरों से बनने वाले वाक्य जैसे- आसमान में काले बादल आए। मोर नाचने लगा। आदि को बोर्ड पर लिख दें। अंगुली रखकर एक-एक शब्द को पढ़ते जाएँ। फिर बच्चों को भी इन वाक्यों को उच्चारित करते हुए नोटबुक/कॉपी में लिखने को कहें।

कार्यपुस्तिका (भाग-2) पर कार्य

कालांश 3 | 40 मिनट

बच्चों द्वारा पठन अभ्यास एवं अतिरिक्त सहायता की आवश्यकता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य।

विषयवस्तु: डिजिटल कार्यपुस्तिका- पठन अभ्यास-5 एवं रिमीडियल कार्य

तैयारी: रिमीडियल की गतिविधि संदर्शिका से देखें।

पठन अभ्यास (15-17 मिनट)

- पठन अभ्यास-5 में दिए गए शब्दों और वाक्यों को बोर्ड पर लिखें और फिर पढ़कर सुनाएँ। आप बच्चों को बोर्ड पर लिखे शब्दों और वाक्यों को जोड़ियों/समूहों में बारी-बारी से पढ़ने को कहें। इस दौरान आप कक्षा में घूम-घूमकर अवलोकन करें और आवश्यकतानुसार उनकी सहायता करें।
- पठन अभ्यास के अंत में कुछ शब्दों और वाक्यों पर बातचीत करें एवं शब्दों और वाक्यों को नोटबुक/कॉपी में लिखने और पढ़ने को कहें।

रिमीडियल कार्य (15-20 मिनट)

- पिछले सप्ताह के साप्ताहिक आकलन के आधार पर अतिरिक्त सहायता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य करें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा: बच्चों द्वारा लेखन कार्य किए जाने के दौरान क्या आपने घूम-घूमकर उनके कार्य का अवलोकन किया? बच्चों के लेखन कार्य का अवलोकन करें एवं उन्हें आवश्यकतानुसार दैनिक रूप से सहायता दें।

मौखिक भाषा विकास पर कार्य

कालांश 1 | 40 मिनट

चित्र के बारे में अपने घर की भाषा में बात करना।

विषयवस्तु: चित्र चार्ट **'होली'**

तैयारी: बंद एवं खुले छोर के प्रश्न तैयार कर लें।

चित्र चार्ट पर शिक्षक द्वारा चर्चा (5-7 मिनट)

- आप बच्चों से चित्र चार्ट में दिख रही चीजों/घटनाओं/गतिविधियों के बारे में कुछ बंद छोर के प्रश्न पूछें, जैसे- चित्र में क्या-क्या दिख रहा है? आदि। फिर प्रत्येक प्रश्न पर बच्चों की प्रतिक्रियाएँ लें।

चित्र चार्ट पर समृद्ध चर्चा (10-15 मिनट)

- आप चर्चा को आगे बढ़ाएँ और 4-5 खुले छोर के प्रश्न पूछें, जैसे- आपके यहाँ होली में क्या-क्या बनता है? आदि। बच्चों को अपने घर की भाषा में बात कहने के लिए प्रोत्साहित करें।

लेखन कार्य (10-15 मिनट)

- आप बच्चों से चित्र चार्ट पर हुई चर्चा से जुड़ा, कोई चित्र बनाने और कुछ शब्द या 1 वाक्य लिखने एवं उस पर अपने साथी के साथ बातचीत करने को कहें। फिर बच्चों को जोड़ियों में बाँटकर अपने द्वारा बनाए गए चित्र एवं लेखन कार्य पर आपस में चर्चा करने को कहें। अंत में, किन्हीं 3-4 बच्चों को सभी के साथ अपने चित्र पर बातचीत करने को कहें।

कार्यपुस्तिका (भाग-1) पर कार्य

कालांश 2 | 40 मिनट

चयनित वर्णों (छ, ई, ए, मात्रा 'ु') और उनसे बनने वाले शब्दों/वाक्यांशों/ वाक्यों को पहचानना।

विषयवस्तु: डिजिटल कार्यपुस्तिका

तैयारी: डिकोडिंग कौशल के चरणों को समझ लें।

कार्यपुस्तिका सप्ताह-3 दिवस-2 पर कार्य करें -

- **गतिविधि-1 (5-7 मिनट) :** बच्चों को अपनी नोटबुक/कॉपी में **'छ'**, **'ई'**, और **'ए'** वर्ण को पाँच-पाँच बार लिखने को कहें। इस दौरान आवश्यकतानुसार उनकी मदद करें।
- **गतिविधि-2 (5 मिनट) :** आप **'छ'**, **'ई'**, और **'ए'** वर्ण से शुरू होने वाले कुछ शब्दों को बोर्ड पर लिखें। फिर उन शब्दों को पढ़ें और बच्चों से उन शब्दों की पहली ध्वनि पहचानकर उसका प्रतीक बोर्ड पर लिखवाने का अभ्यास करवाएँ।
- **गतिविधि 3 और 4 (7-10 मिनट) :** आप बोर्ड पर अब तक दोहराए गए कुछ वर्णों को एवं उन वर्णों में 'ु' मात्रा लगाकर लिखें, जैसे ट - टु, ख - खु, छ - छु, ध - धु आदि। इसके साथ लिखे गए वर्णों/अक्षरों को उच्चारित करें और बच्चों से ध्वनि का अंतर पहचानने का अभ्यास करवाएँ। इसके साथ ही आप बोर्ड पर शब्दों के वर्णों/ अक्षरों को तोड़कर 4-5 शब्दों को लिखें। फिर एक-एक वर्णों/अक्षरों पर अंगुली रखते हुए मिलाकर एक शब्द के रूप में पढ़ते जाएँ। फिर बच्चों को बोर्ड से नोटबुक/कॉपी में पढ़ते हुए लिखने को कहें।
- **गतिविधि-5 (5-7 मिनट) :** आप बोर्ड पर 'रात' लिखें, फिर बच्चों से 'रात' के अंतिम वर्ण/अक्षर से शुरू होने वाला शब्द पूछें, जैसे- रात - तरबूज - जहाज आदि। अंत में, बच्चों को अंतिम वर्ण/अक्षर से नया शब्द लिखने को कहें।
- **गतिविधि-6 (5-7 मिनट) :** आप कुछ शब्दों को बोर्ड पर लिखें, जैसे- ताई, कुल, आई, एक, छुपाना, मछली, चटाई, एकता, सुपारी, बटुआ आदि। फिर अंगुली रखकर एक-एक शब्दों को पढ़ते जाएँ। इसके बाद बच्चों को इन्हें नोटबुक/कॉपी में लिखकर जोड़ियों में पढ़ने को कहें।

कार्यपुस्तिका (भाग-2) पर कार्य

कालांश 3 | 40 मिनट

बच्चों द्वारा पठन अभ्यास एवं अतिरिक्त सहायता की आवश्यकता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य।

विषयवस्तु: डिजिटल कार्यपुस्तिका- पठन अभ्यास-5 एवं रिमीडियल कार्य

तैयारी: रिमीडियल की गतिविधि संदर्शिका से देखें।

पठन अभ्यास (15-17 मिनट)

- आप बोर्ड पर कल के शब्दों और वाक्यों को लिखें और बच्चों को पठन अभ्यास-5 को आदर्श रूप से पढ़कर सुनाएँ। अब बच्चों को जोड़ियों/समूहों में बाँटकर पिछले दिवस में नोटबुक/कॉपी में लिखे शब्दों और वाक्यों को पढ़ने को कहें। आप कक्षा में घूमते हुए कुछ बच्चों के पास जाएँ और आवश्यकतानुसार उनकी सहायता करें। कुछ बच्चों को कक्षा के समक्ष पढ़ने को कहें। अंत में, शब्दों और वाक्यों पर संक्षिप्त चर्चा करके समेकन करें।

रिमीडियल कार्य (15-20 मिनट)

- पिछले सप्ताह के साप्ताहिक आकलन के आधार पर अतिरिक्त सहायता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य करें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा: क्या कक्षा के सभी बच्चे शब्दों को सटीक रूप से ब्लेंड करके शब्दों की तरह (एक इकाई के रूप में) पढ़ पा रहे हैं? यह सुनिश्चित करें कि सभी बच्चे इस कौशल को निपुणता से कर पाएँ।

मौखिक भाषा विकास पर कार्य

कालांश 1 40 मिनट

चित्र के बारे में अपने घर की भाषा में बात करना।

विषयवस्तु: चित्र चार्ट **'होली'**

तैयारी: बंद एवं खुले छोर के प्रश्न तैयार कर लें।

चित्र चार्ट पर शिक्षक द्वारा चर्चा (5-7 मिनट)

- कल की चर्चा को संक्षेप में दोहराते हुए बच्चों से कुछ बंद छोर के प्रश्न पूछें एवं बातचीत करें।
- आप चर्चा को आगे बढ़ाएँ और कुछ नए बंद एवं 4-5 खुले छोर के प्रश्न पूछें, जैसे- आपको किस रंग से होली खेलना अच्छा लगता है? आदि।

चित्र चार्ट पर समृद्ध चर्चा (10-15 मिनट)

- चित्र चार्ट पर दूसरे दिन कार्य करने के दौरान, आप यह सुनिश्चित करें कि आप 4-5 खुले छोर के प्रश्न पूछ रहे हों, जैसे- होली में आप किस-किसके घर जाते हो? आदि। सुनिश्चित करें कि सभी बच्चों को बोलने के अवसर मिलें।

लेखन कार्य (10-15 मिनट)

- अब आप बच्चों को उनकी पसंद का कोई चित्र बनाकर उसमें रंग भरने और कुछ शब्द या 1 वाक्य लिखने एवं उस पर अपने साथी के साथ बातचीत करने को कहें। जब बच्चे चित्र बना लें तो उनके चित्र **'बच्चों का कोना'** में लगा दें।

कार्यपुस्तिका (भाग-1) पर कार्य

कालांश 2 40 मिनट

चयनित वर्णों (थ, व, ड, उ) और उनसे बनने वाले शब्दों/वाक्यांशों/ वाक्यों को पहचानना।

विषयवस्तु: डिजिटल कार्यपुस्तिका

तैयारी: डिकोडिंग कौशल के चरणों को समझ लें।

कार्यपुस्तिका सप्ताह-3 दिवस-3 पर कार्य करें -

- **गतिविधि-1 (5-7 मिनट) :** बच्चों को अपनी नोटबुक/कॉपी में **'थ'**, **'व'**, **'ड'** और **'उ'** वर्ण को पाँच-पाँच बार लिखने को कहें। इस दौरान आवश्यकतानुसार उनकी मदद करें।
- **गतिविधि-2 (5-7 मिनट) :** आप बोर्ड पर एक छोटी ग्रिड बनाएँ, जिसमें 4-6 शब्द लिखें, जैसे- थकान आदि। ग्रिड से शब्द खोजने की प्रक्रिया बच्चों को करके बताएँ। फिर ग्रिड से खोजे गए शब्दों को बच्चों को नोटबुक/कॉपी में पढ़ते हुए लिखने को कहें।
- **गतिविधि-3 (5-7 मिनट) :** आप अब तक दोहराए गए वर्णों/मात्राओं से बनने वाले शब्दों के कुछ चित्र बोर्ड पर बनाएँ या डिजिटल कार्यपुस्तिका से दिखा दें। फिर बच्चों को नोटबुक/कॉपी में चित्रों को पहचानकर उसके नाम लिखने को कहें।
- **गतिविधि-4 (5-7 मिनट) :** आप कुछ शब्दों को बोर्ड पर लिखें, जैसे- डीजल, उबाल, उगाना, उधार, डालडा आदि। फिर अंगुली रखकर एक-एक शब्दों को पढ़ते जाएँ। इसके बाद बच्चों को इन्हें नोटबुक/कॉपी में लिखकर जोड़ियों में पढ़ने को कहें।
- **गतिविधि-5 (5-7 मिनट) :** आप बच्चों को अब तक दोहराए गए वर्णों/अक्षरों से बनने वाले वाक्य जैसे- अजय बाजार से थरमस लाया। हम रोज उससे पानी पीते हैं। आदि को बोर्ड पर लिख दें। अंगुली रखकर एक-एक शब्द को पढ़ते जाएँ। फिर बच्चों को भी इन वाक्यों को उच्चारित करते हुए नोटबुक/ कॉपी में लिखने को कहें।

कार्यपुस्तिका (भाग-2) पर कार्य

कालांश 3 40 मिनट

बच्चों द्वारा पठन अभ्यास एवं अतिरिक्त सहायता की आवश्यकता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य।

विषयवस्तु: डिजिटल कार्यपुस्तिका- पठन अभ्यास-6 एवं रिमीडियल कार्य

तैयारी: रिमीडियल की गतिविधि संदर्शिका से देखें।

पठन अभ्यास (15-17 मिनट)

- पठन अभ्यास-6 में दिए गए शब्दों और वाक्यों को बोर्ड पर लिखें और फिर पढ़कर सुनाएँ। आप बच्चों को बोर्ड पर लिखे शब्दों और वाक्यों को जोड़ियों/समूहों में बारी-बारी से पढ़ने को कहें। इस दौरान आप कक्षा में घूम-घूमकर अवलोकन करें और आवश्यकतानुसार उनकी सहायता करें।
- पठन अभ्यास के अंत में कुछ शब्दों और वाक्यों पर बातचीत करें एवं शब्दों और वाक्यों को नोटबुक/कॉपी में लिखने और पढ़ने को कहें।

रिमीडियल कार्य (15-20 मिनट)

- पिछले सप्ताह के साप्ताहिक आकलन के आधार पर अतिरिक्त सहायता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य करें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा: क्या बच्चे कार्यपुस्तिका से पढ़ने के दौरान वर्णों/शब्दों पर अंगुली रखकर पढ़ रहे थे? बच्चों से इसकी अपेक्षा रखें और इससे संबंधित निर्देश नियमित रूप से दें।

मौखिक भाषा विकास पर कार्य

कालांश 1 40 मिनट

विद्यालय और साथियों से जुड़ाव।

विषयवस्तु: SEL और मौखिक खेल

तैयारी: खेल से संबंधित सामग्री पहले से एकत्र कर लें।

खेल गतिविधि (7-10 मिनट)

- आप खेल गतिविधि **'दिनभर का मेरा समय'** के विस्तृत चरणों को संदर्शिका से देखें। गतिविधि से संबंधित सभी निर्देश स्पष्टता के साथ बच्चों को देते हुए गतिविधि कराएँ।

सामाजिक भावनात्मक विकास गतिविधि (10-15 मिनट)

- आज **'मेरी लाल बत्ती'** की गतिविधि बच्चों के साथ कराएँ। इससे संबंधित सभी निर्देश संदर्शिका से स्पष्टता के साथ बच्चों को दें।

लेखन कार्य (7-10 मिनट)

- आप बच्चों को आज की गतिविधि से संबंधित कोई चित्र बनाकर, उनमें रंग भरने और कुछ शब्द या 1 वाक्य लिखने एवं उस पर अपने साथी के साथ बातचीत करने को कहें। जब बच्चे चित्र बना लें, तो उनके चित्र **'बच्चों का कोना'** में लगा दें। अब कुछ बच्चों को बुलाकर चित्रों पर हुई चर्चा को सभी के साथ साझा करने को कहें।

कार्यपुस्तिका (भाग-1) पर कार्य

कालांश 2 40 मिनट

चयनित वर्णों (झ, ओ, ढ, मात्रा ' ू ') और उनसे बनने वाले शब्दों/वाक्यांशों/ वाक्यों को पहचानना।

विषयवस्तु: डिजिटल कार्यपुस्तिका

तैयारी: डिकोडिंग कौशल के चरणों को समझ लें।

कार्यपुस्तिका सप्ताह-3 दिवस-4 पर कार्य करें -

- **गतिविधि-1 (5-7 मिनट) :** बच्चों को अपनी नोटबुक/कॉपी में **'झ'**, **'ओ'**, और **'ढ'** वर्ण को पाँच-पाँच बार लिखने को कहें। इस दौरान आवश्यकतानुसार उनकी मदद करें।
- **गतिविधि-2 (5-7 मिनट) :** आप **'झ'**, **'ओ'**, और **'ढ'** वर्ण से शुरू होने वाले कुछ शब्दों को बोर्ड पर लिखें। फिर उन शब्दों को पढ़ें और बच्चों से उन शब्दों की पहली ध्वनि पहचानकर उसका प्रतीक बोर्ड पर लिखवाने का अभ्यास करवाएँ।
- **गतिविधि 3 और 4 (7-10 मिनट) :** आप बोर्ड पर अब तक दोहराए गए कुछ वर्णों को एवं उन वर्णों में ' ू ' मात्रा लगाकर लिखें, जैसे ट - टू, ख - खू, छ - छू, ध - धू आदि। इसके साथ लिखे गए वर्णों/अक्षरों को उच्चारित करें और बच्चों से ध्वनि का अंतर पहचानने का अभ्यास करवाएँ। इसके साथ ही, आप बोर्ड पर एक छोटी ग्रिड बनाएँ, जिसमें 4-6 शब्द लिखें, जैसे- झूला आदि। फिर ग्रिड से खोजे गए शब्दों को बच्चों को नोटबुक/कॉपी में पढ़ते हुए लिखने को कहें।
- **गतिविधि-5 (5 मिनट) :** आप बच्चों के साथ खेलों पर चर्चा करें। फिर किन्हीं पाँच खेलों के नाम नोटबुक/कॉपी में लिखने को कहें।
- **गतिविधि-6 (5-7 मिनट) :** आप कुछ शब्दों को बोर्ड पर लिखें, जैसे- ओला, ओमी, झील, झूला, समझ, ढपली, मझोला, ढोलक, झुमका, झूलना आदि। फिर अंगुली रखकर एक-एक शब्दों को पढ़ते जाएँ। इसके बाद बच्चों को इन्हें नोटबुक/कॉपी में लिखकर जोड़ियों में पढ़ने को कहें।

कार्यपुस्तिका (भाग-2) पर कार्य

कालांश 3 40 मिनट

बच्चों द्वारा पठन अभ्यास एवं अतिरिक्त सहायता की आवश्यकता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य।

विषयवस्तु: डिजिटल कार्यपुस्तिका- पठन अभ्यास-6 एवं रिमीडियल कार्य

तैयारी: रिमीडियल की गतिविधि संदर्शिका से देखें।

पठन अभ्यास (15-17 मिनट)

- आप बोर्ड पर कल के शब्दों और वाक्यों को लिखें और बच्चों को पठन अभ्यास-6 को आदर्श रूप से पढ़कर सुनाएँ। अब बच्चों को जोड़ियों/समूहों में बाँटकर पिछले दिवस में नोटबुक/ कॉपी में लिखे शब्दों और वाक्यों को पढ़ने को कहें। आप कक्षा में घूमते हुए कुछ बच्चों के पास जाएँ और आवश्यकतानुसार उनकी सहायता करें। कुछ बच्चों को कक्षा के समक्ष पढ़ने को कहें। अंत में, शब्दों और वाक्यों पर संक्षिप्त चर्चा करके समेकन करें।

रिमीडियल कार्य (15-20 मिनट)

- पिछले सप्ताह के साप्ताहिक आकलन के आधार पर अतिरिक्त सहायता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य करें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा: आज के दिवस में की गई सभी गतिविधियों पर चिंतन करें कि आज किन गतिविधियों में बच्चों ने सबसे अधिक प्रतिभाग किया? और किस गतिविधि के लिए और बेहतर योजना बनाने की आवश्यकता है ?

मौखिक भाषा विकास पर कार्य

कालांश 1 40 मिनट

कविता गायन और मौखिक शब्दावली विकास

विषयवस्तु: कविता पोस्टर **'दादाजी के तीन पजामे'**

तैयारी: विषय से संबंधित चर्चा के बिन्दु पहले से तय कर लें।

मौखिक रूप से कविता सुनाना (7-10 मिनट)

- आप कविता पोस्टर बच्चों को दिखाते हुए, कविता के शीर्षक का अनुमान बच्चों से लगाने को कहें। जैसे- यह कविता किसके बारे में है?
- अब आप उन्हें हाव-भाव के साथ, कविता मौखिक रूप से 1-2 बार सुनाएँ। इसके बाद कविता पोस्टर दिखाते हुए, कविता के प्रत्येक शब्द पर अंगुली रखते हुए पढ़ें एवं कठिन/अमूर्त शब्दों को बोर्ड पर लिखें।

कविता पर शब्दावली विकास (5-7 मिनट)

- कविता में आए कठिन/अमूर्त शब्दों, जैसे- लाड़, थमाते आदि के अर्थ बच्चों के परिवेश से जोड़ते हुए समझाएँ।

बच्चों द्वारा आपस में चर्चा (7-10 मिनट)

- कविता समाप्त होने के बाद बच्चों को जोड़ियों में बाँटकर, कुछ प्रश्नों के माध्यम से कविता के बारे में उनसे बातचीत करें, जैसे- लड़की अगर दादाजी का पजामा अलमारी में नहीं रखती तो दादाजी क्या करते? आदि। बच्चों को अपने घर की भाषा में बातचीत करने के लिए प्रोत्साहित करें।

लेखन कार्य (7-10 मिनट)

- बच्चों को कविता से जुड़ा कोई चित्र बनाने और कुछ शब्द या 1 वाक्य लिखने एवं उस पर अपने साथी के साथ बातचीत करने को कहें। फिर, किन्हीं 3-4 बच्चों को सभी के साथ अपने चित्र पर बातचीत करने को कहें।

कार्यपुस्तिका (भाग-1) पर कार्य

कालांश 2 40 मिनट

सप्ताह में सिखाए गए वर्णों/अक्षरों/शब्दों/वाक्यों पर पुनरावृत्ति कार्य।

विषयवस्तु: डिजिटल कार्यपुस्तिका

तैयारी: डिकोडिंग कौशल के चरणों को समझ लें।

कार्यपुस्तिका सप्ताह-3 दिवस-5 पर कार्य करें -

- **गतिविधि-1 (5-7 मिनट) :** आप बोर्ड पर 4-6 शब्दों के वर्णों/अक्षरों को तोड़कर लिखें। फिर बच्चों को बोर्ड से नोटबुक/कॉपी में पढ़ते हुए लिखने को कहें।
- **गतिविधि 2 और 3 (7-10 मिनट) :** आप बोर्ड पर अब तक दोहराए गए कुछ वर्णों को एवं उन वर्णों में ' ो ', ' ु ' मात्रा लगाकर लिखें, जैसे झ - झो - झु आदि। इसके साथ लिखे गए वर्णों/अक्षरों को उच्चारित करें और बच्चों से ध्वनि का अंतर पहचानने का अभ्यास करवाएँ। इसके साथ ही, आप बोर्ड पर एक छोटी ग्रिड बनाएँ, जिसमें 4-6 शब्द लिखें, जैसे- ईख आदि। फिर ग्रिड से खोजे गए शब्दों को बच्चों को नोटबुक/ कॉपी में पढ़ते हुए लिखने को कहें।
- **गतिविधि-4 (7-10 मिनट) :** आप बोर्ड पर 'झूला' लिखें, फिर बच्चों से 'झूला' के अंतिम वर्ण/अक्षर से शुरू होने वाला शब्द पूछें, जैसे- झूला - लादी आदि। अंत में, बच्चों को अंतिम वर्ण/अक्षर से नया शब्द लिखने को कहें।
- **गतिविधि-5 (7-10 मिनट) :** आप कुछ शब्दों को बोर्ड पर लिखें, जैसे- धुन, झूला, झोला, डाली, ओखली, ढोकला, कछुआ, खटाई, सवाल, धुलाई आदि। इसके बाद बच्चों को इन्हें नोटबुक/कॉपी में लिखकर जोड़ियों में पढ़ने को कहें।

स्वतंत्र पठन पर कार्य

कालांश 3 40 मिनट

बच्चों द्वारा चयनित किताब का स्वतंत्र पठन एवं अतिरिक्त सहायता की आवश्यकता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य।

विषयवस्तु: स्वतंत्र पठन एवं रिमीडियल कार्य

तैयारी: चित्रात्मक कहानी की पुस्तकें।

स्वतंत्र पठन (15-17 मिनट)

- आप बच्चों को पुस्तकालय या रीडिंग कॉर्नर से चित्र सहित छोटी कहानी की किताबें अपनी इच्छा से चुनने एवं पढ़ने का अवसर दें। बच्चों को किताबों को उलटने-पलटने, पढ़ने एवं आपस में बातचीत करने के पर्याप्त अवसर दें।
- कुछ बच्चों लगभग 50% (कोशिश करें हर सप्ताह नए बच्चों को मौका मिले) को उनकी किताब की कहानी पर अपनी बात रखने का अवसर दें। बच्चे जैसी भी कहानी बताएँ, उसे स्वीकार करें। बच्चों को कहानी वाक्यों में बताने की अपेक्षा रखें एवं उन्हें सहयोग करें।

रिमीडियल कार्य (15-20 मिनट)

- अवलोकन के आधार पर अतिरिक्त सहायता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य करें। इसके लिए बच्चों के स्तरानुसार वर्ण/शब्द स्तर की गतिविधियाँ कराएँ।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा: बच्चों को अपनी प्रतिक्रिया पूरे वाक्यों में देने को प्रोत्साहित करें।

मौखिक भाषा विकास पर कार्य

कालांश 1 40 मिनट

मौखिक कहानी सुनाना एवं चर्चा।

विषयवस्तु: मौखिक कहानी सुनाना

तैयारी: विषय से संबंधित चर्चा के बिन्दु तय कर लें।

मौखिक रूप से कहानी सुनाना (7-10 मिनट)

- आप बच्चों के स्तर की पूर्व में सुनी या पढ़ी हुई किसी एक कहानी को अपने शब्दों/स्थानीय भाषा में मौखिक रूप से बच्चों को सुनाएँ।
- आप कहानी से बच्चों का जुड़ाव बनाने के लिए बीच में कुछ बंद छोर के प्रश्न भी पूछें, जैसे- कहानी किसके बारे में थी? आदि।

बच्चों के साथ कहानी पर चर्चा (7-10 मिनट)

- बातचीत को समृद्ध बनाने के लिए 4-5 खुले छोर (कल्पना, अनुभव, अनुमान एवं तर्क आधारित) के प्रश्न भी पूछें, जैसे- यदि आप इस कहानी में होते तो क्या करते? आदि।

बच्चों द्वारा आपस में चर्चा (5-7 मिनट)

- कहानी समाप्त होने के बाद बच्चों को जोड़ियों में बाँटकर पात्रों के बारे में चर्चा करने को कहें, जैसे- उन्हें कौन-सा पात्र अच्छा लगा और क्यों? आदि। अंत में, सभी जोड़ियों की प्रतिक्रिया लें।

लेखन कार्य (7-10 मिनट)

- बच्चों को सुनी हुई कहानी पर अपने विचार/समझ कुछ शब्दों या 1 वाक्य में लिखकर व्यक्त करने को कहें।
- लेखन कार्य के बारे में बच्चों को जोड़ियों में बात करने को कहें। कुछ बच्चों को अपनी बात कक्षा के साथ साझा करने को कहें।

गतिविधि में अधिकतम बच्चों की प्रतिभागिता तय करें।

आकलन

कालांश 2 40 मिनट

साप्ताहिक आकलन

विषयवस्तु: डिजिटल कार्यपुस्तिका

तैयारी: आकलन की योजना और प्रश्न पहले से तैयार करें।

- आप डिजिटल कार्यपुस्तिका के भाग-2 पठन अभ्यास 5 और 6 को बोर्ड पर लिख दें और बच्चों से उसे पढ़ने और फिर लिखने को कहें, साथ ही कक्षा में उपलब्ध अन्य पठन सामग्रियों को पढ़ने के लिए प्रोत्साहित करें।

शिक्षक द्वारा आकलन (30-35 मिनट) :

- आप बच्चों को बारी-बारी से बुलाएँ और उन्हें डिजिटल कार्यपुस्तिका से **'मैंने सीख लिया'** का प्रिंट निकाल लें या कॉपी में स्पष्ट लिख लें , फिर बच्चे को पढ़ने को कहें।
- बच्चों को **'मैंने सीख लिया'** को पढ़ने के लिए पर्याप्त समय दें। अगर बच्चे झिझक रहें हों, तो उन्हें सहज महसूस कराएँ।
- बच्चों द्वारा जितने शब्द सही पढ़े गए हों, उनकी संख्या एक लिस्ट में बच्चों के नाम के साथ लिखें, फिर ट्रैकर भरें।

आकलन

कालांश 3 40 मिनट

साप्ताहिक आकलन

विषयवस्तु: डिजिटल कार्यपुस्तिका

तैयारी: आकलन की योजना पहले से तैयार कर लें।

शिक्षक द्वारा आकलन (25-27 मिनट)

- आप कालांश-2 के आकलन को जारी रखें।

सुनकर लिखें (10 मिनट)

- आप बच्चों को सामूहिक रूप से **'सुनकर लिखें'** गतिविधि करवाएँ। सभी बच्चों के लिख लेने के बाद, आप बोर्ड पर शब्द व वाक्य लिख दें और बच्चों को एक-दूसरे की कॉपी जाँचने को कहें। इस पर कार्य करने के विस्तृत चरणों को संदर्शिका से देखें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा: जिन बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य किया गया है, क्या वे बच्चे इस अभ्यास को सफलतापूर्वक कर पाए हैं या नहीं, इसे देखने के लिए उन बच्चों द्वारा किए गए कार्य को अवश्य जाँचें।

मौखिक भाषा विकास पर कार्य

कालांश 1 | 40 मिनट

विद्यालय और साथियों से जुड़ाव।

विषयवस्तु: SEL और मौखिक खेल

तैयारी: खेल से संबंधित सामग्री पहले से एकत्र कर लें।

खेल गतिविधि (7-10 मिनट)

- आप खेल गतिविधि **'जोड़ियों में अभिनय-1'** के विस्तृत चरणों को संदर्शिका से देखें। गतिविधि से संबंधित सभी निर्देश स्पष्टता के साथ बच्चों को देते हुए गतिविधि कराएँ।

सामाजिक भावनात्मक विकास गतिविधि (10-15 मिनट)

- आज **'मुझे कब अच्छा लगा'** की गतिविधि बच्चों के साथ कराएँ। इससे संबंधित सभी निर्देश इस संदर्शिका से देखकर स्पष्टता के साथ बच्चों को दें।

लेखन कार्य (7-10 मिनट)

- आप बच्चों को आज की गतिविधि से संबंधित कोई चित्र बनाकर, उनमें रंग भरने और कुछ शब्द या 1 वाक्य लिखने एवं उस पर अपने साथी के साथ बातचीत करने को कहें।
- जब बच्चे चित्र बना लें, तो उनके चित्र **'बच्चों का कोना'** में लगा दें। अब कुछ बच्चों को बुलाकर चित्रों पर हुई चर्चा को सभी के साथ साझा करने को कहें।

कार्यपुस्तिका (भाग-1) पर कार्य

कालांश 2 | 40 मिनट

चयनित वर्णों (ठ, श, ड़ एवं ऐ) और उनसे बनने वाले शब्दों/वाक्यांशों/ वाक्यों को पहचानना।

विषयवस्तु: डिजिटल कार्यपुस्तिका

तैयारी: डिकोडिंग कौशल के चरणों को समझ लें।

कार्यपुस्तिका सप्ताह-4 दिवस-1 पर कार्य करें -

- **गतिविधि-1 (7-10 मिनट) :** बच्चों को अपनी नोटबुक/कॉपी में **'ठ'**, **'श'**, **'ड़'** और **'ऐ'** वर्ण को पाँच-पाँच बार लिखने को कहें। इस दौरान आवश्यकतानुसार उनकी मदद करें।
- **गतिविधि-2 (5-7 मिनट) :** आप **'ठ'**, **'श'**, **'ड़'** और **'ऐ'** वर्ण से शुरू होने वाले कुछ शब्दों को बोर्ड पर लिखें। फिर उन शब्दों को पढ़ें और बच्चों से उन शब्दों की पहली ध्वनि पहचानकर उसका प्रतीक बोर्ड पर लिखवाने का अभ्यास करवाएँ।
- **गतिविधि 3 और 4 (7-10 मिनट) :** आप बोर्ड पर अब तक दोहराए गए कुछ वर्णों को एवं उन वर्णों में 'े' और 'ु' मात्रा लगाकर लिखें, जैसे ठ - ठे - ठु, श - शे - शु, ज - जे - जु, ट - टे - टु आदि। इसके साथ लिखे गए वर्णों/अक्षरों को उच्चारित करें और बच्चों से ध्वनि का अंतर पहचानने का अभ्यास करवाएँ। इसके साथ ही, आप बोर्ड पर एक छोटी ग्रिड बनाएँ, जिसमें 4-6 शब्द लिखें, जैसे- मशाल आदि। फिर ग्रिड से खोजे गए शब्दों को बच्चों को नोटबुक/कॉपी में पढ़ते हुए लिखने को कहें।
- **गतिविधि-5 (7-10 मिनट) :** आप बच्चों को अब तक दोहराए गए वर्णों/अक्षरों से बनने वाले वाक्य जैसे- सड़क के पास शहतूत का पेड़ था। ठठेरे ने पेड़ से शहतूत तोड़कर खाया। आदि को बोर्ड पर लिख दें। अंगुली रखकर एक-एक शब्द को पढ़ते जाएँ। फिर बच्चों को भी इन वाक्यों को उच्चारित करते हुए नोटबुक/ कॉपी में लिखने को कहें।

कार्यपुस्तिका (भाग-2) पर कार्य

कालांश 3 | 40 मिनट

बच्चों द्वारा पठन अभ्यास एवं अतिरिक्त सहायता की आवश्यकता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य।

विषयवस्तु: डिजिटल कार्यपुस्तिका- पठन अभ्यास-7 एवं रिमीडियल कार्य

तैयारी: रिमीडियल की गतिविधि संदर्शिका से देखें।

पठन अभ्यास (15-17 मिनट)

- पठन अभ्यास-7 में दिए गए शब्दों और वाक्यों को बोर्ड पर लिखें और फिर पढ़कर सुनाएँ। आप बच्चों को बोर्ड पर लिखे शब्दों और वाक्यों को जोड़ियों/समूहों में बारी-बारी से पढ़ने को कहें। इस दौरान आप कक्षा में घूम-घूमकर अवलोकन करें और आवश्यकतानुसार उनकी सहायता करें।
- पठन अभ्यास के अंत में कुछ शब्दों और वाक्यों पर बातचीत करें एवं शब्दों और वाक्यों को नोटबुक/कॉपी में लिखने और पढ़ने को कहें।

रिमीडियल कार्य (15-20 मिनट)

- पिछले सप्ताह के साप्ताहिक आकलन के आधार पर अतिरिक्त सहायता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य करें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा: बच्चों द्वारा लेखन कार्य किए जाने के दौरान क्या आपने घूम-घूमकर उनके कार्य का अवलोकन किया? बच्चों के लेखन कार्य का अवलोकन करें एवं उन्हें आवश्यकतानुसार दैनिक रूप से सहायता दें।

मौखिक भाषा विकास पर कार्य

कालांश 1 | 40 मिनट

चित्र के बारे में अपने घर की भाषा में बात करना।

विषयवस्तु: पाठ्यपुस्तक - चित्र **'परिवार'**

तैयारी: बंद एवं खुले छोर के प्रश्न तैयार कर लें।

चित्र पर शिक्षक द्वारा चर्चा (5-7 मिनट)

- आप बच्चों से पाठ्यपुस्तक के चित्र में दिख रही चीजों/घटनाओं/गतिविधियों के बारे में कुछ बंद छोर के प्रश्न पूछें, जैसे- इस चित्र में कितने पेड़ हैं? रस्सीकूद खेल कितने बच्चे खेल रहे हैं? आदि। फिर प्रत्येक प्रश्न पर बच्चों की प्रतिक्रियाएँ लें।

चित्र पर समृद्ध चर्चा (10-15 मिनट)

- आप चर्चा को आगे बढ़ाएँ और 4-5 खुले छोर के प्रश्न पूछें, जैसे- चित्र में किए जा रहे कामों में आपको कौन-सा काम सबसे अधिक पसंद आया और क्यों? आदि।

लेखन कार्य (10-15 मिनट)

- आप बच्चों से चित्र पर हुई चर्चा से जुड़ा, कोई चित्र बनाने और कुछ शब्द या 1 वाक्य लिखने एवं उस पर अपने साथी के साथ बातचीत करने को कहें। फिर बच्चों को जोड़ियों में बाँटकर अपने द्वारा बनाए गए चित्र एवं लेखन कार्य पर आपस में चर्चा करने को कहें।

कार्यपुस्तिका (भाग-1) पर कार्य

कालांश 2 | 40 मिनट

चयनित वर्णों (फ, भ, ऊ, मात्रा 'ि') और उनसे बनने वाले शब्दों/वाक्यांशों/ वाक्यों को पहचानना।

विषयवस्तु: डिजिटल कार्यपुस्तिका

तैयारी: डिकोडिंग कौशल के चरणों को समझ लें।

कार्यपुस्तिका सप्ताह-4 दिवस-2 पर कार्य करें -

- **गतिविधि-1 (7-10 मिनट) :** बच्चों को अपनी नोटबुक/कॉपी में **'फ'**, **'भ'** और **'ऊ'** वर्ण को पाँच-पाँच बार लिखने को कहें। इस दौरान आवश्यकतानुसार उनकी मदद करें।
- **गतिविधि-2 (5-7 मिनट) :** आप **'फ'**, **'भ'**, और **'ऊ'** वर्ण से शुरू होने वाले कुछ शब्दों को बोर्ड पर लिखें। फिर उन शब्दों को पढ़ें और बच्चों से उन शब्दों की पहली ध्वनि पहचानकर उसका प्रतीक बोर्ड पर लिखवाने का अभ्यास करवाएँ।
- **गतिविधि 3 और 4 (7-10 मिनट) :** आप बोर्ड पर अब तक दोहराए गए कुछ वर्णों को एवं उन वर्णों में 'ि' और 'ी' मात्रा लगाकर लिखें, जैसे म - मि - मी आदि। इसके साथ लिखे गए वर्णों/अक्षरों को उच्चारित करें और बच्चों से ध्वनि का अंतर पहचानने का अभ्यास करवाएँ। इसके साथ ही, आप बोर्ड पर एक छोटी ग्रिड बनाएँ, जिसमें 4-6 शब्द लिखें, जैसे- मिठाई आदि। फिर ग्रिड से खोजे गए शब्दों को बच्चों को नोटबुक/कॉपी में पढ़ते हुए लिखने को कहें।
- **गतिविधि-5 (7-10 मिनट) :** आप कुछ शब्दों को बोर्ड पर लिखें, जैसे- ऊन, भालू, ऊपरी, कमाऊ, भाई, किसान, फसल, फकीर, भीतर आदि। इसके बाद बच्चों को इन्हें नोटबुक/कॉपी में लिखकर जोड़ियों में पढ़ने को कहें।
- **गतिविधि-6 (7-10 मिनट) :** आप बच्चों को अब तक दोहराए गए वर्णों/अक्षरों से बनने वाले वाक्य जैसे- फरहा गाय चराने गई। गाय को तालाब के पास छोड़ दिया। फिर वह पेड़ के ऊपर चढ़ गई। आदि को बोर्ड पर लिख दें। अंगुली रखकर एक-एक शब्द को पढ़ते जाएँ। फिर बच्चों को भी इन वाक्यों को उच्चारित करते हुए नोटबुक/कॉपी में लिखने को कहें।

कार्यपुस्तिका (भाग-2) पर कार्य

कालांश 3 | 40 मिनट

बच्चों द्वारा पठन अभ्यास एवं अतिरिक्त सहायता की आवश्यकता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य।

विषयवस्तु: डिजिटल कार्यपुस्तिका- पठन अभ्यास-7 एवं रिमीडियल कार्य

तैयारी: रिमीडियल की गतिविधि संदर्शिका से देखें।

पठन अभ्यास (15-17 मिनट)

- आप बोर्ड पर कल के शब्दों और वाक्यों को लिखें और बच्चों को पठन अभ्यास-7 को आदर्श रूप से पढ़कर सुनाएँ। अब बच्चों को जोड़ियों/समूहों में बाँटकर पिछले दिवस में नोटबुक/ कॉपी में लिखे शब्दों और वाक्यों को पढ़ने को कहें। आप कक्षा में घूमते हुए कुछ बच्चों के पास जाएँ और आवश्यकतानुसार उनकी सहायता करें। कुछ बच्चों को कक्षा के समक्ष पढ़ने को कहें। अंत में, शब्दों और वाक्यों पर संक्षिप्त चर्चा करके समेकन करें।

रिमीडियल कार्य (15-20 मिनट)

- पिछले सप्ताह के साप्ताहिक आकलन के आधार पर अतिरिक्त सहायता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य करें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा: क्या कक्षा के सभी बच्चे शब्दों को सटीक रूप से ब्लेंड करके शब्दों की तरह (एक इकाई के रूप में) पढ़ पा रहे हैं? यह सुनिश्चित करें कि सभी बच्चे इस कौशल को निपुणता से कर पाएँ।

मौखिक भाषा विकास पर कार्य

कालांश 1 | 40 मिनट

चित्र के बारे में अपने घर की भाषा में बात करना।

विषयवस्तुः पाठ्यपुस्तक - चित्र **'परिवार'**

तैयारीः बंद एवं खुले छोर के प्रश्न तैयार कर लें।

चित्र पर शिक्षक द्वारा चर्चा (5-7 मिनट)

- कल की चर्चा को संक्षेप में दोहराते हुए बच्चों से कुछ बंद छोर के प्रश्न पूछें एवं बातचीत करें।
- आप चर्चा को आगे बढ़ाएँ और कुछ नए बंद एवं 4-5 खुले छोर के प्रश्न पूछें, जैसे- नाव में कितने लोग हैं? आदि।

चित्र पर समृद्ध चर्चा (10-15 मिनट)

- चित्र पर दूसरे दिन कार्य करने के दौरान, आप यह सुनिश्चित करें कि आप 4-5 खुले छोर के प्रश्न पूछ रहे हों, जैसे- बच्चों को सी-सॉ पर बैठकर मजा क्यों आ रहा था? आदि। सुनिश्चित करें कि सभी बच्चों को बोलने के अवसर मिलें।

लेखन कार्य (10-15 मिनट)

- अब आप बच्चों को उनकी पसंद का कोई चित्र बनाकर उसमें रंग भरने और कुछ शब्द या 1 वाक्य लिखने एवं उस पर अपने साथी के साथ बातचीत करने को कहें। जब बच्चे चित्र बना लें तो उनके चित्र **'बच्चों का कोना'** में लगा दें।

कार्यपुस्तिका (भाग-1) पर कार्य

कालांश 2 | 40 मिनट

चयनित वर्णों (अं, औ, ण एवं मात्रा ' ौ ') और उनसे बनने वाले शब्दों/वाक्यांशों/ वाक्यों को पहचानना।

विषयवस्तुः डिजिटल कार्यपुस्तिका

तैयारीः डिकोडिंग कौशल के चरणों को समझ लें।

कार्यपुस्तिका सप्ताह-4 दिवस-3 पर कार्य करें -

- **गतिविधि-1 (7-10 मिनट) :** बच्चों को अपनी नोटबुक/कॉपी में **'अं'**, **'औ'** और **'ण'** वर्ण को पाँच-पाँच बार लिखने को कहें। इस दौरान आवश्यकतानुसार उनकी मदद करें।
- **गतिविधि-2 (5-7 मिनट) :** आप **'अं'** और **'औ'** वर्ण से शुरू होने वाले कुछ शब्दों को बोर्ड पर लिखें। फिर उन शब्दों को पढ़ें और बच्चों से उन शब्दों की पहली ध्वनि पहचानकर उसका प्रतीक बोर्ड पर लिखवाने का अभ्यास करवाएँ।
- **गतिविधि 3 और 4 (7-10 मिनट) :** आप बोर्ड पर अब तक दोहराए गए कुछ वर्णों को एवं उन वर्णों में ' ो ' और ' ौ ' मात्रा लगाकर लिखें, जैसे फ - फो - फौ आदि। इसके साथ लिखे गए वर्णों/अक्षरों को उच्चारित करें और बच्चों से ध्वनि का अंतर पहचानने का अभ्यास करवाएँ। इसके साथ ही, आप बोर्ड पर 2-3 अधूरे वाक्य लिखें, जैसे- कौआ .... पर बैठा है आदि। फिर अधूरे वाक्यों को पूरा करके नोटबुक/कॉपी में लिखने को कहें।
- **गतिविधि-5 (5 मिनट) :** आप बच्चों को कहें कि अपनी कक्षा के किन्हीं पाँच बच्चों के नाम नोटबुक/कॉपी में लिखें।
- **गतिविधि-6 (7-10 मिनट) :** आप बच्चों को अब तक दोहराए गए वर्णों/अक्षरों से बनने वाले वाक्य जैसे- कौआ जाल के पास गया। शिकारी उसे पकड़ने दौड़ा। कौआ झट से उड़ गया। आदि को बोर्ड पर लिख दें। अंगुली रखकर एक-एक शब्द को पढ़ते जाएँ। फिर बच्चों को भी इन वाक्यों को उच्चारित करते हुए नोटबुक/कॉपी में लिखने को कहें।

कार्यपुस्तिका (भाग-2) पर कार्य

कालांश 3 | 40 मिनट

बच्चों द्वारा पठन अभ्यास एवं अतिरिक्त सहायता की आवश्यकता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य।

विषयवस्तुः डिजिटल कार्यपुस्तिका- पठन अभ्यास-8 एवं रिमीडियल कार्य

तैयारीः रिमीडियल की गतिविधि संदर्शिका से देखें।

पठन अभ्यास (15-17 मिनट)

- पठन अभ्यास-8 में दिए गए शब्दों और वाक्यों को बोर्ड पर लिखें और फिर पढ़कर सुनाएँ। आप बच्चों को बोर्ड पर लिखे शब्दों और वाक्यों को जोड़ियों/समूहों में बारी-बारी से पढ़ने को कहें। इस दौरान आप कक्षा में घूम-घूमकर अवलोकन करें और आवश्यकतानुसार उनकी सहायता करें।
- पठन अभ्यास के अंत में कुछ शब्दों और वाक्यों पर बातचीत करें एवं शब्दों और वाक्यों को नोटबुक/कॉपी में लिखने और पढ़ने को कहें।

रिमीडियल कार्य (15-20 मिनट)

- पिछले सप्ताह के साप्ताहिक आकलन के आधार पर अतिरिक्त सहायता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य करें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षाः आज के दिवस में की गई सभी गतिविधियों पर चिंतन करें कि आज किन गतिविधियों में बच्चों ने सबसे अधिक प्रतिभाग किया? और किस गतिविधि के लिए और बेहतर योजना बनाने की आवश्यकता है ?

मौखिक भाषा विकास पर कार्य

कालांश 1 | 40 मिनट

विद्यालय और साथियों से जुड़ाव।

विषयवस्तु: SEL और मौखिक खेल

तैयारी: खेल से संबंधित सामग्री पहले से एकत्र कर लें।

खेल गतिविधि (7-10 मिनट)

- आप खेल गतिविधि **'तोता मैना की अनोखी जोड़ी'** के विस्तृत चरणों को संदर्शिका से देखें। गतिविधि से संबंधित सभी निर्देश स्पष्टता के साथ बच्चों को देते हुए गतिविधि कराएँ।

सामाजिक भावनात्मक विकास गतिविधि (10-15 मिनट)

- आज **'बताओ मेरा नाम'** की गतिविधि बच्चों के साथ कराएँ। इससे संबंधित सभी निर्देश संदर्शिका से देखकर स्पष्टता के साथ बच्चों को दें।

लेखन कार्य (7-10 मिनट)

- आप बच्चों को आज की गतिविधि से संबंधित कोई चित्र बनाकर, उनमें रंग भरने और कुछ शब्द या 1 वाक्य लिखने एवं उस पर अपने साथी के साथ बातचीत करने को कहें।
- जब बच्चे चित्र बना लें, तो उनके चित्र **'बच्चों का कोना'** में लगा दें। अब कुछ बच्चों को बुलाकर चित्रों पर हुई चर्चा को सभी के साथ साझा करने को कहें।

कार्यपुस्तिका (भाग-1) पर कार्य

कालांश 2 | 40 मिनट

चयनित वर्णों (क्ष, ष, ज्ञ, मात्रा '◌̇‾') और उनसे बनने वाले शब्दों/वाक्यांशों/ वाक्यों को पहचानना।

विषयवस्तु: डिजिटल कार्यपुस्तिका

तैयारी: डिकोडिंग कौशल के चरणों को समझ लें।

कार्यपुस्तिका सप्ताह-4 दिवस-4 पर कार्य करें -

- **गतिविधि-1 (7-10 मिनट) :** बच्चों को अपनी नोटबुक/कॉपी में **'क्ष'**, **'ष'** और **'ज्ञ'** वर्ण को पाँच-पाँच बार लिखने को कहें। इस दौरान आवश्यकतानुसार उनकी मदद करें।
- **गतिविधि 2 और 3 (7-10 मिनट) :** आप बोर्ड पर 8-10 शब्द लिखें। फिर शब्द के पहले वर्ण पर-अनुस्वर ' ' लगाएँ, जैसे- बद - बंद, जगल - जंगल, बदर - बंदर, रग - रंग, मगल - मंगल आदि। फिर इसका उच्चारण करें और बच्चों से नोटबुक/कॉपी में लिखने को कहें और आवश्यकतानुसार बच्चों की सहायता करें।
- **गतिविधि-4 (5-7 मिनट) :** आप कुछ शब्दों को बोर्ड पर लिखें, जैसे- कक्षा, ज्ञानी, बंदर, रंगीन, छात्र, शेष, त्रिकोण, विज्ञान, अज्ञान, षटकोण आदि। इसके बाद बच्चों को इन्हें नोटबुक/कॉपी में लिखकर जोड़ियों में पढ़ने को कहें।
- **गतिविधि-5 (7-10 मिनट) :** आप बोर्ड पर 3-4 अधूरे वाक्य लिखें, जैसे-

  1. .... पेड़ पर चढ़ गया। (बंदर/मछली)
  2. नीता के कपड़े का .... लाल है। (रंग/संग)
  3. निहारिका .... उड़ा रही है। (पतंग/पत्थर) आदि।

  फिर आप बच्चों से पूछें कि खाली स्थान में कौन-सा शब्द आएगा। इसके बाद बच्चों को अधूरे वाक्यों को पूरा करके नोटबुक/ कॉपी में लिखने को कहें।

कार्यपुस्तिका (भाग-2) पर कार्य

कालांश 3 | 40 मिनट

बच्चों द्वारा पठन अभ्यास एवं अतिरिक्त सहायता की आवश्यकता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य।

विषयवस्तु: डिजिटल कार्यपुस्तिका- पठन अभ्यास-8 एवं रिमीडियल कार्य

तैयारी: रिमीडियल की गतिविधि संदर्शिका से देखें।

पठन अभ्यास (15-17 मिनट)

- आप बोर्ड पर कल के शब्दों और वाक्यों को लिखें और बच्चों को पठन अभ्यास-8 को आदर्श रूप से पढ़कर सुनाएँ। अब बच्चों को जोड़ियों/समूहों में बाँटकर पिछले दिवस में नोटबुक/ कॉपी में लिखे शब्दों और वाक्यों को पढ़ने को कहें। आप कक्षा में घूमते हुए कुछ बच्चों के पास जाएँ और आवश्यकतानुसार उनकी सहायता करें। कुछ बच्चों को कक्षा के समक्ष पढ़ने को कहें। अंत में, शब्दों और वाक्यों पर संक्षिप्त चर्चा करके समेकन करें।

रिमीडियल कार्य (15-20 मिनट)

- पिछले सप्ताह के साप्ताहिक आकलन के आधार पर अतिरिक्त सहायता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य करें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा: क्या बच्चे कार्यपुस्तिका से पढ़ने के दौरान वर्णों/शब्दों पर अंगुली रखकर पढ़ रहे थे? बच्चों से इसकी अपेक्षा रखें और इससे संबंधित निर्देश नियमित रूप से दें।

मौखिक भाषा विकास पर कार्य

कालांश 1 40 मिनट

कहानी द्वारा मौखिक शब्दावली विकास

विषयवस्तु: कहानी पोस्टर **'आती-जाती रेल'**

तैयारी: विषय से संबंधित चर्चा के बिन्दु पहले से तय कर लें।

मौखिक रूप से कहानी सुनाना (7-10 मिनट)

- बच्चों को कहानी पोस्टर के चित्र दिखाते हुए, कहानी के शीर्षक और कहानी के बारे में अनुमान लगाने को कहें। कहानी को अपने शब्दों में बच्चों को सुनाएँ। बच्चों का जुड़ाव कहानी से बनाने के लिए, बीच-बीच में कुछ बंद छोर के प्रश्न भी पूछें, जैसे- जिया लखनऊ से कहाँ जा रही थी? जिया की माँ ने क्या कहा? आदि।

कहानी पर शब्दावली विकास (5-7 मिनट)

- कहानी में आए कठिन/अमूर्त शब्दों जैसे- जवाब, सवारी आदि के अर्थ बच्चों के परिवेश से जोड़ते हुए समझाएँ।
- बच्चों को बारी-बारी कहानी में आए कुछ चयनित शब्द को बोलें और उन्हें कहानी पोस्टर में ढूँढ़ने के लिए कहें।

बच्चों द्वारा आपस में चर्चा (7-10 मिनट)

- बच्चों को जोड़ियों में बाँटकर खुले छोर के प्रश्नों के माध्यम से कहानी के बारे में उनके विचारों को साझा करने का अवसर दें, जैसे- जिया 45 मिनट में और क्या-क्या कर सकती थी? आदि।

लेखन कार्य (7-10 मिनट)

- बच्चों से कहानी से जुड़ा कोई चित्र बनाने और कुछ शब्द या 1 वाक्य लिखने एवं उस पर अपने साथी के साथ बातचीत करें।

कार्यपुस्तिका (भाग-1) पर कार्य

कालांश 2 40 मिनट

सप्ताह में सिखाए गए वर्णों/अक्षरों/शब्दों/वाक्यों पर पुनरावृत्ति कार्य।

विषयवस्तु: डिजिटल कार्यपुस्तिका

तैयारी: डिकोडिंग कौशल के चरणों को समझ लें।

कार्यपुस्तिका सप्ताह-4 दिवस-5 पर कार्य करें -

- **गतिविधि-1 (5-7 मिनट) :** आप बोर्ड पर 8-10 शब्द लिखें। फिर शब्द के पहले वर्ण पर अनुस्वर ' ं ' लगाएँ, जैसे- शख - शंख, कघी - कंघी, बदर - बंदर आदि। फिर इसका उच्चारण करें और बच्चों से नोटबुक/कॉपी में लिखने को कहें।
- **गतिविधि-2 (5-7 मिनट) :** आप बोर्ड पर अब तक दोहराए गए कुछ वर्णों को एवं उन वर्णों में ' ा ' और ' ि ' मात्रा लगाकर लिखें, जैसे भ - भा - भि, श - शा - शि, ध - धा - धि आदि। इसके साथ लिखे गए वर्णों/अक्षरों को उच्चारित करें और बच्चों से ध्वनि का अंतर पहचानने का अभ्यास करवाएँ।
- **गतिविधि-3 (5-7 मिनट) :** आप कुछ शब्दों को बोर्ड पर लिखें, जैसे- पेड़, ठेला, औरत, सरौता, अज्ञान, शिक्षक, संगीत, अनूठा, सुगंध, धनुष आदि। इसके बाद बच्चों को इन्हें नोटबुक/कॉपी में लिखकर जोड़ियों में पढ़ने को कहें।
- **गतिविधि-4 (5-7 मिनट) :** आप बच्चों को अब तक दोहराए गए वर्णों/अक्षरों से बनने वाले वाक्य जैसे- रौनक और राशिदा बाजार गए। बाजार में बताशे की दुकान पर गए। आदि को बोर्ड पर लिख दें। अंगुली रखकर एक-एक शब्द को पढ़ते जाएँ। फिर बच्चों को भी इन वाक्यों को उच्चारित करते हुए नोटबुक/ कॉपी में लिखने को कहें।
- **गतिविधि-5 (5-7 मिनट) :** आप बच्चों को अब तक दोहराए गए वर्णों/मात्राओं से बनने वाले पाँच शब्द बोलें और बच्चों को नोटबुक/कॉपी में लिखने को कहें।

स्वतंत्र पठन पर कार्य

कालांश 3 40 मिनट

बच्चों द्वारा चयनित किताब का स्वतंत्र पठन एवं अतिरिक्त सहायता की आवश्यकता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य।

विषयवस्तु: स्वतंत्र पठन एवं रिमीडियल कार्य

तैयारी: चित्रात्मक कहानी की पुस्तकें।

स्वतंत्र पठन (15-17 मिनट)

- आप बच्चों को पुस्तकालय या रीडिंग कॉर्नर से चित्र सहित छोटी कहानी की किताबें अपनी इच्छा से चुनने एवं पढ़ने का अवसर दें। बच्चों को किताबों को उलटने-पलटने, पढ़ने एवं आपस में बातचीत करने के पर्याप्त अवसर दें।
- कुछ बच्चों लगभग 50% (कोशिश करें हर सप्ताह नए बच्चों को मौका मिले) को उनकी किताब की कहानी पर अपनी बात रखने का अवसर दें। बच्चे जैसी भी कहानी बताएँ, उसे स्वीकार करें। बच्चों को कहानी वाक्यों में बताने की अपेक्षा रखें एवं उन्हें सहयोग करें।

रिमीडियल कार्य (15-20 मिनट)

- अवलोकन के आधार पर अतिरिक्त सहायता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य करें। इसके लिए बच्चों के स्तरानुसार वर्ण/शब्द स्तर की गतिविधियाँ कराएँ।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा: बच्चों को अपनी प्रतिक्रिया पूरे वाक्यों में देने को प्रोत्साहित करें।

मौखिक भाषा विकास पर कार्य

कालांश 1 40 मिनट

मौखिक कहानी सुनाना एवं चर्चा।

विषयवस्तु: मौखिक कहानी सुनाना

तैयारी: विषय से संबंधित चर्चा के बिन्दु तय कर लें।

मौखिक रूप से कहानी सुनाना (7-10 मिनट)

- आप बच्चों के स्तर की पूर्व में सुनी या पढ़ी हुई किसी एक कहानी को अपने शब्दों/स्थानीय भाषा में मौखिक रूप से बच्चों को सुनाएँ।
- आप कहानी से बच्चों का जुड़ाव बनाने के लिए बीच में कुछ बंद छोर के प्रश्न भी पूछें, जैसे- कहानी किसके बारे में थी? आदि।

बच्चों के साथ कहानी पर चर्चा (7-10 मिनट)

- बातचीत को समृद्ध बनाने के लिए 4-5 खुले छोर (कल्पना, अनुभव, अनुमान एवं तर्क आधारित) के प्रश्न भी पूछें, जैसे- यदि आप इस कहानी में होते तो क्या करते? आदि।

बच्चों द्वारा आपस में चर्चा (5-7 मिनट)

- कहानी समाप्त होने के बाद बच्चों को जोड़ियों में बाँटकर पात्रों के बारे में चर्चा करने को कहें, जैसे- उन्हें कौन-सा पात्र अच्छा लगा और क्यों? आदि। अंत में, सभी जोड़ियों की प्रतिक्रिया लें।

लेखन कार्य (7-10 मिनट)

- बच्चों को सुनी हुई कहानी पर अपने विचार/समझ कुछ शब्दों या 1 वाक्य में लिखकर व्यक्त करने को कहें।
- लेखन कार्य के बारे में बच्चों को जोड़ियों में बात करने को कहें। कुछ बच्चों को अपनी बात कक्षा के साथ साझा करने को कहें।

गतिविधि में अधिकतम बच्चों की प्रतिभागिता तय करें।

आकलन

कालांश 2 40 मिनट

साप्ताहिक आकलन

विषयवस्तु: डिजिटल कार्यपुस्तिका

तैयारी: आकलन की योजना और प्रश्न पहले से तैयार करें।

- आप डिजिटल कार्यपुस्तिका के भाग-2 पठन अभ्यास 7 और 8 को बोर्ड पर लिख दें और बच्चों से उसे पढ़ने और फिर लिखने को कहें, साथ ही कक्षा में उपलब्ध अन्य पठन सामग्रियों को पढ़ने के लिए प्रोत्साहित करें।

शिक्षक द्वारा आकलन (30-35 मिनट) :

- आप बच्चों को बारी-बारी से बुलाएँ और उन्हें डिजिटल कार्यपुस्तिका से **'मैंने सीख लिया'** का प्रिंट निकाल लें या कॉपी में स्पष्ट लिख लें , फिर बच्चे को पढ़ने को कहें।
- बच्चों को **'मैंने सीख लिया'** को पढ़ने के लिए पर्याप्त समय दें। अगर बच्चे झिझक रहें हों, तो उन्हें सहज महसूस कराएँ।
- बच्चों द्वारा जितने शब्द सही पढ़े गए हों, उनकी संख्या एक लिस्ट में बच्चों के नाम के साथ लिखें, फिर ट्रैकर भरें।

आकलन

कालांश 3 40 मिनट

साप्ताहिक आकलन

विषयवस्तु: डिजिटल कार्यपुस्तिका

तैयारी: आकलन की योजना पहले से तैयार कर लें।

शिक्षक द्वारा आकलन (25-27 मिनट)

- आप कालांश-2 के आकलन को जारी रखें।

सुनकर लिखें (10 मिनट)

- आप बच्चों को सामूहिक रूप से **'सुनकर लिखें'** गतिविधि करवाएँ। सभी बच्चों के लिख लेने के बाद, आप बोर्ड पर शब्द व वाक्य लिख दें और बच्चों को एक-दूसरे की कॉपी जाँचने को कहें। इस पर कार्य करने के विस्तृत चरणों को संदर्शिका से देखें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा: जिन बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य किया गया है, क्या वे बच्चे इस अभ्यास को सफलतापूर्वक कर पाए हैं या नहीं, इसे देखने के लिए उन बच्चों द्वारा किए गए कार्य को अवश्य जाँचें।

पाठ्यपुस्तक 'सारंगी-2' पर कार्य

कालांश 1 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ को पढ़कर सुनाना एवं चर्चा करना।

विषयवस्तु: पाठ-1 'नीमा की दादी'

तैयारी: कठिन शब्द, बंद और खुले छोर के प्रश्न

पाठ का आदर्श वाचन करना (7-10 मिनट)

- पाठ के चित्रों और शीर्षक के आधार पर पाठ की विषयवस्तु का अनुमान लगवाएँ। पूरे पाठ को हाव-भाव के साथ 1-2 बार पढ़कर सुनाएँ। बच्चे पाठ से जुड़े रहें, इसके लिए बीच-बीच में कुछ बंद छोर के प्रश्न पूछें।

पाठ को मौखिक रूप से सुनाना और चर्चा (7-10 मिनट)

- अब आप पाठ की कहानी को अपने शब्दों में सुनाएँ।
- पाठ से सम्बन्धित कुछ बंद एवं 4-5 खुले छोर के प्रश्न बच्चों से पूछें, जैसे- नीमा दो बजे कहाँ से लौटती थी? नीमा अपनी दादी को स्कूल के बारे में क्या-क्या बताती होगी? आदि।

शब्दावली विकास (5-7 मिनट)

- पाठ के कठिन/अमूर्त शब्दों जैसे- इंतजार, समय-काटना आदि को बोर्ड पर लिखें और उनके अर्थ को पाठ के संदर्भ और बच्चों के परिवेश से जोड़कर बताएँ।

पाठ अभ्यास एवं संबंधित लेखन कार्य (7-10 मिनट)

- पाठ्यपुस्तक के पाठ की गतिविधि **(शब्दों का खेल 1, 2)** पर बच्चों से चर्चा करें और फिर उन्हें उत्तर लिखने को कहें।
- बच्चों के लेखन कार्य पर व्यक्तिगत फीडबैक दें एवं आवश्यकतानुसार उनकी सहायता करें।

कार्यपुस्तिका (भाग-1) पर कार्य

कालांश 2 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ-1 से संबंधित विस्तारित गतिविधि पर कार्य।

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 5

तैयारी: पाठ की गतिविधियों को पहले से समझ लें।

कार्यपुस्तिका सप्ताह-5 दिवस-1 पर कार्य करें-

- **गतिविधि-1 (7-10 मिनट):** शब्दों को आदर्श रूप से पढ़ें और बच्चों को अंगुली रखते हुए अनुसरण करने को कहें। फिर उन्हें जोड़ियों/समूहों में पढ़ने को कहें।
- **गतिविधि-2 (7-10 मिनट):** आप बच्चों से चर्चा करें कि उनके घर में कौन-कौन से काम होते हैं और उन्हें कौन करता है? फिर सभी बच्चों को इस गतिविधि को करने को कहें।
- **गतिविधि-3 (5 मिनट):** बच्चों के साथ अन्य उदाहरण (कार्यपुस्तिका से भिन्न) जैसे- **चाद** में अनुनासिक लगाकर **'चाँद'**, **'आख-आँख'** पर चर्चा करें। फिर कुछ बच्चों से प्रतिक्रिया लें। फिर सभी बच्चों से कार्यपुस्तिका में दिए गए शब्दों को सही करके लिखने को कहें।
- **गतिविधि-4 (5-7 मिनट):** दी गई गतिविधि को समझाते हुए बच्चों से मौखिक रूप से चर्चा करें। फिर बच्चों को कार्यपुस्तिका की गतिविधि करने को कहें।
- **गतिविधि-5 (5 मिनट):** आप 3-4 वर्ण/अक्षर वाले पाँच शब्द बोलें और बच्चों से लिखने को कहें।

'सुनकर लिखें' गतिविधि समाप्त होने पर आप बोले गए शब्दों को बोर्ड पर लिखें और बच्चों को जोड़ियों में करके एक-दूसरे की कार्यपुस्तिका जाँचने को कहें।

कार्यपुस्तिका (भाग-2) पर कार्य

कालांश 3 40 मिनट

बच्चों द्वारा पठन अभ्यास एवं अतिरिक्त सहायता की आवश्यकता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य।

विषयवस्तु: पठन अभ्यास-9 एवं रिमीडियल कार्य

तैयारी: रिमीडियल की गतिविधि संदर्शिका से देखें।

पठन अभ्यास (15-17 मिनट)

- पठन अभ्यास-9 में दिए गए पाठ को पढ़कर सुनाएँ। सभी बच्चों को पाठ में दिए गए शब्दों पर अंगुली रखकर पढ़ने को कहें।
- आप बच्चों को दिए गए पाठ को जोड़ियों/समूहों में बारी-बारी से पढ़ने को कहें। इस दौरान आप कक्षा में घूम-घूमकर अवलोकन करें और आवश्यकतानुसार उनकी सहायता करें।
- पठन अभ्यास के अंत में कुछ शब्दों पर बातचीत करें जैसे- टक्कर, पीछे दौड़ना आदि।

रिमीडियल कार्य (15-20 मिनट)

- पिछले सप्ताह के साप्ताहिक आकलन के आधार पर अतिरिक्त सहायता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य करें। बाकी बच्चों को पठन अभ्यास स्वतंत्र रूप से पढ़ने को कहें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा: आज की गतिविधियों के दौरान क्या आप सभी बच्चों को उनके नाम से संबोधित कर पाए? प्रयास यह रहना चाहिए कि बच्चों को हमेशा उनके नाम से संबोधित किया जाए।

पाठ्यपुस्तक 'सारंगी-2' पर कार्य

कालांश 1 | 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ का दोहराव और समृद्ध चर्चा।

विषयवस्तु: पाठ-1 'नीमा की दादी'

तैयारी: पाठ आधारित प्रश्न

पाठ का दोहराव करना (7-10 मिनट)

- कल की चर्चा को दोहराते हुए पाठ की कहानी को अपने शब्दों में सुनाएँ और चर्चा को आगे बढ़ाते हुए पाठ से संबंधित कुछ बंद छोर के प्रश्न बच्चों से पूछें।

शब्दावली विकास (5-7 मिनट)

- कल बोर्ड पर लिखे गए कठिन/अमूर्त शब्दों को दोबारा लिखें और बच्चों को पढ़कर सुनाएँ। अब प्रत्येक शब्द से बच्चों के साथ मौखिक रूप से वाक्य बनवाएँ।

पाठ पर समृद्ध चर्चा (7-10 मिनट)

- पाठ पर समृद्ध समझ बनाने के लिए पाठ से संबंधित 4-5 खुले छोर के प्रश्न बच्चों से पूछें, जैसे- दादी नीमा का बहुत इंतजार क्यों करती थी? आपने कभी किसी के लिए इंतजार किया है और क्यों? आदि। चर्चा में प्रत्येक बच्चे को अपनी बात कहने के अवसर दें।

पाठ अभ्यास एवं संबंधित लेखन कार्य (7-10 मिनट)

- पाठ्यपुस्तक के पाठ की गतिविधि **(बातचीत के लिए 1-4, इस कहानी में नीमा और दादी..... की सूची बनाएँ)** पर बच्चों से मौखिक रूप से चर्चा करें और प्रश्न के निर्देशानुसार गतिविधि करने को कहें।

कार्यपुस्तिका (भाग-1) पर कार्य

कालांश 2 | 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ-1 से संबंधित विस्तारित गतिविधि पर कार्य।

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 6

तैयारी: पाठ की गतिविधियों को पहले से समझ लें।

कार्यपुस्तिका सप्ताह-5 दिवस-2 पर कार्य करें-

- **गतिविधि-1 (7-10 मिनट):** दिए गए शब्दों एवं उनके अर्थ को पाठ के संदर्भ एवं बच्चों के परिवेश से जोड़कर चर्चा करें। फिर प्रत्येक शब्द पर बच्चों के साथ मौखिक रूप से वाक्य बनवाएँ। अंत में, सभी बच्चों को स्वतंत्र रूप से पढ़ने को कहें।
- **गतिविधि-2 (5-7 मिनट):** बच्चों से मौखिक रूप से इस पर चर्चा करें। चर्चा के दौरान आए कठिन शब्दों को बोर्ड पर लिख दें। फिर उन्हें अपने-अपने उत्तर लिखने को कहें।
- **गतिविधि-3 (7-10 मिनट):** बच्चों को अन्य उदाहरण (कार्यपुस्तिका से भिन्न) देते हुए बताएँ कि कैसे शब्दों में सही जगह पर 'ी' की मात्रा लगाकर शब्द पूरे किए जाते हैं, जैसे- बमार → बीमार। फिर कुछ बच्चों से प्रतिक्रिया लें। अंत में, सभी बच्चों से दिए गए शब्दों को सही करके लिखने को कहें।
- **गतिविधि-4 (5 मिनट):** आप बोर्ड पर कुछ उदाहरण (कार्यपुस्तिका से भिन्न) देते हुए बच्चों के साथ चर्चा करें कि कैसे सही शब्दों को चुनकर वाक्य पूरा किया जाता है। फिर कुछ बच्चों से प्रतिक्रिया लें। अंत में, सभी बच्चों को उत्तर लिखने को कहें।
- **गतिविधि-5 (5 मिनट):** आप बच्चों को तुकांत शब्द के कुछ उदाहरण (कार्यपुस्तिका से भिन्न) देकर उस पर चर्चा करें। फिर सभी बच्चों को दिए गए शब्दों के तुकांत शब्द लिखने को कहें।

कार्यपुस्तिका (भाग-2) पर कार्य

कालांश 3 | 40 मिनट

बच्चों द्वारा पठन अभ्यास एवं अतिरिक्त सहायता की आवश्यकता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य।

विषयवस्तु: पठन अभ्यास-9 एवं रिमीडियल कार्य

तैयारी: रिमीडियल की गतिविधि संदर्शिका से देखें।

पठन अभ्यास (15-17 मिनट)

- पिछले दिन के पठन अभ्यास में दिए गए पाठ को आदर्श रूप से पढ़ें। बच्चों को स्वतंत्र रूप से पठन अभ्यास पढ़ने को कहें। इस दौरान आप बच्चों के पास जाकर पठन अभ्यास का अवलोकन करें। कुछ बच्चों को सबके सामने पाठ पढ़कर सुनाने को कहें। बाकी बच्चों को अंगुली रखकर अनुसरण करने को कहें। अंत में, आप पाठ पर संक्षिप्त चर्चा करके समेकन करें।

रिमीडियल कार्य (15-20 मिनट)

- पिछले सप्ताह के साप्ताहिक आकलन के आधार पर अतिरिक्त सहायता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य करें। बाकी बच्चों को पठन अभ्यास स्वतंत्र रूप से पढ़ने को कहें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा: बच्चों द्वारा लेखन कार्य किए जाने के दौरान क्या आपने घूम-घूमकर उनके कार्य का अवलोकन किया? बच्चों के लेखन कार्य का अवलोकन करें एवं उन्हें आवश्यकतानुसार दैनिक रूप से सहायता दें।

पाठ्यपुस्तक 'सारंगी-2' पर कार्य

कालांश 1 — 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ को मौखिक रूप से सुनाना एवं समृद्ध चर्चा करना।

विषयवस्तु: पाठ-1 **'नीमा की दादी'**

तैयारी: बंद एवं खुले छोर के प्रश्नों को तैयार करें।

बच्चों द्वारा कहानी को अपने शब्दों में सुनाना (10-15 मिनट)

- कुछ बच्चों को पाठ की कहानी अपने शब्दों में सुनाने को कहें।
- कहानी सुनाते समय यदि बच्चे कहानी को क्रमवार नहीं सुना पाएँ या कहानी में कोई नया पात्र जोड़ते हैं या कोई अपनी नई कहानी सुनाते हैं आदि, तो उसे भी स्वीकार करें और उस पर चर्चा करें।

पाठ पर समृद्ध चर्चा (10-12 मिनट)

- बच्चे जब कहानी सुना लें तो उनसे बातचीत करें कि चर्चा को आगे कैसे बढ़ाया जा सकता है, जैसे- अगर नीमा की दादी की जगह आप होते तो क्या-क्या करते? आदि। ऐसे ही 4-5 खुले छोर के प्रश्नों को जोड़ते हुए चर्चा को आगे बढ़ाएँ।

पाठ अभ्यास एवं संबंधित लेखन कार्य (7-10 मिनट)

- पाठ्यपुस्तक के पाठ की गतिविधि **(नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखें 1-2)** पर मौखिक रूप चर्चा करें। फिर उन्हें उत्तर लिखने को कहें। फिर बच्चों के लेखन कार्य पर व्यक्तिगत फीडबैक दें एवं आवश्यकतानुसार उनकी सहायता करें।

कार्यपुस्तिका (भाग-1) पर कार्य

कालांश 2 — 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ-1 पर आधारित अभ्यास कार्य।

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 7

तैयारी: पाठ की गतिविधियों को पहले से समझ लें।

कार्यपुस्तिका सप्ताह-5 दिवस-3 पर कार्य करें-

- **गतिविधि-1 (5-7 मिनट):** आप बोर्ड पर 3-4 वर्ण/अक्षर वाले शब्द के उदाहरण (कार्यपुस्तिका से भिन्न) देते हुए अक्षरों को मिलाकर शब्द के रूप में पढ़ने का अभ्यास करवाएँ। फिर दी गई गतिविधि को करने को कहें।
- **गतिविधि-2 (5-7 मिनट):** बच्चों के साथ अलग-अलग स्वाद की खाने की वस्तुओं के बारे में चर्चा करें। फिर इस गतिविधि को करने को कहें।
- **गतिविधि-3 (7-10 मिनट):** बच्चों को जोड़ियों/समूहों में बारी-बारी से पढ़ने को कहें और आवश्यकतानुसार उनकी सहायता करें।
- **गतिविधि-4 (5-7 मिनट):** आप अपने परिवार के सदस्यों के नाम एवं उनसे आपके रिश्तों के नाम का उदाहरण दें और चर्चा करें। गतिविधि पर कुछ बच्चों से प्रतिक्रियाएँ लें। फिर सभी से उत्तर लिखने को कहें।
- **गतिविधि-5 (5 मिनट):** आप 3-4 वर्ण/अक्षर वाले पाँच शब्द बोलें और बच्चों से लिखने को कहें।

☞ **'सुनकर लिखें'** गतिविधि समाप्त होने पर आप बोले गए शब्दों को बोर्ड पर लिखें और बच्चों को जोड़ियों में करके एक-दूसरे की कार्यपुस्तिका जाँचने को कहें।

कार्यपुस्तिका (भाग-2) पर कार्य

कालांश 3 — 40 मिनट

बच्चों द्वारा पठन अभ्यास एवं अतिरिक्त सहायता की आवश्यकता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य।

विषयवस्तु: पठन अभ्यास-10 एवं रिमीडियल कार्य

तैयारी: रिमीडियल की गतिविधि संदर्शिका से देखें।

पठन अभ्यास (15-17 मिनट)

- पठन अभ्यास-10 में दिए गए पाठ को पढ़कर सुनाएँ। सभी बच्चों को पाठ में दिए गए शब्दों पर अंगुली रखकर पढ़ने को कहें।
- आप बच्चों को दिए गए पाठ को जोड़ियों/समूहों में बारी-बारी से पढ़ने को कहें। इस दौरान आप कक्षा में घूम-घूमकर अवलोकन करें और आवश्यकतानुसार उनकी सहायता करें।
- पठन अभ्यास के अंत में कुछ शब्दों पर बातचीत करें जैसे- भूखा आदि।

रिमीडियल कार्य (15-20 मिनट)

- पिछले सप्ताह के साप्ताहिक आकलन के आधार पर अतिरिक्त सहायता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य करें। बाकी बच्चों को पठन अभ्यास स्वतंत्र रूप से पढ़ने को कहें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा: क्या कक्षा के संचालन के दौरान बच्चों को अपनी बात साझा करने का पर्याप्त अवसर मिला। प्रयास हमेशा यह रहना चाहिए कि सभी बच्चों को अपनी बात साझा करने के पर्याप्त अवसर मिलें।

पाठ्यपुस्तक 'सारंगी-2' पर कार्य

कालांश 1 40 मिनट

बच्चों द्वारा अनुभव साझा करना।

विषयवस्तु: पाठ-1 पर आधारित अनुभव साझा करना।

तैयारी: बंद एवं खुले छोर के प्रश्नों को तैयार करें।

बच्चों द्वारा अनुभव सुनाना (10-15 मिनट)

- कल की चर्चा को दोहराते हुए अपने परिवार से जुड़े अनुभव जैसे- आपके परिवार में कौन-कौन हैं और वे क्या-क्या करते हैं? संक्षेप में सुनाएँ। फिर बच्चों को अपने परिवार से संबंधित अनुभव सुनाने को कहें। बच्चों को अपने घर की भाषा में अपनी बात कहने के अवसर दें। सुनिश्चित करें कि सभी बच्चों को बोलने का अवसर मिले।

मौखिक खेल गतिविधि (5-7 मिनट)

- पाठ के किसी एक शब्द से शुरुआत करके बच्चों को शब्द अन्त्याक्षरी खेलने को कहें। जैसे- नीमा, माला, लाल, लकड़ी आदि।

पाठ अभ्यास एवं संबंधित लेखन कार्य (10-15 मिनट)

- पाठ्यपुस्तक की गतिविधि **(मिलकर पढ़िए)** पर बच्चों से मौखिक रूप से चर्चा करें, फिर उन्हें उत्तर लिखने को कहें।

☞ आप अनुभव पर कार्य के चरणों को इस संदर्शिका से देखें।

कार्यपुस्तिका (भाग-1) पर कार्य

कालांश 2 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ-1 पर आधारित अभ्यास कार्य।

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 8

तैयारी: पाठ की गतिविधियों को पहले से समझ लें।

कार्यपुस्तिका सप्ताह-5 दिवस-4 पर कार्य करें-

- **गतिविधि-1 (7-10 मिनट):** दिए गए शब्दों एवं उनके अर्थ को पाठ के संदर्भ एवं बच्चों के परिवेश से जोड़कर चर्चा करें। फिर प्रत्येक शब्द पर बच्चों के साथ मौखिक रूप से वाक्य बनवाएँ। अंत में, सभी बच्चों को स्वतंत्र रूप से पढ़ने को कहें।
- **गतिविधि-2 (7-10 मिनट):** आप बोर्ड पर कुछ उदाहरण (कार्यपुस्तिका से भिन्न) देते हुए बच्चों के साथ चर्चा करें कि कैसे सही शब्दों को चुनकर वाक्य को पूरा किया जाता है। फिर कुछ बच्चों से प्रतिक्रिया लें। अंत में, सभी बच्चों को उत्तर लिखने को कहें।
- **गतिविधि-3 (7-10 मिनट):** बोर्ड पर बच्चों को एक जैसी आवाज वाले शब्दों के उदाहरण (कार्यपुस्तिका से भिन्न) देते हुए गतिविधि को समझाएँ। फिर सभी बच्चों को उत्तर लिखने को कहें।
- **गतिविधि-4 (5-7 मिनट):** आप बोर्ड पर 3-4 वर्ण/अक्षर वाले शब्द के उदाहरण (कार्यपुस्तिका से भिन्न) देते हुए अक्षरों को मिलाकर शब्द के रूप में पढ़ने का अभ्यास करवाएँ। फिर दी गई गतिविधि को करने को कहें।

कार्यपुस्तिका (भाग-2) पर कार्य

कालांश 3 40 मिनट

बच्चों द्वारा पठन अभ्यास एवं अतिरिक्त सहायता की आवश्यकता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य।

विषयवस्तु: पठन अभ्यास-10 एवं रिमीडियल कार्य

तैयारी: रिमीडियल की गतिविधि संदर्शिका से देखें।

पठन अभ्यास (15-17 मिनट)

- पिछले दिन के पठन अभ्यास में दिए गए पाठ को आदर्श रूप से पढ़ें। बच्चों को स्वतंत्र रूप से पठन अभ्यास पढ़ने को कहें। इस दौरान आप बच्चों के पास जाकर पठन अभ्यास का अवलोकन करें। कुछ बच्चों को सबके सामने पाठ पढ़कर सुनाने को कहें। बाकी बच्चों को अंगुली रखकर अनुसरण करने को कहें। अंत में, आप पाठ पर संक्षिप्त चर्चा करके समेकन करें।

रिमीडियल कार्य (15-20 मिनट)

- पिछले सप्ताह के साप्ताहिक आकलन के आधार पर अतिरिक्त सहायता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य करें। बाकी बच्चों को पठन अभ्यास स्वतंत्र रूप से पढ़ने को कहें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा: शिक्षण प्रक्रिया के दौरान यदि बच्चों की सहभागिता कम हो जाए या फिर वे ऊबने लगें तो सौहार्दपूर्ण वातावरण निर्माण की गतिविधि द्वारा उन्हें शिक्षण प्रक्रिया से दोबारा जोड़ें।

मौखिक भाषा विकास पर कार्य

कालांश 1 40 मिनट

पाठ आधारित पुनरावृत्ति, कविता गायन और मौखिक भाषा विकास

विषयवस्तु: कविता पोस्टर **'रेल'**

तैयारी: विषय से संबंधित चर्चा के बिन्दु पहले से तय करें।

पाठ्यपुस्तक के पाठ पर आधारित पुनरावृत्ति (5-7 मिनट)
- पाठ-1 से संबंधित कुछ कठिन/अमूर्त शब्दों को बोर्ड पर लिखें और उन्हें बच्चों से पढ़ने को कहें, जैसे- पसंद, जल्दी आदि।
- फिर कुछ बच्चों को उन शब्दों से मौखिक रूप से वाक्य बनाकर सुनाने को कहें।

मौखिक रूप से कविता सुनाना (7-10 मिनट)
- आप कविता पोस्टर दिखाते हुए कविता के शीर्षक का बच्चों से अनुमान लगाने को कहें, जैसे- कविता किसके बारे में है? आदि।
- अब आप बच्चों को हाव-भाव के साथ कविता मौखिक रूप से 1-2 बार सुनाएँ। फिर इस कविता को बच्चों के साथ 1-2 बार हाव-भाव के साथ पढ़कर सुनाएँ।
- इस दौरान आप कविता के प्रत्येक शब्द पर अंगुली रखते हुए पढ़ें और बच्चों का ध्यान इस तरफ दिलवाएं।

बच्चों द्वारा आपस में चर्चा (7-10 मिनट)
- बच्चों को जोड़ियों में बाँटकर 4-5 खुले छोर के प्रश्नों के माध्यम से कविता के बारे में उनके विचारों को साझा करने का अवसर दें, जैसे- ठंडी छाँव लिए अगर गाँव न दौड़ता तो क्या होता? आदि।

लेखन कार्य (7-10 मिनट)
- बच्चों को कविता से जुड़ा कोई चित्र बनाने और अपने साथी को दिखाते हुए उस पर बातचीत करने को कहें। फिर किन्हीं 3-4 बच्चों को अपने विचार पूरी कक्षा के साथ साझा करने को कहें।

सुनिश्चित करें कि शिक्षक सभी जोड़ियों से प्रतिक्रिया लें।

कार्यपुस्तिका (भाग-1) पर कार्य

कालांश 2 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ-1 पर आधारित पुनरावृत्ति कार्य।

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 9

तैयारी: पाठ की गतिविधियों को पहले से समझ लें।

कार्यपुस्तिका सप्ताह-5 दिवस-5 पर कार्य करें-
- **गतिविधि-1 (7-10 मिनट):** शब्दों को आदर्श रूप से पढ़ें और बच्चों को अंगुली रखते हुए अनुसरण करने को कहें। फिर उन्हें जोड़ियों/समूहों में पढ़ने को कहें।
- **गतिविधि-2 (10-12 मिनट):** बच्चों को व्यक्तिगत रूप से पढ़ने को कहें और आवश्यकतानुसार उनकी सहायता करें।
- **गतिविधि-3 (5-7 मिनट):** आप बोर्ड पर कुछ उदाहरण (कार्यपुस्तिका से भिन्न) देते हुए बच्चों के साथ चर्चा करें कि कैसे सही शब्दों को चुनकर वाक्य को पूरा किया जाता है। फिर कुछ बच्चों से प्रतिक्रिया लें। अंत में, सभी बच्चों को उत्तर लिखने को कहें।

नोटबुक पर कार्य
- **गतिविधि-4 (5-7 मिनट):** आप बोर्ड पर **वर्ण** (म, न, स, क, र, द, ल, ज) और **मात्रा** ('ा') लिख दें। आप दिए गए वर्ण/मात्रा से 2-3 शब्द (सार्थक/निरर्थक) बनाकर गतिविधि समझाएँ। अब आप बच्चों को जोड़ियों में बाँटकर बोर्ड पर लिखे वर्ण/मात्रा से ज्यादा से ज्यादा शब्द बनाकर कॉपी/नोटबुक में लिखने और पढ़ने को कहें। अंत में, 3-4 जोड़ियों से उनके द्वारा बनाए गए शब्द पढ़ने को कहें।

स्वतंत्र पठन पर कार्य

कालांश 3 40 मिनट

बच्चों द्वारा चयनित किताब का स्वतंत्र पठन एवं अतिरिक्त सहायता की आवश्यकता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य।

विषयवस्तु: स्वतंत्र पठन एवं रिमीडियल कार्य

तैयारी: चित्रात्मक कहानी की पुस्तकें।

स्वतंत्र पठन (15-17 मिनट)
- आप बच्चों को पुस्तकालय या रीडिंग कॉर्नर से चित्र सहित छोटी कहानी की किताबें अपनी इच्छा से चुनने एवं पढ़ने का अवसर दें। बच्चों को किताबों को उलटने-पलटने, पढ़ने एवं आपस में बातचीत करने के पर्याप्त अवसर दें।
- कुछ बच्चों लगभग 50% (कोशिश करें हर सप्ताह नए बच्चों को मौका मिले) को उनकी किताब की कहानी पर अपनी बात रखने का अवसर दें। बच्चे जैसी भी कहानी बताएँ, उसे स्वीकार करें। बच्चों को कहानी वाक्यों में बताने की अपेक्षा रखें एवं उन्हें सहयोग करें।

रिमीडियल कार्य (15-20 मिनट)
- अवलोकन के आधार पर अतिरिक्त सहायता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य करें। इसके लिए बच्चों के स्तरानुसार वर्ण/शब्द स्तर की गतिविधियाँ कराएँ।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा: बच्चों को अपनी प्रतिक्रिया पूरे वाक्यों में देने को प्रोत्साहित करें।

मौखिक भाषा विकास पर कार्य

कालांश 1 40 मिनट

विद्यालय और साथियों से जुड़ाव।

विषयवस्तु: SEL और मौखिक खेल

तैयारी: खेल से संबंधित सामग्री पहले से एकत्रित करें।

खेल गतिविधि (7-10 मिनट)

- आप खेल गतिविधि **'बात सुनो भाई बात सुनो'** के विस्तृत चरणों को संदर्शिका से देखें। गतिविधि से संबंधित सभी निर्देश स्पष्टता के साथ बच्चों को देते हुए गतिविधि कराएँ।

सामाजिक भावनात्मक विकास गतिविधि (10-15 मिनट)

- आज **'आलसी बिल्ली'** की गतिविधि बच्चों के साथ कराएँ। इससे संबंधित सभी निर्देश संदर्शिका से स्पष्टता के साथ बच्चों को दें।

लेखन कार्य (7-10 मिनट)

- आप बच्चों को आज की गतिविधि से संबंधित कोई चित्र बनाकर, उनमें रंग भरने और कुछ शब्द या 1-2 वाक्य लिखने एवं उस पर अपने साथी के साथ बातचीत करने को कहें।
- जब बच्चे चित्र बना लें, तो उनके चित्र **'बच्चों का कोना'** में लगा दें। अब कुछ बच्चों को बुलाकर चित्रों पर हुई चर्चा को सभी के साथ साझा करने को कहें।

आकलन

कालांश 2 40 मिनट

साप्ताहिक आकलन

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 9

तैयारी: आकलन की योजना और प्रश्न पहले से तैयार करें।

- आप सभी बच्चों को कार्यपुस्तिका के सप्ताह-5 दिवस 2 और 4 के कार्यपत्रक में दिए गए शब्द पठन को दोबारा पढ़ने को कहें। फिर उन्हें कार्यपुस्तिका के भाग-2 पठन अभ्यास 9 और 10 को भी पढ़ने को कहें। साथ ही, कक्षा में उपलब्ध अन्य पठन सामग्रियों को पढ़ने को प्रोत्साहित करें।

शिक्षक द्वारा आकलन (30-35 मिनट)

- आप बच्चों को बारी-बारी से बुलाएँ और उन्हें कार्यपुस्तिका से **'मैंने सीख लिया'** को पढ़ने को कहें।
- बच्चों को **'मैंने सीख लिया'** को पढ़ने के लिए पर्याप्त समय दें। अगर बच्चे झिझक रहे हों तो उन्हें सहज महसूस कराएँ।
- बच्चों द्वारा जितने शब्द सही पढ़े गए हों, उनकी संख्या को कोष्ठक में लिखें।

आकलन

कालांश 3 40 मिनट

साप्ताहिक आकलन

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 9

तैयारी: आकलन की योजना पहले से तैयार कर लें।

शिक्षक द्वारा आकलन (25-27 मिनट)

- आप कालांश-2 के आकलन को जारी रखें।

सुनकर लिखें (10 मिनट)

- आप बच्चों को सामूहिक रूप से **'सुनकर लिखें'** गतिविधि करवाएँ। सभी बच्चों के लिख लेने के बाद, आप बोर्ड पर वाक्य लिख दें और बच्चों को एक-दूसरे की कॉपी जाँचने को कहें। इस पर कार्य करने के विस्तृत चरणों को संदर्शिका से देखें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा: जिन बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य किया गया है, क्या वे बच्चे इस अभ्यास को सफलतापूर्वक कर पाए हैं या नहीं, इसे देखने के लिए उन बच्चों द्वारा किए गए कार्य को अवश्य जाँचें।

सप्ताह 6 दिवस 1

पाठ्यपुस्तक 'सारंगी-2' पर कार्य

कालांश 1 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ को पढ़कर सुनाना एवं चर्चा करना।

विषयवस्तु: पाठ-2 'घर'

तैयारी: कठिन शब्द, बंद और खुले छोर के प्रश्न

पाठ का आदर्श वाचन (7-10 मिनट)

- पाठ के चित्रों और शीर्षक के आधार पर कविता की विषयवस्तु का अनुमान लगवाएँ, जैसे- यह कविता किसके बारे में है? आदि।
- अब बच्चों को हाव-भाव के साथ कविता मौखिक रूप से 1-2 बार सुनाएँ और बच्चों को प्रतिभाग करने के लिए प्रोत्साहित करें। इसके बाद आप कविता को पढ़ें और बच्चों को अपनी पाठ्यपुस्तक में अंगुली रखते हुए कविता का अनुसरण करने को कहें।

शब्दावली विकास (5-7 मिनट)

- पाठ के कठिन/अमूर्त शब्दों जैसे- ताजगी, न्यारा आदि को बोर्ड पर लिखें और उनके अर्थ को पाठ के संदर्भ और बच्चों के परिवेश से जोड़कर बताएँ।

पाठ पर समृद्ध चर्चा (7-10 मिनट)

- कविता के बारे में बच्चों की राय पूछें, जैसे- उन्हें कविता में क्या अच्छा लगा और क्यों? आदि।
- बातचीत को समृद्ध बनाने के लिए 4-5 खुले छोर के प्रश्न भी पूछें, जैसे- अपना घर प्यारा क्यों लगता है? आदि।

पाठ अभ्यास एवं संबंधित लेखन कार्य (7-10 मिनट)

- पाठ्यपुस्तक के पाठ की गतिविधि **(खोजे जानें, 2)** पर बच्चों से चर्चा करें और फिर उन्हें उत्तर लिखने को कहें।

कार्यपुस्तिका (भाग-1) पर कार्य

कालांश 2 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ-2 से संबंधित विस्तारित गतिविधि पर कार्य।

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 10

तैयारी: पाठ की गतिविधियों को पहले से समझ लें।

कार्यपुस्तिका सप्ताह-6 दिवस-1 पर कार्य करें -

- **गतिविधि-1 (7-10 मिनट):** शब्दों को आदर्श रूप से पढ़ें और बच्चों को अंगुली रखते हुए अनुसरण करने को कहें। फिर उन्हें जोड़ियों/समूहों में पढ़ने को कहें।
- **गतिविधि-2 (5-7मिनट):** आप बच्चों से चर्चा करें कि घरों में क्या-क्या सामान रहता है। फिर बच्चों से गतिविधि करने को कहें। गतिविधि के दौरान बच्चों को याद दिलाएँ कि आपके घर में जो-जो सामान हैं, छाँटकर लिखें।
- **गतिविधि-3 (5 मिनट):** आप बच्चों के साथ चर्चा करें कि शरीर के अंगों के नाम क्या-क्या हैं। बोर्ड पर उदाहरण (कार्यपुस्तिका से भिन्न) द्वारा किन्हीं दो अंगों के नाम व उसका वाक्य में उपयोग करके बताएँ। फिर बच्चों को गतिविधि करने को कहें।
- **गतिविधि-4 (5-7 मिनट):** आप बोर्ड पर 3-4 वर्ण/अक्षर वाले शब्द के उदाहरण (कार्यपुस्तिका से भिन्न) देते हुए अक्षरों को मिलाकर शब्द के रूप में पढ़ने का अभ्यास करवाएँ। फिर दी गई गतिविधि को करने को कहें।
- **गतिविधि-5 (5-7 मिनट):** आप बच्चों से मौखिक रूप से गतिविधि पर चर्चा करें। आप उदाहरण के रूप में अपनी पसंद की जगह बताएँ। फिर बच्चों को उत्तर लिखने को कहें।

कार्यपुस्तिका (भाग-2) पर कार्य

कालांश 3 40 मिनट

बच्चों द्वारा पठन अभ्यास एवं अतिरिक्त सहायता की आवश्यकता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य।

विषयवस्तु: पठन अभ्यास-11 एवं रिमीडियल कार्य

तैयारी: रिमीडियल की गतिविधि संदर्शिका से देखें।

पठन अभ्यास (15-17 मिनट)

- पठन अभ्यास-11 में दिए गए पाठ को पढ़कर सुनाएँ। सभी बच्चों को पाठ में दिए गए शब्दों पर अंगुली रखकर पढ़ने को कहें।
- आप बच्चों को दिए गए पाठ को जोड़ियों/समूहों में बारी-बारी से पढ़ने को कहें। इस दौरान आप कक्षा में घूम-घूमकर अवलोकन करें और आवश्यकतानुसार उनकी सहायता करें।
- पठन अभ्यास के अंत में कुछ शब्दों पर बातचीत करें जैसे- आँधी, अचानक आदि।

रिमीडियल कार्य (15-20 मिनट)

- पिछले सप्ताह के साप्ताहिक आकलन के आधार पर अतिरिक्त सहायता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य करें। बाकी बच्चों को पठन अभ्यास स्वतंत्र रूप से पढ़ने को कहें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा: क्या कक्षा के संचालन के दौरान बच्चों को अपनी बात साझा करने का पर्याप्त अवसर मिला। प्रयास हमेशा यह रहना चाहिए कि सभी बच्चों को अपनी बात साझा करने के पर्याप्त अवसर मिलें।

पाठ्यपुस्तक 'सारंगी-2' पर कार्य

कालांश 1 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ का दोहराव और समृद्ध चर्चा।

विषयवस्तु: पाठ-2 **'घर'**

तैयारी: पाठ आधारित प्रश्न

पाठ का आदर्श वाचन (7-10 मिनट)

- आप बच्चों से कल की चर्चा के आधार पर कुछ बंद छोर के प्रश्न पूछें, जैसे- कल हमने कौन-सी कविता पढ़ी थी? कविता किसके बारे में थी? आदि।
- अब आप कविता का 1-2 बार आदर्श वाचन करें और बच्चों से अपने साथ कविता दोहराने को कहें।

शब्दावली विकास (5-7 मिनट)

- कल आपने जिन कठिन/अमूर्त शब्दों पर कार्य किया था। उनके अर्थ बच्चों से पूछें और उन शब्दों से मौखिक रूप से वाक्य बनवाएँ।

पाठ पर समृद्ध चर्चा (7-10 मिनट)

- बातचीत को समृद्ध बनाने के लिए बच्चों के अनुभवों से जोड़ते हुए, 4-5 खुले छोर के प्रश्न भी पूछें, जैसे- अपना घर कोई क्यों नहीं भूलता? आदि।
- बच्चों के हर उत्तर को स्वीकार करते हुए उनका प्रोत्साहन करें।
- इसके बाद आप कक्षा के कुछ बच्चों से कविता सुनाने को कहें।

पाठ अभ्यास एवं संबंधित लेखन कार्य (7-10 मिनट)

- पाठ्यपुस्तक के पाठ की गतिविधि **(बातचीत के लिए, 1-4)** पर बच्चों से मौखिक रूप से चर्चा करें।

कार्यपुस्तिका (भाग-1) पर कार्य

कालांश 2 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ-2 से संबंधित विस्तारित गतिविधि पर कार्य।

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 11

तैयारी: पाठ की गतिविधियों को पहले से समझ लें।

कार्यपुस्तिका सप्ताह-6 दिवस-2 पर कार्य करें -

- **गतिविधि-1 (7-10 मिनट):** दिए गए शब्दों एवं उनके अर्थ को पाठ के संदर्भ एवं बच्चों के परिवेश से जोड़कर चर्चा करें। फिर प्रत्येक शब्द पर बच्चों के साथ मौखिक रूप से वाक्य बनवाएँ। अंत में, सभी बच्चों को स्वतंत्र रूप से पढ़ने को कहें।
- **गतिविधि-2 (5 मिनट):** आप बच्चों से चर्चा करें कि घर बनाने में कौन-कौन सी चीज/सामग्री लगती है। फिर बच्चों से गतिविधि करने को कहें।
- **गतिविधि-3 (5-7 मिनट):** आप बोर्ड पर कविता की पंक्ति पूरी करने का उदाहरण (कार्यपुस्तिका से भिन्न) देते हुए गतिविधि समझाएँ। फिर बच्चों को कार्यपुस्तिका में दी गई कविता की पंक्तियां पूरी करके लिखने को कहें।
- **गतिविधि-4 (5-7 मिनट):** आप बच्चों को विलोम शब्दों की अवधारणा बोर्ड पर उदाहरण (कार्यपुस्तिका से भिन्न) देकर समझाएँ और अभ्यास करवाएँ। अंत में, सभी बच्चों को उत्तर लिखने को कहें।
- **गतिविधि-5 (5-7 मिनट):** आप उदाहरण के रूप में कुछ शब्दों (कार्यपुस्तिका से भिन्न) का उपयोग मौखिक रूप से वाक्यों में करके बताएँ और बोर्ड पर लिखें। फिर दी गई गतिविधि को करने को कहें।

कार्यपुस्तिका (भाग-2) पर कार्य

कालांश 3 40 मिनट

बच्चों द्वारा पठन अभ्यास एवं अतिरिक्त सहायता की आवश्यकता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य।

विषयवस्तु: पठन अभ्यास-11 एवं रिमीडियल कार्य

तैयारी: रिमीडियल की गतिविधि संदर्शिका से देखें।

पठन अभ्यास (15-17 मिनट)

- पिछले दिन के पठन अभ्यास में दिए गए पाठ को आदर्श रूप से पढ़ें। बच्चों को स्वतंत्र रूप से पठन अभ्यास पढ़ने को कहें। इस दौरान आप बच्चों के पास जाकर पठन अभ्यास का अवलोकन करें। कुछ बच्चों को सबके सामने पाठ पढ़कर सुनाने को कहें। बाकी बच्चों को अंगुली रखकर अनुसरण करने को कहें। अंत में, आप पाठ पर संक्षिप्त चर्चा करके समेकन करें।

रिमीडियल कार्य (15-20 मिनट)

- पिछले सप्ताह के साप्ताहिक आकलन के आधार पर अतिरिक्त सहायता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य करें। बाकी बच्चों को पठन अभ्यास स्वतंत्र रूप से पढ़ने को कहें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा: शिक्षण प्रक्रिया के दौरान यदि बच्चों की सहभागिता कम हो जाए या फिर वे ऊबने लगें तो सौहार्दपूर्ण वातावरण निर्माण की गतिविधि द्वारा उन्हें शिक्षण प्रक्रिया से दोबारा जोड़ें।

सप्ताह 6 दिवस 3

पाठ्यपुस्तक 'सारंगी-2' पर कार्य

कालांश 1 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ-3 का आदर्श वाचन एवं चयनित पाठ्यांश 'हुश्श्श!.....वे बोली' का मार्गदर्शित पठन।

विषयवस्तु: पाठ-3 **'माला की चाँदी की पायल'**

तैयारी: पाठ्यांश आधारित प्रश्न

पाठ का आदर्श वाचन करना (7-10 मिनट)

- पाठ के चित्रों और शीर्षक के आधार पर कहानी की विषयवस्तु का अनुमान लगवाएँ। पूरे पाठ को हाव-भाव के साथ 1-2 बार पढ़कर सुनाएँ। बच्चे पाठ से जुड़े रहें, इसके लिए बीच-बीच में कुछ बंद छोर के प्रश्न पूछें।

कहानी को मौखिक रूप से सुनाना और चर्चा करना (7-10 मिनट)

- पाठ की कहानी या केन्द्रीय बिंदु को अपने शब्दों में सुनाकर एक बार और चर्चा करें।
- पाठ से सम्बन्धित कुछ बंद एवं 4-5 खुले छोर के प्रश्न बच्चों से पूछें, जैसे- बिल्ली को कौन डराता है? माला को डिब्बी से क्या मिला? आखिर माला सबको डराती क्यों थी? आदि।

पाठ्यांश का मार्गदर्शन में पठन (5-7 मिनट)

- बच्चों को जोड़ियों/समूहों में बाँटकर चयनित पाठ्यांश को बारी-बारी से पढ़ने (मार्गदर्शन में पठन) को कहें।
- जो बच्चे अभी भी शब्द स्तर पर हों, उन पर विशेष ध्यान दें और उनकी सहायता करें। बाकी बच्चों की आवश्यकतानुसार सहायता करें।

पाठ अभ्यास एवं संबंधित लेखन कार्य (7-10 मिनट)

- पाठ्यपुस्तक के पाठ की गतिविधि **(लिखिए 1-3)** पर बच्चों से चर्चा करें और फिर उन्हें उत्तर लिखने को कहें।

कार्यपुस्तिका (भाग-1) पर कार्य

कालांश 2 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ-3 पर आधारित अभ्यास कार्य।

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 12

तैयारी: पाठ की गतिविधियों को पहले से समझ लें।

कार्यपुस्तिका सप्ताह-6 दिवस-3 पर कार्य करें -

- **गतिविधि-1 (5-7 मिनट):** आप बच्चों के साथ शब्दों की अन्त्याक्षरी मौखिक रूप से करें। उदाहरण (कार्यपुस्तिका से भिन्न) के रूप में, बोर्ड पर एक शब्द के अंतिम वर्ण/अक्षर से नया शब्द बनाकर दिखाएँ और गतिविधि समझाएँ। फिर बच्चों से कार्यपुस्तिका में दी गई गतिविधि करने को कहें।
- **गतिविधि-2 (5-7 मिनट):** आप बोर्ड पर एक छोटी ग्रिड के उदाहरण (कार्यपुस्तिका से भिन्न) बनाकर उसमें शब्द खोजने की प्रक्रिया बच्चों को करके बताएँ। फिर बच्चों को कार्यपुस्तिका में दी गई गतिविधि करने को कहें।
- **गतिविधि-3 (7-10 मिनट):** बच्चों को जोड़ियों/समूहों में बारी-बारी से पढ़ने को कहें और आवश्यकतानुसार उनकी सहायता करें।
- **गतिविधि-4 (5-7 मिनट):** आप कोई छोटी कविता (कार्यपुस्तिका से भिन्न) बच्चों को सुनाएँ। कविता का शीर्षक क्या-क्या हो सकता है, बच्चों से चर्चा करें। फिर दी गई गतिविधि को बच्चों को करने को कहें।
- **गतिविधि-5 (5 मिनट):** आप 3-4 वर्ण/अक्षर वाले पाँच शब्द बोलें और बच्चों से लिखने को कहें।

'सुनकर लिखें' गतिविधि समाप्त होने पर आप बोले गए शब्दों को बोर्ड पर लिखें और बच्चों को जोड़ियों में करके एक-दूसरे की कार्यपुस्तिका जाँचने को कहें।

कार्यपुस्तिका (भाग-2) पर कार्य

कालांश 3 40 मिनट

बच्चों द्वारा पठन अभ्यास एवं अतिरिक्त सहायता की आवश्यकता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य।

विषयवस्तु: पठन अभ्यास-12 एवं रिमीडियल कार्य

तैयारी: रिमीडियल की गतिविधि संदर्शिका से देखें।

पठन अभ्यास (15-17 मिनट)

- पठन अभ्यास-12 में दिए गए पाठ को पढ़कर सुनाएँ। सभी बच्चों को पाठ में दिए गए शब्दों पर अंगुली रखकर पढ़ने को कहें।
- आप बच्चों को दिए गए पाठ को जोड़ियों/समूहों में बारी-बारी से पढ़ने को कहें। इस दौरान आप कक्षा में घूम-घूमकर अवलोकन करें और आवश्यकतानुसार उनकी सहायता करें।
- पठन अभ्यास के अंत में कुछ शब्दों पर बातचीत करें।

रिमीडियल कार्य (15-20 मिनट)

- पिछले सप्ताह के साप्ताहिक आकलन के आधार पर अतिरिक्त सहायता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य करें। बाकी बच्चों को पठन अभ्यास स्वतंत्र रूप से पढ़ने को कहें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा: क्या कक्षा के संचालन के दौरान बच्चों को अपनी बात साझा करने का पर्याप्त अवसर मिला। प्रयास हमेशा यह रहना चाहिए कि सभी बच्चों को अपनी बात साझा करने के पर्याप्त अवसर मिलें।

पाठ्यपुस्तक 'सारंगी-2' पर कार्य

कालांश 1 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ-3 से चयनित पाठ्यांश 'माला ने..... पायल उतार दी' का मार्गदर्शित पठन।

विषयवस्तु: पाठ-3 **'माला की चाँदी की पायल'**

तैयारी: पाठ्यांश आधारित प्रश्न

पाठ्यांश का आदर्श वाचन करना (7-10 मिनट)

- कल की चर्चा को दोहराते हुए पाठ्यांश से संबंधित कुछ बंद छोर के प्रश्न बच्चों से पूछें, फिर चयनित पाठ्यांश को हाव-भाव के साथ पढ़कर सुनाएँ।

मार्गदर्शन में पठन (7-10 मिनट)

- बच्चों को जोड़ियों/समूहों में बाँटकर चयनित पाठ्यांश को बारी-बारी से पढ़ने (मार्गदर्शन में पठन) को कहें।
- जो बच्चे अभी भी शब्द स्तर पर हों, उन पर विशेष ध्यान दें और उनकी सहायता करें। बाकी बच्चों की आवश्यकतानुसार सहायता करें।

बच्चों द्वारा प्रश्न बनाना (5-7 मिनट)

- कुछ बच्चों को पढ़े गए पाठ्यांश से सवाल बनाकर बाकी बच्चों से प्रश्न पूछने का अवसर दें। बाकी बच्चों को पूछे गए प्रश्नों के उत्तर पूरे वाक्य में देने को कहें। अगर बच्चे प्रश्न नहीं बना पा रहे हैं तो आप उनकी सहायता करें।

पाठ अभ्यास एवं संबंधित लेखन कार्य (7-10 मिनट)

- पाठ्यपुस्तक के पाठ की गतिविधि **(बातचीत के लिए 1-4 और लिखिए 4)** के प्रश्नों पर बच्चों से मौखिक रूप से चर्चा करें, फिर उन्हें उत्तर लिखने को कहें।

कार्यपुस्तिका (भाग-1) पर कार्य

कालांश 2 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ-3 पर आधारित अभ्यास कार्य।

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 13

तैयारी: पाठ की गतिविधियों को पहले से समझ लें।

कार्यपुस्तिका सप्ताह-6 दिवस-4 पर कार्य करें -

- **गतिविधि-1 (7-10 मिनट):** दिए गए शब्दों एवं उनके अर्थ को पाठ के संदर्भ एवं बच्चों के परिवेश से जोड़कर चर्चा करें। फिर प्रत्येक शब्द पर बच्चों के साथ मौखिक रूप से वाक्य बनवाएँ। अंत में, सभी बच्चों को स्वतंत्र रूप से पढ़ने को कहें।
- **गतिविधि-2 (5-7 मिनट):** आप बोर्ड पर उदाहरण (कार्यपुस्तिका से भिन्न) देते हुए गतिविधि समझाएँ। फिर दी गई गतिविधि करने को कहें।
- **गतिविधि-3 (7-10 मिनट):** आप बोर्ड पर 3-4 वर्ण/अक्षर वाले शब्द के उदाहरण (कार्यपुस्तिका से भिन्न) देते हुए अक्षरों को मिलाकर शब्द के रूप में पढ़ने का अभ्यास करवाएँ। फिर दी गई गतिविधि को करने को कहें।
- **गतिविधि-4 (7-10 मिनट):** आप एक उदाहरण के माध्यम से बच्चों के साथ चर्चा करें कि माला किस प्रकार की आवाज निकालकर लोगों को डराती है। फिर कार्यपुस्तिका में दी गई गतिविधि करने को कहें।

कार्यपुस्तिका (भाग-2) पर कार्य

कालांश 3 40 मिनट

बच्चों द्वारा पठन अभ्यास एवं अतिरिक्त सहायता की आवश्यकता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य।

विषयवस्तु: पठन अभ्यास-12 एवं रिमीडियल कार्य

तैयारी: रिमीडियल की गतिविधि संदर्शिका से देखें।

पठन अभ्यास (15-17 मिनट)

- पिछले दिन के पठन अभ्यास में दिए गए पाठ को आदर्श रूप से पढ़ें। बच्चों को स्वतंत्र रूप से पठन अभ्यास पढ़ने को कहें। इस दौरान आप बच्चों के पास जाकर पठन अभ्यास का अवलोकन करें। कुछ बच्चों को सबके सामने पाठ पढ़कर सुनाने को कहें। बाकी बच्चों को अंगुली रखकर अनुसरण करने को कहें। अंत में, आप पाठ पर संक्षिप्त चर्चा करके समेकन करें।

रिमीडियल कार्य (15-20 मिनट)

- पिछले सप्ताह के साप्ताहिक आकलन के आधार पर अतिरिक्त सहायता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य करें। बाकी बच्चों को पठन अभ्यास स्वतंत्र रूप से पढ़ने को कहें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा: बच्चों द्वारा लेखन कार्य किए जाने के दौरान क्या आपने घूम-घूमकर उनके कार्य का अवलोकन किया? बच्चों के लेखन कार्य का अवलोकन करें एवं उन्हें आवश्यकतानुसार दैनिक रूप से सहायता दें।

मौखिक भाषा विकास पर कार्य

कालांश 1 40 मिनट

पाठ आधारित पुनरावृत्ति और कहानी द्वारा मौखिक शब्दावली विकास

विषयवस्तु: कहानी पोस्टर **'पानी की जेल'**

तैयारी: विषय से संबंधित चर्चा के बिन्दु पहले से तय करें।

पाठ्यपुस्तक के पाठ पर आधारित पुनरावृत्ति (5-7 मिनट)

- पाठ 2 और 3 से संबंधित कुछ कठिन/अमूर्त शब्दों को बोर्ड पर लिखें और उन्हें बच्चों से पढ़ने को कहें, जैसे- झनकना, ममतावाला आदि।
- फिर कुछ बच्चों को उन शब्दों से मौखिक रूप से वाक्य बनाकर सुनाने को कहें।

मौखिक रूप से कहानी सुनाना (7-10 मिनट)

- बच्चों को कहानी पोस्टर के चित्र दिखाते हुए, कहानी के शीर्षक और कहानी के बारे में अनुमान लगाने को कहें।
- कहानी को अपने शब्दों में बच्चों को सुनाएँ।
- बच्चों का जुड़ाव कहानी से बनाने के लिए बीच-बीच में कुछ बंद छोर के प्रश्न भी पूछें, जैसे- चींटी कहाँ कैद हो गई? आदि।

बच्चों द्वारा आपस में चर्चा (5-7 मिनट)

- बच्चों को जोड़ियों में बाँटकर 4-5 खुले छोर के प्रश्नों के माध्यम से कहानी के बारे में उनके विचारों को साझा करने का अवसर दें, जैसे- नीरज चींटी की सहायता नहीं करता तो चींटी क्या करती? आदि।

लेखन कार्य (10-12 मिनट)

- बच्चों से कहानी से जुड़ा कोई चित्र बनाने को कहें और अपने साथी को दिखाकर, उस पर बातचीत करने को कहें। फिर किन्हीं 3-4 बच्चों को सभी के साथ अपने चित्र पर चर्चा करने को कहें।

कार्यपुस्तिका (भाग-1) पर कार्य

कालांश 2 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ 2 और 3 पर आधारित पुनरावृत्ति कार्य।

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 14

तैयारी: पाठ की गतिविधियों को पहले से समझ लें।

कार्यपुस्तिका सप्ताह-6 दिवस-5 पर कार्य करें -

- **गतिविधि-1 (7-10 मिनट):** शब्दों को आदर्श रूप से पढ़ें और बच्चों को अंगुली रखते हुए अनुसरण करने को कहें। फिर उन्हें जोड़ियों/समूहों में पढ़ने को कहें।
- **गतिविधि-2 (10-12 मिनट):** बच्चों को व्यक्तिगत रूप से पढ़ने को कहें और आवश्यकतानुसार उनकी सहायता करें।
- **गतिविधि-3 (5-7 मिनट):** आप बच्चों को मौखिक रूप से उदाहरण (कार्यपुस्तिका से भिन्न) देकर गतिविधि समझाएँ। फिर दी गई गतिविधि करने को कहें।

नोटबुक पर कार्य :

- **गतिविधि-4 (5-7 मिनट):** आप 3-4 वर्ण/अक्षर वाले पाँच शब्द बोलें और बच्चों से लिखने को कहें।

'सुनकर लिखें' गतिविधि समाप्त होने पर आप बोले गए शब्दों को बोर्ड पर लिखें और बच्चों को जोड़ियों में करके एक-दूसरे की नोटबुक/कॉपी जाँचने को कहें।

स्वतंत्र पठन पर कार्य

कालांश 3 40 मिनट

बच्चों द्वारा चयनित किताब का स्वतंत्र पठन एवं अतिरिक्त सहायता की आवश्यकता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य।

विषयवस्तु: स्वतंत्र पठन एवं रिमीडियल कार्य

तैयारी: चित्रात्मक कहानी की पुस्तकें।

स्वतंत्र पठन (15-17 मिनट)

- आप बच्चों को पुस्तकालय या रीडिंग कॉर्नर से चित्र सहित छोटी कहानी की किताबें अपनी इच्छा से चुनने एवं पढ़ने का अवसर दें। बच्चों को किताबों को उलटने-पलटने, पढ़ने एवं आपस में बातचीत करने के पर्याप्त अवसर दें।
- कुछ बच्चों लगभग 50% (कोशिश करें हर सप्ताह नए बच्चों को मौका मिले) को उनकी किताब की कहानी पर अपनी बात रखने का अवसर दें। बच्चे जैसी भी कहानी बताएँ, उसे स्वीकार करें। बच्चों को कहानी वाक्यों में बताने की अपेक्षा रखें एवं उन्हें सहयोग करें।

रिमीडियल कार्य (15-20 मिनट)

- अवलोकन के आधार पर अतिरिक्त सहायता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य करें। इसके लिए बच्चों के स्तरानुसार वर्ण/शब्द स्तर की गतिविधियाँ कराएँ।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा: बच्चों को अपनी प्रतिक्रिया पूरे वाक्यों में देने को प्रोत्साहित करें।

मौखिक भाषा विकास पर कार्य

कालांश 1 40 मिनट

विद्यालय और साथियों से जुड़ाव।

विषयवस्तु: SEL और मौखिक खेल

तैयारी: खेल से संबंधित सामग्री पहले से एकत्रित करें।

खेल गतिविधि (7-10 मिनट)

- आप खेल गतिविधि **'जोड़ियों में अभिनय-2'** के विस्तृत चरणों को संदर्शिका से देखें। गतिविधि से संबंधित सभी निर्देश स्पष्टता के साथ बच्चों को देते हुए गतिविधि कराएँ।

सामाजिक भावनात्मक विकास गतिविधि (10-15 मिनट)

- आज **'सुपरहीरो की शक्ति'** की गतिविधि बच्चों के साथ कराएँ। इससे संबंधित सभी निर्देश संदर्शिका से देखकर स्पष्टता के साथ बच्चों को दें।

लेखन कार्य (7-10 मिनट)

- आप बच्चों को आज की गतिविधि से संबंधित कोई चित्र बनाकर, उनमें रंग भरने और कुछ शब्द या 1-2 वाक्य लिखने एवं उस पर अपने साथी के साथ बातचीत करने को कहें।
- जब बच्चे चित्र बना लें, तो उनके चित्र **'बच्चों का कोना'** में लगा दें। अब कुछ बच्चों को बुलाकर चित्रों पर हुई चर्चा को सभी के साथ साझा करने को कहें।

आकलन

कालांश 2 40 मिनट

साप्ताहिक आकलन

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 14

तैयारी: आकलन की योजना और प्रश्न पहले से तैयार करें।

- आप सभी बच्चों को कार्यपुस्तिका के सप्ताह-6 दिवस 2 और 5 के कार्यपत्रक में दिए गए शब्द पठन को दोबारा पढ़ने को कहें। फिर उन्हें कार्यपुस्तिका के भाग-2 पठन अभ्यास 11 और 12 को भी पढ़ने को कहे, साथ ही उपलब्ध अन्य पठन सामग्रियों को पढ़ने को प्रोत्साहित करें।

शिक्षक द्वारा आकलन (30-35 मिनट) :

- आप बच्चों को बारी-बारी से बुलाएँ और उन्हें कार्यपुस्तिका से **'मैंने सीख लिया'** को पढ़ने को कहें।
- बच्चों को **'मैंने सीख लिया'** को पढ़ने के लिए पर्याप्त समय दें। अगर बच्चे झिझक रहें हों तो उन्हें सहज महसूस कराएँ।
- बच्चों द्वारा जितने शब्द सही पढ़े गए हों, उनकी संख्या कोष्ठक में लिखें।

आकलन

कालांश 3 40 मिनट

साप्ताहिक आकलन

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 14

तैयारी: आकलन की योजना पहले से तैयार कर लें।

शिक्षक द्वारा आकलन (25-27 मिनट)

- आप कालांश-2 के आकलन को जारी रखें।

सुनकर लिखें (10 मिनट)

- आप बच्चों को सामूहिक रूप से **'सुनकर लिखें'** गतिविधि करवाएँ। सभी बच्चों के लिख लेने के बाद, आप बोर्ड पर वाक्य लिख दें और बच्चों को एक-दूसरे की कॉपी जाँचने को कहें। इस पर कार्य करने के विस्तृत चरणों को संदर्शिका से देखें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा: जिन बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य किया गया है, क्या वे बच्चे इस अभ्यास को सफलतापूर्वक कर पाए हैं या नहीं, इसे देखने के लिए उन बच्चों द्वारा किए गए कार्य को अवश्य जाँचें।

पाठ्यपुस्तक 'सारंगी-2' पर कार्य

कालांश 1 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ को पढ़कर सुनाना एवं चर्चा करना।

विषयवस्तु: पाठ-4 **'माँ'**

तैयारी: कठिन शब्द, बंद और खुले छोर के प्रश्न आदि को बोर्ड पर लिखें और उनके अर्थ को पाठ के संदर्भ और बच्चों के परिवेश से जोड़कर बताएँ।

पाठ का आदर्श वाचन (7-10 मिनट)

- पाठ के चित्रों और शीर्षक के आधार पर कविता की विषयवस्तु का अनुमान लगवाएँ, जैसे- यह कविता किसके बारे में है? आदि।
- अब बच्चों को हाव-भाव के साथ कविता मौखिक रूप से 1-2 बार सुनाएँ और बच्चों को प्रतिभाग करने के लिए प्रोत्साहित करें। इसके बाद आप कविता को पढ़ें और बच्चों को अपनी पाठ्यपुस्तक में अंगुली रखते हुए कविता का अनुसरण करने को कहें।

शब्दावली विकास (5-7 मिनट)

- पाठ के कठिन/अमूर्त शब्दों जैसे- भोली-भाली, विश्वास

पाठ पर समृद्ध चर्चा (7-10 मिनट)

- इसके बाद कविता के बारे में बच्चों की राय पूछें, जैसे- उन्हें कविता में क्या अच्छा लगा और क्यों? आदि।
- बातचीत को समृद्ध बनाने के लिए 4-5 खुले छोर के प्रश्न भी पूछें, जैसे- माँ से मिले विश्वास से आप क्या करते हो? आदि।

पाठ अभ्यास एवं संबंधित लेखन कार्य (7-10 मिनट)

- पाठ्यपुस्तक के पाठ की गतिविधि **(शब्दों का खेल 1)** पर बच्चों से चर्चा करें और फिर उन्हें उत्तर लिखने को कहें।

कार्यपुस्तिका (भाग-1) पर कार्य

कालांश 2 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ-4 से संबंधित विस्तारित गतिविधि पर कार्य।

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 15

तैयारी: पाठ की गतिविधियों को पहले से समझ लें।

कार्यपुस्तिका सप्ताह-7 दिवस-1 पर कार्य करें -

- **गतिविधि-1 (7-10 मिनट) :** शब्दों को आदर्श रूप से पढ़ें और बच्चों को अंगुली रखते हुए अनुसरण करने को कहें। फिर उन्हें जोड़ियों/समूहों में पढ़ने को कहें।
- **गतिविधि-2 (5-7मिनट) :** आप बोर्ड पर 3-4 वर्ण/अक्षर वाले शब्द के उदाहरण (कार्यपुस्तिका से भिन्न) देते हुए अक्षरों को मिलाकर शब्द के रूप में पढ़ने का अभ्यास करवाएँ। फिर दी गई गतिविधि को करने को कहें।
- **गतिविधि-3 (5 मिनट) :** आप बोर्ड पर उदाहरण (कार्यपुस्तिका से भिन्न) देते हुए गतिविधि समझाएँ और दो शब्दों को मिलाकर उससे वाक्य बनाने का अभ्यास करवाएँ। फिर दी गई गतिविधि का उत्तर लिखने को कहें।
- **गतिविधि-4 (5-7 मिनट) :** आप बच्चों के साथ मौखिक रूप से चर्चा करें कि रिश्ते में किसे क्या कहते हैं। इसके बाद बोर्ड पर ग्रिड के उदाहरण (कार्यपुस्तिका से भिन्न) द्वारा शब्द खोजने की प्रक्रिया बच्चों को करके बताएँ। फिर बच्चों को कार्यपुस्तिका में दी गई गतिविधि करने को कहें।
- **गतिविधि-5 (5-7 मिनट) :** आप 3-4 वर्ण/अक्षर वाले पाँच शब्द बोलें और बच्चों से लिखने को कहें।

'सुनकर लिखें' गतिविधि समाप्त होने पर आप बोले गए शब्दों को बोर्ड पर लिखें और बच्चों को जोड़ियों में करके एक-दूसरे की कार्यपुस्तिका जाँचने को कहें।

कार्यपुस्तिका (भाग-2) पर कार्य

कालांश 3 40 मिनट

बच्चों द्वारा पठन अभ्यास एवं अतिरिक्त सहायता की आवश्यकता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य।

विषयवस्तु: पठन अभ्यास-13 एवं रिमीडियल कार्य

तैयारी: रिमीडियल की गतिविधि संदर्शिका से देखें।

पठन अभ्यास (15-17 मिनट)

- पठन अभ्यास-13 में दिए गए पाठ को पढ़कर सुनाएँ। सभी बच्चों को पाठ में दिए गए शब्दों पर अंगुली रखकर पढ़ने को कहें।
- आप बच्चों को दिए गए पाठ को जोड़ियों/समूहों में बारी-बारी से पढ़ने को कहें। इस दौरान आप कक्षा में घूम-घूमकर अवलोकन करें और आवश्यकतानुसार उनकी सहायता करें।
- पठन अभ्यास के अंत में कुछ शब्दों पर बातचीत करें जैसे- प्यास, रास्ता आदि।

रिमीडियल कार्य (15-20 मिनट)

- पिछले सप्ताह के साप्ताहिक आकलन के आधार पर अतिरिक्त सहायता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य करें। बाकी बच्चों को पठन अभ्यास स्वतंत्र रूप से पढ़ने को कहें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा: आज की गतिविधियों के दौरान क्या आप सभी बच्चों को उनके नाम से संबोधित कर पाए? प्रयास यह रहना चाहिए कि बच्चों को हमेशा उनके नाम से संबोधित किया जाए।

पाठ्यपुस्तक 'सारंगी-2' पर कार्य

कालांश 1 | 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ का दोहराव और समृद्ध चर्चा।

विषयवस्तु: पाठ-4 'माँ'

तैयारी: पाठ आधारित प्रश्न

पाठ का आदर्श वाचन (7-10 मिनट)

- आप बच्चों से कल की चर्चा के आधार पर कुछ बंद छोर के प्रश्न पूछें, जैसे- कल हमने कौन-सी कविता पढ़ी थी? कविता किसके बारे में थी? आदि।
- अब आप कविता का 1-2 बार आदर्श वाचन करें और बच्चों से अपने साथ कविता दोहराने को कहें।

शब्दावली विकास (5-7 मिनट)

- कल आपने जिन कठिन/अमूर्त शब्दों पर कार्य किया था, उनके अर्थ बच्चों से पूछें और उन शब्दों से मौखिक रूप से वाक्य बनवाएँ।

पाठ पर समृद्ध चर्चा (7-10 मिनट)

- बातचीत को समृद्ध बनाने के लिए बच्चों के अनुभवों से जोड़ते हुए, 4-5 खुले छोर के प्रश्न भी पूछें, जैसे- माँ को मिसरी जैसा क्यों कहा गया है? आदि।
- बच्चों के हर उत्तर को स्वीकार करते हुए उनका प्रोत्साहन करें।
- इसके बाद आप कक्षा के कुछ बच्चों से कविता सुनाने को कहें।

पाठ अभ्यास एवं संबंधित लेखन कार्य (7-10 मिनट)

- पाठ्यपुस्तक के पाठ की गतिविधि **(शब्दों का खेल 2)** पर बच्चों से मौखिक रूप से चर्चा करें और फिर उन्हें उत्तर लिखने को कहें।

कार्यपुस्तिका (भाग-1) पर कार्य

कालांश 2 | 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ-4 से संबंधित विस्तारित गतिविधि पर कार्य।

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 16

तैयारी: पाठ की गतिविधियों को पहले से समझ लें।

कार्यपुस्तिका सप्ताह-7 दिवस-2 पर कार्य करें -

- **गतिविधि-1 (7-10 मिनट) :** दिए गए शब्दों एवं उनके अर्थ को पाठ के संदर्भ एवं बच्चों के परिवेश से जोड़कर चर्चा करें। फिर प्रत्येक शब्द पर बच्चों के साथ मौखिक रूप से वाक्य बनवाएँ। अंत में, सभी बच्चों को स्वतंत्र रूप से पढ़ने को कहें।
- **गतिविधि-2 (5-7 मिनट) :** आप बच्चों को उदाहरण के तौर पर बताएँ, इमली जैसी- खट्टी चीजें- अमरख, कच्चा आम, करौंदा आदि हैं। फिर कार्यपुस्तिका में दी गई गतिविधि बच्चों से करने को कहें।
- **गतिविधि-3 (5-7 मिनट) :** आप बच्चों के साथ मौखिक रूप से चर्चा करें कि रिश्ते में इन्हें क्या कहकर बुलाते हैं, जैसे- पिता के छोटे भाई को **'चाचा'** कहते हैं। फिर बच्चों को कार्यपुस्तिका में दी गई गतिविधि करने को कहें।
- **गतिविधि-4 (5 मिनट) :** आप बच्चों को तुकांत शब्द के कुछ उदाहरण (कार्यपुस्तिका से भिन्न) देकर उस पर चर्चा करें। फिर सभी बच्चों को दिए गए शब्दों के तुकांत शब्द लिखने को कहें।
- **गतिविधि-5 (5-7 मिनट) :** आप उदाहरण के रूप में कुछ शब्दों (कार्यपुस्तिका से भिन्न) का उपयोग मौखिक रूप से वाक्यों में करके बताएँ और बोर्ड पर लिखें। फिर दी गई गतिविधि को करने को कहें।

कार्यपुस्तिका (भाग-2) पर कार्य

कालांश 3 | 40 मिनट

बच्चों द्वारा पठन अभ्यास एवं अतिरिक्त सहायता की आवश्यकता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य।

विषयवस्तु: पठन अभ्यास-13 एवं रिमीडियल कार्य

तैयारी: रिमीडियल की गतिविधि संदर्शिका से देखें।

पठन अभ्यास (15-17 मिनट)

- पिछले दिन के पठन अभ्यास में दिए गए पाठ को आदर्श रूप से पढ़ें। बच्चों को स्वतंत्र रूप से पठन अभ्यास पढ़ने को कहें। इस दौरान आप बच्चों के पास जाकर पठन अभ्यास का अवलोकन करें। कुछ बच्चों को सबके सामने पाठ पढ़कर सुनाने को कहें। बाकी बच्चों को अंगुली रखकर अनुसरण करने को कहें। अंत में, आप पाठ पर संक्षिप्त चर्चा करके समेकन करें।

रिमीडियल कार्य (15-20 मिनट)

- पिछले सप्ताह के साप्ताहिक आकलन के आधार पर अतिरिक्त सहायता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य करें। बाकी बच्चों को पठन अभ्यास स्वतंत्र रूप से पढ़ने को कहें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा: बच्चों द्वारा लेखन कार्य किए जाने के दौरान क्या आपने घूम-घूमकर उनके कार्य का अवलोकन किया? बच्चों के लेखन कार्य का अवलोकन करें एवं उन्हें आवश्यकतानुसार दैनिक रूप से सहायता दें।

पाठ्यपुस्तक 'सारंगी-2' पर कार्य

कालांश 1 | 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ-5 का आदर्श वाचन एवं चयनित पाठ्यांश 'मेरा नाम.....खाना खाओ' का मार्गदर्शित पठन।

विषयवस्तु: पाठ-5 **'ममता का घर'**

तैयारी: कठिन शब्द, बंद और खुले छोर के प्रश्न

पाठ का आदर्श वाचन करना (7-10 मिनट)

- पाठ के चित्रों और शीर्षक के आधार पर कहानी की विषयवस्तु का अनुमान लगवाएँ। पूरे पाठ को हाव-भाव के साथ 1-2 बार पढ़कर सुनाएँ। बच्चे पाठ से जुड़े रहें, इसके लिए बीच-बीच में कुछ बंद छोर के प्रश्न पूछें।

कहानी को मौखिक रूप से सुनाना और चर्चा करना (7-10 मिनट)

- पाठ की कहानी या केन्द्रीय बिंदु को अपने शब्दों में सुनाकर एक बार और चर्चा करें।
- पाठ से सम्बन्धित कुछ बंद एवं 4-5 खुले छोर के प्रश्न बच्चों से पूछें, जैसे- मगन को कौन-सी सब्जी सबसे अच्छी लगती है? अगर बाबूजी गाय को चारा ना खिलाते तो क्या होता? आदि।

पाठ्यांश का मार्गदर्शन में पठन (5-7 मिनट)

- बच्चों को जोड़ियों/समूहों में बाँटकर चयनित पाठ्यांश को बारी-बारी से पढ़ने (मार्गदर्शन में पठन) को कहें।
- जो बच्चे अभी भी शब्द स्तर पर हों, उन पर विशेष ध्यान दें और उनकी सहायता करें। बाकी बच्चों की आवश्यकतानुसार सहायता करें।

पाठ अभ्यास एवं संबंधित लेखन कार्य (7-10 मिनट)

- पाठ्यपुस्तक के पाठ की गतिविधि **(लिखिए और खोजे जानें)** पर बच्चों से चर्चा करें और फिर उन्हें उत्तर लिखने को कहें।

कार्यपुस्तिका (भाग-1) पर कार्य

कालांश 2 | 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ-5 पर आधारित अभ्यास कार्य।

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 17

तैयारी: पाठ की गतिविधियों को पहले से समझ लें।

कार्यपुस्तिका सप्ताह-7 दिवस-3 पर कार्य करें -

- **गतिविधि-1 (5 मिनट) :** बच्चों के साथ अन्य उदाहरण (कार्यपुस्तिका से भिन्न) जैसे- **चाद** में अनुनासिक लगाकर **'चाँद'**, **'गाव-गाँव'** पर चर्चा करें। फिर कुछ बच्चों से प्रतिक्रिया लें। फिर सभी बच्चों से कार्यपुस्तिका में दिए गए शब्दों को सही करके लिखने को कहें।
- **गतिविधि-2 (5-7 मिनट) :** आप उदाहरण के रूप में कुछ शब्दों (कार्यपुस्तिका से भिन्न) का उपयोग मौखिक रूप से वाक्यों में करके बताएँ और बोर्ड पर लिखें। फिर दी गई गतिविधि को करने को कहें।
- **गतिविधि-3 (7-10 मिनट) :** बच्चों को जोड़ियों/समूहों में बारी- बारी से पढ़ने को कहें और आवश्यकतानुसार उनकी सहायता करें।
- **गतिविधि-4 (5-7 मिनट) :** आप मौखिक रूप से प्रत्येक प्रश्न पर बच्चों से प्रतिक्रिया लें। प्रतिक्रिया से संबंधित कठिन शब्दों को बोर्ड पर लिखें। फिर बच्चों को कार्यपुस्तिका में दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखने को कहें।
- **गतिविधि-5 (5-7 मिनट) :** कार्यपुस्तिका में दी गई गतिविधि को बच्चों को सोचकर लिखने को कहें।

कार्यपुस्तिका (भाग-2) पर कार्य

कालांश 3 | 40 मिनट

बच्चों द्वारा पठन अभ्यास एवं अतिरिक्त सहायता की आवश्यकता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य।

विषयवस्तु: पठन अभ्यास-14 एवं रिमीडियल कार्य

तैयारी: रिमीडियल की गतिविधि संदर्शिका से देखें।

पठन अभ्यास (15-17 मिनट)

- पठन अभ्यास-14 में दिए गए पाठ को पढ़कर सुनाएँ। सभी बच्चों को पाठ में दिए गए शब्दों पर अंगुली रखकर पढ़ने को कहें।
- आप बच्चों को दिए गए पाठ को जोड़ियों/समूहों में बारी-बारी से पढ़ने को कहें। इस दौरान आप कक्षा में घूम-घूमकर अवलोकन करें और आवश्यकतानुसार उनकी सहायता करें।
- पठन अभ्यास के अंत में कुछ शब्दों पर बातचीत करें जैसे- बछड़ा आदि।

रिमीडियल कार्य (15-20 मिनट)

- पिछले सप्ताह के साप्ताहिक आकलन के आधार पर अतिरिक्त सहायता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य करें। बाकी बच्चों को पठन अभ्यास स्वतंत्र रूप से पढ़ने को कहें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा: क्या कक्षा के संचालन के दौरान बच्चों को अपनी बात साझा करने का पर्याप्त अवसर मिला। प्रयास हमेशा यह रहना चाहिए कि सभी बच्चों को अपनी बात साझा करने के पर्याप्त अवसर मिलें।

पाठ्यपुस्तक 'सारंगी-2' पर कार्य

कालांश 1 | 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ-5 से चयनित पाठ्यांश 'जिस दिन.....सो जाते' का मार्गदर्शित पठन।

विषयवस्तु: पाठ-5 'ममता का घर'

तैयारी: पाठ आधारित प्रश्न

पाठ्यांश का आदर्श वाचन करना (7-10 मिनट)

- कल की चर्चा को दोहराते हुए पाठ्यांश से संबंधित कुछ बंद छोर के प्रश्न बच्चों से पूछें, फिर चयनित पाठ्यांश को हाव-भाव के साथ पढ़कर सुनाएँ।

मार्गदर्शन में पठन (7-10 मिनट)

- बच्चों को जोड़ियों/समूहों में बाँटकर चयनित पाठ्यांश को बारी-बारी से पढ़ने (मार्गदर्शन में पठन) को कहें।
- जो बच्चे अभी भी शब्द स्तर पर हों, उन पर विशेष ध्यान दें और उनकी सहायता करें। बाकी बच्चों की आवश्यकतानुसार सहायता करें।

बच्चों द्वारा प्रश्न बनाना (5-7 मिनट)

- कुछ बच्चों को पढ़े गए पाठ्यांश से सवाल बनाकर बाकी बच्चों से प्रश्न पूछने का अवसर दें। बाकी बच्चों को पूछे गए प्रश्नों के उत्तर पूरे वाक्य में देने को कहें। अगर बच्चे प्रश्न नहीं बना पा रहे हैं तो आप उनकी सहायता करें।

पाठ अभ्यास एवं संबंधित लेखन कार्य (7-10 मिनट)

- पाठ्यपुस्तक के पाठ की गतिविधि **(बातचीत के लिए)** पर बच्चों से मौखिक रूप से चर्चा करें।

कार्यपुस्तिका (भाग-1) पर कार्य

कालांश 2 | 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ-5 पर आधारित अभ्यास कार्य।

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 18

तैयारी: पाठ की गतिविधियों को पहले से समझ लें।

कार्यपुस्तिका सप्ताह-7 दिवस-4 पर कार्य करें -

- **गतिविधि-1 (7-10 मिनट) :** दिए गए शब्दों एवं उनके अर्थ को पाठ के संदर्भ एवं बच्चों के परिवेश से जोड़कर चर्चा करें। फिर प्रत्येक शब्द पर बच्चों के साथ मौखिक रूप से वाक्य बनवाएँ। अंत में, सभी बच्चों को स्वतंत्र रूप से पढ़ने को कहें।
- **गतिविधि-2 (5-7 मिनट) :** आप बोर्ड पर कुछ उदाहरण (कार्यपुस्तिका से भिन्न) देते हुए बच्चों के साथ चर्चा करें कि कैसे सही शब्दों को चुनकर वाक्य को पूरा किया जाता है। फिर कुछ बच्चों से प्रतिक्रिया लें। अंत में, सभी बच्चों को पाठ्यपुस्तक के पाठ के आधार पर उत्तर लिखने को कहें।
- **गतिविधि-3 (7-10 मिनट) :** आप बोर्ड पर दूर-पास का उदाहरण (कार्यपुस्तिका से भिन्न) देते हुए गतिविधि समझाएँ और उस पर चर्चा करें। फिर दी गई गतिविधि का उत्तर लिखने को कहें और आवश्यकतानुसार बच्चों की सहायता करें।
- **गतिविधि-4 (7-10 मिनट) :** आप बोर्ड पर उदाहरण के रूप में एक ऐसा वाक्य लिखें, जिसमें शब्दों का क्रम सही न हो। उसके बाद वाक्य को सही करके लिखकर दिखाएँ। फिर कार्यपुस्तिका में दी गई गतिविधि में शब्दों को सही क्रम में लिखकर वाक्य पूरा करने को कहें।

कार्यपुस्तिका (भाग-2) पर कार्य

कालांश 3 | 40 मिनट

बच्चों द्वारा पठन अभ्यास एवं अतिरिक्त सहायता की आवश्यकता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य।

विषयवस्तु: पठन अभ्यास-14 एवं रिमीडियल कार्य

तैयारी: रिमीडियल की गतिविधि संदर्शिका से देखें।

पठन अभ्यास (15-17 मिनट)

- पिछले दिन के पठन अभ्यास में दिए गए पाठ को आदर्श रूप से पढ़ें। बच्चों को स्वतंत्र रूप से पठन अभ्यास पढ़ने को कहें। इस दौरान आप बच्चों के पास जाकर पठन अभ्यास का अवलोकन करें। कुछ बच्चों को सबके सामने पाठ पढ़कर सुनाने को कहें। बाकी बच्चों को अंगुली रखकर अनुसरण करने को कहें। अंत में, आप पाठ पर संक्षिप्त चर्चा करके समेकन करें।

रिमीडियल कार्य (15-20 मिनट)

- पिछले सप्ताह के साप्ताहिक आकलन के आधार पर अतिरिक्त सहायता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य करें। बाकी बच्चों को पठन अभ्यास स्वतंत्र रूप से पढ़ने को कहें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा: शिक्षण प्रक्रिया के दौरान यदि बच्चों की सहभागिता कम हो जाए या फिर वे ऊबने लगें तो सौहार्दपूर्ण वातावरण निर्माण की गतिविधि द्वारा उन्हें शिक्षण प्रक्रिया से दोबारा जोड़ें।

मौखिक भाषा विकास पर कार्य

कालांश 1 | 40 मिनट

पाठ पर आधारित पुनरावृत्ति एवं चित्र के बारे में अपने घर की भाषा में बात करना।

विषयवस्तु: चित्र चार्ट **'मेला'**

तैयारी: बंद एवं खुले छोर के प्रश्न तैयार कर लें।

पाठ्यपुस्तक के पाठ पर आधारित पुनरावृत्ति (5-7 मिनट)

- पाठ 4 और 5 से संबंधित कुछ कठिन/अमूर्त शब्दों को बोर्ड पर लिखें और उन्हें बच्चों से पढ़ने को कहें, जैसे- साहस, मनपसंद आदि। फिर कुछ बच्चों को उन शब्दों से मौखिक रूप से वाक्य बनाकर सुनाने को कहें।

चित्र चार्ट पर शिक्षक द्वारा चर्चा (5-7 मिनट)

- आप बच्चों से चित्र चार्ट में दिख रही चीजों/घटनाओं/गतिविधियों के बारे में कुछ बंद छोर के प्रश्न पूछें, जैसे- मेले में क्या-क्या दिख रहा है? आदि। फिर प्रत्येक प्रश्न पर बच्चों की प्रतिक्रियाएँ लें।

चित्र चार्ट पर समृद्ध चर्चा (10-12 मिनट)

- आप चर्चा को आगे बढ़ाएँ और 4-5 खुले छोर के प्रश्न पूछें, जैसे- आप मेले में क्या-क्या खरीदोगे? आपको मेला देखना कैसा लगता है और क्यों? आदि। बच्चों को अपने घर की भाषा में बात करने के लिए प्रोत्साहित करें।

लेखन कार्य (7-10 मिनट)

- आप बच्चों से चित्र चार्ट पर हुई चर्चा से जुड़ा, कोई चित्र बनाने और कुछ शब्द या 1-2 वाक्य लिखने एवं उस पर अपने साथी के साथ बातचीत करने को कहें। फिर बच्चों को जोड़ियों में बाँटकर अपने द्वारा बनाए गए चित्र एवं लेखन कार्य पर आपस में चर्चा करने को कहें। अंत में, किन्हीं 3-4 बच्चों को सभी के साथ अपने चित्र पर बातचीत करने को कहें।

कार्यपुस्तिका (भाग-1) पर कार्य

कालांश 2 | 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ 4 और 5 पर आधारित पुनरावृत्ति कार्य।

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 19

तैयारी: पाठ की गतिविधियों को पहले से समझ लें।

कार्यपुस्तिका सप्ताह-7 दिवस-5 पर कार्य करें -

- **गतिविधि-1 (7-10 मिनट) :** शब्दों को आदर्श रूप से पढ़ें और बच्चों को अंगुली रखते हुए अनुसरण करने को कहें। फिर उन्हें जोड़ियों/समूहों में पढ़ने को कहें।
- **गतिविधि-2 (10-12 मिनट) :** बच्चों को व्यक्तिगत रूप से पढ़ने को कहें और आवश्यकतानुसार उनकी सहायता करें।
- **गतिविधि-3 (5-7 मिनट) :** आप मौखिक रूप से प्रत्येक प्रश्न पर बच्चें से प्रतिक्रिया लें। प्रतिक्रिया से संबंधित कठिन शब्दों को बोर्ड पर लिखें। फिर बच्चों को कार्यपुस्तिका में दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखने को कहें।

नोटबुक पर कार्य :

- **गतिविधि-4 (5-7 मिनट) :** आप बोर्ड पर 7 शब्द (बकरी, मन, दमन, पाना, बस, नाला, लपट) लिख दें। आप किसी एक शब्द में वर्णों/अक्षरों का क्रम बदलकर सार्थक शब्द उदाहरण के रूप में लिखें, जैसे बकरी-करीब। अब आप बच्चों को जोड़ियों में बाँटकर बोर्ड पर लिखे शब्द में वर्णों/अक्षरों का क्रम बदलकर सार्थक शब्द बनाकर कॉपी/नोटबुक में लिखने और पढ़ने को कहें। इस दौरान आप आवश्यकतानुसार बच्चों की सहायता करें।

स्वतंत्र पठन पर कार्य

कालांश 3 | 40 मिनट

बच्चों द्वारा चयनित किताब का स्वतंत्र पठन एवं अतिरिक्त सहायता की आवश्यकता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य।

विषयवस्तु: स्वतंत्र पठन एवं रिमीडियल कार्य

तैयारी: चित्रात्मक कहानी की पुस्तकें।

स्वतंत्र पठन (15-17 मिनट)

- आप बच्चों को पुस्तकालय या रीडिंग कॉर्नर से चित्र सहित छोटी कहानी की किताबें अपनी इच्छा से चुनने एवं पढ़ने का अवसर दें। बच्चों को किताबों को उलटने-पलटने, पढ़ने एवं आपस में बातचीत करने के पर्याप्त अवसर दें।
- कुछ बच्चों लगभग 50% (कोशिश करें हर सप्ताह नए बच्चों को मौका मिले) को उनकी किताब की कहानी पर अपनी बात रखने का अवसर दें। बच्चे जैसी भी कहानी बताएँ, उसे स्वीकार करें। बच्चों को कहानी वाक्यों में बताने की अपेक्षा रखें एवं उन्हें सहयोग करें।

रिमीडियल कार्य (15-20 मिनट)

- अवलोकन के आधार पर अतिरिक्त सहायता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य करें। इसके लिए बच्चों के स्तरानुसार वर्ण/शब्द स्तर की गतिविधियाँ कराएँ।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा: बच्चों को अपनी प्रतिक्रिया पूरे वाक्यों में देने को प्रोत्साहित करें।

मौखिक भाषा विकास पर कार्य

कालांश 1 40 मिनट

चित्र के बारे में अपने घर की भाषा में बात करना।

विषयवस्तु: चित्र चार्ट **'मेला'**

तैयारी: बंद एवं खुले छोर के प्रश्न तैयार कर लें।

चित्र चार्ट पर शिक्षक द्वारा चर्चा (5-7 मिनट)

- कल की चर्चा को संक्षेप में दोहराते हुए बच्चों से कुछ बंद छोर के प्रश्न पूछें एवं बातचीत करें।
- आप चर्चा को आगे बढ़ाएँ और कुछ नए बंद और 4-5 खुले छोर के प्रश्न पूछें, जैसे- गुब्बारे वाला किस-किस रंग के गुब्बारे बेच रहा है? आदि।

चित्र चार्ट पर समृद्ध चर्चा (10-15 मिनट)

- चित्र चार्ट पर दूसरे दिन कार्य करने के दौरान, आप यह सुनिश्चित करें कि आप 4-5 खुले छोर के प्रश्न पूछें, जैसे- आप मेले में क्या-क्या खाते हैं? आदि।

लेखन कार्य (10-15 मिनट)

- अब आप बच्चों को उनकी पसंद का कोई चित्र बनाकर उसमें रंग भरने और कुछ शब्द या 1-2 वाक्य लिखने एवं उस पर अपने साथी के साथ बातचीत करने को कहें। जब बच्चे चित्र बना लें तो उनके चित्र **'बच्चों का कोना'** में लगा दें।
- सुनिश्चित करें कि सभी बच्चों को बोलने का अवसर मिले।

आकलन

कालांश 2 40 मिनट

साप्ताहिक आकलन

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 19

तैयारी: आकलन की योजना और प्रश्न पहले से तैयार करें।

- आप सभी बच्चों को कार्यपुस्तिका के सप्ताह-7 दिवस 2 और 5 के कार्यपत्रक में दिए गए शब्द पठन को दोबारा पढ़ने को कहें। फिर उन्हें कार्यपुस्तिका के भाग-2 पठन अभ्यास 13 और 14 को भी पढ़ने को कहे, साथ ही उपलब्ध अन्य पठन सामग्रियों को पढ़ने को प्रोत्साहित करें।

शिक्षक द्वारा आकलन (30-35 मिनट) :

- आप बच्चों को बारी-बारी से बुलाएँ और उन्हें कार्यपुस्तिका से **'मैंने सीख लिया'** को पढ़ने को कहें।
- बच्चों को **'मैंने सीख लिया'** को पढ़ने के लिए पर्याप्त समय दें। अगर बच्चे झिझक रहें हों तो उन्हें सहज महसूस कराएँ।
- बच्चों द्वारा जितने शब्द सही पढ़े गए हों, उनकी संख्या कोष्ठक में लिखें।

आकलन

कालांश 3 40 मिनट

साप्ताहिक आकलन

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 19

तैयारी: आकलन की योजना पहले से तैयार कर लें।

शिक्षक द्वारा आकलन (25-27 मिनट)

- आप कालांश-2 के आकलन को जारी रखें।

सुनकर लिखें (10 मिनट)

- आप बच्चों को सामूहिक रूप से **'सुनकर लिखें'** गतिविधि करवाएँ। सभी बच्चों के लिख लेने के बाद, आप बोर्ड पर वाक्य लिख दें और बच्चों को एक-दूसरे की कॉपी जाँचने को कहें। इस पर कार्य करने के विस्तृत चरणों को संदर्शिका से देखें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा: जिन बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य किया गया है, क्या वे बच्चे इस अभ्यास को सफलतापूर्वक कर पाए हैं या नहीं, इसे देखने के लिए उन बच्चों द्वारा किए गए कार्य को अवश्य जाँचें।

पाठ्यपुस्तक 'सारंगी-2' पर कार्य

कालांश 1 | 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ को पढ़कर सुनाना एवं चर्चा करना।

विषयवस्तु: पाठ-6 'झूला'

तैयारी: कठिन शब्द, बंद और खुले छोर के प्रश्न

पाठ का आदर्श वाचन (7-10 मिनट)

- पाठ के चित्रों और शीर्षक के आधार पर खेलगीत की विषयवस्तु का अनुमान लगवाएँ, जैसे- यह पाठ किसके बारे में है? आदि।
- अब बच्चों को हाव-भाव के साथ खेलगीत मौखिक रूप से 1-2 बार सुनाएँ और बच्चों को प्रतिभाग करने के लिए प्रोत्साहित करें। इसके बाद आप खेलगीत को पढ़ें और बच्चों को अपनी पाठ्यपुस्तक में अंगुली रखते हुए खेलगीत का अनुसरण करने को कहें।

शब्दावली विकास (5-7 मिनट)

- पाठ के कठिन/अमूर्त शब्दों जैसे- पेंग, मतवाली आदि को बोर्ड पर लिखें और उनके अर्थ को पाठ के संदर्भ और बच्चों के परिवेश से जोड़कर बताएँ।

पाठ पर समृद्ध चर्चा (7-10 मिनट)

- खेलगीत के बारे में बच्चों की राय पूछें, जैसे- उन्हें खेलगीत में क्या अच्छा लगा और क्यों? आदि।
- बातचीत को समृद्ध बनाने के लिए 5-6 खुले छोर के प्रश्न भी पूछें, जैसे- झूला झूलकर आपको कैसा लगता है? आदि।

पाठ अभ्यास एवं संबंधित लेखन कार्य (7-10 मिनट)

- पाठ्यपुस्तक के पाठ की गतिविधि **(चित्रकारी)** पर बच्चों से चर्चा करें और फिर उन्हें उत्तर लिखने को कहें।

कार्यपुस्तिका (भाग-1) पर कार्य

कालांश 2 | 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ-6 से संबंधित विस्तारित गतिविधि पर कार्य।

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 20

तैयारी: पाठ की गतिविधियों को पहले से समझ लें।

कार्यपुस्तिका सप्ताह-8 दिवस-1 पर कार्य करें -

- **गतिविधि-1 (7-10 मिनट) :** शब्दों को आदर्श रूप से पढ़ें और बच्चों को अंगुली रखते हुए अनुसरण करने को कहें। फिर उन्हें जोड़ियों/समूहों में पढ़ने को कहें।
- **गतिविधि-2 (5-7 मिनट) :** आप बच्चों के साथ शब्दों की अन्त्याक्षरी मौखिक रूप से करें। उदाहरण (कार्यपुस्तिका से भिन्न) के रूप में, बोर्ड पर एक शब्द के अंतिम वर्ण/अक्षर से नया शब्द बनाकर बताएँ और गतिविधि समझाएँ। फिर बच्चों से कार्यपुस्तिका में दी गई गतिविधि करने को कहें।
- **गतिविधि-3 (7-10 मिनट) :** आप बोर्ड पर उदाहरण (कार्यपुस्तिका से भिन्न) देते हुए गतिविधि समझाएँ, जैसे- गुटर-गूँ - कबूतर गुटर-गूँ बोलता है। विभिन्न जानवरों/पक्षियों की आवाजों पर बच्चों से प्रतिक्रिया लें। फिर उन्हें उत्तर लिखने को कहें।
- **गतिविधि-4 (7-10 मिनट) :** आप बोर्ड पर उदाहरण (कार्यपुस्तिका से भिन्न) के रूप में एक ऐसा वाक्य लिखें, जिसमें शब्दों का क्रम सही न हो। उसके बाद वाक्य को सही करके लिखकर दिखाएँ और बच्चों से चर्चा करें। फिर कार्यपुस्तिका में दी गई गतिविधि में शब्दों को सही क्रम में लिखकर वाक्य पूरा करने को कहें।

कार्यपुस्तिका (भाग-2) पर कार्य

कालांश 3 | 40 मिनट

बच्चों द्वारा पठन अभ्यास एवं अतिरिक्त सहायता की आवश्यकता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य।

विषयवस्तु: पठन अभ्यास-15 एवं रिमीडियल कार्य

तैयारी: रिमीडियल की गतिविधि संदर्शिका से देखें।

पठन अभ्यास (15-17 मिनट)

- पठन अभ्यास-15 में दिए गए पाठ को पढ़कर सुनाएँ। सभी बच्चों को पाठ में दिए गए शब्दों पर अंगुली रखकर पढ़ने को कहें।
- आप बच्चों को दिए गए पाठ को जोड़ियों/समूहों में बारी-बारी से पढ़ने को कहें। इस दौरान आप कक्षा में घूम-घूमकर अवलोकन करें और आवश्यकतानुसार उनकी सहायता करें।
- पठन अभ्यास के अंत में कुछ शब्दों पर बातचीत करें जैसे- चुराना, बिल आदि।

रिमीडियल कार्य (15-20 मिनट)

- पिछले सप्ताह के साप्ताहिक आकलन के आधार पर अतिरिक्त सहायता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य करें। बाकी बच्चों को पठन अभ्यास स्वतंत्र रूप से पढ़ने को कहें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा: बच्चों द्वारा लेखन कार्य किए जाने के दौरान क्या आपने घूम-घूमकर उनके कार्यों का अवलोकन किया? बच्चों के लेखन कार्य का अवलोकन करें एवं आवश्यकतानुसार दैनिक रूप से उनकी सहायता करें।

पाठ्यपुस्तक 'सारंगी-2' पर कार्य

कालांश 1 | 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ का दोहराव और समृद्ध चर्चा।

विषयवस्तु: पाठ-6 **'झूला'**

तैयारी: पाठ आधारित प्रश्न

पाठ का आदर्श वाचन (7-10 मिनट)

- आप बच्चों से कल की चर्चा के आधार पर कुछ बंद छोर के प्रश्न पूछें, जैसे- कल हमने कौन-सा खेलगीत पढ़ा था? खेलगीत किसके बारे में था? आदि।
- अब आप खेलगीत का 1-2 बार आदर्श वाचन करें और बच्चों से अपने साथ खेलगीत दोहराने को कहें।

शब्दावली विकास (5-7 मिनट)

- कल आपने जिन कठिन/अमूर्त शब्दों पर कार्य किया था। उनके अर्थ बच्चों से पूछें और उन शब्दों से मौखिक रूप से वाक्य बनवाएँ।

पाठ पर समृद्ध चर्चा (7-10 मिनट)

- बातचीत को समृद्ध बनाने के लिए बच्चों के अनुभवों से जोड़ते हुए, 5-6 खुले छोर के प्रश्न भी पूछें, जैसे- सावन में आसमान में और किस-किस रंग की घटाएँ छाती हैं? आदि।
- बच्चों के हर उत्तर को स्वीकार करते हुए उनका प्रोत्साहन करें।
- इसके बाद आप कक्षा के कुछ बच्चों से खेलगीत सुनाने को कहें।

पाठ अभ्यास एवं संबंधित लेखन कार्य (7-10 मिनट)

- पाठ्यपुस्तक के पाठ की गतिविधि **(आइए कुछ बनाएँ)** पर बच्चों से मौखिक रूप से चर्चा करें और फिर उन्हें उत्तर लिखने को कहें।

कार्यपुस्तिका (भाग-1) पर कार्य

कालांश 2 | 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ-6 से संबंधित विस्तारित गतिविधि पर कार्य।

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 21

तैयारी: पाठ की गतिविधियों को पहले से समझ लें।

कार्यपुस्तिका सप्ताह-8 दिवस-2 पर कार्य करें -

- **गतिविधि-1 (7-10 मिनट) :** दिए गए शब्दों एवं उनके अर्थ को पाठ के संदर्भ एवं बच्चों के परिवेश से जोड़कर चर्चा करें। फिर प्रत्येक शब्द पर बच्चों के साथ मौखिक रूप से वाक्य बनवाएँ। अंत में, सभी बच्चों को स्वतंत्र रूप से पढ़ने को कहें।
- **गतिविधि-2 (5-7 मिनट) :** आप उदाहरण (कार्यपुस्तिका से भिन्न) देते हुए गतिविधि समझाएँ। फिर दी गई गतिविधि बच्चों को करने को कहें।
- **गतिविधि-3 (5-7 मिनट) :** आप बोर्ड पर उदाहरण (कार्यपुस्तिका से भिन्न) देते हुए गतिविधि समझाएँ। फिर कार्यपुस्तिका में उत्तर लिखने को कहें।
- **गतिविधि-4 (5 मिनट) :** आप पाठ्यपुस्तक के पाठ आधारित स्वयं से कुछ वाक्य (कार्यपुस्तिका से भिन्न) मौखिक रूप से बोलें और बच्चों से पूछें कि क्या यह वाक्य पाठ के अनुसार सही या नहीं। फिर कार्यपुस्तिका में दी गई गतिविधि में पाठ्यपुस्तक के पाठ के आधार पर सही या गलत वाक्य पहचानकर लिखने को कहें।
- **गतिविधि-5 (5-7 मिनट) :** आप 3-5 शब्दों का एक वाक्य बोलें और बच्चों से लिखने को कहें।

'सुनकर लिखें' गतिविधि समाप्त होने पर आप बोले गए वाक्य को बोर्ड पर लिखें और बच्चों को जोड़ियों में करके एक-दूसरे की कार्यपुस्तिका जाँचने को कहें।

कार्यपुस्तिका (भाग-2) पर कार्य

कालांश 3 | 40 मिनट

बच्चों द्वारा पठन अभ्यास एवं अतिरिक्त सहायता की आवश्यकता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य।

विषयवस्तु: पठन अभ्यास-15 एवं रिमीडियल कार्य

तैयारी: रिमीडियल की गतिविधि संदर्शिका से देखें।

पठन अभ्यास (15-17 मिनट)

- पिछले दिन के पठन अभ्यास में दिए गए पाठ को आदर्श रूप से पढ़ें। बच्चों को स्वतंत्र रूप से पठन अभ्यास पढ़ने को कहें। इस दौरान आप बच्चों के पास जाकर पठन अभ्यास का अवलोकन करें। कुछ बच्चों को सबके सामने पाठ पढ़कर सुनाने को कहें। बाकी बच्चों को अंगुली रखकर अनुसरण करने को कहें। अंत में, आप पाठ पर संक्षिप्त चर्चा करके समेकन करें।

रिमीडियल कार्य (15-20 मिनट)

- पिछले सप्ताह के साप्ताहिक आकलन के आधार पर अतिरिक्त सहायता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य करें। बाकी बच्चों को पठन अभ्यास स्वतंत्र रूप से पढ़ने को कहें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा: आज की गतिविधि के दौरान क्या आप सभी बच्चों को उनके नाम से संबोधित कर पाए? प्रयास यह होना चाहिए कि बच्चों को हमेशा उनके नाम से संबोधित करें।

पाठ्यपुस्तक 'सारंगी-2' पर कार्य

कालांश 1 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ को पढ़कर सुनाना एवं चर्चा करना।

विषयवस्तु: पाठ-7 **'कद्दू जी की बारात'**

तैयारी: कठिन शब्द, बंद और खुले छोर के प्रश्न

पाठ का आदर्श वाचन (7-10 मिनट)

- पाठ के चित्रों और शीर्षक के आधार पर खेलगीत की विषयवस्तु का अनुमान लगवाएँ, जैसे- यह पाठ किसके बारे में है? आदि।
- अब बच्चों को हाव-भाव के साथ खेलगीत मौखिक रूप से 1-2 बार सुनाएँ और बच्चों को प्रतिभाग करने के लिए प्रोत्साहित करें। इसके बाद आप खेलगीत को पढ़ें और बच्चों को अपनी पाठ्यपुस्तक में अंगुली रखते हुए खेलगीत का अनुसरण करने को कहें।

शब्दावली विकास (5-7 मिनट)

- पाठ के कठिन/अमूर्त शब्दों जैसे- सपना, मुस्कुराते आदि को बोर्ड पर लिखें और उनके अर्थ को पाठ के संदर्भ और बच्चों के परिवेश से जोड़कर बताएँ।

पाठ पर समृद्ध चर्चा (7-10 मिनट)

- खेलगीत के बारे में बच्चों की राय पूछें, जैसे- उन्हें खेलगीत में क्या अच्छा लगा और क्यों? आदि।
- बातचीत को समृद्ध बनाने के लिए 5-6 खुले छोर के प्रश्न भी पूछें, जैसे- कद्दू जी की बारात में सब्जियों ने और क्या-क्या खाया होगा? आदि।

पाठ अभ्यास एवं संबंधित लेखन कार्य (7-10 मिनट)

- पाठ्यपुस्तक के पाठ की गतिविधि **(शब्दों का खेल और खोजे जानें)** पर बच्चों से चर्चा करें और फिर उन्हें उत्तर लिखने को कहें।

कार्यपुस्तिका (भाग-1) पर कार्य

कालांश 2 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ-7 पर आधारित स्तरित पाठ का पठन एवं लेखन अभ्यास।

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 22

तैयारी: पाठ की गतिविधियों को पहले से समझ लें।

कार्यपुस्तिका सप्ताह-8 दिवस-3 पर कार्य करें -

स्तरित पाठ का आदर्श वाचन एवं चर्चा (10-12 मिनट)

- स्तरित पाठ के चित्रों और शीर्षक के आधार पर कविता का अनुमान लगवाएँ। स्तरित पाठ को हाव-भाव के साथ 1-2 बार आदर्श रूप में पढ़कर सुनाएँ।

स्तरित पाठ पर समृद्ध चर्चा (7-10 मिनट)

- स्तरित पाठ से संबंधित खुले छोर के प्रश्न बच्चों से पूछें, जैसे- धनिया ने अल्लू को जयमाला पहनाने के बाद क्या किया होगा? आदि। पुनः एक बार पाठ का आदर्श वाचन करें।

स्तरित पाठ आधारित कार्य (12-15 मिनट)

- प्रत्येक प्रश्न पर बच्चों से प्रतिक्रिया लें। प्रतिक्रिया से संबंधित कठिन शब्दों को बोर्ड पर लिखें। फिर स्तरित पाठ में दिए गए प्रश्नों के उत्तर वाक्यों में लिखने को कहें।

सुनिश्चित करें कि सभी बच्चे गतिविधि में प्रतिभाग करें।

कार्यपुस्तिका (भाग-2) पर कार्य

कालांश 3 40 मिनट

बच्चों द्वारा पठन अभ्यास एवं अतिरिक्त सहायता की आवश्यकता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य।

विषयवस्तु: पठन अभ्यास-16 एवं रिमीडियल कार्य

तैयारी: रिमीडियल की गतिविधि संदर्शिका से देखें।

पठन अभ्यास (15-17 मिनट)

- पठन अभ्यास-16 में दिए गए पाठ को पढ़कर सुनाएँ। सभी बच्चों को पाठ में दिए गए शब्दों पर अंगुली रखकर पढ़ने को कहें।
- आप बच्चों को दिए गए पाठ को जोड़ियों/समूहों में बारी-बारी से पढ़ने को कहें। इस दौरान आप कक्षा में घूम-घूमकर अवलोकन करें और आवश्यकतानुसार उनकी सहायता करें।
- पठन अभ्यास के अंत में कुछ शब्दों पर बातचीत करें जैसे- जादूगर, बीज आदि।

रिमीडियल कार्य (15-20 मिनट)

- पिछले सप्ताह के साप्ताहिक आकलन के आधार पर अतिरिक्त सहायता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य करें। बाकी बच्चों को पठन अभ्यास स्वतंत्र रूप से पढ़ने को कहें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा: बच्चों द्वारा लेखन कार्य किए जाने के दौरान क्या आपने घूम-घूमकर उनके कार्य का अवलोकन किया? बच्चों के लेखन कार्य का अवलोकन करें एवं आवश्यकतानुसार दैनिक रूप से सहायता दें।

पाठ्यपुस्तक 'सारंगी-2' पर कार्य

कालांश 1 | 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ का दोहराव और समृद्ध चर्चा।

विषयवस्तु: पाठ-7 **'कद्दू जी की बारात'**

तैयारी: पाठ आधारित प्रश्न

पाठ का आदर्श वाचन (7-10 मिनट)

- आप बच्चों से कल की चर्चा के आधार पर कुछ बंद छोर के प्रश्न पूछें, जैसे- कल हमने कौन-सा खेलगीत पढ़ा था? खेलगीत किसके बारे में था? आदि।
- अब आप खेलगीत का 1-2 बार आदर्श वाचन करें और बच्चों से अपने साथ खेलगीत दोहराने को कहें।

शब्दावली विकास (5-7 मिनट)

- कल आपने जिन कठिन/अमूर्त शब्दों पर कार्य किया था। उनके अर्थ बच्चों से पूछें और उन शब्दों से मौखिक रूप से वाक्य बनवाएँ।

पाठ पर समृद्ध चर्चा (7-10 मिनट)

- बातचीत को समृद्ध बनाने के लिए बच्चों के अनुभवों से जोड़ते हुए, 5-6 खुले छोर के प्रश्न भी पूछें, जैसे- कद्दू जी को अगर बैंगन की गाड़ी नहीं मिलती तो वह कैसे जाते? आदि।
- बच्चों के हर उत्तर को स्वीकार करते हुए उनका प्रोत्साहन करें।
- इसके बाद आप कक्षा के कुछ बच्चों से खेलगीत सुनाने को कहें।

पाठ अभ्यास एवं संबंधित लेखन कार्य (7-10 मिनट)

- पाठ्यपुस्तक के पाठ की गतिविधि **(बातचीत के लिए और लिखिए)** पर बच्चों से मौखिक रूप से चर्चा करें और फिर उन्हें उत्तर लिखने को कहें।

कार्यपुस्तिका (भाग-1) पर कार्य

कालांश 2 | 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ-7 पर आधारित स्तरित पाठ का मार्गदर्शन में पठन एवं लेखन अभ्यास।

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 23

तैयारी: पाठ की गतिविधियों को पहले से समझ लें।

कार्यपुस्तिका सप्ताह-8 दिवस-4 पर कार्य करें -
स्तरित पाठ पर संक्षिप्त चर्चा एवं मार्गदर्शन में पठन (12-15 मिनट)

- पिछले दिन की चर्चा को दोहराते हुए स्तरित पाठ से संबंधित 2-3 बंद छोर के प्रश्न बच्चों से पूछें।
- बच्चों को जोड़ियों/समूहों में पिछले दिन के पाठ को बारी-बारी से पढ़ने को कहें।
- **गतिविधि-1 (5 मिनट)** : दिए गए शब्दों एवं उनके अर्थ को पाठ के संदर्भ एवं बच्चों के परिवेश से जोड़कर चर्चा करें। फिर प्रत्येक शब्द पर बच्चों के साथ मौखिक रूप से वाक्य बनवाएँ। अंत में, सभी बच्चों को स्वतंत्र रूप से पढ़ने को कहें।
- **गतिविधि-2 (5 मिनट)** : बच्चों के साथ मौखिक रूप से चर्चा करें कि बारात में क्या-क्या होता है। फिर कार्यपुस्तिका में दी गई गतिविधि से बारात में क्या-क्या होता है, छाँटकर लिखने को लिखें।
- **गतिविधि-3 (5-7 मिनट)** : आप बोर्ड पर एक छोटी ग्रिड का उदाहरण (कार्यपुस्तिका से भिन्न) बनाकर उसमें शब्द खोजने और उन शब्दों से वाक्य बनाने की प्रक्रिया बच्चों को करके बताएँ। फिर बच्चों को कार्यपुस्तिका में दी गई गतिविधि करने को कहें।
- **गतिविधि-4 (5 मिनट)** : आप बच्चों के साथ मौखिक रूप से गतिविधि पर चर्चा करें। फिर कार्यपुस्तिका में दी गई गतिविधि का उत्तर लिखने को कहें।

कार्यपुस्तिका (भाग-2) पर कार्य

कालांश 3 | 40 मिनट

बच्चों द्वारा पठन अभ्यास एवं अतिरिक्त सहायता की आवश्यकता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य।

विषयवस्तु: पठन अभ्यास-16 एवं रिमीडियल कार्य

तैयारी: रिमीडियल की गतिविधि संदर्शिका से देखें।

पठन अभ्यास (15-17 मिनट)

- पिछले दिन के पठन अभ्यास में दिए गए पाठ को आदर्श रूप से पढ़ें। बच्चों को स्वतंत्र रूप से पठन अभ्यास पढ़ने को कहें। इस दौरान आप बच्चों के पास जाकर पठन अभ्यास का अवलोकन करें। कुछ बच्चों को सबके सामने पाठ पढ़कर सुनाने को कहें। बाकी बच्चों को अंगुली रखकर अनुसरण करने को कहें। अंत में, आप पाठ पर संक्षिप्त चर्चा करके समेकन करें।

रिमीडियल कार्य (15-20 मिनट)

- पिछले सप्ताह के साप्ताहिक आकलन के आधार पर अतिरिक्त सहायता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य करें। बाकी बच्चों को पठन अभ्यास स्वतंत्र रूप से पढ़ने को कहें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा: क्या कक्षा के संचालन के दौरान बच्चों को अपनी बात साझा करने का पर्याप्त अवसर मिला। प्रयास हमेशा यह रहना चाहिए कि सभी बच्चों को अपनी बात साझा करने के पर्याप्त अवसर मिलें।

मौखिक भाषा विकास पर कार्य

कालांश 1 40 मिनट

पाठ पर आधारित पुनरावृत्ति एवं चित्र के बारे में अपने घर की भाषा में बात करना।

विषयवस्तु: चित्र चार्ट **'खेल'**

तैयारी: बंद एवं खुले छोर के प्रश्न तैयार कर लें।

पाठ्यपुस्तक के पाठ पर आधारित पुनरावृत्ति (5-7 मिनट)

- पाठ 6 और 7 से संबंधित कुछ कठिन/अमूर्त शब्दों को बोर्ड पर लिखें और उन्हें बच्चों से पढ़ने को कहें, जैसे- दुल्हन, मुस्कुराते आदि। फिर कुछ बच्चों को उन शब्दों से मौखिक रूप से वाक्य बनाकर सुनाने को कहें।

चित्र चार्ट पर शिक्षक द्वारा चर्चा (5-7 मिनट)

- आप बच्चों से चित्र चार्ट में दिख रही चीजों/घटनाओं/गतिविधियों के बारे में कुछ बंद छोर के प्रश्न पूछें, जैसे- चित्र चार्ट में कौन-सा खेल खेला जा रहा है? आदि। फिर प्रत्येक प्रश्न पर बच्चों की प्रतिक्रियाएँ लें।

चित्र चार्ट पर समृद्ध चर्चा (10-12 मिनट)

- आप चर्चा को आगे बढ़ाएँ और 5-6 खुले छोर के प्रश्न पूछें, जैसे- आपको कौन-कौन सा खेल खेलना पसंद है और क्यों? आदि।

लेखन कार्य (7-10 मिनट)

- आप बच्चों से चित्र चार्ट पर हुई चर्चा से जुड़ा, कोई चित्र बनाने और कुछ शब्द या 1-2 वाक्य लिखने एवं उस पर अपने साथी के साथ बातचीत करने को कहें। फिर बच्चों को जोड़ियों में बाँटकर अपने द्वारा बनाए गए चित्र एवं लेखन कार्य पर आपस में चर्चा करने को कहें।

कार्यपुस्तिका (भाग-1) पर कार्य

कालांश 2 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ 6 और 7 पर आधारित स्तरित पाठ का मार्गदर्शित, स्वतंत्र पठन एवं लेखन अभ्यास।

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 24

तैयारी: पाठ की गतिविधियों को पहले से समझ लें।

कार्यपुस्तिका सप्ताह-8 दिवस-5 पर कार्य करें -
स्तरित पाठ का आदर्श वाचन एवं चर्चा (7-10 मिनट)

- स्तरित पाठ का 2 बार पूरे हाव-भाव से आदर्श वाचन करें। फिर बच्चों से पाठ से संबंधित बंद एवं खुले छोर के प्रश्न पूछें, जैसे- फ्रिज के अंदर क्या सजा था? आखिर हथिनी ठुमक-ठुमक कर क्यों चल रही थी? आदि।

स्वतंत्र पठन (7-10मिनट)

- प्रत्येक बच्चे को स्तरित पाठ को स्वतंत्र रूप से पढ़ने को कहें। फिर बच्चों से स्तरित पाठ का सस्वर वाचन करने को कहें, इस दौरान बाकी बच्चे अंगुली रखते हुए अनुसरण करें।

- **गतिविधि-1 (7-10 मिनट) :** प्रत्येक प्रश्न पर बच्चों से प्रतिक्रिया लें। प्रतिक्रिया से संबंधित कठिन शब्दों को बोर्ड पर लिखें, फिर स्तरित पाठ में दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखने को कहें।

नोटबुक पर कार्य :

- **गतिविधि-2 (5-7 मिनट) :** आप 3-5 शब्दों का एक वाक्य बोलें और बच्चों से लिखने को कहें।

'सुनकर लिखें' गतिविधि समाप्त होने पर आप बोले गए वाक्य को बोर्ड पर लिखें और बच्चों को जोड़ियों में करके एक-दूसरे की नोटबुक/कॉपी जाँचने को कहें।

स्वतंत्र पठन पर कार्य

कालांश 3 40 मिनट

बच्चों द्वारा चयनित किताब का स्वतंत्र पठन एवं अतिरिक्त सहायता की आवश्यकता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य।

विषयवस्तु: स्वतंत्र पठन एवं रिमीडियल कार्य

तैयारी: चित्रात्मक कहानी की पुस्तकें।

स्वतंत्र पठन (15-17 मिनट)

- आप बच्चों को पुस्तकालय या रीडिंग कॉर्नर से चित्र सहित छोटी कहानी की किताबें अपनी इच्छा से चुनने एवं पढ़ने का अवसर दें। बच्चों को किताबों को उलटने-पलटने, पढ़ने एवं आपस में बातचीत करने के पर्याप्त अवसर दें।
- कुछ बच्चों लगभग 50% (कोशिश करें हर सप्ताह नए बच्चों को मौका मिले) को उनकी किताब की कहानी पर अपनी बात रखने का अवसर दें। बच्चे जैसी भी कहानी बताएँ, उसे स्वीकार करें। बच्चों को कहानी वाक्यों में बताने की अपेक्षा रखें एवं उन्हें सहयोग करें।

रिमीडियल कार्य (15-20 मिनट)

- अवलोकन के आधार पर अतिरिक्त सहायता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य करें। इसके लिए बच्चों के स्तरानुसार वर्ण/शब्द स्तर की गतिविधियाँ कराएँ।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा: बच्चों को अपनी प्रतिक्रिया पूरे वाक्यों में देने को प्रोत्साहित करें।

मौखिक भाषा विकास पर कार्य

कालांश 1 | 40 मिनट

चित्र के बारे में अपने घर की भाषा में बात करना।

विषयवस्तु: चित्र चार्ट **'खेल'**

तैयारी: बंद एवं खुले छोर के प्रश्न तैयार कर लें।

चित्र चार्ट पर शिक्षक द्वारा चर्चा (5-7 मिनट)

- कल की चर्चा को संक्षेप में दोहराते हुए बच्चों से कुछ बंद छोर के प्रश्न पूछें एवं बातचीत करें।
- आप चर्चा को आगे बढ़ाएँ और कुछ नए बंद और 5-6 खुले छोर के प्रश्न पूछें, जैसे- चित्र में कौन-कौन हैं? चित्र में दिखाए खेलों में से आपको कौन-सा खेल पसंद है और क्यों? आदि।

चित्र चार्ट पर समृद्ध चर्चा (10-15 मिनट)

- चित्र चार्ट पर दूसरे दिन कार्य करने के दौरान, आप यह सुनिश्चित करें कि आप 5-6 खुले छोर के प्रश्न पूछे, जैसे- खेलते हुए यदि आपकी गेंद खो जाए तो आप क्या करोगे? आदि। सुनिश्चित करें कि सभी बच्चों को बोलने के अवसर मिलें।

लेखन कार्य (10-15 मिनट)

- अब आप बच्चों को उनके पसंद का कोई चित्र बनाकर उसमें रंग भरने को कहें। जब बच्चे चित्र बना लें तो उनके चित्र **'बच्चों का कोना'** में लगा दें।

आकलन

कालांश 2 | 40 मिनट

साप्ताहिक आकलन

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 24

तैयारी: आकलन की योजना और प्रश्न पहले से तैयार करें।

- आप सभी बच्चों को कार्यपुस्तिका के सप्ताह-8 दिवस 3 और 5 के कार्यपत्रक में दिए गए पाठ को दोबारा पढ़ने को कहें। फिर उन्हें कार्यपुस्तिका के भाग-2 पठन अभ्यास 15 और 16 को भी पढ़ने को कहे, साथ ही उपलब्ध अन्य पठन सामग्रियों को पढ़ने को प्रोत्साहित करें।

शिक्षक द्वारा आकलन (30-35 मिनट) :

- आप बच्चों को बारी-बारी से बुलाएँ और उन्हें कार्यपुस्तिका से **'मैंने सीख लिया'** को पढ़ने को कहें।
- बच्चों को **'मैंने सीख लिया'** को पढ़ने के लिए पर्याप्त समय दें। अगर बच्चे झिझक रहें हों तो उन्हें सहज महसूस कराएँ।
- बच्चों द्वारा जितने शब्द सही पढ़े गए हों, उनकी संख्या कोष्ठक में लिखें।
- फिर दिए गए प्रश्न बच्चों से मौखिक रूप से पूछें, प्रत्येक सही उत्तर के लिए 1 अंक कोष्ठक में लिखें।

आकलन

कालांश 3 | 40 मिनट

साप्ताहिक आकलन

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 24

तैयारी: आकलन की योजना पहले से तैयार कर लें।

शिक्षक द्वारा आकलन (25-27 मिनट)

- आप कालांश-2 के आकलन को जारी रखें।

सुनकर लिखें (10 मिनट)

- आप बच्चों को सामूहिक रूप से **'सुनकर लिखें'** गतिविधि करवाएँ। सभी बच्चों के लिख लेने के बाद, आप बोर्ड पर वाक्य लिख दें और बच्चों को एक-दूसरे की कॉपी जाँचने को कहें। इस पर कार्य करने के विस्तृत चरणों को संदर्शिका से देखें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा: जिन बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य किया गया है, क्या वे बच्चे इस अभ्यास को सफलतापूर्वक कर पाए हैं या नहीं, इसे देखने के लिए उन बच्चों द्वारा किए गए कार्य को अवश्य जाँचें।

पाठ्यपुस्तक 'सारंगी-2' पर कार्य

कालांश 1 | 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ-8 का आदर्श वाचन एवं चयनित पाठ्यांश 'बात पुरानी है.....नीली ही थी' का मार्गदर्शित पठन।

विषयवस्तु: पाठ-8 'तीन दोस्त'

तैयारी: पाठ्यांश आधारित प्रश्न

पाठ का आदर्श वाचन करना (7-10 मिनट)

- पाठ के चित्रों और शीर्षक के आधार पर कहानी की विषयवस्तु का अनुमान लगवाएँ। पूरे पाठ को हाव-भाव के साथ 1-2 बार पढ़कर सुनाएँ। बच्चे पाठ से जुड़े रहें, इसके लिए बीच-बीच में कुछ बंद छोर के प्रश्न पूछें।

कहानी को मौखिक रूप से सुनाना और चर्चा करना (7-10 मिनट)

- पाठ की कहानी या केन्द्रीय बिंदु को अपने शब्दों में सुनाकर एक बार और चर्चा करें।
- पाठ से सम्बन्धित कुछ बंद एवं 5-6 खुले छोर के प्रश्न बच्चों से पूछें, जैसे- बारिश नीली क्यों थी ? सूरज रोशनी क्यों देता था? लाल रंग कहाँ-कहाँ मिलता था? आदि।

पाठ्यांश का मार्गदर्शन में पठन (5-7 मिनट)

- बच्चों को जोड़ियों/समूहों में बाँटकर चयनित पाठ्यांश को बारी-बारी से पढ़ने (मार्गदर्शन में पठन) को कहें।
- जो बच्चे अभी भी शब्द स्तर पर हों, उन पर विशेष ध्यान दें और उनकी सहायता करें। बाकी बच्चों की आवश्यकतानुसार सहायता करें।

पाठ अभ्यास एवं संबंधित लेखन कार्य (7-10 मिनट)

- पाठ्यपुस्तक के पाठ में **(नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए - गतिविधि 3 और शब्दों का खेल)** पर बच्चों से चर्चा करें और फिर उन्हें उत्तर लिखने को कहें।

कार्यपुस्तिका (भाग-1) पर कार्य

कालांश 2 | 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ-8 से संबंधित विस्तारित गतिविधि पर कार्य।

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 25

तैयारी: पाठ की गतिविधियों को पहले से समझ लें।

कार्यपुस्तिका सप्ताह-9 दिवस-1 पर कार्य करें-

- **गतिविधि-1 (7-10 मिनट):** शब्दों को आदर्श रूप से पढ़ें और बच्चों को अंगुली रखते हुए अनुसरण करने को कहें। फिर उन्हें जोड़ियों/समूहों में पढ़ने को कहें।
- **गतिविधि-2 (7-10 मिनट):** बच्चों को कार्यपुस्तिका में दिए गए शब्दों को पढ़ने को कहें और प्रत्येक शब्द पर चर्चा करें कि वो **'फल'** है या **'रंग'**। अंत में, सभी बच्चों को गतिविधि करने को कहें।
- **गतिविधि-3 (5 मिनट):** बच्चों के साथ कार्यपुस्तिका में दिए गए फल, फूल एवं खाद्य पदार्थों के रंगों के बारे में मौखिक रूप से चर्चा करें। फिर सभी बच्चों को दिए गए शब्द समूहों के लिए एक रंग का नाम लिखने को कहें।
- **गतिविधि-4 (5-7 मिनट):** बच्चों को एकवचन एवं बहुवचन की अवधारणा बोर्ड पर उदाहरण (कार्यपुस्तिका से भिन्न) के साथ समझाएँ और अभ्यास करवाएँ। अंत में, सभी बच्चों को उत्तर लिखने को कहें।
- **गतिविधि-5 (5 मिनट):** आप 3-5 शब्दों का एक वाक्य बोलें और बच्चों से लिखने को कहें।

'सुनकर लिखें' गतिविधि समाप्त होने पर आप बोले गए वाक्य को बोर्ड पर लिखें और बच्चों को जोड़ियों में करके एक-दूसरे की कार्यपुस्तिका जाँचने को कहें।

कार्यपुस्तिका (भाग-2) पर कार्य

कालांश 3 | 40 मिनट

बच्चों द्वारा पठन अभ्यास एवं अतिरिक्त सहायता की आवश्यकता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य।

विषयवस्तु: पठन अभ्यास-17 एवं रिमीडियल कार्य

तैयारी: रिमीडियल की गतिविधि संदर्शिका से देखें।

पठन अभ्यास (15-17 मिनट)

- पठन अभ्यास-17 में दिए गए पाठ को पढ़कर सुनाएँ। सभी बच्चों को पाठ में दिए गए शब्दों पर अंगुली रखकर पढ़ने को कहें।
- आप बच्चों को दिए गए पाठ को जोड़ियों/समूहों में बारी-बारी से पढ़ने को कहें। इस दौरान आप कक्षा में घूम-घूमकर अवलोकन करें और आवश्यकतानुसार उनकी सहायता करें।
- पठन अभ्यास के अंत में कुछ शब्दों पर बातचीत करें जैसे- आपने यह शब्द कहाँ सुना है? इसका क्या अर्थ है? आदि।

रिमीडियल कार्य (15-20 मिनट)

- पिछले सप्ताह के साप्ताहिक आकलन के आधार पर अतिरिक्त सहायता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य करें। बाकी बच्चों को पठन अभ्यास स्वतंत्र रूप से पढ़ने को कहें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा: क्या कक्षा संचालन के दौरान आपने बच्चों की प्रतिक्रिया से नए खुले छोर के प्रश्न पूछे? प्रयास यह हो कि बच्चों की प्रतिक्रिया से नए खुले छोर के प्रश्न पूछे जाएँ, ताकि बच्चों की अभिव्यक्ति मुखर हो। साथ ही, उनकी तार्किक क्षमता का विकास हो।

सप्ताह 9 दिवस 2

पाठ्यपुस्तक 'सारंगी-2' पर कार्य

कालांश 1 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ-8 से चयनित पाठ्यांश 'तीनों पक्के .....और रंगीन' का मार्गदर्शित पठन।

विषयवस्तु: पाठ-8 'तीन दोस्त'

तैयारी: पाठ्यांश आधारित प्रश्न

पाठ्यांश का आदर्श वाचन करना (7-10 मिनट)

- कल की चर्चा को दोहराते हुए पाठ्यांश से संबंधित कुछ बंद छोर के प्रश्न बच्चों से पूछें, फिर चयनित पाठ्यांश को हाव-भाव के साथ पढ़कर सुनाएँ।

मार्गदर्शन में पठन (7-10 मिनट)

- बच्चों को जोड़ियों/समूहों में बाँटकर चयनित पाठ्यांश को बारी-बारी से पढ़ने (मार्गदर्शन में पठन) को कहें। जो बच्चे अभी भी शब्द स्तर पर हों, उन पर विशेष ध्यान दें और उनकी सहायता करें। बाकी बच्चों की आवश्यकतानुसार सहायता करें।

बच्चों द्वारा प्रश्न बनाना (5-7 मिनट)

- कुछ बच्चों को पढ़े गए पाठ्यांश से सवाल बनाकर बाकी बच्चों से प्रश्न पूछने का अवसर दें। फिर बच्चों को पूछे गए प्रश्नों के उत्तर पूरे वाक्य में देने को कहें। अगर बच्चे प्रश्न नहीं बना पा रहे हैं तो आप उनकी सहायता करें।

पाठ अभ्यास एवं संबंधित लेखन कार्य (7-10 मिनट)

- पाठ्यपुस्तक के पाठ की गतिविधि **(बातचीत के लिए)** के प्रश्नों पर बच्चों से मौखिक रूप से चर्चा करें, फिर उन्हें उत्तर लिखने को कहें। बच्चों के लेखन कार्य पर व्यक्तिगत फीडबैक दें एवं आवश्यकतानुसार उनकी सहायता करें।

कार्यपुस्तिका (भाग-1) पर कार्य

कालांश 2 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ-8 से संबंधित विस्तारित गतिविधि पर कार्य।

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 26

तैयारी: पाठ की गतिविधियों को पहले से समझ लें।

कार्यपुस्तिका सप्ताह-9 दिवस-2 पर कार्य करें-

- **गतिविधि-1 (7-10 मिनट):** दिए गए शब्दों एवं उनके अर्थ को पाठ के संदर्भ एवं बच्चों के परिवेश से जोड़कर चर्चा करें। फिर प्रत्येक शब्द पर बच्चों के साथ मौखिक रूप से वाक्य बनवाएँ। अंत में, सभी बच्चों को स्वतंत्र रूप से पढ़ने को कहें।
- **गतिविधि-2 (7-10 मिनट):** आप बोर्ड पर एक छोटी ग्रिड का उदाहरण (कार्यपुस्तिका से भिन्न) द्वारा शब्द खोजने और उन शब्दों से वाक्य बनाने की प्रक्रिया बच्चों को करके बताएँ। फिर कार्यपुस्तिका की गतिविधि बच्चों को करने को कहें।
- **गतिविधि-3 (5-7 मिनट):** आप बच्चों के साथ कार्यपुस्तिका से भिन्न खाद्य पदार्थों के स्वाद पर मौखिक रूप से चर्चा करें। कुछ बच्चों की प्रतिक्रिया लें, फिर सभी बच्चों को उत्तर लिखने को कहें।
- **गतिविधि-4 (7-10 मिनट):** आप वाक्य में 'कब' का उपयोग कहाँ और कैसे कर सकते हैं, इसके उदाहरण (कार्यपुस्तिका से भिन्न) देते हुए चर्चा करें। अंत में, सभी बच्चों को उत्तर लिखने को कहें।

कार्यपुस्तिका (भाग-2) पर कार्य

कालांश 3 40 मिनट

बच्चों द्वारा पठन अभ्यास एवं अतिरिक्त सहायता की आवश्यकता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य।

विषयवस्तु: पठन अभ्यास-17 एवं रिमीडियल कार्य

तैयारी: रिमीडियल की गतिविधि संदर्शिका से देखें।

पठन अभ्यास (15-17 मिनट)

- पिछले दिन के पठन अभ्यास में दिए गए पाठ को आदर्श रूप से पढ़ें। बच्चों को स्वतंत्र रूप से पठन अभ्यास पढ़ने को कहें। इस दौरान आप बच्चों के पास जाकर पठन अभ्यास का अवलोकन करें। कुछ बच्चों को सबके सामने पाठ पढ़कर सुनाने को कहें। बाकी बच्चों को अंगुली रखकर अनुसरण करने को कहें। अंत में, आप पाठ पर संक्षिप्त चर्चा करके समेकन करें।

रिमीडियल कार्य (15-20 मिनट)

- पिछले सप्ताह के साप्ताहिक आकलन के आधार पर अतिरिक्त सहायता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य करें। बाकी बच्चों को पठन अभ्यास स्वतंत्र रूप से पढ़ने को कहें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा: क्या कक्षा के संचालन के दौरान बच्चों को अपनी बात साझा करने का पर्याप्त अवसर मिला। प्रयास हमेशा यह रहना चाहिए कि सभी बच्चों को अपनी बात साझा करने के पर्याप्त अवसर मिलें।

पाठ्यपुस्तक 'सारंगी-2' पर कार्य

कालांश 1 | 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ-8 से 'बात पुरानी..... और रंगीन' का मार्गदर्शित पठन।

विषयवस्तु: पाठ-8 'तीन दोस्त'

तैयारी: पाठ्यांश आधारित प्रश्न

पाठ पर समृद्ध चर्चा एवं दोहराव (7-10 मिनट)
- पाठ की कहानी या केन्द्रीय बिंदु को अपने शब्दों में सुनाकर एक बार और चर्चा करें।
- पाठ से संबंधित कुछ बंद एवं 5-6 खुले छोर के प्रश्न बच्चों से पूछें, जैसे- बैंगनी रंग कैसे बना? दुनिया रंगीन कैसे बनी? लाल, पीले और नीले रंगों ने नए दोस्त बनाने क्यों शुरू किए? लाल रंग कहाँ-कहाँ मिलता था ? आदि।

मार्गदर्शन में पठन (7-10 मिनट)
- बच्चों को जोड़ियों/समूहों में बाँटकर पूरे पाठ को बारी-बारी से पढ़ने (मार्गदर्शन में पठन) को कहें।
- जो बच्चे अभी भी शब्द स्तर पर हों, उन पर विशेष ध्यान दें और उनकी सहायता करें। बाकी बच्चों की आवश्यकतानुसार सहायता करें।

बच्चों द्वारा प्रश्न बनाना (5-7 मिनट)
- कुछ बच्चों को पढ़े गए पाठ्यांश से सवाल बनाकर बाकी बच्चों से प्रश्न पूछने का अवसर दें। उन बच्चों को अवसर दें, जो कल प्रश्न नहीं पूछ पाए थे। बाकी बच्चों को पूछे गए प्रश्नों के उत्तर पूरे वाक्य में देने को कहें। अगर बच्चे प्रश्न नहीं बना पा रहे हैं तो आप उनकी सहायता करें।

पाठ अभ्यास एवं सम्बन्धित लेखन कार्य (7-10 मिनट)
- पाठ्यपुस्तक के पाठ की गतिविधि **(आइये कुछ बनाएँ)** के प्रश्नों पर बच्चों से मौखिक रूप से चर्चा करें, फिर उन्हें उत्तर लिखने को कहें।

कार्यपुस्तिका (भाग-1) पर कार्य

कालांश 2 | 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ-8 पर आधारित स्तरित पाठ का पठन एवं लेखन अभ्यास।

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 27

तैयारी: पाठ की गतिविधियों को पहले से समझ लें।

कार्यपुस्तिका सप्ताह-9 दिवस-3 पर कार्य करें-

स्तरित पाठ का आदर्श वाचन एवं चर्चा (10-12 मिनट)
- स्तरित पाठ के चित्रों और शीर्षक के आधार पर कहानी का अनुमान लगवाएँ। स्तरित पाठ को हाव-भाव के साथ 1-2 बार आदर्श रूप में पढ़कर सुनाएँ। बच्चे स्तरित पाठ से जुड़े रहें, इसके लिए बीच-बीच में 2-3 बंद छोर के प्रश्न पूछें।

स्तरित पाठ पर समृद्ध चर्चा (7-10 मिनट)
- स्तरित पाठ से संबंधित खुले छोर के प्रश्न बच्चों से पूछें, जैसे- पीला सूरज बादलों में क्यों सुस्ता रहा था? आदि। पुनः एक बार पाठ का आदर्श वाचन करें।

स्तरित पाठ आधारित कार्य (12-15 मिनट)
- प्रत्येक प्रश्न पर बच्चों से प्रतिक्रिया लें। प्रतिक्रिया से सम्बन्धित कठिन शब्दों को बोर्ड पर लिखें। फिर स्तरित पाठ में दिए गए प्रश्नों के उत्तर वाक्यों में लिखने को कहें।

सुनिश्चित करें कि सभी बच्चे गतिविधि में प्रतिभाग करें।

कार्यपुस्तिका (भाग-2) पर कार्य

कालांश 3 | 40 मिनट

बच्चों द्वारा पठन अभ्यास एवं अतिरिक्त सहायता की आवश्यकता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य।

विषयवस्तु: पठन अभ्यास-18 एवं रिमीडियल कार्य

तैयारी: रिमीडियल की गतिविधि संदर्शिका से देखें।

पठन अभ्यास (15-17 मिनट)
- पठन अभ्यास-18 में दिए गए पाठ को पढ़कर सुनाएँ। सभी बच्चों को पाठ में दिए गए शब्दों पर अंगुली रखकर पढ़ने को कहें।
- आप बच्चों को दिए गए पाठ को जोड़ियों/समूहों में बारी-बारी से पढ़ने को कहें। इस दौरान आप कक्षा में घूम-घूमकर अवलोकन करें और आवश्यकतानुसार उनकी सहायता करें।
- पठन अभ्यास के अंत में कुछ शब्दों पर बातचीत करें जैसे- आपने यह शब्द कहाँ सुना है? इसका क्या अर्थ है? आदि।

रिमीडियल कार्य (15-20 मिनट)
- पिछले सप्ताह के साप्ताहिक आकलन के आधार पर अतिरिक्त सहायता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य करें। बाकी बच्चों को पठन अभ्यास स्वतंत्र रूप से पढ़ने को कहें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा: शिक्षण प्रक्रिया के दौरान यदि बच्चों की सहभागिता कम हो जाए या फिर वे ऊबने लगें तो सौहार्दपूर्ण वातावरण निर्माण की गतिविधि द्वारा उन्हें शिक्षण प्रक्रिया से दोबारा जोड़ें।

सप्ताह 9 दिवस 4

पाठ्यपुस्तक 'सारंगी-2' पर कार्य

कालांश 1 | 40 मिनट

चित्र के बारे में अपने घर की भाषा में बात करना।

विषयवस्तु: - पाठ्यपुस्तक चित्र **'प्रकृति के रंग'**

तैयारी: बंद एवं खुले छोर के प्रश्नों को तैयार करें।

चित्र पर शिक्षक द्वारा चर्चा (5-7 मिनट)

- आप बच्चों से पाठ्यपुस्तक के चित्र में दिख रही चीजों/घटनाओं/गतिविधियों के बारे में कुछ बंद छोर के प्रश्न पूछें, जैसे- इस चित्र में क्या-क्या है? किन रंगों की वस्तुएँ चित्र में दिख रही हैं? आदि। फिर प्रत्येक प्रश्न पर बच्चों की प्रतिक्रिया लें।

चित्र पर समृद्ध चर्चा (10-15 मिनट)

- आप चर्चा को आगे बढ़ाएँ और 5-6 खुले छोर के प्रश्न भी पूछें, जैसे- भँवरा फूलों पर क्यों मंडरा रहा है? आपको कौन-कौन से फल अच्छे लगते हैं? आदि।

लेखन कार्य (10-15 मिनट)

- बच्चों को चित्र **'प्रकृति के रंग'** से संबंधित कोई चित्र बनाने और कुछ शब्द या 1-2 वाक्य लिखने को कहें। फिर बच्चों को अपना लेखन कार्य और चित्र अपने साथी को दिखाते हुए उस पर बातचीत करने को कहें।
- फिर किन्हीं 3-4 बच्चों को अपने विचार पूरी कक्षा के साथ में साझा करने को कहें। बच्चों के बनाए चित्रों को **'बच्चों का कोना'** में लगा दें।

कार्यपुस्तिका (भाग-1) पर कार्य

कालांश 2 | 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ-8 पर आधारित स्तरित पाठ का मार्गदर्शन में पठन एवं लेखन अभ्यास।

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 28

तैयारी: पाठ की गतिविधियों को पहले से समझ लें।

कार्यपुस्तिका सप्ताह-9 दिवस-4 पर कार्य करें-

स्तरित पाठ पर संक्षिप्त चर्चा एवं मार्गदर्शन में पठन (12-15 मिनट):

- पिछले दिन की चर्चा को दोहराते हुए स्तरित पाठ से संबंधित 2-3 बंद छोर के प्रश्न बच्चों से पूछें।
- बच्चों को जोड़ियों/समूहों में पिछले दिन के पाठ को बारी-बारी से पढ़ने को कहें।
- **गतिविधि-1 (5 मिनट):** दिए गए शब्दों एवं उनके अर्थ को पाठ के संदर्भ एवं बच्चों के परिवेश से जोड़कर चर्चा करें। फिर प्रत्येक शब्द पर बच्चों के साथ मौखिक रूप से वाक्य बनवाएँ। अंत में, सभी बच्चों को स्वतंत्र रूप से पढ़ने को कहें।
- **गतिविधि-2 (5 मिनट):** बच्चों के साथ कार्यपुस्तिका से भिन्न उदाहरण देते हुए उनके रंगों पर चर्चा करें। फिर सभी बच्चों को कार्यपुस्तिका में उत्तर लिखने को कहें।
- **गतिविधि-3 (5-7 मिनट):** बच्चों को दी गई बातचीत पढ़ने को कहें। फिर पूछें कि अंतिम वाक्य क्या हो सकता है। इस पर 3-4 बच्चों की प्रतिक्रिया लें। फिर सभी बच्चों को स्वतंत्र रूप से उत्तर लिखने को कहें।
- **गतिविधि-4 (5 मिनट):** आप कार्यपुस्तिका में दी गई गतिविधि पर बच्चों के साथ चर्चा करें। फिर उन्हें गतिविधि पर कार्य करने को कहें।

कार्यपुस्तिका (भाग-2) पर कार्य

कालांश 3 | 40 मिनट

बच्चों द्वारा पठन अभ्यास एवं अतिरिक्त सहायता की आवश्यकता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य।

विषयवस्तु: पठन अभ्यास-18 एवं रिमीडियल कार्य

तैयारी: रिमीडियल की गतिविधि संदर्शिका से देखें।

पठन अभ्यास (15-17 मिनट)

- पिछले दिन के पठन अभ्यास में दिए गए पाठ को आदर्श रूप से पढ़ें। बच्चों को स्वतंत्र रूप से पठन अभ्यास पढ़ने को कहें। इस दौरान आप बच्चों के पास जाकर पठन अभ्यास का अवलोकन करें। कुछ बच्चों को सबके सामने पाठ पढ़कर सुनाने को कहें। बाकी बच्चों को अंगुली रखकर अनुसरण करने को कहें। अंत में, आप पाठ पर संक्षिप्त चर्चा करके समेकन करें।

रिमीडियल कार्य (15-20 मिनट)

- पिछले सप्ताह के साप्ताहिक आकलन के आधार पर अतिरिक्त सहायता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य करें। बाकी बच्चों को पठन अभ्यास स्वतंत्र रूप से पढ़ने को कहें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा: बच्चों द्वारा लेखन कार्य किए जाने के दौरान क्या आपने घूम-घूमकर उनके कार्य का अवलोकन किया? बच्चों के लेखन कार्य का अवलोकन करें एवं आवश्यकतानुसार दैनिक रूप से सहायता दें।

मौखिक भाषा विकास पर कार्य

कालांश 1 40 मिनट

पाठ पर आधारित पुनरावृत्ति और बच्चे भाषा के उच्चस्तरीय कौशलों का उपयोग करना सीख पाएँगे।

विषयवस्तु: सृजनात्मक गतिविधि

तैयारी: गतिविधि से संबंधित जरूरी सामग्री एकत्र करें।

पाठ्यपुस्तक के पाठ पर आधारित पुनरावृत्ति (5-7 मिनट)

- पाठ-8 से संबंधित कुछ कठिन/अमूर्त शब्दों को बोर्ड पर लिखें और उन्हें बच्चों से पढ़ने को कहें, जैसे- सुस्ताना, दुनिया आदि।
- फिर कुछ बच्चों को उन शब्दों से मौखिक रूप से वाक्य बनाकर सुनाने को कहें।

सृजनात्मक गतिविधि पर चर्चा (5-7 मिनट)

- आप सृजनात्मक गतिविधि- **'ग्रीटिंग कार्ड बनाना'** के विस्तृत चरणों को संदर्शिका से देखें। गतिविधि से संबंधित एक उदाहरण बच्चों को दें और गतिविधि के चरणों के निर्देश स्पष्टता से बताएँ।
- अब आप बच्चों को गतिविधि के चरणों के अनुसार कार्य करने को कहें।

बच्चों द्वारा लेखन कार्य (10-12 मिनट)

- बच्चों को जोड़ियों में बाँटकर ग्रीटिंग कार्ड बनाने एवं उस पर अपने दोस्त के बारे में एक **संदेश** लिखने और उस पर आपस में चर्चा करने को कहें।

बच्चों द्वारा अपने कार्य को साझा करना (7-10 मिनट)

- किन्हीं 3-4 बच्चों को ग्रीटिंग दिखाते हुए अपने विचार पूरी कक्षा के साथ साझा करने को कहें। बच्चों द्वारा बनाए ग्रीटिंग्स को **'बच्चों का कोना'** में लगा दें।

कार्यपुस्तिका (भाग-1) पर कार्य

कालांश 2 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ-8 पर आधारित स्तरित पाठ का मार्गदर्शित, स्वतंत्र पठन एवं लेखन अभ्यास।

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 29

तैयारी: पाठ की गतिविधियों को पहले से समझ लें।

कार्यपुस्तिका सप्ताह-9 दिवस-5 पर कार्य करें-

स्तरित पाठ का आदर्श वाचन एवं चर्चा (7-10 मिनट):

- स्तरित पाठ का 2 बार पूरे हाव-भाव से आदर्श वाचन करें। फिर बच्चों से पाठ से संबंधित बंद एवं खुले छोर के प्रश्न पूछें, जैसे- नेहा नीला छाता लेकर कब निकली? अगर आपको छाता बनाने का मौका मिले, तो किससे बनाओगे? आदि।

स्वतंत्र पठन (7-10 मिनट)

- प्रत्येक बच्चे को स्तरित पाठ को स्वतंत्र रूप से पढ़ने को कहें। फिर बच्चों से स्तरित पाठ का सस्वर वाचन करने को कहें, इस दौरान बाकी बच्चे अंगुली रखते हुए अनुसरण करें।
- **गतिविधि-1 (7-10 मिनट):** प्रत्येक प्रश्न पर बच्चों से प्रतिक्रिया लें। प्रतिक्रिया से संबंधित कठिन शब्दों को बोर्ड पर लिखें, फिर स्तरित पाठ में दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखने को कहें।

नोटबुक पर कार्य :

- **गतिविधि-2 (5-7 मिनट) :** आप बोर्ड पर 4x4 का ग्रिड बनाकर उसमें कुछ ऐसे वर्ण/अक्षर लिख दें, जिनसे कुछ सार्थक शब्द बनाए जा सकें। इस प्रक्रिया का उदाहरण देकर बच्चों को बताएँ कि ऊपर से नीचे, दाएँ से बाएँ शब्द कैसे खोजते हैं। अब आप बच्चों को जोड़ियों में बाँटकर ग्रिड से सार्थक शब्द बनाकर कॉपी/नोटबुक में लिखने और पढ़ने को कहें। अंत में, 3-4 जोड़ियों से उनके द्वारा बनाए गए शब्द पढ़ने को कहें।

स्वतंत्र पठन पर कार्य

कालांश 3 40 मिनट

बच्चों द्वारा चयनित किताब का स्वतंत्र पठन एवं अतिरिक्त सहायता की आवश्यकता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य।

विषयवस्तु: स्वतंत्र पठन एवं रिमीडियल कार्य

तैयारी: चित्रात्मक कहानी की पुस्तकें।

स्वतंत्र पठन (15-17 मिनट)

- आप बच्चों को पुस्तकालय या रीडिंग कॉर्नर से चित्र सहित छोटी कहानी की किताबें अपनी इच्छा से चुनने एवं पढ़ने का अवसर दें। बच्चों को किताबों को उलटने-पलटने, पढ़ने एवं आपस में बातचीत करने के पर्याप्त अवसर दें।
- कुछ बच्चों लगभग 50% (कोशिश करें हर सप्ताह नए बच्चों को मौका मिले) को उनकी किताब की कहानी पर अपनी बात रखने का अवसर दें। बच्चे जैसी भी कहानी बताएँ, उसे स्वीकार करें। बच्चों को कहानी वाक्यों में बताने की अपेक्षा रखें एवं उन्हें सहयोग करें।

रिमीडियल कार्य (15-20 मिनट)

- अवलोकन के आधार पर अतिरिक्त सहायता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य करें। इसके लिए बच्चों के स्तरानुसार वर्ण/शब्द स्तर की गतिविधियाँ कराएँ।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा: बच्चों को अपनी प्रतिक्रिया पूरे वाक्यों में देने को प्रोत्साहित करें।

मौखिक भाषा विकास पर कार्य

कालांश 1 40 मिनट

मौखिक कहानी सुनाना एवं चर्चा करना।

विषयवस्तु: मौखिक कहानी को क्रमवार सुनना

तैयारी: कहानी का चयन करके प्रश्न तैयार करें।

मौखिक रूप से कहानी सुनाना (7-10 मिनट)

- सबसे पहले आप बच्चों के स्तर की पूर्व में सुनी या पढ़ी हुई किसी एक कहानी को अपने शब्दों/स्थानीय भाषा में मौखिक रूप से बच्चों को सुनाएँ।
- बच्चों का जुड़ाव कहानी से बनाने के लिए बीच-बीच में कुछ बंद छोर के प्रश्न भी पूछें।

कहानी पर बच्चों के साथ समृद्ध चर्चा (7-10 मिनट)

- कहानी समाप्त होने के बाद बच्चों से पूछें कि उन्हें कहानी कैसी लगी और क्यों? आदि। बातचीत को समृद्ध बनाने के लिए 5-6 खुले छोर (कल्पना, अनुभव, अनुमान एवं तर्क आधारित) के प्रश्न भी पूछें, जैसे- यदि आप इस कहानी में होते तो क्या करते? आदि।

बच्चों द्वारा आपस में चर्चा (5-7 मिनट)

- बच्चों को जोड़ियों में बाँटकर कहानी से संबंधित चर्चा करने को कहें, जैसे- उन्हें कहानी का कौन-सा पात्र अच्छा लगा और क्यों? आदि।

लेखन कार्य (7-10 मिनट)

- बच्चों को सुनी हुई कहानी पर अपने विचार/समझ कुछ शब्दों/1-2 वाक्यों में लिखकर व्यक्त करने को कहें।

आकलन

कालांश 2 40 मिनट

साप्ताहिक आकलन

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 29

तैयारी: आकलन की योजना और प्रश्न पहले से तैयार करें।

- आप सभी बच्चों को कार्यपुस्तिका के सप्ताह-9 दिवस 3 और 5 के पाठ को दोबारा पढ़ने को कहें। फिर उन्हें कार्यपुस्तिका के भाग-2 पठन अभ्यास 17 और 18 को भी पढ़ने को कहें। साथ ही, कक्षा में उपलब्ध अन्य पठन सामग्रियों को पढ़ने को प्रोत्साहित करें।

शिक्षक द्वारा आकलन (30-35 मिनट)

- आप बच्चों को बारी-बारी से बुलाएँ और उन्हें कार्यपुस्तिका से **'मैंने सीख लिया'** को पढ़ने को कहें।
- बच्चों को **'मैंने सीख लिया'** को पढ़ने के लिए पर्याप्त समय दें। अगर बच्चे झिझक रहे हों तो उन्हें सहज महसूस कराएँ।
- बच्चों द्वारा जितने शब्द सही पढ़े गए हों, उनकी संख्या को कोष्ठक में लिखें।
- फिर दिए गए प्रश्न बच्चों से मौखिक रूप से पूछें, प्रत्येक सही उत्तर के लिए 1 अंक कोष्ठक में लिखें।

आकलन

कालांश 3 40 मिनट

साप्ताहिक आकलन

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 29

तैयारी: आकलन की योजना पहले से तैयार कर लें।

शिक्षक द्वारा आकलन (25-27 मिनट)

- आप कालांश-2 के आकलन को जारी रखें।

सुनकर लिखें (10 मिनट)

- आप बच्चों को सामूहिक रूप से **'सुनकर लिखें'** गतिविधि करवाएँ। सभी बच्चों के लिख लेने के बाद, आप बोर्ड पर वाक्य लिख दें और बच्चों को एक-दूसरे की कॉपी जाँचने को कहें। इस पर कार्य करने के विस्तृत चरणों को संदर्शिका से देखें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा: जिन बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य किया गया है, क्या वे बच्चे इस अभ्यास को सफलतापूर्वक कर पाए हैं या नहीं, इसे देखने के लिए उन बच्चों द्वारा किए गए कार्य को अवश्य जाँचें।

पाठ्यपुस्तक 'सारंगी-2' पर कार्य

कालांश 1 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ को पढ़कर सुनाना एवं चर्चा करना।

विषयवस्तु: पाठ-9 'दुनिया रंग-बिरंगी'

तैयारी: कठिन शब्द, बंद और खुले छोर के प्रश्न

पाठ का आदर्श वाचन (7-10 मिनट)

- पाठ के चित्रों और शीर्षक के आधार पर कविता की विषयवस्तु का अनुमान लगवाएँ, जैसे- यह कविता किसके बारे में है? आदि।
- अब बच्चों को हाव-भाव के साथ कविता मौखिक रूप से 1-2 बार सुनाएँ और बच्चों को प्रतिभाग करने के लिए प्रोत्साहित करें। इसके बाद आप कविता को पढ़ें और बच्चों को अपनी पाठ्यपुस्तक में अंगुली रखते हुए कविता का अनुसरण करने को कहें।

शब्दावली विकास (5-7 मिनट)

- पाठ के कठिन/अमूर्त शब्दों जैसे- खुशबूदार, रंग-बिरंगी आदि को बोर्ड पर लिखें और उनके अर्थ को पाठ के संदर्भ और बच्चों के परिवेश से जोड़कर बताएँ।

पाठ पर समृद्ध चर्चा (7-10 मिनट)

- इसके बाद कविता के बारे में बच्चों की राय पूछें, जैसे- उन्हें कविता में क्या अच्छा लगा और क्यों? आदि।
- बातचीत को समृद्ध बनाने के लिए 5-6 खुले छोर के प्रश्न भी पूछें, जैसे- पेड़ के पत्ते और किस-किस रंग के होते हैं? आदि।

पाठ अभ्यास एवं संबंधित लेखन कार्य (7-10 मिनट)

- पाठ्यपुस्तक के पाठ की गतिविधि **(शब्दों का खेल 1)** पर बच्चों से चर्चा करें और फिर उन्हें उत्तर लिखने को कहें।

कार्यपुस्तिका (भाग-1) पर कार्य

कालांश 2 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ-9 से संबंधित विस्तारित गतिविधि पर कार्य।

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 30

तैयारी: पाठ की गतिविधियों को पहले से समझ लें।

कार्यपुस्तिका सप्ताह-10 दिवस-1 पर कार्य करें -

- **गतिविधि-1 (7-10 मिनट) :** शब्दों को आदर्श रूप से पढ़ें और बच्चों को अंगुली रखते हुए अनुसरण करने को कहें। फिर उन्हें जोड़ियों/समूहों में पढ़ने को कहें।
- **गतिविधि-2 (7-10मिनट) :** आप बोर्ड पर समानार्थी शब्दों के उदाहरण (कार्यपुस्तिका से भिन्न) देते हुए गतिविधि समझाएँ और बच्चों से अभ्यास करवाएँ। फिर कार्यपुस्तिका में दी गई गतिविधि करने को कहें।
- **गतिविधि-3 (5 मिनट) :** बच्चों से कुछ उदाहरण के साथ विलोम शब्द पर चर्चा करें और उनका उपयोग वाक्यों में करके बोर्ड पर लिखें। फिर कार्यपुस्तिका में दी गई गतिविधि को करने को कहें।
- **गतिविधि-4 (5 मिनट) :** आप बोर्ड पर दो अलग-अलग शब्द के उदाहरण (कार्यपुस्तिका से भिन्न) द्वारा मिलाकर लिखने और पढ़ने का अभ्यास बच्चों से करवाएँ, जैसे- हवा महल - हवामहल। फिर दी गई गतिविधि को करने को कहें।
- **गतिविधि-5 (5 मिनट) :** आप 3-5 शब्दों का एक वाक्य बोलें और बच्चों से लिखने को कहें।

'**सुनकर लिखें**' गतिविधि समाप्त होने पर आप बोले गए वाक्य को बोर्ड पर लिखें और बच्चों को जोड़ियों में करके एक-दूसरे की कार्यपुस्तिका जाँचने को कहें।

कार्यपुस्तिका (भाग-2) पर कार्य

कालांश 3 40 मिनट

बच्चों द्वारा पठन अभ्यास एवं अतिरिक्त सहायता की आवश्यकता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य।

विषयवस्तु: पठन अभ्यास-19 एवं रिमीडियल कार्य

तैयारी: रिमीडियल की गतिविधि संदर्शिका से देखें।

पठन अभ्यास (15-17 मिनट)

- पठन अभ्यास-19 में दिए गए पाठ को पढ़कर सुनाएँ। सभी बच्चों को पाठ में दिए गए शब्दों पर अंगुली रखकर पढ़ने को कहें।
- आप बच्चों को दिए गए पाठ को जोड़ियों/समूहों में बारी-बारी से पढ़ने को कहें। इस दौरान आप कक्षा में घूम-घूमकर अवलोकन करें और आवश्यकतानुसार उनकी सहायता करें।
- पठन अभ्यास के अंत में कुछ शब्दों पर बातचीत करें, जैसे- आपने यह शब्द कहाँ सुना है? इसका क्या अर्थ है? आदि।

रिमीडियल कार्य (15-20 मिनट)

- पिछले सप्ताह के साप्ताहिक आकलन के आधार पर अतिरिक्त सहायता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य करें। बाकी बच्चों को पठन अभ्यास स्वतंत्र रूप से पढ़ने को कहें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा: आज की गतिविधि के दौरान क्या आप सभी बच्चों को उनके नाम से संबोधित कर पाए? प्रयास यह होना चाहिए कि बच्चों को हमेशा उनके नाम से संबोधित करें।

पाठ्यपुस्तक 'सारंगी-2' पर कार्य

कालांश 1 | 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ का दोहराव और समृद्ध चर्चा।

विषयवस्तु: पाठ-9 'दुनिया रंग-बिरंगी'

तैयारी: पाठ आधारित प्रश्न

पाठ का आदर्श वाचन (7-10 मिनट)

- आप बच्चों से कल की चर्चा के आधार पर कुछ बंद छोर के प्रश्न पूछें, जैसे- कल हमने कौन-सी कविता पढ़ी थी? कविता किसके बारे में थी? आदि।
- अब आप कविता का 1-2 बार आदर्श वाचन करें और बच्चों से अपने साथ कविता दोहराने को कहें।

शब्दावली विकास (5-7 मिनट)

- कल आपने जिन कठिन/अमूर्त शब्दों पर कार्य किया था। उनके अर्थ बच्चों से पूछें और उन शब्दों से मौखिक रूप से वाक्य बनवाएँ।

पाठ पर समृद्ध चर्चा (7-10 मिनट)

- बातचीत को समृद्ध बनाने के लिए बच्चों के अनुभवों से जोड़ते हुए, 5-6 खुले छोर के प्रश्न भी पूछें, जैसे- मटर के जैसा मीठा-मीठा और क्या होता है? आदि।
- बच्चों के हर उत्तर को स्वीकार करते हुए उनका प्रोत्साहन करें।
- इसके बाद आप कक्षा के कुछ बच्चों से कविता सुनाने को कहें।

पाठ अभ्यास एवं संबंधित लेखन कार्य (7-10 मिनट)

- पाठ्यपुस्तक के पाठ की गतिविधि **(सोचिए और लिखिए 1, 2)** पर बच्चों से मौखिक रूप से चर्चा करें और फिर उन्हें उत्तर लिखने को कहें।

कार्यपुस्तिका (भाग-1) पर कार्य

कालांश 2 | 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ-9 से संबंधित विस्तारित गतिविधि पर कार्य।

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 31

तैयारी: पाठ की गतिविधियों को पहले से समझ लें।

कार्यपुस्तिका सप्ताह-10 दिवस-2 पर कार्य करें -

- **गतिविधि-1 (7-10 मिनट) :** दिए गए शब्दों एवं उनके अर्थ को पाठ के संदर्भ एवं बच्चों के परिवेश से जोड़कर चर्चा करें। फिर प्रत्येक शब्द पर बच्चों के साथ मौखिक रूप से वाक्य बनवाएँ। अंत में, सभी बच्चों को स्वतंत्र रूप से पढ़ने को कहें।
- **गतिविधि-2 (5 मिनट) :** आप बच्चों के साथ मौखिक रूप से सब्जियों के बारे में बातचीत करें। फिर कार्यपुस्तिका में दी गई गतिविधि करने को कहें।
- **गतिविधि-3 (5-7 मिनट) :** आप उदाहरण के रूप में कुछ शब्दों (कार्यपुस्तिका से भिन्न) का उपयोग वाक्यों में करके बताएँ। फिर बच्चों को दी गई गतिविधि को करने को कहें।
- **गतिविधि-4 (5-7 मिनट) :** आप बच्चों के साथ मौखिक रूप से विभिन्न जीव-जन्तु कहाँ-कहाँ (जमीन, आकाश और जल में रहने वाले) रहते हैं, पर मौखिक रूप से चर्चा करें। इसके बाद कार्यपुस्तिका में दी गई गतिविधि का उत्तर लिखने को कहें।
- **गतिविधि-5 (5-7 मिनट) :** आप मौखिक रूप से संज्ञा किसे कहते हैं और कुछ संज्ञा शब्द के उदाहरण बोर्ड पर लिखकर बताएँ। फिर कार्यपुस्तिका में दी गई गतिविधि करने को कहें।

कार्यपुस्तिका (भाग-2) पर कार्य

कालांश 3 | 40 मिनट

बच्चों द्वारा पठन अभ्यास एवं अतिरिक्त सहायता की आवश्यकता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य।

विषयवस्तु: पठन अभ्यास-19 एवं रिमीडियल कार्य

तैयारी: रिमीडियल की गतिविधि संदर्शिका से देखें।

पठन अभ्यास (15-17 मिनट)

- पिछले दिन के पठन अभ्यास में दिए गए पाठ को आदर्श रूप से पढ़ें। बच्चों को स्वतंत्र रूप से पठन अभ्यास पढ़ने को कहें। इस दौरान आप बच्चों के पास जाकर पठन अभ्यास का अवलोकन करें। कुछ बच्चों को सबके सामने पाठ पढ़कर सुनाने को कहें। बाकी बच्चों को अंगुली रखकर अनुसरण करने को कहें। अंत में, आप पाठ पर संक्षिप्त चर्चा करके समेकन करें।

रिमीडियल कार्य (15-20 मिनट)

- पिछले सप्ताह के साप्ताहिक आकलन के आधार पर अतिरिक्त सहायता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य करें। बाकी बच्चों को पठन अभ्यास स्वतंत्र रूप से पढ़ने को कहें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा: बच्चों को अपनी प्रतिक्रिया पूरे वाक्यों में देने को प्रोत्साहित करें।

पाठ्यपुस्तक 'सारंगी-2' पर कार्य

कालांश 1 | 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ को पढ़कर सुनाना एवं चर्चा करना।

विषयवस्तु: पाठ-10 **'कौन'**

तैयारी: कठिन शब्द, बंद और खुले छोर के प्रश्न

पाठ का आदर्श वाचन (7-10 मिनट)

- पाठ के चित्रों और शीर्षक के आधार पर कविता की विषयवस्तु का अनुमान लगवाएँ, जैसे- यह कविता किसके बारे में है? आदि।
- अब बच्चों को हाव-भाव के साथ कविता मौखिक रूप से 1-2 बार सुनाएँ और बच्चों को प्रतिभाग करने के लिए प्रोत्साहित करें। इसके बाद आप कविता को पढ़ें और बच्चों को अपनी पाठ्यपुस्तक में अंगुली रखते हुए कविता का अनुसरण करने को कहें।

शब्दावली विकास (5-7 मिनट)

- पाठ के कठिन/अमूर्त शब्दों जैसे- दिशा, पर्वत आदि को बोर्ड पर लिखें और उनके अर्थ को पाठ के संदर्भ और बच्चों के परिवेश से जोड़कर बताएँ।

पाठ पर समृद्ध चर्चा (7-10 मिनट)

- कविता के बारे में बच्चों की राय पूछें, जैसे- उन्हें कविता में क्या अच्छा लगा और क्यों आदि।
- बातचीत को समृद्ध बनाने के लिए 5-6 खुले छोर के प्रश्न भी पूछें, जैसे- आकाश में इंद्रधनुष कौन बनाता है? आदि।

पाठ अभ्यास एवं संबंधित लेखन कार्य (7-10 मिनट)

- पाठ्यपुस्तक के पाठ की गतिविधि **(सोचिए और लिखिए 1, 2)** पर बच्चों से चर्चा करें और फिर उन्हें उत्तर लिखने को कहें।

कार्यपुस्तिका (भाग-1) पर कार्य

कालांश 2 | 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ-10 पर आधारित स्तरित पाठ का पठन एवं लेखन अभ्यास।

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 32

तैयारी: पाठ की गतिविधियों को पहले से समझ लें।

कार्यपुस्तिका सप्ताह-10 दिवस-3 पर कार्य करें -

स्तरित पाठ का आदर्श वाचन एवं चर्चा (10-12 मिनट)

- स्तरित पाठ के चित्रों और शीर्षक के आधार पर पहेली का अनुमान लगवाएँ। स्तरित पाठ को हाव-भाव के साथ 1-2 बार आदर्श रूप में पढ़कर सुनाएँ।

स्तरित पाठ पर समृद्ध चर्चा (7-10 मिनट)

- स्तरित पाठ से संबंधित खुले छोर के प्रश्न बच्चों से पूछें, जैसे- पेड़ लगाने से हमें क्या-क्या फायदा हो सकता है? आदि। पुनः एक बार पाठ का आदर्श वाचन करें।

स्तरित पाठ आधारित कार्य (12-15 मिनट)

- प्रत्येक प्रश्न पर बच्चों से प्रतिक्रिया लें। प्रतिक्रिया से संबंधित कठिन शब्दों को बोर्ड पर लिखें। फिर स्तरित पाठ में दिए गए प्रश्नों के उत्तर वाक्यों में लिखने को कहें।

☞ सुनिश्चित करें कि सभी बच्चे गतिविधि में प्रतिभाग करें।

कार्यपुस्तिका (भाग-2) पर कार्य

कालांश 3 | 40 मिनट

बच्चों द्वारा पठन अभ्यास एवं अतिरिक्त सहायता की आवश्यकता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य।

विषयवस्तु: पठन अभ्यास-20 एवं रिमीडियल कार्य

तैयारी: रिमीडियल की गतिविधि संदर्शिका से देखें।

पठन अभ्यास (15-17 मिनट)

- पठन अभ्यास-20 में दिए गए पाठ को पढ़कर सुनाएँ। सभी बच्चों को पाठ में दिए गए शब्दों पर अंगुली रखकर पढ़ने को कहें।
- आप बच्चों को दिए गए पाठ को जोड़ियों/समूहों में बारी-बारी से पढ़ने को कहें। इस दौरान आप कक्षा में घूम-घूमकर अवलोकन करें और आवश्यकतानुसार उनकी सहायता करें।
- पठन अभ्यास के अंत में कुछ शब्दों पर बातचीत करें जैसे- आपने यह शब्द कहाँ सुना है? इसका क्या अर्थ है? आदि।

रिमीडियल कार्य (15-20 मिनट)

- पिछले सप्ताह के साप्ताहिक आकलन के आधार पर अतिरिक्त सहायता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य करें। बाकी बच्चों को पठन अभ्यास स्वतंत्र रूप से पढ़ने को कहें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा: क्या कक्षा के संचालन के दौरान बच्चों को अपनी बात साझा करने का पर्याप्त अवसर मिला। प्रयास हमेशा यह रहना चाहिए कि सभी बच्चों को अपनी बात साझा करने के पर्याप्त अवसर मिलें।

सप्ताह 10 दिवस 4

पाठ्यपुस्तक 'सारंगी-2' पर कार्य

कालांश 1 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ का दोहराव और समृद्ध चर्चा।

विषयवस्तु: पाठ-10 **'कौन'**

तैयारी: पाठ आधारित प्रश्न

पाठ का आदर्श वाचन (7-10 मिनट)

- आप बच्चों से कल की चर्चा के आधार पर कुछ बंद छोर के प्रश्न पूछें, जैसे- कल हमने कौन-सी कविता पढ़ी थी? कविता किसके बारे में थी? आदि।
- अब आप कविता का 1-2 बार आदर्श वाचन करें और बच्चों से अपने साथ कविता दोहराने को कहें।

शब्दावली विकास (5-7 मिनट)

- कल आपने जिन कठिन/अमूर्त शब्दों पर कार्य किया था। उनके अर्थ बच्चों से पूछें और उन शब्दों से मौखिक रूप से वाक्य बनवाएँ।

पाठ पर समृद्ध चर्चा (7-10 मिनट)

- बातचीत को समृद्ध बनाने के लिए बच्चों के अनुभवों से जोड़ते हुए, 5-6 खुले छोर के प्रश्न भी पूछें, जैसे- अगर नदियों में पानी नहीं होता तो सबकी प्यास कौन बुझाता? आदि।
- बच्चों के हर उत्तर को स्वीकार करते हुए उनका प्रोत्साहन करें।
- इसके बाद आप कक्षा के कुछ बच्चों से कविता सुनाने को कहें।

पाठ अभ्यास एवं संबंधित लेखन कार्य (7-10 मिनट)

- पाठ्यपुस्तक के पाठ की गतिविधि **(बातचीत के लिए 1-4)** पर बच्चों से मौखिक रूप से चर्चा करें।

कार्यपुस्तिका (भाग-1) पर कार्य

कालांश 2 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ-10 पर आधारित स्तरित पाठ का मार्गदर्शन में पठन एवं लेखन अभ्यास।

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 33

तैयारी: पाठ की गतिविधियों को पहले से समझ लें।

कार्यपुस्तिका सप्ताह-10 दिवस-4 पर कार्य करें -
स्तरित पाठ पर संक्षिप्त चर्चा एवं मार्गदर्शन में पठन (12-15 मिनट)

- पिछले दिन की चर्चा को दोहराते हुए स्तरित पाठ से संबंधित 2-3 बंद छोर के प्रश्न बच्चों से पूछें।
- बच्चों को जोड़ियों/समूहों में पिछले दिन के पाठ को बारी-बारी से पढ़ने को कहें।
- **गतिविधि-1 (5 मिनट) :** दिए गए शब्दों एवं उनके अर्थ को पाठ के संदर्भ एवं बच्चों के परिवेश से जोड़कर चर्चा करें। फिर प्रत्येक शब्द पर बच्चों के साथ मौखिक रूप से वाक्य बनवाएँ। अंत में, सभी बच्चों को स्वतंत्र रूप से पढ़ने को कहें।
- **गतिविधि-2 (5-7 मिनट) :** आप बोर्ड पर उदाहरण (कार्यपुस्तिका से भिन्न) देते हुए गतिविधि समझाएँ। दो वाक्यों को एक वाक्य में लिखने का अभ्यास बच्चों से करवाएँ। फिर गतिविधि का उत्तर लिखने को कहें।
- **गतिविधि-3 (5 मिनट) :** आप बच्चों के साथ मौखिक रूप से चर्चा करें कि आसमान में क्या-क्या दिखाई देता है। फिर बच्चों को कार्यपुस्तिका में दी गई गतिविधि करने को कहें।
- **गतिविधि-4 (5 मिनट) :** आप बच्चों के साथ समूह की अवधारणा पर मौखिक बातचीत करें और बोर्ड पर लिखकर समझाएँ। फिर गतिविधि बच्चों से करने को कहें।

कार्यपुस्तिका (भाग-2) पर कार्य

कालांश 3 40 मिनट

बच्चों द्वारा पठन अभ्यास एवं अतिरिक्त सहायता की आवश्यकता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य।

विषयवस्तु: पठन अभ्यास-20 एवं रिमीडियल कार्य

तैयारी: रिमीडियल की गतिविधि संदर्शिका से देखें।

पठन अभ्यास (15-17 मिनट)

- पिछले दिन के पठन अभ्यास में दिए गए पाठ को आदर्श रूप से पढ़ें। बच्चों को स्वतंत्र रूप से पठन अभ्यास पढ़ने को कहें। इस दौरान आप बच्चों के पास जाकर पठन अभ्यास का अवलोकन करें। कुछ बच्चों को सबके सामने पाठ पढ़कर सुनाने को कहें। बाकी बच्चों को अंगुली रखकर अनुसरण करने को कहें। अंत में, आप पाठ पर संक्षिप्त चर्चा करके समेकन करें।

रिमीडियल कार्य (15-20 मिनट)

- पिछले सप्ताह के साप्ताहिक आकलन के आधार पर अतिरिक्त सहायता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य करें। बाकी बच्चों को पठन अभ्यास स्वतंत्र रूप से पढ़ने को कहें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा: बच्चों द्वारा लेखन कार्य किए जाने के दौरान क्या आपने घूम-घूमकर उनके कार्य का अवलोकन किया? बच्चों के लेखन कार्य का अवलोकन करें एवं आवश्यकतानुसार दैनिक रूप से सहायता दें।

सप्ताह 10 दिवस 5

मौखिक भाषा विकास पर कार्य

कालांश 1 40 मिनट

पाठ पर आधारित पुनरावृत्ति और बच्चे भाषा के उच्चस्तरीय कौशलों का उपयोग करना सीख पाएँगे।

विषयवस्तु: सृजनात्मक गतिविधि

तैयारी: गतिविधि से संबंधित जरूरी सामग्री एकत्र कर लें।

पाठ्‌यपुस्तक के पाठ पर आधारित पुनरावृत्ति (5-7 मिनट)

- पाठ 9 और 10 से संबंधित कुछ कठिन/अमूर्त शब्दों को बोर्ड पर लिखें और उन्हें बच्चों से पढ़ने को कहें, जैसे- चमचमाता, इन्द्रधनुष आदि। फिर कुछ बच्चों को उन शब्दों से मौखिक रूप से वाक्य बनाकर सुनाने को कहें।

गतिविधि पर शिक्षक द्वारा चर्चा (7-10 मिनट)

- आप सृजनात्मक गतिविधि- **'स्कूल में मेरी पसंद की चीजें'** के विस्तृत चरणों को संदर्शिका से देखें। गतिविधि से संबंधित सभी निर्देश स्पष्टता के साथ बच्चों को देते हुए कार्य कराएँ।

बच्चों द्वारा समूह कार्य (7-10 मिनट)

- आप बच्चों को गतिविधि के चरणों के अनुसार कार्य करने को कहें।

लेखन कार्य (7-10 मिनट)

- बच्चों को जोड़ियों में बाँटकर उनको स्कूल में जो भी चीज पसंद हो, उसका चित्र बनाने को कहें। फिर उन्हें अपने साथियों को दिखाते हुए चर्चा करने को कहें।
- कुछ बच्चों को बुलाकर उनके द्वारा बनाए गए चित्रों पर हुई चर्चा को सभी के साथ साझा करने को कहें।

कार्यपुस्तिका (भाग-1) पर कार्य

कालांश 2 40 मिनट

पाठ्‌यपुस्तक के पाठ 9 और 10 पर आधारित स्तरित पाठ का मार्गदर्शित, स्वतंत्र पठन एवं लेखन अभ्यास।

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 34

तैयारी: पाठ की गतिविधियों को पहले से समझ लें।

कार्यपुस्तिका सप्ताह-10 दिवस-5 पर कार्य करें -
स्तरित पाठ का आदर्श वाचन एवं चर्चा (7-10 मिनट)

- स्तरित पाठ का 2 बार पूरे हाव-भाव से आदर्श वाचन करें। फिर बच्चों से पाठ से संबंधित बंद एवं खुले छोर के प्रश्न करें, जैसे- बरसात कहाँ हो रही थी? बरसात होने के बाद जब धूप निकलती है तो आप लोगों को कैसा लगता है? आदि।

स्वतंत्र पठन (7-10मिनट)

- प्रत्येक बच्चे को स्तरित पाठ को स्वतंत्र रूप से पढ़ने को कहें। फिर बच्चों से स्तरित पाठ का सस्वर वाचन करने को कहें, इस दौरान बाकी बच्चे अंगुली रखते हुए अनुसरण करें।

- **गतिविधि-1 (7-10 मिनट)** : प्रत्येक प्रश्न पर बच्चों से प्रतिक्रिया लें। प्रतिक्रिया से संबंधित कठिन शब्दों को बोर्ड पर लिखें, फिर स्तरित पाठ में दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखने को कहें।

नोटबुक पर कार्य :

- **गतिविधि-2 (5 मिनट)** : आप 3-5 शब्दों का एक वाक्य बोलें और बच्चों से लिखने को कहें।

'सुनकर लिखें' गतिविधि समाप्त होने पर आप बोले गए वाक्य को बोर्ड पर लिखें और बच्चों को जोड़ियों में करके एक-दूसरे की नोटबुक/कॉपी जाँचने को कहें।

स्वतंत्र पठन पर कार्य

कालांश 3 40 मिनट

बच्चों द्वारा चयनित किताब का स्वतंत्र पठन एवं अतिरिक्त सहायता की आवश्यकता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य।

विषयवस्तु: स्वतंत्र पठन एवं रिमीडियल कार्य

तैयारी: चित्रात्मक कहानी की पुस्तकें।

स्वतंत्र पठन (15-17 मिनट)

- आप बच्चों को पुस्तकालय या रीडिंग कॉर्नर से चित्र सहित छोटी कहानी की किताबें अपनी इच्छा से चुनने एवं पढ़ने का अवसर दें। बच्चों को किताबों को उलटने-पलटने, पढ़ने एवं आपस में बातचीत करने के पर्याप्त अवसर दें।
- कुछ बच्चों लगभग 50% (कोशिश करें हर सप्ताह नए बच्चों को मौका मिले) को उनकी किताब की कहानी पर अपनी बात रखने का अवसर दें। बच्चे जैसी भी कहानी बताएँ, उसे स्वीकार करें। बच्चों को कहानी वाक्यों में बताने की अपेक्षा रखें एवं उन्हें सहयोग करें।

रिमीडियल कार्य (15-20 मिनट)

- अवलोकन के आधार पर अतिरिक्त सहायता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य करें। इसके लिए बच्चों के स्तरानुसार वर्ण/शब्द स्तर की गतिविधियाँ कराएँ।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा: क्या कक्षा संचालन के दौरान आपने बच्चों की प्रतिक्रिया से नए खुले छोर के प्रश्न पूछे? प्रयास यह हो कि बच्चों की प्रतिक्रिया से नए खुले छोर के प्रश्न पूछे जाएँ, ताकि बच्चों की अभिव्यक्ति मुखर हो। साथ ही, उनकी तार्किक क्षमता का विकास हो।

मौखिक भाषा विकास पर कार्य

कालांश 1 40 मिनट

मौखिक कहानी सुनाना एवं चर्चा

विषयवस्तु: मौखिक कहानी को क्रमवार सुनना

तैयारी: कहानी का चयन कर प्रश्नों की सूची तैयार कर लें।

मौखिक रूप से कहानी सुनाना (7-10 मिनट)

- आप संदर्शिका में दी गई कहानी सुनाने के चरणों के अनुसार कार्य करें।

बच्चों के साथ कहानी पर चर्चा (7-10 मिनट)

- बच्चों से 5-6 खुले छोर के प्रश्न पूछें, आप बच्चों को पढ़ी/सुनी हुई कहानी में क्रमवार क्या-क्या हुआ, उसे मौखिक रूप से अभिव्यक्त करने को कहें।

बच्चों द्वारा आपस में चर्चा (5-7 मिनट)

- बच्चों को जोड़ियों में बाँटकर कहानी को क्रमवार एक-दूसरे को सुनाने को कहें।

लेखन कार्य (7-10 मिनट)

- बच्चों को सुनी हुई कहानी पर अपने विचार/समझ कुछ शब्दों/एक वाक्यों में लिखकर व्यक्त करने को कहें।
- लेखन कार्य के बारे में बच्चों को जोड़ियों में बात करने को कहें।
- कुछ बच्चों को अपनी बात पूरी कक्षा के साथ साझा करने को कहें।

आप बच्चों का ध्यान कहानी की क्रमबद्धता पर दिलवाते रहें।

आकलन

कालांश 2 40 मिनट

साप्ताहिक आकलन

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 34

तैयारी: आकलन की योजना और प्रश्न पहले से तैयार करें।

- आप सभी बच्चों को कार्यपुस्तिका के सप्ताह-10 दिवस 3 और 5 के कार्यपत्रक में दिए गए पाठ को दोबारा पढ़ने को कहें। फिर उन्हें कार्यपुस्तिका के भाग-2 पठन अभ्यास 19 और 20 को भी पढ़ने को कहे, साथ ही उपलब्ध अन्य पठन सामग्रियों को पढ़ने को प्रोत्साहित करें।

शिक्षक द्वारा आकलन (30-35 मिनट) :

- आप बच्चों को बारी-बारी से बुलाएँ और उन्हें कार्यपुस्तिका से **'मैंने सीख लिया'** को पढ़ने को कहें।
- बच्चों को **'मैंने सीख लिया'** को पढ़ने के लिए पर्याप्त समय दें। अगर बच्चे झिझक रहें हों तो उन्हें सहज महसूस कराएँ।
- बच्चों द्वारा जितने शब्द सही पढ़े गए हों, उनकी संख्या कोष्ठक में लिखें।
- फिर दिए गए प्रश्न बच्चों से मौखिक रूप से पूछें, प्रत्येक सही उत्तर के लिए 1 अंक कोष्ठक में लिखें।

आकलन

कालांश 3 40 मिनट

साप्ताहिक आकलन

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 34

तैयारी: आकलन की योजना पहले से तैयार कर लें।

शिक्षक द्वारा आकलन (25-27 मिनट)

- आप कालांश-2 के आकलन को जारी रखें।

सुनकर लिखें (10 मिनट)

- आप बच्चों को सामूहिक रूप से **'सुनकर लिखें'** गतिविधि करवाएँ। सभी बच्चों के लिख लेने के बाद, आप बोर्ड पर वाक्य लिख दें और बच्चों को एक-दूसरे की कॉपी जाँचने को कहें। इस पर कार्य करने के विस्तृत चरणों को संदर्शिका से देखें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा: जिन बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य किया गया है, क्या वे बच्चे इस अभ्यास को सफलतापूर्वक कर पाए हैं या नहीं, इसे देखने के लिए उन बच्चों द्वारा किए गए कार्य को अवश्य जाँचें।

पाठ्यपुस्तक 'सारंगी-2' पर कार्य

कालांश 1 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ-11 का आदर्श वाचन एवं चयनित पाठ्यांश 'जोजो एक..... मुझे बैंगनी धब्बे' का मार्गदर्शित पठन।

विषयवस्तु: पाठ-11 'बैंगनी जोजो'

तैयारी: पाठ्यांश आधारित प्रश्न

पाठ का आदर्श वाचन करना (7-10 मिनट)

- पाठ के चित्रों और शीर्षक के आधार पर कहानी की विषयवस्तु का अनुमान लगवाएँ। पूरे पाठ को हाव-भाव के साथ 1-2 बार पढ़कर सुनाएँ। बच्चे पाठ से जुड़े रहें, इसके लिए बीच-बीच में कुछ बंद छोर के प्रश्न पूछें।

कहानी को मौखिक रूप से सुनाना और चर्चा करना (7-10 मिनट)

- पाठ की कहानी या केन्द्रीय बिंदु को अपने शब्दों में सुनाकर एक बार और चर्चा करें।
- पाठ से सम्बन्धित कुछ बंद एवं 5-6 खुले छोर के प्रश्न बच्चों से पूछें, जैसे- बादल किस रंग का है? सूरज ने जोजो से क्या कहा? बैंगनी धब्बों से जोजो क्यों परेशान था? आदि।

पाठ्यांश का मार्गदर्शन में पठन (5-7 मिनट)

- बच्चों को जोड़ियों/समूहों में बाँटकर चयनित पाठ्यांश को बारी-बारी से पढ़ने (मार्गदर्शन में पठन) को कहें।
- जो बच्चे अभी भी शब्द स्तर पर हों, उन पर विशेष ध्यान दें और उनकी सहायता करें। बाकी बच्चों की आवश्यकतानुसार सहायता करें।

पाठ अभ्यास एवं संबंधित लेखन कार्य (7-10 मिनट)

- पाठ्यपुस्तक के पाठ में **(चित्रकारी और लेखन)** पर बच्चों से चर्चा करें और फिर उन्हें उत्तर लिखने को कहें।
- बच्चों के लेखन कार्य पर व्यक्तिगत फीडबैक दें एवं आवश्यकतानुसार उनकी सहायता करें।

कार्यपुस्तिका (भाग-1) पर कार्य

कालांश 2 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ-11 से संबंधित विस्तारित गतिविधि पर कार्य।

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 35

तैयारी: पाठ की गतिविधियों को पहले से समझ लें।

कार्यपुस्तिका सप्ताह-11 दिवस-1 पर कार्य करें -

- **गतिविधि-1(7-10 मिनट) :** शब्दों को आदर्श रूप से पढ़ें और बच्चों को अंगुली रखते हुए अनुसरण करने को कहें। फिर उन्हें जोड़ियों/समूहों में पढ़ने को कहें।
- **गतिविधि-2 (5-7 मिनट) :** आप बच्चों के साथ मौखिक रूप से चर्चा करें कि जानवर किस-किस रंग के होते हैं। बोर्ड पर कुछ जानवरों के रंग का उदाहरण (कार्यपुस्तिका से भिन्न) देते हुए गतिविधि समझाएँ। फिर दी गई गतिविधि करने को कहें।
- **गतिविधि-3 (7-10 मिनट) :** आप बोर्ड पर उदाहरण (कार्यपुस्तिका से भिन्न) के रूप में कुछ वाक्य लिखें। उस वाक्य में 'क्या', 'कौन', 'क्यों' लगाकर प्रश्नवाचक वाक्य बनाने की प्रक्रिया बच्चों को बताएँ। फिर कार्यपुस्तिका में दी गई गतिविधि को करने को कहें।
- **गतिविधि-4 (7-10 मिनट) :** आप बोर्ड पर उदाहरण (कार्यपुस्तिका से भिन्न) देते हुए गतिविधि समझाएँ। फिर कार्यपुस्तिका में दी गई गतिविधि का उत्तर लिखने को कहें।

कार्यपुस्तिका (भाग-2) पर कार्य

कालांश 3 40 मिनट

बच्चों द्वारा पठन अभ्यास एवं अतिरिक्त सहायता की आवश्यकता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य।

विषयवस्तु: पठन अभ्यास-21 एवं रिमीडियल कार्य

तैयारी: रिमीडियल की गतिविधि संदर्शिका से देखें।

पठन अभ्यास (15-17 मिनट)

- पठन अभ्यास-21 में दिए गए पाठ को पढ़कर सुनाएँ। सभी बच्चों को पाठ में दिए गए शब्दों पर अंगुली रखकर पढ़ने को कहें।
- आप बच्चों को दिए गए पाठ को जोड़ियों/समूहों में बारी-बारी से पढ़ने को कहें। इस दौरान आप कक्षा में घूम-घूमकर अवलोकन करें और आवश्यकतानुसार उनकी सहायता करें।
- पठन अभ्यास के अंत में कुछ शब्दों पर बातचीत करें जैसे- आपने यह शब्द कहाँ सुना है? इसका क्या अर्थ है? आदि।

रिमीडियल कार्य (15-20 मिनट)

- पिछले सप्ताह के साप्ताहिक आकलन के आधार पर अतिरिक्त सहायता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य करें। बाकी बच्चों को पठन अभ्यास स्वतंत्र रूप से पढ़ने को कहें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा: शिक्षण प्रक्रिया के दौरान यदि बच्चों की सहभागिता कम हो जाए या फिर वे ऊबने लगें तो सौहार्दपूर्ण वातावरण निर्माण की गतिविधि द्वारा उन्हें शिक्षण प्रक्रिया से दोबारा जोड़ें।

पाठ्यपुस्तक 'सारंगी-2' पर कार्य

कालांश 1 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ-11 से चयनित पाठ्यांश 'उसने देखा एक..... मैं तो पीला हूँ' का मार्गदर्शित पठन।

विषयवस्तु: पाठ-11 **'बैंगनी जोजो'**

तैयारी: पाठ्यांश आधारित प्रश्न

पाठ्यांश का आदर्श वाचन करना (7-10 मिनट)

- कल की चर्चा को दोहराते हुए पाठ्यांश से संबंधित कुछ बंद छोर के प्रश्न बच्चों से पूछें, फिर चयनित पाठ्यांश को हाव-भाव के साथ पढ़कर सुनाएँ।

मार्गदर्शन में पठन (7-10 मिनट)

- बच्चों को जोड़ियों/समूहों में बाँटकर चयनित पाठ्यांश को बारी-बारी से पढ़ने (मार्गदर्शन में पठन) को कहें। जो बच्चे अभी भी शब्द स्तर पर हों, उन पर विशेष ध्यान दें और उनकी सहायता करें। बाकी बच्चों की आवश्यकतानुसार सहायता करें।

बच्चों द्वारा प्रश्न बनाना (5-7 मिनट)

- कुछ बच्चों को पढ़े गए पाठ्यांश से सवाल बनाकर बाकी बच्चों से प्रश्न पूछने का अवसर दें। फिर बच्चों को पूछे गए प्रश्नों के उत्तर पूरे वाक्य में देने को कहें। अगर बच्चे प्रश्न नहीं बना पा रहे हैं तो आप उनकी सहायता करें।

पाठ अभ्यास एवं संबंधित लेखन कार्य (7-10 मिनट)

- पाठ्यपुस्तक के पाठ की गतिविधि **(सोचिए और लिखिए 2)** के प्रश्नों पर बच्चों से मौखिक रूप से चर्चा करें, फिर उन्हें उत्तर लिखने को कहें। बच्चों के लेखन कार्य पर व्यक्तिगत फीडबैक दें एवं आवश्यकतानुसार उनकी सहायता करें।

कार्यपुस्तिका (भाग-1) पर कार्य

कालांश 2 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ-11 से संबंधित विस्तारित गतिविधि पर कार्य।

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 36

तैयारी: पाठ की गतिविधियों को पहले से समझ लें।

कार्यपुस्तिका सप्ताह-11 दिवस-2 पर कार्य करें -

- **गतिविधि-1 (7-10 मिनट) :** दिए गए शब्दों एवं उनके अर्थ को पाठ के संदर्भ एवं बच्चों के परिवेश से जोड़कर चर्चा करें। फिर प्रत्येक शब्द पर बच्चों के साथ मौखिक रूप से वाक्य बनवाएँ। अंत में, सभी बच्चों को स्वतंत्र रूप से पढ़ने को कहें।
- **गतिविधि-2 (5-7 मिनट) :** आप बोर्ड पर कुछ अन्य शब्दों के उदाहरण (कार्यपुस्तिका से भिन्न) द्वारा गतिविधि समझाएँ। फिर कार्यपुस्तिका में दी गई गतिविधि बच्चों को करने को कहें।
- **गतिविधि-3 (5-7 मिनट) :** बच्चों को एकवचन और बहुवचन की अवधारणा बोर्ड पर उदाहरण (कार्यपुस्तिका से भिन्न) के साथ समझाएँ और अभ्यास करवाएँ। फिर कार्यपुस्तिका में दी गई गतिविधि बच्चों को करने को कहें।
- **गतिविधि-4 (5-7 मिनट) :** आप गतिविधि पर मौखिक रूप से चर्चा करें कि धब्बे किन-किन चीजों से पड़ सकते हैं। फिर दी गई गतिविधि बच्चों से करने को कहें।
- **गतिविधि-5 (5 मिनट) :** आप 3-5 शब्दों का एक वाक्य बोलें और बच्चों से लिखने को कहें।

'सुनकर लिखें' गतिविधि समाप्त होने पर आप बोले गए वाक्य को बोर्ड पर लिखें और बच्चों को जोड़ियों में करके एक-दूसरे की कार्यपुस्तिका जाँचने को कहें।

कार्यपुस्तिका (भाग-2) पर कार्य

कालांश 3 40 मिनट

बच्चों द्वारा पठन अभ्यास एवं अतिरिक्त सहायता की आवश्यकता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य।

विषयवस्तु: पठन अभ्यास-21 एवं रिमीडियल कार्य

तैयारी: रिमीडियल की गतिविधि संदर्शिका से देखें।

पठन अभ्यास (15-17 मिनट)

- पिछले दिन के पठन अभ्यास में दिए गए पाठ को आदर्श रूप से पढ़ें। बच्चों को स्वतंत्र रूप से पठन अभ्यास पढ़ने को कहें। इस दौरान आप बच्चों के पास जाकर पठन अभ्यास का अवलोकन करें। कुछ बच्चों को सबके सामने पाठ पढ़कर सुनाने को कहें। बाकी बच्चों को अंगुली रखकर अनुसरण करने को कहें। अंत में, आप पाठ पर संक्षिप्त चर्चा करके समेकन करें।

रिमीडियल कार्य (15-20 मिनट)

- पिछले सप्ताह के साप्ताहिक आकलन के आधार पर अतिरिक्त सहायता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य करें। बाकी बच्चों को पठन अभ्यास स्वतंत्र रूप से पढ़ने को कहें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा: बच्चों द्वारा लेखन कार्य किए जाने के दौरान क्या आपने घूम-घूमकर उनके कार्यों का अवलोकन किया? बच्चों के लेखन कार्य का अवलोकन करें एवं आवश्यकतानुसार दैनिक रूप से उनकी सहायता करें।

सप्ताह 11 दिवस 3

पाठ्यपुस्तक 'सारंगी-2' पर कार्य

कालांश 1 | 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ-11 का आदर्श वाचन एवं चयनित पाठ्यांश 'कौए कौए..... मैं तो लाल हूँ' का मार्गदर्शित पठन।

विषयवस्तु: पाठ-11 'बैंगनी जोजो'

तैयारी: पाठ्यांश आधारित प्रश्न

पाठ्यांश का आदर्श वाचन करना (7-10 मिनट)

- कल की चर्चा को दोहराते हुए पाठ्यांश से संबंधित कुछ बंद छोर के प्रश्न बच्चों से पूछें, फिर चयनित पाठ्यांश को हाव-भाव के साथ पढ़कर सुनाएँ।

मार्गदर्शन में पठन (7-10 मिनट)

- बच्चों को जोड़ियों/समूहों में बाँटकर चयनित पाठ्यांश को बारी-बारी से पढ़ने (मार्गदर्शन में पठन) को कहें। जो बच्चे अभी भी शब्द स्तर पर हों, उन पर विशेष ध्यान दें और उनकी सहायता करें। बाकी बच्चों की आवश्यकतानुसार सहायता करें।

बच्चों द्वारा प्रश्न बनाना (5-7 मिनट)

- कुछ बच्चों को पढ़े गए पाठ्यांश से सवाल बनाकर बाकी बच्चों से प्रश्न पूछने का अवसर दें। उन बच्चों को अवसर दें, जो कल प्रश्न नहीं पूछ पाए थे। बाकी बच्चों को पूछे गए प्रश्नों के उत्तर पूरे वाक्य में देने को कहें। अगर बच्चे प्रश्न नहीं बना पा रहे हैं तो आप उनकी सहायता करें।

पाठ अभ्यास एवं संबंधित लेखन कार्य (7-10 मिनट)

- पाठ्यपुस्तक के पाठ की गतिविधि **(पहेली और रंग भरिए)** पर बच्चों से चर्चा करें और फिर उन्हें उत्तर लिखने को कहें।
- बच्चों के लेखन कार्य पर व्यक्तिगत फीडबैक दें एवं आवश्यकतानुसार उनकी सहायता करें।

कार्यपुस्तिका (भाग-1) पर कार्य

कालांश 2 | 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ-11 पर आधारित स्तरित पाठ का पठन एवं लेखन अभ्यास।

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 37

तैयारी: पाठ की गतिविधियों को पहले से समझ लें।

कार्यपुस्तिका सप्ताह-11 दिवस-3 पर कार्य करें -

स्तरित पाठ का आदर्श वाचन एवं चर्चा (10-12 मिनट)

- स्तरित पाठ के चित्रों और शीर्षक के आधार पर कहानी का अनुमान लगवाएँ। स्तरित पाठ को हाव-भाव के साथ 1-2 बार आदर्श रूप में पढ़कर सुनाएँ। बच्चे स्तरित पाठ से जुड़े रहें, इसके लिए बीच-बीच में 2-3 बंद छोर के प्रश्न पूछें।

स्तरित पाठ पर समृद्ध चर्चा (7-10 मिनट)

- स्तरित पाठ से संबंधित खुले छोर के प्रश्न बच्चों से पूछें, जैसे- कुत्ता और बकरी, बिल्ली को दोस्त क्यों बनाना चाहते थे? आदि। पुनः एक बार पाठ का आदर्श वाचन करें।

स्तरित पाठ आधारित कार्य (12-15 मिनट)

- प्रत्येक प्रश्न पर बच्चों से प्रतिक्रिया लें। प्रतिक्रिया से संबंधित कठिन शब्दों को बोर्ड पर लिखें। फिर स्तरित पाठ में दिए गए प्रश्नों के उत्तर वाक्यों में लिखने को कहें।

सुनिश्चित करें कि सभी बच्चे गतिविधि में प्रतिभाग करें।

कार्यपुस्तिका (भाग-2) पर कार्य

कालांश 3 | 40 मिनट

बच्चों द्वारा पठन अभ्यास एवं अतिरिक्त सहायता की आवश्यकता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य।

विषयवस्तु: पठन अभ्यास-22 एवं रिमीडियल कार्य

तैयारी: रिमीडियल की गतिविधि संदर्शिका से देखें।

पठन अभ्यास (15-17 मिनट)

- पठन अभ्यास-22 में दिए गए पाठ को पढ़कर सुनाएँ। सभी बच्चों को पाठ में दिए गए शब्दों पर अंगुली रखकर पढ़ने को कहें।
- आप बच्चों को दिए गए पाठ को जोड़ियों/समूहों में बारी-बारी से पढ़ने को कहें। इस दौरान आप कक्षा में घूम-घूमकर अवलोकन करें और आवश्यकतानुसार उनकी सहायता करें।
- पठन अभ्यास के अंत में कुछ शब्दों पर बातचीत करें जैसे- आपने यह शब्द कहाँ सुना है? इसका क्या अर्थ है? आदि।

रिमीडियल कार्य (15-20 मिनट)

- पिछले सप्ताह के साप्ताहिक आकलन के आधार पर अतिरिक्त सहायता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य करें। बाकी बच्चों को पठन अभ्यास स्वतंत्र रूप से पढ़ने को कहें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा: आज की गतिविधि के दौरान क्या आप सभी बच्चों को उनके नाम से संबोधित कर पाए? प्रयास यह होना चाहिए कि बच्चों को हमेशा उनके नाम से संबोधित करें।

पाठ्यपुस्तक 'सारंगी-2' पर कार्य

कालांश 1 | 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ-11 से चयनित पाठ्यांश 'घास-घास..... को पेड़ था' का मार्गदर्शित पठन करना।

विषयवस्तु: पाठ-11 **'बैंगनी जोजो'**

तैयारी: पाठ्यांश आधारित प्रश्न

पाठ्यांश का आदर्श वाचन करना (7-10 मिनट)

- कल की चर्चा को दोहराते हुए पाठ्यांश से संबंधित 5-6 बंद छोर के प्रश्न बच्चों से पूछें, फिर चयनित पाठ्यांश को हाव-भाव के साथ पढ़कर सुनाएँ।

मार्गदर्शन में पठन (7-10 मिनट)

- बच्चों को जोड़ियों/समूहों में बाँटकर चयनित पाठ्यांश को बारी-बारी से पढ़ने (मार्गदर्शन में पठन) को कहें। जो बच्चे अभी भी शब्द स्तर पर हों, उन पर विशेष ध्यान दें और उनकी सहायता करें। बाकी बच्चों की आवश्यकतानुसार सहायता करें।

बच्चों द्वारा प्रश्न बनाना (5-7 मिनट)

- कुछ बच्चों को पढ़े गए पाठ्यांश से सवाल बनाकर बाकी बच्चों से प्रश्न पूछने का अवसर दें। उन बच्चों को अवसर दें, जो कल प्रश्न नहीं पूछ पाए थे। बाकी बच्चों को पूछे गए प्रश्नों के उत्तर पूरे वाक्य में देने को कहें। अगर बच्चे प्रश्न नहीं बना पा रहे हैं तो आप उनकी सहायता करें।

पाठ अभ्यास एवं संबंधित लेखन कार्य (7-10 मिनट)

- पाठ्यपुस्तक के पाठ की गतिविधि **(सोचिए और लिखिए 4)** के प्रश्नों पर बच्चों से मौखिक रूप से चर्चा करें, फिर उन्हें उत्तर लिखने को कहें।

कार्यपुस्तिका (भाग-1) पर कार्य

कालांश 2 | 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ-11 पर आधारित स्तरित पाठ का मार्गदर्शन में पठन एवं लेखन अभ्यास।

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 38

तैयारी: पाठ की गतिविधियों को पहले से समझ लें।

कार्यपुस्तिका सप्ताह-11 दिवस-4 पर कार्य करें -
स्तरित पाठ पर संक्षिप्त चर्चा एवं मार्गदर्शन में पठन (12-15 मिनट)

- पिछले दिन की चर्चा को दोहराते हुए स्तरित पाठ से संबंधित 2-3 बंद छोर के प्रश्न बच्चों से पूछें।
- बच्चों को जोड़ियों/समूहों में पिछले दिन के पाठ को बारी-बारी से पढ़ने को कहें।
- **गतिविधि-1 (5 मिनट) :** दिए गए शब्दों एवं उनके अर्थ को पाठ के संदर्भ एवं बच्चों के परिवेश से जोड़कर चर्चा करें। फिर प्रत्येक शब्द पर बच्चों के साथ मौखिक रूप से वाक्य बनवाएँ। अंत में, सभी बच्चों को स्वतंत्र रूप से पढ़ने को कहें।
- **गतिविधि-2 (5 मिनट) :** आप बोर्ड पर 3-4 वाक्य (कार्यपुस्तिका से भिन्न) पिछले दिवस के स्तरित पाठ पर आधारित लिखकर गतिविधि समझाएँ और बच्चों से सही या गलत वाक्य पर प्रतिक्रिया लें। फिर दी गई गतिविधि का उत्तर लिखने को कहें।
- **गतिविधि-3 (5 मिनट) :** बच्चों के साथ स्त्रीलिंग और पुल्लिंग की अवधारणा बोर्ड पर लिखकर समझाएँ। फिर सभी बच्चों को कार्यपुस्तिका में दी गई गतिविधि में लिंग बदलकर लिखने को कहें।
- **गतिविधि-4 (5 मिनट) :** बच्चों के साथ आप कार्यपुस्तिका में दिए गए जानवर, पक्षी, यातायात के साधन पर मौखिक रूप से चर्चा करें। फिर सभी बच्चों को दिए गए शब्द समूहों के लिए एक शब्द लिखने को कहें।

कार्यपुस्तिका (भाग-2) पर कार्य

कालांश 3 | 40 मिनट

बच्चों द्वारा पठन अभ्यास एवं अतिरिक्त सहायता की आवश्यकता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य।

विषयवस्तु: पठन अभ्यास-22 एवं रिमीडियल कार्य

तैयारी: रिमीडियल की गतिविधि संदर्शिका से देखें।

पठन अभ्यास (15-17 मिनट)

- पिछले दिन के पठन अभ्यास में दिए गए पाठ को आदर्श रूप से पढ़ें। बच्चों को स्वतंत्र रूप से पठन अभ्यास पढ़ने को कहें। इस दौरान आप बच्चों के पास जाकर पठन अभ्यास का अवलोकन करें। कुछ बच्चों को सबके सामने पाठ पढ़कर सुनाने को कहें। बाकी बच्चों को अंगुली रखकर अनुसरण करने को कहें। अंत में, आप पाठ पर संक्षिप्त चर्चा करके समेकन करें।

रिमीडियल कार्य (15-20 मिनट)

- पिछले सप्ताह के साप्ताहिक आकलन के आधार पर अतिरिक्त सहायता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य करें। बाकी बच्चों को पठन अभ्यास स्वतंत्र रूप से पढ़ने को कहें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा: बच्चों को अपनी प्रतिक्रिया पूरे वाक्यों में देने को प्रोत्साहित करें।

मौखिक भाषा विकास पर कार्य

कालांश 1 40 मिनट

पाठ पर आधारित पुनरावृत्ति और बच्चे भाषा के उच्चस्तरीय कौशलों का उपयोग करना सीख पाएँगे।

विषयवस्तु: सृजनात्मक गतिविधि

तैयारी: गतिविधि से संबंधित जरूरी सामग्री एकत्र करें।

पाठ्यपुस्तक के पाठ पर आधारित पुनरावृत्ति (5-7 मिनट)

- पाठ-11 से संबंधित कुछ कठिन / अमूर्त शब्दों को बोर्ड पर लिखें और उन्हें बच्चों से पढ़ने को कहें, जैसे- उदास, आजाद आदि।
- फिर कुछ बच्चों को उन शब्दों से मौखिक रूप से वाक्य बनाकर सुनाने को कहें।

गतिविधि पर शिक्षक द्वारा चर्चा (7-10 मिनट)

- आप सृजनात्मक गतिविधि- **'रेखांकन और चित्रकारी'** के विस्तृत चरणों को संदर्शिका से देखें। गतिविधि से संबंधित सभी निर्देश स्पष्टता के साथ बच्चों को देते हुए, कार्य कराएँ।

बच्चों द्वारा समूह कार्य (7-10 मिनट)

- आप बच्चों को गतिविधि के चरणों के अनुसार कार्य करने को कहें।

लेखन कार्य (7-10 मिनट)

- बच्चों को जोड़ियों में बाँटकर अपनी किसी पसंदीदा चीज का चित्र बनाने को कहें। फिर उन्हें अपने साथियों को दिखाते हुए, चर्चा करने को कहें। कुछ बच्चों को बुलाकर उनके द्वारा बनाए गए चित्रों पर, हुई चर्चा को सभी के साथ साझा करने को कहें।

कार्यपुस्तिका (भाग-1) पर कार्य

कालांश 2 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ-11 पर आधारित स्तरित पाठ का मार्गदर्शित, स्वतंत्र पठन एवं लेखन अभ्यास।

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 39

तैयारी: पाठ की गतिविधियों को पहले से समझ लें।

कार्यपुस्तिका सप्ताह-11 दिवस-5 पर कार्य करें - स्तरित पाठ का आदर्श वाचन एवं चर्चा (7-10 मिनट)

- स्तरित पाठ का 2 बार पूरे हाव-भाव से आदर्श वाचन करें। फिर बच्चों से पाठ से संबंधित बंद एवं खुले छोर के प्रश्न पूछें, जैसे- कौआ उड़ते-उड़ते कहाँ पहुँच गया? कौआ आजाद होने के बाद भी उदास क्यों था? आदि।

स्वतंत्र पठन (7-10मिनट)

- प्रत्येक बच्चे को स्तरित पाठ को स्वतंत्र रूप से पढ़ने को कहें। फिर बच्चों से स्तरित पाठ का सस्वर वाचन करने को कहें, इस दौरान बाकी बच्चे अंगुली रखते हुए अनुसरण करें।
- **गतिविधि-1 (7-10 मिनट)** : प्रत्येक प्रश्न पर बच्चों से प्रतिक्रिया लें। प्रतिक्रिया से संबंधित कठिन शब्दों को बोर्ड पर लिखें, फिर स्तरित पाठ में दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखने को कहें।

नोटबुक पर कार्य :

- **गतिविधि-2 (5-7 मिनट)** : आप बोर्ड पर **वर्ण** (ग, ई, ओ, ख, ह, र, प, त, न, य) और **मात्रा** ('ा', ' े') लिख दें। आप दिए गए वर्ण / मात्रा से 2-3 सार्थक शब्द बनाकर गतिविधि समझाएँ। अब आप बच्चों को जोड़ियों में बाँटकर बोर्ड पर लिखे वर्ण / मात्रा से ज्यादा से ज्यादा सार्थक शब्द बनाकर कॉपी / नोटबुक में लिखने और पढ़ने को कहें। अंत में, 3-4 जोड़ियों से उनके द्वारा बनाए गए शब्द पढ़ने को कहें।

स्वतंत्र पठन पर कार्य

कालांश 3 40 मिनट

बच्चों द्वारा चयनित किताब का स्वतंत्र पठन एवं अतिरिक्त सहायता की आवश्यकता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य।

विषयवस्तु: स्वतंत्र पठन एवं रिमीडियल कार्य

तैयारी: चित्रात्मक कहानी की पुस्तकें।

स्वतंत्र पठन (15-17 मिनट)

- आप बच्चों को पुस्तकालय या रीडिंग कॉर्नर से चित्र सहित छोटी कहानी की किताबें अपनी इच्छा से चुनने एवं पढ़ने का अवसर दें। बच्चों को किताबों को उलटने-पलटने, पढ़ने एवं आपस में बातचीत करने के पर्याप्त अवसर दें।
- कुछ बच्चों लगभग 50% (कोशिश करें हर सप्ताह नए बच्चों को मौका मिले) को उनकी किताब की कहानी पर अपनी बात रखने का अवसर दें। बच्चे जैसी भी कहानी बताएँ, उसे स्वीकार करें। बच्चों को कहानी वाक्यों में बताने की अपेक्षा रखें एवं उन्हें सहयोग करें।

रिमीडियल कार्य (15-20 मिनट)

- अवलोकन के आधार पर अतिरिक्त सहायता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य करें। इसके लिए बच्चों के स्तरानुसार वर्ण / शब्द स्तर की गतिविधियाँ कराएँ।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा: बच्चों द्वारा लेखन कार्य किए जाने के दौरान क्या आपने घूम-घूमकर उनके कार्य का अवलोकन किया? बच्चों के लेखन कार्य का अवलोकन करें एवं आवश्यकतानुसार दैनिक रूप से सहायता दें।

मौखिक भाषा विकास पर कार्य

कालांश 1 40 मिनट

मौखिक कहानी सुनाना एवं चर्चा

विषयवस्तु: मौखिक कहानी को क्रमवार सुनना

तैयारी: कहानी का चयन कर प्रश्नों की सूची तैयार कर लें।

मौखिक रूप से कहानी सुनाना (7-10 मिनट)

- आप संदर्शिका में दी गई कहानी सुनाने के चरणों के अनुसार कार्य करें।

बच्चों के साथ कहानी पर चर्चा (7-10 मिनट)

- बच्चों से 5-6 खुले छोर के प्रश्न पूछें, आप बच्चों को पढ़ी/सुनी हुई कहानी में क्रमवार क्या-क्या हुआ, उसे मौखिक रूप से अभिव्यक्त करने को कहें।

बच्चों द्वारा आपस में चर्चा (5-7 मिनट)

- बच्चों को जोड़ियों में बाँटकर कहानी को क्रमवार एक-दूसरे को सुनाने को कहें।

लेखन कार्य (7-10 मिनट)

- बच्चों को सुनी हुई कहानी पर अपने विचार/समझ कुछ शब्दों/एक वाक्यों में लिखकर व्यक्त करने को कहें।
- लेखन कार्य के बारे में बच्चों को जोड़ियों में बात करने को कहें।
- कुछ बच्चों को अपनी बात कक्षा के साथ साझा करने को कहें।

आप बच्चों का ध्यान कहानी की क्रमबद्धता पर दिलवाते रहें।

आकलन

कालांश 2 40 मिनट

साप्ताहिक आकलन

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 39

तैयारी: आकलन की योजना और प्रश्न पहले से तैयार करें।

- आप सभी बच्चों को कार्यपुस्तिका के सप्ताह-11 दिवस 3 और 5 के कार्यपत्रक में दिए गए पाठ को दोबारा पढ़ने को कहें। फिर उन्हें कार्यपुस्तिका के भाग-2 पठन अभ्यास 21 और 22 को भी पढ़ने को कहे, साथ ही उपलब्ध अन्य पठन सामग्रियों को पढ़ने को प्रोत्साहित करें।

शिक्षक द्वारा आकलन (30-35 मिनट) :

- आप बच्चों को बारी-बारी से बुलाएँ और उन्हें कार्यपुस्तिका से **'मैंने सीख लिया'** को पढ़ने को कहें।
- बच्चों को **'मैंने सीख लिया'** को पढ़ने के लिए पर्याप्त समय दें। अगर बच्चे झिझक रहें हों तो उन्हें सहज महसूस कराएँ।
- बच्चों द्वारा जितने शब्द सही पढ़े गए हों, उनकी संख्या कोष्ठक में लिखें।
- फिर दिए गए प्रश्न बच्चों से मौखिक रूप से पूछें, प्रत्येक सही उत्तर के लिए 1 अंक कोष्ठक में लिखें।

आकलन

कालांश 3 40 मिनट

साप्ताहिक आकलन

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 39

तैयारी: आकलन की योजना पहले से तैयार कर लें।

शिक्षक द्वारा आकलन (25-27 मिनट)

- आप कालांश-2 के आकलन को जारी रखें।

सुनकर लिखें (10 मिनट)

- आप बच्चों को सामूहिक रूप से **'सुनकर लिखें'** गतिविधि करवाएँ। सभी बच्चों के लिख लेने के बाद, आप बोर्ड पर वाक्य लिख दें और बच्चों को एक-दूसरे की कॉपी जाँचने को कहें। इस पर कार्य करने के विस्तृत चरणों को संदर्शिका से देखें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा: जिन बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य किया गया है, क्या वे बच्चे इस अभ्यास को सफलतापूर्वक कर पाए हैं या नहीं, इसे देखने के लिए उन बच्चों द्वारा किए गए कार्य को अवश्य जाँचें।

पाठ्यपुस्तक 'सारंगी-2' पर कार्य

कालांश 1 | 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ को पढ़कर सुनाना एवं चर्चा करना।

विषयवस्तु: पाठ-12 **'तोसिया का सपना'**

तैयारी: कठिन शब्द, बंद और खुले छोर के प्रश्न

पाठ का आदर्श वाचन करना (7-10 मिनट)

- पाठ के चित्रों और शीर्षक के आधार पर पाठ की विषयवस्तु का अनुमान लगवाएँ। पूरे पाठ को हाव-भाव के साथ 1-2 बार पढ़कर सुनाएँ। बच्चे पाठ से जुड़े रहें, इसके लिए बीच-बीच में कुछ बंद छोर के प्रश्न पूछें।

पाठ को मौखिक रूप से सुनाना और चर्चा (7-10 मिनट)

- अब आप पाठ की कहानी को अपने शब्दों में सुनाएँ।
- पाठ से सम्बन्धित कुछ बंद एवं 5-6 खुले छोर के प्रश्न बच्चों से पूछें, जैसे- तोसिया को रसोई में क्या-क्या चीजें दिखीं? कौन-कौन से रंग के फूल खिले थे? अगर दुनिया से रंग गायब हो जाए तो क्या होगा? आदि।

शब्दावली विकास (5-7 मिनट)

- पाठ के कठिन/अमूर्त शब्दों जैसे- गायब, घबराना आदि को बोर्ड पर लिखें और उनके अर्थ को पाठ के संदर्भ और बच्चों के परिवेश से जोड़कर बताएँ।

पाठ अभ्यास एवं संबंधित लेखन कार्य (7-10 मिनट)

- पाठ्यपुस्तक के पाठ की गतिविधि **(शब्दों का खेल 1 और आइए कुछ बनाएँ)** पर बच्चों से चर्चा करें और फिर उन्हें उत्तर लिखने को कहें।

कार्यपुस्तिका (भाग-1) पर कार्य

कालांश 2 | 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ-12 से संबंधित विस्तारित गतिविधि पर कार्य।

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 40

तैयारी: पाठ की गतिविधियों को पहले से समझ लें।

कार्यपुस्तिका सप्ताह-12 दिवस-1 पर कार्य करें -

- **गतिविधि-1 (7-10 मिनट) :** शब्दों को आदर्श रूप से पढ़ें और बच्चों को अंगुली रखते हुए अनुसरण करने को कहें। फिर उन्हें जोड़ियों/समूहों में पढ़ने को कहें।
- **गतिविधि-2 (7-10 मिनट) :** आप बोर्ड पर एक छोटी ग्रिड का उदाहरण (कार्यपुस्तिका से भिन्न) बनाकर उसमें शब्द खोजने की प्रक्रिया बच्चों को करके बताएँ। फिर बच्चों को कार्यपुस्तिका में दी गई गतिविधि करने को कहें।
- **गतिविधि-3 (5-7 मिनट) :** आप मौखिक रूप से 'विशेषता की अवधारणा' बच्चों को उदाहरण के साथ समझाएँ, जैसे- **'घोड़ा'** में **'काला'** शब्द घोड़े की विशेषता बता रहा है, आदि। फिर कार्यपुस्तिका की गतिविधि पर कार्य करने को कहें और आवश्यकतानुसार उनकी सहायता करें।
- **गतिविधि-4 (5 मिनट) :** आप उदाहरण के रूप में कुछ शब्दों (कार्यपुस्तिका से भिन्न) का उपयोग मौखिक रूप से वाक्यों में करके बताएँ और बोर्ड पर लिखें। फिर दी गई गतिविधि को करने को कहें।
- **गतिविधि-5 (5 मिनट) :** आप 3-5 शब्दों का एक वाक्य बोलें और बच्चों से लिखने को कहें।

'सुनकर लिखें' गतिविधि समाप्त होने पर आप बोले गए वाक्य को बोर्ड पर लिखें और बच्चों को जोड़ियों में करके एक-दूसरे की कार्यपुस्तिका जाँचने को कहें।

कार्यपुस्तिका (भाग-2) पर कार्य

कालांश 3 | 40 मिनट

बच्चों द्वारा पठन अभ्यास एवं अतिरिक्त सहायता की आवश्यकता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य।

विषयवस्तु: पठन अभ्यास-23 एवं रिमीडियल कार्य

तैयारी: रिमीडियल की गतिविधि संदर्शिका से देखें।

पठन अभ्यास (15-17 मिनट)

- पठन अभ्यास-23 में दिए गए पाठ को पढ़कर सुनाएँ। सभी बच्चों को पाठ में दिए गए शब्दों पर अंगुली रखकर पढ़ने को कहें।
- आप बच्चों को दिए गए पाठ को जोड़ियों/समूहों में बारी-बारी से पढ़ने को कहें। इस दौरान आप कक्षा में घूम-घूमकर अवलोकन करें और आवश्यकतानुसार उनकी सहायता करें।
- पठन अभ्यास के अंत में कुछ शब्दों पर बातचीत करें जैसे- आपने यह शब्द कहाँ सुना है? इसका क्या अर्थ है? आदि।

रिमीडियल कार्य (15-20 मिनट)

- पिछले सप्ताह के साप्ताहिक आकलन के आधार पर अतिरिक्त सहायता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य करें। बाकी बच्चों को पठन अभ्यास स्वतंत्र रूप से पढ़ने को कहें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा: क्या कक्षा संचालन के दौरान आपने बच्चों की प्रतिक्रिया से नए खुले छोर के प्रश्न पूछे? प्रयास यह हो कि बच्चों की प्रतिक्रिया से नए खुले छोर के प्रश्न पूछे जाएँ, ताकि बच्चों की अभिव्यक्ति मुखर हो। साथ ही, उनकी तार्किक क्षमता का विकास हो।

पाठ्यपुस्तक 'सारंगी-2' पर कार्य

कालांश 1 | 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ का दोहराव और समृद्ध चर्चा।

विषयवस्तु: पाठ-12 **'तोसिया का सपना'**

तैयारी: पाठ आधारित प्रश्न

पाठ का दोहराव करना (7-10 मिनट)

- कल की चर्चा को दोहराते हुए पाठ की कहानी को अपने शब्दों में सुनाएँ और चर्चा को आगे बढ़ाते हुए पाठ से संबंधित कुछ बंद छोर के प्रश्न बच्चों से पूछें।

शब्दावली विकास (5-7 मिनट)

- कल बोर्ड पर लिखे गए कठिन/अमूर्त शब्दों को दोबारा लिखें और बच्चों को पढ़कर सुनाएँ। अब प्रत्येक शब्द से बच्चों के साथ मौखिक रूप से वाक्य बनवाएँ।

पाठ पर समृद्ध चर्चा (7-10 मिनट)

- पाठ पर समृद्ध समझ बनाने के लिए पाठ से संबंधित 5-6 खुले छोर के प्रश्न बच्चों से पूछें, जैसे- नानी ने ऐसा क्यों कहा कि उनके बालों का रंग तोसिया के बालों में चला गया होगा? आदि। चर्चा में प्रत्येक बच्चे को अपनी बात कहने के अवसर दें।

पाठ अभ्यास एवं संबंधित लेखन कार्य (7-10 मिनट)

- पाठ्यपुस्तक के पाठ की गतिविधि **(बातचीत के लिए 1-4)** पर बच्चों से मौखिक रूप से चर्चा करें।

कार्यपुस्तिका (भाग-1) पर कार्य

कालांश 2 | 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ-12 से संबंधित विस्तारित गतिविधि पर कार्य।

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 41

तैयारी: पाठ की गतिविधियों को पहले से समझ लें।

कार्यपुस्तिका सप्ताह-12 दिवस-2 पर कार्य करें -

- **गतिविधि-1 (7-10 मिनट) :** दिए गए शब्दों एवं उनके अर्थ को पाठ के संदर्भ एवं बच्चों के परिवेश से जोड़कर चर्चा करें। फिर प्रत्येक शब्द पर बच्चों के साथ मौखिक रूप से वाक्य बनवाएँ। अंत में, सभी बच्चों को स्वतंत्र रूप से पढ़ने को कहें।
- **गतिविधि-2 (5 मिनट) :** आप मौखिक रूप से पाठ्यपुस्तक के पाठ में आए मसालों के नाम बच्चों से पूछें, फिर कार्यपुस्तिका में दी गई गतिविधि बच्चों को करने को कहें।
- **गतिविधि-3 (5-7 मिनट) :** आप मौखिक रूप से 'संज्ञा की अवधारणा' बच्चों को उदाहरण के साथ समझाएँ, जैसे- 'मोहन और सोहन दोस्त हैं।' इसमें 'मोहन' और 'सोहन' संज्ञा शब्द हैं, क्योंकि यह लोगों के नाम हैं। फिर कार्यपुस्तिका की गतिविधि पर कार्य करने को कहें और आवश्यकतानुसार उनकी सहायता करें।
- **गतिविधि-4 (5-7मिनट) :** आप बोर्ड पर उदाहरण (कार्यपुस्तिका से भिन्न) के रूप में वाक्य लिखें। उस वाक्य में 'नहीं' का उपयोग करते हुए वाक्य बनाने की प्रक्रिया बच्चों को बताएँ। अंत में, उत्तर लिखने को कहें।
- **गतिविधि-5 (5-7 मिनट) :** आप कार्यपुस्तिका में दी गई कहानी को आगे कैसे बढ़ाएँगे, इस पर मौखिक रूप से चर्चा करें और 3-4 बच्चों से प्रतिक्रिया लें। फिर कार्यपुस्तिका में दी गई गतिविधि बच्चों से करने को कहें।

कार्यपुस्तिका (भाग-2) पर कार्य

कालांश 3 | 40 मिनट

बच्चों द्वारा पठन अभ्यास एवं अतिरिक्त सहायता की आवश्यकता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य।

विषयवस्तु: पठन अभ्यास-23 एवं रिमीडियल कार्य

तैयारी: रिमीडियल की गतिविधि संदर्शिका से देखें।

पठन अभ्यास (15-17 मिनट)

- पिछले दिन के पठन अभ्यास में दिए गए पाठ को आदर्श रूप से पढ़ें। बच्चों को स्वतंत्र रूप से पठन अभ्यास पढ़ने को कहें। इस दौरान आप बच्चों के पास जाकर पठन अभ्यास का अवलोकन करें। कुछ बच्चों को सबके सामने पाठ पढ़कर सुनाने को कहें। बाकी बच्चों को अंगुली रखकर अनुसरण करने को कहें। अंत में, आप पाठ पर संक्षिप्त चर्चा करके समेकन करें।

रिमीडियल कार्य (15-20 मिनट)

- पिछले सप्ताह के साप्ताहिक आकलन के आधार पर अतिरिक्त सहायता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य करें। बाकी बच्चों को पठन अभ्यास स्वतंत्र रूप से पढ़ने को कहें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा: क्या कक्षा के संचालन के दौरान बच्चों को अपनी बात साझा करने का पर्याप्त अवसर मिला। प्रयास हमेशा यह रहना चाहिए कि सभी बच्चों को अपनी बात साझा करने के पर्याप्त अवसर मिलें।

पाठ्यपुस्तक 'सारंगी-2' पर कार्य

कालांश 1 | 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ को मौखिक रूप से सुनाना एवं समृद्ध चर्चा करना।

विषयवस्तु: पाठ-12 'तोसिया का सपना'

तैयारी: बंद एवं खुले छोर के प्रश्नों को तैयार करें।

बच्चों द्वारा कहानी को अपने शब्दों में सुनाना (10-15 मिनट)

- कुछ बच्चों को पाठ की कहानी को अपने शब्दों में सुनाने को कहें।
- कहानी सुनाते समय यदि बच्चे कहानी को क्रमवार नहीं सुना पाएँ या कहानी में कोई नया पात्र जोड़ते हैं या कोई अपनी नई कहानी सुनाते हैं आदि, तो उसे भी स्वीकार करें और उस पर चर्चा करें।

पाठ पर समृद्ध चर्चा (10-12 मिनट)

- बच्चे जब कहानी सुना लें तो उनसे बातचीत करें कि चर्चा को आगे कैसे बढ़ाया जा सकता है, जैसे- तोसिया की जगह आप होते तो क्या-क्या करते? आदि। ऐसे ही 5-6 खुले छोर के प्रश्नों से जुड़ते हुए चर्चा को आगे बढ़ाएँ।

पाठ अभ्यास एवं संबंधित लेखन कार्य (7-10 मिनट)

- पाठ्यपुस्तक के पाठ की गतिविधि (**शब्दों का खेल 3**) पर मौखिक रूप से चर्चा करें। फिर उन्हें उत्तर लिखने को कहें।
- बच्चों के लेखन कार्य पर व्यक्तिगत फीडबैक दें एवं आवश्यकतानुसार उनकी सहायता करें।

कार्यपुस्तिका (भाग-1) पर कार्य

कालांश 2 | 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ-12 पर आधारित स्तरित पाठ का पठन एवं लेखन अभ्यास।

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 42

तैयारी: पाठ की गतिविधियों को पहले से समझ लें।

कार्यपुस्तिका सप्ताह-12 दिवस-3 पर कार्य करें -

स्तरित पाठ का आदर्श वाचन एवं चर्चा (10-12 मिनट)

- स्तरित पाठ के चित्रों और शीर्षक के आधार पर कहानी का अनुमान लगवाएँ। स्तरित पाठ को हाव-भाव के साथ 1-2 बार आदर्श रूप में पढ़कर सुनाएँ। बच्चे स्तरित पाठ से जुड़े रहें, इसके लिए बीच-बीच में 2-3 बंद छोर के प्रश्न पूछें।

स्तरित पाठ पर समृद्ध चर्चा (7-10 मिनट)

- स्तरित पाठ से संबंधित खुले छोर के प्रश्न बच्चों से पूछें, जैसे- माही की दोस्त कौन-सा चित्र बनाना चाह राह थी? आदि। पुनः एक बार पाठ का आदर्श वाचन करें।

स्तरित पाठ आधारित कार्य (12-15 मिनट)

- प्रत्येक प्रश्न पर बच्चों से प्रतिक्रिया लें। प्रतिक्रिया से संबंधित कठिन शब्दों को बोर्ड पर लिखें। फिर स्तरित पाठ में दिए गए प्रश्नों के उत्तर वाक्यों में लिखने को कहें।

सुनिश्चित करें कि सभी बच्चे गतिविधि में प्रतिभाग करें ।

कार्यपुस्तिका (भाग-2) पर कार्य

कालांश 3 | 40 मिनट

बच्चों द्वारा पठन अभ्यास एवं अतिरिक्त सहायता की आवश्यकता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य।

विषयवस्तु: पठन अभ्यास-24 एवं रिमीडियल कार्य

तैयारी: रिमीडियल की गतिविधि संदर्शिका से देखें।

पठन अभ्यास (15-17 मिनट)

- पठन अभ्यास-24 में दिए गए पाठ को पढ़कर सुनाएँ। सभी बच्चों को पाठ में दिए गए शब्दों पर अंगुली रखकर पढ़ने को कहें।
- आप बच्चों को दिए गए पाठ को जोड़ियों/समूहों में बारी-बारी से पढ़ने को कहें। इस दौरान आप कक्षा में घूम-घूमकर अवलोकन करें और आवश्यकतानुसार उनकी सहायता करें।
- पठन अभ्यास के अंत में कुछ शब्दों पर बातचीत करें जैसे- आपने यह शब्द कहाँ सुना है? इसका क्या अर्थ है? आदि।

रिमीडियल कार्य (15-20 मिनट)

- पिछले सप्ताह के साप्ताहिक आकलन के आधार पर अतिरिक्त सहायता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य करें। बाकी बच्चों को पठन अभ्यास स्वतंत्र रूप से पढ़ने को कहें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा: आज की गतिविधि के दौरान क्या आप सभी बच्चों को उनके नाम से संबोधित कर पाए? प्रयास यह होना चाहिए कि बच्चों को हमेशा उनके नाम से संबोधित करें।

पाठ्यपुस्तक 'सारंगी-2' पर कार्य

कालांश 1 | 40 मिनट

चित्र के बारे में अपने घर की भाषा में बात करना।

विषयवस्तु: पाठ्यपुस्तक चित्र **'हरी-भरी धरती'**

तैयारी: बंद एवं खुले छोर के प्रश्नों को तैयार करें।

चित्र पर शिक्षक द्वारा चर्चा (5-7 मिनट)

- आप बच्चों से पाठ्यपुस्तक के चित्र में दिख रही चीजों/घटनाओं/गतिविधियों के बारे में कुछ बंद छोर के प्रश्न पूछें, जैसे- चित्र में कुल कितने रंग के पक्षी दिखाए गए है? चित्र में कुल कितने फूल हैं? आदि। फिर प्रत्येक प्रश्न पर बच्चों की प्रतिक्रिया लें।

चित्र पर समृद्ध चर्चा (10-15 मिनट)

- आप चर्चा को आगे बढ़ाएँ और 5-6 खुले छोर के प्रश्न भी पूछें, जैसे- बच्ची ने पेड़ को गले क्यों लगाया है? आदि।

लेखन कार्य (10-15 मिनट)

- बच्चों को चित्र **'हरी-भरी धरती'** से संबंधित कोई चित्र बनाने और कुछ शब्द या 1-2 वाक्य लिखने को कहें। फिर बच्चों को अपना लेखन कार्य और चित्र अपने साथी को दिखाते हुए उस पर बातचीत करने को कहें।
- फिर किन्हीं 3-4 बच्चों को अपने विचार पूरी कक्षा के साथ में साझा करने को कहें। बच्चों के बनाए चित्रों को **'बच्चों का कोना'** में लगा दें।

कार्यपुस्तिका (भाग-1) पर कार्य

कालांश 2 | 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ-12 पर आधारित स्तरित पाठ का मार्गदर्शन में पठन एवं लेखन अभ्यास।

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 43

तैयारी: पाठ की गतिविधियों को पहले से समझ लें।

कार्यपुस्तिका सप्ताह-12 दिवस-4 पर कार्य करें -
स्तरित पाठ पर संक्षिप्त चर्चा एवं मार्गदर्शन में पठन (12-15 मिनट)

- पिछले दिन की चर्चा को दोहराते हुए स्तरित पाठ से संबंधित 2-3 बंद छोर के प्रश्न बच्चों से पूछें।
- बच्चों को जोड़ियों/समूहों में पिछले दिन के पाठ को बारी-बारी से पढ़ने को कहें।
- **गतिविधि-1 (5 मिनट) :** दिए गए शब्दों एवं उनके अर्थ को पाठ के संदर्भ एवं बच्चों के परिवेश से जोड़कर चर्चा करें। फिर प्रत्येक शब्द पर बच्चों के साथ मौखिक रूप से वाक्य बनवाएँ। अंत में, सभी बच्चों को स्वतंत्र रूप से पढ़ने को कहें।
- **गतिविधि-2 (5 मिनट) :** आप बोर्ड पर उदाहरण (कार्यपुस्तिका से भिन्न) के रूप में वाक्य लिखें। उस वाक्य में 'नहीं' का उपयोग करते हुए वाक्य बनाने की प्रक्रिया बच्चों को बताएँ। अंत में, उत्तर लिखने को कहें।
- **गतिविधि-3 (5 मिनट) :** बच्चों को एकवचन और बहुवचन की अवधारणा बोर्ड पर उदाहरण (कार्यपुस्तिका से भिन्न) के साथ समझाएँ और अभ्यास करवाएँ। फिर कार्यपुस्तिका में दी गई गतिविधि बच्चों को करने को कहें।
- **गतिविधि-4 (5 मिनट) :** बच्चों से कुछ उदाहरण (कार्यपुस्तिका से भिन्न) के साथ विलोम शब्द पर चर्चा करें और उनका उपयोग वाक्यों में करके बोर्ड पर लिखकर समझाएँ। फिर कार्यपुस्तिका में दी गई गतिविधि को करने को कहें।

कार्यपुस्तिका (भाग-2) पर कार्य

कालांश 3 | 40 मिनट

बच्चों द्वारा पठन अभ्यास एवं अतिरिक्त सहायता की आवश्यकता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य।

विषयवस्तु: पठन अभ्यास-24 एवं रिमीडियल कार्य

तैयारी: रिमीडियल की गतिविधि संदर्शिका से देखें।

पठन अभ्यास (15-17 मिनट)

- पिछले दिन के पठन अभ्यास में दिए गए पाठ को आदर्श रूप से पढ़ें। बच्चों को स्वतंत्र रूप से पठन अभ्यास पढ़ने को कहें। इस दौरान आप बच्चों के पास जाकर पठन अभ्यास का अवलोकन करें। कुछ बच्चों को सबके सामने पाठ पढ़कर सुनाने को कहें। बाकी बच्चों को अंगुली रखकर अनुसरण करने को कहें। अंत में, आप पाठ पर संक्षिप्त चर्चा करके समेकन करें।

रिमीडियल कार्य (15-20 मिनट)

- पिछले सप्ताह के साप्ताहिक आकलन के आधार पर अतिरिक्त सहायता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य करें। बाकी बच्चों को पठन अभ्यास स्वतंत्र रूप से पढ़ने को कहें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा: बच्चों द्वारा लेखन कार्य किए जाने के दौरान क्या आपने घूम-घूमकर उनके कार्य का अवलोकन किया? बच्चों के लेखन कार्य का अवलोकन करें एवं आवश्यकतानुसार दैनिक रूप से सहायता दें।

मौखिक भाषा विकास पर कार्य

कालांश 1 40 मिनट

पाठ पर आधारित पुनरावृत्ति और चित्रात्मक घटनाक्रम को समझ पाना।

विषयवस्तु: चित्र कहानी पोस्टर-1

तैयारी: चित्र कहानी पोस्टर को देखकर कहानी तैयार करें।

पाठ्यपुस्तक के पाठ पर आधारित पुनरावृत्ति (5-7 मिनट)

- पाठ-12 से संबंधित कुछ कठिन/अमूर्त शब्दों को बोर्ड पर लिखें और उन्हें बच्चों से पढ़ने को कहें, जैसे- बगीचा, रंग आदि।
- फिर कुछ बच्चों को उन शब्दों से मौखिक रूप से वाक्य बनाकर सुनाने को कहें।

चित्र कहानी पोस्टर पर शिक्षक द्वारा चर्चा (5-7 मिनट)

- आप बच्चों को गोल घेरे में बैठाएं और चित्र कहानी पोस्टर के चारों चित्र एक-एक करके दिखाते हुए कुछ बंद छोर के प्रश्न पूछें, जैसे- लड़की को रास्ते में कौन दिखा? लड़की की पीठ पर क्या था? आदि।
- अब आप बच्चों को चारों चित्र समग्रता में देखने के लिए समय दें।

चित्रों पर आधारित कहानी बनाना (10-12 मिनट)

- अब आप चारों चित्रों को जोड़ते हुए एक छोटी कहानी (8-10 छोटे वाक्यों वाली) स्वयं बनाकर मौखिक रूप से 2 बार बच्चों को सुनाएँ। फिर कुछ बच्चों से कहानी अपने शब्दों में सभी बच्चों को सुनाने को कहें।

लेखन कार्य (7-10 मिनट)

- आप बच्चों कहानी के आधार पर कुछ शब्द लिखने को कहें। फिर बच्चों को जोड़ियों/समूह में उन शब्दों पर बातचीत करने को कहें।
- अंत में, 3-4 जोड़ियों/समूहों को अपनी चर्चा सभी के साथ साझा करने को कहें।

कार्यपुस्तिका (भाग-1) पर कार्य

कालांश 2 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ-12 पर आधारित स्तरित पाठ का मार्गदर्शित, स्वतंत्र पठन एवं लेखन अभ्यास।

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 44

तैयारी: पाठ की गतिविधियों को पहले से समझ लें।

कार्यपुस्तिका सप्ताह-12 दिवस-5 पर कार्य करें -
स्तरित पाठ का आदर्श वाचन एवं चर्चा (7-10 मिनट)

- स्तरित पाठ का 2 बार पूरे हाव-भाव से आदर्श वाचन करें। फिर बच्चों से पाठ से संबंधित बंद एवं खुले छोर के प्रश्न करें, जैसे- नीरू कहाँ घूमने गई? नीरू को ऐसा क्यों लगा कि पत्ते हरे रंग के ही होते हैं? आदि।

स्वतंत्र पठन (7-10मिनट)

- प्रत्येक बच्चे को स्तरित पाठ को स्वतंत्र रूप से पढ़ने को कहें। फिर बच्चों से स्तरित पाठ का सस्वर वाचन करने को कहें, इस दौरान बाकी बच्चे अंगुली रखते हुए अनुसरण करें।
- **गतिविधि-1 (7-10 मिनट)** : प्रत्येक प्रश्न पर बच्चों से प्रतिक्रिया लें। प्रतिक्रिया से संबंधित कठिन शब्दों को बोर्ड पर लिखें, फिर स्तरित पाठ में दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखने को कहें।

नोटबुक पर कार्य :

- **गतिविधि-2 (5 मिनट)** : आप 3-5 शब्दों का एक वाक्य बोलें और बच्चों से लिखने को कहें।

'सुनकर लिखें' गतिविधि समाप्त होने पर आप बोले गए वाक्य को बोर्ड पर लिखें और बच्चों को जोड़ियों में करके एक-दूसरे की नोटबुक/कॉपी जाँचने को कहें।

स्वतंत्र पठन पर कार्य

कालांश 3 40 मिनट

बच्चों द्वारा चयनित किताब का स्वतंत्र पठन एवं अतिरिक्त सहायता की आवश्यकता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य।

विषयवस्तु: स्वतंत्र पठन एवं रिमीडियल कार्य

तैयारी: चित्रात्मक कहानी की पुस्तकें।

स्वतंत्र पठन (15-17 मिनट)

- आप बच्चों को पुस्तकालय या रीडिंग कॉर्नर से चित्र सहित छोटी कहानी की किताबें अपनी इच्छा से चुनने एवं पढ़ने का अवसर दें। बच्चों को किताबों को उलटने-पलटने, पढ़ने एवं आपस में बातचीत करने के पर्याप्त अवसर दें।
- कुछ बच्चों लगभग 50% (कोशिश करें हर सप्ताह नए बच्चों को मौका मिले) को उनकी किताब की कहानी पर अपनी बात रखने का अवसर दें। बच्चे जैसी भी कहानी बताएँ, उसे स्वीकार करें। बच्चों को कहानी वाक्यों में बताने की अपेक्षा रखें एवं उन्हें सहयोग करें।

रिमीडियल कार्य (15-20 मिनट)

- अवलोकन के आधार पर अतिरिक्त सहायता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य करें। इसके लिए बच्चों के स्तरानुसार वर्ण/शब्द स्तर की गतिविधियाँ कराएँ।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा: बच्चों को अपनी प्रतिक्रिया पूरे वाक्यों में देने को प्रोत्साहित करें।

मौखिक भाषा विकास पर कार्य

कालांश 1 40 मिनट

चित्रात्मक घटनाक्रम को समझ पाना।

विषयवस्तु: चित्र कहानी पोस्टर-1

तैयारी: चित्र कहानी पोस्टर को देखकर कहानी तैयार करें।

शिक्षक द्वारा चित्र कहानी पोस्टर पर चर्चा (10-12 मिनट)

- बच्चों को कल की चर्चा को दोहराते हुए एक बार पुनः चित्र कहानी पोस्टर दिखाएँ और बच्चों से 5-6 खुले छोर के प्रश्न पूछते हुए बातचीत करें, जैसे- कुत्ते को चोट कैसे लगी होगी? आदि।
- अब 3-4 बच्चों को कल की कहानी को अपने शब्दों में सुनाने का मौका दें।

बच्चों द्वारा समूह कार्य (10-15 मिनट)

- आप बच्चों को छोटे समूह (4-5 बच्चों वाले) में बाँटें और निर्देश दें कि चित्र कहानी पोस्टर के चारों चित्रों के आधार पर उन्हें एक नई कहानी मिलकर बनानी है।
- इस दौरान आप कक्षा में घूम-घूमकर आवश्यकतानुसार उनकी सहायता करें।
- अंत में, आप प्रत्येक समूह के 1-2 बच्चों को उनकी कहानी सभी के साथ साझा करने को कहें।

लेखन कार्य (7-10 मिनट)

- आप बच्चों से अपने समूह में चित्र कहानी से संबंधित 1-2 वाक्य लिखने को कहें। फिर कुछ बच्चों से उनके लेखन कार्य को सभी के साथ साझा करने को कहें।

☞ आप समूह कार्य में सभी बच्चों की सहभागिता सुनिश्चित करें।

आकलन

कालांश 2 40 मिनट

साप्ताहिक आकलन

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 44

तैयारी: आकलन की योजना और प्रश्न पहले से तैयार करें।

- आप सभी बच्चों को कार्यपुस्तिका के सप्ताह-12 दिवस 3 और 5 के कार्यपत्रक में दिए गए पाठ को दोबारा पढ़ने को कहें। फिर उन्हें कार्यपुस्तिका के भाग-2 पठन अभ्यास 23 और 24 को भी पढ़ने को कहे, साथ ही उपलब्ध अन्य पठन सामग्रियों को पढ़ने को प्रोत्साहित करें।

शिक्षक द्वारा आकलन (30-35 मिनट) :

- आप बच्चों को बारी-बारी से बुलाएँ और उन्हें कार्यपुस्तिका से **'मैंने सीख लिया'** को पढ़ने को कहें।
- बच्चों को **'मैंने सीख लिया'** को पढ़ने के लिए पर्याप्त समय दें। अगर बच्चे झिझक रहें हों तो उन्हें सहज महसूस कराएँ।
- बच्चों द्वारा जितने शब्द सही पढ़े गए हों, उनकी संख्या कोष्ठक में लिखें।
- फिर दिए गए प्रश्न बच्चों से मौखिक रूप से पूछें, प्रत्येक सही उत्तर के लिए 1 अंक कोष्ठक में लिखें।

आकलन

कालांश 3 40 मिनट

साप्ताहिक आकलन

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 44

तैयारी: आकलन की योजना पहले से तैयार कर लें।

शिक्षक द्वारा आकलन (25-27 मिनट)

- आप कालांश-2 के आकलन को जारी रखें।

सुनकर लिखें (10 मिनट)

- आप बच्चों को सामूहिक रूप से **'सुनकर लिखें'** गतिविधि करवाएँ। सभी बच्चों के लिख लेने के बाद, आप बोर्ड पर वाक्य लिख दें और बच्चों को एक-दूसरे की कॉपी जाँचने को कहें। इस पर कार्य करने के विस्तृत चरणों को संदर्शिका से देखें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा: जिन बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य किया गया है, क्या वे बच्चे इस अभ्यास को सफलतापूर्वक कर पाए हैं या नहीं, इसे देखने के लिए उन बच्चों द्वारा किए गए कार्य को अवश्य जाँचें।

सप्ताह 13

सावधिक पुनरावृत्ति

व्यवस्थित कक्षा-कक्षीय शिक्षण प्रक्रिया में सिखाई गई दक्षताओं की सतत पुनरावृत्ति करते रहना एक आवश्यक रणनीति है। सतत पुनरावृत्ति से बच्चों में भाषा की अलग-अलग दक्षताओं की समझ और मजबूत होती है, साथ ही जो बच्चे इस शिक्षण प्रक्रिया में पीछे छूट रहे होते हैं, उन्हें भी कक्षा स्तर तक पहुँचने में मदद मिलती है। इसको ध्यान में रखते हुए, भाषा शिक्षण में दो तरह की पुनरावृत्ति पर कार्य किए जाने की रणनीति दी गई है।

1. **साप्ताहिक पुनरावृत्ति :** हर सप्ताह के दिवस 5 में शुरुआती चार दिन एवं पिछले सप्ताहों में सिखाई गई दक्षताओं के आधार पर पुनरावृत्ति।
2. **सावधिक पुनरावृत्ति :** सप्ताह 13 में सप्ताह 1-12 तक की सिखाई गई दक्षताओं के आधार पर और सप्ताह 20 में सप्ताह 1-19 तक की सिखाई गई दक्षताओं के आधार पर पुनरावृत्ति।

इस वर्ष सावधिक आकलन शिक्षा विभाग द्वारा NAT के माध्यम से कराए जाने की योजना है। वर्ष में न्यूनतम 2 बार NAT सप्ताह 13 तथा सप्ताह 20 में किया जाना प्रस्तावित है। संभव है कि NAT अपने प्रस्तावित समय से आगे या पीछे आयोजित किया जाए। सावधिक पुनरावृत्ति में निम्न रणनीतियों का उपयोग किया जाएगा-

- NAT अथवा सप्ताह 12 दिवस 6 के आकलन **'मैंने सीख लिया'** में बच्चों द्वारा प्राप्त अंकों के आधार पर उन्हें 2 समूहों में बाँटकर पुनरावृत्ति/पुनर्बलन पर कुछ दिनों तक कार्य कराएँ।
- समूह-A में वे बच्चे आएंगे, जिन्होंने समझ के साथ पढ़ने के कौशल में 50% से कम अंक प्राप्त किए हैं।
- समूह-B में वे बच्चे आएंगे, जिन्होंने समझ के साथ पढ़ने के कौशल में 50% या उससे अधिक अंक प्राप्त किए हैं।
- जिन बच्चों ने समझ के साथ पढ़ने के कौशल में 50% से कम अंक प्राप्त किए हैं, उनको आप व्यक्तिगत सहायता दें और पढ़ने के लिए प्रोत्साहित करें। अगर बच्चों के डिकोडिंग कौशल पर कार्य करने की आवश्यकता होती है, तो बेझिझक करें।
- जो बच्चे समझ के साथ पढ़ने के कौशल में 50% या उससे अधिक अंक प्राप्त करते हैं, उन्हें स्वतंत्र रूप से कार्य दें और बीच-बीच में उनके द्वारा किए गए कार्य का अवलोकन भी करें।
- जिन बच्चों ने मौखिक भाषा विकास से संबंधित दक्षताएँ प्राप्त नहीं की हैं, उन्हें दैनिक शिक्षण प्रक्रिया में अधिक से अधिक प्रतिभाग करने के अवसर दें और उनका नियमित रूप से प्रोत्साहन करते रहें।

समूह-A के साथ सावधिक पुनरावृत्ति कार्य योजना बनाने के लिए आप इस संदर्शिका के अंतिम पृष्ठों में दिए गए **'दैनिक रिमीडियल कार्य योजना'** का संदर्भ ले सकते हैं।

सावधिक पुनरावृत्ति पर कार्य कराने के लिए आपको कार्यपुस्तिका में 5 पत्रक उदाहरण स्वरूप दिए गए हैं। इसके अतिरिक्त पत्रकों/गतिविधियों/प्रश्नों का निर्माण एवं क्रियान्वयन की योजना आपको स्वयं तैयार करनी है और उसके आधार पर बोर्ड और बच्चों की नोटबुक पर कार्य कराना है।

समूह-A एवं समूह-B के लिए आपको दो अलग-अलग प्रकार के कार्य करने होंगे -

प्रकार 1 (समूह-A के लिए) - इस प्रकार का कार्य उन बच्चों के साथ होगा, जिन्होंने NAT में या सप्ताह 12 दिवस 6 के साप्ताहिक आकलन में कुल 50% से कम अंक प्राप्त किए हैं। इनके साथ मुख्य रूप से वर्ण/अक्षर स्तर और शब्द स्तर की गतिविधियाँ की जाएँगी। यह कार्य स्वनिर्मित ग्रिड कार्ड एवं वर्ण/अक्षर कार्ड, विभिन्न डिकोडिंग खेल गतिविधि, श्रुतलेख आदि के माध्यम से किया जाना चाहिए। इसके अतिरिक्त सप्ताह-13 में दिए गए कार्यपुस्तिका के पत्रक पर कार्य करवाएँ।

प्रकार 2 (समूह-B के लिए) - इस प्रकार का कार्य उन बच्चों के साथ होगा, जिन्होंने NAT में या सप्ताह 12 दिवस 6 के साप्ताहिक आकलन में कुल 50% या उससे अधिक अंक प्राप्त किए हैं। इन बच्चों को बीते सप्ताहों के स्तरित पाठ, कार्यपुस्तिका भाग-2 से पठन अभ्यास पत्रक तथा पुस्तकालय की पुस्तकों से पठन अभ्यास कार्य करवाएँ। इसके अतिरिक्त सप्ताह-13 में दिए गए कार्यपुस्तिका के पत्रक पर कार्य करवाएँ।

सावधिक पुनरावृत्ति पत्रकों/गतिविधियों पर प्रतिदिन सभी बच्चों के साथ स्तरानुसार कार्य कराया जाए, ताकि सभी बच्चे सीखी गई दक्षताओं की पुनरावृत्ति बेहतर तरीके से कर सकें।

सप्ताह 14 दिवस 1

पाठ्यपुस्तक 'सारंगी-2' पर कार्य

कालांश 1 | 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ को पढ़कर सुनाना एवं चर्चा करना।

विषयवस्तु: पाठ-13 **'तालाब'**

तैयारी: कठिन शब्द, बंद और खुले छोर के प्रश्न

पाठ का आदर्श वाचन करना (7-10 मिनट)

- पाठ के चित्रों और शीर्षक के आधार पर पाठ की विषयवस्तु का अनुमान लगवाएँ। पूरे पाठ को हाव-भाव के साथ 1-2 बार पढ़कर सुनाएँ। बच्चे पाठ से जुड़े रहें, इसके लिए बीच-बीच में कुछ बंद छोर के प्रश्न पूछें।

पाठ को मौखिक रूप से सुनाना और चर्चा (7-10 मिनट)

- अब आप पाठ की कहानी को अपने शब्दों में सुनाएँ।
- पाठ से संबंधित कुछ बंद एवं 6-7 खुले छोर के प्रश्न बच्चों से पूछें, जैसे- तालाब के पास कौन-कौन थे? तालाब का नाम क्या था? सबके चले जाने के बाद तालाब को सब याद क्यों आएंगे? आदि।

शब्दावली विकास (5-7 मिनट)

- पाठ के कठिन/अमूर्त शब्दों जैसे- याद, उड़ाकू आदि को बोर्ड पर लिखें और उनके अर्थ को पाठ के संदर्भ और बच्चों के परिवेश से जोड़कर बताएँ।

पाठ अभ्यास एवं संबंधित लेखन कार्य (7-10 मिनट)

- पाठ्यपुस्तक के पाठ की गतिविधि **(नीचे दिए गए..... लिखिए 3)** पर बच्चों से चर्चा करें और फिर उन्हें उत्तर लिखने को कहें।
- बच्चों के लेखन कार्य पर व्यक्तिगत फीडबैक दें एवं आवश्यकतानुसार उनकी सहायता करें।

कार्यपुस्तिका (भाग-1) पर कार्य

कालांश 2 | 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ-13 से संबंधित विस्तारित गतिविधि पर कार्य।

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 50

तैयारी: पाठ की गतिविधियों को पहले से समझ लें।

कार्यपुस्तिका सप्ताह-14 दिवस-1 पर कार्य करें -

- **गतिविधि-1 (7-10 मिनट) :** शब्दों को आदर्श रूप से पढ़ें और बच्चों को अंगुली रखते हुए अनुसरण करने को कहें। फिर उन्हें जोड़ियों/समूहों में पढ़ने को कहें।
- **गतिविधि-2 (7-10 मिनट) :** आप पूर्णविराम की अवधारणा बच्चों को समझाएँ। उदाहरण (कार्यपुस्तिका से भिन्न) के रूप में बोर्ड पर कुछ वाक्य लिखें और पूर्ण विराम कहाँ लगाना है और क्यों, इस पर चर्चा करें। फिर कार्यपुस्तिका में दी गई गतिविधि बच्चों को करने को कहें।
- **गतिविधि-3 (5-7 मिनट) :** आप बच्चों के साथ मौखिक रूप से पानी और जमीन पर रहने वाले जंतुओं/पक्षियों के बारे में चर्चा करें। इसके बाद आप बोर्ड पर एक छोटी ग्रिड का उदाहरण (कार्यपुस्तिका से भिन्न) द्वारा शब्द खोजने की प्रक्रिया बच्चों को करके बताएँ। फिर दी गई गतिविधि करने को कहें।
- **गतिविधि-4 (5 मिनट) :** आप बोर्ड पर उदाहरण (कार्यपुस्तिका से भिन्न) देते हुए गतिविधि समझाएँ। किसी शब्द को प्रश्नवाचक वाक्य में बदलने की प्रक्रिया बच्चों को करके बताएँ। अंत में, गतिविधि का उत्तर लिखने को कहें।
- **गतिविधि-5 (5 मिनट) :** आप 4-6 शब्दों का एक वाक्य बोलें और बच्चों से लिखने को कहें।

'सुनकर लिखें' गतिविधि समाप्त होने पर आप बोले गए वाक्य को बोर्ड पर लिखें और बच्चों को जोड़ियों में करके एक-दूसरे की कार्यपुस्तिका जाँचने को कहें।

कार्यपुस्तिका (भाग-2) पर कार्य

कालांश 3 | 40 मिनट

बच्चों को प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास के मौके देना एवं अतिरिक्त सहायता की आवश्यकता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य।

विषयवस्तु: प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-25 क्र. 1 एवं रिमीडियल कार्य

तैयारी: रिमीडियल की गतिविधि संदर्शिका से देखें।

प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास (10-15 मिनट)

- बच्चों को व्यक्तिगत रूप से कार्यपुस्तिका के प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-25 क्र. 1 को पढ़ने को कहें। कक्षा की संख्या के अनुसार लगभग 25% बच्चों के साथ अवलोकन की प्रक्रिया करें। बच्चों ने एक मिनट में कितने शब्द पढ़े, उसे पत्रक में अंकित कर लें।
- अंत में, प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-25 क्र. 1 से संबंधित कुछ बंद छोर के प्रश्न पूछें, जैसे- सोनी फ्रॉक पहनकर क्यों नाचने लगी?

रिमीडियल कार्य (15-20 मिनट)

- पिछले सप्ताह किए गए साप्ताहिक आकलन के आधार पर बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य करें। इसके लिए स्तरानुसार वर्ण/अक्षर/शब्द/वाक्यांश/वाक्य स्तर की गतिविधि कराएँ। बाकी बच्चों को प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास स्वतंत्र रूप से पढ़ने को कहें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा: आप बच्चों के द्वारा उनके घर की भाषा में दी गई प्रतिक्रियाओं को स्वीकार करें।

सप्ताह 14 दिवस 2

पाठ्यपुस्तक 'सारंगी-2' पर कार्य
कालांश 1 | 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ का दोहराव और समृद्ध चर्चा।

विषयवस्तु: पाठ-13 'तालाब'

तैयारी: पाठ आधारित प्रश्न

पाठ का दोहराव करना (7-10 मिनट)
- कल की चर्चा को दोहराते हुए पाठ की कहानी को अपने शब्दों में सुनाएँ और चर्चा को आगे बढ़ाते हुए पाठ से संबंधित कुछ बंद छोर के प्रश्न बच्चों से पूछें।

शब्दावली विकास (5-7 मिनट)
- कल बोर्ड पर लिखे गए कठिन/अमूर्त शब्दों को दोबारा लिखें और बच्चों को पढ़कर सुनाएँ। अब प्रत्येक शब्द से बच्चों के साथ मौखिक रूप से वाक्य बनवाएँ।

पाठ पर समृद्ध चर्चा (7-10 मिनट)
- पाठ पर समृद्ध समझ बनाने के लिए पाठ से संबंधित 6-7 खुले छोर के प्रश्न बच्चों से पूछें, जैसे- तालाब का नाम छोटा तालाब क्यों होगा? आदि। चर्चा में प्रत्येक बच्चे को अपनी बात कहने के अवसर दें।

पाठ अभ्यास एवं संबंधित लेखन कार्य (7-10 मिनट)
- पाठ्यपुस्तक के पाठ की गतिविधि **(पहेली)** पर बच्चों से मौखिक रूप से चर्चा करें।

कार्यपुस्तिका (भाग-1) पर कार्य
कालांश 2 | 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ-13 से संबंधित विस्तारित गतिविधि पर कार्य।

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 51

तैयारी: पाठ की गतिविधियों को पहले से समझ लें।

कार्यपुस्तिका सप्ताह-14 दिवस-2 पर कार्य करें -
- **गतिविधि-1 (7-10 मिनट) :** दिए गए शब्दों एवं उनके अर्थ को पाठ के संदर्भ एवं बच्चों के परिवेश से जोड़कर चर्चा करें। फिर प्रत्येक शब्द पर बच्चों के साथ मौखिक रूप से वाक्य बनवाएँ। अंत में, सभी बच्चों को स्वतंत्र रूप से पढ़ने को कहें।
- **गतिविधि-2 (5-7 मिनट) :** बच्चों को एक और अनेक की अवधारणा बोर्ड पर उदाहरण (कार्यपुस्तिका से भिन्न) के साथ समझाएँ और अभ्यास करवाएँ। अंत में, सभी बच्चों को उत्तर लिखने को कहें।
- **गतिविधि-3 (5-7 मिनट) :** आप मौखिक रूप से क्रिया की अवधारणा बच्चों को समझाएँ। फिर कार्यपुस्तिका में दिए गए उदाहरण से गतिविधि समझाएँ। अंत में, कार्यपुस्तिका में दी गई गतिविधि बच्चों को करने को कहें।
- **गतिविधि-4 (5-7 मिनट) :** आप बच्चों के साथ मौखिक रूप से चर्चा करें कि तालाब का सारा पानी यदि सूख जाए तो क्या-क्या होगा? फिर कार्यपुस्तिका में दी गई गतिविधि लिखने को कहें।
- **गतिविधि-5 (5 मिनट) :** आप 4-6 शब्दों का एक वाक्य बोलें और बच्चों से लिखने को कहें।

'सुनकर लिखें' गतिविधि समाप्त होने पर आप बोले गए वाक्य को बोर्ड पर लिखें और बच्चों को जोड़ियों में करके एक-दूसरे की कार्यपुस्तिका जाँचने को कहें।

कार्यपुस्तिका (भाग-2) पर कार्य
कालांश 3 | 40 मिनट

बच्चों को प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास के मौके देना एवं अतिरिक्त सहायता की आवश्यकता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य।

विषयवस्तु: प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-25 क्र. 2 एवं रिमीडियल कार्य

तैयारी: रिमीडियल की गतिविधि संदर्शिका से देखें।

प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास (10-15 मिनट)
- बच्चों को व्यक्तिगत रूप से कार्यपुस्तिका के प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-25 क्र. 2 को पढ़ने को कहें। कक्षा की संख्या के अनुसार लगभग 25% बच्चों के साथ अवलोकन की प्रक्रिया करें।
- बच्चों ने एक मिनट में कुल कितने शब्द पढ़े, उसे पत्रक में अंकित कर लें। अंत में, प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-25 क्र. 2 से संबंधित कुछ बंद छोर के प्रश्न पूछें, जैसे- आप अपने दोस्तों के साथ कौन-कौन सा खेल खेलते हो?

रिमीडियल कार्य (15-20 मिनट)
- पिछले सप्ताह किए गए साप्ताहिक आकलन के आधार पर बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य करें। इसके लिए स्तरानुसार वर्ण/अक्षर/शब्द/वाक्यांश/वाक्य स्तर की गतिविधि कराएँ। बाकी बच्चों को प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास स्वतंत्र रूप से पढ़ने को कहें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा: आज की गतिविधि के दौरान क्या आप सभी बच्चों को उनके नाम से संबोधित कर पाए? प्रयास यह होना चाहिए कि बच्चों को हमेशा उनके नाम से संबोधित करें।

पाठ्यपुस्तक 'सारंगी-2' पर कार्य

कालांश 1 | 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ को मौखिक रूप से सुनाना एवं समृद्ध चर्चा करना।

विषयवस्तु: पाठ-13 'तालाब'

तैयारी: बंद एवं खुले छोर के प्रश्नों को तैयार करें।

बच्चों द्वारा कहानी को अपने शब्दों में सुनाना (10-15 मिनट)

- कुछ बच्चों को पाठ की कहानी अपने शब्दों में सुनाने को कहें।
- कहानी सुनाते समय यदि बच्चे कहानी को क्रमवार नहीं सुना पाएँ या कहानी में कोई नया पात्र जोड़ते हैं या कोई अपनी नई कहानी सुनाते हैं आदि, तो उसे भी स्वीकार करें और उस पर चर्चा करें।

पाठ पर समृद्ध चर्चा (10-12 मिनट)

- बच्चे जब कहानी सुना लें तो उनसे बातचीत करें कि चर्चा को आगे कैसे बढ़ाया जा सकता है, जैसे- थोड़े दिन बाद सारस क्यों चले गए होंगे? आदि। ऐसे ही 6-7 खुले छोर के प्रश्नों को जोड़ते हुए चर्चा को आगे बढ़ाएँ।

पाठ अभ्यास एवं संबंधित लेखन कार्य (7-10 मिनट)

- पाठ्यपुस्तक के पाठ की गतिविधि **(शब्दों का खेल और खोजें जानें)** पर मौखिक रूप से चर्चा करें।

कार्यपुस्तिका (भाग-1) पर कार्य

कालांश 2 | 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ-13 पर आधारित स्तरित पाठ का पठन एवं लेखन अभ्यास।

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 52 53

तैयारी: पाठ की गतिविधियों को पहले से समझ लें।

कार्यपुस्तिका सप्ताह-14 दिवस-3 पर कार्य करें -

स्तरित पाठ का आदर्श वाचन एवं चर्चा (10-12 मिनट)

- स्तरित पाठ के चित्रों और शीर्षक के आधार पर कहानी का अनुमान लगवाएँ। स्तरित पाठ को हाव-भाव के साथ 1-2 बार आदर्श रूप में पढ़कर सुनाएँ। बच्चे स्तरित पाठ से जुड़े रहें, इसके लिए बीच-बीच में 2-3 बंद छोर के प्रश्न पूछें।

स्तरित पाठ पर समृद्ध चर्चा (7-10 मिनट)

- स्तरित पाठ से संबंधित खुले छोर के प्रश्न बच्चों से पूछें, जैसे- बादल ने तालाब का सारा पानी क्यों पी लिया होगा? आदि। पुनः एक बार पाठ का आदर्श वाचन करें।

स्तरित पाठ आधारित कार्य (7-10 मिनट)

- प्रत्येक प्रश्न पर बच्चों से प्रतिक्रिया लें। प्रतिक्रिया से संबंधित कठिन शब्दों को बोर्ड पर लिखें। फिर स्तरित पाठ में दिए गए प्रश्नों के उत्तर वाक्यों में लिखने को कहें।
- **गतिविधि-1 (5 मिनट)** : कार्यपुस्तिका में दी गई गतिविधि को बच्चों से 8-10 बार जल्दी-जल्दी पढ़ने को कहें।

सुनिश्चित करें कि सभी बच्चे गतिविधि में प्रतिभाग करें ।

कार्यपुस्तिका (भाग-2) पर कार्य

कालांश 3 | 40 मिनट

बच्चों को प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास के मौके देना एवं अतिरिक्त सहायता की आवश्यकता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य।

विषयवस्तु: प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-25 क्र. 3 एवं रिमीडियल कार्य

तैयारी: रिमीडियल की गतिविधि संदर्शिका से देखें।

प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास (10-15 मिनट)

- बच्चों को व्यक्तिगत रूप से कार्यपुस्तिका के प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-25 क्र. 3 को पढ़ने को कहें। कक्षा की संख्या के अनुसार लगभग 25% बच्चों के साथ अवलोकन की प्रक्रिया करें। बच्चों ने एक मिनट में कितने शब्द पढ़े, उसे पत्रक में अंकित कर लें।
- अंत में, प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-25 क्र. 3 से संबंधित कुछ बंद छोर के प्रश्न पूछें, जैसे- माँ तहरी कैसे बनाती हैं?

रिमीडियल कार्य (15-20 मिनट)

- पिछले सप्ताह किए गए साप्ताहिक आकलन के आधार पर बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य करें। इसके लिए स्तरानुसार वर्ण/अक्षर/शब्द/वाक्यांश/वाक्य स्तर की गतिविधि कराएँ। बाकी बच्चों को प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास स्वतंत्र रूप से पढ़ने को कहें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा: क्या कक्षा संचालन के दौरान आपने बच्चों की प्रतिक्रिया से नए खुले छोर के प्रश्न पूछे? प्रयास यह हो कि बच्चों की प्रतिक्रिया से नए खुले छोर के प्रश्न पूछे जाएँ, ताकि बच्चों की अभिव्यक्ति मुखर हो। साथ ही, उनकी तार्किक क्षमता का विकास हो।

पाठ्यपुस्तक 'सारंगी-2' पर कार्य

कालांश 1 | 40 मिनट

चित्र के बारे में अपने घर की भाषा में बात करना।

विषयवस्तु: पाठ्यपुस्तक चित्र **'फूलों की दुनिया'**।

तैयारी: बंद एवं खुले छोर के प्रश्नों को तैयार करें।

चित्र पर शिक्षक द्वारा चर्चा (5-7 मिनट)

- आप बच्चों से पाठ्यपुस्तक के चित्र में दिख रही चीजों/घटनाओं/गतिविधियों के बारे में कुछ बंद छोर के प्रश्न पूछें, जैसे- चित्र में कौन-कौन से चीजें दिखाई दे रही हैं? तितली कहाँ बैठी है? आदि। फिर प्रत्येक प्रश्न पर बच्चों की प्रतिक्रिया लें।

चित्र पर समृद्ध चर्चा (10-15 मिनट)

- आप चर्चा को आगे बढ़ाएँ और 6-7 खुले छोर के प्रश्न भी पूछें, जैसे- फूलों से क्या-क्या बनता है? आदि।

लेखन कार्य (10-15 मिनट)

- बच्चों को चित्र **'फूलों की दुनिया'** से संबंधित कोई चित्र बनाने और कुछ शब्द या 1-2 वाक्य लिखने को कहें। फिर बच्चों को अपना लेखन कार्य और चित्र अपने साथी को दिखाते हुए उस पर बातचीत करने को कहें।
- फिर किन्हीं 3-4 बच्चों को अपने विचार पूरी कक्षा के साथ में साझा करने को कहें। बच्चों के बनाए चित्रों को **'बच्चों का कोना'** में लगा दें।

कार्यपुस्तिका (भाग-1) पर कार्य

कालांश 2 | 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ-13 पर आधारित स्तरित पाठ का मार्गदर्शन में पठन एवं लेखन अभ्यास।

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 54

तैयारी: पाठ की गतिविधियों को पहले से समझ लें।

कार्यपुस्तिका सप्ताह-14 दिवस-4 पर कार्य करें - स्तरित पाठ पर संक्षिप्त चर्चा एवं मार्गदर्शन में पठन (12-15 मिनट)

- पिछले दिन की चर्चा को दोहराते हुए स्तरित पाठ से संबंधित 2-3 बंद छोर के प्रश्न बच्चों से पूछें।
- बच्चों को जोड़ियों/समूहों में पिछले दिन के पाठ को बारी-बारी से पढ़ने को कहें।
- **गतिविधि-1 (5-7 मिनट) :** दिए गए शब्दों एवं उनके अर्थ को पाठ के संदर्भ एवं बच्चों के परिवेश से जोड़कर चर्चा करें। फिर प्रत्येक शब्द पर बच्चों के साथ मौखिक रूप से वाक्य बनवाएँ। अंत में, सभी बच्चों को स्वतंत्र रूप से पढ़ने को कहें।
- **गतिविधि-2 (5 मिनट) :** आप बोर्ड पर पिछले दिन के स्तरित पाठ पर आधारित 3-4 वाक्य (कार्यपुस्तिका से भिन्न) लिखकर गतिविधि समझाएँ और बच्चों से सही या गलत वाक्य पर प्रतिक्रिया लें। फिर दी गई गतिविधि में सही या गलत का निशान लगाने के लिए कहें।
- **गतिविधि-3 (5 मिनट) :** आप बच्चों के साथ मौखिक रूप से चर्चा करें कि आपके गाँव के तालाब/पोखर में कौन-कौन से जीव- जन्तु हैं। फिर कार्यपुस्तिका में दी गई गतिविधि को करने को कहें।
- **गतिविधि-4 (5 मिनट) :** आप बच्चों को किसी विषय पर नारा लेखन उदाहरण (कार्यपुस्तिका से भिन्न) देकर समझाएँ। फिर कार्यपुस्तिका में दी गई गतिविधि करने को कहें।

कार्यपुस्तिका (भाग-2) पर कार्य

कालांश 3 | 40 मिनट

बच्चों को प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास के मौके देना एवं अतिरिक्त सहायता की आवश्यकता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य।

विषयवस्तु: प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-25 क्र. 4 एवं रिमीडियल कार्य

तैयारी: रिमीडियल की गतिविधि संदर्शिका से देखें।

प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास (10-15 मिनट)

- बच्चों को व्यक्तिगत रूप से कार्यपुस्तिका के प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-25 क्र. 4 को पढ़ने को कहें। कक्षा की संख्या के अनुसार लगभग 25: बच्चों के साथ अवलोकन की प्रक्रिया करें।
- बच्चों ने एक मिनट में कुल कितने शब्द पढ़े, उसे पत्रक में अंकित कर लें। अंत में, प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-25 क्र. 4 से संबंधित कुछ बंद छोर के प्रश्न पूछें, जैसे- बन्दर हमेशा कक्षा में पीछे क्यों बैठता है?

रिमीडियल कार्य (15-20 मिनट)

- पिछले सप्ताह किए गए साप्ताहिक आकलन के आधार पर बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य करें। इसके लिए स्तरानुसार वर्ण/ अक्षर/शब्द/वाक्यांश/वाक्य स्तर की गतिविधि कराएँ। बाकी बच्चों को प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास स्वतंत्र रूप से पढ़ने को कहें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा: क्या कक्षा के संचालन के दौरान बच्चों को अपनी बात साझा करने का पर्याप्त अवसर मिला। प्रयास हमेशा यह रहना चाहिए कि सभी बच्चों को अपनी बात साझा करने के पर्याप्त अवसर मिलें।

मौखिक भाषा विकास पर कार्य

कालांश 1 40 मिनट

पाठ पर आधारित पुनरावृत्ति और चित्रात्मक घटनाक्रम को समझ पाना।

विषयवस्तु: चित्र कहानी पोस्टर-2

तैयारी: चित्र कहानी पोस्टर को देखकर कहानी तैयार करें।

पाठ्यपुस्तक के पाठ पर आधारित पुनरावृत्ति (5-7 मिनट)

- पाठ-13 से संबंधित कुछ कठिन/अमूर्त शब्दों को बोर्ड पर लिखें और उन्हें बच्चों से पढ़ने को कहें, जैसे- हुजूम, सैकड़ों आदि।
- फिर कुछ बच्चों को उन शब्दों से मौखिक रूप से वाक्य बनाकर सुनाने को कहें।

चित्र कहानी पोस्टर पर शिक्षक द्वारा चर्चा (5-7 मिनट)

- आप बच्चों को गोल घेरे में बैठाएं और चित्र कहानी पोस्टर के चारों चित्र एक-एक करके दिखाते हुए कुछ बंद छोर के प्रश्न पूछें, जैसे- खरगोश किससे निशाना लगा रहा है? चूहे को किसने पकड़ा हुआ है? आदि।
- अब आप बच्चों को चारों चित्र समग्रता में देखने के लिए समय दें।

चित्रों पर आधारित कहानी बनाना (10-12 मिनट)

- अब आप चारों चित्रों को जोड़ते हुए एक छोटी कहानी (8-10 छोटे वाक्यों वाली) स्वयं बनाकर मौखिक रूप से 2 बार बच्चों को सुनाएँ। फिर कुछ बच्चों से कहानी अपने शब्दों में सभी बच्चों को सुनाने को कहें।

लेखन कार्य (7-10 मिनट)

- आप बच्चों को कहानी के आधार पर कुछ शब्द लिखने को कहें। फिर बच्चों को जोड़ियों/समूह में उन शब्दों पर बातचीत करने को कहें। अंत में, 3-4 जोड़ियों/समूहों को अपनी चर्चा सभी के साथ साझा करने को कहें।

कार्यपुस्तिका (भाग-1) पर कार्य

कालांश 2 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ-13 पर आधारित स्तरित पाठ का मार्गदर्शित, स्वतंत्र पठन एवं लेखन अभ्यास।

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 55

तैयारी: पाठ की गतिविधियों को पहले से समझ लें।

कार्यपुस्तिका सप्ताह-14 दिवस-5 पर कार्य करें -

स्तरित पाठ का आदर्श वाचन एवं चर्चा (7-10 मिनट)

- स्तरित पाठ का 2 बार पूरे हाव-भाव से आदर्श वाचन करें। फिर बच्चों से पाठ से संबंधित बंद एवं खुले छोर के प्रश्न करें, जैसे- सारस ने किससे पूछा? मछली किस ताक में बैठी होगी? आदि।

स्वतंत्र पठन (7-10मिनट)

- प्रत्येक बच्चे को स्तरित पाठ को स्वतंत्र रूप से पढ़ने को कहें। फिर बच्चों से स्तरित पाठ का सस्वर वाचन करने को कहें, इस दौरान बाकी बच्चे अंगुली रखते हुए अनुसरण करें।
- **गतिविधि-1 (7-10 मिनट) :** प्रत्येक प्रश्न पर बच्चों से प्रतिक्रिया लें। प्रतिक्रिया से संबंधित कठिन शब्दों को बोर्ड पर लिखें, फिर स्तरित पाठ में दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखने को कहें।

नोटबुक पर कार्य :

- **गतिविधि-2 (5-7 मिनट) :** आप बोर्ड पर 8 शब्द (पलक, गदा, कपट, ताजा, जरा, फसल, कमल, मगन) लिख दें। फिर किसी एक शब्द में वर्णों/अक्षरों का क्रम बदलकर सार्थक शब्द उदाहरण के रूप में लिखें, जैसे- गदा-दाग। अब आप बच्चों को जोड़ियों में बाँटकर बोर्ड पर लिखे शब्द में वर्णों/अक्षरों का क्रम बदलकर सार्थक शब्द बनाकर कॉपी/नोटबुक में लिखने और पढ़ने को कहें।

स्वतंत्र पठन पर कार्य

कालांश 3 40 मिनट

बच्चों द्वारा चयनित किताब का स्वतंत्र पठन एवं अतिरिक्त सहायता की आवश्यकता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य।

विषयवस्तु: स्वतंत्र पठन एवं रिमीडियल कार्य

तैयारी: चित्रात्मक कहानी की पुस्तकें।

स्वतंत्र पठन (15-17 मिनट)

- आप बच्चों को पुस्तकालय या रीडिंग कॉर्नर से चित्र सहित छोटी कहानी की किताबें अपनी इच्छा से चुनने एवं पढ़ने का अवसर दें। बच्चों को किताबों को उलटने-पलटने, पढ़ने एवं आपस में बातचीत करने के पर्याप्त अवसर दें।
- कुछ बच्चों लगभग 50% (कोशिश करें हर सप्ताह नए बच्चों को मौका मिले) को उनकी किताब की कहानी पर अपनी बात रखने का अवसर दें। बच्चे जैसी भी कहानी बताएँ, उसे स्वीकार करें। बच्चों को कहानी वाक्यों में बताने की अपेक्षा रखें एवं उन्हें सहयोग करें।

रिमीडियल कार्य (15-20 मिनट)

- अवलोकन के आधार पर अतिरिक्त सहायता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य करें। इसके लिए बच्चों के स्तरानुसार वर्ण/शब्द स्तर की गतिविधियाँ कराएँ।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा: बच्चों को अपनी प्रतिक्रिया पूरे वाक्यों में देने को प्रोत्साहित करें।

मौखिक भाषा विकास पर कार्य

कालांश 1 40 मिनट

चित्रात्मक घटनाक्रम को समझ पाना।

विषयवस्तु: चित्र कहानी पोस्टर-2

तैयारी: चित्र कहानी पोस्टर को देखकर कहानी तैयार करें।

शिक्षक द्वारा चित्र कहानी पोस्टर पर चर्चा (10-12 मिनट)

- बच्चों को कल की चर्चा को दोहराते हुए एक बार पुनः चित्र कहानी पोस्टर दिखाएँ और बच्चों से 6-7 खुले छोर के प्रश्न पूछते हुए बातचीत करें, जैसे- अगर खरगोश के पास गुलेल न होती तो क्या होता? खरगोश ने चूहे को क्यों बचाया होगा? आदि।
- अब 3-4 बच्चों को कल की कहानी को अपने शब्दों में सुनाने का मौका दें।

बच्चों द्वारा समूह कार्य (10-15 मिनट)

- आप बच्चों को छोटे समूह (4-5 बच्चों वाले) में बाँटें और निर्देश दें कि चित्र कहानी पोस्टर के चारों चित्रों के आधार पर उन्हें एक नई कहानी मिलकर बनानी है।
- इस दौरान आप कक्षा में घूम-घूमकर आवश्यकतानुसार उनकी सहायता करें। अंत में, आप प्रत्येक समूह के 1-2 बच्चों को उनकी कहानी सभी के साथ साझा करने को कहें।

लेखन कार्य (7-10 मिनट)

- आप बच्चों से अपने समूह में चित्र कहानी से संबंधित 2 वाक्य लिखने को कहें। फिर कुछ बच्चों से उनके लेखन कार्य को सभी के साथ साझा करने को कहें।

आप समूह कार्य में सभी बच्चों की सहभागिता सुनिश्चित करें।

आकलन

कालांश 2 40 मिनट

साप्ताहिक आकलन

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 55

तैयारी: आकलन की योजना और प्रश्न पहले से तैयार करें।

- आप सभी बच्चों को कार्यपुस्तिका के सप्ताह-14 दिवस 3 और 5 के कार्यपत्रक में दिए गए पाठ को दोबारा पढ़ने को कहें। फिर उन्हें कार्यपुस्तिका के भाग-2 प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास 25 को भी पढ़ने को कहे, साथ ही उपलब्ध अन्य पठन सामग्रियों को पढ़ने को प्रोत्साहित करें।

शिक्षक द्वारा आकलन (30-35 मिनट) :

- आप बच्चों को बारी-बारी से बुलाएँ और उन्हें कार्यपुस्तिका से **'मैंने सीख लिया'** को पढ़ने को कहें।
- बच्चों को **'मैंने सीख लिया'** को पढ़ने के लिए पर्याप्त समय दें। अगर बच्चे झिझक रहें हों तो उन्हें सहज महसूस कराएँ।
- बच्चों द्वारा जितने शब्द सही पढ़े गए हों, उनकी संख्या कोष्ठक में लिखें।
- फिर दिए गए प्रश्न बच्चों से मौखिक रूप से पूछें, प्रत्येक सही उत्तर के लिए 1 अंक कोष्ठक में लिखें।

आकलन

कालांश 3 40 मिनट

साप्ताहिक आकलन

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 55

तैयारी: आकलन की योजना पहले से तैयार कर लें।

शिक्षक द्वारा आकलन (25-27 मिनट)

- आप कालांश-2 के आकलन को जारी रखें।

सुनकर लिखें (10 मिनट)

- आप बच्चों को सामूहिक रूप से 'सुनकर लिखें' गतिविधि करवाएँ। सभी बच्चों के लिख लेने के बाद, आप बोर्ड पर वाक्य लिख दें और बच्चों को एक-दूसरे की कॉपी जाँचने को कहें। इस पर कार्य करने के विस्तृत चरणों को संदर्शिका से देखें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा: जिन बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य किया गया है, क्या वे बच्चे इस अभ्यास को सफलतापूर्वक कर पाए हैं या नहीं, इसे देखने के लिए उन बच्चों द्वारा किए गए कार्य को अवश्य जाँचें।

पाठ्यपुस्तक 'सारंगी-2' पर कार्य

कालांश 1 | 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ को पढ़कर सुनाना एवं चर्चा करना।

विषयवस्तु: पाठ-14 **'नन्हा पौधा'**

तैयारी: कठिन शब्द, बंद और खुले छोर के प्रश्न

पाठ का आदर्श वाचन (7-10 मिनट)

- पाठ के चित्रों और शीर्षक के आधार पर कविता की विषयवस्तु का अनुमान लगवाएँ, जैसे- यह कविता किसके बारे में है? आदि।
- अब बच्चों को हाव-भाव के साथ कविता मौखिक रूप से 1-2 बार सुनाएँ और बच्चों को प्रतिभाग करने के लिए प्रोत्साहित करें। इसके बाद आप कविता को पढ़ें और बच्चों को अपनी पाठ्यपुस्तक में अंगुली रखते हुए कविता का अनुसरण करने को कहें।

शब्दावली विकास (5-7 मिनट)

- पाठ के कठिन/अमूर्त शब्दों जैसे- मंद, शक्ति, अनोखी आदि को बोर्ड पर लिखें और उनके अर्थ को पाठ के संदर्भ और बच्चों के परिवेश से जोड़कर बताएँ।

पाठ पर समृद्ध चर्चा (7-10 मिनट)

- कविता के बारे में बच्चों की राय पूछें, जैसे- उन्हें कविता में क्या अच्छा लगा और क्यों? आदि।
- बातचीत को समृद्ध बनाने के लिए 6-7 खुले छोर के प्रश्न भी पूछें, जैसे- मंद हवा पौधे को नहीं जगाती तो क्या होता? आदि।

पाठ अभ्यास एवं संबंधित लेखन कार्य (7-10 मिनट)

- पाठ्यपुस्तक के पाठ की गतिविधि **(रंग भरिए)** पर बच्चों से चर्चा करें और फिर उन्हें रंग भरने को कहें।
- बच्चों द्वारा भरे गए रंगों को अपने साथियों को दिखाने और उस पर बातचीत करने को कहें।

कार्यपुस्तिका (भाग-1) पर कार्य

कालांश 2 | 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ-14 से संबंधित विस्तारित गतिविधि पर कार्य।

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 56

तैयारी: पाठ की गतिविधियों को पहले से समझ लें।

कार्यपुस्तिका सप्ताह-15 दिवस-1 पर कार्य करें -

- **गतिविधि-1 (7-10 मिनट)** : शब्दों को आदर्श रूप से पढ़ें और बच्चों को अंगुली रखते हुए अनुसरण करने को कहें। फिर उन्हें जोड़ियों/समूहों में पढ़ने को कहें।
- **गतिविधि-2 (7-10 मिनट)** : आप मौखिक रूप से पेड़/पौधों के भागों के बारे में बच्चों से चर्चा करें। फिर कार्यपुस्तिका में दी गई गतिविधि बच्चों को करने को कहें।
- **गतिविधि-3 (5-7 मिनट)** : आप बोर्ड पर उदाहरण (कार्यपुस्तिका से भिन्न) देते हुए गतिविधि समझाएँ। प्रश्नों में 'हाँ' या 'नहीं' लगाकर वाक्य बनाने की प्रक्रिया करके बताएँ। फिर कार्यपुस्तिका में दी गई गतिविधि बच्चों को करने को कहें।
- **गतिविधि-4 (7-10 मिनट)** : आप बोर्ड पर 4-5 शब्द (कार्यपुस्तिका से भिन्न) लिखें और उन शब्दों को मौखिक रूप से वाक्यों में उपयोग करके समझाएँ। फिर कार्यपुस्तिका में दी गई गतिविधि बच्चों को करने को कहें।

कार्यपुस्तिका (भाग-2) पर कार्य

कालांश 3 | 40 मिनट

बच्चों को प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास के मौके देना एवं अतिरिक्त सहायता की आवश्यकता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य।

विषयवस्तु: प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-26 क्र. 1 एवं रिमीडियल कार्य

तैयारी: रिमीडियल की गतिविधि संदर्शिका से देखें।

प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास (10-15 मिनट)

- कार्यपुस्तिका के प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-26 क्र. 1 पर सप्ताह-14 के दिवस 1 के सभी चरणों के अनुसार कार्य करें।
- अंत में, प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-26 क्र. 1 से संबंधित कुछ बंद छोर के प्रश्न पूछें, जैसे- आप बारिश में क्या-क्या करते हो?

रिमीडियल कार्य (15-20 मिनट)

- पिछले सप्ताह किए गए साप्ताहिक आकलन के आधार पर बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य करें। इसके लिए स्तरानुसार वर्ण/ अक्षर/शब्द/वाक्यांश/वाक्य स्तर की गतिविधि कराएँ। बाकी बच्चों को प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास स्वतंत्र रूप से पढ़ने को कहें।

☞ प्रयास करें कि आज की गतिविधि में प्रतिभाग कर रहे सभी बच्चों को एक मिनट का समय मिले।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा: क्या कक्षा के संचालन के दौरान बच्चों को अपनी बात साझा करने का पर्याप्त अवसर मिला। प्रयास हमेशा यह रहना चाहिए कि सभी बच्चों को अपनी बात साझा करने के पर्याप्त अवसर मिलें।

पाठ्यपुस्तक 'सारंगी-2' पर कार्य

कालांश 1 | 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ का दोहराव और समृद्ध चर्चा।

विषयवस्तु: पाठ-14 'नन्हा पौधा'

तैयारी: पाठ आधारित प्रश्न

पाठ का आदर्श वाचन (7-10 मिनट)

- आप बच्चों से कल की चर्चा के आधार पर कुछ बंद छोर के प्रश्न पूछें, जैसे- कल हमने कौन-सी कविता पढ़ी थी? कविता किसके बारे में थी? आदि।
- अब आप कविता का 1-2 बार आदर्श वाचन करें और बच्चों से अपने साथ कविता दोहराने को कहें।

शब्दावली विकास (5-7 मिनट)

- कल आपने जिन कठिन/अमूर्त शब्दों पर कार्य किया था। उनके अर्थ बच्चों से पूछें और उन शब्दों से मौखिक रूप से वाक्य बनवाएँ।

पाठ पर समृद्ध चर्चा (7-10 मिनट)

- बातचीत को समृद्ध बनाने के लिए बच्चों के अनुभवों से जोड़ते हुए, 6-7 खुले छोर के प्रश्न भी पूछें, जैसे- पौधे को बाहर का संसार अद्भुत क्यों लगा होगा? आदि।
- बच्चों के हर उत्तर को स्वीकार करते हुए उनका प्रोत्साहन करें।
- इसके बाद आप कक्षा के कुछ बच्चों से कविता सुनाने को कहें।

पाठ अभ्यास एवं संबंधित लेखन कार्य (7-10 मिनट)

- पाठ्यपुस्तक के पाठ की गतिविधि **(बातचीत के लिए 1-6)** के प्रश्नों पर बच्चों से मौखिक रूप से चर्चा करें, फिर उन्हें उत्तर लिखने को कहें।

कार्यपुस्तिका (भाग-1) पर कार्य

कालांश 2 | 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ-14 से संबंधित विस्तारित गतिविधि पर कार्य।

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 57

तैयारी: पाठ की गतिविधियों को पहले से समझ लें।

कार्यपुस्तिका सप्ताह-15 दिवस-2 पर कार्य करें -

- **गतिविधि-1 (7-10 मिनट) :** दिए गए शब्दों एवं उनके अर्थ को पाठ के संदर्भ एवं बच्चों के परिवेश से जोड़कर चर्चा करें। फिर प्रत्येक शब्द पर बच्चों के साथ मौखिक रूप से वाक्य बनवाएँ। अंत में, सभी बच्चों को स्वतंत्र रूप से पढ़ने को कहें।
- **गतिविधि-2 (7-10 मिनट) :** बच्चों को दी गई बातचीत पढ़ने को कहें। फिर पूछें कि बातचीत को आगे कैसे बढ़ाया जा सकता है। इस पर 3-4 बच्चों की प्रतिक्रिया लें। फिर सभी बच्चों को स्वतंत्र रूप से उत्तर लिखने को कहें।
- **गतिविधि-3 (5-7 मिनट) :** आप मौखिक रूप से 'संज्ञा की अवधारणा' बच्चों को उदाहरण के साथ समझाएँ, जैसे- 'मीना लखनऊ गई।' इसमें 'मीना' और 'लखनऊ' संज्ञा शब्द हैं। फिर कार्यपुस्तिका की गतिविधि पर कार्य करने को कहें और आवश्यकतानुसार उनकी सहायता करें।
- **गतिविधि-4 (7-10 मिनट) :** आप बोर्ड पर एक छोटी ग्रिड का उदाहरण (कार्यपुस्तिका से भिन्न) बनाकर उसमें शब्द खोजने और उन शब्दों से वाक्य बनाने की प्रक्रिया बच्चों को करके बताएँ। फिर बच्चों को कार्यपुस्तिका में दी गई गतिविधि करने को कहें।

कार्यपुस्तिका (भाग-2) पर कार्य

कालांश 3 | 40 मिनट

बच्चों को प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास के मौके देना एवं अतिरिक्त सहायता की आवश्यकता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य।

विषयवस्तु: प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-26 क्र. 2 एवं रिमीडियल कार्य

तैयारी: रिमीडियल की गतिविधि संदर्शिका से देखें।

प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास (10-15 मिनट)

- कार्यपुस्तिका के प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-26 क्र. 2 पर सप्ताह-14 के दिवस 2 के सभी चरणों के अनुसार कार्य करें।
- अंत में, प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-26 क्र. 2 से संबंधित कुछ बंद छोर के प्रश्न पूछें, जैसे- बारात में आपने क्या-क्या खाया है?

रिमीडियल कार्य (15-20 मिनट)

- पिछले सप्ताह किए गए साप्ताहिक आकलन के आधार पर बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य करें। इसके लिए स्तरानुसार वर्ण/शब्द/वाक्यांश/वाक्य स्तर की गतिविधि कराएँ। बाकी बच्चों को प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास स्वतंत्र रूप से पढ़ने को कहें।

गतिविधि की शुरुआत करने से पहले सभी बच्चों को स्पष्ट निर्देश दें और कार्य करने के लिए प्रोत्साहित करें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा: बच्चों द्वारा लेखन कार्य किए जाने के दौरान क्या आपने घूम-घूमकर उनके कार्य का अवलोकन किया? बच्चों के लेखन कार्य का अवलोकन करें एवं आवश्यकतानुसार दैनिक रूप से सहायता दें।

पाठ्यपुस्तक 'सारंगी-2' पर कार्य

कालांश 1 | 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ को पढ़कर सुनाना एवं चर्चा करना।

विषयवस्तु: पाठ-15 **'किसान'**

तैयारी: कठिन शब्द, बंद और खुले छोर के प्रश्न

पाठ का आदर्श वाचन (7-10 मिनट)

- पाठ के चित्रों और शीर्षक के आधार पर कविता की विषयवस्तु का अनुमान लगवाएँ, जैसे- यह कविता किसके बारे में है? आदि।
- अब बच्चों को हाव-भाव के साथ कविता मौखिक रूप से 1-2 बार सुनाएँ और बच्चों को प्रतिभाग करने के लिए प्रोत्साहित करें। इसके बाद आप कविता को पढ़ें और बच्चों को अपनी पाठ्यपुस्तक में अंगुली रखते हुए कविता का अनुसरण करने को कहें।

शब्दावली विकास (5-7 मिनट)

- पाठ के कठिन/अमूर्त शब्दों जैसे- रखवाली, मूसलाधार आदि को बोर्ड पर लिखें और उनके अर्थ को पाठ के संदर्भ और बच्चों के परिवेश से जोड़कर बताएँ।

पाठ पर समृद्ध चर्चा (7-10 मिनट)

- कविता के बारे में बच्चों की राय पूछें, जैसे- उन्हें कविता में क्या अच्छा लगा और क्यों? आदि।
- बातचीत को समृद्ध बनाने के लिए 6-7 खुले छोर के प्रश्न भी पूछें, जैसे- किसान इतनी मेहनत क्यों करते होंगे? आदि।

पाठ अभ्यास एवं संबंधित लेखन कार्य (7-10 मिनट)

- पाठ्यपुस्तक के पाठ की गतिविधि **(सोचिए और लिखिए 1, 2)** पर बच्चों से चर्चा करें और फिर उन्हें उत्तर लिखने को कहें।

कार्यपुस्तिका (भाग-1) पर कार्य

कालांश 2 | 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ-15 पर आधारित स्तरित पाठ का पठन एवं लेखन अभ्यास।

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 58 59

तैयारी: पाठ की गतिविधियों को पहले से समझ लें।

कार्यपुस्तिका सप्ताह-15 दिवस-3 पर कार्य करें -

स्तरित पाठ का आदर्श वाचन एवं चर्चा (10-12 मिनट)

- स्तरित पाठ के चित्रों और शीर्षक के आधार पर कविता का अनुमान लगवाएँ। स्तरित पाठ को हाव-भाव के साथ 1-2 बार आदर्श रूप में पढ़कर सुनाएँ।

स्तरित पाठ पर समृद्ध चर्चा (7-10 मिनट)

- स्तरित पाठ से संबंधित खुले छोर के प्रश्न बच्चों से पूछें, जैसे- लोग हरी सब्जी खेतों से भरकर किसलिए लाए होंगें? आदि। पुनः एक बार पाठ का आदर्श वाचन करें।

स्तरित पाठ आधारित कार्य (7-10 मिनट)

- प्रत्येक प्रश्न पर बच्चों से प्रतिक्रिया लें। प्रतिक्रिया से संबंधित कठिन शब्दों को बोर्ड पर लिखें। फिर स्तरित पाठ में दिए गए प्रश्नों के उत्तर वाक्यों में लिखने को कहें।
- **गतिविधि-1 (5 मिनट) :** गतिविधि पर आप बच्चों के साथ मौखिक रूप से चर्चा करें, फिर कार्यपुस्तिका में दी गई गतिविधि को स्वतंत्र रूप से लिखने को कहें।

सुनिश्चित करें कि सभी बच्चे गतिविधि में प्रतिभाग करें।

कार्यपुस्तिका (भाग-2) पर कार्य

कालांश 3 | 40 मिनट

बच्चों को प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास के मौके देना एवं अतिरिक्त सहायता की आवश्यकता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य।

विषयवस्तु: प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-26 क्र. 3 एवं रिमीडियल कार्य

तैयारी: रिमीडियल की गतिविधि संदर्शिका से देखें।

प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास (10-15 मिनट)

- कार्यपुस्तिका के प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-26 क्र. 3 पर सप्ताह-14 के दिवस 3 के सभी चरणों के अनुसार कार्य करें।
- अंत में, प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-26 क्र. 3 से संबंधित कुछ बंद छोर के प्रश्न पूछें, जैसे- बिल्ली अपने जले मुँह को कैसे ठीक करेगी?

रिमीडियल कार्य (15-20 मिनट)

- पिछले सप्ताह किए गए साप्ताहिक आकलन के आधार पर बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य करें। इसके लिए स्तरानुसार वर्ण/ अक्षर/शब्द/वाक्यांश/वाक्य स्तर की गतिविधि कराएँ। बाकी बच्चों को प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास स्वतंत्र रूप से पढ़ने को कहें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा: आज की गतिविधि के दौरान क्या आप सभी बच्चों को उनके नाम से संबोधित कर पाए? प्रयास यह होना चाहिए कि बच्चों को हमेशा उनके नाम से संबोधित करें।

पाठ्यपुस्तक 'सारंगी-2' पर कार्य

कालांश 1 | 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ का दोहराव और समृद्ध चर्चा।

विषयवस्तुः पाठ-15 **'किसान'**

तैयारीः पाठ आधारित प्रश्न

पाठ का आदर्श वाचन (7-10 मिनट)

- आप बच्चों से कल की चर्चा के आधार पर कुछ बंद छोर के प्रश्न पूछें, जैसे- कल हमने कौन-सी कविता पढ़ी थी? कविता किसके बारे में थी? आदि। अब आप कविता का 1-2 बार आदर्श वाचन करें और बच्चों से अपने साथ कविता दोहराने को कहें।

शब्दावली विकास (5-7 मिनट)

- कल आपने जिन कठिन/अमूर्त शब्दों पर कार्य किया था। उनके अर्थ बच्चों से पूछें और उन शब्दों से मौखिक रूप से वाक्य बनवाएँ।

पाठ पर समृद्ध चर्चा (7-10 मिनट)

- बातचीत को समृद्ध बनाने के लिए बच्चों के अनुभवों से जोड़ते हुए, 6-7 खुले छोर के प्रश्न भी पूछें, जैसे- मूसलाधार पानी में भी किसान क्यों नहीं रुकता? आदि।
- बच्चों के हर उत्तर को स्वीकार करते हुए उनका प्रोत्साहन करें।
- इसके बाद आप कक्षा के कुछ बच्चों से कविता सुनाने को कहें।

पाठ अभ्यास एवं संबंधित लेखन कार्य (7-10 मिनट)

- पाठ्यपुस्तक के पाठ की गतिविधि **(बातचीत के लिए 1-6 और शब्दों का खेल 1)** पर बच्चों से मौखिक रूप से चर्चा करें और फिर उन्हें उत्तर लिखने को कहें।

कार्यपुस्तिका (भाग-1) पर कार्य

कालांश 2 | 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ-15 पर आधारित स्तरित पाठ का मार्गदर्शन में पठन एवं लेखन अभ्यास।

विषयवस्तुः कार्यपुस्तिका 60

तैयारीः पाठ की गतिविधियों को पहले से समझ लें।

कार्यपुस्तिका सप्ताह-15 दिवस-4 पर कार्य करें -
स्तरित पाठ पर संक्षिप्त चर्चा एवं मार्गदर्शन में पठन (12-15 मिनट)

- पिछले दिन की चर्चा को दोहराते हुए स्तरित पाठ से संबंधित 2-3 बंद छोर के प्रश्न बच्चों से पूछें।
- बच्चों को जोड़ियों/समूहों में पिछले दिन के पाठ को बारी-बारी से पढ़ने को कहें।
- **गतिविधि-1 (5 मिनट)** : दिए गए शब्दों एवं उनके अर्थ को पाठ के संदर्भ एवं बच्चों के परिवेश से जोड़कर चर्चा करें। फिर प्रत्येक शब्द पर बच्चों के साथ मौखिक रूप से वाक्य बनवाएँ। अंत में, सभी बच्चों को स्वतंत्र रूप से पढ़ने को कहें।
- **गतिविधि-2 (5 मिनट)** : आप बोर्ड पर स्तरित पाठ के कुछ उदाहरण (कार्यपुस्तिका से भिन्न) देते हुए बच्चों के साथ चर्चा करें कि कैसे सही शब्दों को चुनकर वाक्य को पूरा किया जाता है। फिर कुछ बच्चों से प्रतिक्रिया लें। अंत में, सभी बच्चों को उत्तर लिखने को कहें।
- **गतिविधि-3 (5 मिनट)** : आप बोर्ड पर उदाहरण (कार्यपुस्तिका से भिन्न) देते हुए गतिविधि समझाएँ, जैसे- आलू से पापड़, पराठा, भर्ता, सब्जी आदि बनता है। फिर कार्यपुस्तिका में स्वतंत्र रूप से उत्तर लिखने को कहें।
- **गतिविधि-4 (5-7 मिनट)** : आप कोई चित्र (कार्यपुस्तिका से भिन्न) लेकर उसके बारे में 3-4 वाक्यों में बताएँ। इस पर बच्चों से प्रतिक्रिया लें। फिर कार्यपुस्तिका में दी गई गतिविधि को करने को कहें।

कार्यपुस्तिका (भाग-2) पर कार्य

कालांश 3 | 40 मिनट

बच्चों को प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास के मौके देना एवं अतिरिक्त सहायता की आवश्यकता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य।

विषयवस्तुः प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-26 क्र. 4 एवं रिमीडियल कार्य

तैयारीः रिमीडियल की गतिविधि संदर्शिका से देखें।

प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास (10-15 मिनट)

- कार्यपुस्तिका के प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-26 क्र. 4 पर सप्ताह-14 के दिवस 4 के सभी चरणों के अनुसार कार्य करें।
- अंत में, प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-26 क्र. 4 से संबंधित कुछ बंद छोर के प्रश्न पूछें, जैसे- आपने मेले में क्या-क्या देखा है?

रिमीडियल कार्य (15-20 मिनट)

- पिछले सप्ताह किए गए साप्ताहिक आकलन के आधार पर बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य करें। इसके लिए स्तरानुसार वर्ण/ अक्षर/शब्द/वाक्यांश/वाक्य स्तर की गतिविधि कराएँ। बाकी बच्चों को प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास स्वतंत्र रूप से पढ़ने को कहें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षाः बच्चों द्वारा लेखन कार्य किए जाने के दौरान क्या आपने घूम-घूमकर उनके कार्यों का अवलोकन किया? बच्चों के लेखन कार्य का अवलोकन करें एवं आवश्यकतानुसार दैनिक रूप से उनकी सहायता करें।

मौखिक भाषा विकास पर कार्य

कालांश 1 40 मिनट

पाठ पर आधारित पुनरावृत्ति और बच्चे भाषा के उच्चस्तरीय कौशलों का उपयोग करना सीख पाएँगे।

विषयवस्तुः सृजनात्मक गतिविधि

तैयारीः गतिविधि से संबंधित जरूरी सामग्री एकत्र कर लें।

पाठ्यपुस्तक के पाठ पर आधारित पुनरावृत्ति (5-7 मिनट)

- पाठ 14 और 15 से संबंधित कुछ कठिन/अमूर्त शब्दों को बोर्ड पर लिखें और उन्हें बच्चों से पढ़ने को कहें, जैसे- फर्क, चैन आदि। फिर कुछ बच्चों को उन शब्दों से मौखिक रूप से वाक्य बनाकर सुनाने को कहें।

गतिविधि पर शिक्षक द्वारा चर्चा (7-10 मिनट)

- आप सृजनात्मक गतिविधि- **'साइकिल बनाओ काम बताओ'** के विस्तृत चरणों को संदर्शिका से देखें। गतिविधि से सम्बन्धित सभी निर्देश स्पष्टता के साथ बच्चों को देते हुए कार्य करवाएँ।

बच्चों द्वारा समूह कार्य (7-10 मिनट)

- आप बच्चों को गतिविधि के चरणों के अनुसार कार्य करने को कहें।

लेखन कार्य (7-10 मिनट)

- बच्चों को जोड़ियों में बाँटकर साइकिल के भागों के कार्यों को लिखने को कहें। फिर उन्हें अपने साथियों को दिखाते हुए चर्चा करने को कहें। कुछ बच्चों को बुलाकर उनके द्वारा बनाए गए चित्रों पर हुई चर्चा को सभी के साथ साझा करने को कहें।

बच्चे यदि केवल शब्द लिख पा रहे हों तो उन्हें स्वीकार करते हुए वाक्य लिखने के लिए प्रेरित करें।

कार्यपुस्तिका (भाग-1) पर कार्य

कालांश 2 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ 14-15 पर आधारित स्तरित पाठ का मार्गदर्शित, स्वतंत्र पठन एवं लेखन अभ्यास।

विषयवस्तुः कार्यपुस्तिका 61

तैयारीः पाठ की गतिविधियों को पहले से समझ लें।

कार्यपुस्तिका सप्ताह-15 दिवस-5 पर कार्य करें -
स्तरित पाठ का आदर्श वाचन एवं चर्चा (7-10 मिनट)

- स्तरित पाठ का 2 बार पूरे हाव-भाव से आदर्श वाचन करें। फिर बच्चों से पाठ से संबंधित बंद एवं खुले छोर के प्रश्न करें, जैसे- कौन फसल को बर्बाद करते थे? पुतले को देखकर जानवरों ने खेत में आना क्यों छोड़ दिया? आदि।

स्वतंत्र पठन (7-10मिनट)

- प्रत्येक बच्चे को स्तरित पाठ को स्वतंत्र रूप से पढ़ने को कहें। फिर बच्चों से स्तरित पाठ का सस्वर वाचन करने को कहें, इस दौरान बाकी बच्चे अंगुली रखते हुए अनुसरण करें।

- **गतिविधि-1 (7-10 मिनट)** : प्रत्येक प्रश्न पर बच्चों से प्रतिक्रिया लें। प्रतिक्रिया से संबंधित कठिन शब्दों को बोर्ड पर लिखें, फिर स्तरित पाठ में दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखने को कहें।

नोटबुक पर कार्य :

- **गतिविधि-2 (5-7 मिनट)** : आप 4-6 शब्दों का एक वाक्य बोलें और बच्चों से लिखने को कहें।

'सुनकर लिखें' गतिविधि समाप्त होने पर आप बोले गए वाक्य को बोर्ड पर लिखें और बच्चों को जोड़ियों में करके एक-दूसरे की नोटबुक/कॉपी जाँचने को कहें।

स्वतंत्र पठन पर कार्य

कालांश 3 40 मिनट

बच्चों द्वारा चयनित किताब का स्वतंत्र पठन एवं अतिरिक्त सहायता की आवश्यकता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य।

विषयवस्तुः स्वतंत्र पठन एवं रिमीडियल कार्य

तैयारीः चित्रात्मक कहानी की पुस्तकें।

स्वतंत्र पठन (15-17 मिनट)

- आप बच्चों को पुस्तकालय या रीडिंग कॉर्नर से चित्र सहित छोटी कहानी की किताबें अपनी इच्छा से चुनने एवं पढ़ने का अवसर दें। बच्चों को किताबों को उलटने-पलटने, पढ़ने एवं आपस में बातचीत करने के पर्याप्त अवसर दें।
- कुछ बच्चों लगभग 50% (कोशिश करें हर सप्ताह नए बच्चों को मौका मिले) को उनकी किताब की कहानी पर अपनी बात रखने का अवसर दें। बच्चे जैसी भी कहानी बताएँ, उसे स्वीकार करें। बच्चों को कहानी वाक्यों में बताने की अपेक्षा रखें एवं उन्हें सहयोग करें।

रिमीडियल कार्य (15-20 मिनट)

- अवलोकन के आधार पर अतिरिक्त सहायता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य करें। इसके लिए बच्चों के स्तरानुसार वर्ण/शब्द स्तर की गतिविधियाँ कराएँ।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षाः बच्चों को अपनी प्रतिक्रिया पूरे वाक्यों में देने को प्रोत्साहित करें।

मौखिक भाषा विकास पर कार्य

कालांश 1 40 मिनट

मौखिक कहानी सुनाना एवं समृद्ध चर्चा।

विषयवस्तु: मौखिक कहानी

तैयारी: बच्चों के स्तर की स्थानीय कहानी का चयन कर लें।

मौखिक रूप से कहानी सुनाना (7-10 मिनट)

- आप संदर्शिका में दी गई कहानी सुनाने के चरणों के अनुसार कार्य करें।

बच्चों के साथ कहानी पर चर्चा (5-7 मिनट)

- आप बच्चों को सुनी या पढ़ी हुई कहानी को अपने शब्दों में आगे सुनाने को कहें। इसके लिए उनका ध्यान क्रम पर दिलाएं। बच्चों को कहानी में क्या क्रम था, यह मौखिक रूप से बताएँ। जैसे- पहले यह हुआ, फिर यह हुआ...... आदि।

बच्चों द्वारा आपस में चर्चा (7-10 मिनट)

- बच्चों को जोड़ियों में बाँटकर उनके द्वारा कहानियों को अपने शब्दों में सुनाने और सबसे मजेदार घटनाक्रम पर बातचीत करने को कहें, जैसे- घटना मजेदार क्यों है? आदि। फिर कुछ बच्चों से इस चर्चा को अन्य साथियों को सुनाने को कहें।

लेखन कार्य (7-10 मिनट)

- बच्चों द्वारा अपने शब्दों में सुनाई गई कहानी पर अपने विचार/समझ कुछ शब्दों/दो वाक्यों में लिखकर व्यक्त करने को कहें।

आकलन

कालांश 2 40 मिनट

साप्ताहिक आकलन

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 61

तैयारी: आकलन की योजना और प्रश्न पहले से तैयार करें।

- आप सभी बच्चों को कार्यपुस्तिका के सप्ताह-15 दिवस 3 और 5 के कार्यपत्रक में दिए गए पाठ को दोबारा पढ़ने को कहें। फिर उन्हें कार्यपुस्तिका के भाग-2 प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास 26 को भी पढ़ने को कहे, साथ ही उपलब्ध अन्य पठन सामग्रियों को पढ़ने को प्रोत्साहित करें।

शिक्षक द्वारा आकलन (30-35 मिनट) :

- आप बच्चों को बारी-बारी से बुलाएँ और उन्हें कार्यपुस्तिका से **'मैंने सीख लिया'** को पढ़ने को कहें।
- बच्चों को **'मैंने सीख लिया'** को पढ़ने के लिए पर्याप्त समय दें। अगर बच्चे झिझक रहें हों तो उन्हें सहज महसूस कराएँ।
- बच्चों द्वारा जितने शब्द सही पढ़े गए हों, उनकी संख्या कोष्ठक में लिखें।
- फिर दिए गए प्रश्न बच्चों से मौखिक रूप से पूछें, प्रत्येक सही उत्तर के लिए 1 अंक कोष्ठक में लिखें।

आकलन

कालांश 3 40 मिनट

साप्ताहिक आकलन

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 61

तैयारी: आकलन की योजना पहले से तैयार कर लें।

शिक्षक द्वारा आकलन (25-27 मिनट)

- आप कालांश-2 के आकलन को जारी रखें।

सुनकर लिखें (10 मिनट)

- आप बच्चों को सामूहिक रूप से 'सुनकर लिखें' गतिविधि करवाएँ। सभी बच्चों के लिख लेने के बाद, आप बोर्ड पर वाक्य लिख दें और बच्चों को एक-दूसरे की कॉपी जाँचने को कहें। इस पर कार्य करने के विस्तृत चरणों को संदर्शिका से देखें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा: जिन बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य किया गया है, क्या वे बच्चे इस अभ्यास को सफलतापूर्वक कर पाए हैं या नहीं, इसे देखने के लिए उन बच्चों द्वारा किए गए कार्य को अवश्य जाँचें।

सप्ताह 16 दिवस 1

पाठ्यपुस्तक 'सारंगी-2' पर कार्य

कालांश 1 · 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ-16 का आदर्श वाचन एवं चयनित पाठ्यांश 'नीम के पेड़..... खेत जोत आयें' का मार्गदर्शित पठन।

विषयवस्तु: पाठ-16 **'गिलहरी और कौआ'**

तैयारी: पाठ्यांश आधारित प्रश्न

पाठ का आदर्श वाचन करना (7-10 मिनट)

- पाठ के चित्रों और शीर्षक के आधार पर कहानी की विषयवस्तु का अनुमान लगवाएँ। पूरे पाठ को हाव-भाव के साथ 1-2 बार पढ़कर सुनाएँ। बच्चे पाठ से जुड़े रहें, इसके लिए बीच-बीच में कुछ बंद छोर के प्रश्न पूछें।

कहानी को मौखिक रूप से सुनाना और चर्चा करना (7-10 मिनट)

- पाठ की कहानी या केन्द्रीय बिंदु को अपने शब्दों में सुनाकर एक बार और चर्चा करें।
- पाठ से सम्बन्धित कुछ बंद एवं 6-7 खुले छोर के प्रश्न बच्चों से पूछें, जैसे- खेत कौन जोत आया? कौआ बैठा ही क्यों रह गया होगा? आदि।

पाठ्यांश का मार्गदर्शन में पठन (5-7 मिनट)

- बच्चों को जोड़ियों/समूहों में बाँटकर चयनित पाठ्यांश को बारी-बारी से पढ़ने (मार्गदर्शन में पठन) को कहें।
- जो बच्चे अभी भी शब्द स्तर पर हों, उन पर विशेष ध्यान दें और उनकी सहायता करें। बाकी बच्चों की आवश्यकतानुसार सहायता करें।

पाठ अभ्यास एवं संबंधित लेखन कार्य (7-10 मिनट)

- पाठ्यपुस्तक के पाठ की गतिविधि **(शब्दों का खेल 1)** पर बच्चों से चर्चा करें और फिर उन्हें उत्तर लिखने को कहें। बच्चों के लेखन कार्य पर व्यक्तिगत फीडबैक दें एवं आवश्यकतानुसार उनकी सहायता करें।

कार्यपुस्तिका (भाग-1) पर कार्य

कालांश 2 · 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ-16 से संबंधित विस्तारित गतिविधि पर कार्य।

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 62

तैयारी: पाठ की गतिविधियों को पहले से समझ लें।

कार्यपुस्तिका सप्ताह-16 दिवस-1 पर कार्य करें -

- **गतिविधि-1(7-10 मिनट) :** शब्दों को आदर्श रूप से पढ़ें और बच्चों को अंगुली रखते हुए अनुसरण करने को कहें। फिर उन्हें जोड़ियों/समूहों में पढ़ने को कहें।
- **गतिविधि-2 (7-10 मिनट) :** बच्चों को एकवचन और बहुवचन की अवधारणा बोर्ड पर उदाहरण (कार्यपुस्तिका से भिन्न) के साथ समझाएँ और अभ्यास करवाएँ। फिर कार्यपुस्तिका में दी गई गतिविधि बच्चों को करने को कहें।
- **गतिविधि-3 (7-10 मिनट) :** बच्चों को कार्यपुस्तिका में दिए गए शब्दों को पढ़ने को कहें और प्रत्येक शब्द पर चर्चा करें कि वह **'अनाज'** है या **'सब्जी'**। अंत में, सभी बच्चों को गतिविधि में अनाज और सब्जी छाँटकर लिखने को कहें।
- **गतिविधि-4 (5-7 मिनट) :** आप उदाहरण के रूप में कुछ शब्दों (कार्यपुस्तिका से भिन्न) का उपयोग मौखिक रूप से वाक्यों में करके बताएँ और बोर्ड पर लिखें। फिर दी गई गतिविधि को करने को कहें।

कार्यपुस्तिका (भाग-2) पर कार्य

कालांश 3 · 40 मिनट

बच्चों को प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास के मौके देना एवं अतिरिक्त सहायता की आवश्यकता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य।

विषयवस्तु: प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-27 क्र. 1 एवं रिमीडियल कार्य

तैयारी: रिमीडियल की गतिविधि संदर्शिका से देखें।

प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास (10-15 मिनट)

- कार्यपुस्तिका के प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-27 क्र. 1 पर सप्ताह-14 के दिवस 1 के सभी चरणों के अनुसार कार्य करें।
- अंत में, प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-27 क्र. 1 से संबंधित कुछ बंद छोर के प्रश्न पूछें, जैसे- आपको अखबार में क्या-क्या देखना अच्छा लगता है?

रिमीडियल कार्य (15-20 मिनट)

- पिछले सप्ताह किए गए साप्ताहिक आकलन के आधार पर बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य करें। इसके लिए स्तरानुसार वर्ण/अक्षर/शब्द/वाक्यांश/वाक्य स्तर की गतिविधि कराएँ। बाकी बच्चों को प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास स्वतंत्र रूप से पढ़ने को कहें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा: क्या कक्षा संचालन के दौरान आपने बच्चों की प्रतिक्रिया से नए खुले छोर के प्रश्न पूछे? प्रयास यह हो कि बच्चों की प्रतिक्रिया से नए खुले छोर के प्रश्न पूछे जाएँ, ताकि बच्चों की अभिव्यक्ति मुखर हो। साथ ही, उनकी तार्किक क्षमता का विकास हो।

पाठ्यपुस्तक 'सारंगी-2' पर कार्य

कालांश 1 | 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ-16 से चयनित पाठ्यांश 'कौए ने..... हरी डाल पर बैठा हूँ' का मार्गदर्शित पठन।

विषयवस्तु: पाठ-16 **'गिलहरी और कौआ'**

तैयारी: पाठ्यांश आधारित प्रश्न

पाठ्यांश का आदर्श वाचन करना (7-10 मिनट)

- कल की चर्चा को दोहराते हुए पाठ्यांश से संबंधित कुछ बंद छोर के प्रश्न बच्चों से पूछें, फिर चयनित पाठ्यांश को हाव-भाव के साथ पढ़कर सुनाएँ।

मार्गदर्शन में पठन (7-10 मिनट)

- बच्चों को जोड़ियों/समूहों में बाँटकर चयनित पाठ्यांश को बारी-बारी से पढ़ने (मार्गदर्शन में पठन) को कहें। जो बच्चे अभी भी शब्द स्तर पर हों, उन पर विशेष ध्यान दें और उनकी सहायता करें। बाकी बच्चों की आवश्यकतानुसार सहायता करें।

बच्चों द्वारा प्रश्न बनाना (5-7 मिनट)

- कुछ बच्चों को पढ़े गए पाठ्यांश से प्रश्न बनाकर बाकी बच्चों से प्रश्न पूछने का अवसर दें। उन बच्चों को अवसर दें, जो कल प्रश्न नहीं पूछ पाए थे। बाकी बच्चों को पूछे गए प्रश्नों के उत्तर पूरे वाक्य में देने को कहें। अगर बच्चे प्रश्न नहीं बना पा रहे हैं तो आप उनकी सहायता करें।

पाठ अभ्यास एवं संबंधित लेखन कार्य (7-10 मिनट)

- पाठ्यपुस्तक के पाठ की गतिविधि **(बातचीत के लिए 1-2)** के प्रश्नों पर बच्चों से मौखिक रूप से चर्चा करें।

कार्यपुस्तिका (भाग-1) पर कार्य

कालांश 2 | 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ-16 से संबंधित विस्तारित गतिविधि पर कार्य।

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 63

तैयारी: पाठ की गतिविधियों को पहले से समझ लें।

कार्यपुस्तिका सप्ताह-16 दिवस-2 पर कार्य करें -

- **गतिविधि-1 (7-10 मिनट)** : दिए गए शब्दों एवं उनके अर्थ को पाठ के संदर्भ एवं बच्चों के परिवेश से जोड़कर चर्चा करें। फिर प्रत्येक शब्द पर बच्चों के साथ मौखिक रूप से वाक्य बनवाएँ। अंत में, सभी बच्चों को स्वतंत्र रूप से पढ़ने को कहें।
- **गतिविधि-2 (5-7 मिनट):** आप बोर्ड पर उदाहरण (कार्यपुस्तिका से भिन्न) देते हुए गतिविधि समझाएँ, जैसे- मकन - मकान। शब्दों की वर्तनी पर बच्चों से चर्चा करें और प्रतिक्रियाएँ लें। फिर दी गई गतिविधि बच्चों को करने को कहें।
- **गतिविधि-3 (5-7 मिनट)** : आप बोर्ड पर उदाहरण (कार्यपुस्तिका से भिन्न) द्वारा गतिविधि समझाएँ। फिर कार्यपुस्तिका में दी गई गतिविधि बच्चों से लिखने को कहें।
- **गतिविधि-4 (5-7 मिनट)** : आप बोर्ड पर 1-2 वाक्य लिखकर उसके 1-2 शब्दों को चिन्हित करें। चिन्हित शब्दों से उदाहरण के तौर पर नए वाक्य लिखकर दिखाएँ। फिर कार्यपुस्तिका में दी गई गतिविधि को करने को कहें।
- **गतिविधि-5 (5 मिनट)** : आप 4-6 शब्दों का एक वाक्य बोलें और बच्चों से लिखने को कहें।

'सुनकर लिखें' गतिविधि समाप्त होने पर आप बोले गए वाक्य को बोर्ड पर लिखें और बच्चों को जोड़ियों में करके एक-दूसरे की कार्यपुस्तिका जाँचने को कहें।

कार्यपुस्तिका (भाग-2) पर कार्य

कालांश 3 | 40 मिनट

बच्चों को प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास के मौके देना एवं अतिरिक्त सहायता की आवश्यकता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य।

विषयवस्तु: प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-27 क्र. 2 एवं रिमीडियल कार्य

तैयारी: रिमीडियल की गतिविधि संदर्शिका से देखें।

प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास (10-15 मिनट)

- कार्यपुस्तिका के प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-27 क्र. 2 पर सप्ताह-14 के दिवस 2 के सभी चरणों के अनुसार कार्य करें।
- अंत में, प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-27 क्र. 2 से संबंधित कुछ बंद छोर के प्रश्न पूछें, जैसे- क्या आपने कभी कोई पौधा लगाया है? यदि हाँ तो कौन-सा?

रिमीडियल कार्य (15-20 मिनट)

- पिछले सप्ताह किए गए साप्ताहिक आकलन के आधार पर बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य करें। इसके लिए स्तरानुसार वर्ण/अक्षर/शब्द/वाक्यांश/वाक्य स्तर की गतिविधि कराएँ। बाकी बच्चों को प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास स्वतंत्र रूप से पढ़ने को कहें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा: शिक्षण प्रक्रिया के दौरान यदि बच्चों की सहभागिता कम हो जाए या फिर वे ऊबने लगें तो सौहार्दपूर्ण वातावरण निर्माण की गतिविधि द्वारा उन्हें शिक्षण प्रक्रिया से दोबारा जोड़ें।

पाठ्यपुस्तक 'सारंगी-2' पर कार्य

कालांश 1 — 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ-16 से चयनित पाठ्यांश 'गिलहरी खेत..... निरा आयी' का मार्गदर्शित पठन।

विषयवस्तु: पाठ-16 **'गिलहरी और कौआ'**

तैयारी: पाठ्यांश आधारित प्रश्न

पाठ्यांश का आदर्श वाचन करना (7-10 मिनट)
- कल की चर्चा को दोहराते हुए पाठ्यांश से संबंधित कुछ बंद छोर के प्रश्न बच्चों से पूछें, फिर चयनित पाठ्यांश को हाव-भाव के साथ पढ़कर सुनाएँ।

मार्गदर्शन में पठन (7-10 मिनट)
- बच्चों को जोड़ियों/समूहों में बाँटकर चयनित पाठ्यांश को बारी-बारी से पढ़ने (मार्गदर्शन में पठन) को कहें। जो बच्चे अभी भी शब्द स्तर पर हों, उन पर विशेष ध्यान दें और उनकी सहायता करें। बाकी बच्चों की आवश्यकतानुसार सहायता करें।

बच्चों द्वारा प्रश्न बनाना (5-7 मिनट)
- कुछ बच्चों को पढ़े गए पाठ्यांश से सवाल बनाकर बाकी बच्चों से प्रश्न पूछने का अवसर दें। उन बच्चों को अवसर दें, जो कल प्रश्न नहीं पूछ पाए थे। बाकी बच्चों को पूछे गए प्रश्नों के उत्तर पूरे वाक्य में देने को कहें। अगर बच्चे प्रश्न नहीं बना पा रहे हैं तो आप उनकी सहायता करें।

पाठ अभ्यास एवं संबंधित लेखन कार्य (7-10 मिनट)
- पाठ्यपुस्तक के पाठ की गतिविधि **(सोचिए और बताइए)** के प्रश्नों पर बच्चों से मौखिक रूप से चर्चा करें और फिर उन्हें उत्तर लिखने को कहें।
- बच्चों के लेखन कार्य पर व्यक्तिगत फीडबैक दें एवं आवश्यकतानुसार उनकी सहायता करें।

कार्यपुस्तिका (भाग-1) पर कार्य

कालांश 2 — 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ-16 पर आधारित स्तरित पाठ का पठन एवं लेखन अभ्यास।

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 64 65

तैयारी: पाठ की गतिविधियों को पहले से समझ लें।

कार्यपुस्तिका सप्ताह-16 दिवस-3 पर कार्य करें -

स्तरित पाठ का आदर्श वाचन एवं चर्चा (10-12 मिनट)
- स्तरित पाठ के चित्रों और शीर्षक के आधार पर कहानी का अनुमान लगवाएँ। स्तरित पाठ को हाव-भाव के साथ 1-2 बार आदर्श रूप में पढ़कर सुनाएँ। बच्चे स्तरित पाठ से जुड़े रहें, इसके लिए बीच-बीच में 2-3 बंद छोर के प्रश्न पूछें।

स्तरित पाठ पर समृद्ध चर्चा (7-10 मिनट)
- स्तरित पाठ से संबंधित खुले छोर के प्रश्न बच्चों से पूछें, जैसे- क्या-क्या खाने से दाँत टूट सकता है? आदि। पुनः एक बार पाठ का आदर्श वाचन करें।

स्तरित पाठ आधारित कार्य (7-10 मिनट)
- प्रत्येक प्रश्न पर बच्चों से प्रतिक्रिया लें। प्रतिक्रिया से संबंधित कठिन शब्दों को बोर्ड पर लिखें। फिर स्तरित पाठ में दिए गए प्रश्नों के उत्तर वाक्यों में लिखने को कहें।
- **गतिविधि-1 (5 मिनट) :** कार्यपुस्तिका में दी गई गतिविधि को बच्चों से 8-10 बार जल्दी-जल्दी पढ़ने को कहें।

सुनिश्चित करें कि सभी बच्चे गतिविधि में प्रतिभाग करें ।

कार्यपुस्तिका (भाग-2) पर कार्य

कालांश 3 — 40 मिनट

बच्चों को प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास के मौके देना एवं अतिरिक्त सहायता की आवश्यकता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य।

विषयवस्तु: प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-27 क्र. 3 एवं रिमीडियल कार्य

तैयारी: रिमीडियल की गतिविधि संदर्शिका से देखें।

प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास (10-15 मिनट)
- कार्यपुस्तिका के प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-27 क्र. 3 पर सप्ताह-14 के दिवस 3 के सभी चरणों के अनुसार कार्य करें।
- अंत में, प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-27 क्र. 3 से संबंधित कुछ बंद छोर के प्रश्न पूछें, जैसे- आपको कौन-कौन सी मिठाइयां पसंद हैं?

रिमीडियल कार्य (15-20 मिनट)
- पिछले सप्ताह किए गए साप्ताहिक आकलन के आधार पर बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य करें। इसके लिए स्तरानुसार वर्ण/अक्षर/शब्द/वाक्यांश/वाक्य स्तर की गतिविधि कराएँ। बाकी बच्चों को प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास स्वतंत्र रूप से पढ़ने को कहें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा: बच्चों द्वारा लेखन कार्य किए जाने के दौरान क्या आपने घूम-घूमकर उनके कार्य का अवलोकन किया? बच्चों के लेखन कार्य का अवलोकन करें एवं आवश्यकतानुसार दैनिक रूप से सहायता दें।

पाठ्यपुस्तक 'सारंगी-2' पर कार्य

कालांश 1 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ-16 से चयनित पाठ्यांश 'फसल पक..... रह गया' का मार्गदर्शित पठन।

विषयवस्तु: पाठ-16 **'गिलहरी और कौआ'**

तैयारी: पाठ्यांश आधारित प्रश्न

पाठ्यांश का आदर्श वाचन करना (7-10 मिनट)

- कल की चर्चा को दोहराते हुए पाठ्यांश से संबंधित कुछ बंद छोर के प्रश्न बच्चों से पूछें, फिर चयनित पाठ्यांश को हाव-भाव के साथ पढ़कर सुनाएँ।

मार्गदर्शन में पठन (7-10 मिनट)

- बच्चों को जोड़ियों/समूहों में बाँटकर चयनित पाठ्यांश को बारी-बारी से पढ़ने (मार्गदर्शन में पठन) को कहें। जो बच्चे अभी भी शब्द स्तर पर हों, उन पर विशेष ध्यान दें और उनकी सहायता करें। बाकी बच्चों की आवश्यकतानुसार सहायता करें।

बच्चों द्वारा प्रश्न बनाना (5-7 मिनट)

- कुछ बच्चों को पढ़े गए पाठ्यांश से सवाल बनाकर बाकी बच्चों से प्रश्न पूछने का अवसर दें। फिर बच्चों को पूछे गए प्रश्नों के उत्तर पूरे वाक्य में देने को कहें। अगर बच्चे प्रश्न नहीं बना पा रहे हैं तो आप उनकी सहायता करें।

पाठ अभ्यास एवं संबंधित लेखन कार्य (7-10 मिनट)

- पाठ्यपुस्तक के पाठ की गतिविधि **(बातचीत के लिए 3-4)** के प्रश्नों पर बच्चों से मौखिक रूप से चर्चा करें।

कार्यपुस्तिका (भाग-1) पर कार्य

कालांश 2 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ-16 पर आधारित स्तरित पाठ का मार्गदर्शन में पठन एवं लेखन अभ्यास।

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 66

तैयारी: पाठ की गतिविधियों को पहले से समझ लें।

कार्यपुस्तिका सप्ताह-16 दिवस-4 पर कार्य करें -
स्तरित पाठ पर संक्षिप्त चर्चा एवं मार्गदर्शन में पठन (12-15 मिनट)

- पिछले दिन की चर्चा को दोहराते हुए स्तरित पाठ से संबंधित 2-3 बंद छोर के प्रश्न बच्चों से पूछें।
- बच्चों को जोड़ियों/समूहों में पिछले दिन के पाठ को बारी-बारी से पढ़ने को कहें।
- **गतिविधि-1 (5 मिनट) :** दिए गए शब्दों एवं उनके अर्थ को पाठ के संदर्भ एवं बच्चों के परिवेश से जोड़कर चर्चा करें। फिर प्रत्येक शब्द पर बच्चों के साथ मौखिक रूप से वाक्य बनवाएँ। अंत में, सभी बच्चों को स्वतंत्र रूप से पढ़ने को कहें।
- **गतिविधि-2 (5 मिनट) :** आप बोर्ड पर स्तरित पाठ के कुछ उदाहरण (कार्यपुस्तिका से भिन्न) देते हुए बच्चों के साथ चर्चा करें कि कैसे सही शब्दों को चुनकर वाक्य को पूरा किया जाता है। फिर कुछ बच्चों से प्रतिक्रिया लें। अंत में, सभी बच्चों को उत्तर लिखने को कहें।
- **गतिविधि-3 (5-7 मिनट) :** आप मौखिक रूप से 'संज्ञा की अवधारणा' बच्चों को उदाहरण के साथ समझाएँ, जैसे- 'दिनेश ने कहा सुरेश आएगा।' इसमें 'दिनेश' और 'सुरेश' संज्ञा शब्द हैं, क्योंकि ये लोगों के नाम हैं। फिर कार्यपुस्तिका की गतिविधि पर कार्य करने को कहें और आवश्यकतानुसार उनकी सहायता करें।
- **गतिविधि-4 (5 मिनट) :** आप बच्चों के साथ गतिविधि पर मौखिक रूप से चर्चा करें कि खेतों में क्या-क्या काम होता है। इस पर 3-4 बच्चों से प्रतिक्रिया लें। फिर उत्तर लिखने को कहें।

कार्यपुस्तिका (भाग-2) पर कार्य

कालांश 3 40 मिनट

बच्चों को प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास के मौके देना एवं अतिरिक्त सहायता की आवश्यकता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य।

विषयवस्तु: प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-27 क्र. 4 एवं रिमीडियल कार्य

तैयारी: रिमीडियल की गतिविधि संदर्शिका से देखें।

प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास (10-15 मिनट)

- कार्यपुस्तिका के प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-27 क्र. 4 पर सप्ताह-14 के दिवस 4 के सभी चरणों के अनुसार कार्य करें।
- अंत में, प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-27 क्र. 4 से संबंधित कुछ बंद छोर के प्रश्न पूछें, जैसे- क्या आपने कभी झूला, झूला है? यदि हाँ तो कहाँ?

रिमीडियल कार्य (15-20 मिनट)

- पिछले सप्ताह किए गए साप्ताहिक आकलन के आधार पर बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य करें। इसके लिए स्तरानुसार वर्ण/अक्षर/शब्द/वाक्यांश/वाक्य स्तर की गतिविधि कराएँ। बाकी बच्चों को प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास स्वतंत्र रूप से पढ़ने को कहें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा: क्या कक्षा के संचालन के दौरान बच्चों को अपनी बात साझा करने का पर्याप्त अवसर मिला। प्रयास हमेशा यह रहना चाहिए कि सभी बच्चों को अपनी बात साझा करने के पर्याप्त अवसर मिलें।

मौखिक भाषा विकास पर कार्य

कालांश 1 40 मिनट

पाठ पर आधारित पुनरावृत्ति और चित्रात्मक घटनाक्रम को समझ पाना।

विषयवस्तु: चित्र कहानी पोस्टर-3

तैयारी: चित्र कहानी पोस्टर को देखकर कहानी तैयार करें।

पाठ्यपुस्तक के पाठ पर आधारित पुनरावृत्ति (5-7 मिनट)

- पाठ-16 से संबंधित कुछ कठिन/अमूर्त शब्दों को बोर्ड पर लिखें और उन्हें बच्चों से पढ़ने को कहें, जैसे- साइकिल, चबूतरा आदि। फिर कुछ बच्चों को उन शब्दों से मौखिक रूप से वाक्य बनाकर सुनाने को कहें।

चित्र कहानी पोस्टर पर शिक्षक द्वारा चर्चा (5-7 मिनट)

- आप बच्चों को गोल घेरे में बैठाएं और चित्र कहानी पोस्टर के चारों चित्र एक-एक करके दिखाते हुए कुछ बंद छोर के प्रश्न पूछें, जैसे- सीढ़ी पर कौन चढ़ रहा था? सबसे भारी जानवर कौन था? आदि।
- अब आप बच्चों को चारों चित्र समग्रता में देखने के लिए समय दें।

चित्रों पर आधारित कहानी बनाना (10-12 मिनट)

- अब आप चारों चित्रों को जोड़ते हुए एक छोटी कहानी (8-10 छोटे वाक्यों वाली) स्वयं बनाकर मौखिक रूप से 2 बार बच्चों को सुनाएँ। फिर कुछ बच्चों से कहानी अपने शब्दों में सभी बच्चों को सुनाने को कहें।

लेखन कार्य (7-10 मिनट)

- आप बच्चों को कहानी के आधार पर कुछ शब्द लिखने को कहें। फिर बच्चों को जोड़ियों/समूह में उन शब्दों पर बातचीत करने को कहें। अंत में, 3-4 जोड़ियों/समूहों को अपनी चर्चा सभी के साथ साझा करने को कहें।

कार्यपुस्तिका (भाग-1) पर कार्य

कालांश 2 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ-16 पर आधारित स्तरित पाठ का मार्गदर्शित, स्वतंत्र पठन एवं लेखन अभ्यास।

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 67

तैयारी: पाठ की गतिविधियों को पहले से समझ लें।

कार्यपुस्तिका सप्ताह-16 दिवस-5 पर कार्य करें -
स्तरित पाठ का आदर्श वाचन एवं चर्चा (7-10 मिनट)

- स्तरित पाठ का 2 बार पूरे हाव-भाव से आदर्श वाचन करें। फिर बच्चों से पाठ से संबंधित बंद एवं खुले छोर के प्रश्न करें, जैसे- बाबा के पास कितने बैल हैं? बाबा खेतों में कौन-कौन सी फसल उगा सकते हैं? आदि।

स्वतंत्र पठन (7-10मिनट)

- प्रत्येक बच्चे को स्तरित पाठ को स्वतंत्र रूप से पढ़ने को कहें। फिर बच्चों से स्तरित पाठ का सस्वर वाचन करने को कहें, इस दौरान बाकी बच्चे अंगुली रखते हुए अनुसरण करें।
- **गतिविधि-1 (7-10 मिनट):** प्रत्येक प्रश्न पर बच्चों से प्रतिक्रिया लें। प्रतिक्रिया से संबंधित कठिन शब्दों को बोर्ड पर लिखें, फिर स्तरित पाठ में दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखने को कहें।

नोटबुक पर कार्य :

- **गतिविधि-2 (5-7 मिनट) :** आप बोर्ड पर 4x5 का ग्रिड बनाकर उसमें कुछ ऐसे वर्ण/अक्षर लिखें, जिनसे कुछ सार्थक शब्द (ऊपर से नीचे, दाएँ से बाएँ) बनाए जा सकें। आप बच्चों को जोड़ियों में बाँटकर ग्रिड से सार्थक शब्द बनाकर कॉपी में लिखने और पढ़ने को कहें। अंत में, 3-4 जोड़ियों से उनके द्वारा बनाए गए शब्द पढ़ने को कहें।

स्वतंत्र पठन पर कार्य

कालांश 3 40 मिनट

बच्चों द्वारा चयनित किताब का स्वतंत्र पठन एवं अतिरिक्त सहायता की आवश्यकता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य।

विषयवस्तु: स्वतंत्र पठन एवं रिमीडियल कार्य

तैयारी: चित्रात्मक कहानी की पुस्तकें।

स्वतंत्र पठन (15-17 मिनट)

- आप बच्चों को पुस्तकालय या रीडिंग कॉर्नर से चित्र सहित छोटी कहानी की किताबें अपनी इच्छा से चुनने एवं पढ़ने का अवसर दें। बच्चों को किताबों को उलटने-पलटने, पढ़ने एवं आपस में बातचीत करने के पर्याप्त अवसर दें।
- कुछ बच्चों लगभग 50% (कोशिश करें हर सप्ताह नए बच्चों को मौका मिले) को उनकी किताब की कहानी पर अपनी बात रखने का अवसर दें। बच्चे जैसी भी कहानी बताएँ, उसे स्वीकार करें। बच्चों को कहानी वाक्यों में बताने की अपेक्षा रखें एवं उन्हें सहयोग करें।

रिमीडियल कार्य (15-20 मिनट)

- अवलोकन के आधार पर अतिरिक्त सहायता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य करें। इसके लिए बच्चों के स्तरानुसार वर्ण/शब्द स्तर की गतिविधियाँ कराएँ।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा: बच्चों द्वारा लेखन कार्य किए जाने के दौरान क्या आपने घूम-घूमकर उनके कार्यों का अवलोकन किया? बच्चों के लेखन कार्य का अवलोकन करें एवं आवश्यकतानुसार दैनिक रूप से उनकी सहायता करें।

मौखिक भाषा विकास पर कार्य

कालांश 1 | 40 मिनट

चित्रात्मक घटनाक्रम को समझ पाना।

विषयवस्तु: चित्र कहानी पोस्टर-3

तैयारी: चित्र कहानी पोस्टर को देखकर कहानी तैयार करें।

शिक्षक द्वारा चित्र कहानी पोस्टर पर चर्चा (10-12 मिनट)

- बच्चों को कल की चर्चा को दोहराते हुए एक बार पुनः चित्र कहानी पोस्टर दिखाएँ और बच्चों से 6-7 खुले छोर के प्रश्न पूछते हुए बातचीत करें, जैसे- शेर और बंदर अगर सी-सॉ पर बैठेंगे तो कौन नीचे होगा और कौन ऊपर? आदि।
- अब 3-4 बच्चों को कल की कहानी को अपने शब्दों में सुनाने का मौका दें।

बच्चों द्वारा समूह कार्य (10-15 मिनट)

- आप बच्चों को छोटे समूह (4-5 बच्चों वाले) में बाँटें और निर्देश दें कि चित्र कहानी पोस्टर के चारों चित्रों के आधार पर उन्हें एक नई कहानी मिलकर बनानी है।
- इस दौरान आप कक्षा में घूम-घूमकर आवश्यकतानुसार उनकी सहायता करें। अंत में, आप प्रत्येक समूह के 1-2 बच्चों को उनकी कहानी सभी के साथ साझा करने को कहें।

लेखन कार्य (7-10 मिनट)

- आप बच्चों से अपने समूह में चित्र कहानी से संबंधित 2 वाक्य लिखने को कहें। फिर कुछ बच्चों से उनके लेखन कार्य को सभी के साथ साझा करने को कहें।

आप समूह कार्य में सभी बच्चों की सहभागिता सुनिश्चित करें।

आकलन

कालांश 2 | 40 मिनट

साप्ताहिक आकलन

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 67

तैयारी: आकलन की योजना और प्रश्न पहले से तैयार करें।

- आप सभी बच्चों को कार्यपुस्तिका के सप्ताह-16 दिवस 3 और 5 के कार्यपत्रक में दिए गए पाठ को दोबारा पढ़ने को कहें। फिर उन्हें कार्यपुस्तिका के भाग-2 प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास 27 को भी पढ़ने को कहे, साथ ही उपलब्ध अन्य पठन सामग्रियों को पढ़ने को प्रोत्साहित करें।

शिक्षक द्वारा आकलन (30-35 मिनट) :

- आप बच्चों को बारी-बारी से बुलाएँ और उन्हें कार्यपुस्तिका से **'मैंने सीख लिया'** को पढ़ने को कहें।
- बच्चों को **'मैंने सीख लिया'** को पढ़ने के लिए पर्याप्त समय दें। अगर बच्चे झिझक रहें हों तो उन्हें सहज महसूस कराएँ।
- बच्चों द्वारा जितने शब्द सही पढ़े गए हों, उनकी संख्या कोष्ठक में लिखें।
- फिर दिए गए प्रश्न बच्चों से मौखिक रूप से पूछें, प्रत्येक सही उत्तर के लिए 1 अंक कोष्ठक में लिखें।

आकलन

कालांश 3 | 40 मिनट

साप्ताहिक आकलन

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 67

तैयारी: आकलन की योजना पहले से तैयार कर लें।

शिक्षक द्वारा आकलन (25-27 मिनट)

- आप कालांश-2 के आकलन को जारी रखें।

सुनकर लिखें (10 मिनट)

- आप बच्चों को सामूहिक रूप से 'सुनकर लिखें' गतिविधि करवाएँ। सभी बच्चों के लिख लेने के बाद, आप बोर्ड पर वाक्य लिख दें और बच्चों को एक-दूसरे की कॉपी जाँचने को कहें। इस पर कार्य करने के विस्तृत चरणों को संदर्शिका से देखें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा: जिन बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य किया गया है, क्या वे बच्चे इस अभ्यास को सफलतापूर्वक कर पाए हैं या नहीं, इसे देखने के लिए उन बच्चों द्वारा किए गए कार्य को अवश्य जाँचें।

पाठ्यपुस्तक 'सारंगी-2' पर कार्य

कालांश 1 | 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ को पढ़कर सुनाना एवं चर्चा करना।

विषयवस्तु: पाठ-17 **'बरसात और मेंढ़क'**

तैयारी: कठिन शब्द, बंद और खुले छोर के प्रश्न

पाठ का आदर्श वाचन करना (7-10 मिनट)

- पाठ के चित्रों और शीर्षक के आधार पर पाठ की विषयवस्तु का अनुमान लगवाएँ। पूरे पाठ को हाव-भाव के साथ 1-2 बार पढ़कर सुनाएँ। बच्चे पाठ से जुड़े रहें, इसके लिए बीच-बीच में कुछ बंद छोर के प्रश्न पूछें।

पाठ को मौखिक रूप से सुनाना और चर्चा (7-10 मिनट)

- अब आप पाठ की कहानी को अपने शब्दों में सुनाएँ।
- पाठ से सम्बन्धित कुछ बंद एवं 6-7 खुले छोर के प्रश्न बच्चों से पूछें, जैसे- गाय क्या बोली? घास सूखकर कैसी हो गई थी? अगर मेंढ़क नहीं मानता तो बारिश कैसे होती? आदि।

शब्दावली विकास (5-7 मिनट)

- पाठ के कठिन/अमूर्त शब्दों जैसे- भूख, माफी आदि को बोर्ड पर लिखें और उनके अर्थ को पाठ के संदर्भ और बच्चों के परिवेश से जोड़कर बताएँ।

पाठ अभ्यास एवं संबंधित लेखन कार्य (7-10 मिनट)

- पाठ्यपुस्तक के पाठ की गतिविधि **(शब्दों का खेल)** पर बच्चों से चर्चा करें और फिर उन्हें उत्तर लिखने को कहें।
- बच्चों के लेखन कार्य पर व्यक्तिगत फीडबैक दें एवं आवश्यकतानुसार उनकी सहायता करें।

कार्यपुस्तिका (भाग-1) पर कार्य

कालांश 2 | 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ-17 से संबंधित विस्तारित गतिविधि पर कार्य।

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 68

तैयारी: पाठ की गतिविधियों को पहले से समझ लें।

कार्यपुस्तिका सप्ताह-17 दिवस-1 पर कार्य करें -

- **गतिविधि-1 (7-10 मिनट)** : शब्दों को आदर्श रूप से पढ़ें और बच्चों को अंगुली रखते हुए अनुसरण करने को कहें। फिर उन्हें जोड़ियों/समूहों में पढ़ने को कहें।
- **गतिविधि-2 (7-10 मिनट)** : आप बोर्ड पर उदाहरण (कार्यपुस्तिका से भिन्न) देते हुए गतिविधि समझाएँ, जैसे- बकरी मैं-मैं करती है। विभिन्न जानवरों/ पक्षियों की आवाजों पर बच्चों से प्रतिक्रिया लें। फिर उन्हें उत्तर लिखने को कहें।
- **गतिविधि-3 (7-10 मिनट)** : आप बच्चों के साथ बोर्ड पर उदाहरण (कार्यपुस्तिका से भिन्न) देते हुए गतिविधि समझाएँ, जैसे- दूध लेने के लिए हम ग्वाले के पास जाते हैं। फिर कार्यपुस्तिका में दी गई गतिविधि का उत्तर लिखने को कहें।
- **गतिविधि-4 (5-7 मिनट)** : आप बोर्ड पर उदाहरण (कार्यपुस्तिका से भिन्न) देकर गतिविधि समझाएँ। फिर कार्यपुस्तिका में दी गई गतिविधि का उत्तर लिखने को कहें।

कार्यपुस्तिका (भाग-2) पर कार्य

कालांश 3 | 40 मिनट

बच्चों को प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास के मौके देना एवं अतिरिक्त सहायता की आवश्यकता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य।

विषयवस्तु: प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-28 क्र. 1 एवं रिमीडियल कार्य

तैयारी: रिमीडियल की गतिविधि संदर्शिका से देखें।

प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास (10-15 मिनट)

- कार्यपुस्तिका के प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-28 क्र. 1 पर सप्ताह-14 के दिवस 1 के सभी चरणों के अनुसार कार्य करें।
- अंत में, प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-28 क्र. 1 से संबंधित कुछ बंद छोर के प्रश्न पूछें, जैसे- नैना और आसिफ एक ही साथ बरगद के पेड़ तक क्यों पहुँचे?

रिमीडियल कार्य (15-20 मिनट)

- पिछले सप्ताह किए गए साप्ताहिक आकलन के आधार पर बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य करें। इसके लिए स्तरानुसार वर्ण/अक्षर/शब्द/वाक्यांश/वाक्य स्तर की गतिविधि कराएँ। बाकी बच्चों को प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास स्वतंत्र रूप से पढ़ने को कहें।

सभी बच्चों को प्रतिभाग करने के लिए प्रोत्साहित करें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा: बच्चों द्वारा लेखन कार्य किए जाने के दौरान क्या आपने घूम-घूमकर उनके कार्यों का अवलोकन किया? बच्चों के लेखन कार्य का अवलोकन करें एवं आवश्यकतानुसार दैनिक रूप से उनकी सहायता करें।

पाठ्यपुस्तक 'सारंगी-2' पर कार्य

कालांश 1 | 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ का दोहराव और समृद्ध चर्चा।

विषयवस्तु: पाठ-17 **'बरसात और मेंढ़क'**

तैयारी: पाठ आधारित प्रश्न

पाठ का दोहराव करना (7-10 मिनट)

- कल की चर्चा को दोहराते हुए पाठ की कहानी को अपने शब्दों में सुनाएँ और चर्चा को आगे बढ़ाते हुए पाठ से संबंधित कुछ बंद छोर के प्रश्न बच्चों से पूछें।

शब्दावली विकास (5-7 मिनट)

- कल बोर्ड पर लिखे गए कठिन/अमूर्त शब्दों को दोबारा लिखें और बच्चों को पढ़कर सुनाएँ। अब प्रत्येक शब्द से बच्चों के साथ मौखिक रूप से वाक्य बनवाएँ।

पाठ पर समृद्ध चर्चा (7-10 मिनट)

- पाठ पर समृद्ध समझ बनाने के लिए पाठ से संबंधित 6-7 खुले छोर के प्रश्न बच्चों से पूछें, जैसे- कमली और सोमारू अगर नदी से पानी लाकर घास को नहीं देते तो क्या होता? आदि। चर्चा में प्रत्येक बच्चे को अपनी बात कहने के अवसर दें।

पाठ अभ्यास एवं संबंधित लेखन कार्य (7-10 मिनट)

- पाठ्यपुस्तक के पाठ की गतिविधि **(बातचीत के लिए 1-3)** पर बच्चों से मौखिक रूप से चर्चा करें।

कार्यपुस्तिका (भाग-1) पर कार्य

कालांश 2 | 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ-17 से संबंधित विस्तारित गतिविधि पर कार्य।

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 69

तैयारी: पाठ की गतिविधियों को पहले से समझ लें।

कार्यपुस्तिका सप्ताह-17 दिवस-2 पर कार्य करें -

- **गतिविधि-1 (7-10 मिनट) :** दिए गए शब्दों एवं उनके अर्थ को पाठ के संदर्भ एवं बच्चों के परिवेश से जोड़कर चर्चा करें। फिर प्रत्येक शब्द पर बच्चों के साथ मौखिक रूप से वाक्य बनवाएँ। अंत में, सभी बच्चों को स्वतंत्र रूप से पढ़ने को कहें।
- **गतिविधि-2 (5-7 मिनट) :** आप बोर्ड पर पिछले दिन के स्तरित पाठ के कुछ उदाहरण (कार्यपुस्तिका से भिन्न) देते हुए बच्चों के साथ चर्चा करें कि कैसे सही शब्दों को चुनकर वाक्य को पूरा किया जाता है। फिर कुछ बच्चों से प्रतिक्रिया लें। अंत में, सभी बच्चों को उत्तर लिखने को कहें।
- **गतिविधि-3 (5-7 मिनट) :** आप बच्चों के साथ मौखिक रूप से चर्चा करें कि अगर बारिश लगातार कई दिनों तक होती रहे तो क्या होगा। फिर कार्यपुस्तिका में दी गई गतिविधि लिखने को कहें।
- **गतिविधि-4 (5-7मिनट) :** आप बच्चों के साथ मौखिक रूप से चर्चा करें कि दूध से क्या-क्या बनाया जाता है। फिर कार्यपुस्तिका में दी गई गतिविधि बच्चों को करने को कहें।
- **गतिविधि-5 (5 मिनट) :** आप 4-6 शब्दों के दो वाक्य बोलें और बच्चों से लिखने को कहें।

☞ **'सुनकर लिखें'** गतिविधि समाप्त होने पर आप बोले गए वाक्यों को बोर्ड पर लिखें और बच्चों को जोड़ियों में करके एक-दूसरे की कार्यपुस्तिका जाँचने को कहें।

कार्यपुस्तिका (भाग-2) पर कार्य

कालांश 3 | 40 मिनट

बच्चों को प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास के मौके देना एवं अतिरिक्त सहायता की आवश्यकता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य।

विषयवस्तु: प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-28 क्र. 2 एवं रिमीडियल कार्य

तैयारी: रिमीडियल की गतिविधि संदर्शिका से देखें।

प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास (10-15 मिनट)

- कार्यपुस्तिका के प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-28 क्र. 2 पर सप्ताह-14 के दिवस 2 के सभी चरणों के अनुसार कार्य करें।
- अंत में, प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-28 क्र. 2 से संबंधित कुछ बंद छोर के प्रश्न पूछें, जैसे- टिंकू और मिंकू कपड़े और बोरे के अतिरिक्त और क्या-क्या काटते होंगे?

रिमीडियल कार्य (15-20 मिनट)

- पिछले सप्ताह किए गए साप्ताहिक आकलन के आधार पर बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य करें। इसके लिए स्तरानुसार वर्ण/अक्षर/शब्द/वाक्यांश/वाक्य स्तर की गतिविधि कराएँ। बाकी बच्चों को प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास स्वतंत्र रूप से पढ़ने को कहें।

☞ पाठ में आए कठिन/अमूर्त शब्दों पर बच्चों के साथ चर्चा करें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा: क्या कक्षा संचालन के दौरान आपने बच्चों की प्रतिक्रिया से नए खुले छोर के प्रश्न पूछे? प्रयास यह हो कि बच्चों की प्रतिक्रिया से नए खुले छोर के प्रश्न पूछे जाएँ, ताकि बच्चों की अभिव्यक्ति मुखर हो। साथ ही, उनकी तार्किक क्षमता का विकास हो।

पाठ्यपुस्तक 'सारंगी-2' पर कार्य

कालांश 1 — 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ को मौखिक रूप से सुनाना एवं समृद्ध चर्चा करना।

विषयवस्तु: पाठ-17 **'बरसात और मेंढ़क'**

तैयारी: बंद एवं खुले छोर के प्रश्नों को तैयार करें।

बच्चों द्वारा कहानी को अपने शब्दों में सुनाना (10-15 मिनट)

- कुछ बच्चों को पाठ की कहानी अपने शब्दों में सुनाने को कहें।
- कहानी सुनाते समय यदि बच्चे कहानी को क्रमवार नहीं सुना पाएँ या कहानी में कोई नया पात्र जोड़ते हैं या कोई अपनी नई कहानी सुनाते हैं आदि, तो उसे भी स्वीकार करें और उस पर चर्चा करें।

पाठ पर समृद्ध चर्चा (10-12 मिनट)

- बच्चे जब कहानी सुना लें तो उनसे बातचीत करें कि कहानी को आगे कैसे बढ़ाया जा सकता है, जैसे- कमली और सोमारू को शहद खाना हो तो कहानी कैसे आगे बढ़ेगी? आदि। ऐसे ही 6-7 खुले छोर के प्रश्नों को जोड़ते हुए कहानी को आगे बढ़ाएँ।

पाठ अभ्यास एवं संबंधित लेखन कार्य (7-10 मिनट)

- पाठ्यपुस्तक के पाठ की गतिविधि **(चित्रकारी और लेखन)** पर मौखिक रूप चर्चा करें। फिर उन्हें उत्तर लिखने को कहें।
- बच्चों के लेखन कार्य पर व्यक्तिगत फीडबैक दें एवं आवश्यकतानुसार उनकी सहायता करें।

कार्यपुस्तिका (भाग-1) पर कार्य

कालांश 2 — 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ-17 पर आधारित स्तरित पाठ का पठन एवं लेखन अभ्यास।

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 70 71

तैयारी: पाठ की गतिविधियों को पहले से समझ लें।

कार्यपुस्तिका सप्ताह-17 दिवस-3 पर कार्य करें -

स्तरित पाठ का आदर्श वाचन एवं चर्चा (10-12 मिनट)

- स्तरित पाठ के चित्रों और शीर्षक के आधार पर कहानी का अनुमान लगवाएँ। स्तरित पाठ को हाव-भाव के साथ 1-2 बार आदर्श रूप में पढ़कर सुनाएँ। बच्चे स्तरित पाठ से जुड़े रहें, इसके लिए बीच-बीच में 2-3 बंद छोर के प्रश्न पूछें।

स्तरित पाठ पर समृद्ध चर्चा (7-10 मिनट)

- स्तरित पाठ से संबंधित खुले छोर के प्रश्न बच्चों से पूछें, जैसे- फुदकू हरी-हरी घास में क्यों छिप गया था? आदि। पुनः एक बार पाठ का आदर्श वाचन करें।

स्तरित पाठ आधारित कार्य (7-10 मिनट)

- प्रत्येक प्रश्न पर बच्चों से प्रतिक्रिया लें। प्रतिक्रिया से संबंधित कठिन शब्दों को बोर्ड पर लिखें। फिर स्तरित पाठ में दिए गए प्रश्नों के उत्तर वाक्यों में लिखने को कहें।
- **गतिविधि-1 (5 मिनट) :** आप बच्चों को विलोम शब्दों की अवधारणा बोर्ड पर उदाहरण (कार्यपुस्तिका से भिन्न) देकर समझाएँ और अभ्यास करवाएँ। अंत में, सभी बच्चों को उत्तर लिखने को कहें।

सुनिश्चित करें कि सभी बच्चे गतिविधि में प्रतिभाग करें।

कार्यपुस्तिका (भाग-2) पर कार्य

कालांश 3 — 40 मिनट

बच्चों को प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास के मौके देना एवं अतिरिक्त सहायता की आवश्यकता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य।

विषयवस्तु: प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-28 क्र. 3 एवं रिमीडियल कार्य

तैयारी: रिमीडियल की गतिविधि संदर्शिका से देखें।

प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास (10-15 मिनट)

- कार्यपुस्तिका के प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-28 क्र. 3 पर सप्ताह-14 के दिवस 3 के सभी चरणों के अनुसार कार्य करें।
- अंत में, प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-28 क्र. 3 से संबंधित कुछ बंद छोर के प्रश्न पूछें, जैसे- अमर भूरी बकरी को पीपल के पत्ते के अलावा और क्या-क्या खिलाता होगा?

रिमीडियल कार्य (15-20 मिनट)

- पिछले सप्ताह किए गए साप्ताहिक आकलन के आधार पर बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य करें। इसके लिए स्तरानुसार वर्ण/अक्षर/शब्द/वाक्यांश/वाक्य स्तर की गतिविधि कराएँ। बाकी बच्चों को प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास स्वतंत्र रूप से पढ़ने को कहें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा: आज की गतिविधि के दौरान क्या आप सभी बच्चों को उनके नाम से संबोधित कर पाए? प्रयास यह होना चाहिए कि बच्चों को हमेशा उनके नाम से संबोधित करें।

पाठ्यपुस्तक 'सारंगी-2' पर कार्य

कालांश 1 40 मिनट

बच्चों द्वारा अनुभव साझा करना।

विषयवस्तु: पाठ-17 पर आधारित अनुभव साझा करना

तैयारी: बंद एवं खुले छोर के प्रश्नों को तैयार करें।

बच्चों द्वारा अनुभव सुनाना (10-15 मिनट)

- कल की चर्चा को दोहराते हुए 'बरसात' से जुड़े अपने अनुभव जैसे- आपको बरसात कैसी लगती है और क्यों? आदि संक्षेप में सुनाएँ। फिर बच्चों को 'बरसात' से संबंधित अपने अनुभव सुनाने को कहें। बच्चों को अपने घर की भाषा में अपनी बात कहने के अवसर दें। सुनिश्चित करें कि सभी बच्चों को बोलने का अवसर मिले।

मौखिक खेल गतिविधि (5-7 मिनट)

- पाठ के किसी एक शब्द से शुरुआत करके बच्चों को शब्द अन्त्याक्षरी खेलने को कहें। जैसे- नदी, दीपक, कमली आदि।

पाठ अभ्यास एवं संबंधित लेखन कार्य (10-15 मिनट)

- पाठ्यपुस्तक की गतिविधि **(आनन्दमयी कविता)** पर बच्चों से मौखिक रूप से चर्चा करें।

☞ आप अनुभव पर कार्य के चरणों को इस संदर्शिका से देखें।

कार्यपुस्तिका (भाग-1) पर कार्य

कालांश 2 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ-17 पर आधारित स्तरित पाठ का मार्गदर्शन में पठन एवं लेखन अभ्यास।

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 72

तैयारी: पाठ की गतिविधियों को पहले से समझ लें।

कार्यपुस्तिका सप्ताह-17 दिवस-4 पर कार्य करें -

स्तरित पाठ पर संक्षिप्त चर्चा एवं मार्गदर्शन में पठन (12-15 मिनट)

- पिछले दिन की चर्चा को दोहराते हुए स्तरित पाठ से संबंधित 2-3 बंद छोर के प्रश्न बच्चों से पूछें।
- बच्चों को जोड़ियों/समूहों में पिछले दिन के पाठ को बारी-बारी से पढ़ने को कहें।
- **गतिविधि-1 (5 मिनट) :** दिए गए शब्दों एवं उनके अर्थ को पाठ के संदर्भ एवं बच्चों के परिवेश से जोड़कर चर्चा करें। फिर प्रत्येक शब्द पर बच्चों के साथ मौखिक रूप से वाक्य बनवाएँ। अंत में, सभी बच्चों को स्वतंत्र रूप से पढ़ने को कहें।
- **गतिविधि-2 (5 मिनट) :** आप मौखिक रूप से बच्चों के साथ कहानी में वाक्यों के क्रम का उदाहरण (कार्यपुस्तिका से भिन्न) देते हुए गतिविधि समझाएँ। फिर कार्यपुस्तिका में दिए गए वाक्य के आगे सही क्रम संख्या लिखने को कहें।
- **गतिविधि-3 (5 मिनट) :** आप बोर्ड पर एक छोटी ग्रिड का उदाहरण (कार्यपुस्तिका से भिन्न) द्वारा खाली स्थान में वर्ण/अक्षर लिखकर शब्द खोजने की प्रक्रिया बच्चों को करके बताएँ। फिर दी गई गतिविधि करने को कहें।
- **गतिविधि-4 (5-7 मिनट) :** आप उदाहरण के रूप में 3-4 शब्दों (कार्यपुस्तिका से भिन्न) का उपयोग मौखिक रूप से वाक्यों में कहानी बनाकर दिखाएँ और बोर्ड पर लिखें। फिर दी गई गतिविधि को करने को कहें। आवश्यकतानुसार बच्चों की सहायता करें।

कार्यपुस्तिका (भाग-2) पर कार्य

कालांश 3 40 मिनट

बच्चों को प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास के मौके देना एवं अतिरिक्त सहायता की आवश्यकता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य।

विषयवस्तु: प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-28 क्र. 4 एवं रिमीडियल कार्य

तैयारी: रिमीडियल की गतिविधि संदर्शिका से देखें।

प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास (10-15 मिनट)

- कार्यपुस्तिका के प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-28 क्र. 4 पर सप्ताह-14 के दिवस 4 के सभी चरणों के अनुसार कार्य करें।
- अंत में, प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-28 क्र. 4 से संबंधित कुछ बंद छोर के प्रश्न पूछें, जैसे- गाँव में दंगल में क्या होता होगा?

रिमीडियल कार्य (15-20 मिनट)

- पिछले सप्ताह किए गए साप्ताहिक आकलन के आधार पर बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य करें। इसके लिए स्तरानुसार वर्ण/अक्षर/शब्द/वाक्यांश/वाक्य स्तर की गतिविधि कराएँ। बाकी बच्चों को प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास स्वतंत्र रूप से पढ़ने को कहें।

☞ प्रयास करें कि आज की गतिविधि में प्रतिभाग करने वाले सभी बच्चों को एक मिनट का समय मिले।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा: बच्चों द्वारा लेखन कार्य किए जाने के दौरान क्या आपने घूम-घूमकर उनके कार्य का अवलोकन किया? बच्चों के लेखन कार्य का अवलोकन करें एवं आवश्यकतानुसार दैनिक रूप से सहायता दें।

मौखिक भाषा विकास पर कार्य

कालांश 1 | 40 मिनट

पाठ पर आधारित पुनरावृत्ति और चित्रात्मक घटनाक्रम को समझ पाना।

विषयवस्तु: चित्र कहानी पोस्टर-4

तैयारी: चित्र कहानी पोस्टर को देखकर कहानी तैयार करें।

पाठ्यपुस्तक के पाठ पर आधारित पुनरावृत्ति (5-7 मिनट)

- पाठ-17 से संबंधित कुछ कठिन/अमूर्त शब्दों को बोर्ड पर लिखें और उन्हें बच्चों से पढ़ने को कहें, जैसे- आराम, फलदार आदि।
- फिर कुछ बच्चों को उन शब्दों से मौखिक रूप से वाक्य बनाकर सुनाने को कहें।

चित्र कहानी पोस्टर पर शिक्षक द्वारा चर्चा (5-7 मिनट)

- आप बच्चों को गोल घेरे में बैठाएं और चित्र कहानी पोस्टर के चारों चित्र एक-एक करके दिखाते हुए कुछ बंद छोर के प्रश्न पूछें, जैसे- मथनी कौन चला रहा था? बंदर के मुँह में क्या लगा हुआ था? आदि।
- अब आप बच्चों को चारों चित्र समग्रता में देखने के लिए समय दें।

चित्रों पर आधारित कहानी बनाना (10-12 मिनट)

- अब आप चारों चित्रों को जोड़ते हुए एक छोटी कहानी (8-10 छोटे वाक्यों वाली) स्वयं बनाकर मौखिक रूप से 2 बार बच्चों को सुनाएँ। फिर कुछ बच्चों से कहानी अपने शब्दों में सभी बच्चों को सुनाने को कहें।

लेखन कार्य (7-10 मिनट)

- आप बच्चों को कहानी के आधार पर कुछ शब्द लिखने को कहें। फिर बच्चों को जोड़ियों/समूह में उन शब्दों पर बातचीत करने को कहें। अंत में, 3-4 जोड़ियों/समूहों को अपनी चर्चा सभी के साथ साझा करने को कहें।

कार्यपुस्तिका (भाग-1) पर कार्य

कालांश 2 | 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ-17 पर आधारित स्तरित पाठ का मार्गदर्शित, स्वतंत्र पठन एवं लेखन अभ्यास।

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 73

तैयारी: पाठ की गतिविधियों को पहले से समझ लें।

कार्यपुस्तिका सप्ताह-17 दिवस-5 पर कार्य करें -
स्तरित पाठ का आदर्श वाचन एवं चर्चा (7-10 मिनट)

- स्तरित पाठ का 2 बार पूरे हाव-भाव से आदर्श वाचन करें। फिर बच्चों से पाठ से संबंधित बंद एवं खुले छोर के प्रश्न करें, जैसे- गाँव के लोग फल कहाँ से तोड़ते हैं? गाँव के लोग फल बाजार में क्यों बेच देते थे? आदि।

स्वतंत्र पठन (7-10मिनट)

- प्रत्येक बच्चे को स्तरित पाठ को स्वतंत्र रूप से पढ़ने को कहें। फिर बच्चों से स्तरित पाठ का सस्वर वाचन करने को कहें, इस दौरान बाकी बच्चे अंगुली रखते हुए अनुसरण करें।

- **गतिविधि-1 (7-10 मिनट) :** प्रत्येक प्रश्न पर बच्चों से प्रतिक्रिया लें। प्रतिक्रिया से संबंधित कठिन शब्दों को बोर्ड पर लिखें, फिर स्तरित पाठ में दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखने को कहें।

नोटबुक पर कार्य :

- **गतिविधि-2 (5-7 मिनट) :** आप 4-6 शब्दों के दो वाक्य बोलें और बच्चों से लिखने को कहें।

☞ **'सुनकर लिखें'** गतिविधि समाप्त होने पर आप बोले गए वाक्यों को बोर्ड पर लिखें और बच्चों को जोड़ियों में करके एक-दूसरे की नोटबुक/कॉपी जाँचने को कहें।

स्वतंत्र पठन पर कार्य

कालांश 3 | 40 मिनट

बच्चों द्वारा चयनित किताब का स्वतंत्र पठन एवं अतिरिक्त सहायता की आवश्यकता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य।

विषयवस्तु: स्वतंत्र पठन एवं रिमीडियल कार्य

तैयारी: चित्रात्मक कहानी की पुस्तकें।

स्वतंत्र पठन (15-17 मिनट)

- आप बच्चों को पुस्तकालय या रीडिंग कॉर्नर से चित्र सहित छोटी कहानी की किताबें अपनी इच्छा से चुनने एवं पढ़ने का अवसर दें। बच्चों को किताबों को उलटने-पलटने, पढ़ने एवं आपस में बातचीत करने के पर्याप्त अवसर दें।
- कुछ बच्चों लगभग 50% (कोशिश करें हर सप्ताह नए बच्चों को मौका मिले) को उनकी किताब की कहानी पर अपनी बात रखने का अवसर दें। बच्चे जैसी भी कहानी बताएँ, उसे स्वीकार करें। बच्चों को कहानी वाक्यों में बताने की अपेक्षा रखें एवं उन्हें सहयोग करें।

रिमीडियल कार्य (15-20 मिनट)

- अवलोकन के आधार पर अतिरिक्त सहायता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य करें। इसके लिए बच्चों के स्तरानुसार वर्ण/शब्द स्तर की गतिविधियाँ कराएँ।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा: बच्चों को अपनी प्रतिक्रिया पूरे वाक्यों में देने को प्रोत्साहित करें।

मौखिक भाषा विकास पर कार्य

कालांश 1 40 मिनट

चित्रात्मक घटनाक्रम को समझ पाना।

विषयवस्तु: चित्र कहानी पोस्टर-4

तैयारी: चित्र कहानी पोस्टर को देखकर कहानी तैयार करें।

शिक्षक द्वारा चित्र कहानी पोस्टर पर चर्चा (10-12 मिनट)

- बच्चों को कल की चर्चा को दोहराते हुए एक बार पुनः चित्र कहानी पोस्टर दिखाएँ और बच्चों से 6-7 खुले छोर के प्रश्न पूछते हुए बातचीत करें, जैसे- औरत बंदर को और कैसे भगा सकती थी? औरत मक्खन निकालकर उसका क्या-क्या करती होगी? आदि।
- अब 3-4 बच्चों को कल की कहानी को अपने शब्दों में सुनाने का मौका दें।

बच्चों द्वारा समूह कार्य (10-15 मिनट)

- आप बच्चों को छोटे समूह (4-5 बच्चों वाले) में बाँटें और निर्देश दें कि चित्र कहानी पोस्टर के चारों चित्रों के आधार पर उन्हें एक नई कहानी मिलकर बनानी है।
- इस दौरान आप कक्षा में घूम-घूमकर आवश्यकतानुसार उनकी सहायता करें। अंत में, आप प्रत्येक समूह के 1-2 बच्चों को उनकी कहानी सभी के साथ साझा करने को कहें।

लेखन कार्य (7-10 मिनट)

- आप बच्चों से अपने समूह में चित्र कहानी से संबंधित 3-4 वाक्य लिखने को कहें। फिर कुछ बच्चों से उनके लेखन कार्य को सभी के साथ साझा करने को कहें।

आप समूह कार्य में सभी बच्चों की सहभागिता सुनिश्चित करें।

आकलन

कालांश 2 40 मिनट

साप्ताहिक आकलन

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 73

तैयारी: आकलन की योजना और प्रश्न पहले से तैयार करें।

- आप सभी बच्चों को कार्यपुस्तिका के सप्ताह-17 दिवस 3 और 5 के कार्यपत्रक में दिए गए पाठ को दोबारा पढ़ने को कहें। फिर उन्हें कार्यपुस्तिका के भाग-2 प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास 28 को भी पढ़ने को कहे, साथ ही उपलब्ध अन्य पठन सामग्रियों को पढ़ने को प्रोत्साहित करें।

शिक्षक द्वारा आकलन (30-35 मिनट) :

- आप बच्चों को बारी-बारी से बुलाएँ और उन्हें कार्यपुस्तिका से **'मैंने सीख लिया'** को पढ़ने को कहें।
- बच्चों को **'मैंने सीख लिया'** को पढ़ने के लिए पर्याप्त समय दें। अगर बच्चे झिझक रहें हों तो उन्हें सहज महसूस कराएँ।
- बच्चों द्वारा जितने शब्द सही पढ़े गए हों, उनकी संख्या कोष्ठक में लिखें।
- फिर दिए गए प्रश्न बच्चों से मौखिक रूप से पूछें, प्रत्येक सही उत्तर के लिए 1 अंक कोष्ठक में लिखें।

आकलन

कालांश 3 40 मिनट

साप्ताहिक आकलन

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 73

तैयारी: आकलन की योजना पहले से तैयार कर लें।

शिक्षक द्वारा आकलन (25-27 मिनट)

- आप कालांश-2 के आकलन को जारी रखें।

सुनकर लिखें (10 मिनट)

- आप बच्चों को सामूहिक रूप से 'सुनकर लिखें' गतिविधि करवाएँ। सभी बच्चों के लिख लेने के बाद, आप बोर्ड पर वाक्य लिख दें और बच्चों को एक-दूसरे की कॉपी जाँचने को कहें। इस पर कार्य करने के विस्तृत चरणों को संदर्शिका से देखें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा: जिन बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य किया गया है, क्या वे बच्चे इस अभ्यास को सफलतापूर्वक कर पाए हैं या नहीं, इसे देखने के लिए उन बच्चों द्वारा किए गए कार्य को अवश्य जाँचें।

पाठ्यपुस्तक 'सारंगी-2' पर कार्य

कालांश 1 | 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ को पढ़कर सुनाना एवं चर्चा करना।

विषयवस्तु: पाठ-18 'कुसंगति का फल'

तैयारी: कठिन शब्द, बंद और खुले छोर के प्रश्न

पाठ का आदर्श वाचन करना (7-10 मिनट)

- पाठ के चित्रों और शीर्षक के आधार पर पाठ की विषयवस्तु का अनुमान लगवाएँ। पूरे पाठ को हाव-भाव के साथ 1-2 बार पढ़कर सुनाएँ। बच्चे पाठ से जुड़े रहें, इसके लिए बीच-बीच में कुछ बंद छोर के प्रश्न पूछें।

पाठ को मौखिक रूप से सुनाना और चर्चा (7-10 मिनट)

- अब आप पाठ की कहानी को अपने शब्दों में सुनाएँ।
- पाठ से सम्बन्धित कुछ बंद एवं 6-7 खुले छोर के प्रश्न बच्चों से पूछें, जैसे- राजा के बिस्तर में कौन रहता था? राजा क्यों तड़प उठा होगा? आदि।

शब्दावली विकास (5-7 मिनट)

- पाठ के कठिन/अमूर्त शब्दों जैसे- लालची, अतिथि आदि को बोर्ड पर लिखें और उनके अर्थ को पाठ के संदर्भ और बच्चों के परिवेश से जोड़कर बताएँ।

पाठ अभ्यास एवं संबंधित लेखन कार्य (7-10 मिनट)

- पाठ्यपुस्तक के पाठ की गतिविधि **(शब्दों का खेल 1, 3)** पर बच्चों से चर्चा करें और फिर उन्हें उत्तर लिखने को कहें।
- बच्चों के लेखन कार्य पर व्यक्तिगत फीडबैक दें एवं आवश्यकतानुसार उनकी सहायता करें।

कार्यपुस्तिका (भाग-1) पर कार्य

कालांश 2 | 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ-18 से संबंधित विस्तारित गतिविधि पर कार्य।

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 74

तैयारी: पाठ की गतिविधियों को पहले से समझ लें।

कार्यपुस्तिका सप्ताह-18 दिवस-1 पर कार्य करें -

- **गतिविधि-1 (7-10 मिनट) :** शब्दों को आदर्श रूप से पढ़ें और बच्चों को अंगुली रखते हुए अनुसरण करने को कहें। फिर उन्हें जोड़ियों/समूहों में पढ़ने को कहें।
- **गतिविधि-2 (5-7 मिनट) :** आप बोर्ड पर उदाहरण (कार्यपुस्तिका से भिन्न) द्वारा गतिविधि समझाएं। 3-4 बच्चों से मौखिक रूप से चर्चा करें कि किसने किससे क्या कहा। अंत में, सभी बच्चों को कार्यपुस्तिका में दी गई गतिविधि का उत्तर लिखने को कहें।
- **गतिविधि-3 (5-7 मिनट) :** बच्चों को एकवचन और बहुवचन की अवधारणा बोर्ड पर उदाहरण (कार्यपुस्तिका से भिन्न) के साथ समझाएँ और अभ्यास करवाएँ। फिर कार्यपुस्तिका में दी गई गतिविधि बच्चों को करने को कहें।
- **गतिविधि-4 (5-7 मिनट) :** आप उदाहरण के रूप में कुछ शब्दों (कार्यपुस्तिका से भिन्न) का उपयोग मौखिक रूप से वाक्यों में करके बताएँ और बोर्ड पर लिखें। फिर दी गई गतिविधि को करने को कहें।
- **गतिविधि-5 (5 मिनट) :** आप 4-6 शब्दों के दो वाक्य बोलें और बच्चों से लिखने को कहें।

'सुनकर लिखें' गतिविधि समाप्त होने पर आप बोले गए वाक्यों को बोर्ड पर लिखें और बच्चों को जोड़ियों में करके एक-दूसरे की कार्यपुस्तिका जाँचने को कहें।

कार्यपुस्तिका (भाग-2) पर कार्य

कालांश 3 | 40 मिनट

बच्चों को प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास के मौके देना एवं अतिरिक्त सहायता की आवश्यकता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य।

विषयवस्तु: प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-29 क्र. 1 एवं रिमीडियल कार्य

तैयारी: रिमीडियल की गतिविधि संदर्शिका से देखें।

प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास (10-15 मिनट)

- कार्यपुस्तिका के प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-29 क्र. 1 पर सप्ताह-14 के दिवस 1 के सभी चरणों के अनुसार कार्य करें।
- अंत में, प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-29 क्र. 1 से संबंधित कुछ बंद छोर के प्रश्न पूछें, जैसे- आपके खेत में कौन-कौन सी फसलें होती हैं?

रिमीडियल कार्य (15-20 मिनट)

- पिछले सप्ताह किए गए साप्ताहिक आकलन के आधार पर बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य करें। इसके लिए स्तरानुसार वर्ण/ अक्षर/शब्द/वाक्यांश/वाक्य स्तर की गतिविधि कराएँ। बाकी बच्चों को प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास स्वतंत्र रूप से पढ़ने को कहें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा: क्या कक्षा संचालन के दौरान आपने बच्चों की प्रतिक्रिया से नए खुले छोर के प्रश्न पूछे? प्रयास यह हो कि बच्चों की प्रतिक्रिया से नए खुले छोर के प्रश्न पूछे जाएँ, ताकि बच्चों की अभिव्यक्ति मुखर हो। साथ ही, उनकी तार्किक क्षमता का विकास हो।

पाठ्यपुस्तक 'सारंगी-2' पर कार्य

कालांश 1 — 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ का दोहराव और समृद्ध चर्चा।

विषयवस्तु: पाठ-18 **'कुसंगति का फल'**

तैयारी: पाठ आधारित प्रश्न

पाठ का दोहराव करना (7-10 मिनट)

- कल की चर्चा को दोहराते हुए पाठ की कहानी को अपने शब्दों में सुनाएँ और चर्चा को आगे बढ़ाते हुए पाठ से संबंधित कुछ बंद छोर के प्रश्न बच्चों से पूछें।

शब्दावली विकास (5-7 मिनट)

- कल बोर्ड पर लिखे गए कठिन/अमूर्त शब्दों को दोबारा लिखें और बच्चों को पढ़कर सुनाएँ। अब प्रत्येक शब्द से बच्चों के साथ मौखिक रूप से वाक्य बनवाएँ।

पाठ पर समृद्ध चर्चा (7-10 मिनट)

- पाठ पर समृद्ध समझ बनाने के लिए पाठ से संबंधित 6-7 खुले छोर के प्रश्न बच्चों से पूछें, जैसे- खटमल ने क्यों कहा होगा कि मैं तुम्हारा अतिथि हूँ, आदि। चर्चा में प्रत्येक बच्चे को अपनी बात कहने के अवसर दें।

पाठ अभ्यास एवं संबंधित लेखन कार्य (7-10 मिनट)

- पाठ्यपुस्तक के पाठ की गतिविधि **(शब्दों का खेल 4 और बातचीत के लिए 1-2)** पर बच्चों से मौखिक रूप से चर्चा करें और उन्हें उत्तर लिखने को कहें। बच्चों के लेखन कार्य पर व्यक्तिगत फीडबैक दें एवं आवश्यकतानुसार उनकी सहायता करें।

कार्यपुस्तिका (भाग-1) पर कार्य

कालांश 2 — 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ-18 से संबंधित विस्तारित गतिविधि पर कार्य।

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 75

तैयारी: पाठ की गतिविधियों को पहले से समझ लें।

कार्यपुस्तिका सप्ताह-18 दिवस-2 पर कार्य करें -

- **गतिविधि-1 (7-10 मिनट) :** दिए गए शब्दों एवं उनके अर्थ को पाठ के संदर्भ एवं बच्चों के परिवेश से जोड़कर चर्चा करें। फिर प्रत्येक शब्द पर बच्चों के साथ मौखिक रूप से वाक्य बनवाएँ। अंत में, सभी बच्चों को स्वतंत्र रूप से पढ़ने को कहें।
- **गतिविधि-2 (5-7 मिनट) :** आप मौखिक रूप से 'विशेषता की अवधारणा' बच्चों को उदाहरण के साथ समझाएँ, जैसे- **'शेर'** का **'दहाड़ना'** शब्द शेर की विशेषता बता रहा है, आदि। फिर कार्यपुस्तिका की गतिविधि पर कार्य करने को कहें और आवश्यकतानुसार उनकी सहायता करें।
- **गतिविधि-3 (5-7 मिनट) :** आप मौखिक रूप से 'संज्ञा की अवधारणा' बच्चों को उदाहरण के साथ समझाएँ, जैसे- 'काजल और मीना दोस्त हैं।' इसमें 'काजल' और 'मीना' संज्ञा शब्द हैं क्योंकि ये लोगों के नाम हैं। फिर कार्यपुस्तिका की गतिविधि पर कार्य करने को कहें और आवश्यकतानुसार उनकी सहायता करें।
- **गतिविधि-4 (5-7मिनट) :** आप बोर्ड पर पाठ्यपुस्तक के पाठ आधारित दो अलग-अलग वाक्यों के उदाहरण (कार्यपुस्तिका से भिन्न) द्वारा मिलाकर लिखने और पढ़ने का अभ्यास बच्चों से करवाएँ, जैसे- मैं खाना - खाता हूँ → मैं खाना खाता हूँ। फिर दी गई गतिविधि को करने को कहें।
- **गतिविधि-5 (5 मिनट) :** आप 4-6 शब्दों के दो वाक्य बोलें और बच्चों से लिखने को कहें।

☞ **'सुनकर लिखें'** गतिविधि समाप्त होने पर आप बोले गए वाक्यों को बोर्ड पर लिखें और बच्चों को जोड़ियों में करके एक-दूसरे की कार्यपुस्तिका जाँचने को कहें।

कार्यपुस्तिका (भाग-2) पर कार्य

कालांश 3 — 40 मिनट

बच्चों को प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास के मौके देना एवं अतिरिक्त सहायता की आवश्यकता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य।

विषयवस्तु: प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-29 क्र. 2 एवं रिमीडियल कार्य

तैयारी: रिमीडियल की गतिविधि संदर्शिका से देखें।

प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास (10-15 मिनट)

- कार्यपुस्तिका के प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-29 क्र. 2 पर सप्ताह-14 के दिवस 2 के सभी चरणों के अनुसार कार्य करें।
- अंत में, प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-29 क्र. 2 से संबंधित कुछ बंद छोर के प्रश्न पूछें, जैसे- अगर किसी दिन सूरज न निकले तो क्या होगा?

रिमीडियल कार्य (15-20 मिनट)

- पिछले सप्ताह किए गए साप्ताहिक आकलन के आधार पर बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य करें। इसके लिए स्तरानुसार वर्ण/ अक्षर/शब्द/वाक्यांश/वाक्य स्तर की गतिविधि कराएँ। बाकी बच्चों को प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास स्वतंत्र रूप से पढ़ने को कहें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा: बच्चों द्वारा लेखन कार्य किए जाने के दौरान क्या आपने घूम-घूमकर उनके कार्यों का अवलोकन किया? बच्चों के लेखन कार्य का अवलोकन करें एवं आवश्यकतानुसार दैनिक रूप से उनकी सहायता करें।

पाठ्यपुस्तक 'सारंगी-2' पर कार्य

कालांश 1 — 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ को मौखिक रूप से सुनाना एवं समृद्ध चर्चा करना।

विषयवस्तु: पाठ-18 **'कुसंगति का फल'** मौखिक कहानी

तैयारी: बंद एवं खुले छोर के प्रश्नों को तैयार करें।

बच्चों द्वारा कहानी को अपने शब्दों में सुनाना (10-15 मिनट)

- कुछ बच्चों को पाठ की कहानी अपने शब्दों में सुनाने को कहें।
- कहानी सुनाते समय यदि बच्चे कहानी को क्रमवार नहीं सुना पाएँ या कहानी में कोई नया पात्र जोड़ते हैं या कोई अपनी नई कहानी सुनाते हैं आदि, तो उसे भी स्वीकार करें और उस पर चर्चा करें।

पाठ पर समृद्ध चर्चा (10-12 मिनट)

- बच्चे जब कहानी सुना लें तो उनसे बातचीत करें कि चर्चा को आगे कैसे बढ़ाया जा सकता है। जैसे- सिपाही अगर जूं को नहीं मसलते तो क्या होता? आदि। ऐसे ही 6-7 खुले छोर के प्रश्नों को जोड़ते हुए चर्चा को आगे बढ़ाएँ।

पाठ अभ्यास एवं संबंधित लेखन कार्य (7-10 मिनट)

- पाठ्यपुस्तक के पाठ की गतिविधि **(शब्दों का खेल 3)** पर मौखिक रूप चर्चा करें और फिर उन्हें उत्तर लिखने को कहें।
- बच्चों के लेखन कार्य पर व्यक्तिगत फीडबैक दें एवं आवश्यकतानुसार उनकी सहायता करें।

कार्यपुस्तिका (भाग-1) पर कार्य

कालांश 2 — 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ-18 पर आधारित स्तरित पाठ का पठन एवं लेखन अभ्यास।

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 76 77

तैयारी: पाठ की गतिविधियों को पहले से समझ लें।

कार्यपुस्तिका सप्ताह-18 दिवस-3 पर कार्य करें -

स्तरित पाठ का आदर्श वाचन एवं चर्चा (10-12 मिनट)

- स्तरित पाठ के चित्रों और शीर्षक के आधार पर कहानी का अनुमान लगवाएँ। स्तरित पाठ को हाव-भाव के साथ 1-2 बार आदर्श रूप में पढ़कर सुनाएँ। बच्चे स्तरित पाठ से जुड़े रहें, इसके लिए बीच-बीच में 2-3 बंद छोर के प्रश्न पूछें।

स्तरित पाठ पर समृद्ध चर्चा (7-10 मिनट)

- स्तरित पाठ से संबंधित खुले छोर के प्रश्न बच्चों से पूछें, जैसे- क्या शेर ने कभी यह सोचा होगा कि वह चूहे से हार जाएगा? आदि। पुनः एक बार पाठ का आदर्श वाचन करें।

स्तरित पाठ आधारित कार्य (7-10 मिनट)

- प्रत्येक प्रश्न पर बच्चों से प्रतिक्रिया लें। प्रतिक्रिया से संबंधित कठिन शब्दों को बोर्ड पर लिखें। फिर स्तरित पाठ में दिए गए प्रश्नों के उत्तर वाक्यों में लिखने को कहें।
- **गतिविधि-1 (5 मिनट) :** आप मौखिक रूप से उदाहरण (कार्यपुस्तिका से भिन्न) देते हुए चर्चा करें कि दो जानवरों की दौड़ हो तो कौन जीतेगा और क्यों, जैसे- बकरी और गाय की दौड़ में कौन जीतेगा? फिर कार्यपुस्तिका में दी गई गतिविधि को बच्चों से करने को कहें।

☞ सुनिश्चित करें कि सभी बच्चे गतिविधि में प्रतिभाग करें ।

कार्यपुस्तिका (भाग-2) पर कार्य

कालांश 3 — 40 मिनट

बच्चों को प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास के मौके देना एवं अतिरिक्त सहायता की आवश्यकता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य।

विषयवस्तु: प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-29 क्र. 3 एवं रिमीडियल कार्य

तैयारी: रिमीडियल की गतिविधि संदर्शिका से देखें।

प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास (10-15 मिनट)

- कार्यपुस्तिका के प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-29 क्र. 3 पर सप्ताह-14 के दिवस 3 के सभी चरणों के अनुसार कार्य करें।
- अंत में, प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-29 क्र. 3 से संबंधित कुछ बंद छोर के प्रश्न पूछें, जैसे- शेर पेड़ पर क्यों नहीं चढ़ पाता है?

रिमीडियल कार्य (15-20 मिनट)

- पिछले सप्ताह किए गए साप्ताहिक आकलन के आधार पर बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य करें। इसके लिए स्तरानुसार वर्ण/ अक्षर/शब्द/वाक्यांश/वाक्य स्तर की गतिविधि कराएँ। बाकी बच्चों को प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास स्वतंत्र रूप से पढ़ने को कहें।

☞ पाठ में आए कठिन/अमूर्त शब्दों पर बच्चों के साथ चर्चा करें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा: आज की गतिविधि के दौरान क्या आप सभी बच्चों को उनके नाम से संबोधित कर पाए? प्रयास यह होना चाहिए कि बच्चों को हमेशा उनके नाम से संबोधित करें।

पाठ्यपुस्तक 'सारंगी-2' पर कार्य

कालांश 1 — 40 मिनट

चित्र के बारे में अपने घर की भाषा में बात करना।

विषयवस्तु: पाठ्यपुस्तक चित्र **'खेल-कूद'**

तैयारी: बंद एवं खुले छोर के प्रश्नों को तैयार करें।

चित्र पर शिक्षक द्वारा चर्चा (5-7 मिनट)

- आप बच्चों से पाठ्यपुस्तक के चित्र में दिख रही चीजों/घटनाओं/गतिविधियों के बारे में कुछ बंद छोर के प्रश्न पूछें, जैसे- पानी में कागज की कितनी नाव हैं? कितने बच्चे बैडमिंटन खेल रहे हैं? आदि। फिर प्रत्येक प्रश्न पर बच्चों की प्रतिक्रिया लें।

चित्र पर समृद्ध चर्चा (10-15 मिनट)

- आप चर्चा को आगे बढ़ाएँ और 6-7 खुले छोर के प्रश्न भी पूछें, जैसे- चित्र में दिखाए गए खेलों में से कौन-कौन सा खेल आप अपने साथियों के साथ खेलते हैं? आदि।

लेखन कार्य (10-15 मिनट)

- बच्चों को चित्र **'खेल-कूद'** से संबंधित कोई चित्र बनाने और कुछ शब्द या 2-3 वाक्य लिखने को कहें। फिर बच्चों को अपना लेखन कार्य और चित्र अपने साथी को दिखाते हुए उस पर बातचीत करने को कहें।
- फिर किन्हीं 3-4 बच्चों को अपने विचार पूरी कक्षा के साथ में साझा करने को कहें। बच्चों के बनाए चित्रों को **'बच्चों का कोना'** में लगा दें।

कार्यपुस्तिका (भाग-1) पर कार्य

कालांश 2 — 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ-18 पर आधारित स्तरित पाठ का मार्गदर्शन में पठन एवं लेखन अभ्यास।

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 78

तैयारी: पाठ की गतिविधियों को पहले से समझ लें।

कार्यपुस्तिका सप्ताह-18 दिवस-4 पर कार्य करें -
स्तरित पाठ पर संक्षिप्त चर्चा एवं मार्गदर्शन में पठन (12-15 मिनट)

- पिछले दिन की चर्चा को दोहराते हुए स्तरित पाठ से संबंधित 2-3 बंद छोर के प्रश्न बच्चों से पूछें।
- बच्चों को जोड़ियों/समूहों में पिछले दिन के पाठ को बारी-बारी से पढ़ने को कहें।
- **गतिविधि-1 (5 मिनट) :** दिए गए शब्दों एवं उनके अर्थ को पाठ के संदर्भ एवं बच्चों के परिवेश से जोड़कर चर्चा करें। फिर प्रत्येक शब्द पर बच्चों के साथ मौखिक रूप से वाक्य बनवाएँ। अंत में, सभी बच्चों को स्वतंत्र रूप से पढ़ने को कहें।
- **गतिविधि-2 (5-7 मिनट) :** आप बोर्ड पर पिछले दिवस के स्तरित पाठ पर आधारित कुछ उदाहरण (कार्यपुस्तिका से भिन्न) देते हुए बच्चों के साथ चर्चा करें कि कैसे सही शब्दों को चुनकर वाक्य को पूरा किया जाता है। फिर कुछ बच्चों से प्रतिक्रिया लें। अंत में, सभी बच्चों को उत्तर लिखने को कहें।
- **गतिविधि-3 (5 मिनट) :** आप बोर्ड पर 4-5 शब्द (कार्यपुस्तिका से भिन्न) लिखें और उन शब्दों को मौखिक रूप से वाक्यों में उपयोग करके समझाएँ। फिर कार्यपुस्तिका में दी गई गतिविधि बच्चों को करने को कहें।
- **गतिविधि-4 (5 मिनट) :** आप पूर्णविराम की अवधारणा बच्चों को समझाएँ। उदाहरण (कार्यपुस्तिका से भिन्न) के रूप में बोर्ड पर कुछ वाक्य लिखें और पूर्ण विराम कहाँ लगाना है और क्यों, इस पर चर्चा करें। फिर कार्यपुस्तिका में दी गई गतिविधि बच्चों को करने को कहें।

कार्यपुस्तिका (भाग-2) पर कार्य

कालांश 3 — 40 मिनट

बच्चों को प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास के मौके देना एवं अतिरिक्त सहायता की आवश्यकता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य।

विषयवस्तु: प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-29 क्र. 4 एवं रिमीडियल कार्य

तैयारी: रिमीडियल की गतिविधि संदर्शिका से देखें।

प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास (10-15 मिनट)

- कार्यपुस्तिका के प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-29 क्र. 4 पर सप्ताह-14 के दिवस 4 के सभी चरणों के अनुसार कार्य करें।
- अंत में, प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-29 क्र. 4 से संबंधित कुछ बंद छोर के प्रश्न पूछें, जैसे- घर आकर काजल ने अपनी माँ से क्या-क्या कहा होगा?

रिमीडियल कार्य (15-20 मिनट)

- पिछले सप्ताह किए गए साप्ताहिक आकलन के आधार पर बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य करें। इसके लिए स्तरानुसार वर्ण/ अक्षर/शब्द/वाक्यांश/वाक्य स्तर की गतिविधि कराएँ। बाकी बच्चों को प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास स्वतंत्र रूप से पढ़ने को कहें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा: बच्चों द्वारा लेखन कार्य किए जाने के दौरान क्या आपने घूम-घूमकर उनके कार्य का अवलोकन किया? बच्चों के लेखन कार्य का अवलोकन करें एवं आवश्यकतानुसार दैनिक रूप से सहायता दें।

मौखिक भाषा विकास पर कार्य

कालांश 1 40 मिनट

पाठ पर आधारित पुनरावृत्ति और बच्चे भाषा के उच्चस्तरीय कौशलों का उपयोग करना सीख पाएँगे।

विषयवस्तु: सृजनात्मक गतिविधि

तैयारी: गतिविधि से संबंधित जरूरी सामग्री एकत्र कर लें।

पाठ्यपुस्तक के पाठ पर आधारित पुनरावृत्ति (5-7 मिनट)

- पाठ-18 से संबंधित कुछ कठिन/अमूर्त शब्दों को बोर्ड पर लिखें और उन्हें बच्चों से पढ़ने को कहें, जैसे- अतिथि, मसलना आदि।
- फिर कुछ बच्चों को उन शब्दों से मौखिक रूप से वाक्य बनाकर सुनाने को कहें।

गतिविधि पर शिक्षक द्वारा चर्चा (7-10 मिनट)

- आप सृजनात्मक गतिविधि- '**कक्षा का मानचित्र**' के विस्तृत चरणों को संदर्शिका से देखें। गतिविधि से सम्बन्धित सभी निर्देश स्पष्टता के साथ बच्चों को देते हुए कार्य करवाएँ।

बच्चों द्वारा समूह कार्य (7-10 मिनट)

- आप बच्चों को गतिविधि के चरणों के अनुसार कार्य करने को कहें।

लेखन कार्य (7-10 मिनट)

- बच्चों को जोड़ियों में बाँटकर पंखे के बारे में लिखने को कहें। फिर उन्हें अपने साथियों को दिखाते हुए चर्चा करने को कहें।
- कुछ बच्चों को बुलाकर उनके द्वारा बनाए गए चित्रों पर हुई चर्चा को सभी के साथ साझा करने को कहें।

बच्चे यदि केवल शब्द लिख पा रहे हों तो उन्हें स्वीकार करते हुए वाक्य लिखने को प्रेरित करें।

कार्यपुस्तिका (भाग-1) पर कार्य

कालांश 2 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ-18 पर आधारित स्तरित पाठ का मार्गदर्शित, स्वतंत्र पठन एवं लेखन अभ्यास।

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 79

तैयारी: पाठ की गतिविधियों को पहले से समझ लें।

कार्यपुस्तिका सप्ताह-18 दिवस-5 पर कार्य करें -

स्तरित पाठ का आदर्श वाचन एवं चर्चा (7-10 मिनट)

- स्तरित पाठ का 2 बार पूरे हाव-भाव से आदर्श वाचन करें। फिर बच्चों से पाठ से संबंधित बंद एवं खुले छोर के प्रश्न करें, जैसे- डिब्बे से निकलते ही कुत्ता क्या हिलाने लगा? कुत्ते के मुँह में डिब्बा फँस जाने से वो घबराने क्यों लगा था? आदि।

स्वतंत्र पठन (7-10मिनट)

- प्रत्येक बच्चे को स्तरित पाठ को स्वतंत्र रूप से पढ़ने को कहें। फिर बच्चों से स्तरित पाठ का सस्वर वाचन करने को कहें, इस दौरान बाकी बच्चे अंगुली रखते हुए अनुसरण करें।
- **गतिविधि-1 (7-10 मिनट) :** प्रत्येक प्रश्न पर बच्चों से प्रतिक्रिया लें। प्रतिक्रिया से संबंधित कठिन शब्दों को बोर्ड पर लिखें, फिर स्तरित पाठ में दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखने को कहें।

नोटबुक पर कार्य :

- **गतिविधि-2 (5-7 मिनट) :** आप बोर्ड पर वर्ण (इ, फ, ब, घ, ध, श, छ, च, प, ल, स, त) और मात्रा ('ा', 'ि', ' ु') लिख दें। आप दिए गए वर्ण/मात्रा से 2-3 सार्थक शब्द बनाकर गतिविधि समझाएँ। अब आप बच्चों को जोड़ियों में बाँटकर बोर्ड पर लिखे वर्ण/मात्रा से ज्यादा से ज्यादा सार्थक शब्द बनाकर कॉपी/ नोटबुक में लिखने और पढ़ने को कहें। अंत में, 3-4 जोड़ियों से उनके द्वारा बनाए गए शब्द पढ़ने को कहें।

स्वतंत्र पठन पर कार्य

कालांश 3 40 मिनट

बच्चों द्वारा चयनित किताब का स्वतंत्र पठन एवं अतिरिक्त सहायता की आवश्यकता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य।

विषयवस्तु: स्वतंत्र पठन एवं रिमीडियल कार्य

तैयारी: चित्रात्मक कहानी की पुस्तकें।

स्वतंत्र पठन (15-17 मिनट)

- आप बच्चों को पुस्तकालय या रीडिंग कॉर्नर से चित्र सहित छोटी कहानी की किताबें अपनी इच्छा से चुनने एवं पढ़ने का अवसर दें। बच्चों को किताबों को उलटने-पलटने, पढ़ने एवं आपस में बातचीत करने के पर्याप्त अवसर दें।
- कुछ बच्चों लगभग 50% (कोशिश करें हर सप्ताह नए बच्चों को मौका मिले) को उनकी किताब की कहानी पर अपनी बात रखने का अवसर दें। बच्चे जैसी भी कहानी बताएँ, उसे स्वीकार करें। बच्चों को कहानी वाक्यों में बताने की अपेक्षा रखें एवं उन्हें सहयोग करें।

रिमीडियल कार्य (15-20 मिनट)

- अवलोकन के आधार पर अतिरिक्त सहायता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य करें। इसके लिए बच्चों के स्तरानुसार वर्ण/शब्द स्तर की गतिविधियाँ कराएँ।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा: बच्चों को अपनी प्रतिक्रिया पूरे वाक्यों में देने को प्रोत्साहित करें।

मौखिक भाषा विकास पर कार्य

कालांश 1 40 मिनट

अपनी भाषा में अनुभव साझा करना।

विषयवस्तु: अनुभव पर चर्चा

तैयारी: विषय से संबंधित चर्चा के बिन्दु तय कर लें।

शिक्षक द्वारा अनुभव पर चर्चा (5-7 मिनट)

- आप बच्चों को बताएँ कि आज हम अपने **पसंदीदा खेल** के बारे में बात करेंगे।
- आप 5-7 वाक्यों में स्वयं के **पसंदीदा खेल** के अनुभवों के बारे में बच्चों को बताएँ, जैसे- मुझे क्रिकेट खेलना बहुत पसंद है? मैं रोज शाम को क्रिकेट खेलता हूँ? आदि। खेल से जुड़ा यदि कोई खास अनुभव हो तो उसे भी बच्चों के साथ साझा करें।

बच्चों द्वारा अनुभव साझा करना (10-15 मिनट)

- अब बच्चों को खेल के अनुभव पर अपने विचार/समझ कम से कम 3-4 वाक्यों में व्यक्त करने के लिए प्रोत्साहित करें। इसके लिए विषय से जुड़े 7-8 खुले छोर के प्रश्न भी पूछें।

लेखन कार्य (10-15 मिनट)

- आप बच्चों से खेल से जुड़ा कोई चित्र बनाने और उसके बारे में कुछ शब्द/2-3 वाक्य लिखने को कहें। फिर बच्चों से जोड़ियों में बात करने को कहें।
- बच्चों के कार्य का अवलोकन करें और आवश्यकतानुसार उनकी सहायता करें। कुछ बच्चों को अपने विचार पूरी कक्षा के साथ साझा करने को कहें।

सुनिश्चित करें कि बच्चे वाक्यों में प्रतिक्रिया दें।

आकलन

कालांश 2 40 मिनट

साप्ताहिक आकलन

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 79

तैयारी: आकलन की योजना और प्रश्न पहले से तैयार करें।

- आप सभी बच्चों को कार्यपुस्तिका के सप्ताह-18 दिवस 3 और 5 के कार्यपत्रक में दिए गए पाठ को दोबारा पढ़ने को कहें। फिर उन्हें कार्यपुस्तिका के भाग-2 प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास 29 को भी पढ़ने को कहे, साथ ही उपलब्ध अन्य पठन सामग्रियों को पढ़ने को प्रोत्साहित करें।

शिक्षक द्वारा आकलन (30-35 मिनट) :

- आप बच्चों को बारी-बारी से बुलाएँ और उन्हें कार्यपुस्तिका से **'मैंने सीख लिया'** को पढ़ने को कहें।
- बच्चों को **'मैंने सीख लिया'** को पढ़ने के लिए पर्याप्त समय दें। अगर बच्चे झिझक रहें हों तो उन्हें सहज महसूस कराएँ।
- बच्चों द्वारा जितने शब्द सही पढ़े गए हों, उनकी संख्या कोष्ठक में लिखें।
- फिर दिए गए प्रश्न बच्चों से मौखिक रूप से पूछें, प्रत्येक सही उत्तर के लिए 1 अंक कोष्ठक में लिखें।

आकलन

कालांश 3 40 मिनट

साप्ताहिक आकलन

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 79

तैयारी: आकलन की योजना पहले से तैयार कर लें।

शिक्षक द्वारा आकलन (25-27 मिनट)

- आप कालांश-2 के आकलन को जारी रखें।

सुनकर लिखें (10 मिनट)

- आप बच्चों को सामूहिक रूप से 'सुनकर लिखें' गतिविधि करवाएँ। सभी बच्चों के लिख लेने के बाद, आप बोर्ड पर वाक्य लिख दें और बच्चों को एक-दूसरे की कॉपी जाँचने को कहें। इस पर कार्य करने के विस्तृत चरणों को संदर्शिका से देखें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा: जिन बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य किया गया है, क्या वे बच्चे इस अभ्यास को सफलतापूर्वक कर पाए हैं या नहीं, इसे देखने के लिए उन बच्चों द्वारा किए गए कार्य को अवश्य जाँचें।

पाठ्यपुस्तक 'सारंगी-2' पर कार्य

कालांश 1 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ-19 का आदर्श वाचन एवं चयनित पाठ्यांश 'छुट्टी का दिन..... चली गई' का मार्गदर्शित पठन।

विषयवस्तु: पाठ-19 **'आउट'**

तैयारी: पाठ्यांश आधारित प्रश्न

पाठ का आदर्श वाचन करना (7-10 मिनट)

- पाठ के चित्रों और शीर्षक के आधार पर कहानी की विषयवस्तु का अनुमान लगवाएँ। पूरे पाठ को हाव-भाव के साथ 1-2 बार पढ़कर सुनाएँ। बच्चे पाठ से जुड़े रहें, इसके लिए बीच-बीच में कुछ बंद छोर के प्रश्न पूछें।

कहानी को मौखिक रूप से सुनाना और चर्चा करना (7-10 मिनट)

- पाठ की कहानी या केन्द्रीय बिंदु को अपने शब्दों में सुनाकर एक बार और चर्चा करें।
- पाठ से सम्बन्धित कुछ बंद एवं 6-7 खुले छोर के प्रश्न बच्चों से पूछें, जैसे- छुट्टी के दिन कौन खेल रहा था? मोहित के घर क्या लगा हुआ था? आपको क्या लगता है बबली का आउट मानना सही है या नहीं और क्यों? आदि।

पाठ्यांश का मार्गदर्शन में पठन (5-7 मिनट)

- बच्चों को जोड़ियों/समूहों में बाँटकर चयनित पाठ्यांश को बारी-बारी से पढ़ने (मार्गदर्शन में पठन) को कहें।
- जो बच्चे अभी भी शब्द स्तर पर हों, उन पर विशेष ध्यान दें और उनकी सहायता करें। बाकी बच्चों की आवश्यकतानुसार सहायता करें।

पाठ अभ्यास एवं संबंधित लेखन कार्य (7-10 मिनट)

- पाठ्यपुस्तक के पाठ की गतिविधि **(शब्दों का खेल 1 और खेलगीत 1)** पर बच्चों से चर्चा करें और फिर उन्हें उत्तर लिखने को कहें।

कार्यपुस्तिका (भाग-1) पर कार्य

कालांश 2 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ-19 से संबंधित विस्तारित गतिविधि पर कार्य।

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 80

तैयारी: पाठ की गतिविधियों को पहले से समझ लें।

कार्यपुस्तिका सप्ताह-19 दिवस-1 पर कार्य करें -

- **गतिविधि-1 (7-10 मिनट) :** शब्दों को आदर्श रूप से पढ़ें और बच्चों को अंगुली रखते हुए अनुसरण करने को कहें। फिर उन्हें जोड़ियों/समूहों में पढ़ने को कहें।
- **गतिविधि-2 (5-7 मिनट) :** आप बोर्ड पर उदाहरण (कार्यपुस्तिका से भिन्न) देते हुए गतिविधि समझाएँ और दो शब्दों को मिलाकर उससे वाक्य बनाने का अभ्यास करवाएँ। फिर दी गई गतिविधि का उत्तर लिखने को कहें।
- **गतिविधि-3 (5-7 मिनट) :** आप बच्चों के साथ मौखिक रूप से खेलों के बारे में चर्चा करें। कुछ खेलों के नाम (कार्यपुस्तिका से भिन्न) बच्चों को बताएँ। फिर कार्यपुस्तिका में दी गई गतिविधि में से खेलों के नाम छाँटकर लिखने को कहें।
- **गतिविधि-4 (5-7 मिनट) :** आप मौखिक रूप से 'विशेषता की अवधारणा' बच्चों को उदाहरण (कार्यपुस्तिका से भिन्न) के साथ समझाएँ। फिर कार्यपुस्तिका की गतिविधि पर कार्य करने को कहें और आवश्यकतानुसार उनकी सहायता करें।
- **गतिविधि-5 (5 मिनट) :** आप 4-6 शब्दों के दो वाक्य बोलें और बच्चों से लिखने को कहें।

'सुनकर लिखें' गतिविधि समाप्त होने पर आप बोले गए वाक्यों को बोर्ड पर लिखें और बच्चों को जोड़ियों में करके एक-दूसरे की कार्यपुस्तिका जाँचने को कहें।

कार्यपुस्तिका (भाग-2) पर कार्य

कालांश 3 40 मिनट

बच्चों को प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास के मौके देना एवं अतिरिक्त सहायता की आवश्यकता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य।

विषयवस्तु: प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-30 क्र. 1 एवं रिमीडियल कार्य

तैयारी: रिमीडियल की गतिविधि संदर्शिका से देखें।

प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास (10-15 मिनट)

- कार्यपुस्तिका के प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-30 क्र. 1 पर सप्ताह-14 के दिवस 1 के सभी चरणों के अनुसार कार्य करें।
- अंत में, प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-30 क्र. 1 से संबंधित कुछ बंद छोर के प्रश्न पूछें, जैसे- मीकू को लाल रंग की गाजर क्यों पसंद नहीं थी?

रिमीडियल कार्य (15-20 मिनट)

- पिछले सप्ताह किए गए साप्ताहिक आकलन के आधार पर बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य करें। इसके लिए स्तरानुसार वर्ण/अक्षर/शब्द/वाक्यांश/वाक्य स्तर की गतिविधि कराएँ। बाकी बच्चों को प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास स्वतंत्र रूप से पढ़ने को कहें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा: क्या कक्षा संचालन के दौरान आपने बच्चों की प्रतिक्रिया से नए खुले छोर के प्रश्न पूछे? प्रयास यह हो कि बच्चों की प्रतिक्रिया से नए खुले छोर के प्रश्न पूछे जाएँ, ताकि बच्चों की अभिव्यक्ति मुखर हो। साथ ही, उनकी तार्किक क्षमता का विकास हो।

पाठ्यपुस्तक 'सारंगी-2' पर कार्य

कालांश 1 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ-19 से चयनित पाठ्यांश 'मोहित के घर..... ले आई' का मार्गदर्शित पठन।

विषयवस्तुः पाठ-19 'आउट'

तैयारीः पाठ्यांश आधारित प्रश्न

पाठ्यांश का आदर्श वाचन करना (7-10 मिनट)

- कल की चर्चा को दोहराते हुए पाठ्यांश से संबंधित कुछ बंद छोर के प्रश्न बच्चों से पूछें, फिर चयनित पाठ्यांश को हाव-भाव के साथ पढ़कर सुनाएँ।

मार्गदर्शन में पठन (7-10 मिनट)

- बच्चों को जोड़ियों/समूहों में बाँटकर चयनित पाठ्यांश को बारी-बारी से पढ़ने (मार्गदर्शन में पठन) को कहें।
- जो बच्चे अभी भी शब्द स्तर पर हों, उन पर विशेष ध्यान दें और उनकी सहायता करें। बाकी बच्चों की आवश्यकतानुसार सहायता करें।

बच्चों द्वारा प्रश्न बनाना (5-7 मिनट)

- कुछ बच्चों को पढ़े गए पाठ्यांश से प्रश्न बनाकर बाकी बच्चों से प्रश्न पूछने का अवसर दें। फिर बच्चों को पूछे गए प्रश्नों के उत्तर पूरे वाक्य में देने को कहें। अगर बच्चे प्रश्न नहीं बना पा रहे हैं तो आप उनकी सहायता करें।

पाठ अभ्यास एवं संबंधित लेखन कार्य (7-10 मिनट)

- पाठ्यपुस्तक के पाठ की गतिविधि **(बातचीत के लिए 1-4)** के प्रश्नों पर बच्चों से मौखिक रूप से चर्चा करें।

कार्यपुस्तिका (भाग-1) पर कार्य

कालांश 2 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ-19 से संबंधित विस्तारित गतिविधि पर कार्य।

विषयवस्तुः कार्यपुस्तिका 81

तैयारीः पाठ की गतिविधियों को पहले से समझ लें।

कार्यपुस्तिका सप्ताह-19 दिवस-2 पर कार्य करें -

- **गतिविधि-1 (7-10 मिनट) :** दिए गए शब्दों एवं उनके अर्थ को पाठ के संदर्भ एवं बच्चों के परिवेश से जोड़कर चर्चा करें। फिर प्रत्येक शब्द पर बच्चों के साथ मौखिक रूप से वाक्य बनवाएँ। अंत में, सभी बच्चों को स्वतंत्र रूप से पढ़ने को कहें।
- **गतिविधि-2 (7-10 मिनट) :** आप बोर्ड पर कहानी की पंक्ति पूरी करने का उदाहरण (कार्यपुस्तिका से भिन्न) देते हुए गतिविधि समझाएँ। फिर बच्चों को कार्यपुस्तिका में दी गई कहानी की पंक्तियों को पाठयपुस्तक के आधार पर पूरा करके लिखने को कहें।
- **गतिविधि-3 (5-7 मिनट) :** बच्चों को एकवचन एवं बहुवचन की अवधारणा बोर्ड पर उदाहरण (कार्यपुस्तिका से भिन्न) के साथ समझाएँ और अभ्यास करवाएँ। अंत में, सभी बच्चों को उत्तर लिखने को कहें।
- **गतिविधि-4 (7-10 मिनट) :** आप बोर्ड पर एक छोटी ग्रिड का उदाहरण (कार्यपुस्तिका से भिन्न) बनाकर उसमें शब्द खोजने और उन शब्दों से वाक्य बनाने की प्रक्रिया बच्चों को करके बताएँ। फिर बच्चों को कार्यपुस्तिका में दी गई गतिविधि करने को कहें।

कार्यपुस्तिका (भाग-2) पर कार्य

कालांश 3 40 मिनट

बच्चों को प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास के मौके देना एवं अतिरिक्त सहायता की आवश्यकता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य।

विषयवस्तुः प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-30 क्र. 2 एवं रिमीडियल कार्य

तैयारीः रिमीडियल की गतिविधि संदर्शिका से देखें।

प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास (10-15 मिनट)

- कार्यपुस्तिका के प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-30 क्र. 2 पर सप्ताह-14 के दिवस 2 के सभी चरणों के अनुसार कार्य करें।
- अंत में, प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-30 क्र. 2 से संबंधित कुछ बंद छोर के प्रश्न पूछें, जैसे- फूल ने उसे तोड़ने से क्यों मना किया होगा?

रिमीडियल कार्य (15-20 मिनट)

- पिछले सप्ताह किए गए साप्ताहिक आकलन के आधार पर बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य करें। इसके लिए स्तरानुसार वर्ण/ अक्षर/शब्द/वाक्यांश/वाक्य स्तर की गतिविधि कराएँ। बाकी बच्चों को प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास स्वतंत्र रूप से पढ़ने को कहें।

☞ कक्षा के बाकी बच्चों को प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास पढ़ने के लिए प्रोत्साहित करें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षाः शिक्षण प्रक्रिया के दौरान यदि बच्चों की सहभागिता कम हो जाए या फिर वे ऊबने लगें तो सौहार्दपूर्ण वातावरण निर्माण की गतिविधि द्वारा उन्हें शिक्षण प्रक्रिया से दोबारा जोड़ें।

पाठ्यपुस्तक 'सारंगी-2' पर कार्य

कालांश 1 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ-19 का आदर्श वाचन एवं चयनित पाठ्यांश 'बबली ने..... गेंद फेंकी' का मार्गदर्शित पठन।

विषयवस्तु: पाठ-19 'आउट'

तैयारी: पाठ्यांश आधारित प्रश्न

पाठ्यांश का आदर्श वाचन करना (7-10 मिनट)

- कल की चर्चा को दोहराते हुए पाठ्यांश से संबंधित कुछ बंद छोर के प्रश्न बच्चों से पूछें, फिर चयनित पाठ्यांश को हाव-भाव के साथ पढ़कर सुनाएँ।

मार्गदर्शन में पठन (7-10 मिनट)

- बच्चों को जोड़ियों/समूहों में बाँटकर चयनित पाठ्यांश को बारी-बारी से पढ़ने (मार्गदर्शन में पठन) को कहें। जो बच्चे अभी भी शब्द स्तर पर हों, उन पर विशेष ध्यान दें और उनकी सहायता करें। बाकी बच्चों की आवश्यकतानुसार सहायता करें।

बच्चों द्वारा प्रश्न बनाना (5-7 मिनट)

- कुछ बच्चों को पढ़े गए पाठ्यांश से प्रश्न बनाकर बाकी बच्चों से प्रश्न पूछने का अवसर दें। उन बच्चों को अवसर दें, जो कल प्रश्न नहीं पूछ पाए थे। बाकी बच्चों को पूछे गए प्रश्नों के उत्तर पूरे वाक्य में देने को कहें। अगर बच्चे प्रश्न नहीं बना पा रहे हैं तो आप उनकी सहायता करें।

पाठ अभ्यास एवं संबंधित लेखन कार्य (7-10 मिनट)

- पाठ्यपुस्तक के पाठ की गतिविधि **(शब्दों का खेल 2)** के प्रश्नों पर बच्चों से मौखिक रूप से चर्चा करें और फिर उन्हें उत्तर लिखने को कहें। बच्चों के लेखन कार्य पर व्यक्तिगत फीडबैक दें एवं आवश्यकतानुसार उनकी सहायता करें।

कार्यपुस्तिका (भाग-1) पर कार्य

कालांश 2 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ-19 पर आधारित स्तरित पाठ का पठन एवं लेखन अभ्यास।

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 82 83

तैयारी: पाठ की गतिविधियों को पहले से समझ लें।

कार्यपुस्तिका सप्ताह-19 दिवस-3 पर कार्य करें -

स्तरित पाठ का आदर्श वाचन एवं चर्चा (10-12 मिनट)

- स्तरित पाठ के चित्रों और शीर्षक के आधार पर कहानी का अनुमान लगवाएँ। स्तरित पाठ को हाव-भाव के साथ 1-2 बार आदर्श रूप में पढ़कर सुनाएँ। बच्चे स्तरित पाठ से जुड़े रहें, इसके लिए बीच-बीच में 2-3 बंद छोर के प्रश्न पूछें।

स्तरित पाठ पर समृद्ध चर्चा (7-10 मिनट)

- स्तरित पाठ से संबंधित खुले छोर के प्रश्न बच्चों से पूछें, जैसे- जुम्मन चाचा ने अपनी फुटबाल बच्चों को क्यों दी होगी? आदि। पुनः एक बार पाठ का आदर्श वाचन करें।

स्तरित पाठ आधारित कार्य (7-10 मिनट)

- प्रत्येक प्रश्न पर बच्चों से प्रतिक्रिया लें। प्रतिक्रिया से संबंधित कठिन शब्दों को बोर्ड पर लिखें। फिर स्तरित पाठ में दिए गए प्रश्नों के उत्तर वाक्यों में लिखने को कहें।
- **गतिविधि-1 (5 मिनट)** आप 4-6 शब्दों के दो वाक्य बोलें और बच्चों से लिखने को कहें।

'**सुनकर लिखें**' गतिविधि समाप्त होने पर आप बोले गए वाक्यों को बोर्ड पर लिखें और बच्चों को जोड़ियों में करके एक-दूसरे की कार्यपुस्तिका जाँचने को कहें।

कार्यपुस्तिका (भाग-2) पर कार्य

कालांश 3 40 मिनट

बच्चों को प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास के मौके देना एवं अतिरिक्त सहायता की आवश्यकता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य।

विषयवस्तु: प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-30 क्र. 3 एवं रिमीडियल कार्य

तैयारी: रिमीडियल की गतिविधि संदर्शिका से देखें।

प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास (10-15 मिनट)

- कार्यपुस्तिका के प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-30 क्र. 3 पर सप्ताह-14 के दिवस 3 के सभी चरणों के अनुसार कार्य करें।
- अंत में, प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-30 क्र. 3 से संबंधित कुछ बंद छोर के प्रश्न पूछें, जैसे- अगर कबूतर जाल तोड़कर नहीं भाग पाता, तो शिकारी उसका क्या करता?

रिमीडियल कार्य (15-20 मिनट)

- पिछले सप्ताह किए गए साप्ताहिक आकलन के आधार पर बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य करें। इसके लिए स्तरानुसार वर्ण/अक्षर/शब्द/वाक्यांश/वाक्य स्तर की गतिविधि कराएँ। बाकी बच्चों को प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास स्वतंत्र रूप से पढ़ने को कहें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा: बच्चों द्वारा लेखन कार्य किए जाने के दौरान क्या आपने घूम-घूमकर उनके कार्यों का अवलोकन किया? बच्चों के लेखन कार्य का अवलोकन करें एवं आवश्यकतानुसार दैनिक रूप से उनकी सहायता करें।

पाठ्यपुस्तक 'सारंगी-2' पर कार्य

कालांश 1 40 मिनट

चित्र के बारे में अपने घर की भाषा में बात करना।

विषयवस्तु: पाठ्यपुस्क चित्र **'मित्रों के साथ'**।

तैयारी: पाठ्यांश आधारित प्रश्न

चित्र पर शिक्षक द्वारा चर्चा (5-7 मिनट)

- आप बच्चों से पाठ्यपुस्तक के चित्र में दिख रही चीजों/घटनाओं/गतिविधियों के बारे में कुछ बंद छोर के प्रश्न पूछें, जैसे- मंच पर कुल कितने लोग हैं? मंच पर कुल कितने वाद्ययंत्र हैं? आदि। फिर प्रत्येक प्रश्न पर बच्चों की प्रतिक्रिया लें।

चित्र पर समृद्ध चर्चा (10-15 मिनट)

- आप चर्चा को आगे बढ़ाएँ और 6-7 खुले छोर के प्रश्न भी पूछें, जैसे- इस चित्र में क्या-क्या हो रहा है? आदि।

लेखन कार्य (10-15 मिनट)

- बच्चों को चित्र **'मित्रों के साथ'** से संबंधित कोई चित्र बनाने और कुछ शब्द या 2-3 वाक्य लिखने को कहें। फिर बच्चों को अपना लेखन कार्य और चित्र अपने साथी को दिखाते हुए उस पर बातचीत करने को कहें।
- फिर किन्हीं 3-4 बच्चों को अपने विचार पूरी कक्षा के साथ में साझा करने को कहें। बच्चों के बनाए चित्रों को **'बच्चों का कोना'** में लगा दें।

कार्यपुस्तिका (भाग-1) पर कार्य

कालांश 2 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ-19 पर आधारित स्तरित पाठ का मार्गदर्शन में पठन एवं लेखन अभ्यास।

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 84

तैयारी: पाठ की गतिविधियों को पहले से समझ लें।

कार्यपुस्तिका सप्ताह-19 दिवस-4 पर कार्य करें - स्तरित पाठ पर संक्षिप्त चर्चा एवं मार्गदर्शन में पठन (12-15 मिनट)

- पिछले दिन की चर्चा को दोहराते हुए स्तरित पाठ से संबंधित 2-3 बंद छोर के प्रश्न बच्चों से पूछें।
- बच्चों को जोड़ियों/समूहों में पिछले दिन के पाठ को बारी-बारी से पढ़ने को कहें।
- **गतिविधि-1 (5 मिनट) :** दिए गए शब्दों एवं उनके अर्थ को पाठ के संदर्भ एवं बच्चों के परिवेश से जोड़कर चर्चा करें। फिर प्रत्येक शब्द पर बच्चों के साथ मौखिक रूप से वाक्य बनवाएँ। अंत में, सभी बच्चों को स्वतंत्र रूप से पढ़ने को कहें।
- **गतिविधि-2 (5 मिनट) :** आप बोर्ड पर दो अलग-अलग शब्द के उदाहरण (कार्यपुस्तिका से भिन्न) द्वारा मिलाकर लिखने और पढ़ने का अभ्यास बच्चों से करवाएँ, जैसे- समझ दार - समझदार। फिर दी गई गतिविधि को करने को कहें।
- **गतिविधि-3 (5 मिनट) :** आप बोर्ड पर अलग-अलग दो कॉलम में खेलों एवं उससे संबंधित सामग्रियों के नाम लिखें। फिर खेल से उसकी सामग्री का मिलान करते हुए वाक्य बनाकर उदाहरण दें। फिर बच्चों को गतिविधि करने को कहें।
- **गतिविधि-4 (5-7 मिनट) :** आप बोर्ड पर उदाहरण (कार्यपुस्तिका से भिन्न) द्वारा गतिविधि समझाएँ। फिर कार्यपुस्तिका में दी गई गतिविधि बच्चों से लिखने को कहें।

कार्यपुस्तिका (भाग-2) पर कार्य

कालांश 3 40 मिनट

बच्चों को प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास के मौके देना एवं अतिरिक्त सहायता की आवश्यकता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य।

विषयवस्तु: प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-30 क्र. 4 एवं रिमीडियल कार्य

तैयारी: रिमीडियल की गतिविधि संदर्शिका से देखें।

प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास (10-15 मिनट)

- कार्यपुस्तिका के प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-30 क्र. 4 पर सप्ताह-14 के दिवस 4 के सभी चरणों के अनुसार कार्य करें।
- अंत में, प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-30 क्र. 4 से संबंधित कुछ बंद छोर के प्रश्न पूछें, जैसे- आप अपनी नानी के घर जाकर क्या-क्या देखते हो?

रिमीडियल कार्य (15-20 मिनट)

- पिछले सप्ताह किए गए साप्ताहिक आकलन के आधार पर बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य करें। इसके लिए स्तरानुसार वर्ण/अक्षर/शब्द/वाक्यांश/वाक्य स्तर की गतिविधि कराएँ। बाकी बच्चों को प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास स्वतंत्र रूप से पढ़ने को कहें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा: आज की गतिविधि के दौरान क्या आप सभी बच्चों को उनके नाम से संबोधित कर पाए? प्रयास यह होना चाहिए कि बच्चों को हमेशा उनके नाम से संबोधित करें।

मौखिक भाषा विकास पर कार्य

कालांश 1 40 मिनट

पाठ पर आधारित पुनरावृत्ति और चित्रात्मक घटनाक्रम को समझ पाना।

विषयवस्तु: चित्र कहानी पोस्टर-5

तैयारी: चित्र कहानी पोस्टर को देखकर कहानी तैयार करें।

पाठ्यपुस्तक के पाठ पर आधारित पुनरावृत्ति (5-7 मिनट)

- पाठ-19 से संबंधित कुछ कठिन/अमूर्त शब्दों को बोर्ड पर लिखें और उन्हें बच्चों से पढ़ने को कहें, जैसे- कतरनें, आंगन आदि। फिर कुछ बच्चों को उन शब्दों से मौखिक रूप से वाक्य बनाकर सुनाने को कहें।

चित्र कहानी पोस्टर पर शिक्षक द्वारा चर्चा (5-7 मिनट)

- आप बच्चों को गोल घेरे में बैठाएं और चित्र कहानी पोस्टर के चारों चित्र एक-एक करके दिखाते हुए कुछ बंद छोर के प्रश्न पूछें, जैसे- चित्र में कौन-कौन था? नदी में कौन गिरा? आदि।
- अब आप बच्चों को चारों चित्र समग्रता में देखने के लिए समय दें।

चित्रों पर आधारित कहानी बनाना (10-12 मिनट)

- अब आप चारों चित्रों को जोड़ते हुए एक छोटी कहानी (8-10 छोटे वाक्यों वाली) स्वयं बनाकर मौखिक रूप से 2 बार बच्चों को सुनाएँ। फिर कुछ बच्चों से कहानी अपने शब्दों में सभी बच्चों को सुनाने को कहें।

लेखन कार्य (7-10 मिनट)

- आप बच्चों को कहानी के आधार पर कुछ शब्द लिखने को कहें। फिर बच्चों को जोड़ियों/समूह में उन शब्दों पर बातचीत करने को कहें।
- अंत में, 3-4 जोड़ियों/समूहों को अपनी चर्चा सभी के साथ साझा करने को कहें।

कार्यपुस्तिका (भाग-1) पर कार्य

कालांश 2 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ-19 पर आधारित स्तरित पाठ का मार्गदर्शित, स्वतंत्र पठन एवं लेखन अभ्यास।

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 85

तैयारी: पाठ की गतिविधियों को पहले से समझ लें।

कार्यपुस्तिका सप्ताह-19 दिवस-5 पर कार्य करें - स्तरित पाठ का आदर्श वाचन एवं चर्चा (7-10 मिनट)

- स्तरित पाठ का 2 बार पूरे हाव-भाव से आदर्श वाचन करें। फिर बच्चों से पाठ से संबंधित बंद एवं खुले छोर के प्रश्न करें, जैसे- सुमन क्या घुमा नहीं पाती थी? सुमन ने गुरमीत से क्यों कहा कि मुझे रिंग घुमाना सिखा दो? आदि।

स्वतंत्र पठन (7-10मिनट)

- प्रत्येक बच्चे को स्तरित पाठ को स्वतंत्र रूप से पढ़ने को कहें। फिर बच्चों से स्तरित पाठ का सस्वर वाचन करने को कहें, इस दौरान बाकी बच्चे अंगुली रखते हुए अनुसरण करें।

- **गतिविधि-1 (7-10 मिनट) :** प्रत्येक प्रश्न पर बच्चों से प्रतिक्रिया लें। प्रतिक्रिया से संबंधित कठिन शब्दों को बोर्ड पर लिखें, फिर स्तरित पाठ में दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखने को कहें।

नोटबुक पर कार्य :

- **गतिविधि-2 (5-7 मिनट) :** आप 4-6 शब्दों के दो वाक्य बोलें और बच्चों से लिखने को कहें।

'सुनकर लिखें' गतिविधि समाप्त होने पर आप बोले गए वाक्यों को बोर्ड पर लिखें और बच्चों को जोड़ियों में करके एक-दूसरे की नोटबुक/कॉपी जाँचने को कहें।

स्वतंत्र पठन पर कार्य

कालांश 3 40 मिनट

बच्चों द्वारा चयनित किताब का स्वतंत्र पठन एवं अतिरिक्त सहायता की आवश्यकता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य।

विषयवस्तु: स्वतंत्र पठन एवं रिमीडियल कार्य

तैयारी: चित्रात्मक कहानी की पुस्तकें।

स्वतंत्र पठन (15-17 मिनट)

- आप बच्चों को पुस्तकालय या रीडिंग कॉर्नर से चित्र सहित छोटी कहानी की किताबें अपनी इच्छा से चुनने एवं पढ़ने का अवसर दें। बच्चों को किताबों को उलटने-पलटने, पढ़ने एवं आपस में बातचीत करने के पर्याप्त अवसर दें।
- कुछ बच्चों लगभग 50% (कोशिश करें हर सप्ताह नए बच्चों को मौका मिले) को उनकी किताब की कहानी पर अपनी बात रखने का अवसर दें। बच्चे जैसी भी कहानी बताएँ, उसे स्वीकार करें। बच्चों को कहानी वाक्यों में बताने की अपेक्षा रखें एवं उन्हें सहयोग करें।

रिमीडियल कार्य (15-20 मिनट)

- अवलोकन के आधार पर अतिरिक्त सहायता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य करें। इसके लिए बच्चों के स्तरानुसार वर्ण/शब्द स्तर की गतिविधियाँ कराएँ।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा: बच्चों द्वारा लेखन कार्य किए जाने के दौरान क्या आपने घूम-घूमकर उनके कार्य का अवलोकन किया? बच्चों के लेखन कार्य का अवलोकन करें एवं आवश्यकतानुसार दैनिक रूप से सहायता दें।

मौखिक भाषा विकास पर कार्य

कालांश 1 40 मिनट

चित्रात्मक घटनाक्रम को समझ पाना।

विषयवस्तु: चित्र कहानी पोस्टर-5

तैयारी: चित्र कहानी पोस्टर को देखकर कहानी तैयार करें।

शिक्षक द्वारा चित्र कहानी पोस्टर पर चर्चा (10-12 मिनट)

- बच्चों को कल की चर्चा को दोहराते हुए एक बार पुनः चित्र कहानी पोस्टर दिखाएँ और बच्चों से 6-7 खुले छोर के प्रश्न पूछते हुए बातचीत करें, जैसे- आदमी जंगल में क्यों गया होगा? पानी में गिरने के बाद भालू ने क्या किया होगा? आदि।
- अब 3-4 बच्चों को कल की कहानी को अपने शब्दों में सुनाने का मौका दें।

बच्चों द्वारा समूह कार्य (10-15 मिनट)

- आप बच्चों को छोटे समूह (4-5 बच्चों वाले) में बाँटें और निर्देश दें कि चित्र कहानी पोस्टर के चारों चित्रों के आधार पर उन्हें एक नई कहानी मिलकर बनानी है।
- इस दौरान आप कक्षा में घूम-घूमकर आवश्यकतानुसार उनकी सहायता करें। अंत में, आप प्रत्येक समूह के 1-2 बच्चों को उनकी कहानी सभी के साथ साझा करने को कहें।

लेखन कार्य (7-10 मिनट)

- आप बच्चों से अपने समूह में चित्र कहानी से संबंधित 3-4 वाक्य लिखने को कहें। फिर कुछ बच्चों से उनके लेखन कार्य को सभी के साथ साझा करने को कहें।

आप समूह कार्य में सभी बच्चों की सहभागिता सुनिश्चित करें।

आकलन

कालांश 2 40 मिनट

साप्ताहिक आकलन

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 85

तैयारी: आकलन की योजना और प्रश्न पहले से तैयार करें।

- आप सभी बच्चों को कार्यपुस्तिका के सप्ताह-19 दिवस 3 और 5 के कार्यपत्रक में दिए गए पाठ को दोबारा पढ़ने को कहें। फिर उन्हें कार्यपुस्तिका के भाग-2 प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास 30 को भी पढ़ने को कहे, साथ ही उपलब्ध अन्य पठन सामग्रियों को पढ़ने को प्रोत्साहित करें।

शिक्षक द्वारा आकलन (30-35 मिनट) :

- आप बच्चों को बारी-बारी से बुलाएँ और उन्हें कार्यपुस्तिका से **'मैंने सीख लिया'** को पढ़ने को कहें।
- बच्चों को **'मैंने सीख लिया'** को पढ़ने के लिए पर्याप्त समय दें। अगर बच्चे झिझक रहें हों तो उन्हें सहज महसूस कराएँ।
- बच्चों द्वारा जितने शब्द सही पढ़े गए हों, उनकी संख्या कोष्ठक में लिखें।
- फिर दिए गए प्रश्न बच्चों से मौखिक रूप से पूछें, प्रत्येक सही उत्तर के लिए 1 अंक कोष्ठक में लिखें।

आकलन

कालांश 3 40 मिनट

साप्ताहिक आकलन

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 85

तैयारी: आकलन की योजना पहले से तैयार कर लें।

शिक्षक द्वारा आकलन (25-27 मिनट)

- आप कालांश-2 के आकलन को जारी रखें।

सुनकर लिखें (10 मिनट)

- आप बच्चों को सामूहिक रूप से 'सुनकर लिखें' गतिविधि करवाएँ। सभी बच्चों के लिख लेने के बाद, आप बोर्ड पर वाक्य लिख दें और बच्चों को एक-दूसरे की कॉपी जाँचने को कहें। इस पर कार्य करने के विस्तृत चरणों को संदर्शिका से देखें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा: जिन बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य किया गया है, क्या वे बच्चे इस अभ्यास को सफलतापूर्वक कर पाए हैं या नहीं, इसे देखने के लिए उन बच्चों द्वारा किए गए कार्य को अवश्य जाँचें।

सावधिक पुनरावृत्ति

व्यवस्थित कक्षा-कक्षीय शिक्षण प्रक्रिया में सिखाई गई दक्षताओं की सतत पुनरावृत्ति करते रहना एक आवश्यक रणनीति है। सतत पुनरावृत्ति से बच्चों में भाषा की अलग-अलग दक्षताओं की समझ और मजबूत होती है, साथ ही जो बच्चे इस शिक्षण प्रक्रिया में पीछे छूट रहे होते हैं, उन्हें भी कक्षा स्तर तक पहुँचने में मदद मिलती है। इसको ध्यान में रखते हुए, भाषा शिक्षण में दो तरह की पुनरावृत्ति पर कार्य किए जाने की रणनीति दी गई है।

1. **साप्ताहिक पुनरावृत्ति :** हर सप्ताह के दिवस 5 में शुरुआती चार दिन एवं पिछले सप्ताहों में सिखाई गई दक्षताओं के आधार पर पुनरावृत्ति।
2. **सावधिक पुनरावृत्ति :** सप्ताह 13 में सप्ताह 1-12 तक की सिखाई गई दक्षताओं के आधार पर और सप्ताह 20 में सप्ताह 1-19 तक की सिखाई गई दक्षताओं के आधार पर पुनरावृत्ति।

इस वर्ष सावधिक आकलन शिक्षा विभाग द्वारा NAT के माध्यम से कराए जाने की योजना है। वर्ष में न्यूनतम 2 बार NAT सप्ताह 13 तथा सप्ताह 20 में किया जाना प्रस्तावित है। संभव है कि NAT अपने प्रस्तावित समय से आगे या पीछे आयोजित किया जाए। सावधिक पुनरावृत्ति में निम्न रणनीतियों का उपयोग किया जाएगा-

- NAT अथवा सप्ताह 19 दिवस 6 के आकलन **'मैंने सीख लिया'** में बच्चों द्वारा प्राप्त अंकों के आधार पर उन्हें 2 समूहों में बाँटकर पुनरावृत्ति/पुनर्बलन पर कुछ दिनों तक कार्य कराएँ।
- समूह-A में वे बच्चे आएंगे, जिन्होंने समझ के साथ पढ़ने के कौशल में 50% से कम अंक प्राप्त किए हैं।
- समूह-B में वे बच्चे आएंगे, जिन्होंने समझ के साथ पढ़ने के कौशल में 50% या उससे अधिक अंक प्राप्त किए हैं।
- जिन बच्चों ने समझ के साथ पढ़ने के कौशल में 50% से कम अंक प्राप्त किए हैं, उनको आप व्यक्तिगत सहायता दें और पढ़ने के लिए प्रोत्साहित करें। अगर बच्चों के डिकोडिंग कौशल पर कार्य करने की आवश्यकता होती है, तो बेझिझक करें।
- जो बच्चे समझ के साथ पढ़ने के कौशल में 50% या उससे अधिक अंक प्राप्त करते हैं, उन्हें स्वतंत्र रूप से कार्य दें और बीच-बीच में उनके द्वारा किए गए कार्य का अवलोकन भी करें।
- जिन बच्चों ने मौखिक भाषा विकास से संबंधित दक्षताएँ प्राप्त नहीं की हैं, उन्हें दैनिक शिक्षण प्रक्रिया में अधिक से अधिक प्रतिभाग करने के अवसर दें और उनका नियमित रूप से प्रोत्साहन करते रहें।

समूह-A के साथ सावधिक पुनरावृत्ति कार्य योजना बनाने के लिए आप इस संदर्शिका के अंतिम पृष्ठों में दिए गए **'दैनिक रिमीडियल कार्य योजना'** का संदर्भ ले सकते हैं।

सावधिक पुनरावृत्ति पर कार्य कराने के लिए आपको कार्यपुस्तिका में 5 पत्रक उदाहरण स्वरूप दिए गए हैं। इसके अतिरिक्त पत्रकों/गतिविधियों/प्रश्नों का निर्माण एवं क्रियान्वयन की योजना आपको स्वयं तैयार करनी है और उसके आधार पर बोर्ड और बच्चों की नोटबुक पर कार्य कराना है।

समूह-A एवं समूह-B के लिए आपको दो अलग-अलग प्रकार के कार्य करने होंगे -

प्रकार 1 (समूह-A के लिए) - इस प्रकार का कार्य उन बच्चों के साथ होगा, जिन्होंने NAT में या सप्ताह 19 दिवस 6 के साप्ताहिक आकलन में कुल 50% से कम अंक प्राप्त किए हैं। इनके साथ मुख्य रूप से वर्ण/अक्षर स्तर और शब्द स्तर की गतिविधियाँ की जाएँगी। यह कार्य स्वनिर्मित ग्रिड कार्ड एवं वर्ण/अक्षर कार्ड, विभिन्न डिकोडिंग खेल गतिविधि, श्रुतलेख आदि के माध्यम से किया जाना चाहिए। इसके अतिरिक्त सप्ताह-20 में दिए गए कार्यपुस्तिका के पत्रक पर कार्य करवाएँ।

प्रकार 2 (समूह-B के लिए) - इस प्रकार का कार्य उन बच्चों के साथ होगा, जिन्होंने NAT में या सप्ताह 19 दिवस 6 के साप्ताहिक आकलन में कुल 50% या उससे अधिक अंक प्राप्त किए हैं। इन बच्चों को बीते सप्ताहों के स्तरित पाठ, कार्यपुस्तिका भाग-2 से पठन अभ्यास पत्रक तथा पुस्तकालय की पुस्तकों से पठन अभ्यास कार्य करवाएँ। इसके अतिरिक्त सप्ताह-20 में दिए गए कार्यपुस्तिका के पत्रक पर कार्य करवाएँ।

सावधिक पुनरावृत्ति पत्रकों/गतिविधियों पर प्रतिदिन सभी बच्चों के साथ स्तरानुसार कार्य कराया जाए, ताकि सभी बच्चे सीखी गई दक्षताओं की पुनरावृत्ति बेहतर तरीके से कर सकें।

पाठ्यपुस्तक 'सारंगी-2' पर कार्य

कालांश 1 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ-20 का आदर्श वाचन एवं चयनित पाठ्यांश 'एक दिन..... ढूँढ़ने निकला' का मार्गदर्शित पठन।

विषयवस्तु: पाठ-20 **'छुपन-छुपाई'**

तैयारी: पाठ्यांश आधारित प्रश्न

पाठ का आदर्श वाचन करना (7-10 मिनट)

- पाठ के चित्रों और शीर्षक के आधार पर कहानी की विषयवस्तु का अनुमान लगवाएँ। पूरे पाठ को हाव-भाव के साथ 1-2 बार पढ़कर सुनाएँ। बच्चे पाठ से जुड़े रहें, इसके लिए बीच-बीच में कुछ बंद छोर के प्रश्न पूछें।

कहानी को मौखिक रूप से सुनाना और चर्चा करना (7-10 मिनट)

- पाठ की कहानी या केन्द्रीय बिंदु को अपने शब्दों में सुनाकर एक बार और चर्चा करें।
- पाठ से सम्बन्धित कुछ बंद एवं 7-8 खुले छोर के प्रश्न बच्चों से पूछें, जैसे- जीत सबको कहाँ ढूँढ़ने लगा? जीत ने कितने तक की गिनती गिनी? जीत पेड़ के नीचे खड़ा होकर क्या सोच रहा होगा? आदि।

पाठ्यांश का मार्गदर्शन में पठन (5-7 मिनट)

- बच्चों को जोड़ियों/समूहों में बाँटकर चयनित पाठ्यांश को बारी-बारी से पढ़ने (मार्गदर्शन में पठन) को कहें।
- जो बच्चे अभी भी शब्द स्तर पर हों, उन पर विशेष ध्यान दें और उनकी सहायता करें। बाकी बच्चों की आवश्यकतानुसार सहायता करें।

पाठ अभ्यास एवं संबंधित लेखन कार्य (7-10 मिनट)

- पाठ्यपुस्तक के पाठ की गतिविधि **(छुपन-छुपाई 1, 2 और शब्दों का खेल 1)** पर बच्चों से चर्चा करें और फिर उन्हें उत्तर लिखने को कहें।

कार्यपुस्तिका (भाग-1) पर कार्य

कालांश 2 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ-20 से संबंधित विस्तारित गतिविधि पर कार्य।

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 91

तैयारी: पाठ की गतिविधियों को पहले से समझ लें।

कार्यपुस्तिका सप्ताह-21 दिवस-1 पर कार्य करें-

- **गतिविधि-1 (7-10 मिनट):** शब्दों को आदर्श रूप से पढ़ें और बच्चों को अंगुली रखते हुए अनुसरण करने को कहें। फिर उन्हें जोड़ियों/समूहों में पढ़ने को कहें।
- **गतिविधि-2 (7-10 मिनट):** आप बच्चों के साथ मौखिक रूप से चर्चा करें कि घर के अंदर कौन-कौन से खेल आप खेलते हैं। अंत में, सभी बच्चों को गतिविधि करने को कहें।
- **गतिविधि-3 (5 मिनट):** आप बोर्ड पर उदाहरण (कार्यपुस्तिका से भिन्न) देते हुए गतिविधि समझाएँ और दो शब्दों को मिलाकर उससे वाक्य बनाने का अभ्यास करवाएँ। फिर दी गई गतिविधि का उत्तर लिखने को कहें।
- **गतिविधि-4 (5-7 मिनट):** आप मौखिक रूप से पाठ्यपुस्तक के पाठ के आधार पर चर्चा करें कि कौन कहाँ मिला होगा। 2-3 बच्चों से प्रतिक्रियाएँ लें, फिर कार्यपुस्तिका में दी गई गतिविधि का उत्तर लिखने को कहें।
- **गतिविधि-5 (5 मिनट):** आप बोर्ड पर उदाहरण (कार्यपुस्तिका से भिन्न) देते हुए गतिविधि समझाएँ, जैसे- मकन - मकान। शब्दों की वर्तनी पर बच्चों से चर्चा करें और प्रतिक्रियाएँ लें। फिर दी गई गतिविधि बच्चों को करने को कहें।

कार्यपुस्तिका (भाग-2) पर कार्य

कालांश 3 40 मिनट

बच्चों को प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास के मौके देना एवं अतिरिक्त सहायता की आवश्यकता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य।

विषयवस्तु: प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-31 क्र. 1 एवं रिमीडियल कार्य

तैयारी: रिमीडियल की गतिविधि संदर्शिका से देखें।

प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास (10-15 मिनट)

- कार्यपुस्तिका के प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-31 क्र. 1 पर सप्ताह-14 के दिवस 1 के सभी चरणों के अनुसार कार्य करें।
- अंत में, प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-31 क्र. 1 से संबंधित कुछ बंद छोर के प्रश्न पूछें, जैसे- आप दीवाली में क्या-क्या खरीददारी करते हो?

रिमीडियल कार्य (15-20 मिनट)

- पिछले सप्ताह किए गए साप्ताहिक आकलन के आधार पर बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य करें। इसके लिए स्तरानुसार वर्ण/ अक्षर/शब्द/वाक्यांश/वाक्य स्तर की गतिविधि कराएँ। बाकी बच्चों को प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास स्वतंत्र रूप से पढ़ने को कहें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा: क्या कक्षा के संचालन के दौरान बच्चों को अपनी बात साझा करने का पर्याप्त अवसर मिला। प्रयास हमेशा यह रहना चाहिए कि सभी बच्चों को अपनी बात साझा करने के पर्याप्त अवसर मिलें।

पाठ्यपुस्तक 'सारंगी-2' पर कार्य

कालांश 1 | 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ-20 से चयनित पाठ्यांश 'मोहित दरवाजे..... तरफ गया' का मार्गदर्शित पठन।

विषयवस्तु: पाठ-20 'छुपन-छुपाई'

तैयारी: पाठ्यांश आधारित प्रश्न

पाठ्यांश का आदर्श वाचन करना (7-10 मिनट)

- कल की चर्चा को दोहराते हुए पाठ्यांश से संबंधित कुछ बंद छोर के प्रश्न बच्चों से पूछें, फिर चयनित पाठ्यांश को हाव-भाव के साथ पढ़कर सुनाएँ।

मार्गदर्शन में पठन (7-10 मिनट)

- बच्चों को जोड़ियों/समूहों में बाँटकर चयनित पाठ्यांश को बारी-बारी से पढ़ने (मार्गदर्शन में पठन) को कहें। जो बच्चे अभी भी शब्द स्तर पर हों, उन पर विशेष ध्यान दें और उनकी सहायता करें। बाकी बच्चों की आवश्यकतानुसार सहायता करें।

बच्चों द्वारा प्रश्न बनाना (5-7 मिनट)

- कुछ बच्चों को पढ़े गए पाठ्यांश से प्रश्न बनाकर बाकी बच्चों से प्रश्न पूछने का अवसर दें। फिर बच्चों को पूछे गए प्रश्नों के उत्तर पूरे वाक्य में देने को कहें। अगर बच्चे प्रश्न नहीं बना पा रहे हैं तो आप उनकी सहायता करें।

पाठ अभ्यास एवं संबंधित लेखन कार्य (7-10 मिनट)

- पाठ्यपुस्तक के पाठ की गतिविधि **(बातचीत के लिए 1-4)** के प्रश्नों पर बच्चों से मौखिक रूप से चर्चा करें।

कार्यपुस्तिका (भाग-1) पर कार्य

कालांश 2 | 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ-20 से संबंधित विस्तारित गतिविधि पर कार्य।

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 92

तैयारी: पाठ की गतिविधियों को पहले से समझ लें।

कार्यपुस्तिका सप्ताह-21 दिवस-2 पर कार्य करें-

- **गतिविधि-1 (7-10 मिनट):** दिए गए शब्दों एवं उनके अर्थ को पाठ के संदर्भ एवं बच्चों के परिवेश से जोड़कर चर्चा करें। फिर प्रत्येक शब्द पर बच्चों के साथ मौखिक रूप से वाक्य बनवाएँ। अंत में, सभी बच्चों को स्वतंत्र रूप से पढ़ने को कहें।
- **गतिविधि-2 (7-10 मिनट):** बच्चों को कार्यपुस्तिका में दिए गए शब्दों को पढ़ने को कहें और प्रत्येक शब्द पर चर्चा करें कि वो **'चार खिलाड़ी के साथ'** खेले जाएँगे या **'चार से अधिक खिलाड़ियों के साथ'** खेले जाएँगे। अंत में, सभी बच्चों को गतिविधि करने को कहें।
- **गतिविधि-3 (7-10 मिनट):** पाठ्यपुस्तक के पाठ की कहानी के आधार पर, जीत ने बच्चों को किस क्रम में ढूँढ़ा, इस पर मौखिक रूप से चर्चा करें। फिर कार्यपुस्तिका में दी गई गतिविधि करने को कहें।
- **गतिविधि-4 (5-7 मिनट):** आप 6-8 शब्दों के दो वाक्य बोलें और बच्चों से लिखने को कहें।

'सुनकर लिखें' गतिविधि समाप्त होने पर आप बोले गए वाक्यों को बोर्ड पर लिखें और बच्चों को जोड़ियों में करके एक-दूसरे की कार्यपुस्तिका जाँचने को कहें।

कार्यपुस्तिका (भाग-2) पर कार्य

कालांश 3 | 40 मिनट

बच्चों को प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास के मौके देना एवं अतिरिक्त सहायता की आवश्यकता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य।

विषयवस्तु: प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-31 क्र. 2 एवं रिमीडियल कार्य

तैयारी: रिमीडियल की गतिविधि संदर्शिका से देखें।

प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास (10-15 मिनट)

- कार्यपुस्तिका के प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-31 क्र. 2 पर सप्ताह-14 के दिवस 2 के सभी चरणों के अनुसार कार्य करें।
- अंत में, प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-31 क्र. 2 से संबंधित कुछ बंद छोर के प्रश्न पूछें, जैसे- अगर आपके घर के आस-पास बर्फ गिरे तो क्या होगा?

रिमीडियल कार्य (15-20 मिनट)

- पिछले सप्ताह किए गए साप्ताहिक आकलन के आधार पर बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य करें। इसके लिए स्तरानुसार वर्ण/ अक्षर/शब्द/वाक्यांश/वाक्य स्तर की गतिविधि कराएँ। बाकी बच्चों को प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास स्वतंत्र रूप से पढ़ने को कहें।

सभी बच्चों को प्रतिभाग करने के लिए प्रोत्साहित करें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा: शिक्षण प्रक्रिया के दौरान यदि बच्चों की सहभागिता कम हो जाए या फिर वे ऊबने लगें तो सौहार्दपूर्ण वातावरण निर्माण की गतिविधि द्वारा उन्हें शिक्षण प्रक्रिया से दोबारा जोड़ें।

पाठ्यपुस्तक 'सारंगी-2' पर कार्य

कालांश 1 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ-20 का आदर्श वाचन एवं चयनित पाठ्यांश 'सिमरन दादी..... बाहर आया' का मार्गदर्शित पठन।

विषयवस्तु: पाठ-20 **'छुपन-छुपाई'**

तैयारी: पाठ्यांश आधारित प्रश्न

पाठ्यांश का आदर्श वाचन करना (7-10 मिनट)

- कल की चर्चा को दोहराते हुए पाठ्यांश से संबंधित कुछ बंद छोर के प्रश्न बच्चों से पूछें, फिर चयनित पाठ्यांश को हाव-भाव के साथ पढ़कर सुनाएँ।

मार्गदर्शन में पठन (7-10 मिनट)

- बच्चों को जोड़ियों/समूहों में बाँटकर चयनित पाठ्यांश को बारी-बारी से पढ़ने (मार्गदर्शन में पठन) को कहें। जो बच्चे अभी भी शब्द स्तर पर हों, उन पर विशेष ध्यान दें और उनकी सहायता करें। बाकी बच्चों की आवश्यकतानुसार सहायता करें।

बच्चों द्वारा प्रश्न बनाना (5-7 मिनट)

- कुछ बच्चों को पढ़े गए पाठ्यांश से प्रश्न बनाकर बाकी बच्चों से प्रश्न पूछने का अवसर दें। उन बच्चों को अवसर दें, जो कल प्रश्न नहीं पूछ पाए थे। बाकी बच्चों को पूछे गए प्रश्नों के उत्तर पूरे वाक्य में देने को कहें। अगर बच्चे प्रश्न नहीं बना पा रहे हैं तो आप उनकी सहायता करें।

पाठ अभ्यास एवं संबंधित लेखन कार्य (7-10 मिनट)

- पाठ्यपुस्तक के पाठ की गतिविधि **(मेरी कहानी)** के प्रश्नों पर बच्चों से मौखिक रूप से चर्चा करें और फिर उन्हें उत्तर लिखने को कहें। बच्चों के लेखन कार्य पर व्यक्तिगत फीडबैक दें एवं आवश्यकतानुसार उनकी सहायता करें।

कार्यपुस्तिका (भाग-1) पर कार्य

कालांश 2 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ-20 पर आधारित स्तरित पाठ का पठन एवं लेखन अभ्यास।

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 93 94

तैयारी: पाठ की गतिविधियों को पहले से समझ लें।

कार्यपुस्तिका सप्ताह-21 दिवस-3 पर कार्य करें-

स्तरित पाठ का आदर्श वाचन एवं चर्चा (10-12 मिनट)

- स्तरित पाठ के चित्रों और शीर्षक के आधार पर कहानी का अनुमान लगवाएँ। स्तरित पाठ को हाव-भाव के साथ 1-2 बार आदर्श रूप में पढ़कर सुनाएँ। बच्चे स्तरित पाठ से जुड़े रहें, इसके लिए बीच-बीच में 2-3 बंद छोर के प्रश्न पूछें।

स्तरित पाठ पर समृद्ध चर्चा (7-10 मिनट)

- स्तरित पाठ से संबंधित खुले छोर के प्रश्न बच्चों से पूछें, जैसे- खेल छोड़कर, फौजिया अपने मामा को घर लेकर चली गई, क्या यह सही था और क्यों? आदि। पुनः एक बार पाठ का आदर्श वाचन करें।

स्तरित पाठ आधारित कार्य (7-10 मिनट)

- प्रत्येक प्रश्न पर बच्चों से प्रतिक्रिया लें। प्रतिक्रिया से संबंधित कठिन शब्दों को बोर्ड पर लिखें। फिर स्तरित पाठ में दिए गए प्रश्नों के उत्तर वाक्यों में लिखने को कहें।
- **गतिविधि-1 (5 मिनट) :** बच्चों को दी गई बातचीत पढ़ने को कहें। फिर पूछें कि अंतिम वाक्य क्या हो सकता है। इस पर 3-4 बच्चों की प्रतिक्रिया लें। फिर सभी बच्चों को स्वतंत्र रूप से उत्तर लिखने को कहें।

सुनिश्चित करें कि सभी बच्चे गतिविधि में प्रतिभाग करें।

कार्यपुस्तिका (भाग-2) पर कार्य

कालांश 3 40 मिनट

बच्चों को प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास के मौके देना एवं अतिरिक्त सहायता की आवश्यकता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य।

विषयवस्तु: प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-31 क्र. 3 एवं रिमीडियल कार्य

तैयारी: रिमीडियल की गतिविधि संदर्शिका से देखें।

प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास (10-15 मिनट)

- कार्यपुस्तिका के प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-31 क्र. 3 पर सप्ताह-14 के दिवस 3 के सभी चरणों के अनुसार कार्य करें।
- अंत में, प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-31 क्र. 3 से संबंधित कुछ बंद छोर के प्रश्न पूछें, जैसे- आपके गाँव में क्या-क्या है?

रिमीडियल कार्य (15-20 मिनट)

- पिछले सप्ताह किए गए साप्ताहिक आकलन के आधार पर बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य करें। इसके लिए स्तरानुसार वर्ण/ अक्षर/शब्द/वाक्यांश/वाक्य स्तर की गतिविधि कराएँ। बाकी बच्चों को प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास स्वतंत्र रूप से पढ़ने को कहें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा: बच्चों द्वारा लेखन कार्य किए जाने के दौरान क्या आपने घूम-घूमकर उनके कार्यों का अवलोकन किया? बच्चों के लेखन कार्य का अवलोकन करें एवं आवश्यकतानुसार दैनिक रूप से उनकी सहायता करें।

सप्ताह 21 दिवस 4

पाठ्यपुस्तक 'सारंगी-2' पर कार्य

कालांश 1 | 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ-20 से चयनित पाठ्यांश 'वह पेड़..... गिनने चला गया' का मार्गदर्शित पठन।

विषयवस्तु: पाठ-20 **'छुपन-छुपाई'**

तैयारी: पाठ्यांश आधारित प्रश्न

पाठ्यांश का आदर्श वाचन करना (7-10 मिनट)
- कल की चर्चा को दोहराते हुए पाठ्यांश से संबंधित कुछ बंद छोर के प्रश्न बच्चों से पूछें, फिर चयनित पाठ्यांश को हाव-भाव के साथ पढ़कर सुनाएँ।

मार्गदर्शन में पठन (7-10 मिनट)
- बच्चों को जोड़ियों/समूहों में बाँटकर चयनित पाठ्यांश को बारी-बारी से पढ़ने (मार्गदर्शन में पठन) को कहें। जो बच्चे अभी भी शब्द स्तर पर हों, उन पर विशेष ध्यान दें और उनकी सहायता करें। बाकी बच्चों की आवश्यकतानुसार सहायता करें।

बच्चों द्वारा प्रश्न बनाना (5-7 मिनट)
- कुछ बच्चों को पढ़े गए पाठ्यांश से प्रश्न बनाकर बाकी बच्चों से प्रश्न पूछने का अवसर दें। उन बच्चों को अवसर दें, जो कल प्रश्न नहीं पूछ पाए थे। बाकी बच्चों को पूछे गए प्रश्नों के उत्तर पूरे वाक्य में देने को कहें।

पाठ अभ्यास एवं संबंधित लेखन कार्य (7-10 मिनट)
- पाठ्यपुस्तक के पाठ की गतिविधि **(नीचे दिए गए..... लिखिए 1-3)** के प्रश्नों पर बच्चों से मौखिक रूप से चर्चा करें, फिर उन्हें उत्तर लिखने को कहें।

कार्यपुस्तिका (भाग-1) पर कार्य

कालांश 2 | 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ-20 पर आधारित स्तरित पाठ का मार्गदर्शन में पठन एवं लेखन अभ्यास।

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 95

तैयारी: पाठ की गतिविधियों को पहले से समझ लें।

कार्यपुस्तिका सप्ताह-21 दिवस-4 पर कार्य करें -

स्तरित पाठ पर संक्षिप्त चर्चा एवं मार्गदर्शन में पठन (12-15 मिनट)
- पिछले दिन की चर्चा को दोहराते हुए स्तरित पाठ से संबंधित 2-3 बंद छोर के प्रश्न बच्चों से पूछें।
- बच्चों को जोड़ियों/समूहों में पिछले दिन के पाठ को बारी-बारी से पढ़ने को कहें।
- **गतिविधि-1 (5 मिनट) :** दिए गए शब्दों एवं उनके अर्थ को पाठ के संदर्भ एवं बच्चों के परिवेश से जोड़कर चर्चा करें। फिर प्रत्येक शब्द पर बच्चों के साथ मौखिक रूप से वाक्य बनवाएँ। अंत में, सभी बच्चों को स्वतंत्र रूप से पढ़ने को कहें।
- **गतिविधि-2 (5 मिनट):** आप बोर्ड पर उदाहरण (कार्यपुस्तिका से भिन्न) द्वारा 3-4 लाइन का वाक्य, जिसमें 1-2 वाक्य खाली हों, फिर खाली जगह क्या लिखा जाएगा, करके बताएँ और 3-4 बच्चों से प्रतिक्रियाएँ लें। अंत में, बच्चों से उत्तर लिखने को कहें।
- **गतिविधि-3 (5-7 मिनट):** आप बच्चों के साथ मौखिक रूप से घर के अंदर और घर के बाहर खेले जाने वाले खेलों पर चर्चा करें। इसके बाद आप बोर्ड पर एक छोटी ग्रिड का उदाहरण (कार्यपुस्तिका से भिन्न) द्वारा शब्द खोजने की प्रक्रिया बच्चों को करके बताएँ। फिर दी गई गतिविधि करने को कहें।
- **गतिविधि-4 (5 मिनट):** आप बच्चों को जोड़ियों में बैठाकर आपस में बातचीत करने को कहें। बातचीत के दौरान कौन-कौन सा खेल पसंद है, पूछें। फिर कार्यपुस्तिका में दी गई गतिविधि का उत्तर लिखने को कहें।

कार्यपुस्तिका (भाग-2) पर कार्य

कालांश 3 | 40 मिनट

बच्चों को प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास के मौके देना एवं अतिरिक्त सहायता की आवश्यकता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य।

विषयवस्तु: प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-31 क्र. 4 एवं रिमीडियल कार्य

तैयारी: रिमीडियल की गतिविधि संदर्शिका से देखें।

प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास (10-15 मिनट)
- कार्यपुस्तिका के प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-31 क्र. 4 पर सप्ताह-14 के दिवस 4 के सभी चरणों के अनुसार कार्य करें।
- अंत में, प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-31 क्र. 4 से संबंधित कुछ बंद छोर के प्रश्न पूछें, जैसे- चिड़िया अपना घोसला कैसे बनाती है?

रिमीडियल कार्य (15-20 मिनट)
- पिछले सप्ताह किए गए साप्ताहिक आकलन के आधार पर बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य करें। इसके लिए स्तरानुसार वर्ण/अक्षर/शब्द/वाक्यांश/वाक्य स्तर की गतिविधि कराएँ। बाकी बच्चों को प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास स्वतंत्र रूप से पढ़ने को कहें।

कक्षा के बाकी बच्चों को प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास के पाठ पढ़ने के लिए प्रोत्साहित करें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा: बच्चों द्वारा लेखन कार्य किए जाने के दौरान क्या आपने घूम-घूमकर उनके कार्य का अवलोकन किया? बच्चों के लेखन कार्य का अवलोकन करें एवं आवश्यकतानुसार दैनिक रूप से सहायता दें।

मौखिक भाषा विकास पर कार्य

कालांश 1 | 40 मिनट

पाठ पर आधारित पुनरावृत्ति और बच्चे भाषा के उच्चस्तरीय कौशलों का उपयोग करना सीख पाएँगे।

विषयवस्तु: सृजनात्मक गतिविधि

तैयारी: गतिविधि से संबंधित जरूरी सामग्री एकत्र करें।

पाठ्यपुस्तक के पाठ पर आधारित पुनरावृत्ति (5-7 मिनट)

- पाठ-20 से संबंधित कुछ कठिन/अमूर्त शब्दों को बोर्ड पर लिखें और उन्हें बच्चों से पढ़ने को कहें, जैसे- वापस, चुपचाप आदि।
- फिर कुछ बच्चों को उन शब्दों से मौखिक रूप से वाक्य बनाकर सुनाने को कहें।

गतिविधि पर शिक्षक द्वारा चर्चा (7-10 मिनट)

- आप सृजनात्मक गतिविधि- **'किताब से शब्द छाँटो'** के विस्तृत चरणों को संदर्शिका से देखें। गतिविधि से संबंधित सभी निर्देश स्पष्टता के साथ बच्चों को देते हुए कार्य करवाएँ।

बच्चों द्वारा समूह कार्य (7-10 मिनट)

- आप बच्चों को गतिविधि के चरणों के अनुसार कार्य करने को कहें।

लेखन कार्य (7-10 मिनट)

- बच्चों को जोड़ियों में बाँटकर, इस गतिविधि में छाँटे गए क्रिया शब्दों को कॉपी में लिखने को कहें।
- कुछ बच्चों को बुलाकर उनके द्वारा लिखे गए शब्दों को सभी के साथ साझा करने को कहें।

कार्यपुस्तिका (भाग-1) पर कार्य

कालांश 2 | 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ-20 पर आधारित स्तरित पाठ का मार्गदर्शित, स्वतंत्र पठन एवं लेखन अभ्यास।

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 96

तैयारी: पाठ की गतिविधियों को पहले से समझ लें।

कार्यपुस्तिका सप्ताह-21 दिवस-5 पर कार्य करें -

स्तरित पाठ का आदर्श वाचन एवं चर्चा (7-10 मिनट)

- स्तरित पाठ का 2 बार पूरे हाव-भाव से आदर्श वाचन करें। फिर बच्चों से पाठ से संबंधित बंद एवं खुले छोर के प्रश्न करें, जैसे- कौन-सा दिन था? सभी बच्चे पारूल को खेलने के लिए क्यों बुला रहे थे? आदि।

स्वतंत्र पठन (7-10मिनट)

- प्रत्येक बच्चे को स्तरित पाठ को स्वतंत्र रूप से पढ़ने को कहें। फिर बच्चों से स्तरित पाठ का सस्वर वाचन करने को कहें, इस दौरान बाकी बच्चे अंगुली रखते हुए अनुसरण करें।
- **गतिविधि-1 (7-10 मिनट) :** प्रत्येक प्रश्न पर बच्चों से प्रतिक्रिया लें। प्रतिक्रिया से संबंधित कठिन शब्दों को बोर्ड पर लिखें, फिर स्तरित पाठ में दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखने को कहें।

नोटबुक पर कार्य :

- **गतिविधि-2 (5-7 मिनट) :** आप बोर्ड पर 9 शब्द (जादू, लपको, रख, याद, दावा, कलश, ताला, कदम, हजार) लिख दें। आप किसी एक शब्द में वर्णों/अक्षरों का क्रम बदलकर सार्थक शब्द उदाहरण के रूप में लिखें, जैसे जादू-दूजा। अब आप बच्चों को जोड़ियों में बाँटकर बोर्ड पर लिखे शब्द में वर्णों/अक्षरों का क्रम बदलकर सार्थक शब्द कॉपी/नोटबुक में लिखने और पढ़ने को कहें। इस दौरान आप आवश्यकतानुसार बच्चों की सहायता करें।

स्वतंत्र पठन पर कार्य

कालांश 3 | 40 मिनट

बच्चों द्वारा चयनित किताब का स्वतंत्र पठन एवं अतिरिक्त सहायता की आवश्यकता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य।

विषयवस्तु: स्वतंत्र पठन एवं रिमीडियल कार्य

तैयारी: चित्रात्मक कहानी की पुस्तकें।

स्वतंत्र पठन (15-17 मिनट)

- आप बच्चों को पुस्तकालय या रीडिंग कॉर्नर से चित्र सहित छोटी कहानी की किताबें अपनी इच्छा से चुनने एवं पढ़ने का अवसर दें। बच्चों को किताबों को उलटने-पलटने, पढ़ने एवं आपस में बातचीत करने के पर्याप्त अवसर दें।
- कुछ बच्चों लगभग 50% (कोशिश करें हर सप्ताह नए बच्चों को मौका मिले) को उनकी किताब की कहानी पर अपनी बात रखने का अवसर दें। बच्चे जैसी भी कहानी बताएँ, उसे स्वीकार करें। बच्चों को कहानी वाक्यों में बताने की अपेक्षा रखें एवं उन्हें सहयोग करें।

रिमीडियल कार्य (15-20 मिनट)

- अवलोकन के आधार पर अतिरिक्त सहायता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य करें। इसके लिए बच्चों के स्तरानुसार वर्ण/शब्द स्तर की गतिविधियाँ कराएँ।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा: आज की गतिविधि के दौरान क्या आप सभी बच्चों को उनके नाम से संबोधित कर पाए? प्रयास यह होना चाहिए कि बच्चों को हमेशा उनके नाम से संबोधित करें।

मौखिक भाषा विकास पर कार्य

कालांश 1 40 मिनट

अपनी भाषा में अनुभव साझा करना।

विषयवस्तुः पाठ-20 पर आधारित अनुभव पर चर्चा

तैयारीः विषय से संबंधित चर्चा के बिन्दु तय कर लें।

शिक्षक द्वारा अनुभव पर चर्चा (5-7 मिनट)

- बच्चों को बताएँ कि आज हम **'नाना के घर'** के बारे में बात करेंगे।
- आप 5-7 वाक्यों में स्वयं के **'नाना के घर'** के अनुभवों के बारे में बच्चों को बताएँ, जैसे- वहाँ आपने क्या-क्या खाया? नाना के घर कौन-कौन रहता है? आदि। **'नाना के घर'** से जुड़ा कोई खास अनुभव हो तो उसे भी बच्चों के साथ साझा करें।

बच्चों द्वारा अनुभव साझा करना (10-15 मिनट)

- अब बच्चों को **'नाना के घर'** के अनुभव पर अपने विचार/समझ कम से कम 5-6 वाक्यों में व्यक्त करने के लिए प्रोत्साहित करें। इसके लिए आप विषय से जुड़े 7-8 खुले छोर के प्रश्न भी पूछें।

लेखन कार्य (10-12 मिनट)

- आप बच्चों से उनके **'नाना के घर'** से जुड़ा कोई चित्र बनाने और कुछ शब्दों/3-4 वाक्यों में उसके बारे में लिखने को कहें। फिर बच्चों को जोड़ियों में बात करने को कहें।
- बच्चों के कार्य का अवलोकन करें और आवश्यकतानुसार उनकी सहायता करें।

सुनिश्चित करें कि बच्चे वाक्यों में प्रतिक्रिया दें।

आकलन

कालांश 2 40 मिनट

साप्ताहिक आकलन

विषयवस्तुः कार्यपुस्तिका 96

तैयारीः आकलन की योजना और प्रश्न पहले से तैयार करें।

- आप सभी बच्चों को कार्यपुस्तिका के सप्ताह-21 दिवस 3 और 5 के कार्यपत्रक में दिए गए पाठ को दोबारा पढ़ने को कहें। फिर उन्हें कार्यपुस्तिका के भाग-2 प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास 31 को भी पढ़ने को कहें।
- इसके अतिरिक्त कक्षा में उपलब्ध अन्य पठन सामग्रियों को पढ़ने को प्रोत्साहित करें।

शिक्षक द्वारा आकलन (30-35 मिनट)

- आप बच्चों को बारी-बारी से बुलाएँ और उन्हें कार्यपुस्तिका से **'मैंने सीख लिया'** को पढ़ने को कहें।
- बच्चों को **'मैंने सीख लिया'** को पढ़ने के लिए पर्याप्त समय दें। अगर बच्चे झिझक रहे हों तो उन्हें सहज महसूस कराएँ।
- फिर दिए गए प्रश्न बच्चों से मौखिक रूप से पूछें, प्रत्येक सही उत्तर के लिए 1 अंक कोष्ठक में लिखें।

आकलन

कालांश 3 40 मिनट

साप्ताहिक आकलन

विषयवस्तुः कार्यपुस्तिका 96

तैयारीः आकलन की योजना पहले से तैयार कर लें।

शिक्षक द्वारा आकलन (25-27 मिनट)

- आप कालांश-2 के आकलन को जारी रखें।

सुनकर लिखें (10 मिनट)

- आप बच्चों को सामूहिक रूप से 'सुनकर लिखें' गतिविधि करवाएँ। सभी बच्चों के लिख लेने के बाद, आप बोर्ड पर वाक्य लिख दें और बच्चों को एक-दूसरे की कॉपी जाँचने को कहें। इस पर कार्य करने के विस्तृत चरणों को संदर्शिका से देखें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षाः जिन बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य किया गया है, क्या वे बच्चे इस अभ्यास को सफलतापूर्वक कर पाए हैं या नहीं, इसे देखने के लिए उन बच्चों द्वारा किए गए कार्य को अवश्य जाँचें।

पाठ्यपुस्तक 'सारंगी-2' पर कार्य

कालांश 1 | 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ को पढ़कर सुनाना एवं चर्चा करना।

विषयवस्तु: पाठ-21 **'हाथी साइकिल चला रहा था'**

तैयारी: कठिन शब्द, बंद और खुले छोर के प्रश्न

पाठ का आदर्श वाचन (7-10 मिनट)

- पाठ के चित्रों और शीर्षक के आधार पर कविता की विषयवस्तु का अनुमान लगवाएँ, जैसे- यह कविता किसके बारे में है? आदि।
- अब बच्चों को हाव-भाव के साथ कविता मौखिक रूप से 1-2 बार सुनाएँ और बच्चों को प्रतिभाग करने के लिए प्रोत्साहित करें। इसके बाद आप कविता को पढ़ें और बच्चों को अपनी पाठ्यपुस्तक में अंगुली रखते हुए कविता का अनुसरण करने को कहें।

शब्दावली विकास (5-7 मिनट)

- पाठ के कठिन/अमूर्त शब्दों जैसे- हाँफना, घबराना आदि को बोर्ड पर लिखें और उनके अर्थ को पाठ के संदर्भ और बच्चों के परिवेश से जोड़कर बताएँ।

पाठ पर समृद्ध चर्चा (7-10 मिनट)

- कविता के बारे में बच्चों की राय पूछें, जैसे- उन्हें कविता में क्या अच्छा लगा और क्यों? आदि।
- बातचीत को समृद्ध बनाने के लिए 7-8 खुले छोर के प्रश्न भी पूछें, जैसे- अगर चींटी धक्का ना देती तो क्या होता? आदि।

पाठ अभ्यास एवं संबंधित लेखन कार्य (7-10 मिनट)

- पाठ्यपुस्तक के पाठ की गतिविधि **(कहानी लिखिए 1)** पर बच्चों से चर्चा करें और फिर उन्हें उत्तर लिखने को कहें।

कार्यपुस्तिका (भाग-1) पर कार्य

कालांश 2 | 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ-21 से संबंधित विस्तारित गतिविधि पर कार्य।

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 97

तैयारी: पाठ की गतिविधियों को पहले से समझ लें।

कार्यपुस्तिका सप्ताह-22 दिवस-1 पर कार्य करें-

- **गतिविधि-1 (7-10 मिनट):** शब्दों को आदर्श रूप से पढ़ें और बच्चों को अंगुली रखते हुए अनुसरण करने को कहें। फिर उन्हें जोड़ियों/समूहों में पढ़ने को कहें।
- **गतिविधि-2 (7-10 मिनट):** आप बोर्ड पर समानार्थी शब्दों के उदाहरण (कार्यपुस्तिका से भिन्न) देते हुए गतिविधि समझाएँ और बच्चों से अभ्यास करवाएँ। फिर कार्यपुस्तिका में दी गई गतिविधि करने को कहें।
- **गतिविधि-3 (5-7 मिनट):** आप बोर्ड पर उदाहरण (कार्यपुस्तिका से भिन्न) देते हुए गतिविधि समझाएँ और बच्चों से चर्चा करें, जैसे- हाथी साइकिल चला रहा था, वैसे अन्य जानवर क्या चलाना पसंद करेंगे? इस पर 3-4 बच्चों से प्रतिक्रिया लें। फिर कार्यपुस्तिका की गतिविधि करने को कहें।
- **गतिविधि-4 (5 मिनट):** आप बोर्ड पर उदाहरण (कार्यपुस्तिका से भिन्न) देते हुए गतिविधि समझाएँ। किसी शब्द को प्रश्नवाचक वाक्य में बदलने की प्रक्रिया बच्चों को करके बताएँ। अंत में, गतिविधि का उत्तर लिखने को कहें।
- **गतिविधि-5 (5 मिनट) :** आप 6-8 शब्दों के दो वाक्य बोलें और बच्चों से लिखने को कहें।

'सुनकर लिखें' गतिविधि समाप्त होने पर आप बोले गए वाक्यों को बोर्ड पर लिखें और बच्चों को जोड़ियों में करके एक-दूसरे की कार्यपुस्तिका जाँचने को कहें।

कार्यपुस्तिका (भाग-2) पर कार्य

कालांश 3 | 40 मिनट

बच्चों को प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास के मौके देना एवं अतिरिक्त सहायता की आवश्यकता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य।

विषयवस्तु: प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-32 क्र. 1 एवं रिमीडियल कार्य

तैयारी: रिमीडियल की गतिविधि संदर्शिका से देखें।

प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास (10-15 मिनट)

- कार्यपुस्तिका के प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-32 क्र. 1 पर सप्ताह-14 के दिवस 1 के सभी चरणों के अनुसार कार्य करें।
- अंत में, प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-32 क्र. 1 से संबंधित कुछ बंद छोर के प्रश्न पूछें, जैसे- आपको कौन-सा फल सबसे अच्छा लगता है और क्यों?

रिमीडियल कार्य (15-20 मिनट)

- पिछले सप्ताह किए गए साप्ताहिक आकलन के आधार पर बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य करें। इसके लिए स्तरानुसार वर्ण/अक्षर/शब्द/वाक्यांश/वाक्य स्तर की गतिविधि कराएँ। बाकी बच्चों को प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास स्वतंत्र रूप से पढ़ने को कहें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा: क्या कक्षा संचालन के दौरान आपने बच्चों की प्रतिक्रिया से नए खुले छोर के प्रश्न पूछे? प्रयास यह हो कि बच्चों की प्रतिक्रिया से नए खुले छोर के प्रश्न पूछे जाएँ, ताकि बच्चों की अभिव्यक्ति मुखर हो। साथ ही, उनकी तार्किक क्षमता का विकास हो।

पाठ्यपुस्तक 'सारंगी-2' पर कार्य

कालांश 1 | 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ का दोहराव और समृद्ध चर्चा।

विषयवस्तु: पाठ-21 **'हाथी साइकिल चला रहा था'**

तैयारी: पाठ आधारित प्रश्न

पाठ का आदर्श वाचन (7-10 मिनट)

- आप बच्चों से कल की चर्चा के आधार पर कुछ बंद छोर के प्रश्न पूछें, जैसे- कल हमने कौन-सी कविता पढ़ी थी? कविता किसके बारे में थी? आदि।
- अब आप कविता का 1-2 बार आदर्श वाचन करें और बच्चों से अपने साथ कविता दोहराने को कहें।

शब्दावली विकास (5-7 मिनट)

- कल आपने जिन कठिन/अमूर्त शब्दों पर कार्य किया था। उनके अर्थ बच्चों से पूछें और उन शब्दों से मौखिक रूप से वाक्य बनवाएँ।

पाठ पर समृद्ध चर्चा (7-10 मिनट)

- बातचीत को समृद्ध बनाने के लिए बच्चों के अनुभवों से जोड़ते हुए, 7-8 खुले छोर के प्रश्न भी पूछें, जैसे- चींटी साइकिल से नहीं कूदती तो क्या होता? आदि।
- बच्चों के हर उत्तर को स्वीकार करते हुए उनका प्रोत्साहन करें।
- इसके बाद आप कक्षा के कुछ बच्चों से कविता सुनाने को कहें।

पाठ अभ्यास एवं संबंधित लेखन कार्य (7-10 मिनट)

- पाठ्यपुस्तक के पाठ की गतिविधि **(बातचीत के लिए और मेरी कहानी)** पर बच्चों से मौखिक रूप से चर्चा करें और फिर उन्हें उत्तर लिखने को कहें।

कार्यपुस्तिका (भाग-1) पर कार्य

कालांश 2 | 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ-21 से संबंधित विस्तारित गतिविधि पर कार्य।

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 98

तैयारी: पाठ की गतिविधियों को पहले से समझ लें।

कार्यपुस्तिका सप्ताह-22 दिवस-2 पर कार्य करें-

- **गतिविधि-1 (7-10 मिनट):** दिए गए शब्दों एवं उनके अर्थ को पाठ के संदर्भ एवं बच्चों के परिवेश से जोड़कर चर्चा करें। फिर प्रत्येक शब्द पर बच्चों के साथ मौखिक रूप से वाक्य बनवाएँ। अंत में, सभी बच्चों को स्वतंत्र रूप से पढ़ने को कहें।
- **गतिविधि-2 (7-10 मिनट):** आप बच्चों के साथ यातायात के साधनों और उसमें लगे पहियों पर मौखिक रूप से चर्चा करें। फिर कार्यपुस्तिका में दिए गए उदाहरण से गतिविधि समझाएँ। अंत में, सभी बच्चों को उत्तर लिखने को कहें।
- **गतिविधि-3 (5-7 मिनट):** बच्चों से कुछ उदाहरण के साथ विलोम शब्द पर चर्चा करें और उनका उपयोग वाक्यों में करके बोर्ड पर लिखकर समझाएँ। फिर कार्यपुस्तिका में दी गई गतिविधि को करने को कहें।
- **गतिविधि-4 (7-10 मिनट):** आप मौखिक रूप से 'विशेषता की अवधारणा' बच्चों को उदाहरण (कार्यपुस्तिका से भिन्न) के साथ समझाएँ। फिर कार्यपुस्तिका की गतिविधि पर कार्य करने को कहें और आवश्यकतानुसार उनकी सहायता करें।

कार्यपुस्तिका (भाग-2) पर कार्य

कालांश 3 | 40 मिनट

बच्चों को प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास के मौके देना एवं अतिरिक्त सहायता की आवश्यकता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य।

विषयवस्तु: प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-32 क्र. 2 एवं रिमीडियल कार्य

तैयारी: रिमीडियल की गतिविधि संदर्शिका से देखें।

प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास (10-15 मिनट)

- कार्यपुस्तिका के प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-32 क्र. 2 पर सप्ताह-14 के दिवस 2 के सभी चरणों के अनुसार कार्य करें।
- अंत में, प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-32 क्र. 2 से संबंधित कुछ बंद छोर के प्रश्न पूछें, जैसे- आपने कभी गुब्बारा खरीदा है? अगर हाँ, तो उससे कौन-सा खेल खेलते हो?

रिमीडियल कार्य (15-20 मिनट)

- पिछले सप्ताह किए गए साप्ताहिक आकलन के आधार पर बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य करें। इसके लिए स्तरानुसार वर्ण/अक्षर/शब्द/वाक्यांश/वाक्य स्तर की गतिविधि कराएँ। बाकी बच्चों को प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास स्वतंत्र रूप से पढ़ने को कहें।

सभी बच्चों को प्रतिभाग करने के लिए प्रोत्साहित करें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा: क्या कक्षा के संचालन के दौरान बच्चों को अपनी बात साझा करने का पर्याप्त अवसर मिला। प्रयास हमेशा यह रहना चाहिए कि सभी बच्चों को अपनी बात साझा करने के पर्याप्त अवसर मिलें।

पाठ्यपुस्तक 'सारंगी-2' पर कार्य

कालांश 1 | 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ को पढ़कर सुनाना एवं चर्चा करना।

विषयवस्तु: पाठ-22 **'चार दिशाएँ'**

तैयारी: कठिन शब्द, बंद और खुले छोर के प्रश्न

पाठ का आदर्श वाचन (7-10 मिनट)

- पाठ के चित्रों और शीर्षक के आधार पर कविता की विषयवस्तु का अनुमान लगवाएँ, जैसे- यह कविता किसके बारे में है? आदि।
- अब बच्चों को हाव-भाव के साथ कविता मौखिक रूप से 1-2 बार सुनाएँ और बच्चों को प्रतिभाग करने के लिए प्रोत्साहित करें। इसके बाद आप कविता को पढ़ें और बच्चों को अपनी पाठ्यपुस्तक में अंगुली रखते हुए कविता का अनुसरण करने को कहें।

शब्दावली विकास (5-7 मिनट)

- पाठ के कठिन/अमूर्त शब्दों जैसे- दक्षिण, दिशाएँ आदि को बोर्ड पर लिखें और उनके अर्थ को पाठ के संदर्भ और बच्चों के परिवेश से जोड़कर बताएँ।

पाठ पर समृद्ध चर्चा (7-10 मिनट)

- कविता के बारे में बच्चों की राय पूछें, जैसे- उन्हें कविता में क्या अच्छा लगा और क्यों? आदि।
- बातचीत को समृद्ध बनाने के लिए 7-8 खुले छोर के प्रश्न पूछें, जैसे- आपको क्या लगता है सूरज पूरब से ही क्यों उगता है? आदि।

पाठ अभ्यास एवं संबंधित लेखन कार्य (7-10 मिनट)

- पाठ्यपुस्तक के पाठ की गतिविधि **(खेल-खेल में 1-4 और आइए कुछ बनाएँ)** पर बच्चों से चर्चा करें और फिर उन्हें चित्र बनाने को कहें।

कार्यपुस्तिका (भाग-1) पर कार्य

कालांश 2 | 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ-22 पर आधारित स्तरित पाठ का पठन एवं लेखन अभ्यास।

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 99 100

तैयारी: पाठ की गतिविधियों को पहले से समझ लें।

कार्यपुस्तिका सप्ताह-22 दिवस-3 पर कार्य करें-

स्तरित पाठ का आदर्श वाचन एवं चर्चा (10-12 मिनट)

- स्तरित पाठ के चित्रों और शीर्षक के आधार पर कविता का अनुमान लगवाएँ। स्तरित पाठ को हाव-भाव के साथ 1-2 बार आदर्श रूप में पढ़कर सुनाएँ। बच्चे स्तरित पाठ से जुड़े रहें, इसके लिए बीच-बीच में 2-3 बंद छोर के प्रश्न पूछें।

स्तरित पाठ पर समृद्ध चर्चा (7-10 मिनट)

- स्तरित पाठ से संबंधित खुले छोर के प्रश्न बच्चों से पूछें, जैसे- हम सभी लोग थक-हारकर शाम को अपने-अपने घर को क्यों आते हैं? आदि। पुनः एक बार पाठ का आदर्श वाचन करें।

स्तरित पाठ आधारित कार्य (7-10 मिनट)

- प्रत्येक प्रश्न पर बच्चों से प्रतिक्रिया लें। प्रतिक्रिया से संबंधित कठिन शब्दों को बोर्ड पर लिखें। फिर स्तरित पाठ में दिए गए प्रश्नों के उत्तर वाक्यों में लिखने को कहें।
- **गतिविधि-1 (5 मिनट)** : आप शब्दों में 'कैसे' का उपयोग उदाहरण (कार्यपुस्तिका से भिन्न) द्वारा गतिविधि समझाएँ। अंत में, सभी बच्चों को उत्तर लिखने को कहें।

सुनिश्चित करें कि सभी बच्चे गतिविधि में प्रतिभाग करें।

कार्यपुस्तिका (भाग-2) पर कार्य

कालांश 3 | 40 मिनट

बच्चों को प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास के मौके देना एवं अतिरिक्त सहायता की आवश्यकता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य।

विषयवस्तु: प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-32 क्र. 3 एवं रिमीडियल कार्य

तैयारी: रिमीडियल की गतिविधि संदर्शिका से देखें।

प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास (10-15 मिनट)

- कार्यपुस्तिका के प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-32 क्र. 3 पर सप्ताह-14 के दिवस 3 के सभी चरणों के अनुसार कार्य करें।
- अंत में, प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-32 क्र. 3 से संबंधित कुछ बंद छोर के प्रश्न पूछें, जैसे- अगर सूरज आपके बहुत पास आ जाए, तो क्या होगा?

रिमीडियल कार्य (15-20 मिनट)

- पिछले सप्ताह किए गए साप्ताहिक आकलन के आधार पर बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य करें। इसके लिए स्तरानुसार वर्ण/अक्षर/शब्द/वाक्यांश/वाक्य स्तर की गतिविधि कराएँ। बाकी बच्चों को प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास स्वतंत्र रूप से पढ़ने को कहें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा: बच्चों द्वारा लेखन कार्य किए जाने के दौरान क्या आपने घूम-घूमकर उनके कार्य का अवलोकन किया? बच्चों के लेखन कार्य का अवलोकन करें एवं आवश्यकतानुसार दैनिक रूप से सहायता दें।

पाठ्यपुस्तक 'सारंगी-2' पर कार्य

कालांश 1 | 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ का दोहराव और समृद्ध चर्चा।

विषयवस्तु: पाठ-22 **'चार दिशाएँ'**

तैयारी: पाठ आधारित प्रश्न

पाठ का आदर्श वाचन (7-10 मिनट)
- आप बच्चों से कल की चर्चा के आधार पर कुछ बंद छोर के प्रश्न पूछें, जैसे- कल हमने कौन-सी कविता पढ़ी थी? कविता किसके बारे में थी? आदि।
- अब आप कविता का 1-2 बार आदर्श वाचन करें और बच्चों से अपने साथ कविता दोहराने को कहें।

शब्दावली विकास (5-7 मिनट)
- कल आपने जिन कठिन/अमूर्त शब्दों पर कार्य किया था। उनके अर्थ बच्चों से पूछें और उन शब्दों से मौखिक रूप से वाक्य बनवाएँ।

पाठ पर समृद्ध चर्चा (7-10 मिनट)
- बातचीत को समृद्ध बनाने के लिए बच्चों के अनुभवों से जोड़ते हुए, 7-8 खुले छोर के प्रश्न भी पूछें।
- बच्चों के हर उत्तर को स्वीकार करते हुए उनका प्रोत्साहन करें।
- इसके बाद आप कक्षा के कुछ बच्चों से कविता सुनाने को कहें।

पाठ अभ्यास एवं संबंधित लेखन कार्य (7-10 मिनट)
- पाठ्यपुस्तक के पाठ की गतिविधि **(बातचीत के लिए 1, 2)** पर बच्चों से मौखिक रूप से चर्चा करें।

कार्यपुस्तिका (भाग-1) पर कार्य

कालांश 2 | 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ-22 पर आधारित स्तरित पाठ का मार्गदर्शन में पठन एवं लेखन अभ्यास।

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 101

तैयारी: पाठ की गतिविधियों को पहले से समझ लें।

कार्यपुस्तिका सप्ताह-22 दिवस-4 पर कार्य करें -
स्तरित पाठ पर संक्षिप्त चर्चा एवं मार्गदर्शन में पठन (12-15 मिनट)
- पिछले दिन की चर्चा को दोहराते हुए स्तरित पाठ से संबंधित 2-3 बंद छोर के प्रश्न बच्चों से पूछें।
- बच्चों को जोड़ियों/समूहों में पिछले दिन के पाठ को बारी-बारी से पढ़ने को कहें।
- **गतिविधि-1 (5 मिनट)** : दिए गए शब्दों एवं उनके अर्थ को पाठ के संदर्भ एवं बच्चों के परिवेश से जोड़कर चर्चा करें। फिर प्रत्येक शब्द पर बच्चों के साथ मौखिक रूप से वाक्य बनवाएँ। अंत में, सभी बच्चों को स्वतंत्र रूप से पढ़ने को कहें।
- **गतिविधि-2 (5-7 मिनट)** : आप बोर्ड पर एक छोटी ग्रिड का उदाहरण (कार्यपुस्तिका से भिन्न) बनाकर उसमें शब्द खोजने और उन शब्दों से वाक्य बनाने की प्रक्रिया बच्चों को करके बताएँ। फिर बच्चों को कार्यपुस्तिका में दी गई गतिविधि करने को कहें।
- **गतिविधि-3 (5 मिनट)** : आप बोर्ड पर पिछले दिन के स्तरित पाठ पर आधारित वाक्य (कार्यपुस्तिका से भिन्न) लिखकर गतिविधि समझाएँ और बच्चों से सही या गलत वाक्य पर प्रतिक्रिया लें। फिर दी गई गतिविधि करने को कहें।
- **गतिविधि-4 (5 मिनट)** : आप 6-8 शब्दों के दो वाक्य बोलें और बच्चों से लिखने को कहें।

'सुनकर लिखें' गतिविधि समाप्त होने पर आप बोले गए वाक्यों को बोर्ड पर लिखें और बच्चों को जोड़ियों में करके एक-दूसरे की कार्यपुस्तिका जाँचने को कहें।

कार्यपुस्तिका (भाग-2) पर कार्य

कालांश 3 | 40 मिनट

बच्चों को प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास के मौके देना एवं अतिरिक्त सहायता की आवश्यकता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य।

विषयवस्तु: प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-32 क्र. 1-3 एवं रिमीडियल कार्य

तैयारी: रिमीडियल की गतिविधि संदर्शिका से देखें।

प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास (10-15 मिनट)
- कार्यपुस्तिका के प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-32 क्र. 1-3 में से किसी एक पर सप्ताह-14 के दिवस 4 के सभी चरणों के अनुसार कार्य करें।
- अंत में, प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-32 क्र. 1-3 से चयनित क्रम से संबंधित कुछ अन्य कुछ बंद छोर के प्रश्न बच्चों से पूछें।

रिमीडियल कार्य (15-20 मिनट)
- पिछले सप्ताह किए गए साप्ताहिक आकलन के आधार पर बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य करें। इसके लिए स्तरानुसार वर्ण/अक्षर/शब्द/वाक्यांश/वाक्य स्तर की गतिविधि कराएँ। बाकी बच्चों को प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास स्वतंत्र रूप से पढ़ने को कहें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा: आज की गतिविधि के दौरान क्या आप सभी बच्चों को उनके नाम से संबोधित कर पाए? प्रयास यह होना चाहिए कि बच्चों को हमेशा उनके नाम से संबोधित करें।

मौखिक भाषा विकास पर कार्य

कालांश 1 40 मिनट

पाठ पर आधारित पुनरावृत्ति और बच्चे भाषा के उच्चस्तरीय कौशलों का उपयोग करना सीख पाएँगे।

विषयवस्तु: सृजनात्मक गतिविधि

तैयारी: गतिविधि से संबंधित जरूरी सामग्री एकत्र करें।

पाठ्यपुस्तक के पाठ पर आधारित पुनरावृत्ति (5-7 मिनट)

- पाठ 21 और 22 से संबंधित कुछ कठिन/अमूर्त शब्दों को बोर्ड पर लिखें और उन्हें बच्चों से पढ़ने को कहें, जैसे- बाँयीं, सरकने आदि। फिर कुछ बच्चों को उन शब्दों से मौखिक रूप से वाक्य बनाकर सुनाने को कहें।

गतिविधि पर शिक्षक द्वारा चर्चा (7-10 मिनट)

- आप सृजनात्मक गतिविधि- **'सूची बनाओ'** के विस्तृत चरणों को संदर्शिका से देखें। गतिविधि से सम्बन्धित सभी निर्देश स्पष्टता के साथ बच्चों को देते हुए कार्य करवाएँ।

बच्चों द्वारा समूह कार्य (7-10 मिनट)

- आप बच्चों को गतिविधि के चरणों के अनुसार कार्य करने को कहें।

लेखन कार्य (7-10 मिनट)

- बच्चों को जोड़ियों में बाँटकर, इस गतिविधि से संबंधित कोई चित्र बनाकर उसमें रंग भरने को कहें।
- कुछ बच्चों को बुलाकर उनके द्वारा बनाए गए चित्रों पर हुई चर्चा को सभी के साथ साझा करने को कहें।

कक्षा-कक्ष में बच्चों के घर की भाषा का प्रयोग करें।

कार्यपुस्तिका (भाग-1) पर कार्य

कालांश 2 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ 21-22 पर आधारित स्तरित पाठ का मार्गदर्शित, स्वतंत्र पठन एवं लेखन अभ्यास।

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 102

तैयारी: पाठ की गतिविधियों को पहले से समझ लें।

कार्यपुस्तिका सप्ताह-22 दिवस-5 पर कार्य करें -

स्तरित पाठ का आदर्श वाचन एवं चर्चा (7-10 मिनट)

- स्तरित पाठ का 2 बार पूरे हाव-भाव से आदर्श वाचन करें। फिर बच्चों से पाठ से संबंधित बंद एवं खुले छोर के प्रश्न करें, जैसे- हैप्पी रात भर किसको निहारता रहा? आपको अपने दोस्त की याद आती है तो उससे मिलने किससे जाते हो? आदि।

स्वतंत्र पठन (7-10मिनट)

- प्रत्येक बच्चे को स्तरित पाठ को स्वतंत्र रूप से पढ़ने को कहें। फिर बच्चों से स्तरित पाठ का सस्वर वाचन करने को कहें, इस दौरान बाकी बच्चे अंगुली रखते हुए अनुसरण करें।
- **गतिविधि-1 (7-10 मिनट)** : प्रत्येक प्रश्न पर बच्चों से प्रतिक्रिया लें। प्रतिक्रिया से संबंधित कठिन शब्दों को बोर्ड पर लिखें, फिर स्तरित पाठ में दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखने को कहें।

नोटबुक पर कार्य :

- **गतिविधि-2 (5-7 मिनट)** : आप 6-8 शब्दों के दो वाक्य बोलें और बच्चों से लिखने को कहें।

'सुनकर लिखें' गतिविधि समाप्त होने पर आप बोले गए वाक्यों को बोर्ड पर लिखें और बच्चों को जोड़ियों में करके एक-दूसरे की नोटबुक/कॉपी जाँचने को कहें।

स्वतंत्र पठन पर कार्य

कालांश 3 40 मिनट

बच्चों द्वारा चयनित किताब का स्वतंत्र पठन एवं अतिरिक्त सहायता की आवश्यकता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य।

विषयवस्तु: स्वतंत्र पठन एवं रिमीडियल कार्य

तैयारी: चित्रात्मक कहानी की पुस्तकें।

स्वतंत्र पठन (15-17 मिनट)

- आप बच्चों को पुस्तकालय या रीडिंग कॉर्नर से चित्र सहित छोटी कहानी की किताबें अपनी इच्छा से चुनने एवं पढ़ने का अवसर दें। बच्चों को किताबों को उलटने-पलटने, पढ़ने एवं आपस में बातचीत करने के पर्याप्त अवसर दें।
- कुछ बच्चों लगभग 50% (कोशिश करें हर सप्ताह नए बच्चों को मौका मिले) को उनकी किताब की कहानी पर अपनी बात रखने का अवसर दें। बच्चे जैसी भी कहानी बताएँ, उसे स्वीकार करें। बच्चों को कहानी वाक्यों में बताने की अपेक्षा रखें एवं उन्हें सहयोग करें।

रिमीडियल कार्य (15-20 मिनट)

- अवलोकन के आधार पर अतिरिक्त सहायता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य करें। इसके लिए बच्चों के स्तरानुसार वर्ण/शब्द स्तर की गतिविधियाँ कराएँ।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा: बच्चों द्वारा लेखन कार्य किए जाने के दौरान क्या आपने घूम-घूमकर उनके कार्यों का अवलोकन किया? बच्चों के लेखन कार्य का अवलोकन करें एवं आवश्यकतानुसार दैनिक रूप से उनकी सहायता करें।

मौखिक भाषा विकास पर कार्य

कालांश 1 40 मिनट

अपनी भाषा में अनुभव साझा करना।

विषयवस्तु: अनुभव पर चर्चा

तैयारी: विषय से संबंधित चर्चा के बिन्दु तय कर लें।

शिक्षक द्वारा अनुभव पर चर्चा (5-7 मिनट)

- आप बच्चों को बताएँ कि आज हम **'यात्रा'** के अपने अनुभव के बारे में बात करेंगे।
- आप 6-7 वाक्यों में **'यात्रा'** के अपने अनुभवों के बारे में बच्चों को बताएँ। जैसे- आपने कहाँ से कहाँ तक की यात्रा की थी? वह यात्रा कैसी थी? आदि। **'यात्रा'** से जुड़ा कोई खास अनुभव हो तो उसे भी बच्चों के साथ साझा करें।

बच्चों द्वारा अनुभव साझा करना (10-15 मिनट)

- अब बच्चों को उनकी **'यात्रा'** के अनुभव पर अपने विचार/समझ कम से कम 5-6 वाक्य में व्यक्त करने के लिए प्रोत्साहित करें। इसके लिए आप विषय से जुड़े 7-8 खुले छोर के प्रश्न भी पूछें।

लेखन कार्य (10-12 मिनट)

- आप बच्चों से **'यात्रा'** से जुड़ा कोई चित्र बनाने और कुछ शब्दों/3-4 वाक्यों में उसके बारे में लिखने को कहें। फिर अपने साथियों को बताने को कहें।
- बच्चों के कार्य का अवलोकन करें और आवश्यकतानुसार उनकी सहायता करें।

सुनिश्चित करें कि बच्चे वाक्यों में प्रतिक्रिया दें।

आकलन

कालांश 2 40 मिनट

साप्ताहिक आकलन

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 102

तैयारी: आकलन की योजना और प्रश्न पहले से तैयार करें।

- आप सभी बच्चों को कार्यपुस्तिका के सप्ताह-22 दिवस 3 और 5 के कार्यपत्रक में दिए गए पाठ को दोबारा पढ़ने को कहें। फिर उन्हें कार्यपुस्तिका के भाग-2 प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास 32 को भी पढ़ने को कहें।
- इसके अतिरिक्त कक्षा में उपलब्ध अन्य पठन सामग्रियों को पढ़ने को प्रोत्साहित करें।

शिक्षक द्वारा आकलन (30-35 मिनट)

- आप बच्चों को बारी-बारी से बुलाएँ और उन्हें कार्यपुस्तिका से **'मैंने सीख लिया'** को पढ़ने को कहें।
- बच्चों को **'मैंने सीख लिया'** को पढ़ने के लिए पर्याप्त समय दें। अगर बच्चे झिझक रहे हों तो उन्हें सहज महसूस कराएँ।
- फिर दिए गए प्रश्न बच्चों से मौखिक रूप से पूछें, प्रत्येक सही उत्तर के लिए 1 अंक कोष्ठक में लिखें।

आकलन

कालांश 3 40 मिनट

साप्ताहिक आकलन

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 102

तैयारी: आकलन की योजना पहले से तैयार कर लें।

शिक्षक द्वारा आकलन (25-27 मिनट)

- आप कालांश-2 के आकलन को जारी रखें।

सुनकर लिखें (10 मिनट)

- आप बच्चों को सामूहिक रूप से 'सुनकर लिखें' गतिविधि करवाएँ। सभी बच्चों के लिख लेने के बाद, आप बोर्ड पर वाक्य लिख दें और बच्चों को एक-दूसरे की कॉपी जाँचने को कहें। इस पर कार्य करने के विस्तृत चरणों को संदर्शिका से देखें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा: जिन बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य किया गया है, क्या वे बच्चे इस अभ्यास को सफलतापूर्वक कर पाए हैं या नहीं, इसे देखने के लिए उन बच्चों द्वारा किए गए कार्य को अवश्य जाँचें।

पाठ्यपुस्तक 'सारंगी-2' पर कार्य

कालांश 1 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ-23 का आदर्श वाचन एवं चयनित पाठ्यांश 'लो रात..... जाइए ना!' का मार्गदर्शित पठन।

विषयवस्तु: पाठ-23 **'चंदा मामा'**

तैयारी: पाठ्यांश आधारित प्रश्न

पाठ का आदर्श वाचन करना (7-10 मिनट)

- पाठ के चित्रों और शीर्षक के आधार पर कहानी की विषयवस्तु का अनुमान लगवाएँ। पूरे पाठ को हाव-भाव के साथ 1-2 बार पढ़कर सुनाएँ। बच्चे पाठ से जुड़े रहें, इसके लिए बीच-बीच में कुछ बंद छोर के प्रश्न पूछें।

कहानी को मौखिक रूप से सुनाना और चर्चा करना (7-10 मिनट)

- पाठ की कहानी या केन्द्रीय बिंदु को अपने शब्दों में सुनाकर एक बार और चर्चा करें।
- पाठ से सम्बन्धित कुछ बंद एवं 7-8 खुले छोर के प्रश्न बच्चों से पूछें, जैसे- चंदा मामा का चेहरा कैसा है? चंदा मामा के साथ किसे आने से मना किया जा रहा है? चंदा मामा क्यों मुस्कुरा रहे थे? आदि।

पाठ्यांश का मार्गदर्शन में पठन (5-7 मिनट)

- बच्चों को जोड़ियों/समूहों में बाँटकर चयनित पाठ्यांश को बारी-बारी से पढ़ने (मार्गदर्शन में पठन) को कहें।
- जो बच्चे अभी भी शब्द स्तर पर हों, उन पर विशेष ध्यान दें और उनकी सहायता करें।

पाठ अभ्यास एवं संबंधित लेखन कार्य (7-10 मिनट)

- पाठ्यपुस्तक के पाठ की गतिविधि **(शब्दों का खेल 1)** पर बच्चों से चर्चा करें और फिर उन्हें उत्तर लिखने को कहें।
- बच्चों के लेखन कार्य पर व्यक्तिगत फीडबैक दें एवं आवश्यकतानुसार उनकी सहायता करें।

कार्यपुस्तिका (भाग-1) पर कार्य

कालांश 2 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ-23 से संबंधित विस्तारित गतिविधि पर कार्य।

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 103

तैयारी: पाठ की गतिविधियों को पहले से समझ लें।

कार्यपुस्तिका सप्ताह-23 दिवस-1 पर कार्य करें-

- **गतिविधि-1 (7-10 मिनट):** शब्दों को आदर्श रूप से पढ़ें और बच्चों को अंगुली रखते हुए अनुसरण करने को कहें। फिर उन्हें जोड़ियों/समूहों में पढ़ने को कहें।
- **गतिविधि-2 (7-10 मिनट):** आप बोर्ड पर समानार्थी शब्दों के उदाहरण (कार्यपुस्तिका से भिन्न) देते हुए गतिविधि समझाएँ और बच्चों से अभ्यास करवाएँ। फिर कार्यपुस्तिका में दी गई गतिविधि करने को कहें।
- **गतिविधि-3 (5 मिनट):** बच्चों के साथ चर्चा करें कि आपको कहीं जाना होता है तो आप किन-किन साधनों से जाते हैं। फिर कार्यपुस्तिका में दी गई गतिविधि का उत्तर लिखने को कहें।
- **गतिविधि-4 (5-7 मिनट):** आप कोई चित्र (कार्यपुस्तिका से भिन्न) लेकर उसके बारे में 3-4 वाक्यों में बताएँ। इस पर बच्चों से प्रतिक्रिया लें। फिर कार्यपुस्तिका में दी गई गतिविधि को करने को कहें।
- **गतिविधि-5 (5 मिनट):** आप 6-8 शब्दों के दो वाक्य बोलें और बच्चों से लिखने को कहें।

'सुनकर लिखें' गतिविधि समाप्त होने पर आप बोले गए वाक्यों को बोर्ड पर लिखें और बच्चों को जोड़ियों में करके एक-दूसरे की कार्यपुस्तिका जाँचने को कहें।

कार्यपुस्तिका (भाग-2) पर कार्य

कालांश 3 40 मिनट

बच्चों को प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास के मौके देना एवं अतिरिक्त सहायता की आवश्यकता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य।

विषयवस्तु: प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-33 क्र. 1 एवं रिमीडियल कार्य

तैयारी: रिमीडियल की गतिविधि संदर्शिका से देखें।

प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास (10-15 मिनट)

- कार्यपुस्तिका के प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-33 क्र. 1 पर सप्ताह-14 के दिवस 1 के सभी चरणों के अनुसार कार्य करें।
- अंत में, प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-33 क्र. 1 से संबंधित कुछ बंद छोर के प्रश्न पूछें, जैसे- राहुल को झूले से क्यों डर लगता होगा?

रिमीडियल कार्य (15-20 मिनट)

- पिछले सप्ताह किए गए साप्ताहिक आकलन के आधार पर बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य करें। इसके लिए स्तरानुसार वर्ण/ अक्षर/शब्द/वाक्यांश/वाक्य स्तर की गतिविधि कराएँ। बाकी बच्चों को प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास स्वतंत्र रूप से पढ़ने को कहें।

सभी बच्चों को प्रतिभाग करने के लिए प्रोत्साहित करें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा: शिक्षण प्रक्रिया के दौरान यदि बच्चों की सहभागिता कम हो जाए या फिर वे ऊबने लगें तो सौहार्दपूर्ण वातावरण निर्माण की गतिविधि द्वारा उन्हें शिक्षण प्रक्रिया से दोबारा जोड़ें।

पाठ्यपुस्तक 'सारंगी-2' पर कार्य

कालांश 1 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ-23 से चयनित पाठ्यांश 'मैं चंदा..... आओ ना' का मार्गदर्शित पठन।

विषयवस्तु: पाठ-23 **'चंदा मामा'**

तैयारी: पाठ्यांश आधारित प्रश्न

पाठ्यांश का आदर्श वाचन करना (7-10 मिनट)

- कल की चर्चा को दोहराते हुए पाठ्यांश से संबंधित कुछ बंद छोर के प्रश्न बच्चों से पूछें, फिर चयनित पाठ्यांश को हाव-भाव के साथ पढ़कर सुनाएँ।

मार्गदर्शन में पठन (7-10 मिनट)

- बच्चों को जोड़ियों/समूहों में बाँटकर चयनित पाठ्यांश को बारी-बारी से पढ़ने (मार्गदर्शन में पठन) को कहें। जो बच्चे अभी भी शब्द स्तर पर हों, उन पर विशेष ध्यान दें और उनकी सहायता करें। बाकी बच्चों की आवश्यकतानुसार सहायता करें।

बच्चों द्वारा प्रश्न बनाना (5-7 मिनट)

- कुछ बच्चों को पढ़े गए पाठ्यांश से प्रश्न बनाकर बाकी बच्चों से प्रश्न पूछने का अवसर दें। फिर बच्चों को पूछे गए प्रश्नों के उत्तर पूरे वाक्य में देने को कहें। अगर बच्चे प्रश्न नहीं बना पा रहे हैं तो आप उनकी सहायता करें।

पाठ अभ्यास एवं संबंधित लेखन कार्य (7-10 मिनट)

- पाठ्यपुस्तक के पाठ की गतिविधि **(चित्रकारी और लेखन)** के प्रश्नों पर बच्चों से मौखिक रूप से चर्चा करें और फिर उन्हें उत्तर लिखने को कहें। बच्चों के लेखन कार्य पर व्यक्तिगत फीडबैक दें एवं आवश्यकतानुसार उनकी सहायता करें।

कार्यपुस्तिका (भाग-1) पर कार्य

कालांश 2 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ-23 से संबंधित विस्तारित गतिविधि पर कार्य।

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 104

तैयारी: पाठ की गतिविधियों को पहले से समझ लें।

कार्यपुस्तिका सप्ताह-23 दिवस-2 पर कार्य करें-

- **गतिविधि-1 (7-10 मिनट):** दिए गए शब्दों एवं उनके अर्थ को पाठ के संदर्भ एवं बच्चों के परिवेश से जोड़कर चर्चा करें। फिर प्रत्येक शब्द पर बच्चों के साथ मौखिक रूप से वाक्य बनवाएँ। अंत में, सभी बच्चों को स्वतंत्र रूप से पढ़ने को कहें।
- **गतिविधि-2 (5-7 मिनट):** आप बोर्ड पर उदाहरण (कार्यपुस्तिका से भिन्न) देते हुए गतिविधि समझाएँ, जैसे- मली - मूली। शब्दों की वर्तनी पर बच्चों से चर्चा करें और प्रतिक्रियाएँ लें। फिर दी गई गतिविधि बच्चों को करने को कहें।
- **गतिविधि-3 (7-10 मिनट):** बच्चों को कार्यपुस्तिका में दिए गए शब्दों को पढ़ने को कहें और प्रत्येक शब्द पर चर्चा करें कि वो **'संज्ञा'** है या **'क्रिया'**। अंत में, सभी बच्चों को गतिविधि करने को कहें।
- **गतिविधि-4 (5 मिनट):** आप मौखिक रूप से बच्चों से बातचीत करें कि अगर चंदा मामा से बात करने का मौका मिले तो उनसे क्या-क्या बात करना चाहोगे। इस पर 3-4 बच्चों की प्रतिक्रिया लें। अंत में, सभी बच्चों को उत्तर लिखने को कहें।
- **गतिविधि-5 (5 मिनट):** आप 6-8 शब्दों के दो वाक्य बोलें और बच्चों से लिखने को कहें।

'सुनकर लिखें' गतिविधि समाप्त होने पर आप बोले गए वाक्यों को बोर्ड पर लिखें और बच्चों को जोड़ियों में करके एक-दूसरे की कार्यपुस्तिका जाँचने को कहें।

कार्यपुस्तिका (भाग-2) पर कार्य

कालांश 3 40 मिनट

बच्चों को प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास के मौके देना एवं अतिरिक्त सहायता की आवश्यकता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य।

विषयवस्तु: प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-33 क्र. 2 एवं रिमीडियल कार्य

तैयारी: रिमीडियल की गतिविधि संदर्शिका से देखें।

प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास (10-15 मिनट)

- कार्यपुस्तिका के प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-33 क्र. 2 पर सप्ताह-14 के दिवस 2 के सभी चरणों के अनुसार कार्य करें।
- अंत में, प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-33 क्र. 2 से संबंधित कुछ बंद छोर के प्रश्न पूछें, जैसे- अमरूद खाने के बाद मोर ने तोते को नाच क्यों दिखाया होगा?

रिमीडियल कार्य (15-20 मिनट)

- पिछले सप्ताह किए गए साप्ताहिक आकलन के आधार पर बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य करें। इसके लिए स्तरानुसार वर्ण/अक्षर/शब्द/वाक्यांश/वाक्य स्तर की गतिविधि कराएँ। बाकी बच्चों को प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास स्वतंत्र रूप से पढ़ने को कहें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा: बच्चों को अपनी प्रतिक्रिया पूरे वाक्यों में देने को प्रोत्साहित करें।

पाठ्यपुस्तक 'सारंगी-2' पर कार्य

कालांश 1 | 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ को पढ़कर सुनाना एवं चर्चा करना।

विषयवस्तु: पाठ-24 **'गिरे तालाब में चंदा मामा'**

तैयारी: कठिन शब्द, बंद और खुले छोर के प्रश्न

पाठ का आदर्श वाचन (7-10 मिनट)

- पाठ के चित्रों और शीर्षक के आधार पर कविता की विषयवस्तु का अनुमान लगवाएँ, जैसे- यह कविता किसके बारे में है? आदि।
- अब बच्चों को हाव-भाव के साथ कविता मौखिक रूप से 1-2 बार सुनाएँ और बच्चों को प्रतिभाग करने के लिए प्रोत्साहित करें। इसके बाद आप कविता को पढ़ें। बच्चों को अपनी पाठ्यपुस्तक में अंगुली रखते हुए कविता का अनुसरण करने को कहें।

शब्दावली विकास (5-7 मिनट)

- पाठ के कठिन/अमूर्त शब्दों जैसे- अचम्भा, मछुआरे आदि को बोर्ड पर लिखें और उनके अर्थ को पाठ के संदर्भ और बच्चों के परिवेश से जोड़कर बताएँ।

पाठ पर समृद्ध चर्चा (7-10 मिनट)

- कविता के बारे में बच्चों की राय पूछें, जैसे- उन्हें कविता में क्या अच्छा लगा और क्यों? आदि।
- बातचीत को समृद्ध बनाने के लिए 7-8 खुले छोर के प्रश्न भी पूछें, जैसे- अगर आपको तालाब से चंदा मामा को निकालना हो तो आप कैसे निकालोगे? आदि।

पाठ अभ्यास एवं संबंधित लेखन कार्य (7-10 मिनट)

- पाठ्यपुस्तक के पाठ की गतिविधि **(शब्दों का खेल 1-3)** पर बच्चों से चर्चा करें और फिर उन्हें उत्तर लिखने को कहें।

कार्यपुस्तिका (भाग-1) पर कार्य

कालांश 2 | 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ-24 पर आधारित स्तरित पाठ का पठन एवं लेखन अभ्यास।

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 105 106

तैयारी: पाठ की गतिविधियों को पहले से समझ लें।

कार्यपुस्तिका सप्ताह-23 दिवस-3 पर कार्य करें-

स्तरित पाठ का आदर्श वाचन एवं चर्चा (10-12 मिनट)

- स्तरित पाठ के चित्रों और शीर्षक के आधार पर कविता का अनुमान लगवाएँ। स्तरित पाठ को हाव-भाव के साथ 1-2 बार आदर्श रूप में पढ़कर सुनाएँ। बच्चे स्तरित पाठ से जुड़े रहें, इसके लिए बीच-बीच में 2-3 बंद छोर के प्रश्न पूछें।

स्तरित पाठ पर समृद्ध चर्चा (7-10 मिनट)

- स्तरित पाठ से संबंधित खुले छोर के प्रश्न बच्चों से पूछें, जैसे- चाँद रोज घटता-बढ़ता क्यों रहता है? आदि। पुनः एक बार पाठ का आदर्श वाचन करें।

स्तरित पाठ आधारित कार्य (7-10 मिनट)

- प्रत्येक प्रश्न पर बच्चों से प्रतिक्रिया लें। प्रतिक्रिया से संबंधित कठिन शब्दों को बोर्ड पर लिखें। फिर स्तरित पाठ में दिए गए प्रश्नों के उत्तर वाक्यों में लिखने को कहें।
- **गतिविधि-1 (5 मिनट) :** बच्चों को कार्यपुस्तिका में दिए गए पाठ को पढ़ने को कहें और प्रत्येक शब्द पर चर्चा करें कि वो **'संज्ञा'** है या **'क्रिया'**। अंत में, सभी बच्चों को गतिविधि करने को कहें।

सुनिश्चित करें कि सभी बच्चे गतिविधि में प्रतिभाग करें ।

कार्यपुस्तिका (भाग-2) पर कार्य

कालांश 3 | 40 मिनट

बच्चों को प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास के मौके देना एवं अतिरिक्त सहायता की आवश्यकता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य।

विषयवस्तु: प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-33 क्र. 3 एवं रिमीडियल कार्य

तैयारी: रिमीडियल की गतिविधि संदर्शिका से देखें।

प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास (10-15 मिनट)

- कार्यपुस्तिका के प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-33 क्र. 3 पर सप्ताह-14 के दिवस 3 के सभी चरणों के अनुसार कार्य करें।
- अंत में, प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-33 क्र. 3 से संबंधित कुछ बंद छोर के प्रश्न पूछें, जैसे- गौरैया दाने के अलावा और क्या-क्या खाती होगी?

रिमीडियल कार्य (15-20 मिनट)

- पिछले सप्ताह किए गए साप्ताहिक आकलन के आधार पर बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य करें। इसके लिए स्तरानुसार वर्ण/ अक्षर/शब्द/वाक्यांश/वाक्य स्तर की गतिविधि कराएँ। बाकी बच्चों को प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास स्वतंत्र रूप से पढ़ने को कहें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा: क्या कक्षा संचालन के दौरान आपने बच्चों की प्रतिक्रिया से नए खुले छोर के प्रश्न पूछे? प्रयास यह हो कि बच्चों की प्रतिक्रिया से नए खुले छोर के प्रश्न पूछे जाएँ, ताकि बच्चों की अभिव्यक्ति मुखर हो। साथ ही, उनकी तार्किक क्षमता का विकास हो।

पाठ्यपुस्तक 'सारंगी-2' पर कार्य

कालांश 1 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ का दोहराव और समृद्ध चर्चा।

विषयवस्तु: पाठ-24 **'गिरे तालाब में चंदा मामा'**

तैयारी: पाठ आधारित प्रश्न

पाठ का आदर्श वाचन (7-10 मिनट)

- आप बच्चों से कल की चर्चा के आधार पर कुछ बंद छोर के प्रश्न पूछें, जैसे- कल हमने कौन-सी कविता पढ़ी थी? कविता किसके बारे में थी? आदि।
- अब आप कविता का 1-2 बार आदर्श वाचन करें और बच्चों से अपने साथ कविता दोहराने को कहें।

शब्दावली विकास (5-7 मिनट)

- कल आपने जिन कठिन/अमूर्त शब्दों पर कार्य किया था। उनके अर्थ बच्चों से पूछें और उन शब्दों से मौखिक रूप से वाक्य बनवाएँ।

पाठ पर समृद्ध चर्चा (7-10 मिनट)

- बातचीत को समृद्ध बनाने के लिए बच्चों के अनुभवों से जोड़ते हुए, 7-8 खुले छोर के प्रश्न भी पूछें, जैसे- चंदा मामा जाल में ना फँसते तो क्या होता? आदि।
- बच्चों के हर उत्तर को स्वीकार करते हुए उनका प्रोत्साहन करें।
- इसके बाद आप कक्षा के कुछ बच्चों से कविता सुनाने को कहें।

पाठ अभ्यास एवं संबंधित लेखन कार्य (7-10 मिनट)

- पाठ्यपुस्तक के पाठ की गतिविधि **(मिलकर पढ़िए एवं सोचिए और लिखिए 1, 2)** पर बच्चों से मौखिक रूप से चर्चा करें और फिर उन्हें उत्तर लिखने को कहें।

कार्यपुस्तिका (भाग-1) पर कार्य

कालांश 2 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ-24 पर आधारित स्तरित पाठ का मार्गदर्शन में पठन एवं लेखन अभ्यास।

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 107

तैयारी: पाठ की गतिविधियों को पहले से समझ लें।

कार्यपुस्तिका सप्ताह-23 दिवस-4 पर कार्य करें -

स्तरित पाठ पर संक्षिप्त चर्चा एवं मार्गदर्शन में पठन (12-15 मिनट)

- पिछले दिन की चर्चा को दोहराते हुए स्तरित पाठ से संबंधित 2-3 बंद छोर के प्रश्न बच्चों से पूछें।
- बच्चों को जोड़ियों/समूहों में पिछले दिन के पाठ को बारी-बारी से पढ़ने को कहें।
- **गतिविधि-1 (5 मिनट) :** दिए गए शब्दों एवं उनके अर्थ को पाठ के संदर्भ एवं बच्चों के परिवेश से जोड़कर चर्चा करें। फिर प्रत्येक शब्द पर बच्चों के साथ मौखिक रूप से वाक्य बनवाएँ। अंत में, सभी बच्चों को स्वतंत्र रूप से पढ़ने को कहें।
- **गतिविधि-2 (5-7 मिनट) :** आप मौखिक रूप से बच्चों के साथ पिछले दिवस के पाठ के आधार पर चर्चा करें कि लड़की बड़ी होकर क्या-क्या करना चाह रही थी। फिर कार्यपुस्तिका में दी गई गतिविधि को करने को कहें।
- **गतिविधि-3 (5 मिनट) :** आप बोर्ड पर उदाहरण (कार्यपुस्तिका से भिन्न) के रूप में एक वाक्य लिखें, जैसे- पक्षी <u>बगीचे</u> में चहचहा रहे थे। वाक्य में रेखांकित शब्द से दूसरा वाक्य बनाकर लिखें, जैसे- **बगीचे** में सब आराम करने आते हैं। फिर कार्यपुस्तिका में दी गई गतिविधि को करने को कहें।
- **गतिविधि-4 (5 मिनट) :** आप मौखिक रूप से 'शब्दों में विशेषण जोड़कर' (कार्यपुस्तिका से भिन्न) गतिविधि समझाएँ। फिर कार्यपुस्तिका में दी गई गतिविधि पर कार्य करने को कहें।

कार्यपुस्तिका (भाग-2) पर कार्य

कालांश 3 40 मिनट

बच्चों को प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास के मौके देना एवं अतिरिक्त सहायता की आवश्यकता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य।

विषयवस्तु: प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-33 क्र. 1-3 एवं रिमीडियल कार्य

तैयारी: रिमीडियल की गतिविधि संदर्शिका से देखें।

प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास (10-15 मिनट)

- कार्यपुस्तिका के प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-33 क्र. 1-3 में से किसी एक पर सप्ताह-14 के दिवस 4 के सभी चरणों के अनुसार कार्य करें।
- अंत में, प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-33 क्र. 1-3 से चयनित क्रम से संबंधित कुछ अन्य कुछ बंद छोर के प्रश्न बच्चों से पूछें।

रिमीडियल कार्य (15-20 मिनट)

- पिछले सप्ताह किए गए साप्ताहिक आकलन के आधार पर बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य करें। इसके लिए स्तरानुसार वर्ण/अक्षर/शब्द/वाक्यांश/वाक्य स्तर की गतिविधि कराएँ। बाकी बच्चों को प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास स्वतंत्र रूप से पढ़ने को कहें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा: बच्चों द्वारा लेखन कार्य किए जाने के दौरान क्या आपने घूम-घूमकर उनके कार्यों का अवलोकन किया? बच्चों के लेखन कार्य का अवलोकन करें एवं आवश्यकतानुसार दैनिक रूप से उनकी सहायता करें।

मौखिक भाषा विकास पर कार्य

कालांश 1 | 40 मिनट

पाठ पर आधारित पुनरावृत्ति और बच्चे भाषा के उच्चस्तरीय कौशलों का उपयोग करना सीख पाएँगे।

विषयवस्तु: सृजनात्मक गतिविधि

तैयारी: गतिविधि से संबंधित जरूरी सामग्री एकत्र करें।

पाठ्यपुस्तक के पाठ पर आधारित पुनरावृत्ति (5-7 मिनट)

- पाठ 23 और 24 से संबंधित कुछ कठिन/अमूर्त शब्दों को बोर्ड पर लिखें और उन्हें बच्चों से पढ़ने को कहें, जैसे- गपशप, फँसे आदि। फिर कुछ बच्चों को उन शब्दों से मौखिक रूप से वाक्य बनाकर सुनाने को कहें।

सृजनात्मक गतिविधि पर चर्चा (5-7 मिनट)

- आप सृजनात्मक गतिविधि- **'ग्रीटिंग कार्ड बनाना'** के विस्तृत चरणों को संदर्शिका से देखें। गतिविधि से संबंधित एक उदाहरण बच्चों को दें और गतिविधि के चरणों के निर्देश स्पष्टता से बताएँ।
- अब आप बच्चों को गतिविधि के चरणों के अनुसार कार्य करने को कहें।

बच्चों द्वारा लेखन कार्य (10-12 मिनट)

- बच्चों को जोड़ियों में बाँटकर ग्रीटिंग कार्ड बनाने एवं उस पर अपने दोस्त के बारे में एक **संदेश** लिखने और उस पर आपस में चर्चा करने को कहें।

बच्चों द्वारा अपने कार्य को साझा करना (7-10 मिनट)

- किन्हीं 3-4 बच्चों को ग्रीटिंग दिखाते हुए अपने विचार पूरी कक्षा के साथ साझा करने को कहें। बच्चों द्वारा बनाए ग्रीटिंग्स को **'बच्चों का कोना'** में लगा दें।

कार्यपुस्तिका (भाग-1) पर कार्य

कालांश 2 | 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ 23-24 पर आधारित स्तरित पाठ का मार्गदर्शित, स्वतंत्र पठन एवं लेखन अभ्यास।

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 108

तैयारी: पाठ की गतिविधियों को पहले से समझ लें।

कार्यपुस्तिका सप्ताह-23 दिवस-5 पर कार्य करें -

स्तरित पाठ का आदर्श वाचन एवं चर्चा (7-10 मिनट)

- स्तरित पाठ का 2 बार पूरे हाव-भाव से आदर्श वाचन करें। फिर बच्चों से पाठ से संबंधित बंद एवं खुले छोर के प्रश्न करें, जैसे- बादलों के नरम बिस्तर पर कौन आराम करता है? चंदा मामा को चमक किससे मिलती है? आदि।

स्वतंत्र पठन (7-10मिनट)

- प्रत्येक बच्चे को स्तरित पाठ को स्वतंत्र रूप से पढ़ने को कहें। फिर बच्चों से स्तरित पाठ का सस्वर वाचन करने को कहें, इस दौरान बाकी बच्चे अंगुली रखते हुए अनुसरण करें।
- **गतिविधि-1 (7-10 मिनट) :** प्रत्येक प्रश्न पर बच्चों से प्रतिक्रिया लें। प्रतिक्रिया से संबंधित कठिन शब्दों को बोर्ड पर लिखें, फिर स्तरित पाठ में दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखने को कहें।

नोटबुक पर कार्य :

- **गतिविधि-2 (5-7 मिनट) :** आप आप बोर्ड पर 5x5 का ग्रिड बनाकर उसमें कुछ ऐसे वर्ण/अक्षर लिखें, जिनसे कुछ सार्थक शब्द (ऊपर से नीचे, दाएँ से बाएँ) बनाए जा सकें। आप बच्चों को जोड़ियों में बाँटकर ग्रिड से सार्थक शब्द बनाकर कॉपी में लिखने और पढ़ने को कहें। अंत में, 3-4 जोड़ियों से उनके द्वारा बनाए गए शब्द पढ़ने को कहें।

स्वतंत्र पठन पर कार्य

कालांश 3 | 40 मिनट

बच्चों द्वारा चयनित किताब का स्वतंत्र पठन एवं अतिरिक्त सहायता की आवश्यकता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य।

विषयवस्तु: स्वतंत्र पठन एवं रिमीडियल कार्य

तैयारी: चित्रात्मक कहानी की पुस्तकें।

स्वतंत्र पठन (15-17 मिनट)

- आप बच्चों को पुस्तकालय या रीडिंग कॉर्नर से चित्र सहित छोटी कहानी की किताबें अपनी इच्छा से चुनने एवं पढ़ने का अवसर दें। बच्चों को किताबों को उलटने-पलटने, पढ़ने एवं आपस में बातचीत करने के पर्याप्त अवसर दें।
- कुछ बच्चों लगभग 50% (कोशिश करें हर सप्ताह नए बच्चों को मौका मिले) को उनकी किताब की कहानी पर अपनी बात रखने का अवसर दें। बच्चे जैसी भी कहानी बताएँ, उसे स्वीकार करें। बच्चों को कहानी वाक्यों में बताने की अपेक्षा रखें एवं उन्हें सहयोग करें।

रिमीडियल कार्य (15-20 मिनट)

- अवलोकन के आधार पर अतिरिक्त सहायता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य करें। इसके लिए बच्चों के स्तरानुसार वर्ण/शब्द स्तर की गतिविधियाँ कराएँ।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा: आज की गतिविधि के दौरान क्या आप सभी बच्चों को उनके नाम से संबोधित कर पाए? प्रयास यह होना चाहिए कि बच्चों को हमेशा उनके नाम से संबोधित करें।

मौखिक भाषा विकास पर कार्य

कालांश 1 40 मिनट

अपनी भाषा में अनुभव साझा करना।

विषयवस्तु: अनुभव पर चर्चा

तैयारी: विषय से संबंधित चर्चा के बिन्दु तय कर लें।

शिक्षक द्वारा अनुभव पर चर्चा (5-7 मिनट)

- बच्चों को बताएँ कि आज हम अपने **'सपने'** के बारे में बात करेंगे।
- आप 7-8 वाक्यों में स्वयं के **'सपनों'** के अनुभवों के बारे में बच्चों को बताएँ, जैसे- अब तक का आपका सबसे अच्छा सपना कौन-सा है? आदि। **'सपने'** से जुड़ा कोई खास अनुभव हो तो उसे भी बच्चों के साथ साझा करें।

बच्चों द्वारा अनुभव साझा करना (10-15 मिनट)

- अब बच्चों को उनके **'सपने'** से जुड़े किसी अनुभव पर अपने विचार/समझ कम से कम 5-6 वाक्य में व्यक्त करने के लिए प्रोत्साहित करें। इसके लिए आप विषय से जुड़े 7-8 खुले छोर के प्रश्न भी पूछें।

लेखन कार्य (10-15 मिनट)

- आप बच्चों से उनके **'सपने'** के अनुभव से जुड़ा कोई चित्र बनाने और कुछ शब्दों/3-4 वाक्यों में उसके बारे में लिखने को कहें। फिर बच्चों को जोड़ियों में बात करने को कहें।
- बच्चों के कार्य का अवलोकन करें और आवश्यकतानुसार उनकी सहायता करें।

सुनिश्चित करें कि बच्चे वाक्यों में प्रतिक्रिया दें।

आकलन

कालांश 2 40 मिनट

साप्ताहिक आकलन

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 108

तैयारी: आकलन की योजना और प्रश्न पहले से तैयार करें।

- आप सभी बच्चों को कार्यपुस्तिका के सप्ताह-23 दिवस 3 और 5 के कार्यपत्रक में दिए गए पाठ को दोबारा पढ़ने को कहें। फिर उन्हें कार्यपुस्तिका के भाग-2 प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास 33 को भी पढ़ने को कहें।
- इसके अतिरिक्त कक्षा में उपलब्ध अन्य पठन सामग्रियों को पढ़ने को प्रोत्साहित करें।

शिक्षक द्वारा आकलन (30-35 मिनट)

- आप बच्चों को बारी-बारी से बुलाएँ और उन्हें कार्यपुस्तिका से **'मैंने सीख लिया'** को पढ़ने को कहें।
- बच्चों को **'मैंने सीख लिया'** को पढ़ने के लिए पर्याप्त समय दें। अगर बच्चे झिझक रहे हों तो उन्हें सहज महसूस कराएँ।
- फिर दिए गए प्रश्न बच्चों से मौखिक रूप से पूछें, प्रत्येक सही उत्तर के लिए 1 अंक कोष्ठक में लिखें।

आकलन

कालांश 3 40 मिनट

साप्ताहिक आकलन

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 108

तैयारी: आकलन की योजना पहले से तैयार कर लें।

शिक्षक द्वारा आकलन (25-27 मिनट)

- आप कालांश-2 के आकलन को जारी रखें।

सुनकर लिखें (10 मिनट)

- आप बच्चों को सामूहिक रूप से 'सुनकर लिखें' गतिविधि करवाएँ। सभी बच्चों के लिख लेने के बाद, आप बोर्ड पर वाक्य लिख दें और बच्चों को एक-दूसरे की कॉपी जाँचने को कहें। इस पर कार्य करने के विस्तृत चरणों को संदर्शिका से देखें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा: जिन बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य किया गया है, क्या वे बच्चे इस अभ्यास को सफलतापूर्वक कर पाए हैं या नहीं, इसे देखने के लिए उन बच्चों द्वारा किए गए कार्य को अवश्य जाँचें।

पाठ्यपुस्तक 'सारंगी-2' पर कार्य

कालांश 1 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ-25 का आदर्श वाचन एवं चयनित पाठ्यांश 'बारिश!..... गरम' का मार्गदर्शित पठन।

विषयवस्तु: पाठ-25 **'सबसे बड़ा छाता'**

तैयारी: पाठ्यांश आधारित प्रश्न

पाठ का आदर्श वाचन करना (7-10 मिनट)

- पाठ के चित्रों और शीर्षक के आधार पर कहानी की विषयवस्तु का अनुमान लगवाएँ। पूरे पाठ को हाव-भाव के साथ 1-2 बार पढ़कर सुनाएँ। बच्चे पाठ से जुड़े रहें, इसके लिए बीच-बीच में कुछ बंद छोर के प्रश्न पूछें।

कहानी को मौखिक रूप से सुनाना और चर्चा करना (7-10 मिनट)

- पाठ की कहानी या केन्द्रीय बिंदु को अपने शब्दों में सुनाकर एक बार और चर्चा करें।
- पाठ से सम्बन्धित कुछ बंद एवं 7-8 खुले छोर के प्रश्न बच्चों से पूछें, जैसे- बारिश से क्या-क्या गीला हो गया था? छप-छपाक की आवाज कहाँ से आ रही थी? अगर छाता नहीं बन पाता तो बच्चे बारिश से कैसे बचते? आदि।

पाठ्यांश का मार्गदर्शन में पठन (5-7 मिनट)

- बच्चों को जोड़ियों/समूहों में बाँटकर चयनित पाठ्यांश को बारी-बारी से पढ़ने (मार्गदर्शन में पठन) को कहें।
- जो बच्चे अभी भी शब्द स्तर पर हों, उन पर विशेष ध्यान दें और उनकी सहायता करें। बाकी बच्चों की आवश्यकतानुसार सहायता करें।

पाठ अभ्यास एवं संबंधित लेखन कार्य (7-10 मिनट)

- पाठ्यपुस्तक के पाठ की गतिविधि **(खेल-खेल में 1-5 और शब्दों का खेल)** पर बच्चों से चर्चा करें और फिर उन्हें उत्तर लिखने को कहें।

कार्यपुस्तिका (भाग-1) पर कार्य

कालांश 2 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ-25 से संबंधित विस्तारित गतिविधि पर कार्य।

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 109

तैयारी: पाठ की गतिविधियों को पहले से समझ लें।

कार्यपुस्तिका सप्ताह-24 दिवस-1 पर कार्य करें-

- **गतिविधि-1 (7-10 मिनट):** शब्दों को आदर्श रूप से पढ़ें और बच्चों को अंगुली रखते हुए अनुसरण करने को कहें। फिर उन्हें जोड़ियों/समूहों में पढ़ने को कहें।
- **गतिविधि-2 (5-7 मिनट):** आप बोर्ड पर उदाहरण (कार्यपुस्तिका से भिन्न) देते हुए गतिविधि समझाएँ। किसी शब्द को प्रश्नवाचक वाक्य में बदलने की प्रक्रिया बच्चों को करके बताएँ। अंत में, गतिविधि का उत्तर लिखने को कहें।
- **गतिविधि-3 (5-7 मिनट):** बच्चों को एकवचन एवं बहुवचन की अवधारणा बोर्ड पर उदाहरण (कार्यपुस्तिका से भिन्न) के साथ समझाएँ एवं अभ्यास करवाएँ। अंत में, सभी बच्चों को गतिविधि करने को कहें।
- **गतिविधि-4 (5-7 मिनट):** आप मौखिक रूप से 'संज्ञा की अवधारणा' बच्चों को उदाहरण (कार्यपुस्तिका से भिन्न) के साथ समझाएँ। फिर कार्यपुस्तिका की गतिविधि पर कार्य करने को कहें।
- **गतिविधि-5 (5 मिनट):** आप 6-8 शब्दों के दो वाक्य बोलें और बच्चों से लिखने को कहें।

'सुनकर लिखें' गतिविधि समाप्त होने पर आप बोले गए वाक्यों को बोर्ड पर लिखें और बच्चों को जोड़ियों में करके एक-दूसरे की कार्यपुस्तिका जाँचने को कहें।

कार्यपुस्तिका (भाग-2) पर कार्य

कालांश 3 40 मिनट

बच्चों को प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास के मौके देना एवं अतिरिक्त सहायता की आवश्यकता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य।

विषयवस्तु: प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-34 क्र. 1 एवं रिमीडियल कार्य

तैयारी: रिमीडियल की गतिविधि संदर्शिका से देखें।

प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास (10-15 मिनट)

- कार्यपुस्तिका के प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-34 क्र. 1 पर सप्ताह-14 के दिवस 1 के सभी चरणों के अनुसार कार्य करें।
- अंत में, प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-34 क्र. 1 से संबंधित कुछ बंद छोर के प्रश्न पूछें, जैसे- आपके स्कूल में दोपहर के भोजन में क्या-क्या बनता है?

रिमीडियल कार्य (15-20 मिनट)

- पिछले सप्ताह किए गए साप्ताहिक आकलन के आधार पर बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य करें। इसके लिए स्तरानुसार वर्ण/ अक्षर/शब्द/वाक्यांश/वाक्य स्तर की गतिविधि कराएँ। बाकी बच्चों को प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास स्वतंत्र रूप से पढ़ने को कहें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा: क्या कक्षा के संचालन के दौरान बच्चों को अपनी बात साझा करने का पर्याप्त अवसर मिला। प्रयास हमेशा यह रहना चाहिए कि सभी बच्चों को अपनी बात साझा करने के पर्याप्त अवसर मिलें।

पाठ्यपुस्तक 'सारंगी-2' पर कार्य

कालांश 1 | 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ-25 से चयनित पाठ्यांश 'मैंने छाते..... गया छोटा' का मार्गदर्शित पठन।

विषयवस्तु: पाठ-25 **'सबसे बड़ा छाता'**

तैयारी: पाठ्यांश आधारित प्रश्न

पाठ्यांश का आदर्श वाचन करना (7-10 मिनट)

- कल की चर्चा को दोहराते हुए पाठ्यांश से संबंधित कुछ बंद छोर के प्रश्न बच्चों से पूछें, फिर चयनित पाठ्यांश को हाव-भाव के साथ पढ़कर सुनाएँ।

मार्गदर्शन में पठन (7-10 मिनट)

- बच्चों को जोड़ियों/समूहों में बाँटकर चयनित पाठ्यांश को बारी-बारी से पढ़ने (मार्गदर्शन में पठन) को कहें। जो बच्चे अभी भी शब्द स्तर पर हों, उन पर विशेष ध्यान दें और उनकी सहायता करें। बाकी बच्चों की आवश्यकतानुसार सहायता करें।

बच्चों द्वारा प्रश्न बनाना (5-7 मिनट)

- कुछ बच्चों को पढ़े गए पाठ्यांश से प्रश्न बनाकर बाकी बच्चों से प्रश्न पूछने का अवसर दें। फिर बच्चों को पूछे गए प्रश्नों के उत्तर पूरे वाक्य में देने को कहें।

पाठ अभ्यास एवं संबंधित लेखन कार्य (7-10 मिनट)

- पाठ्यपुस्तक के पाठ की गतिविधि **(बातचीत के लिए 1-4 और नीचे दिए गए प्रश्नों...... लिखिए)** के प्रश्नों पर बच्चों से मौखिक रूप से चर्चा करें और फिर उन्हें उत्तर लिखने को कहें।
- बच्चों के लेखन कार्य पर व्यक्तिगत फीडबैक दें एवं आवश्यकतानुसार उनकी सहायता करें।

कार्यपुस्तिका (भाग-1) पर कार्य

कालांश 2 | 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ-25 से संबंधित विस्तारित गतिविधि पर कार्य।

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 110

तैयारी: पाठ की गतिविधियों को पहले से समझ लें।

कार्यपुस्तिका सप्ताह-24 दिवस-2 पर कार्य करें-

- **गतिविधि-1 (7-10 मिनट):** दिए गए शब्दों एवं उनके अर्थ को पाठ के संदर्भ एवं बच्चों के परिवेश से जोड़कर चर्चा करें। फिर प्रत्येक शब्द पर बच्चों के साथ मौखिक रूप से वाक्य बनवाएँ। अंत में, सभी बच्चों को स्वतंत्र रूप से पढ़ने को कहें।
- **गतिविधि-2 (5-7 मिनट):** पाठ्यपुस्तक के पाठ **'सबसे बड़ा छाता'** में कौन-कौन से पात्र हैं, इस पर बच्चों से मौखिक रूप से चर्चा करें। 3-4 बच्चों से प्रतिक्रिया लें। फिर कार्यपुस्तिका में दी गई गतिविधि बच्चों को करने को कहें।
- **गतिविधि-3 (5-7 मिनट):** आप बच्चों के साथ मौखिक रूप से चर्चा करें कि छाता किस-किस चीज से बनाया जा सकता है। फिर कार्यपुस्तिका में दी गई गतिविधि का उत्तर लिखने को कहें।
- **गतिविधि-4 (5-7 मिनट):** आप कोई चित्र (कार्यपुस्तिका से भिन्न) लेकर उसके बारे में 3-4 वाक्यों में बताएँ। इस पर बच्चों से प्रतिक्रिया लें। फिर दी गई गतिविधि को करने को कहें।
- **गतिविधि-5 (5 मिनट):** आप 6-8 शब्दों के तीन वाक्य बोलें और बच्चों से लिखने को कहें।

☞ **'सुनकर लिखें'** गतिविधि समाप्त होने पर आप बोले गए वाक्यों को बोर्ड पर लिखें और बच्चों को जोड़ियों में करके एक-दूसरे की कार्यपुस्तिका जाँचने को कहें।

कार्यपुस्तिका (भाग-2) पर कार्य

कालांश 3 | 40 मिनट

बच्चों को प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास के मौके देना एवं अतिरिक्त सहायता की आवश्यकता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य।

विषयवस्तु: प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-34 क्र. 2 एवं रिमीडियल कार्य

तैयारी: रिमीडियल की गतिविधि संदर्शिका से देखें।

प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास (10-15 मिनट)

- कार्यपुस्तिका के प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-34 क्र. 2 पर सप्ताह-14 के दिवस 2 के सभी चरणों के अनुसार कार्य करें।
- अंत में, प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-34 क्र. 2 से संबंधित कुछ बंद छोर के प्रश्न पूछें, जैसे- आपके घर में पापा क्या-क्या खाना बनाते हैं?

रिमीडियल कार्य (15-20 मिनट)

- पिछले सप्ताह किए गए साप्ताहिक आकलन के आधार पर बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य करें। इसके लिए स्तरानुसार वर्ण/ अक्षर/शब्द/वाक्यांश/वाक्य स्तर की गतिविधि कराएँ। बाकी बच्चों को प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास स्वतंत्र रूप से पढ़ने को कहें।

☞ पाठ में आए कठिन/अमूर्त शब्दों के अर्थ बच्चों को बताएँ।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा: शिक्षण प्रक्रिया के दौरान यदि बच्चों की सहभागिता कम हो जाए या फिर वे ऊबने लगें तो सौहार्दपूर्ण वातावरण निर्माण की गतिविधि द्वारा उन्हें शिक्षण प्रक्रिया से दोबारा जोड़ें।

पाठ्यपुस्तक 'सारंगी-2' पर कार्य

कालांश 1 — 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ-25 का आदर्श वाचन एवं चयनित पाठ्यांश 'दयाल चाचू..... गया छोटा' का मार्गदर्शित पठन।

विषयवस्तु: पाठ-25 'सबसे बड़ा छाता'

तैयारी: पाठ्यांश आधारित प्रश्न

पाठ्यांश का आदर्श वाचन करना (7-10 मिनट)

- कल की चर्चा को दोहराते हुए पाठ्यांश से संबंधित कुछ बंद छोर के प्रश्न बच्चों से पूछें, फिर चयनित पाठ्यांश को हाव-भाव के साथ पढ़कर सुनाएँ।

मार्गदर्शन में पठन (7-10 मिनट)

- बच्चों को जोड़ियों/समूहों में बाँटकर चयनित पाठ्यांश को बारी-बारी से पढ़ने (मार्गदर्शन में पठन) को कहें। जो बच्चे अभी भी शब्द स्तर पर हों, उन पर विशेष ध्यान दें और उनकी सहायता करें। बाकी बच्चों की आवश्यकतानुसार सहायता करें।

बच्चों द्वारा प्रश्न बनाना (5-7 मिनट)

- कुछ बच्चों को पढ़े गए पाठ्यांश से प्रश्न बनाकर बाकी बच्चों से प्रश्न पूछने का अवसर दें। उन बच्चों को अवसर दें, जो कल प्रश्न नहीं पूछ पाए थे। बाकी बच्चों को पूछे गए प्रश्नों के उत्तर पूरे वाक्य में देने को कहें। अगर बच्चे प्रश्न नहीं बना पा रहे हैं तो आप उनकी सहायता करें।

पाठ अभ्यास एवं संबंधित लेखन कार्य (7-10 मिनट)

- पाठ्यपुस्तक के पाठ की गतिविधि **(पढ़ें, समझिए और लिखिए एवं पहेली)** के प्रश्नों पर बच्चों से मौखिक रूप से चर्चा करें और फिर उन्हें उत्तर लिखने को कहें। बच्चों के लेखन कार्य पर व्यक्तिगत फीडबैक दें एवं आवश्यकतानुसार उनकी सहायता करें।

कार्यपुस्तिका (भाग-1) पर कार्य

कालांश 2 — 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ-25 पर आधारित स्तरित पाठ का पठन एवं लेखन अभ्यास।

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 111 112

तैयारी: पाठ की गतिविधियों को पहले से समझ लें।

कार्यपुस्तिका सप्ताह-24 दिवस-3 पर कार्य करें-

स्तरित पाठ का आदर्श वाचन एवं चर्चा (10-12 मिनट)

- स्तरित पाठ के चित्रों और शीर्षक के आधार पर कहानी का अनुमान लगवाएँ। स्तरित पाठ को हाव-भाव के साथ 1-2 बार आदर्श रूप में पढ़कर सुनाएँ। बच्चे स्तरित पाठ से जुड़े रहें, इसके लिए बीच-बीच में 2-3 बंद छोर के प्रश्न पूछें।

स्तरित पाठ पर समृद्ध चर्चा (7-10 मिनट)

- स्तरित पाठ से संबंधित खुले छोर के प्रश्न बच्चों से पूछें, जैसे- सूरज काकू की गरमी से सब परेशान क्यों हो रहे थे? आदि। पुनः एक बार पाठ का आदर्श वाचन करें।

स्तरित पाठ आधारित कार्य (7-10 मिनट)

- प्रत्येक प्रश्न पर बच्चों से प्रतिक्रिया लें। प्रतिक्रिया से संबंधित कठिन शब्दों को बोर्ड पर लिखें। फिर स्तरित पाठ में दिए गए प्रश्नों के उत्तर वाक्यों में लिखने को कहें।
- **गतिविधि-1 (5 मिनट) :** आप मौखिक रूप से 'विशेषता की अवधारणा' बच्चों को उदाहरण (कार्यपुस्तिका से भिन्न) के साथ समझाएँ। फिर कार्यपुस्तिका की गतिविधि पर कार्य करने को कहें और आवश्यकतानुसार उनकी सहायता करें।

☞ सुनिश्चित करें कि सभी बच्चे गतिविधि में प्रतिभाग करें।

कार्यपुस्तिका (भाग-2) पर कार्य

कालांश 3 — 40 मिनट

बच्चों को प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास के मौके देना एवं अतिरिक्त सहायता की आवश्यकता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य।

विषयवस्तु: प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-34 क्र. 3 एवं रिमीडियल कार्य

तैयारी: रिमीडियल की गतिविधि संदर्शिका से देखें।

प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास (10-15 मिनट)

- कार्यपुस्तिका के प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-34 क्र. 3 पर सप्ताह-14 के दिवस 3 के सभी चरणों के अनुसार कार्य करें।
- अंत में, प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-34 क्र. 3 से संबंधित कुछ बंद छोर के प्रश्न पूछें, जैसे- आपको गाना सुनना कैसा लगता है?

रिमीडियल कार्य (15-20 मिनट)

- पिछले सप्ताह किए गए साप्ताहिक आकलन के आधार पर बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य करें। इसके लिए स्तरानुसार वर्ण/अक्षर/शब्द/वाक्यांश/वाक्य स्तर की गतिविधि कराएँ। बाकी बच्चों को प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास स्वतंत्र रूप से पढ़ने को कहें।

☞ कक्षा के बाकी बच्चों को प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास के पाठ पढ़ने के लिए प्रोत्साहित करें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा: बच्चों द्वारा लेखन कार्य किए जाने के दौरान क्या आपने घूम-घूमकर उनके कार्य का अवलोकन किया? बच्चों के लेखन कार्य का अवलोकन करें एवं आवश्यकतानुसार दैनिक रूप से सहायता दें।

पाठ्यपुस्तक 'सारंगी-2' पर कार्य

कालांश 1 | 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ-25 से चयनित पाठ्यांश 'दयाल चाचू..... छप-छपाक' का मार्गदर्शित पठन।

विषयवस्तु: पाठ-25 **'सबसे बड़ा छाता'**

तैयारी: पाठ्यांश आधारित प्रश्न

पाठ्यांश का आदर्श वाचन करना (7-10 मिनट)

- कल की चर्चा को दोहराते हुए पाठ्यांश से संबंधित कुछ बंद छोर के प्रश्न बच्चों से पूछें, फिर चयनित पाठ्यांश को हाव-भाव के साथ पढ़कर सुनाएँ।

मार्गदर्शन में पठन (7-10 मिनट)

- बच्चों को जोड़ियों/समूहों में बाँटकर चयनित पाठ्यांश को बारी-बारी से पढ़ने (मार्गदर्शन में पठन) को कहें। जो बच्चे अभी भी शब्द स्तर पर हों, उन पर विशेष ध्यान दें और उनकी सहायता करें। बाकी बच्चों की आवश्यकतानुसार सहायता करें।

बच्चों द्वारा प्रश्न बनाना (5-7 मिनट)

- कुछ बच्चों को पढ़े गए पाठ्यांश से सवाल बनाकर बाकी बच्चों से प्रश्न पूछने का अवसर दें। उन बच्चों को अवसर दें, जो कल प्रश्न नहीं पूछ पाए थे। बाकी बच्चों को पूछे गए प्रश्नों के उत्तर पूरे वाक्य में देने को कहें।

पाठ अभ्यास एवं संबंधित लेखन कार्य (7-10 मिनट)

- पाठ्यपुस्तक के पाठ की गतिविधि **(नीचे दिए शब्दों की सहायता...... लिखें)** के प्रश्नों पर बच्चों से मौखिक रूप से चर्चा करें, फिर उन्हें उत्तर लिखने को कहें।

कार्यपुस्तिका (भाग-1) पर कार्य

कालांश 2 | 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ-25 पर आधारित स्तरित पाठ का मार्गदर्शन में पठन एवं लेखन अभ्यास।

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 113

तैयारी: पाठ की गतिविधियों को पहले से समझ लें।

कार्यपुस्तिका सप्ताह-24 दिवस-4 पर कार्य करें -
स्तरित पाठ पर संक्षिप्त चर्चा एवं मार्गदर्शन में पठन (12-15 मिनट)

- पिछले दिन की चर्चा को दोहराते हुए स्तरित पाठ से संबंधित 2-3 बंद छोर के प्रश्न बच्चों से पूछें।
- बच्चों को जोड़ियों/समूहों में पिछले दिन के पाठ को बारी-बारी से पढ़ने को कहें।
- **गतिविधि-1 (5 मिनट) :** दिए गए शब्दों एवं उनके अर्थ को पाठ के संदर्भ एवं बच्चों के परिवेश से जोड़कर चर्चा करें। फिर प्रत्येक शब्द पर बच्चों के साथ मौखिक रूप से वाक्य बनवाएँ। अंत में, सभी बच्चों को स्वतंत्र रूप से पढ़ने को कहें।
- **गतिविधि-2 (5 मिनट):** आप बोर्ड पर पाठ्यपुस्तक के पाठ आधारित कुछ उदाहरण (कार्यपुस्तिका से भिन्न) देते हुए बच्चों के साथ चर्चा करें कि कैसे सही शब्दों को चुनकर वाक्य को पूरा किया जाता है। फिर कुछ बच्चों से प्रतिक्रिया लें। अंत में, सभी बच्चों को उत्तर लिखने को कहें।
- **गतिविधि-3 (5-7 मिनट):** आप बोर्ड पर समानार्थी शब्दों के उदाहरण (कार्यपुस्तिका से भिन्न) देते हुए गतिविधि समझाएँ और समानार्थी शब्दों का उपयोग वाक्यों में करके बताएँ। फिर कार्यपुस्तिका में दी गई गतिविधि करने को कहें।
- **गतिविधि-4 (5 मिनट):** आप 6-8 शब्दों के तीन वाक्य बोलें और बच्चों से लिखने को कहें।

'सुनकर लिखें' गतिविधि समाप्त होने पर आप बोले गए वाक्यों को बोर्ड पर लिखें और बच्चों को जोड़ियों में करके एक-दूसरे की कार्यपुस्तिका जाँचने को कहें।

कार्यपुस्तिका (भाग-2) पर कार्य

कालांश 3 | 40 मिनट

बच्चों को प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास के मौके देना एवं अतिरिक्त सहायता की आवश्यकता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य।

विषयवस्तु: प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-34 क्र. 1-3 एवं रिमीडियल कार्य

तैयारी: रिमीडियल की गतिविधि संदर्शिका से देखें।

प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास (10-15 मिनट)

- कार्यपुस्तिका के प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-34 क्र. 1-3 में से किसी एक पर सप्ताह-14 के दिवस 4 के सभी चरणों के अनुसार कार्य करें।
- अंत में, प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-34 क्र. 1-3 से चयनित क्रम से संबंधित कुछ अन्य कुछ बंद छोर के प्रश्न बच्चों से पूछें।

रिमीडियल कार्य (15-20 मिनट)

- पिछले सप्ताह किए गए साप्ताहिक आकलन के आधार पर बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य करें। इसके लिए स्तरानुसार वर्ण/अक्षर/शब्द/वाक्यांश/वाक्य स्तर की गतिविधि कराएँ। बाकी बच्चों को प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास स्वतंत्र रूप से पढ़ने को कहें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा: आज की गतिविधि के दौरान क्या आप सभी बच्चों को उनके नाम से संबोधित कर पाए? प्रयास यह होना चाहिए कि बच्चों को हमेशा उनके नाम से संबोधित करें।

मौखिक भाषा विकास पर कार्य

कालांश 1 40 मिनट

पाठ पर आधारित पुनरावृत्ति और बच्चे भाषा के उच्चस्तरीय कौशलों का उपयोग करना सीख पाएँगे।

विषयवस्तुः सृजनात्मक गतिविधि

तैयारीः गतिविधि से संबंधित जरूरी सामग्री एकत्र करें।

पाठ्यपुस्तक के पाठ पर आधारित पुनरावृत्ति (5-7 मिनट)

- पाठ-25 से संबंधित कुछ कठिन / अमूर्त शब्दों को बोर्ड पर लिखें और उन्हें बच्चों से पढ़ने को कहें, जैसे- चलाऊँ, बरखा आदि।
- फिर कुछ बच्चों को उन शब्दों से मौखिक रूप से वाक्य बनाकर सुनाने को कहें।

गतिविधि पर शिक्षक द्वारा चर्चा (7-10 मिनट)

- आप सृजनात्मक गतिविधि- **'सुनो और पता लगाओ'** के विस्तृत चरणों को संदर्शिका से देखें। गतिविधि से सम्बन्धित सभी निर्देश स्पष्टता के साथ बच्चों को देते हुए कार्य करवाएँ।

बच्चों द्वारा समूह कार्य (7-10 मिनट)

- आप बच्चों को गतिविधि के चरणों के अनुसार कार्य करने को कहें।

लेखन कार्य (7-10 मिनट)

- बच्चों को जोड़ियों में बाँटकर, इस गतिविधि की पर्चियों से संबंधित कोई चित्र बनाकर उसमें रंग भरने को कहें।
- कुछ बच्चों को बुलाकर उनके द्वारा बनाए गए चित्रों पर हुई चर्चा को सभी के साथ साझा करने को कहें।

कक्षा-कक्ष में बच्चों के घर की भाषा का प्रयोग करें।

कार्यपुस्तिका (भाग-1) पर कार्य

कालांश 2 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ-25 पर आधारित स्तरित पाठ का मार्गदर्शित, स्वतंत्र पठन एवं लेखन अभ्यास।

विषयवस्तुः कार्यपुस्तिका 114

तैयारीः पाठ की गतिविधियों को पहले से समझ लें।

कार्यपुस्तिका सप्ताह-24 दिवस-5 पर कार्य करें -

स्तरित पाठ का आदर्श वाचन एवं चर्चा (7-10 मिनट)

- स्तरित पाठ का 2 बार पूरे हाव-भाव से आदर्श वाचन करें। फिर बच्चों से पाठ से संबंधित बंद एवं खुले छोर के प्रश्न करें, जैसे- बच्चा बारिश को सुबह-सुबह क्यों बुलाना चाहता था? मम्मी के दौड़ने पर बच्चा क्यों छिप जाएगा? आदि।

स्वतंत्र पठन (7-10मिनट)

- प्रत्येक बच्चे को स्तरित पाठ को स्वतंत्र रूप से पढ़ने को कहें। फिर बच्चों से स्तरित पाठ का सस्वर वाचन करने को कहें, इस दौरान बाकी बच्चे अंगुली रखते हुए अनुसरण करें।

- **गतिविधि-1 (7-10 मिनट) :** प्रत्येक प्रश्न पर बच्चों से प्रतिक्रिया लें। प्रतिक्रिया से संबंधित कठिन शब्दों को बोर्ड पर लिखें, फिर स्तरित पाठ में दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखने को कहें।

नोटबुक पर कार्य :

- **गतिविधि-2 (5-7 मिनट) :** आप 6-8 शब्दों के तीन वाक्य बोलें और बच्चों से लिखने को कहें।

'सुनकर लिखें' गतिविधि समाप्त होने पर आप बोले गए वाक्यों को बोर्ड पर लिखें और बच्चों को जोड़ियों में करके एक-दूसरे की नोटबुक / कॉपी जाँचने को कहें।

स्वतंत्र पठन पर कार्य

कालांश 3 40 मिनट

बच्चों द्वारा चयनित किताब का स्वतंत्र पठन एवं अतिरिक्त सहायता की आवश्यकता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य।

विषयवस्तुः स्वतंत्र पठन एवं रिमीडियल कार्य

तैयारीः चित्रात्मक कहानी की पुस्तकें।

स्वतंत्र पठन (15-17 मिनट)

- आप बच्चों को पुस्तकालय या रीडिंग कॉर्नर से चित्र सहित छोटी कहानी की किताबें अपनी इच्छा से चुनने एवं पढ़ने का अवसर दें। बच्चों को किताबों को उलटने-पलटने, पढ़ने एवं आपस में बातचीत करने के पर्याप्त अवसर दें।
- कुछ बच्चों लगभग 50% (कोशिश करें हर सप्ताह नए बच्चों को मौका मिले) को उनकी किताब की कहानी पर अपनी बात रखने का अवसर दें। बच्चे जैसी भी कहानी बताएँ, उसे स्वीकार करें। बच्चों को कहानी वाक्यों में बताने की अपेक्षा रखें एवं उन्हें सहयोग करें।

रिमीडियल कार्य (15-20 मिनट)

- अवलोकन के आधार पर अतिरिक्त सहायता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य करें। इसके लिए बच्चों के स्तरानुसार वर्ण / शब्द स्तर की गतिविधियाँ कराएँ।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षाः बच्चों को अपनी प्रतिक्रिया पूरे वाक्यों में देने को प्रोत्साहित करें।

मौखिक भाषा विकास पर कार्य

कालांश 1 40 मिनट

अपनी भाषा में अनुभव साझा करना।

विषयवस्तु: अनुभव पर चर्चा

तैयारी: विषय से संबंधित चर्चा के बिन्दु पहले से तय कर लें।

शिक्षक द्वारा अनुभव पर चर्चा (5-7 मिनट)

- आप बच्चों को बताएँ कि आज हम **'गाँव के समाचार/खबर'** के बारे में बात करेंगे।
- आप 6-7 वाक्यों में **'गाँव के समाचार/खबर'** के बारे में अपने अनुभव बच्चों को बताएँ। जैसे- सबसे पहले आपने अखबार कब पढ़ा? आदि। **'गाँव के समाचार/खबर'** से जुड़ा कोई खास अनुभव हो तो उसे भी बच्चों के साथ साझा करें।

बच्चों द्वारा अनुभव साझा करना (10-15 मिनट)

- अब बच्चों को **'गाँव के समाचार/खबर'** के अनुभव पर अपने विचार/समझ कम से कम 5-6 वाक्य में व्यक्त करने के लिए प्रोत्साहित करें। इसके लिए आप विषय से जुड़े 7-8 खुले छोर के प्रश्न भी पूछें, जैसे- खबरें और समाचार क्यों जरूरी हैं? इनसे हमें क्या-क्या जानकारी प्राप्त होती है? आदि।

लेखन कार्य (10-12 मिनट)

- आप बच्चों से **'गाँव के समाचार/खबर'** से जुड़ा कोई चित्र बनाने और कुछ शब्दों/3-4 वाक्यों में उसके बारे में लिखने को कहें। फिर अपने साथियों को बताने को कहें।
- बच्चों के कार्य का अवलोकन करें और आवश्यकतानुसार उनकी सहायता करें।

आकलन

कालांश 2 40 मिनट

साप्ताहिक आकलन

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 114

तैयारी: आकलन की योजना और प्रश्न पहले से तैयार करें।

- आप सभी बच्चों को कार्यपुस्तिका के सप्ताह-24 दिवस 3 और 5 के कार्यपत्रक में दिए गए पाठ को दोबारा पढ़ने को कहें। फिर उन्हें कार्यपुस्तिका के भाग-2 प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास 34 को भी पढ़ने को कहें।
- इसके अतिरिक्त कक्षा में उपलब्ध अन्य पठन सामग्रियों को पढ़ने को प्रोत्साहित करें।

शिक्षक द्वारा आकलन (30-35 मिनट)

- आप बच्चों को बारी-बारी से बुलाएँ और उन्हें कार्यपुस्तिका से **'मैंने सीख लिया'** को पढ़ने को कहें।
- बच्चों को **'मैंने सीख लिया'** को पढ़ने के लिए पर्याप्त समय दें। अगर बच्चे झिझक रहे हों तो उन्हें सहज महसूस कराएँ।
- फिर दिए गए प्रश्न बच्चों से मौखिक रूप से पूछें, प्रत्येक सही उत्तर के लिए 1 अंक कोष्ठक में लिखें।

आकलन

कालांश 3 40 मिनट

साप्ताहिक आकलन

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 114

तैयारी: आकलन की योजना पहले से तैयार कर लें।

शिक्षक द्वारा आकलन (25-27 मिनट)

- आप कालांश-2 के आकलन को जारी रखें।

सुनकर लिखें (10 मिनट)

- आप बच्चों को सामूहिक रूप से 'सुनकर लिखें' गतिविधि करवाएँ। सभी बच्चों के लिख लेने के बाद, आप बोर्ड पर वाक्य लिख दें और बच्चों को एक-दूसरे की कॉपी जाँचने को कहें। इस पर कार्य करने के विस्तृत चरणों को संदर्शिका से देखें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा: जिन बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य किया गया है, क्या वे बच्चे इस अभ्यास को सफलतापूर्वक कर पाए हैं या नहीं, इसे देखने के लिए उन बच्चों द्वारा किए गए कार्य को अवश्य जाँचें।

पाठ्यपुस्तक 'सारंगी-2' पर कार्य

कालांश 1 | 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ को पढ़कर सुनाना एवं चर्चा करना।

विषयवस्तु: पाठ-26 **'बादल'**

तैयारी: कठिन शब्द, बंद और खुले छोर के प्रश्न

पाठ का आदर्श वाचन (7-10 मिनट)

- पाठ के चित्रों और शीर्षक के आधार पर कविता की विषयवस्तु का अनुमान लगवाएँ, जैसे- यह कविता किसके बारे में है? आदि।
- अब बच्चों को हाव-भाव के साथ कविता मौखिक रूप से 1-2 बार सुनाएँ और बच्चों को प्रतिभाग करने के लिए प्रोत्साहित करें। इसके बाद आप कविता को पढ़ें और बच्चों को अपनी पाठ्यपुस्तक में अंगुली रखते हुए कविता का अनुसरण करने को कहें।

शब्दावली विकास (5-7 मिनट)

- पाठ के कठिन/अमूर्त शब्दों जैसे- भाप, झूमकर आदि को बोर्ड पर लिखें और उनके अर्थ को पाठ के संदर्भ और बच्चों के परिवेश से जोड़कर बताएँ।

पाठ पर समृद्ध चर्चा (7-10 मिनट)

- कविता के बारे में बच्चों की राय पूछें, जैसे- उन्हें कविता में क्या अच्छा लगा और क्यों? आदि।
- बातचीत को समृद्ध बनाने के लिए 7-8 खुले छोर के प्रश्न भी पूछें, जैसे- गैया पूँछ उठाकर क्यों भागी होगी? आदि।

पाठ अभ्यास एवं संबंधित लेखन कार्य (7-10 मिनट)

- पाठ्यपुस्तक के पाठ की गतिविधि **(शब्दों का खेल 1, 2)** पर बच्चों से चर्चा करें और फिर उन्हें उत्तर लिखने को कहें।

कार्यपुस्तिका (भाग-1) पर कार्य

कालांश 2 | 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ-26 से संबंधित विस्तारित गतिविधि पर कार्य।

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 115

तैयारी: पाठ की गतिविधियों को पहले से समझ लें।

कार्यपुस्तिका सप्ताह-25 दिवस-1 पर कार्य करें-

- **गतिविधि-1 (7-10 मिनट):** शब्दों को आदर्श रूप से पढ़ें और बच्चों को अंगुली रखते हुए अनुसरण करने को कहें। फिर उन्हें जोड़ियों/समूहों में पढ़ने को कहें।
- **गतिविधि-2 (7-10 मिनट):** आप बच्चों के साथ मौखिक रूप से **'दूध देने वाले जानवर'** कौन-कौन से हैं, पर बातचीत करें। इस पर 2-3 बच्चों से प्रतिक्रिया लें। फिर दी गई गतिविधि करने को कहें।
- **गतिविधि-3 (5 मिनट):** आप बोर्ड पर उदाहरण (कार्यपुस्तिका से भिन्न) देते हुए गतिविधि समझाएँ, जैसे- मकन - मकान। शब्दों की वर्तनी पर बच्चों से चर्चा करें और प्रतिक्रियाएँ लें। फिर दी गई गतिविधि बच्चों को करने को कहें।
- **गतिविधि-4 (5-7 मिनट):** आप उदाहरण के रूप में कुछ शब्दों (कार्यपुस्तिका से भिन्न) का उपयोग मौखिक रूप से वाक्यों में करके बताएँ और बोर्ड पर लिखें। फिर दी गई गतिविधि को करने को कहें।
- **गतिविधि-5 (5 मिनट):** आप 6-8 शब्दों के तीन वाक्य बोलें और बच्चों से लिखने को कहें।

'सुनकर लिखें' गतिविधि समाप्त होने पर आप बोले गए वाक्यों को बोर्ड पर लिखें और बच्चों को जोड़ियों में करके एक-दूसरे की कार्यपुस्तिका जाँचने को कहें।

कार्यपुस्तिका (भाग-2) पर कार्य

कालांश 3 | 40 मिनट

बच्चों को प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास के मौके देना एवं अतिरिक्त सहायता की आवश्यकता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य।

विषयवस्तु: प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-35 क्र. 1 एवं रिमीडियल कार्य

तैयारी: रिमीडियल की गतिविधि संदर्शिका से देखें।

प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास (10-15 मिनट)

- कार्यपुस्तिका के प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-35 क्र. 1 पर सप्ताह-14 के दिवस 1 के सभी चरणों के अनुसार कार्य करें।
- अंत में, प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-35 क्र. 1 से संबंधित कुछ बंद छोर के प्रश्न पूछें, जैसे- अगर छाता नहीं होता, तो सुधा और गुड्डी स्कूल कैसे जाती?

रिमीडियल कार्य (15-20 मिनट)

- पिछले सप्ताह किए गए साप्ताहिक आकलन के आधार पर बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य करें। इसके लिए स्तरानुसार वर्ण/अक्षर/शब्द/वाक्यांश/वाक्य स्तर की गतिविधि कराएँ। बाकी बच्चों को प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास स्वतंत्र रूप से पढ़ने को कहें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा: बच्चों द्वारा लेखन कार्य किए जाने के दौरान क्या आपने घूम-घूमकर उनके कार्यों का अवलोकन किया? बच्चों के लेखन कार्य का अवलोकन करें एवं आवश्यकतानुसार दैनिक रूप से उनकी सहायता करें।

पाठ्यपुस्तक 'सारंगी-2' पर कार्य

कालांश 1 | 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ का दोहराव और समृद्ध चर्चा।

विषयवस्तु: पाठ-26 'बादल'

तैयारी: पाठ आधारित प्रश्न

पाठ का आदर्श वाचन (7-10 मिनट)

- आप बच्चों से कल की चर्चा के आधार पर कुछ बंद छोर के प्रश्न पूछें, जैसे- कल हमने कौन-सी कविता पढ़ी थी? कविता किसके बारे में थी? आदि।
- अब आप कविता का 1-2 बार आदर्श वाचन करें और बच्चों से अपने साथ कविता दोहराने को कहें।

शब्दावली विकास (5-7 मिनट)

- कल आपने जिन कठिन/अमूर्त शब्दों पर कार्य किया था। उनके अर्थ बच्चों से पूछें और उन शब्दों से मौखिक रूप से वाक्य बनवाएँ।

पाठ पर समृद्ध चर्चा (7-10 मिनट)

- बातचीत को समृद्ध बनाने के लिए बच्चों के अनुभवों से जोड़ते हुए, 7-8 खुले छोर के प्रश्न भी पूछें।
- बच्चों के हर उत्तर को स्वीकार करते हुए उनका प्रोत्साहन करें।
- इसके बाद आप कक्षा के कुछ बच्चों से कविता सुनाने को कहें।

पाठ अभ्यास एवं संबंधित लेखन कार्य (7-10 मिनट)

- पाठ्यपुस्तक के पाठ की गतिविधि **(बातचीत के लिए 1-4, कविता के लिए उत्तर लिखें 1-3 और इस कहानी में नीमा और दादी..... की सूची बनाएँ)** पर बच्चों से मौखिक रूप से चर्चा करें और फिर उन्हें उत्तर लिखने को कहें।

कार्यपुस्तिका (भाग-1) पर कार्य

कालांश 2 | 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ-26 से संबंधित विस्तारित गतिविधि पर कार्य।

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 116

तैयारी: पाठ की गतिविधियों को पहले से समझ लें।

कार्यपुस्तिका सप्ताह-25 दिवस-2 पर कार्य करें-

- **गतिविधि-1 (7-10 मिनट):** दिए गए शब्दों एवं उनके अर्थ को पाठ के संदर्भ एवं बच्चों के परिवेश से जोड़कर चर्चा करें। फिर प्रत्येक शब्द पर बच्चों के साथ मौखिक रूप से वाक्य बनवाएँ। अंत में, सभी बच्चों को स्वतंत्र रूप से पढ़ने को कहें।
- **गतिविधि-2 (7-10 मिनट):** आप बोर्ड पर उदाहरण (कार्यपुस्तिका से भिन्न) द्वारा गतिविधि समझाएँ, जैसे- बकरी शब्द के वर्ण/अक्षर से नया शब्द बनाकर बताएँ, **ब-बगुला, क-करेला, री-रीता**। फिर इन शब्दों के उपयोग से वाक्य बनाकर बताएँ। अंत में, गतिविधि का उत्तर लिखने को कहें।
- **गतिविधि-3 (5-7 मिनट):** आप बच्चों के साथ मौखिक रूप से चर्चा करें कि अगर कोई रूठ जाए तो क्या होगा। इस पर सभी बच्चों के विचार लें। फिर गतिविधि का उत्तर लिखने को कहें।
- **गतिविधि-4 (7-10 मिनट):** आप बोर्ड पर (कार्यपुस्तिका से भिन्न) कुछ शब्द लिखें और उनकी सहायता से बच्चों को एक कहानी बनाने का उदाहरण देकर दिखाएँ। फिर दी गई गतिविधि करने को कहें। आवश्यकतानुसार बच्चों की सहायता करें।

कार्यपुस्तिका (भाग-2) पर कार्य

कालांश 3 | 40 मिनट

बच्चों को प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास के मौके देना एवं अतिरिक्त सहायता की आवश्यकता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य।

विषयवस्तु: प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-35 क्र. 2 एवं रिमीडियल कार्य

तैयारी: रिमीडियल की गतिविधि संदर्शिका से देखें।

प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास (10-15 मिनट)

- कार्यपुस्तिका के प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-35 क्र. 2 पर सप्ताह-14 के दिवस 2 के सभी चरणों के अनुसार कार्य करें।
- अंत में, प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-35 क्र. 2 से संबंधित कुछ बंद छोर के प्रश्न पूछें, जैसे- इनू और मीनू को घोंसला क्यों नहीं मिला होगा?

रिमीडियल कार्य (15-20 मिनट)

- पिछले सप्ताह किए गए साप्ताहिक आकलन के आधार पर बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य करें। इसके लिए स्तरानुसार वर्ण/ अक्षर/शब्द/वाक्यांश/वाक्य स्तर की गतिविधि कराएँ। बाकी बच्चों को प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास स्वतंत्र रूप से पढ़ने को कहें।

सभी बच्चों को प्रतिभाग करने के लिए प्रोत्साहित करें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा: क्या कक्षा संचालन के दौरान आपने बच्चों की प्रतिक्रिया से नए खुले छोर के प्रश्न पूछे? प्रयास यह हो कि बच्चों की प्रतिक्रिया से नए खुले छोर के प्रश्न पूछे जाएँ, ताकि बच्चों की अभिव्यक्ति मुखर हो। साथ ही, उनकी तार्किक क्षमता का विकास हो।

पाठ्यपुस्तक 'सारंगी-2' पर कार्य

कालांश 1 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ को मौखिक रूप से सुनाना एवं मार्गदर्शित पठन।

विषयवस्तु: पाठ-26 'बादल'

तैयारी: बंद एवं खुले छोर के प्रश्नों को तैयार करें।

बच्चों द्वारा कविता सुनाना (10-12 मिनट)

- कुछ बच्चों को पाठ की कविता हाव-भाव के साथ सुनाने को कहें।
- कविता को सुनाते समय यदि बच्चे कविता क्रमवार नहीं सुना पाएँ या पूरी नहीं सुना पाएँ तो उसे भी स्वीकार करें।

मार्गदर्शन में पठन (10-15 मिनट)

- बच्चों को जोड़ियों/समूहों में बाँटकर कविता को बारी-बारी से पढ़ने (मार्गदर्शन में पठन) को कहें। इस दौरान आप कक्षा में घूम-घूमकर आवश्यकतानुसार बच्चों की सहायता करें।

पाठ अभ्यास एवं संबंधित लेखन कार्य (7-10 मिनट)

- पाठ्यपुस्तक के पाठ की गतिविधि **(चित्रकारी और लेखन एवं शब्दों का खेल 3, 4)** पर मौखिक रूप चर्चा करें। फिर उन्हें उत्तर लिखने को कहें।
- बच्चों के लेखन कार्य पर व्यक्तिगत फीडबैक दें एवं आवश्यकतानुसार उनकी सहायता करें।

सुनिश्चित करें कि बच्चे वाक्यों में प्रतिक्रिया दें।

कार्यपुस्तिका (भाग-1) पर कार्य

कालांश 2 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ-26 पर आधारित स्तरित पाठ का पठन एवं लेखन अभ्यास।

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 117 118

तैयारी: पाठ की गतिविधियों को पहले से समझ लें।

कार्यपुस्तिका सप्ताह-25 दिवस-3 पर कार्य करें-

स्तरित पाठ का आदर्श वाचन एवं चर्चा (10-12 मिनट)

- स्तरित पाठ के चित्रों और शीर्षक के आधार पर कविता का अनुमान लगवाएँ। स्तरित पाठ को हाव-भाव के साथ 1-2 बार आदर्श रूप में पढ़कर सुनाएँ। बच्चे स्तरित पाठ से जुड़े रहें, इसके लिए बीच-बीच में 2-3 बंद छोर के प्रश्न पूछें।

स्तरित पाठ पर समृद्ध चर्चा (7-10 मिनट)

- स्तरित पाठ से संबंधित खुले छोर के प्रश्न बच्चों से पूछें, जैसे- हवा चलने पर जंगल में मोर क्यों मगन हुए होंगे? आदि। पुनः एक बार पाठ का आदर्श वाचन करें।

स्तरित पाठ आधारित कार्य (7-10 मिनट)

- प्रत्येक प्रश्न पर बच्चों से प्रतिक्रिया लें। प्रतिक्रिया से संबंधित कठिन शब्दों को बोर्ड पर लिखें। फिर स्तरित पाठ में दिए गए प्रश्नों के उत्तर वाक्यों में लिखने को कहें।
- **गतिविधि-1 (5 मिनट)** : आप बोर्ड पर उदाहरण (कार्यपुस्तिका से भिन्न) देते हुए गतिविधि समझाएँ, जैसे- जमन - जमीन। शब्दों की वर्तनी पर बच्चों से चर्चा करें और प्रतिक्रियाएँ लें। फिर दी गई गतिविधि बच्चों को करने को कहें।

सुनिश्चित करें कि सभी बच्चे गतिविधि में प्रतिभाग करें ।

कार्यपुस्तिका (भाग-2) पर कार्य

कालांश 3 40 मिनट

बच्चों को प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास के मौके देना एवं अतिरिक्त सहायता की आवश्यकता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य।

विषयवस्तु: प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-35 क्र. 3 एवं रिमीडियल कार्य

तैयारी: रिमीडियल की गतिविधि संदर्शिका से देखें।

प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास (10-15 मिनट)

- कार्यपुस्तिका के प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-35 क्र. 3 पर सप्ताह-14 के दिवस 3 के सभी चरणों के अनुसार कार्य करें।
- अंत में, प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-35 क्र. 3 से संबंधित कुछ बंद छोर के प्रश्न पूछें, जैसे- हथिनी का बच्चा बिना माँ के क्यों डरने लगा होगा?

रिमीडियल कार्य (15-20 मिनट)

- पिछले सप्ताह किए गए साप्ताहिक आकलन के आधार पर बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य करें। इसके लिए स्तरानुसार वर्ण/ अक्षर/शब्द/वाक्यांश/वाक्य स्तर की गतिविधि कराएँ। बाकी बच्चों को प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास स्वतंत्र रूप से पढ़ने को कहें।

पाठ में आए कठिन/अमूर्त शब्दों के अर्थ बच्चों को बताएँ।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा: शिक्षण प्रक्रिया के दौरान यदि बच्चों की सहभागिता कम हो जाए या फिर वे ऊबने लगें तो सौहार्दपूर्ण वातावरण निर्माण की गतिविधि द्वारा उन्हें शिक्षण प्रक्रिया से दोबारा जोड़ें।

पाठ्यपुस्तक 'सारंगी-2' पर कार्य

कालांश 1 | 40 मिनट

बच्चों द्वारा अनुभव साझा करना।

विषयवस्तु: अनुभव साझा करना।

तैयारी: बंद एवं खुले छोर के प्रश्नों को तैयार करें।

बच्चों द्वारा अनुभव सुनाना (10-15 मिनट)

- कल की चर्चा को दोहराते हुए **'बादल'** से जुड़े अपने अनुभव जैसे- आपको कब बादल अच्छे लगते हैं? आदि को संक्षेप में सुनाएँ। फिर बच्चों को **'बादल'** से संबंधित उनके अनुभव सुनाने को कहें। बच्चों को अपने घर की भाषा में अपनी बात कहने के अवसर दें। सुनिश्चित करें कि सभी बच्चों को बोलने का अवसर मिले।

मौखिक खेल गतिविधि (5-7 मिनट)

- आप **'मैं होता तो क्या करता'** के सभी चरणों को संदर्शिका से देखकर बच्चों को करवाएँ।

पाठ अभ्यास एवं संबंधित लेखन कार्य (10-15 मिनट)

- पाठ्यपुस्तक की गतिविधि **(शब्दों का खेल-5, लेखन-1 एवं चित्रकारी और लेखन)** पर बच्चों से मौखिक रूप से चर्चा करें, फिर उन्हें उत्तर लिखने को कहें।
- बच्चों के लेखन कार्य पर व्यक्तिगत फीडबैक दें एवं आवश्यकतानुसार उनकी सहायता करें।

कार्यपुस्तिका (भाग-1) पर कार्य

कालांश 2 | 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ-26 पर आधारित स्तरित पाठ का मार्गदर्शन में पठन एवं लेखन अभ्यास।

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 119

तैयारी: पाठ की गतिविधियों को पहले से समझ लें।

कार्यपुस्तिका सप्ताह-25 दिवस-4 पर कार्य करें -
स्तरित पाठ पर संक्षिप्त चर्चा एवं मार्गदर्शन में पठन (12-15 मिनट)

- पिछले दिन की चर्चा को दोहराते हुए स्तरित पाठ से संबंधित 2-3 बंद छोर के प्रश्न बच्चों से पूछें।
- बच्चों को जोड़ियों/समूहों में पिछले दिन के पाठ को बारी-बारी से पढ़ने को कहें।
- **गतिविधि-1 (5 मिनट) :** दिए गए शब्दों एवं उनके अर्थ को पाठ के संदर्भ एवं बच्चों के परिवेश से जोड़कर चर्चा करें। फिर प्रत्येक शब्द पर बच्चों के साथ मौखिक रूप से वाक्य बनवाएँ। अंत में, सभी बच्चों को स्वतंत्र रूप से पढ़ने को कहें।
- **गतिविधि-2 (5 मिनट) :** आप बोर्ड पर पिछले दिन के स्तरित पाठ पर आधारित कुछ उदाहरण (कार्यपुस्तिका से भिन्न) देते हुए बच्चों के साथ चर्चा करें कि कैसे सही शब्दों को चुनकर वाक्य को पूरा किया जाता है। फिर कुछ बच्चों से प्रतिक्रिया लें। अंत में, सभी बच्चों को उत्तर लिखने को कहें।
- **गतिविधि-3 (5 मिनट) :** बच्चों को एक और अनेक की अवधारणा बोर्ड पर उदाहरण (कार्यपुस्तिका से भिन्न) के साथ समझाएँ और अभ्यास करवाएँ। अंत में, सभी बच्चों को उत्तर लिखने को कहें।
- **गतिविधि-4 (5-7 मिनट):** आप कोई चित्र (कार्यपुस्तिका से भिन्न) लेकर उसके बारे में 3-4 वाक्यों में बताएँ। इस पर बच्चों से प्रतिक्रिया लें। फिर दी गई गतिविधि को करने को कहें।

कार्यपुस्तिका (भाग-2) पर कार्य

कालांश 3 | 40 मिनट

बच्चों को प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास के मौके देना एवं अतिरिक्त सहायता की आवश्यकता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य।

विषयवस्तु: प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-35 क्र. 1-3 एवं रिमीडियल कार्य

तैयारी: रिमीडियल की गतिविधि संदर्शिका से देखें।

प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास (10-15 मिनट)

- कार्यपुस्तिका के प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-35 क्र. 1-3 में से किसी एक पर सप्ताह-14 के दिवस 4 के सभी चरणों के अनुसार कार्य करें।
- अंत में, प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-35 क्र. 1-3 से चयनित क्रम से संबंधित कुछ अन्य कुछ बंद छोर के प्रश्न बच्चों से पूछें।

रिमीडियल कार्य (15-20 मिनट)

- पिछले सप्ताह किए गए साप्ताहिक आकलन के आधार पर बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य करें। इसके लिए स्तरानुसार वर्ण/ अक्षर/शब्द/वाक्यांश/वाक्य स्तर की गतिविधि कराएँ। बाकी बच्चों को प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास स्वतंत्र रूप से पढ़ने को कहें।

☞ अधिकतर बच्चे जिन शब्दों को नहीं पढ़ पा रहे हैं, उन्हें पढ़कर बच्चों को बताएँ।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा: आज की गतिविधि के दौरान क्या आप सभी बच्चों को उनके नाम से संबोधित कर पाए? प्रयास यह होना चाहिए कि बच्चों को हमेशा उनके नाम से संबोधित करें।

मौखिक भाषा विकास पर कार्य

कालांश 1 40 मिनट

पाठ पर आधारित पुनरावृत्ति और बच्चे भाषा के उच्चस्तरीय कौशलों का उपयोग करना सीख पाएँगे।

विषयवस्तु: सृजनात्मक गतिविधि।

तैयारी: गतिविधि से संबंधित जरूरी सामग्री एकत्र कर लें।

पाठ्यपुस्तक के पाठ पर आधारित पुनरावृत्ति (5-7 मिनट)

- पाठ-26 से संबंधित कुछ कठिन/अमूर्त शब्दों को बोर्ड पर लिखें और उन्हें बच्चों से पढ़ने को कहें, जैसे- खेलना, उछल-कूद आदि। फिर कुछ बच्चों को उन शब्दों से मौखिक रूप से वाक्य बनाकर सुनाने को कहें।

गतिविधि पर शिक्षक द्वारा चर्चा (7-10 मिनट)

- आप सृजनात्मक गतिविधि- **'साइकिल बनाओ काम बताओ'** के विस्तृत चरणों को संदर्शिका से देखें। गतिविधि से संबंधित सभी निर्देश स्पष्टता के साथ बच्चों को देते हुए कार्य करवाएँ।

बच्चों द्वारा समूह कार्य (7-10 मिनट)

- आप बच्चों को गतिविधि के चरणों के अनुसार कार्य करने को कहें।

लेखन कार्य (7-10 मिनट)

- बच्चों को जोड़ियों में बाँटकर साइकिल के भागों के कार्यों को लिखने को कहें। फिर उन्हें अपने साथियों को दिखाते हुए चर्चा करने को कहें।
- कुछ बच्चों को बुलाकर उनके द्वारा बनाए गए चित्रों पर हुई चर्चा को सभी के साथ साझा करने को कहें।

☞ बच्चे यदि केवल शब्द लिख पा रहे हों तो उन्हें स्वीकार करते हुए वाक्य लिखने के लिए प्रेरित करें।

कार्यपुस्तिका (भाग-1) पर कार्य

कालांश 2 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ-26 पर आधारित स्तरित पाठ का मार्गदर्शित, स्वतंत्र पठन एवं लेखन अभ्यास।

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 120

तैयारी: पाठ की गतिविधियों को पहले से समझ लें।

कार्यपुस्तिका सप्ताह-25 दिवस-5 पर कार्य करें -
स्तरित पाठ का आदर्श वाचन एवं चर्चा (7-10 मिनट)

- स्तरित पाठ का 2 बार पूरे हाव-भाव से आदर्श वाचन करें। फिर बच्चों से पाठ से संबंधित बंद एवं खुले छोर के प्रश्न करें, जैसे- टपरू मेंढ़क कहाँ रहता था? नाव किन-किन सामग्रियों से बनाई जा सकती है? आदि।

स्वतंत्र पठन (7-10मिनट)

- प्रत्येक बच्चे को स्तरित पाठ को स्वतंत्र रूप से पढ़ने को कहें। फिर बच्चों से स्तरित पाठ का सस्वर वाचन करने को कहें, इस दौरान बाकी बच्चे अंगुली रखते हुए अनुसरण करें।
- **गतिविधि-1 (7-10 मिनट) :** प्रत्येक प्रश्न पर बच्चों से प्रतिक्रिया लें। प्रतिक्रिया से संबंधित कठिन शब्दों को बोर्ड पर लिखें, फिर स्तरित पाठ में दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखने को कहें।

नोटबुक पर कार्य :

- **गतिविधि-2 (5-7 मिनट) :** आप बोर्ड पर वर्ण (ष, क्ष, क, म, द, प, व, ऐ, स, त, ग, ह) और मात्रा ('ा', ' ै ', 'ो ') लिख दें। आप दिए गए वर्ण/मात्रा से 2-3 सार्थक शब्द बनाकर गतिविधि समझाएँ। अब आप बच्चों को जोड़ियों में बाँटकर बोर्ड पर लिखे वर्ण/मात्रा से ज्यादा से ज्यादा सार्थक शब्द बनाकर कॉपी/नोटबुक में लिखने और पढ़ने को कहें। अंत में, 3-4 जोड़ियों से उनके द्वारा बनाए गए शब्द पढ़ने को कहें।

स्वतंत्र पठन पर कार्य

कालांश 3 40 मिनट

बच्चों द्वारा चयनित किताब का स्वतंत्र पठन एवं अतिरिक्त सहायता की आवश्यकता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य।

विषयवस्तु: स्वतंत्र पठन एवं रिमीडियल कार्य

तैयारी: चित्रात्मक कहानी की पुस्तकें।

स्वतंत्र पठन (15-17 मिनट)

- आप बच्चों को पुस्तकालय या रीडिंग कॉर्नर से चित्र सहित छोटी कहानी की किताबें अपनी इच्छा से चुनने एवं पढ़ने का अवसर दें। बच्चों को किताबों को उलटने-पलटने, पढ़ने एवं आपस में बातचीत करने के पर्याप्त अवसर दें।
- कुछ बच्चों लगभग 50% (कोशिश करें हर सप्ताह नए बच्चों को मौका मिले) को उनकी किताब की कहानी पर अपनी बात रखने का अवसर दें। बच्चे जैसी भी कहानी बताएँ, उसे स्वीकार करें। बच्चों को कहानी वाक्यों में बताने की अपेक्षा रखें एवं उन्हें सहयोग करें।

रिमीडियल कार्य (15-20 मिनट)

- अवलोकन के आधार पर अतिरिक्त सहायता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य करें। इसके लिए बच्चों के स्तरानुसार वर्ण/शब्द स्तर की गतिविधियाँ कराएँ।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा: बच्चों को अपनी प्रतिक्रिया पूरे वाक्यों में देने को प्रोत्साहित करें।

सप्ताह 25 दिवस 6

मौखिक भाषा विकास पर कार्य

कालांश 1 40 मिनट

अपनी भाषा में अनुभव साझा करना।

विषयवस्तु: अनुभव पर चर्चा

तैयारी: विषय से संबंधित चर्चा के बिन्दु पहले से तय कर लें।

शिक्षक द्वारा अनुभव पर चर्चा (5-7 मिनट)

- बच्चों को बताएँ कि आज हम **'बारिश'** के बारे में बात करेंगे।
- आप 7-8 वाक्यों में **'बारिश'** से जुड़े अनुभवों के बारे में बच्चों को बताएँ, जैसे- बारिश से पहले आसमान कैसा होता है? आदि। **'बारिश'** से जुड़ा कोई खास अनुभव हो तो उसे भी बच्चों के साथ साझा करें।

बच्चों द्वारा अनुभव साझा करना (10-15 मिनट)

- अब बच्चों को **'बारिश'** से जुड़े किसी अनुभव पर अपने विचार/समझ कम से कम 5-6 वाक्य में व्यक्त करने के लिए प्रोत्साहित करें। इसके लिए आप विषय से जुड़े 7-8 खुले छोर के प्रश्न भी पूछें।

लेखन कार्य (10-15 मिनट)

- आप बच्चों से **'बारिश'** के अनुभव से जुड़ा कोई चित्र बनाने और कुछ शब्दों/3-4 वाक्यों में उसके बारे में लिखने को कहें। फिर बच्चों को जोड़ियों में बात करने को कहें।
- बच्चों के कार्य का अवलोकन करें और आवश्यकतानुसार उनकी सहायता करें।

सुनिश्चित करें कि बच्चे वाक्यों में प्रतिक्रिया दें।

आकलन

कालांश 2 40 मिनट

साप्ताहिक आकलन

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 120

तैयारी: आकलन की योजना और प्रश्न पहले से तैयार करें।

- आप सभी बच्चों को कार्यपुस्तिका के सप्ताह-25 दिवस 3 और 5 के कार्यपत्रक में दिए गए पाठ को दोबारा पढ़ने को कहें। फिर उन्हें कार्यपुस्तिका के भाग-2 प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास 35 को भी पढ़ने को कहें।
- इसके अतिरिक्त कक्षा में उपलब्ध अन्य पठन सामग्रियों को पढ़ने को प्रोत्साहित करें।

शिक्षक द्वारा आकलन (30-35 मिनट)

- आप बच्चों को बारी-बारी से बुलाएँ और उन्हें कार्यपुस्तिका से **'मैंने सीख लिया'** को पढ़ने को कहें।
- बच्चों को **'मैंने सीख लिया'** को पढ़ने के लिए पर्याप्त समय दें। अगर बच्चे झिझक रहे हों तो उन्हें सहज महसूस कराएँ।
- फिर दिए गए प्रश्न बच्चों से मौखिक रूप से पूछें, प्रत्येक सही उत्तर के लिए 1 अंक कोष्ठक में लिखें।

आकलन

कालांश 3 40 मिनट

साप्ताहिक आकलन

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 120

तैयारी: आकलन की योजना पहले से तैयार कर लें।

शिक्षक द्वारा आकलन (25-27 मिनट)

- आप कालांश-2 के आकलन को जारी रखें।

सुनकर लिखें (10 मिनट)

- आप बच्चों को सामूहिक रूप से 'सुनकर लिखें' गतिविधि करवाएँ। सभी बच्चों के लिख लेने के बाद, आप बोर्ड पर वाक्य लिख दें और बच्चों को एक-दूसरे की कॉपी जाँचने को कहें। इस पर कार्य करने के विस्तृत चरणों को संदर्शिका से देखें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा: जिन बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य किया गया है, क्या वे बच्चे इस अभ्यास को सफलतापूर्वक कर पाए हैं या नहीं, इसे देखने के लिए उन बच्चों द्वारा किए गए कार्य को अवश्य जाँचें।

कालांश-1 में कार्य करने की रणनीतियाँ

अकादमिक वर्ष 2024-25 के पहले कालांश में 40 मिनट में बच्चों के साथ पाठ्यपुस्तक **'सारंगी-2'**, मौखिक भाषा विकास एवं संबंधित लेखन पर कार्य किया जाएगा। इसमें कुछ गतिविधियाँ पूरे साल चलती रहेंगी, परंतु समय के साथ गतिविधियों के स्तर में जटिलता बढ़ती जाएगी। अलग-अलग सप्ताहों में कालांश-1 की गतिविधियों को नीचे देखा जा सकता है-

कालांश-1: मौखिक भाषा विकास की गतिविधियाँ

- सौहार्दपूर्ण वातावरण निर्माण
- सामाजिक भावनात्मक जुड़ाव और मौखिक खेल गतिविधियाँ
- मौखिक कहानी सुनाना
- कविता/कहानी पोस्टर पर कार्य
- चित्र चार्ट
- पाठ्यपुस्तक पर कार्य
- चित्र कहानी पोस्टर
- सृजनात्मक खेल गतिविधियाँ
- अनुभव पर चर्चा

इन गतिविधियों पर कार्य करने की रणनीति आगे के पृष्ठों में दी गई हैं। कक्षा-कक्षीय प्रक्रिया में इन गतिविधियों पर कार्य करने से **पहले इनके चरणों को आवश्यक रूप से पढ़ें।** प्रत्येक कालांश की शुरुआत सौहार्दपूर्ण वातावरण निर्माण की गतिविधियों से की जाएगी।

सौहार्दपूर्ण वातावरण निर्माण की गतिविधियाँ

प्रत्येक कालांश की शुरुआत में बच्चों को सहज करने के लिए 2-3 मिनट स्थानीय कविता/बालगीत/खेल गतिविधियाँ/उठने-बैठने, चलने-फिरने आदि से संबंधित गतिविधियों पर कार्य किया जाएगा। इसके लिए पाठ्यपुस्तक, कविता पोस्टर इत्यादि से कोई भी छोटी कविता/बालगीत/खेल गतिविधियाँ/उठने-बैठने, चलने-फिरने आदि की गतिविधियाँ ली जा सकती है। प्रतिदिन इनमें से किन्हीं एक गतिविधि से कक्षा में कार्य की शुरुआत करें। शुरुआत के दिनों में छोटी-छोटी कविताओं/बालगीतों/कहानियों/आसान खेल गतिविधियों का चयन करें। इन गतिविधियों पर कार्य करने का विवरण नीचे देखा जा सकता है-

- आप पहले बच्चों को कविता/बालगीत/खेल गतिविधियाँ/उठने-बैठने, चलने-फिरने आदि से संबंधित गतिविधियाँ करके दिखाएँ। बच्चों को इन गतिविधियों को आपके पीछे दोहराने के लिए कहें।
- ,slk 2&3 ckj djsa] rkfd cPpksa dh bu xfrfof/k;ksa ij idM+ cu tk,A
  आप यह सुनिश्चित करें कि इन गतिविधियों में सभी बच्चे प्रतिभाग कर पाएँ। गतिविधियों का चयन करते समय कक्षा में पर्याप्त जगह, बच्चों की संख्या, गतिविधि का स्तर एवं गतिविधि से बच्चों का जुड़ाव हो सके, इस बात का पूरा ध्यान रखें।

शिक्षण प्रक्रिया के दौरान यदि बच्चों की सहभागिता कम होने लगे या बच्चे ऊबने लगें, तो उन्हें सौहार्दपूर्ण गतिविधियों के माध्यम से दोबारा जोड़ें।

सामाजिक एवं भावनात्मक विकास की गतिविधियाँ

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 एवं एस.सी.एफ. 2023 दोनों दस्तावेज बच्चों के समग्र विकास के बारे में बात करते हैं। बच्चों के समग्र विकास में संज्ञानात्मक विकास के साथ-साथ सामाजिक और भावनात्मक विकास भी शामिल है। वर्ष 2024-25 की अकादमिक योजना में भाषा की कक्षा-कक्षीय प्रक्रिया में सामाजिक और भावनात्मक विकास को एक महत्त्वपूर्ण जगह दी गई है। आप इसके लिए निम्न बातों का ध्यान रखें-

- कक्षा में बच्चों की भावनाओं को व्यक्त करने के अवसर सृजित किए जाएँ।
- कालांशों की शुरुआत कहानी/कविता/खेल से हो, ताकि बच्चे सहज हो पाएँ। इसके साथ ही जब बच्चों का जुड़ाव या सहभागिता कम हो जाए तो उनके साथ छोटी कविता/खेल कराएँ, ताकि उन्हें शिक्षण प्रक्रिया से दोबारा जोड़ा जा सके।
- बच्चों से संवाद करते समय संवेदनशीलता बरती जाए। बच्चों को कक्षा संचालन से संबंधित नियम बनाने, अनुशासन बनाए रखने की प्रक्रियाओं में शामिल किया जाए आदि।

कुछ सामाजिक एवं भावनात्मक गतिविधियों के उदाहरण नीचे देखे जा सकते हैं-

1. परिचय

- आप कोई ऐसा गीत या कविता चुन लें, जिसे बच्चे जानते हों और बच्चे उसके साथ स्वयं को जोड़ सकें।
- आप बच्चों को गोल घेरे में बैठा लें। यदि कोई बच्चा परेशान लग रहा है तो पहले उससे बात करके उसको प्रोत्साहित करें।
- अब आप चुने गए गीत/कविता में से किसी एक गीत/कविता की 1-1 पंक्ति गाएँ। अब आप बच्चों से हर पंक्ति के बाद दोहराने के लिए कहें। जब बच्चों की पकड़ गीत पर बन जाए तो आप उन्हें अपने साथ गाने के लिए कह सकते हैं।
  फिर प्रत्येक बच्चे को अपना नाम और उन्हें क्या अच्छा लगता है, यह बताने को कहें।

2. महसूस करें और चलें

- आप बच्चों को एक गोल घेरे में बैठा लें और बताएँ कि आप किसी एक की तरफ इशारा करेंगे। जिसको देखकर उस बच्चे को एक अलग तरह से चलना होगा। जैसे- कछुए की तरह धीरे-धीरे चलने को कहें, तो कछुए की तरह धीरे-धीरे चलकर दिखाना होगा।
- अब आप किसी एक बच्चे की तरफ इशारा करें और उस बच्चे को घोड़े की तरह दौड़ने को कहें।
- यदि बच्चा ना दौड़ पा रहा हो तो आप उसकी सहायता करें या किसी अन्य बच्चे से उसकी सहायता करने को कहें। इस तरह से सभी बच्चों से अलग-अलग तरह से चलने को कहें।

3. क्या अच्छा लगा?

- आप बच्चों को गोल घेरे में बैठाएं और बताएँ कि कागज की गेंद को गोल घेरे में घुमाएंगे। फिर गेंद जिसके पास पहुँचेगी, उसे बताना होगा कि आज उसे कौन-सी चीज सबसे अधिक अच्छी लगी।
- अब खेल शुरू करें और सबसे पहले स्वयं बताएँ कि आज आपको सबसे अच्छा क्या लगा।
- याद रखें कि आप पूरी कक्षा को संबोधित करते हुए बताएँ।
- सभी बच्चों को बारी-बारी से अपनी बात कहने के लिए उनकी सहायता करें।

4. भावनाओं के भी चित्र होते हैं

- आप सभी बच्चों को 2-2 के जोड़ों में बाँट दें। सभी जोड़ों को 1-1 खाली पेपर दें। अगर पेपर नहीं है तो यह कार्य कॉपी पर भी कर सकते हैं।
- अब बच्चों को बताएँ कि आप उन्हें कुछ खास स्थितियाँ देंगे। आपको उन स्थितियों को कागज पर दर्शाना होगा।
- अब बच्चों को बारी-बारी से हँसता हुआ चेहरा (स्माइली) बनाने को कहें। (चित्र में दिख रही स्माइली को आप बच्चों के सहयोग हेतु बोर्ड पर बना दें।)
- बच्चों से एक-दूसरे की भावनाओं को पूछकर उसकी स्माइली बनाने को कहें।
- आप बच्चों के पास जा-जाकर आवश्यकतानुसार उनकी सहायता करें।

5. आलसी बिल्ली

- आप सभी बच्चों से कहें कि आज उन्हें आलसी बिल्ली का अभिनय करना है।
- एक ऐसी बिल्ली, जो देर तक गहरी नींद में सोकर उठने के बाद अंगड़ाई ले रही है-
  - उन्हें लम्बी उबासी लेने को कहें।
  - म्याऊँ-म्याऊँ करने को कहें।
  - अब उन्हें अपनी बांह, टाँगें और पीठ फैलाकर सीधी करने को कहें।
  - उन्हें धीरे-धीरे बिल्ली की तरह अपना शरीर फैलाना है। इसके बाद आराम से बैठ जाएँ।
- अब उन्हें लगभग 10 सैकंड तक हवा में तैरते हुए एक पंख का अभिनय करना है-
  - इसके बाद उन्हें अचानक बिना हिले-डुले एक मूर्ति में बदल जाना है।
  - इसके बाद उन्हें दोबारा उड़ते पंख में आकर जैसे आराम करते हैं, उस स्थिति में आने के लिए कहें।
  - प्रक्रिया को दोहराएँ और सुनिश्चित करें कि जब गतिविधि समाप्त हो, तो बच्चे उड़ते पंख की तरह एक विश्रामपूर्ण अवस्था में हों।
- बच्चों के मार्गदर्शन के लिए उनके साथ-साथ यह गतिविधि स्वयं भी करते जाएँ।

6. मेरी लाल बत्ती

- आप बच्चों को लाल बत्ती यानी ट्रैफिक लाइट की अवधारणा के बारे में बताएँ। साथ ही ट्रैफिक लाइट में अलग-अलग रंगों का क्या मतलब होता है, यह भी बताएँ।
- अब उन्हें घर, स्कूल, पड़ोसी का घर, अस्पताल, दुकान, रिश्तेदार का घर, किसी दोस्त का घर आदि के बारे में बताएँ और उन्हें कागज पर बनाने को कहें।
- अब बच्चों से इस बारे में सोचने के लिए कहें कि संबंधित स्थान उनके लिए सुरक्षित है या नहीं।
- अब बच्चों से कहें कि जो स्थान उन्हें सुरक्षित लगता है, उस पर हरा गोला बना दें और जो स्थान सुरक्षित नहीं लगता है, उस पर लाल गोला बना दें।

बच्चे चाहें तो बिना जवाब बताए भी रह सकते हैं। अगर उन्हें अपने जवाब सबके सामने बताने में परेशानी हो रही है, तो उन्हें ऐसा करने के लिए विवश न करें।

7. मुझे कब अच्छा लगा

- आप बच्चों को बताएँ कि आप कागज की गेंद बारी-बारी से उनके बीच घुमाएंगे। गेंद जिस बच्चे के पास पहुँचेगी, उस बच्चे को यह बताना है कि कब उसका मन थैंक्यू बोलने को करता है। जैसे- आपकी किसी ने सहायता की और आपका मन हुआ कि उसको थैंक्यू बोलें।
- गतिविधि की शुरुआत आप स्वयं करें और सबसे पहले बताएँ कि आप किन-किन चीजों के लिए थैंक्यू बोलना चाहते हैं।
- अब गेंद घूमते हुए जिस बच्चे के पास पहुँचेगी, उसे अपनी बात कहने का अवसर दें।
- इसी तरीके से बारी-बारी से प्रत्येक बच्चे को अपनी बात कहने का अवसर दें।

8. बताओ मेरा नाम

- आप बच्चों को बताएँ कि आप कागज की गेंद 1-1 बच्चे की तरफ बढ़ाएँगे। जिसके पास भी गेंद पहुँचेगी, उसे अपने दोस्तों के नाम बताने होंगे।
- वे कक्षा के साथी या अपने मोहल्ले/पड़ोस के किसी भी दोस्त का नाम बता सकते हैं।
- बच्चों को बताएँ कि अगर कक्षा में से किसी एक बच्चे को पहले ही कोई दूसरा बच्चा अपने दोस्त के रूप में बता चुका है तो उस बच्चे का नाम न दोहराएँ।
- बच्चों को बारी-बारी से इस गतिविधि में प्रतिभाग करने के लिए प्रोत्साहित करें।

☞ ध्यान रखें कि सभी बच्चे इस गतिविधि में प्रतिभाग करें।

9. सुपरहीरो की शक्ति

- आप प्रचलित सुपरहीरो के नाम और उनकी शक्तियों की सूची बनाकर रख लें। आप बच्चों से बात करना शुरू करें और बच्चों से पूछें कि यदि वे सुपरहीरो होते तो कौन-सी सुपर पॉवर लेना चाहते?
- फिर आप बच्चों से कहें कि कुछ समय के लिए वे स्वयं को सुपरहीरो की तरह मानें और मान लें कि उनके पास उनकी इच्छानुसार सुपरपॉवर आ गई है।
- अब उन्हें एक सुपरहीरो की तरह व्यवहार करने के लिए प्रोत्साहित करें।
- बच्चों से पूछें कि वे अपनी-अपनी सुपरपॉवर की सहायता से क्या-क्या करना चाहते हैं और किसकी सहायता करना चाहते हैं? बच्चों को एक उदाहरण देकर बताएँ।

10. भावनाएँ व्यक्त करना

- आप बच्चों को उदाहरण देकर बताएँ कि गतिविधि को कैसे करना है। फिर किसी एक स्थिति का अभिनय आप बच्चों को करके दिखाएँ।
- फिर बच्चों को आप कुछ खास स्थितियाँ दें और अब उन्हें यह दिखाना है कि वह उस स्थिति में होते, तो किस तरह की प्रतिक्रिया देते।
- इसमें चेहरे के हाव-भाव से अभिनय करके दिखाना है। प्रत्येक स्थिति के लिए 3-4 बच्चों को अवसर दें।
- आप बच्चों को निम्नलिखित स्थिति दे सकते हैं-
  - आज सुबह चलते-चलते आप गिर पड़े थे।
  - आपके भाई/बहन/दोस्त ने आपका मनपसंद खाना खा लिया।
  - आपके परिवार वालों ने आपको जन्मदिन पर कोई उपहार दिया।

मौखिक भाषा विकास की खेल गतिविधियाँ

राज्य पाठ्यचर्या की रूपरेखा 2023 यह सुझाती है कि शुरुआती दौर में बच्चों को खेल-खेल में सीखने के मौके देने चाहिए। इसी बात को ध्यान में रखकर मौखिक खेल विकास की गतिविधियाँ दी गई हैं।

मौखिक खेल विकास की गतिविधियों के कुछ उदाहरण अगले पृष्ठ पर देखे जा सकते हैं-

1. करके दिखाओ

- आप विभिन्न विषय से संबंधित पर्चियां बना लें, जैसे- कविता सुनाना, कहानी सुनाना, गाना गाना, जानवर की आवाज निकालना, चुटकुला सुनाना आदि। अब आप बच्चों के साथ गोल घेरे में बैठ जाएँ। पर्चियों को अपने सामने रखें और किसी एक बच्चे को कागज की बनाई गेंद दें।
- अब ताली बजाएँ और जब तक ताली बजती रहे, बच्चे उस गेंद को क्रम से एक-दूसरे को देते जाएँ।
- ताली रुकते ही जिस बच्चे के पास गेंद हो, वह रखी हुई पर्चियों में से एक पर्ची उठाए और उसे पढ़कर बताए। (यदि बच्चा नहीं पढ़ सकता तो आप पढ़कर सुना दें।)
- बच्चा पर्ची में लिखे कार्य को करके दिखाए। जैसे- यदि पर्ची में 'कविता सुनाओ' लिखा गया हो तो बच्चा कोई भी एक कविता सुनाए। इसी तरह फिर आप ताली बजाएँ और खेल को आगे बढ़ाएँ।

2. मैं होता तो क्या करता?

- आप बच्चें को गोल घेरे में बैठाएं और हर बच्चे को एक जानवर के नाम की पर्ची या चित्र कार्ड दें।
- अब 1-1 करके बच्चों को आगे बुलाएँ और हर बच्चे को बताना है कि अगर वह पर्ची में लिखा हुआ जानवर होता, तो क्या करता। (यहाँ ऐसी चीज नहीं बता सकते, जो आमतौर पर जानवर करते हैं, जैसे- साँप होता तो दूध पीता।)
- आप हर बच्चे को कोई अनोखा जवाब सोचने के लिए प्रेरित करें। जैसे- अगर साँप होते तो शेर से दोस्ती करते और उसकी पीठ पर बैठकर आराम से जंगल घूमते।

3. कहानी सुनो और क्रमबद्ध करो

- आप बच्चों को बताएँ कि आज हम सब एक गतिविधि करेंगे, जिसका नाम है 'कहानी सुनो और क्रमबद्ध करो'। बच्चों से अनुमान लगाने को कहें कि इस गतिविधि में क्या होगा ?
- अब आप एक छोटी कहानी बच्चों को हाव-भाव के साथ सुनाएँ। फिर बच्चों को 2 समूहों में बाँट दें और बताएँ कि उन्हें एक-एक करके दोनों समूहों से सुनी हुई कहानी को क्रमबद्ध करना है। सबसे अधिक सही क्रमबद्ध करने वाले समूह को 1 अंक मिलेगा। इस प्रकार, अंत में जिस समूह के अधिक अंक होंगे, उसे जीता हुआ माना जाएगा।
- कहानी में आए मुख्य शब्दों को आप बोर्ड पर लिख दें और बच्चों को शब्द दिखाते हुए पढ़कर बोलें।

4. जो मैं कहूँ

- आप सभी बच्चों को गोल घेरे में बैठा लें और उन्हें बताएँ कि इस खेल में आप बच्चों को कुछ निर्देश देंगे। सभी बच्चों को उसके अनुसार प्रतिक्रिया देना/कार्य करना होगा।
- अब बच्चों से कहें कि जब मैं 1 बोलूँ तो आपको अपने स्थान पर खड़े होकर ताली बजाना है। जब मैं 2 बोलूँ तो आप सभी अपने स्थान पर धीरे से कूदें।
- इसी तरह आप नए-नए निर्देश जोड़ें और बच्चों को उसके अनुसार प्रतिक्रिया करने को कहें।

5. बात सुनो भाई बात सुनो

- आप सभी बच्चों को गोल घेरे में बैठा लें और बच्चों को बताएँ कि आज हम एक-दूसरे को कुछ निर्देश देंगे। सभी को उसके अनुसार प्रतिक्रिया देना/कार्य करना होगा।
- गोले में से एक बच्चा 'बात सुनो भाई बात सुनो' बोलते हुए, बैठे हुए बच्चों का चक्कर लगाते हुए, किसी भी एक बच्चे के कान में जाकर कोई निर्देश धीरे से बोलेगा। जैसे- अपने से आगे बैठे बच्चे के पास जाकर उससे उसका नाम पूछें। फिर निर्देश देने वाला बच्चा गोले में बैठ जाएगा और खेल इसी तरह से आगे चलता रहेगा।
- इसी तरह आप नए-नए निर्देश जोड़ें और बच्चों को उसी अनुसार प्रतिक्रिया देने/कार्य करने को कहें, जैसे- सारे बच्चे 'बात सुनो, जल्दी-जल्दी से' एक लाइन बनाओ, 'बात सुनो, जल्दी-जल्दी से' गाना गाओ।

6. दिनभर का मेरा समय

- आप बच्चों को बताएँ कि आप कागज की गेंद को घेरे में घुमाएंगे। गेंद जिस बच्चे के पास भी पहुँचेगी, उसे बताना होगा कि उन्हें स्कूल आने में किस-किसने सहायता की और सुबह से लेकर स्कूल आने तक उन्होंने क्या-क्या किया?
- इस गतिविधि में सभी बारी-बारी से अपनी बात कहेंगे। सबसे पहले आप स्वयं अपने दिनभर के अनुभव बच्चों के साथ साझा करें और उन्हें यह बताएँ कि दिनभर में आपको किन-किन लोगों ने कैसे सहायता की है।
- इससे बच्चों को पता चलेगा कि अपनी बातों को किस तरह से साझा करना है।
- यह सुनिश्चित करें कि इस गतिविधि के अंत तक सभी बच्चे अपने अनुभवों को साझा कर पाएँ।

7. जोड़ियों में अभिनय-1

- आप सभी बच्चों को अलग-अलग जोड़ियों में बाँटें। हर जोड़ी को एक-एक स्थिति दें, जिन पर बच्चे रोल प्ले/अभिनय करें।
- रोल प्ले/अभिनय हेतु कुछ प्रमुख बिंदुः
  - दो दोस्तों के बीच गर्मी की छुट्टी में जाने हेतु चर्चा।
  - फल की दुकान पर फल खरीदते वक्त होने वाली बहस।
  - कपड़े की दुकान पर कपड़ा वापसी कराने के दौरान होने वाली चर्चा।
  - दाँतों के डॉक्टर से दाँत दर्द पर चर्चा आदि।

8. तोता-मैना की अनोखी जोड़ी

- बच्चों को दो-दो की जोड़ी में बाँट दें। प्रत्येक जोड़ी को एक कार्ड दें, जिसमें कुछ जोड़ियों के चित्र बने हुए हों, जैसे- ताला-चाबी।
- आप बारी-बारी से प्रत्येक जोड़ी के पास जाएँ और बोलें- 'तोता मैना की अनोखी है जोड़ी, अब तुम बताओ एक नई जोड़ी।' मान लीजिए कि बच्चों के पास है सुई और धागा, तो वे बोलें- 'मेरे पास है सुई-धागे की जोड़ी।'
- फिर वे सुई-धागे से जुड़ा कोई मजेदार किस्सा बताएँ कि वह किस काम आता है आदि। इसके बाद आप दूसरी जोड़ी के बच्चों के पास जाएँ और बोलें- 'सुई-धागे की अनोखी है जोड़ी, अब तुम बताओ एक नई जोड़ी।' इस प्रकार खेल आगे बढ़ाएँ।
- आप जोड़ियों के नाम बच्चों को मौखिक रूप से बोल कर भी दे सकते हैं। जोड़ियों का नाम देते समय बच्चों को निर्देश दें कि उन्हें अपनी जोड़ी का नाम खेल के खत्म होने तक याद रखना है।

9. जोड़ियों में अभिनय-2

- आप सभी बच्चों को अलग-अलग जोड़ियों में बाँटें। हर जोड़ी को एक-एक स्थिति दें, जिन पर बच्चे रोल प्ले/अभिनय करें।
- रोल प्ले/अभिनय हेतु कुछ प्रमुख बिंदु:
  - मेले में गुब्बारे वाले से सस्ते गुब्बारे खरीदने के लिए बहस।
  - दोस्तों से पढ़ाई करने के लिए चर्चा।
  - किसान और दुकानदार के बीच सस्ते बीज खरीदने के लिए चर्चा।
  - दर्जी से अपने नाप के कपड़े सिलवाने हेतु चर्चा।

10. मेरे बारे में बताओ

- आप कुछ वस्तुओं को लेकर एक बक्से में डाल लें। जैसे पत्थर, टोपी, टॉफी, दाल, आलू, अलग-अलग फूल, पुस्तकालय की कोई किताब, गेंद, चाक आदि।
- सभी बच्चे बड़े गोल घेरे में बैठें और बक्से को बीच में रख लें। बच्चे एक-एक करके आएं और अपनी आँखें बंद करके बक्से से कोई एक चीज निकालें। फिर वे छूकर अंदाजा लगायें कि उन्होंने बक्से से क्या निकाला है।
- फिर वो उस चीज से जुड़ा अपने जीवन का कोई मजेदार किस्सा/कोई बात बताएँ।
- अगर किसी बच्चे के पास पेंसिल आई है तो वह बता सकता है कि पेंसिल छोटी हो जाने पर उसने पेंसिल के पीछे पेन का ढ़क्कन लगाकर पेंसिल को बड़ा कर लिया था।
- अगर इन वस्तुओं को इकट्ठा करना मुश्किल हो, तो इस खेल के लिए इन वस्तुओं के चित्र कार्ड का भी उपयोग किया जा सकता है। आप गतिविधियाँ कराने से पहले बच्चों को उदाहरण देते हुए पहले गतिविधि स्पष्ट रूप से समझाएँ। उसके बाद कराएँ।

मौखिक कहानी सुनाना

मौखिक कहानी सुनाने की गतिविधि द्वारा बच्चों की अभिव्यक्ति क्षमता विकास पर कार्य किया जाएगा। मौखिक कहानियों के कुछ उदाहरण इस संदर्शिका के अंतिम पृष्ठों में देखें। मौखिक कहानी सुनाने की रणनीति को नीचे दिए गए विवरण में देखा जा सकता है-

मौखिक रूप से कहानी सुनाना (7-10 मिनट)

- आप बच्चों के स्तर की पूर्व में सुनी या पढ़ी हुई किसी एक कहानी को अपने शब्दों/स्थानीय भाषा में मौखिक रूप से बच्चों को सुनाएँ।
- आप कहानी से बच्चों का जुड़ाव बनाने के लिए बीच में कुछ बंद छोर के प्रश्न भी पूछें, जैसे- कहानी किसके बारे में थी? आदि।

बच्चों के साथ कहानी पर चर्चा (7-10 मिनट)

- बातचीत को समृद्ध बनाने के लिए 4-5 खुले छोर (कल्पना, अनुभव, अनुमान एवं तर्क आधारित) के प्रश्न भी पूछें, जैसे- यदि आप इस कहानी में होते तो क्या करते? आदि।

बच्चों द्वारा आपस में चर्चा (5-7 मिनट)

- कहानी समाप्त होने के बाद बच्चों को जोड़ियों में बाँटकर पात्रों के बारे में चर्चा करने को कहें, जैसे- उन्हें कौन-सा पात्र अच्छा लगा और क्यों? आदि। अंत में, सभी जोड़ियों की प्रतिक्रिया लें।

लेखन कार्य (7-10 मिनट)

- बच्चों को सुनी हुई कहानी पर अपने विचार/समझ कुछ शब्दों या 1 वाक्य में लिखकर व्यक्त करने को कहें।
- लेखन कार्य के बारे में बच्चों को जोड़ियों में बात करने को कहें। कुछ बच्चों को अपनी बात कक्षा के साथ साझा करने को कहें।

☞ मौखिक कहानी सुनाने की गतिविधि की प्रक्रिया में सरल से जटिल की ओर बढ़ते हुए कार्य किया जाएगा। सुनाई गई कहानी भी सरल से जटिल होती जाएगी, जिसके चरण शिक्षण योजनाओं में दिए गए हैं।

कविता पोस्टर पर कार्य

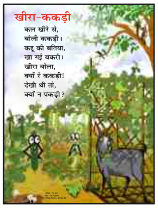

बच्चों के लिए कक्षा में प्रिंट समृद्ध वातावरण तैयार करने में कविता पोस्टर सहायक होते हैं। भाषा के पहले कालांश में कार्य करने हेतु कुल 3 कविता पोस्टर का उपयोग किया जाएगा। इनके उपयोग से बच्चों में लिखित पाठ को समझने, अपनी समझ और अनुभव को अभिव्यक्त करने का अवसर मिलेगा। कविता पोस्टर द्वारा शब्दावली विकास के साथ-साथ कविता गायन का भी कार्य बच्चों के साथ किया जाता है। कविता पोस्टर पर कार्य करने की रणनीति को निम्नवत देखा जा सकता है-

मौखिक रूप से कविता सुनाना (7-10 मिनट)

- आप कविता पोस्टर बच्चों को दिखाते हुए, कविता के शीर्षक का अनुमान बच्चों से लगाने को कहें। जैसे- यह कविता किसके बारे में है?
- अब आप उन्हें हाव-भाव के साथ, कविता मौखिक रूप से 1-2 बार सुनाएँ। इसके बाद कविता पोस्टर दिखाते हुए, कविता के प्रत्येक शब्द पर अंगुली रखते हुए पढ़ें एवं कठिन/अमूर्त शब्दों को बोर्ड पर लिखें।

कविता पर शब्दावली विकास (5-7 मिनट)

- कविता में आए कठिन/अमूर्त शब्दों, जैसे- बतिया, पकड़ी आदि के अर्थ बच्चों के परिवेश से जोड़ते हुए समझाएँ।

बच्चों द्वारा आपस में चर्चा (7-10 मिनट)

- कविता समाप्त होने के बाद बच्चों को जोड़ियों में बाँटकर, कुछ प्रश्नों के माध्यम से कविता के बारे में उनसे बातचीत करें, जैसे- बकरी क्या-क्या खाती होगी? अगर ककड़ी बकरी को पकड़ लेती तो क्या होता? आदि। बच्चों को अपने घर की भाषा में बातचीत करने के लिए प्रोत्साहित करें।

लेखन कार्य (7-10 मिनट)

- बच्चों को कविता से जुड़ा कोई चित्र बनाने को कहें और अपने साथी को दिखाने और उस पर थोड़ी बातचीत करने को कहें। फिर, किन्हीं 3-4 बच्चों को सभी के साथ अपने चित्र पर बातचीत करने को कहें।

कहानी पोस्टर पर कार्य

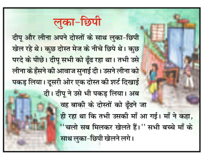

अकादमिक सत्र के पहले कालांश में **कक्षा-2** के बच्चों के साथ कार्य करने के लिए विद्यालयों में कुल तीन '**कहानी पोस्टर**' उपलब्ध करवाए गए हैं। कहानी पोस्टर के माध्यम से मौखिक शब्दावली विकास पर कार्य पहले कालांश में किया जाएगा।

मौखिक रूप से कहानी सुनाना (7-10 मिनट)

- बच्चों को कहानी पोस्टर के चित्र दिखाते हुए, कहानी के शीर्षक और कहानी के बारे में अनुमान लगाने को कहें। कहानी को अपने शब्दों में बच्चों को सुनाएँ।
- बच्चों का जुड़ाव कहानी से बनाने के लिए, बीच-बीच में कुछ बंद छोर के प्रश्न भी पूछें,जैसे- बच्चे क्या खेल रहे थे? आदि।

कहानी पर शब्दावली विकास (5-7 मिनट)

- कहानी में आए कठिन/अमूर्त शब्दों जैसे- दोस्त, परदा आदि के अर्थ बच्चों के परिवेश से जोड़ते हुए समझाएँ।
- बच्चों को बारी-बारी कहानी में आए कुछ चयनित शब्द को बोलें और उन्हें कहानी पोस्टर में ढूँढ़ने के लिए कहें।

बच्चों द्वारा आपस में चर्चा (7-10 मिनट)

- बच्चों को जोड़ियों में बाँटकर खुले छोर के प्रश्नों के माध्यम से कहानी के बारे में उनके विचारों को साझा करने का अवसर दें, जैसे- आप अपनी माँ के साथ कौन-कौन से खेल खेलते हैं? आदि।

लेखन कार्य (7-10 मिनट)

- बच्चों से कहानी से जुड़ा कोई चित्र बनाने और कुछ शब्द या 1 वाक्य लिखने एवं उस पर अपने साथी के साथ बातचीत करें।

चित्र चार्ट पर कार्य

अकादमिक सत्र के पहले कालांश में कक्षा-2 के बच्चों के साथ कार्य करने के लिए विद्यालयों में **'चित्र चार्ट'** उपलब्ध करवाए गए हैं। **चित्र चार्ट को कक्षा की दीवार पर चस्पा नहीं करना है।** इनकी सहायता से बच्चों के साथ समूह में कार्य करवाए जाने की योजना है। प्रत्येक चित्र चार्ट पर कुल दो दिनों कार्य किया जाएगा। इसके लिए **'खेल चित्र चार्ट'** का उदाहरण दिया गया है। इस पर कार्य करने की रणनीति को आगे के पृष्ठ पर देखा जा सकता है-

दिवस-1

चित्र चार्ट पर शिक्षक द्वारा चर्चा (7-10 मिनट)
- आप बच्चों से चित्र चार्ट में दिख रही चीजों/घटनाओं/गतिविधियों के बारे में कुछ बंद छोर के प्रश्न पूछें, जैसे- चित्र चार्ट में कौन-सा खेल खेला जा रहा है? आदि। फिर प्रत्येक प्रश्न पर बच्चों की प्रतिक्रियाएँ लें।

चित्र चार्ट पर समृद्ध चर्चा (12-15 मिनट)
- आप चर्चा को आगे बढ़ाएँ और 5-6 खुले छोर के प्रश्न पूछें, जैसे- आपको कौन-कौन सा खेल खेलना पसंद है और क्यों? आदि।

लेखन कार्य (10-12 मिनट)
- आप बच्चों से चित्र चार्ट पर हुई चर्चा से जुड़ा, कोई चित्र बनाने और कुछ शब्द या 1-2 वाक्य लिखने एवं उस पर अपने साथी के साथ बातचीत करने को कहें। फिर बच्चों को जोड़ियों में बाँटकर अपने द्वारा बनाए गए चित्र एवं लेखन कार्य पर आपस में चर्चा करने को कहें।

दिवस-2

चित्र चार्ट पर शिक्षक द्वारा चर्चा (5-7 मिनट)
- कल की चर्चा को संक्षेप में दोहराते हुए बच्चों से कुछ बंद छोर के प्रश्न पूछें एवं बातचीत करें।
- आप चर्चा को आगे बढ़ाएँ और कुछ नए बंद और 5-6 खुले छोर के प्रश्न पूछें, जैसे- चित्र में कौन-कौन हैं? आदि।

चित्र चार्ट पर समृद्ध चर्चा (10-15 मिनट)
- चित्र चार्ट पर दूसरे दिन कार्य करने के दौरान, आप यह सुनिश्चित करें कि आप 5-6 खुले छोर के प्रश्न पूछे, जैसे- खेलते हुए यदि आपकी गेंद खो जाए तो आप क्या करोगे? आदि। सुनिश्चित करें कि सभी बच्चों को बोलने के अवसर मिलें।

लेखन कार्य (10-15 मिनट)
- अब आप बच्चों को उनके पसंद का कोई चित्र बनाकर उसमें रंग भरने को कहें। जब बच्चे चित्र बना लें तो उनके चित्र **'बच्चों का कोना'** में लगा दें।

☞ पाठ्यपुस्तक में दिए गए चित्र पर केवल 1 दिन ही कार्य होगा। ऐसे में पाठ्यपुस्तक के चित्र पर ऊपर दी गई दिवस-1 की योजनानुसार कार्य किया जाएगा।

पाठ्यपुस्तक का उपयोग

अकादमिक वर्ष 2024-25 के पहले कालांश में **पाठ्यपुस्तक 'सारंगी-2'** का उपयोग सप्ताह के शुरुआती चार से पाँच दिनों में किया जाएगा, जिसमें से पहले चार दिनों में पाठ्यपुस्तक के पाठों पर कार्य किया जाएगा। इसमें मुख्य रूप से आदर्श वाचन, मार्गदर्शन में पठन पर कार्य होगा। इन्हीं चार दिनों में पाठ्यपुस्तक में दी गई, गतिविधियों के अभ्यास पर भी कार्य कराया जाएगा। गतिविधियों पर कार्य कराते समय सरल से कठिन की तरफ आगे बढ़ा जाएगा। दिवस 1 सरल गतिविधियों से शुरु होगा और उसके बाद धीरे-धीरे चौथे दिन तक गतिविधियों की कठिनाइयों का स्तर बढ़ता जाएगा। दिवस 5 के पहले कालांश में शुरुआती 5-7 मिनट में सप्ताह विशेष में पढ़ाए गए पाठों की पुनरावृत्ति पर कार्य किया जाएगा। कक्षा-2 के पाठ्यपुस्तक में मुख्य रूप से **'सुनें कहानी'**, **'आनन्दमयी कविता'**, **'खेलगीत'**, **'मिलकर पढ़ें'** शीर्षकों के अंतर्गत पाठ दिए गए हैं। **'सुनें कहानी'**,

'आनन्दमयी कविता', **'खेलगीत'** में मुख्य रूप से आदर्श वाचन का कार्य हागा। 'मिलकर पढ़ें' वाले पाठ में आदर्श वाचन के साथ मार्गदर्शन में पठन पर भी कार्य करवाया जाएगा। इसका एक उदाहरण पाठ्यपुस्तक 'सारंगी-2' के **पाठ-2 'घर'** जोकि एक आनन्दमयी कविता है और **पाठ-3 'माला की चाँदी की पायल'** जोकि 'मिलकर पढ़ें' वाला पाठ है, इस पर कार्य करने का विवरण नीचे देखा जा सकता है-

दिवस-1 (पाठ-2 'घर')

पाठ का आदर्श वाचन (7-10 मिनट)

- पाठ के चित्रों और शीर्षक के आधार पर कविता की विषयवस्तु का अनुमान लगवाएँ, जैसे- यह कविता किसके बारे में है? आदि।
- अब बच्चों को हाव-भाव के साथ कविता मौखिक रूप से 1-2 बार सुनाएँ और बच्चों को प्रतिभाग करने के लिए प्रोत्साहित करें। इसके बाद आप कविता को पढ़ें और बच्चों को अपनी पाठ्यपुस्तक में अंगुली रखते हुए कविता का अनुसरण करने को कहें।

शब्दावली विकास (5-7 मिनट)

- पाठ के कठिन/अमूर्त शब्दों जैसे- ताजगी, न्यारा आदि को बोर्ड पर लिखें और उनके अर्थ को पाठ के संदर्भ और बच्चों के परिवेश से जोड़कर बताएँ।

पाठ पर समृद्ध चर्चा (7-10 मिनट)

- कविता के बारे में बच्चों की राय पूछें, जैसे- उन्हें कविता में क्या अच्छा लगा और क्यों? आदि।
- बातचीत को समृद्ध बनाने के लिए 4-5 खुले छोर के प्रश्न भी पूछें, जैसे- अपना घर प्यारा क्यों लगता है? आदि।

पाठ अभ्यास एवं संबंधित लेखन कार्य (7-10 मिनट)

- पाठ्यपुस्तक के पाठ की गतिविधि **(खोजे जानें, 2)** पर बच्चों से चर्चा करें और फिर उन्हें उत्तर लिखने को कहें।

दिवस-2 (पाठ-2 'घर')

पाठ का आदर्श वाचन (7-10 मिनट)

- आप बच्चों से कल की चर्चा के आधार पर कुछ बंद छोर के प्रश्न पूछें, जैसे- कल हमने कौन-सी कविता पढ़ी थी? कविता किसके बारे में थी? आदि।
- अब आप कविता का 1-2 बार आदर्श वाचन करें और बच्चों से अपने साथ कविता दोहराने को कहें।

शब्दावली विकास (5-7 मिनट)

- कल आपने जिन कठिन/अमूर्त शब्दों पर कार्य किया था। उनके अर्थ बच्चों से पूछें और उन शब्दों से मौखिक रूप से वाक्य बनवाएँ।

पाठ पर समृद्ध चर्चा (7-10 मिनट)

- बातचीत को समृद्ध बनाने के लिए बच्चों के अनुभवों से जोड़ते हुए, 4-5 खुले छोर के प्रश्न भी पूछें, जैसे- अपना घर कोई क्यों नहीं भूलता? आदि।
- बच्चों के हर उत्तर को स्वीकार करते हुए उनका प्रोत्साहन करें।
- इसके बाद आप कक्षा के कुछ बच्चों से कविता सुनाने को कहें।

पाठ अभ्यास एवं संबंधित लेखन कार्य (7-10 मिनट)

- पाठ्यपुस्तक के पाठ की गतिविधि **(बातचीत के लिए, 1-4)** पर बच्चों से मौखिक रूप से चर्चा करें।

दिवस-3 (पाठ-3 'माला की चांदी की पायल')

पाठ का आदर्श वाचन करना (7-10 मिनट)

- पाठ के चित्रों और शीर्षक के आधार पर कहानी की विषयवस्तु का अनुमान लगवाएँ। पूरे पाठ को हाव-भाव के साथ 1-2 बार पढ़कर सुनाएँ। बच्चे पाठ से जुड़े रहें, इसके लिए बीच-बीच में कुछ बंद छोर के प्रश्न पूछें।

कहानी को मौखिक रूप से सुनाना और चर्चा करना (7-10 मिनट)

- पाठ की कहानी या केन्द्रीय बिंदु को अपने शब्दों में सुनाकर एक बार और चर्चा करें।
- पाठ से सम्बन्धित कुछ बंद एवं 4-5 खुले छोर के प्रश्न बच्चों से पूछें, जैसे- बिल्ली को कौन डराता है? माला को डिब्बी से क्या मिला? आखिर माला सबको डराती क्यों थी? आदि।

पाठ्यांश का मार्गदर्शन में पठन (5-7 मिनट)

- बच्चों को जोड़ियों/समूहों में बाँटकर चयनित पाठ्यांश को बारी-बारी से पढ़ने (मार्गदर्शन में पठन) को कहें।
- जो बच्चे अभी भी शब्द स्तर पर हों, उन पर विशेष ध्यान दें और उनकी सहायता करें। बाकी बच्चों की आवश्यकतानुसार सहायता करें।

पाठ अभ्यास एवं संबंधित लेखन कार्य (7-10 मिनट)

- पाठ्यपुस्तक के पाठ की गतिविधि **(लिखिए 1-3)** पर बच्चों से चर्चा करें और फिर उन्हें उत्तर लिखने को कहें।

दिवस-4 (पाठ-3 'माला की चांदी की पायल')

पाठ्यांश का आदर्श वाचन करना (7-10 मिनट)

- कल की चर्चा को दोहराते हुए पाठ्यांश से संबंधित कुछ बंद छोर के प्रश्न बच्चों से पूछें, फिर चयनित पाठ्यांश को हाव-भाव के साथ पढ़कर सुनाएँ।

मार्गदर्शन में पठन (7-10 मिनट)

- बच्चों को जोड़ियों/समूहों में बाँटकर चयनित पाठ्यांश को बारी-बारी से पढ़ने (मार्गदर्शन में पठन) को कहें।
- जो बच्चे अभी भी शब्द स्तर पर हों, उन पर विशेष ध्यान दें और उनकी सहायता करें। बाकी बच्चों की आवश्यकतानुसार सहायता करें।

बच्चों द्वारा प्रश्न बनाना (5-7 मिनट)

- कुछ बच्चों को पढ़े गए पाठ्यांश से प्रश्न बनाकर बाकी बच्चों से प्रश्न पूछने का अवसर दें। बाकी बच्चों को पूछे गए प्रश्नों के उत्तर पूरे वाक्य में देने को कहें। अगर बच्चे प्रश्न नहीं बना पा रहे हैं तो आप उनकी सहायता करें।

पाठ अभ्यास एवं संबंधित लेखन कार्य (7-10 मिनट)

- पाठ्यपुस्तक के पाठ की गतिविधि **(बातचीत के लिए 1-4 और लिखिए 4)** के प्रश्नों पर बच्चों से मौखिक रूप से चर्चा करें, फिर उन्हें उत्तर लिखने को कहें।

☞ प्रत्येक दिन कक्षा में पाठ्यपुस्तक के पाठों पर कार्य करने से पूर्व शिक्षण योजना अवश्य पढ़ें।

पाठ्यपुस्तक आधारित गतिविधियों पर कार्य, दूसरे कालांश में भी दिवस 1-4 में किया जाएगा। इन गतिविधियों का विवरण आपको इस संदर्शिका के कालांश-2 में कार्य करने की रणनीतियों वाले भाग में मिलेगा।

चित्र कहानी पोस्टर पर कार्य

अकादमिक सत्र के पहले कालांश में कक्षा-2 के बच्चों के साथ कार्य करने के लिए विद्यालयों में **कुल पाँच 'चित्र कहानी पोस्टर'** उपलब्ध कराए गए हैं। **चित्र कहानी पोस्टर को कक्षा की दीवार पर चस्पा नहीं करना है।** इनकी सहायता से बच्चों के साथ समूह में कार्य कराए जाने की योजना है। प्रत्येक चित्र कहानी पोस्टर पर कुल दो दिवस में कार्य किया जाएगा। इन पर कार्य करने की रणनीति को निम्नवत देखा जा सकता है-

दिवस 1

चित्र कहानी पोस्टर पर शिक्षक द्वारा चर्चा (5-7 मिनट)

- आप बच्चों को गोल घेरे में बैठाएं और चित्र कहानी पोस्टर के चारों चित्र एक-एक करके दिखाते हुए कुछ बंद छोर के प्रश्न पूछें, जैसे- लड़की को रास्ते में कौन दिखा? लड़की की पीठ पर क्या था? आदि।
- अब आप बच्चों को चारों चित्र समग्रता में देखने के लिए समय दें।

चित्रों पर आधारित कहानी बनाना (10-12 मिनट)

- अब आप चारों चित्रों को जोड़ते हुए एक छोटी कहानी (8-10 छोटे वाक्यों वाली) स्वयं बनाकर मौखिक रूप से 2 बार बच्चों को सुनाएँ। फिर कुछ बच्चों से कहानी अपने शब्दों में सभी बच्चों को सुनाने को कहें।

लेखन कार्य (7-10 मिनट)

- आप बच्चों कहानी के आधार पर कुछ शब्द लिखने को कहें। फिर बच्चों को जोड़ियों/समूह में उन शब्दों पर बातचीत करने को कहें।
- अंत में, 3-4 जोड़ियों/समूहों को अपनी चर्चा सभी के साथ साझा करने को कहें।

दिवस 2

शिक्षक द्वारा चित्र कहानी पोस्टर पर चर्चा (10-12 मिनट)

- बच्चों को कल की चर्चा को दोहराते हुए एक बार पुनः चित्र कहानी पोस्टर दिखाएँ और बच्चों से 5-6 खुले छोर के प्रश्न पूछते हुए बातचीत करें, जैसे- कुत्ते को चोट कैसे लगी होगी? आदि। अब 3-4 बच्चों को कल की कहानी को अपने शब्दों में सुनाने का मौका दें।

बच्चों द्वारा समूह कार्य (10-15 मिनट)

- आप बच्चों को छोटे समूह (4-5 बच्चों वाले) में बाँटें और निर्देश दें कि चित्र कहानी पोस्टर के चारों चित्रों के आधार पर उन्हें एक नई कहानी मिलकर बनानी है।
- इस दौरान आप कक्षा में घूम-घूमकर आवश्यकतानुसार उनकी सहायता करें।
- अंत में, आप प्रत्येक समूह के 1-2 बच्चों को उनकी कहानी सभी के साथ साझा करने को कहें।

लेखन कार्य (7-10 मिनट)

- आप बच्चों से अपने समूह में चित्र कहानी से संबंधित 1-2 वाक्य लिखने को कहें। फिर कुछ बच्चों से उनके लेखन कार्य को सभी के साथ साझा करने को कहें।

चित्र कहानी पोस्टर पर कार्य करने के दौरान हमें शिक्षण प्रक्रिया को सरल से जटिलता की ओर ले जाना होगा। चित्र कहानी पोस्टर पर कार्य करते समय आप शुरू के दो चित्र कहानी पोस्टरों पर बच्चों की अधिक सहायता करें। उसके बाद के चित्र कहानी पोस्टरों पर कार्य करते समय आप बच्चों को प्रोत्साहित करें कि वे अधिक से अधिक प्रतिभाग करें और प्रक्रियाओं में शामिल हों। चित्र कहानी पोस्टर के तीसरे चित्र पर कार्य करते समय आप लेखन कार्य के दौरान 6-8 वाक्यों की कहानी लिखने और सुनाने को कहें।

सृजनात्मक खेल गतिविधि

इस गतिविधि से बच्चों को अपनी मौखिक भाषा के कौशलों का उपयोग कर, रोचक सृजनात्मक कार्य करने का मौका मिलेगा। वे किसी कार्य में सामूहिक जिम्मेदारी निभाने जैसे महत्त्वपूर्ण अनुभव भी प्राप्त कर पाएँगे। **राज्य पाठ्यचर्या की रूपरेखा 2023** में भी बच्चों के शुरुआती दौर में सृजनात्मक कार्य को महत्त्वपूर्ण माना गया है। सृजनात्मक कार्य जोड़ियों/समूहों में किया जाएगा। इससे उन्हें बातचीत एवं आपसी सहयोग के बहुत सारे अवसर मिलेंगे। आपस में कार्य करने से बच्चों की आपसी संबंध भी बेहतर होंगे और वे अपनी कक्षा के सहपाठियों से जुड़ाव महसूस करेंगे।

जोड़ियों/समूहों में कार्य को व्यवस्थित रूप से आयोजित करने की रणनीति को निम्नवत देखा जा सकता है-

- बच्चों को जोड़ियों/समूहों में बाँटे। ध्यान रहे हर समूह में लगभग समान संख्या में बच्चे हों।
- समूहों का निर्धारण हमेशा रोचक तरीके से करने का प्रयास करें। जैसे- आप नदियों का, मिठाईयों का, जानवरों का, पक्षियों का या ऐसा ही कोई अन्य मजेदार नाम रखकर समूह बनवा सकते हैं।
- बच्चों द्वारा गतिविधि करते समय आप कक्षा में घूम-घूमकर उनके कार्य का अवलोकन करें और उन्हें जरुरी सहायता प्रदान करें।
- सारे समूह बनाने के बाद उन्हें सर्वसम्मति से अपना ग्रुप लीडर चुनने को कहें। ग्रुप लीडर यह सुनिश्चित करेगा/करेगी कि ग्रुप का हर सदस्य गतिविधि में हिस्सा ले रहा है।
- सभी समूहों को कार्य समझाएँ और यह सुनिश्चित करें कि सभी समूहों ने अपना कार्य कर लिया है, क्योंकि अलग-अलग समूहों को अलग-अलग समयावधि लग सकती है।
- प्रस्तुति के लिए समूह के हर बच्चे की भागीदारी अपेक्षित है। अगर प्रस्तुति का समय कम है तो उन बच्चों को प्रस्तुति देने को प्रोत्साहित करें, जो अमूमन अपनी समझ को दूसरों के साथ साझा करने में हिचकते हैं।
- हर समूह का उत्तर अलग-अलग हो सकता है। **बच्चों को सही या गलत के पैमाने पर ना आँके।** ये सारी गतिविधियाँ बच्चों के समझ को सुदृढ़ करने के लिए हैं। यह कहने की बजाय कि 'यह सही नहीं है', 'अगर आप इसे ऐसा लिखते/करते तो बेहतर होता' जैसे वाक्यों का प्रयोग करें।
- अगर बच्चे अपेक्षित तरीके से कार्य नहीं कर पा रहे हैं, तो उन्हें सही उत्तर देने के बजाय सुझाव दें और बेहतर कार्य करने के लिए प्रोत्साहित करें। बच्चों को यह महसूस कराना कि आप उन पर विश्वास करते हैं, उनकी सहायता के लिए उनके साथ खड़े हैं, यह उनके समग्र विकास के लिए अत्यंत जरुरी है।

1. ग्रीटिंग कार्ड बनाना

- आप बच्चों को बताएँ कि आज हम अपने साथी के लिए ग्रीटिंग कार्ड बनाएँगे। इसके लिए आप बच्चों को 1-1 पर्ची दें, जिसमें उनके साथियों का नाम लिखा हो। फिर उन्हें उस साथी के लिए ग्रीटिंग कार्ड बनाना है, जिसके नाम की पर्ची उन्हें मिली है।
- अब आप बच्चों को ग्रीटिंग कार्ड बनाने के लिए जरूरी सामग्रियाँ दें और उन्हें कार्ड बनाने को कहें।
- बच्चे जब कार्ड बना लें, तब उन्हें उस कार्ड को अपने साथी को देने के लिए कहें।
- आप इस बात का ध्यान रखें कि सभी बच्चे गतिविधि में भाग लें।

2. स्कूल में मेरी पसंद की चीजें

- आप बच्चों से इसके बारे में संक्षिप्त में चर्चा करें कि बच्चों को स्कूल में क्या-क्या करना अच्छा लगता है।
- अब उन्हें कागज पर चित्र के रूप में वह चीज बनाने को कहें, जो उन्हें अच्छी लगती हैं।
- अब बच्चों से कहें कि आप उस गतिविधि का चित्र या मॉडल भी बना सकते हैं।
- गतिविधि पूरी होने पर बच्चों को पूरी कक्षा के सामने यह बताने को कहें कि उन्होंने क्या बनाया है और वे क्या दिखाना चाहते हैं, इस पर बातचीत करें।

3. रेखांकन और चित्रकारी

- आप सारी सामग्रियों को बच्चों के बीच में बाँट दें।
- आप बच्चों से पूछें कि उनकी पसंदीदा चीज कौन-कौन सी हैं? उनमें से उन्हें किसी एक चीज का चित्र बनाने को कहें।
- सभी बच्चों की सहभागिता बढ़ाने के लिए अनुकूल माहौल तैयार करें।
- जब सभी बच्चे गतिविधि पूरी कर लें, तो कुछ बच्चों को बुलाकर उनके द्वारा बनाए गए चित्र को पूरी कक्षा को दिखाते हुए, उसके बारे में कुछ बताने को कहें।

4. साइकिल बनाओ, काम बताओ

- आप बच्चों को 5 छोटे समूहों में बाँटें और हर समूह को साइकिल का चित्र बनाकर, उसके प्रत्येक भाग के नाम के साथ उसके कार्य को बताने को कहें।
- समूह में कार्य करने के बाद आप बारी-बारी से हर समूह को कक्षा में प्रस्तुति के लिए आगे बुलाएँ।
- गतिविधि समाप्त होने के बाद समूह कार्य के पेपर को कक्षा के **'बच्चों का कोना'** (**Students' Work Corner**) में लगा दें।

इसी प्रकार कुछ अन्य गतिविधियाँ भी करा सकते हैं, जैसे- पंखा बनाओ काम बताओ, कम्प्यूटर बनाओ काम बताओ आदि।

5. कक्षा का मानचित्र

- आप बच्चों को 5 छोटे समूहों में बाँटें और हर समूह को बैठने के लिए एक निर्धारित जगह दें।
- हर समूह को अपनी जगह से कक्षा का मानचित्र बनाना होगा। साथ ही, बच्चों से उस मानचित्र के निर्देश को शब्दों में लिखने के लिए कहें।
- mnkgj.k& vki cksMZ ij ekufp= cukrs gq, le>k,¡A
- समूह में कार्य करने के बाद आप बारी-बारी से हर समूह को कक्षा में प्रस्तुति के लिए आगे बुलाएँ।
- गतिविधि समाप्त होने के बाद समूह कार्य के पेपर को कक्षा के **'बच्चों का कोना'** (**Students' Work Corner**) में लगा दें।

इसी प्रकार कुछ अन्य गतिविधियाँ भी आप करा सकते हैं। जैसे- घर, रसोई, गली आदि का मानचित्र।

6. किताब से शब्द छाँटो

- आप कक्षा को चार समूहों में बाँटें और सभी समूह को एक-एक कहानी की किताब दें।
- आप सभी बच्चों को कहानी से 'क्रिया शब्द' (जैसे- भागना, कूदना, हँसना इत्यादि) छाँटकर लिखने को कहें।
- आप, क्रिया शब्द के संबंध में बच्चों से चर्चा करें और उससे संबंधित उदाहरण दें।
- आप बारी-बारी से सभी समूहों को अपने शब्द पढ़कर बताने और उनकी कुल संख्या बताने को कहें। अन्य समूह के बच्चों को निर्देश दें कि वे ग़ौर करें कि बच्चों द्वारा पढ़े गए शब्द, क्रिया से संबंधित हैं या नहीं।

7. सूची बनाओ

- बच्चों को 5 छोटे समूहों में बाँटें। फिर आप बोर्ड पर अगले बिंदु के अनुसार चार खानों की ग्रिड (जिसमें 5-7 कॉलम हों) बनाएँ। फिर सभी समूह के ग्रुप लीडर को इसे अपनी कॉपी/पन्ने पर बनाने को कहें।

दोस्तों के नाम	स्थानों के नाम	जानवरों के नाम	वस्तुओं के नाम

- अब बच्चों को अपने दोस्तों के नाम, स्थानों के नाम, जानवरों के नाम और वस्तुओं के नाम लिखने को कहें।
- फिर प्रत्येक समूह से सूची पढ़कर बताने को कहें।
- गतिविधि समाप्त होने के बाद, समूह कार्य के पेपर को **'बच्चों का कोना'** (**Students' Work Corner**) में लगा दें।

इसी प्रकार से आप अलग-अलग चीजों की सूची बनवा सकते हैं, जैसे- पेड़, सब्जी, फल, रंग के नाम आदि।

अनुभव पर चर्चा

अनुभव पर चर्चा की गतिविधि प्रत्येक सप्ताह के पहले कालांश में प्रस्तावित है। इसके द्वारा मुख्य रूप से बच्चों एवं शिक्षकों के मध्य जुड़ाव बढ़ेगा, बच्चे अपने अवलोकन के अनुभव को अभिव्यक्त कर पाएँगे। उनकी सम्प्रेषण कला का भी विकास होगा, साथ में अपनी बात रखते समय जब भी नवीन शब्दों का प्रयोग करेंगे, तो शब्दावली विकास भी होगा। **एस.सी.एफ. 2023** की अनुशंसाओं के अनुसार बच्चों से उनके अनुभव पर चर्चा करते समय उनके घर की भाषा को महत्त्व देना चाहिए। अनुभव पर चर्चा की रणनीति को आगे देखा जा सकता है-

अनुभव पर चर्चा

शिक्षक द्वारा अनुभव पर चर्चा (5-7 मिनट)

- बच्चों को बताएँ कि आज हम **'नाना के घर'** के बारे में बात करेंगे।
- आप 5-7 वाक्यों में स्वयं के **'नाना के घर'** के अनुभवों के बारे में बच्चों को बताएँ, जैसे- वहाँ आपने क्या-क्या खाया? नाना के घर कौन-कौन रहता है? आदि। **'नाना के घर'** से जुड़ा कोई खास अनुभव हो तो उसे भी बच्चों के साथ साझा करें।

बच्चों द्वारा अनुभव साझा करना (10-15 मिनट)

- अब बच्चों को 'नाना के घर' के अनुभव पर अपने विचार/समझ कम से कम 5-6 वाक्यों में व्यक्त करने के लिए प्रोत्साहित करें। इसके लिए आप विषय से जुड़े 7-8 खुले छोर के प्रश्न भी पूछें।

लेखन कार्य (10-12 मिनट)

- आप बच्चों से उनके **'नाना के घर'** से जुड़ा कोई चित्र बनाने और कुछ शब्दों/3-4 वाक्यों में उसके बारे में लिखने को कहें। फिर बच्चों को जोड़ियों में बात करने को कहें।
- बच्चों के कार्य का अवलोकन करें और आवश्यकतानुसार उनकी सहायता करें।

सुनिश्चित करें कि बच्चे वाक्यों में प्रतिक्रिया दें।

अनुभव पर चर्चा की गतिविधि बच्चों के साथ पूरे वर्ष होनी है। ऐसे में जैसे-जैसे काम आगे बढ़ता जाएगा, इस गतिविधि की जटिलता भी बढ़ती जाएगी। आपको यह ध्यान रखना है कि वह कुछ-कुछ सप्ताहों के बाद प्रश्नों में जटिलता बढ़ाते जाएँ।

पाठ आधारित पुनरावृति कार्य

अंतिम वर्ष तक हम लोग केवल डिकोडिंग की दक्षताओं का ही पुनरावृति किया करते थे। इस वर्ष से पहले कालांश में दिवस-5 में मौखिक भाषा विकास की पुनरावृति का भी कार्य किया जाना प्रस्तावित है, ताकि किसी सप्ताह विशेष में पढ़ाए गए पाठों पर बनी समझ को और पुख्ता किया जा सके। इसके लिए प्रत्येक सप्ताह के पहले कालांश के पाँचवे दिवस में **'पाठ आधारित पुनरावृति कार्य'** के अंतर्गत इसे रखा गया है। इस कार्य के लिए 5-7 मिनट का समय प्रस्तावित है।

कालांश-2 में कार्य करने की रणनीतियाँ

कक्षा-2 में भाषा शिक्षण के दूसरे कालांश में मुख्य रूप से पाठ्यपुस्तक की विस्तारित गतिविधियों, स्तरित पाठ और लेखन अभ्यास पर कार्य किया जाएगा। इस कालांश में मुख्य रूप से **कार्यपुस्तिका भाग-1** का उपयोग किया जाएगा, जिसकी रणनीति को निम्नवत देखा जा सकता है-

कालांश-2

कक्षा-1 की पुनरावृत्ति (सप्ताह 1-7)

- डिकोडिंग पर कार्य (सप्ताह 1-4)
  - वर्ण/अक्षर/मात्रा पहचान पर कार्य
  - ब्लेंडिंग पर कार्य
  - शब्द पठन पर कार्य
- पाठ्यपुस्तक आधारित विस्तारित गतिविधियाँ एवं पुनरावृत्ति पर कार्य (सप्ताह 5-7)

समझ के साथ पठन व लेखन (सप्ताह 8-25)

- पाठ्यपुस्तक आधारित विस्तारित गतिविधियाँ
- कार्यपुस्तिका के भाग-1 में दिए गए स्तरित (ग्रेडेड) पाठ पर कार्य
- श्रुतलेख/सुनकर लिखें पर कार्य

☞ कालांश-2 में कार्यपुस्तिका भाग-1 पर कार्य किया जाएगा।

सप्ताह 1-4 (डिकोडिंग पर कार्य)

अक्षर और ध्वनि के संबंध के आधार पर किसी शब्द को प्रिंट से ध्वनि में बदलकर उच्चारित करने की क्षमता को डिकोडिंग कहते हैं। इस चरण में किसी शब्द की अलग-अलग ध्वनियों को पहचानना, ध्वनियों को आपस में जोड़ना, पूरे शब्द को एक साथ उच्चारित करना या पढ़ना और उसका अर्थ समझना (यदि वह शब्द पहले से ज्ञात हैं) आदि प्रक्रियाएँ होती हैं।

नोटः सप्ताह 1-4 तक के कार्यपत्रक डिजिटल मोड (Soft Copy) में चैटबॉट के माध्यम से स्कूलों में उपलब्ध कराए जाएँगे। प्रिंट/फोटोकॉपी लेकर बोर्ड/बच्चों के नोटबुक में इन पत्रकों की गतिविधियों पर कार्य कराया जाना प्रस्तावित है।

वर्ण/अक्षर/मात्रा पहचान पर कार्य

- वर्ण/अक्षर को बोर्ड पर लिखकर बच्चों को पहचानने को कहें। यदि बच्चे नहीं पहचान पाते हैं तो उन्हें सही उच्चारण करके बताएँ।
- सरल शब्दों को लिखें और वर्ण/अक्षर/मात्रा को पहचानने के लिए कहें।
- वर्ण/अक्षर मिलाकर ग्रिड बनाएँ और बच्चों से अलग-अलग वर्ण/अक्षर को पहचानने को कहें।
- कार्यपुस्तिका भाग-1 से संबंधित पत्रक पर अभ्यास कार्य कराएँ।

ब्लेंडिंग पर कार्य

वर्ण/अक्षर जोड़कर ब्लेंडिंग/शब्द बनाने का कार्य

- बोर्ड पर दो बॉक्स बनाएँ और उनमें वर्ण/अक्षर बोलते हुए लिखें। फिर, उसके सामने बड़े बॉक्स में इन दोनों वर्णों/अक्षरों से बनने वाले शब्द को लिखें। फिर पहले अलग-अलग उच्चारण करके और उसके बाद इन्हें जोड़कर उपयुक्त गति से (शब्द की तरह) पढ़ें। ता | ला → ताला
- फिर 5-6 नए शब्दों के साथ यह प्रक्रिया करें। इन शब्दों को बच्चों के साथ ऊपर की तरह जोड़कर पढ़ें।
- 5-7 अन्य शब्द लें और उन्हें बोर्ड पर इसी तरह लिखकर दें, फिर बच्चों को इन्हें पढ़ने को कहें।
- कार्यपुस्तिका भाग-1 में दिए गए पत्रकों पर संबंधित अभ्यास कराएँ।

शब्द पठन पर कार्य

- 4-5 शब्दों को बोर्ड पर लिखें और उन्हें दो बार आदर्श रूप से पढ़कर सुनाएँ। शब्द को सीधे-सीधे एक इकाई की तरह पढ़ें। इस दौरान शब्दों के नीचे अंगुली रखें। जैसे- 'खीर' इसे तोड़कर (खी र) की तरह नहीं पढ़ें।
- कुछ अन्य शब्द बोर्ड पर लिखें और बच्चों को इन्हें पढ़ने को कहें।
- कार्यपुस्तिका भाग-1 में दिए गए पत्रकों पर संबंधित अभ्यास कराएँ।

सप्ताह 5-7 (पाठ्यपुस्तक आधारित विस्तारित गतिविधियाँ एवं पुनरावृत्ति पर कार्य)

- सप्ताह 5-7 दिवस 1-4 में पाठ्यपुस्तक के पाठों पर आधारित विस्तारित गतिविधियों पर कार्य कराया जाएगा। यह अभ्यास वाक्यांश पठन एवं सरल वाक्य पठन की पुनरावृत्ति से संबंधित हैं।
- दिवस 5 में पुनरावृत्ति एवं दिवस 6 में आकलन कार्य कराया जाएगा।

सप्ताह 8-25 (पाठ्यपुस्तक आधारित विस्तारित गतिविधियाँ)

दिवस 1-2	• दिवस 1 और 2 में पाठ्यपुस्तक की गतिविधियों की प्रकृति से मिलती-जुलती अर्थात् विस्तारित गतिविधियों पर कार्य कराया जाएगा।
दिवस 3-4	• दिवस 3 में एक स्तरित पाठ एवं उससे संबंधित प्रश्न एवं गतिविधियाँ दी जाएँगी। दिवस 4 के कार्यपत्रक में जो गतिविधियाँ होंगी, वह मुख्य रूप से दिवस 3 के स्तरित पाठों पर आधारित होंगी। स्तरित पाठों पर कार्य करने की रणनीति आगे के पृष्ठों में दी गई है।
दिवस 5-6	• दिवस 5 और 6 के लिए एक ही कार्यपत्रक दिया जाएगा। • दिवस 5 में 2 से 3 गतिविधियाँ कार्यपत्रक में दी गई हैं, जिससे पहले स्तरित पाठ पर कार्य होगा। इसके साथ ही, इन्हीं गतिविधियों से मिलती-जुलती गतिविधियों के निर्देश उस सप्ताह की शिक्षण योजना में **'नोटबुक/कॉपी में कार्य'** के अंतर्गत दी गई हैं। इन गतिविधियों पर कार्य कराते समय शिक्षक बोर्ड का उपयोग करें और बच्चों को निर्देशानुसार उनकी नोटबुक में गतिविधियाँ कराएँ। • दिवस 6 में साप्ताहिक आकलन पर कार्य किया जाएगा।

☞ **आइए अब विस्तारित एवं स्तरित पाठ पर कार्य करने के चरणों को समझते हैं-**

सप्ताह 8-25 (कार्यपुस्तिका भाग-1 में दिए गए स्तरित (ग्रेडेड) पाठों पर कार्य)

कक्षा-2 की भाषा की कार्यपुस्तिका भाग-1 में सप्ताह 8-25 तक प्रत्येक सप्ताह 2 स्तरित (ग्रेडेड) पाठ दिए गए हैं। दोनों स्तरित पाठ, उस सप्ताह में पढ़ाए जाने वाले पाठ्यपुस्तक की पाठ के थीम, मुख्य भाव या पात्र पर आधारित हैं। पहला स्तरित पाठ सप्ताह के **तीसरे दिन** में दिया गया है। इस स्तरित पाठ पर चौथे दिन भी काम किया जाएगा, इस स्तरित पाठ पर आदर्श वाचन एवं मार्गदर्शन में पठन पर जोर दिया गया है। दूसरा स्तरित पाठ सप्ताह के **पाँचवें दिन** दिया गया है। इस स्तरित पाठ पर मुख्यतः बच्चों द्वारा स्वतंत्र पठन किया जाना है। स्तरित पाठ मुख्य रूप से बच्चों की पढ़कर समझने की क्षमता के विकास के लिए दिए गए हैं। बच्चे पाठ्यपुस्तक में दिए गए पाठों को आसानी से पढ़ पाएँ, इसके लिए जरूरी है कि उन्हें आसान और छोटे पाठों को पढ़कर समझने का अभ्यास करने के पर्याप्त अवसर मिलें। कार्यपुस्तिका भाग-1 में दिए गए स्तरित पाठ इसी बात को ध्यान में रखकर विकसित किए गए हैं।

सप्ताह 8-25 तक में इनका स्तर 30-35 शब्दों से बढ़ते हुए 70-80 शब्दों तक का होता है। साथ ही, संकल्पनात्मक स्तर, वाक्य विन्यास के स्तर पर भी इनमें जटिलताएँ बढ़ेंगी। स्तरित पाठों को स्थानीय परिवेश में विविधता का समावेशन करते हुए रोचक बनाया गया है। इन दोनों स्तरित पाठों पर कार्य कैसे किया जाएगा, इसका उदाहरण निम्नवत देखा जा सकता है, इसके लिए **सारंगी-2** के **पाठ-8 'तीन दोस्त'** पर आधारित भाग-1 **सप्ताह 9** का चयन किया गया है-

दिवस-3 (पाठ-8 'तीन दोस्त')

पाठ पर समृद्ध चर्चा एवं दोहराव (7-10 मिनट)
- पाठ की कहानी या केन्द्रीय बिंदु को अपने शब्दों में सुनाकर एक बार और चर्चा करें।
- पाठ से संबंधित कुछ बंद एवं 5-6 खुले छोर के प्रश्न बच्चों से पूछें, जैसे- बैंगनी रंग कैसे बना? दुनिया रंगीन कैसे बनी? लाल, पीले, और नीले रंगों ने नए दोस्त बनाने क्यों शुरू किए? लाल रंग कहाँ-कहाँ मिलता था ? आदि।

मार्गदर्शन में पठन (7-10 मिनट)
- बच्चों को जोड़ियों/समूहों में बाँटकर पूरे पाठ को बारी-बारी से पढ़ने (मार्गदर्शन में पठन) को कहें।
- जो बच्चे अभी भी शब्द स्तर पर हों, उन पर विशेष ध्यान दें और उनकी सहायता करें। बाकी बच्चों की आवश्यकतानुसार सहायता करें।

बच्चों द्वारा प्रश्न बनाना (5-7 मिनट)
- कुछ बच्चों को पढ़े गए पाठ्यांश से प्रश्न बनाकर बाकी बच्चों से प्रश्न पूछने का अवसर दें। उन बच्चों को अवसर दें, जो कल प्रश्न नहीं पूछ पाए थे। बाकी बच्चों को पूछे गए प्रश्नों के उत्तर पूरे वाक्य में देने को कहें। अगर बच्चे प्रश्न नहीं बना पा रहे हैं तो आप उनकी सहायता करें।

पाठ अभ्यास एवं सम्बन्धित लेखन कार्य (7-10 मिनट)
- पाठ्यपुस्तक के पाठ की गतिविधि **(आइये कुछ बनाएँ)** के प्रश्नों पर बच्चों से मौखिक रूप से चर्चा करें, फिर उन्हें उत्तर लिखने को कहें।

दिवस-4 (पाठ-8 'तीन दोस्त')

चित्र चार्ट पर शिक्षक द्वारा चर्चा (5-7 मिनट)
- आप बच्चों से पाठ्यपुस्तक के चित्र चार्ट में दिख रही चीजों/घटनाओं/गतिविधियों के बारे में कुछ बंद छोर के प्रश्न पूछें, जैसे- इस चित्र में क्या-क्या है? किन रंगों की वस्तुएँ चित्र में दिख रही हैं? आदि। फिर प्रत्येक प्रश्न पर बच्चों की प्रतिक्रिया लें।

चित्र चार्ट पर समृद्ध चर्चा (10-15 मिनट)
- आप चर्चा को आगे बढ़ाएँ और 5-6 खुले छोर के प्रश्न भी पूछें, जैसे- भँवरा फूलों पर क्यों मंडरा रहा था? आपको कौन-कौन से फल अच्छे लगते हैं? आदि।

लेखन कार्य (10-15 मिनट)
- बच्चों को चित्र चार्ट **'प्रकृति के रंग'** से संबंधित कोई चित्र बनाने और कुछ शब्द या 1-2 वाक्य लिखने को कहें। फिर बच्चों को अपना लेखन कार्य और चित्र अपने साथी को दिखाते हुए उस पर बातचीत करने को कहें।
- फिर किन्हीं 3-4 बच्चों को अपने विचार पूरी कक्षा के साथ में साझा करने को कहें। बच्चों के बनाए चित्रों को **'बच्चों का कोना'** में लगा दें।

दिवस-5 (पाठ-8 'तीन दोस्त')

पाठ्यपुस्तक के पाठ पर आधारित पुनरावृत्ति (5-7 मिनट)
- पाठ-8 से संबंधित कुछ कठिन/अमूर्त शब्दों को बोर्ड पर लिखें और उन्हें बच्चों से पढ़ने को कहें, जैसे- सुस्ताना, दुनिया आदि।
- फिर कुछ बच्चों को उन शब्दों से मौखिक रूप से वाक्य बनाकर सुनाने को कहें।

सृजनात्मक गतिविधि पर चर्चा (5-7 मिनट)
- आप सृजनात्मक गतिविधि- **'ग्रीटिंग कार्ड बनाना'** के विस्तृत

चरणों को संदर्शिका से देखें। गतिविधि से संबंधित एक उदाहरण बच्चों को दें और गतिविधि के चरणों के निर्देश स्पष्टता से बताएँ।

- अब आप बच्चों को गतिविधि के चरणों के अनुसार कार्य करने को कहें।

बच्चों द्वारा लेखन कार्य (10-12 मिनट)

- बच्चों को जोड़ियों में बाँटकर ग्रीटिंग कार्ड बनाने एवं उस पर अपने दोस्त के बारे में एक **संदेश** लिखने और उस पर आपस में चर्चा करने को कहें।

बच्चों द्वारा अपने कार्य को साझा करना (7-10 मिनट)

- किन्हीं 3-4 बच्चों को ग्रीटिंग दिखाते हुए अपने विचार पूरी कक्षा के साथ साझा करने को कहें। बच्चों द्वारा बनाए ग्रीटिंग्स को **'बच्चों का कोना'** में लगा दें।

☞ सुनिश्चित करें कि सभी बच्चे गतिविधि में प्रतिभाग करें।

श्रुतलेख/सुनकर लिखें पर कार्य की रणनीति

प्रत्येक सप्ताह में लगभग 2-3 दिन दूसरे कालांश में **'सुनकर लिखें'** की गतिविधि प्रस्तावित है। इसमें सप्ताहवार क्रमशः जटिलताएँ बढ़ती जाएँगी। वर्णों/अक्षरों से लेकर वाक्य लिखने का अवसर बच्चों को दिया जाएगा। इससे बच्चों की वर्तनी के सुधार में सहायता मिलती है। इसके लिए 5-7 मिनट का समय दिया जाना प्रस्तावित है।

श्रुतलेख/सुनकर लिखें के चरण-

- अब तक सिखाए गए (इसमें मुख्य रूप से पिछले सप्ताहों के) वर्णों/अक्षरों/शब्दों/वाक्यों का चयन करें।
- जब बच्चे कार्यपुस्तिका/नोटबुक के साथ तैयार हों, तो आप वर्णों/अक्षरों/शब्दों/वाक्यों को बोलें। बच्चों को/किसी एक बच्चे को सुना हुआ वर्ण/अक्षर/शब्द/वाक्य दोहराने को कहें। इससे यह पता चलता है कि उन्होंने बोला हुआ वर्ण/अक्षर/शब्द/वाक्य ठीक से सुना है या नहीं।
- अब बच्चों को वर्णों/अक्षरों/शब्दों/वाक्यों को लिखने को कहें, फिर इसे 2-3 बार बोलें, जैसे- शब्द स्तर पर **'सुनकर लिखें'** करवा रहे हों, तो प्रत्येक शब्द को 2-3 बार (नमक, नमक, नमक) बोलें। शब्दों/वाक्यों की जटिलता एवं प्रवृत्ति के लिए कार्यपुस्तिका में उस सप्ताह के पाठों का संदर्भ लें।
- अगले वर्णों/अक्षरों/शब्दों/वाक्यों के साथ भी यही प्रक्रिया दोहराएँ।
- शिक्षक सही वर्ण/अक्षर/शब्द/वाक्य बोर्ड पर लिखेंगे, उसी क्रम में जैसा कि उन्होंने श्रुतलेख के दौरान बोला था। फिर बच्चे अपनी कार्यपुस्तिका को एक-दूसरे से बदलेंगे एवं उसकी जाँच करेंगे।

☞ कार्यपुस्तिका में भी श्रुतलेख संबंधी गतिविधियाँ दी गई हैं, परन्तु पर्याप्त नहीं है। श्रुतलेख पर कार्य नियमित तौर पर किया जाना चाहिए, ताकि बच्चों में डिकोडिंग कौशल सुदृढ़ हो सके।

☞ शिक्षण योजना में दिए गए सभी चरणों का पालन करते हुए शिक्षक कक्षा-कक्ष के आवश्यकतानुसार शिक्षण प्रक्रिया में आंशिक बदलाव कर सकते हैं।

कालांश-3 में कार्य करने की रणनीतियाँ

कक्षा-2 में भाषा शिक्षण के तीसरे कालांश में मुख्य रूप से पठन अभ्यास, प्रवाहपूर्ण पठन एवं रिमीडियल पर कार्य किया जाएगा। सप्ताह 1-12 के दिवस 1-4 में पठन अभ्यास एवं सप्ताह 14-25 में प्रवाहपूर्ण पठन पर कार्य किया जाएगा। प्रत्येक सप्ताह के दिवस 5 में बच्चों द्वारा स्वतंत्र पठन पर कार्य किया जाएगा और दिवस 6 में आकलन का कार्य तीसरे कालांश में भी जारी रखा जाएगा।

सप्ताह 2 से 25 तक के शुरुआती पाँच दिवसों में तीसरे कालांश के अंतिम 20 मिनट रिमीडियल कार्य के लिए निर्धारित हैं।

कालांश तीन में कार्य की रणनीति नीचे दी गई है-

कालांश-3

- **20 मिनट**
  - पठन अभ्यास (सप्ताह 1-12)
  - प्रवाहपूर्ण पठन (सप्ताह 14-25)
  - स्वतंत्र पठन (सप्ताह 1-25)
- **20 मिनट**
  - रिमीडियल कार्य (सप्ताह के दिवस 1-5 में)
    इस पर कार्य करने की रणनीति आगे के पृष्ठों में दी गई है।

पठन अभ्यास (सप्ताह 1-12)

सप्ताह 1-12 में कालांश 3 के शुरुआती 20 मिनट में पठन अभ्यास कार्य किया जाएगा। शुरुआती 4 सप्ताह के पठन अभ्यास डिजिटल मोड में दिए जाएँगे। शिक्षक इन्हें बोर्ड पर लिखकर पठन अभ्यास कराएँ। पठन अभ्यास पर कार्य करने के चरण नीचे दिए गए हैं-

दिवस 1

- पठन अभ्यास में दिए गए शब्दों/वाक्यांशों/वाक्यों/पाठ को आदर्श रूप से पढ़ें। इस दौरान सभी बच्चों को अंगुली रखते हुए अनुसरण करने को कहें।
- बच्चों को जोड़ियों/समूहों में शब्दों/वाक्यांशों/वाक्यों/पाठ को बारी-बारी से पढ़ने को कहें।
- आप कक्षा में घूम-घूमकर अवलोकन करें और उनकी आवश्यकतानुसार सहायता करें।
- पठन के अंत में कुछ शब्दों पर रुककर बातचीत करें। जैसे- इन शब्दों को उन्होंने कहाँ/कब सुना है? आदि।

दिवस 2

- पिछले दिन के पठन अभ्यास में दिए गए शब्दों/वाक्यांशों/वाक्यों/पाठ को आदर्श रूप से दोबारा पढ़ें।
- बच्चों को स्वतंत्र रूप से पठन अभ्यास पढ़ने को कहें।
- कुछ बच्चों को सबके सामने पाठ पढ़कर सुनाने को कहें। बाकी बच्चों को अंगुली रखकर अनुसरण करने को कहें।
- इस दौरान आप बच्चों के पास जाकर उनके पठन अभ्यास का अवलोकन करें।
- अंत में, आप पाठ पर संक्षिप्त चर्चा करके समेकन करें।

प्रवाहपूर्ण पठन (सप्ताह 14-25)

सप्ताह 14-25 में कालांश 3 के शुरुआती 20 मिनट में प्रवाहपूर्ण पठन पर कार्य किया जाएगा। प्रवाहपूर्ण पठन पर कार्य करने के चरण नीचे दिए गए हैं-

1. आप आकलन के लिए अपने पास मोबाइल, पेंसिल व कार्यपुस्तिका रख लें। मोबाइल में 1 मिनट का टाइमर लगा लें।
2. एक बच्चे को अपने पास बुलाएँ और उसे अपनी कार्यपुस्तिका से प्रवाहपूर्ण पठन का पाठ पढ़ने को कहें। पढ़ने के दौरान आप उसके प्रवाहपूर्ण पठन की जाँच करें।
3. बच्चे ने जितने सही शब्द पढ़े हैं, उसकी संख्या प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास के सामने दिए गए खाली बॉक्स में लिखें।
4. प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास के लिए प्रतिदिन यह प्रक्रिया 25% बच्चों से कराएँ।

प्रवाहपूर्ण पठन के आकलन का तरीका

- आकलन के लिए अपने पास मोबाइल, पेंसिल और कार्यपुस्तिका की एक प्रति रख लें। मोबाइल में 1 मिनट का टाइमर लगा लें।
- एक बच्चे को अपने पास बुलाएँ और उसे अपनी प्रति से उस दिन का पाठ पढ़ने को कहें।
- बच्चे की कार्यपुस्तिका अपने पास रख लें क्योंकि उसी में आपको रिकॉर्ड करना है।
- बच्चा जैसे ही पढ़ने लगता है, आप उसके सही और गलत पढ़े गए शब्दों को गौर से सुनें।
- जब बच्चा किसी शब्द को गलत पढ़ता है तो उस शब्द के नीचे लाइन खींच दें। अगर उसी शब्द को वह सही पढ़ लेता है तो उसे फिर छोड़ दें।
- जब एक मिनट हो जाए तो अंतिम पढ़े गए शब्द पर '|' का निशान लगा दें। अब इस निशान तक सही पढ़े गए शब्दों को सुनकर 'सही पढ़े गए शब्दों की संख्या' बॉक्स में लिखें।
- साथ ही, बच्चों के स्तर के लिए किसी एक बॉक्स में निम्नलिखित मापदंड के अनुसार सही (✓) का निशान लगाएँ।

स्तर 1	नहीं पढ़ पाया या अधिकतम 5 शब्द पढ़ता हो।
स्तर 2	वर्ण/अक्षरों को जोड़-जोड़कर शब्द पढ़ता हो।
स्तर 3	शब्द-दर-शब्द पढ़ रहा हो, वाक्य पर ध्यान नहीं है।
स्तर 4	वाक्य को वाक्य की तरह पढ़ रहा हो।

- उस बच्चे के आकलन की जानकारी साप्ताहिक आकलन ट्रैकर में भरें।
- फिर अन्य बच्चों को बुलाएँ। उनके साथ भी यही प्रक्रिया दोहराएँ।

स्वतंत्र पठन (सप्ताह 1-25)

कालांश 3 में सप्ताह 1-25 के दिवस 5 में स्वतंत्र पठन का कार्य किया जाएगा। इस पर कार्य के चरण नीचे दिए गए हैं-

- बच्चों को अपनी पसंद की पुस्तकालय की कहानी की किताब/अभ्यासपुस्तिका से पाठ चुनने को कहें और उन्हें स्वयं से पढ़ने को कहें। इसके लिए 10-12 मिनट का समय दें।
- बच्चे अपने साथी के साथ या स्वयं स्वतंत्र पठन करें।
- सभी बच्चों को एक जगह बुलाकर बातचीत करें। (आप उनसे कहानी, उसके पात्र, चित्र, घटना के बारे में बातचीत कर सकते हैं। इस बातचीत का उद्देश्य बच्चों को प्रेरित करने, उनकी रूचि बनाए रखने और पढ़ने में आई दिक्कतों को समझना है। जो बच्चे अभी भी पढ़ने में संघर्ष कर रहे हैं, उन्हें भी पढ़ने के मौके दें। उन्हें ऐसे बच्चों के साथ भी बिठा सकते हैं, जो पढ़ने में उनकी मदद करें।)

☞ **रिमीडियल कार्य की विस्तृत योजना भाग (आकलन एवं दैनिक रिमीडियल कार्य) में दी गई है।**

आकलन एवं दैनिक रिमीडियल कार्य

आकलन अपने आप में कोई अलग प्रक्रिया नहीं है, बल्कि यह शिक्षण कार्य का ही अभिन्न अंग है। सीखने को सुनिश्चित करने के लिए, दक्षता के अनुसार सतत आकलन करना शिक्षण प्रक्रिया को प्रभावशाली बनाता है। आकलन शिक्षण के उद्देश्य पर आधारित होता है, जिसे नियमित और योजनाबद्ध रूप से किया जाना आवश्यक है।

आकलन के उद्देश्य

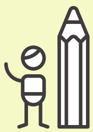

1. बच्चों की प्रगति को जानना

हर बच्चे के सीखने की गति अलग-अलग होती है। कक्षा के किस बच्चे ने क्या सीख लिया और क्या छूट गया है, इसे तय करने में आकलन हमारी सहायता करता है। निश्चित अंतराल में किया गया आकलन, व्यवस्थित तौर पर बच्चों के सीखने के स्तरों के विश्लेषण में सहायता करता है।

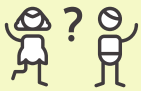

2. सीखने में आ रही कठिनाइयों को जानना

बच्चों की अवधारणाओं को समझने या किसी भी अवधारणा के अनुप्रयोग में आ रही कठिनाइयों को जानने में, सतत आकलन बहुत ही प्रभावी होता है। आकलन के दृष्टिकोण से आपके द्वारा पूछे गए प्रश्न और बच्चों द्वारा किए गए संवाद से सामान्य भूल का पता चलता है।

3. बच्चों की सहायता के लिए प्रभावी रणनीतियाँ बनाना

सुनियोजित आकलन शिक्षण प्रक्रिया को बेहतर बनाने का कार्य करता है। यह शिक्षण कार्य की तैयारी एवं योजना बनाने में सहायता करता है और बच्चों की आवश्यकता के अनुसार, उनके लिए प्रभावी रणनीति बनाने में भी मार्गदर्शन करता है।

4. आगे की शिक्षण योजना बनाना

आकलन आगे की शिक्षण कार्य योजना के लिए संदर्भ बिंदु की तरह है। आकलन बच्चों के लिए उनकी आवश्यकता के अनुसार, शिक्षण योजना में बदलाव के विकल्प ढूँढ़ने में सहायता करता है।

आकलन और शिक्षण को एक समग्र और एकीकृत प्रक्रिया के रूप में देखना, अधिगम लक्ष्य की प्राप्ति के लिए महत्वपूर्ण है।

- आप यह सुनिश्चित करें कि बच्चों को सीखने के लिए न्यूनतम आवश्यक समय और अभ्यास के उचित अवसर मिलें।
- बच्चों की उपलब्धियों को जाँचते रहें और विश्लेषण के माध्यम से यह देखें कि कितने बच्चे लक्षित स्तर पर हैं और कितने बच्चे लक्षित स्तर से पीछे हैं।
- बच्चों को होने वाली कठिनाइयों को चिन्हित कर, लक्षित स्तर तक लाने के लिए उचित रणनीतियों का निर्धारण करें।
- शिक्षण प्रक्रिया में आवश्यकतानुसार बदलाव और नई-नई गतिविधियों को योजना में शामिल करें।

आकलन की रणनीति

साप्ताहिक आकलन

प्रत्येक सप्ताह वेळ छठे दिवस में

- सप्ताह 1-7 में डिकोडिंग की दक्षताओं से संबंधित आकलन
- सप्ताह 8-25 में समझ के साथ पढ़ने से संबंधित आकलन

बेसिक शिक्षा परिषद् द्वारा आकलन

- इस अकादमिक वर्ष में न्यूनतम 2 बार निपुण असेसमेंट टेस्ट (NAT) किया जाएगा।
- NAT निपुण सूची की दक्षताओं एवं अब तक सिखाई गई दक्षताओं पर आधारित होंगे।

साप्ताहिक शिक्षण कार्य

अकादमिक सत्र में प्रत्येक सप्ताह के छठे दिन साप्ताहिक आकलन किया जाएगा, ताकि बच्चों को आ रही कठिनाइयों का नियमित रूप से पता चलता रहे।

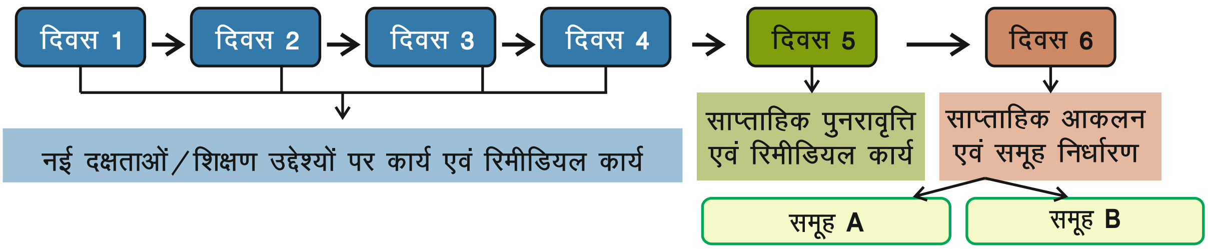

दिवस-5 : साप्ताहिक पुनरावृत्ति

- प्रत्येक सप्ताह के पाँचवें दिन साप्ताहिक पुनरावृत्ति पर कार्य किया जाएगा। यह कार्य दूसरे कालांश में किया जाएगा। आप इसके लिए शिक्षण योजना एवं कार्यपुस्तिका को उपयोग में लें।
- साप्ताहिक पुनरावृत्ति मुख्यतः दो प्रकार से की जाएगी-
  - **सप्ताह 1 से 4 में** डिकोडिंग पर आधारित पुनरावृत्ति एवं **सप्ताह 5 से 7 में** पाठ्यपुस्तक आधारित विस्तार गतिविधियों पर कार्य
  - **सप्ताह 8 से 25 में** पढ़कर समझने (स्तरित पाठ) पर आधारित पुनरावृत्ति

दिवस-6 : आकलन 'मैंने सीख लिया'

- साप्ताहिक आकलन का मुख्य उद्देश्य बच्चों द्वारा सीखी गई दक्षताओं को जानना और उन बच्चों की पहचान करना है, जो लक्षित दक्षता प्राप्त नहीं कर सके हैं। इसके साथ ही उन दक्षताओं को चिह्नित करना, जिनमें कक्षा के अधिकतर बच्चों को कठिनाई हो रही है। फिर इन दक्षताओं का रिमीडियल कार्य अगले सप्ताह में करना।

सप्ताह 1-7 में आकलन

आकलन के आधार पर आपको बच्चों के सीखने के कई स्तर मिलेंगे। बच्चों को सीखी गई दक्षताओं के विश्लेषण के आधार पर दो समूहों में बाँटें-

समूह A : डिकोडिंग से संबंधित आकलन में जिन बच्चों ने 50% से कम अंक पाए हैं। (रिमीडियल कार्य)

समूह B : डिकोडिंग से संबंधित आकलन में जिन बच्चों ने 50% या उससे अधिक अंक पाए हैं। (पुनरावृत्ति कार्य)

जब आप **समूह-A** के बच्चों के साथ कार्य कर रहे हों, तब कक्षा के **समूह-B** के बच्चों को उनकी दक्षता के अनुसार स्वतंत्र पठन, लेखन, कार्यपुस्तिका और पाठ्यपुस्तक में कार्य करने दें।

सप्ताह 8-25 में आकलन

साप्ताहिक आकलन में पढ़कर समझने का आकलन किया जाना है। पढ़कर समझने के आकलन के लिए कार्यपुस्तिका में सप्ताह के छठे दिन में दिए गए 'मैंने सीख लिया' पर कार्य किया जाएगा। इस पाठ से पढ़कर समझने के लिए आकलन में दो प्रक्रियाएँ होंगी-

'मैंने सीख लिया' पाठ बच्चों से बोलकर पढ़वाना

- यह आकलन प्रत्येक बच्चे के साथ अलग-अलग किया जाना है। बच्चे को अपने पास बुलाकर, पाठ बोलकर पढ़ने को कहें।
- पढ़ने के दौरान बच्चे जिन शब्दों को पढ़ने में गलती करते हैं, उन्हें नोट करते जाएँ। फिर अंत में उनकी कार्यपुस्तिका में सही पढ़े गए शब्दों को नोट कर लें।
- पढ़ने के लिए पर्याप्त समय दें। अगर बच्चे ने पहले वाक्य के सभी शब्द गलत पढ़े हैं, तो उसे पढ़ने से रोक दें और उनके साथ **समूह-A** के अनुसार कार्य करें।

'मैंने सीख लिया' पाठ पढ़ने के बाद नीचे दिए गए प्रश्न पूछना

- जब बच्चों ने पाठ पढ़ लिया हो, तब उनसे एक–एक कर पाठ वेळ नीचे दिए गए प्रश्न पूछें। प्रश्न वेळ सही उत्तर वेळ लिए एक अंक दें। तीसरे प्रश्न का उत्तर अलग–अलग हो सकता है। जिस प्रश्न का उत्तर बच्चे ना दे पाएँ, उसका अंक ना दें।
- अगर कोई बच्चा 25% से कम शब्द पढ़ पाता है, तो उससे प्रश्न ना करें।

सप्ताह 1-7 में रिमीडियल कार्य

दो समूहों में कार्य

समूह-A: जो बच्चे सीखने में पीछे छूट रहे हैं, उनके साथ रिमीडियल कार्य

वर्ण स्तर का कार्य

- o.kks±@v{kjksa dh nksckjk igpku djok,¡A o.kks±@ v{kjksa dks 'kCnksa esa <+w¡<++dj xksyk yxok,¡A
- fxzM ls o.kZ@v{kj dh

शब्द स्तर का कार्य

- वर्ण/अक्षर जोड़कर शब्द लिखना और पढ़ना।
- ग्रिड से खोजकर शब्द पढ़ने का अभ्यास। वर्ण/अक्षर जोड़कर शब्द पढ़ने का अभ्यास। (पहले आप करके दिखाएँ, फिर बच्चे करें।)

समूह-B: जो बच्चे सीख चुके हैं, उनके साथ पुनरावृत्ति कार्य

आप इसके लिए कुछ समय देकर निर्देश दें, ताकि बच्चे खुद इन गतिविधियों को कर पाएँ :

- डिकोडिंग खेल।
- d g k u h d h fdrkcsa@dk;ZiqfLrdk

सप्ताह 8-25 में रिमीडियल कार्य

स्तर	समूह बनाने के लिए स्थिति	रिमीडियल कार्य की रणनीति	रिमीडियल कार्य के लिए आगे की योजना
समूह A	**स्तर 1:** यदि बच्चा पहले वाक्य से एक भी शब्द नहीं पढ़ पाया तो आप उन्हें कहानी पढ़कर सुना दें और प्रश्न पूछें। उत्तर के लिए कोई अंक नोट न करें। (यहाँ कहानी सुनाने का उद्देश्य सिर्फ उन्हें इस प्रक्रिया में शामिल करना है।)	आप अपनी कक्षा में बच्चों की स्थिति के अनुसार कार्य करवाएँ। **वर्ण/अक्षर स्तर का कार्य** • वर्ण/अक्षर की पहचान का कार्य। • वर्ण/अक्षर को लिखना। **शब्द स्तर का कार्य** • वर्ण/अक्षरों को जोड़कर शब्द पढ़ने का अभ्यास। • वर्ण/अक्षरों को जोड़कर शब्द लिखना।	• यहाँ यह समझना जरूरी है कि **समूह-A** के बच्चों के साथ सतत रूप से कार्य करने से ही बदलाव होगा। इसके लिए इन बच्चों के साथ दैनिक स्तर पर वर्ण/अक्षर और शब्द/ वाक्य पठन पर प्रतिदिन रिमीडियल कार्य के दौरान कार्य करें। इन्हें दैनिक शिक्षण प्रक्रिया के दौरान प्रतिभाग करने के लिए प्रोत्साहित करें एवं आवश्यकता अनुसार सहायता करें।
	स्तर 2: यदि बच्चे ने **50%** से कम शब्द सही पढ़े और एक प्रश्न का जवाब दिया/नहीं दिया। (अगर कोई बच्चा 25% से कम शब्द पढ़ पाता है तो उन्हें कहानी पढ़कर सुना दें और प्रश्न पूछें।)		
समूह B	**स्तर 3:** यदि बच्चे ने 50% से अधिक शब्द सही पढ़े और एक प्रश्न का जवाब दे पाता है/नहीं दे पाता है।	• आप अपनी कक्षा में बच्चों की स्थिति के अनुसार कार्य करवाएँ। • जोड़ियों में अन्य पाठ पढ़ने के लिए कहना एवं प्रश्न पूछना और जवाब देना। • बच्चों से आकलन के प्रश्नों के उत्तर को लिखने के लिए कहना।	• मौखिक भाषा विकास और पढ़कर समझने के दौरान इन बच्चों से खुले छोर के प्रश्नों को पूछते हुए पढ़े गए पाठ पर उनकी समझ को समृद्ध करने का अभ्यास करवाएँ। • इसके साथ-साथ बच्चों को कहानी की किताबें देकर कुछ चुनौतीपूर्ण पाठ पढ़ने का अभ्यास करवाएँ।
	स्तर 4: यदि बच्चे ने 50% से अधिक शब्द सही पढ़े और तीन प्रश्नों में से कम से कम 2 प्रश्नों के सही उत्तर दिए। उत्तर के लिए कोई अंक नोट न करें। (यहाँ कहानी सुनाने का उद्देश्य सिर्फ उन्हें इस प्रक्रिया में शामिल करना है।)		

दैनिक रिमीडियल कार्य की रणनीति

'रिमीडियल' एवं उसकी आवश्यकता

प्रायः यह देखा जाता है कि कक्षा के कुछ बच्चे अपनी कक्षा के अनुरूप अपेक्षित कार्य कर पाने में असमर्थ होते हैं। इस असमर्थता के अनेक कारण हो सकते हैं, जैसे- बच्चे का कम गति से सीखना, पारिवारिक समस्याएँ, बच्चे का सामाजिक एवं भावनात्मक विकास की स्थिति, किसी विशेष दिवस में कार्य करने का मन ना होना, शिक्षण प्रक्रिया का रोचक ना होना, कक्षा वातावरण नीरस होना, इत्यादि। जब कोई बच्चा उक्त किसी भी कारण से कक्षावार कौशल एवं दक्षता सीखने में असमर्थ होता है, तब उसे एक विशेष प्रकार के सुनियोजित शिक्षण या सहयोग की आवश्यकता होती है, जिससे वह कक्षा में संचालित शिक्षण के बीच की कमी को पूरा कर सके। इस विशेष सुनियोजित शिक्षण कार्य को ही रिमीडियल कार्य कहा जाता है।

एक ही कक्षा के बच्चों में कौशलों एवं सीखने की भिन्नता के कारण अलग-अलग स्तर देखे जा सकते हैं। इन अलग-अलग स्तरों की पहचान साप्ताहिक आकलन **'मैंने सीख लिया'** के आधार पर की जानी है। साप्ताहिक आकलन के माध्यम से कक्षा के बच्चों को दो समूहों में बाँटना प्रस्तावित है :

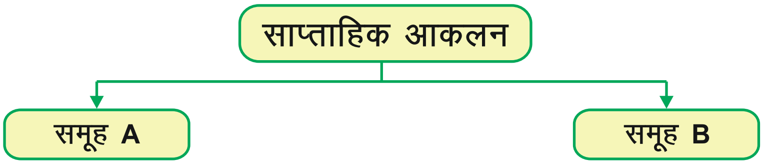

समूह-A में 50 प्रतिशत से कम अंक पाने वाले बच्चे होंगे, जिन्हें आपके अधिक सहयोग की आवश्यकता है।
समूह-B में 50 प्रतिशत या उससे अधिक अंक प्राप्त करने वाले बच्चे होंगे, जो आपके निम्नतम सहयोग से अपनी सीख को बेहतर कर सकेंगे।

'रिमीडियल' कार्य कब करवाया जाएगा

साप्ताहिक आकलन से रिमीडियल कार्य की आवश्यकता वाले बच्चों की पहचान करने के बाद अगले सप्ताह के प्रत्येक दिन (दिवस 1-5) इन बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य करवाया जाएगा। इसके लिए भाषा शिक्षण के **तीसरे कालांश में अंतिम 20 मिनट** का समय निर्धारित किया गया है।

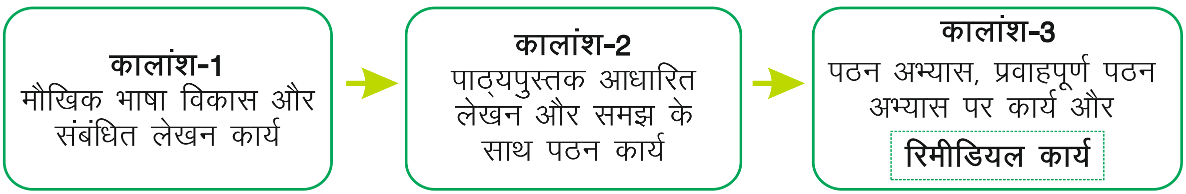

समूह-A के साथ रिमीडियल कार्य की योजना

समूह-A अधिक सहायता की आवश्यकता वाले बच्चों का समूह है, जो सामान्यतः वर्ण या शब्द स्तर पर होंगे। इस समूह के बच्चों के लिए विभिन्न प्रकार की शिक्षण योजनाएँ बनाकर शिक्षण कार्य करने की आवश्यकता है।

समूह-A की रिमीडियल शिक्षण योजना बनाते समय आपको डिकोडिंग सीखने की प्रक्रिया के मुख्यतः 3 स्तरों को ध्यान में रखना होगा-

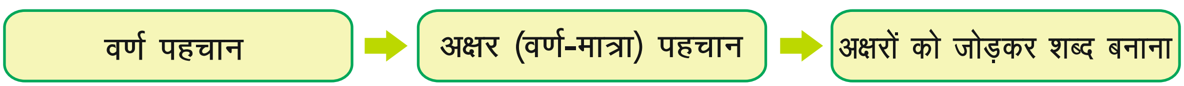

इन तीनों स्तरों पर कार्य करने के लिए हमें नीचे दिए गए क्रम में काम करने की योजना बनाने की आवश्यकता है -

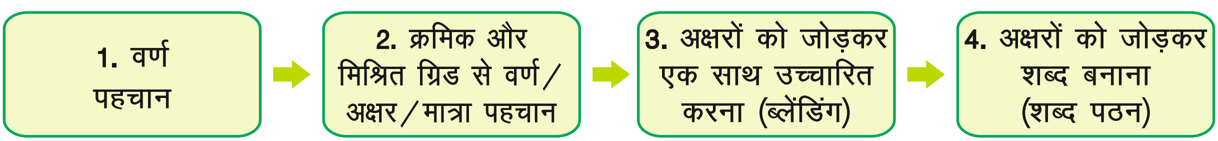

ध्यान रखें, बच्चों के डिकोडिंग कौशल के स्तर के अनुसार उपयुक्त चरण का चुनाव किया जाना चाहिए।

चरण 1 से 4 तक

जो बच्चे वर्ण–पहचान नहीं कर पाते, उनके साथ चरण 1 की गतिविधियों से काम शुरू करें व धीरे–धीरे चरण 4 तक ले जाएँ।

चरण 2 से 4 तक

जो बच्चे वर्ण–पहचानते हैं, पर अक्षर नहीं पहचानते, उनके साथ चरण 2 की गतिविधियों से काम शुरू करें व धीरे–धीरे चरण 4 तक ले जाएँ।
जब बच्चे वुळछ अक्षर पहचानने लगें तो आप चरण 4 पर काम शुरू कर सकते हैं।

चरण 3 से 4 तक

जो बच्चे अक्षर पहचानते हैं, पर अक्षर जोड़ कर शब्द नहीं पढ़ पाते, उनके साथ चरण 3 व 4 की गतिविधियों की मदद से काम करें।

चरण 1 : वर्ण पहचान

वर्ण पहचान के लिए पहले बच्चों को मौखिक रूप से अलग-अलग शब्दों को बोलने और प्रथम, मध्य व अंतिम ध्वनि को पहचानने का अवसर दें। फिर ध्वनि को प्रतीक से जोड़ें व उनको अलग-अलग तरीके से प्रतीक को पहचानने और लिखने का अवसर दें। हम यहाँ वर्ण पहचान के सभी चरणों पर विस्तार से बात नहीं कर रहे हैं, इसके लिए आप इस संदर्शिका में दिए गए चरणों के अनुसार देखकर कार्य करवाएँ।

चरण 2 : क्रमिक और अनुक्रमिक ग्रिड से वर्ण/अक्षर/मात्रा पहचान

क्रमिक और अनुक्रमिक ग्रिड से वर्ण/अक्षर/मात्रा पहचान पर कार्य करने की रणनीतियाँ नीचे दी गई हैं-

2A. क्रमिक ग्रिड से वर्ण/अक्षर/मात्रा पहचान

इस तरह की क्रमिक ग्रिड के साथ वर्ण/अक्षर/मात्रा पहचान का काम करवाएँ -

- बच्चों से कुछ अक्षर बोलने को कहें और आप स्वनिर्मित ग्रिड में सही अक्षर पर अंगुली रखकर दिखाएँ।
- बच्चों को छोटे समूह में ग्रिड दें। आप अक्षर बोलें और बच्चों से कहें कि वे सही अक्षर पर अंगुली या कंकड़ रखें।

क्रमिक ग्रिड

म	मा
स	सा
ह	हा
ज	जा

अक्षरों पर काम करते समय ध्यान रखें -

✓

✗

2B. अनुक्रमिक ग्रिड से अक्षर पहचान

क्रमिक ग्रिड पर अभ्यास के बाद वैसा ही अभ्यास स्वनिर्मित अनुक्रमिक ग्रिड के साथ करवाएँ।

- बच्चों से कुछ अक्षर बोलने के लिए कहें और आप ग्रिड में सही अक्षर पर अंगुली रखकर दिखाएँ।
- बच्चों को छोटे समूह में ग्रिड या अक्षर कार्ड बनाकर दें। फिर आप अक्षर बोलें और बच्चों से कहें कि वे सही अक्षर पर अंगुली रखें।

अनुक्रमिक ग्रिड

न	मा	की	या
च	फ	ला	ठ
टा	गा	ब	इ
घ	त	ह	रा

चरण 3 : अक्षरों को जोड़कर एक साथ उच्चारित करना (ब्लेंडिंग)

बच्चे कुछ अक्षरों को पहचानने लगें तो उनके साथ ब्लेंडिंग का अभ्यास शुरू कर दें -

- आप परिचित अक्षरों की स्वनिर्मित ग्रिड पर दाएँ से बाएँ व ऊपर से नीचे दो-दो अक्षरों पर गोला लगाते हुए एक साथ तेजी से बोलें व बच्चों को अपने साथ बोलने के लिए कहें।
- क्योंकि यहाँ ध्यान अक्षरों को एक साथ बोलने पर है, इसलिए ये शब्द अर्थपूर्ण भी हो सकते हैं व अर्थहीन भी। जैसे कि लाब, माली, मीक, कमा, बमी, बाबा, लामा आदि।
- अक्षरों को जोड़कर एक साथ बोलने का अभ्यास स्वनिर्मित अक्षर कार्ड के साथ व बोर्ड/नोटबुक पर लिखकर भी करें। अक्षर कार्ड के जोड़े दिखाएँ या बोर्ड/नोटबुक पर लिखें व एक साथ जोड़कर तेजी से बोलें व बच्चों से भी बोलने को कहें। फिर आप 2-3 अक्षरों के जोड़े एक साथ लिखें व बच्चों को उन्हें तेजी से एक साथ जोड़कर बोलने के लिए कहें।

चरण 4 : अक्षरों को जोड़कर शब्द बनाना (शब्द पठन)

बच्चे ब्लेंड करने में सहज हो जाएँ तो उन्हें स्वयं शब्द बनाने व शब्दों को पढ़ने, लिखने के ज्यादा से ज्यादा मौके दें। आप सरल ग्रिड से शुरू करते हुए ऐसी ग्रिड की तरफ बढ़ें, जिनसे 3-5 अक्षरों के विभिन्न अर्थपूर्ण शब्द बन पाएँ। बच्चों को अपने मार्गदर्शन में व स्वतंत्र रूप से काम करने के लिए दें।

अक्षर कार्ड

के	रा

समूह-B के साथ स्वतंत्र कार्य योजना

साप्ताहिक आकलन के आधार पर समूह-B के बच्चे पिछले आकलन तक सिखाए गए वर्ण और मात्राओं को पहचानकर उनसे बनने वाले शब्दों को भी पढ़ पा रहे हैं। ऐसी स्थिति में इन बच्चों के साथ रिमीडियल शिक्षण की आवश्यकता नहीं है, किन्तु उन्हें सीखने की प्रक्रिया से जुड़े रहने के लिए कुछ गतिविधियों पर कार्य किए जाने की आवश्यकता है।

समूह-B के बच्चों के साथ रिमीडियल शिक्षण कार्य के समय में निम्न गतिविधियों को स्वतंत्र रूप से करने को कहें-

शब्द लेखन

किसी थीम का नाम बोर्ड/नोटबुक पर लिख दें, जैसे- रसोई, फल, फूल, खेल आदि और बच्चों को उस थीम से जुड़े अधिकतम शब्दों को अपनी नोटबुक में लिखने को कहें।

ग्रिड से वर्ण/अक्षरों से शब्द बनाना

अब तक सिखाए गए वर्णों और मात्राओं को ग्रिड में बोर्ड पर लिख दें और बच्चों को उन वर्णों और मात्राओं से मिलकर बनने वाले शब्दों को लिखने को कहें।

अनुच्छेद लिखने का प्रयास करना

बच्चों के लिए बोर्ड/नोटबुक पर अनुच्छेद लेखन के लिए लिखें, जैसे- साफ-सफाई, मेरे पसंदीदा खेल, मेला, पानी की बचत आदि और बच्चों से इनके छोटे-छोटे अनुच्छेद लिखने को कहें। अनुच्छेद के स्थान पर पहले सिर्फ चित्र और अगले चरण में अनुच्छेद के साथ चित्र भी बनाने के लिए कहें।

शब्द से वाक्य बनाना

कुछ शब्दों को बोर्ड पर लिखें और बच्चों से उन शब्दों से एक-एक वाक्य बनाकर लिखने को कहें। अगले चरण में एक से अधिक शब्द तथा किन्हीं दो शब्दों के उपयोग से एक वाक्य लिखने को कहें।

शब्द से प्रश्न बनाना

बच्चों के लिए कुछ प्रश्नवाचक शब्द बोर्ड पर लिख दें, जैसे- कब, क्यों, कैसे, कहाँ आदि। फिर प्रत्येक से 1-2 प्रश्न बनाने को कहें।

शब्द अन्त्याक्षरी को आगे बढ़ाना

कोई एक शब्द बच्चों के लिए बोर्ड पर लिखकर दें और उसके अंतिम वर्ण से नया शब्द बनाकर बच्चों को अपनी नोटबुक में लिखने को कहें। बच्चों से इस प्रक्रिया को दोहराते हुए जारी रखने को कहें।

समूह B के कार्य का अवलोकन एवं जाँच करें तथा आवश्यकतानुसार फीडबैक दें।

मौखिक भाषा विकास का आकलन

डिकोडिंग / पढ़कर समझने की प्रक्रिया की तुलना में मौखिक भाषा विकास की दक्षताओं का आकलन करना थोड़ा जटिल कार्य है। डिकोडिंग / पढ़कर समझने की प्रक्रियाओं में वर्णों / अक्षरों की पहचान, शब्द / वाक्यांश / वाक्य / पाठ पठन को आसानी से आकलित किया जा सकता है क्योंकि इसमें भाषा की संरचात्मक पहलुओं की जाँच ज्यादा होती है। मौखिक भाषा विकास में मुख्य रूप से बोलना, समझकर बोलना, कल्पना, अनुमान, विश्लेषण आदि दक्षताओं के उपयोग के आधार पर अपने विचार साझा करने की दक्षताओं का आकलन किया जाता है। ये सभी दक्षताएँ बजाय संरचनात्मक होने के रचनात्मक या गुणात्मक ज्यादा हैं। रचनात्मक या गुणात्मक चीजों के आकलन के लिए हमारे पास एक सशक्त आकलन टूल / निर्देश का होना अति आवश्यक है।

मौखिक भाषा विकास की दक्षताओं के आकलन हेतु आवश्यक परिस्थितियाँ

मौखिक भाषा विकास का प्रभावी आकलन तभी किया जा सकता है, जब बच्चों को वैसी परिस्थितियाँ उपलब्ध कराई जाएँ, जिनमें वे मुखर तरीके से अपने विचारों को व्यक्त कर सकें। आवश्यक परिस्थितियाँ कैसे बनाई जा सकती हैं, इसके लिए नीचे दिए गए प्रमुख बिन्दुओं को देखा जा सकता है –

- बच्चों एवं शिक्षकों के मध्य सम्बन्ध सौहार्दपूर्ण होने चाहिए, ताकि बच्चे बेझिझक अपने विचार को कक्षा में रख सकें।
- बच्चों को उनके घर की भाषा में संवाद करने के पर्याप्त अवसर दिए जाएँ।
- मौखिक भाषा के विकास की दक्षताओं का अवलोकन बेहतर तरीके से किया जा सके, इसके लिए आपको पहले कालांश में पाठ्यपुस्तकों एवं शिक्षण अधिगम सामग्रियों का योजना अनुसार उपयोग करना होगा।
- एक शिक्षक के रूप में आपको यह सुनिश्चित करना ही होगा कि बच्चा स्वतंत्र रूप से, जोड़ियों / समूहों में अधिक से अधिक बोले (न्यूनतम 2 बार से अधिक तो अवसर हर बच्चे को देना ही होगा)।
- पहले और दूसरे कालांश में चर्चाओं के दौरान जब भी खुले छोर के प्रश्न कक्षा-कक्ष में पूछे जाएँ, तो एक शिक्षक के रूप में आपको सुनिश्चित करना होगा कि बच्चे पूरे-पूरे वाक्यों में ही उत्तर दें।
- बच्चों को खुले छोर के प्रश्नों के जवाब देने के दौरान, कहानी को अपने शब्दों में सुनाने के दौरान अथवा अनुभव आदि साझा करने के दौरान पूरे-पूरे वाक्यों में उत्तर / विचार रखने हेतु प्रोत्साहित किया जाए।
- कक्षा-कक्ष की शिक्षण प्रक्रियाओं के दौरान अगर कोई बच्चा अपने विचार रखने में झिझकता है, तो उसे उसके विचार रखने हेतु प्रोत्साहित करें।

मौखिक भाषा विकास की दक्षताओं के आकलन की प्रक्रियाएँ

मौखिक भाषा विकास के आकलन में हमें सतत रूप से बच्चों को अवलोकित करते रहना होगा, ताकि हम अपने अनुभवों के आधार पर उनका अवलोकन करके कोई निष्कर्ष निकाल सकें और जरूरत अनुसार बच्चों की समय से सहायता भी कर सकें। बेहतर तरीके से मौखिक भाषा विकास की दक्षताओं के आकलन हेतु जो प्रक्रियाएँ की जानी चाहिएं, उनका विवरण नीचे देखा जा सकता है –

- प्रत्येक बच्चे का प्रति सप्ताह कम से कम 2 बार मौखिक भाषा विकास की दक्षताओं के आधार पर अवलोकन अवश्य किया जाए।
- किसी बच्चे का 2 बार अवलोकन करने के बाद ही आकलन ट्रैकर में मौखिक भाषा विकास सम्बन्धी परिणाम भरे जाएँ।
- जब बच्चे स्वतंत्र रूप / जोड़ियों में बात कर रहे हों, तभी मौखिक भाषा विकास की दक्षताओं का अवलोकन किया जाए। वैसे बेहतर तो यही होगा कि जब बच्चे स्वतंत्र रूप से अभिव्यक्त कर रहे हों, तो उस समय के अवलोकन को प्राथमिकता दी जाए।
- बच्चों के मौखिक भाषा विकास की दक्षताओ को तभी पूर्ण मानें, जब वे पूरे-पूरे वाक्यों में अपनी बात रखते हों (वाक्यों की सीमा प्रत्येक कक्षा में सप्ताहवार अलग-अलग है और आकलन ट्रैकर में स्पष्ट रूप से वर्णित है)।
- बच्चे जो भी विचार रखें, वह संदर्भ / विषय से जुड़ा हो और उनमें तारतम्यता / क्रमबद्धता होनी चाहिए, जैसे- अगर मेले पर अनुभव सुना रहे हों तो मेले की विषयवस्तु पर ही बात रखें, क्रमवार रखें, जैसे- मुझे मेला अच्छा लगता है, मैं .... मेले में गया, वहां खूब खिलौने... खरीदे.. आदि।
- बच्चों के बोले गए वाक्य, व्याकरण की दृष्टिकोण से भी सही होने चाहिएं, जैसे- लिंग, वचन, सर्वनाम, काल आदि का समुचित प्रयोग।

बहुकक्षीय शिक्षण

एस.सी.एफ. 2023 के खंड 3.1 में बहुकक्षीय शिक्षण को वास्तविकता मानते हुए उसके बेहतर क्रियान्वयन संबंधित कुछ सुझाव दिए गए हैं। इन्हीं सुझावों को ध्यान में रखते हुए यहां भाषा की बहुकक्षीय शिक्षण व्यवस्था का एक नमूना नीचे दिया गया है।

बहुकक्षीय शिक्षण के आवश्यक पहलू

बहुकक्षीय शिक्षण को यदि सुनियोजित व सुव्यवस्थित ढ़ंग से लागू करने की योजना बनाई जाए तो शिक्षण प्रक्रिया को सुगम बनाया जा सकता है। बहुकक्षीय शिक्षण के लिए निम्नलिखित बिंदुओं पर ध्यान देना आवश्यक है -

1. **कक्षा की बैठक व्यवस्था :** यदि किसी विद्यालय में एक ही कक्ष में दो या दो से अधिक कक्षाएँ बैठी हैं तो वहाँ बच्चों को अलग-अलग कक्षावार समूहों में बैठाकर शिक्षण कार्य किया जाना चाहिए।
2. **बहुकक्षीय शिक्षण योजना :** सभी बच्चे अपनी कक्षा अनुरूप दक्षताएँ प्राप्त कर सकें, इसके लिए प्रभावी शिक्षण योजना का निर्माण किया जाना चाहिए।

उपरोक्त बिंदुओं को ध्यान में रखते हुए बहुकक्षीय शिक्षण व्यवस्था का एक उदाहरण नीचे देखा जा सकता है।

बहुकक्षीय शिक्षण की रणनीति (उदहारण : कक्षा 1 व 2)

कक्षा 1 व 2 दोनों के लिए विभाग द्वारा शिक्षक संदर्शिकाएँ उपलब्ध कराई गई हैं, जिसमें दोनों कक्षाओं के लिए शिक्षण योजनाएँ दी गई हैं। बहुकक्षीय शिक्षण व्यवस्था में शिक्षक संदर्शिका में दी गई शिक्षण योजनाओं का कक्षा में संचालन कर पाना एक कठिन कार्य हो सकता है।

आइए, एक उदाहरण के माध्यम से देखें कि हम कैसे स्वयं को बहुकक्षीय शिक्षण के लिए तैयार कर सकते हैं और बच्चों के साथ इस स्थिति में एक बेहतर शिक्षण योजना के साथ शिक्षण कार्य कर सकते हैं। नीचे एक ऐसी परिस्थिति की परिकल्पना की जा रही है, जहाँ कक्षा 1 व 2 के बच्चे एक साथ बैठे हैं। आइए, इसे कालांशवार समझते हैं-

पहले कालांश में कार्य की रणनीति

कालांश-1 : मौखिक भाषा विकास एवं पाठ्यपुस्तक पर कार्य

(7-10 मिनट)

कक्षा 1 व 2 — शिक्षक के मार्गदर्शन में शिक्षण

- दोनों कक्षाओं के बच्चों के साथ कविता / गीत / खेल गतिविधि करवाएँ। ऐसी गतिविधियाँ शिक्षक और बच्चों के बीच आत्मीय जुड़ाव के साथ कक्षा के शिक्षण माहौल को भी सहज बनती हैं।

☞ शिक्षक प्रक्रिया के दौरान बच्चों को अपने घर की भाषा में प्रतिक्रिया देने के लिए प्रोत्साहित करें।

(10-15 मिनट)

कक्षा 1 व 2 — शिक्षक के मार्गदर्शन में शिक्षण

- दोनों कक्षाओं के बच्चों के साथ मौखिक भाषा विकास की गतिविधि करवाएँ, जैसे- चित्र चार्ट पर कार्य, कविता / कहानी पोस्टर, अनुभव पर चर्चा आदि गतिविधियों से संबंधित चर्चा का स्तर आप दिवसवार बदल सकते हैं, जैसे- कभी चर्चा का स्तर कक्षा-1 का हो सकता है और कभी कक्षा-2 के स्तर का भी हो सकता है।
- इस दौरान आप अधिक से अधिक खुले छोर के प्रश्न पूछें, जिनसे बच्चों में तर्क करने, कल्पना करने, सोचने आदि के कौशल विकसित हो सकें।

(10-15 मिनट)

कक्षा 1 — बच्चों द्वारा स्वतंत्र कार्य

कक्षा 2 — शिक्षक के मार्गदर्शन में शिक्षण

कक्षा-1 (बच्चों द्वारा स्वतंत्र कार्य)

- आप बच्चों को मौखिक भाषा विकास की गतिविधि से संबंधित लेखन अभ्यास कार्य स्वतंत्र रूप से करने को कहें।
- कार्य पूरा कर लेने के बाद बच्चे जोड़ियों / समूह में अपने लेखन कार्य को एक दूसरे के साथ साझा करेंगे।

कक्षा-2 (शिक्षक के मार्गदर्शन में शिक्षण)

- आप बच्चों के लिए पाठ्यपुस्तक के पाठ का आदर्श पठन हाव-भाव के साथ करें। फिर जोड़ियों / समूह में बच्चों को बारी-बारी से पाठ पढ़ने को कहें। इस दौरान आप कक्षा में घूम-घूमकर बच्चों के पठन अभ्यास का अवलोकन करें और आवश्यकतानुसार उनकी सहायता करें।

दूसरे कालांश में कार्य की रणनीति

कालांश-2 : वर्ण पहचान एवं पढ़कर समझने पर कार्य

(10-15 मिनट)

कक्षा 1	शिक्षक के मार्गदर्शन में शिक्षण
कक्षा 2	बच्चों द्वारा स्वतंत्र कार्य

कक्षा 1 (शिक्षक के मार्गदर्शन में शिक्षण)

- आप बच्चों के साथ वर्ण/मात्रा पहचान की गतिविधियों एवं कार्यपुस्तिका की गतिविधियों को बोर्ड पर उदाहरण के साथ समझाएँ। फिर कार्यपुस्तिका में दिए गए अभ्यास कार्य करने को कहें।
- बच्चों को अलग-अलग प्रकार से वर्ण लेखन अभ्यास करने के लिए प्रोत्साहित करें, जैसे- रेत, जमीन, हवा आदि।

कक्षा 2 (बच्चों द्वारा स्वतंत्र कार्य)

- आप बच्चों को कालांश 1 में दिए गए पठन एवं लेखन कार्य को जारी रखने को कहें। फिर जोड़ियों/समूह में बच्चों को अपना लेखन कार्य साझा करने को कहें।

(10-15 मिनट)

कक्षा 1	बच्चों द्वारा स्वतंत्र कार्य
कक्षा 2	शिक्षक के मार्गदर्शन में शिक्षण

कक्षा 1 (बच्चों द्वारा स्वतंत्र कार्य)

- आप बच्चों को स्वतंत्र रूप से कार्यपुस्तिका में कार्य करने को कहें।
- लेखन कार्य पूरा कर लेने के बाद बच्चे जोड़ियों/समूह में अपने लेखन कार्य को एक दूसरे के साथ साझा करेंगे।

कक्षा 2 (शिक्षक के मार्गदर्शन में शिक्षण)

- आप बच्चों के लिए कार्यपुस्तिका के स्तरित पाठ का आदर्श पठन हाव-भाव के साथ करें। फिर जोड़ियों/समूह में बच्चों को बारी-बारी से पाठ पढ़ने को कहें।

☞ आप बच्चों द्वारा कार्यपुस्तिका में किए गए कार्य पर व्यक्तिगत रूप से फीडबैक दें और सही लिखकर बताएँ।

(7-10 मिनट)

कक्षा 1	शिक्षक के मार्गदर्शन में शिक्षण
कक्षा 2	बच्चों द्वारा स्वतंत्र कार्य

कक्षा 1 (शिक्षक के मार्गदर्शन में शिक्षण)

- आप बच्चों को सुनकर लिखने के लिए वर्ण/अक्षर/शब्द/वाक्य बोलें और लिखने को कहें।
- सुनकर लिखें गतिविधि पर कार्य करें और बच्चों की आवश्यकतानुसार सहायता करें। फिर बच्चों को अपना लेखन कार्य स्वयं जाँचने को कहें।

कक्षा 2 (बच्चों द्वारा स्वतंत्र कार्य)

- आप बच्चों को जोड़ियों/समूह में बारी-बारी से पाठ पढ़ने कार्यपुस्तिका में दिए गए अभ्यास कार्य करने को कहें।

तीसरे कालांश में कार्य की रणनीति

कालांश-3 : पठन अभ्यास एवं रिमीडियल शिक्षण कार्य

(7-10 मिनट)

कक्षा 1	शिक्षक के मार्गदर्शन में शिक्षण
कक्षा 2	बच्चों द्वारा स्वतंत्र कार्य

कक्षा 1 (शिक्षक के मार्गदर्शन में शिक्षण)

- आप बच्चों के साथ बिगबुक/कार्यपुस्तिका से पठन अभ्यास कार्य करवाएँ।

कक्षा 2 (बच्चों द्वारा स्वतंत्र कार्य)

- आप बच्चों को कार्यपुस्तिका में दिए गए पठन अभ्यास स्वतंत्र रूप से पढ़ने को कहें। इस दौरान आप बच्चों को पढ़ने में एक-दूसरे की सहायता करने को कहें।

(7-10 मिनट)

कक्षा 1	बच्चों द्वारा स्वतंत्र कार्य
कक्षा 2	शिक्षक के मार्गदर्शन में शिक्षण

कक्षा 1 (बच्चों द्वारा स्वतंत्र कार्य)

- आप बच्चों को पढ़े गए पठन अभ्यास/बिगबुक की कहानी को स्वतंत्र रूप से पढ़ने को कहें। फिर बच्चों को जोड़ियों/समूह में पढ़ी गई कहानी को अपने शब्दों में बारी-बारी से सुनाने को कहें।

कक्षा 2 (शिक्षक के मार्गदर्शन में शिक्षण)

- आप बच्चों को जोड़ियों/समूह में बारी-बारी से कार्यपुस्तिका से पठन अभ्यास/ प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास पढ़ने को कहें।

(20 मिनट)

समूह A समूह B	रिमीडियल शिक्षण कार्य

समूह A (दोनों कक्षाओं के बच्चे)

- समूह A के बच्चों के साथ 'रिमीडियल शिक्षण' पर कार्य करें।

समूह B (दोनों कक्षाओं के बच्चे)

- समूह B के बच्चों को जोड़ियों/समूह में बारी-बारी से उस सप्ताह के दिवस 3 व 5 में दिए पाठ के साथ अब तक उपयोग किए गए पठन अभ्यास के पाठों को पढ़ने को कहें।
- आप बच्चों की पसंद एवं रुचि के अनुसार पुस्तकालय की पुस्तकें पढ़ने के लिए बच्चों को प्रोत्साहित करें।

☞ बहुकक्षीय शिक्षण के दौरान प्रयास यह रहे कि दोनों कक्षाओं के बच्चों को सक्रिय रूप से गतिविधियों में प्रतिभाग करने के अवसर मिलें।

कहानियाँ

1. राजा और चमत्कारी लकड़ी

एक राजा था। उसके पास बहुत सारा धन, राजपाट, महल और नौकर-चाकर थे। राजा के यहाँ किसी भी चीज की कोई कमी नहीं थी। एक दिन उस राजा पर दूसरे राजा ने आक्रमण कर दिया। उसकी सारी सेना मारी गई। राजा किसी तरह वहाँ से अपनी जान बचाकर भागा। घायल राजा घोड़े पर थका हुआ ऐसी जगह जा पहुँचा, जहाँ पानी भी नहीं था। राजा का जीवन संकट में आ गया। वहाँ गायों के एक ग्वाल ने राजा को पानी पिलाकर उसका जीवन बचाया। राजा ने प्रसन्न होकर उसे चन्दन के पेड़ों का बगीचा दान में दिया। उसने बारी-बारी से पेड़ काटकर बेचना शुरू कर दिया। एक दिन बारिश हुई और लकड़ियां भीग गई। वह गीली लकड़ियां बेचने बाजार गया। वहाँ से लकड़ियों की चौगुना कीमत से अधिक रुपये मिले। उसे लगा कि यह तो चमत्कारी लकड़ी है। उसने सारी लकड़ियों का कोयला बनाकर बेच दिया। जब उसे पता चला कि यह चन्दन की लकड़ियां थी तो उसे बहुत दुख हुआ।

2. चतुर चोर

एक राजा था। उसके राज्य में प्रजा खूब सुखी थी। एक बार उसके महल से चार चोर रुपया, पैसा, सोना और चाँदी चुराकर ले गये। राजा को महल की चोरी का पता लगा और सुबह होते ही चारो चोरों को पकड़ने का सैनिकों को आदेश दिया। चारो चोरों को पकड़कर लाया गया। तीन चोरों को फाँसी पर चढ़ा दिया। एक चोर बहुत चालाक था। उसने राजा के सामने शर्त रखी कि आप मेरे प्रश्न का उत्तर दो, तो मैं आप जो कहो, वो सजा पाने को तैयार हूँ। अगर आप मुझे फाँसी भी दो, तो खुशी-खुशी चढ़ जाऊँगा। चोर ने राजा से प्रश्न किया, "आपने भी बचपन में चोरी की होगी और घर पर पड़े लड्डुओं को चुराया होगा।" राजा बोला, "यह चोरी नहीं कहलाती है।" फिर उसने राजा से कहा कि 'इसी प्रश्न का उत्तर न्यायाधीश से चाहता हूँ। आपने भी बचपन में लड्डू चुराया होगा।' न्यायाधीश बोला- 'यह चोरी नहीं कहलाती है।' चोर ने कहा कि 'आप भी चोर, न्यायाधीश भी चोर और मैं भी चोर, तो फाँसी पर मैं अकेला क्यों चढ़ूँ?' राजा ने खुश होकर उसकी सजा माफ कर दी और अपने महल में नौकरी दे दी।

3. चिटकू

एक महल था। महल के अन्दर चिटकू नाम का चूहा रहता था। चिटकू बहुत शैतान था। चिटकू की माँ ने चिटकू को समझाया, बिल से बाहर मत जाया करो। यह कहकर चिटकू की माँ चली गई। बिल के पास एक रसोईघर था। चिटकू सूँघते-सूँघते रसोईघर में पहुँचा, तो खाने की चीजें देखकर, चिटकू के मुँह में पानी आ गया। पनीर, पूड़ी, लड्डू और बहुत-सी चीजें रखी हुई थी। चिटकू ने सोचा कि पहले लड्डू चख लूँ।

जैसे ही चिटकू लड्डू को खाने चला, वैसे ही उसके ऊपर सारे लडडू गिर गये। चिटकू लड्डू के नीचे दब गया। चिटकू को बहुत चोट लगी। चिटकू की माँ भी उसे ढूँढ़ते हुए तब तक वहाँ आ गई। चिटकू ने माँ को सारी बात बताई। माँ ने कहा, 'मैंने मना किया था, तुम बाहर मत जाओ।' चिटकू ने कहा, 'अब मैं बाहर कभी नहीं जाऊँगा।'

4. रेडियो और चुहिया

एक भाईसाहब रेडियो सुन रहे थे। उनके रेडियो में चुहिया घुस गई। चुहिया ने तार काट दिया इसलिए वह बज नहीं रहा था। भाईसाहब दुकान से सुधरवाने गए। दुकानदार ने रेडियो खोला तो उसमें से चुहिया निकलकर भागी।

भाईसाहब कहने लगे, 'भैया बंद कर दें, भैया बंद कर दें।' दुकानदार बोला, 'ठीक तो हुआ ही नहीं है।'

भाईसाहब कहने लगे, 'अब क्या सुधरेगा। गाने वाली तो भाग गई।'

5. खरगोश और कछुए की दोस्ती

एक था खरगोश और एक था कछुआ। दोनों में अच्छी दोस्ती थी। लेकिन लोमड़ी को उनकी दोस्ती बिल्कुल अच्छी नहीं लगती थी। एक दिन वह खरगोश के पास गई। लोमड़ी ने कहा– 'खरगोश भाई, चलो, तुम और कछुआ एक दौड़ लगाओ। तुम इतना तेज दौड़ते हो, तुम ही जीतोगे।' खरगोश ने कहा– 'लोमड़ी बहन ऐसा नहीं है। कछुआ भी तेज दौड़ सकता है।' यह कहकर खरगोश अपने दोस्त कछुए के पास गया। खरगोश ने कछुए से कहा– 'चलो, दौड़ लगाते हैं।' कछुए ने कहा, 'मैं तुम्हारे बराबर नहीं दौड़ सकता।' खरगोश ने कहा, 'तुम मेरी पीठ पर बैठ जाओ।' जैसे ही खरगोश की पीठ पर कछुआ चढ़ा। खरगोश ने दौड लगाई और दोनो साथ-साथ अपनी मंजिल तक पहुँच गये। लोमड़ी देखती रह गई।

6. चूहा और बगुला

तालाब में एक बगुला रहता था। उसी तालाब के किनारे की झाड़ी में एक चूहा भी रहता था। चूहा जब भी बगुला को उड़ते देखता था, तो वह सोचता था, काश मैं भी उड़ पाता, तो बड़ा मजा आता। एक दिन चूहा हिम्मत कर बगुला के पास जाकर बोला, "मैं भी उड़ना चाहता हूँ।"

बगुला बोला, "भईया, तुम उड़ तो नहीं पाओगे, पर मैं तुम्हें आकाश की सैर करा दूँगा।" एक दिन बगुला, चूहे को पीठ पर बैठाकर आकाश की सैर करने निकल गया। ऊपर जाकर चूहे ने जब नीचे देखा तो वह बोल पड़ा, "अरे! अपना तालाब और सड़क सब कितना साफ दिख रहा है।" सैर से वापस आने पर दोनों में गहरी दोस्ती हो गई। अब बगुला और चूहा साथ-साथ घूमते, खाना बनाते, खाते और मजे से रहते।

7. मैं भी.....

एक अण्डे में से बत्तख का बच्चा निकला। 'लो मैं अण्डे में से निकल आया,' बत्तख का बच्चा बोला।

एक और अण्डे में से मुर्गी का चूजा निकला। 'मैं भी आ गया'– चूजा बोला।

'मैं घूमने जा रहा हूँ'– बत्तख का बच्चा बोला। 'मैं भी चलूँगा'– चूजा बोला। 'मैं गड्ढ़ा खोद रहा हूँ'– बत्तख का बच्चा बोला। 'मैं भी खोदूँगा'– चूजा बोला। 'मुझे एक केंचुआ मिला'– बत्तख का बच्चा बोला। 'मुझे भी'– चूजा बोला।

'मैंने एक तितली पकड़ी'– बत्तख का बच्चा बोला। 'मैंने भी तितली पकड़ी'– चूजा बोला। 'मैं तैरना चाहता हूँ'– बतख का बच्चा बोला। 'मैं भी'– चूजा बोला।

'देखो मैं तैर रहा हूँ'– बत्तख का बच्चा बोला। 'मैं भी तैरूँगा'– चूजा बोला। 'बचाओ....' चूजा डूबते हुए चिल्लाया। बत्तख के बच्चे ने चूजे को पानी से बाहर निकाला।

'मैं वापस पानी में जा रहा हूँ'– बत्तख का बच्चा बोला। 'अब मैं नहीं'– चूजा बोला।

8. भालू का बच्चा और बाघ के बच्चे

भालू का बच्चा बगीचे में झूल रहा था। दो बाघ के बच्चे भी बगीचे में आ गए। ''हमें झूलने दो''– बाघ के बच्चों ने कहा। ''इस पर झूल लो''– भालू के बच्चे ने दूसरे झूले पर इशारा करते हुए कहा। ''दिखता नहीं? हम दो हैं''– बाघ के बच्चे ने कहा। ''तुम दो हो तो बारी-बारी से झूलो''– भालू के बच्चे ने झूलते हुए कहा। बाघ के बच्चों ने जमीन से रेत उठाकर भालू के बच्चे के ऊपर फेंक दी। भालू का बच्चा झूले से कूदा और पापा भालू को आवाज लगाई। बाघ के बच्चों ने देखा– सचमुच बड़ा भालू उधर खड़ा था। वे दोनों एक-साथ भागे। गिरते-पड़ते दीवार कूदे। दीवार कूदते ही और जोर से भागे। भालू का बच्चा दोनों झूलों पर बारी-बारी से झूलता रहा। झूलते हुए उसने सोचा– ''कहीं वे अपने मम्मी-पापा को बुला लाए तो? मैंने काफी झूल लिया। दोनों झूलों पर अकेला कब तक झूलूँ।'' सोचते हुए वह भी वहाँ से चला गया।

9. अनोखी दोस्ती

एक स्कूल में दो कुत्ते रहते थे। उनका जन्म वहीं कक्षा के पीछे हुआ था। स्कूल के बच्चों का भी उन दोनों कुत्तों के साथ काफी लगाव था। बच्चों ने प्यार से एक का नाम 'कालू' और दूसरे का नाम 'शेरू' रखा था।

कालू और शेरू के साथ बच्चों की अच्छी दोस्ती हो गई थी। वे कुछ खाने को लाते तो कालू और शेरू को भी खिलाते। जब तक स्कूल लगा रहता, कालू और शेरू स्कूल में रहते। जब छुट्टी होती तो वे बच्चों के साथ उनके घर तक जाते। एक बार स्कूल में दो बैल घुस आए। वे दिखने में लम्बे-चौड़े थे। वे स्कूल में लगे पेड़-पौधों को खाने लगे। शिक्षक और बच्चों ने उनको भगाने की कोशिश की, मगर वे उल्टा उन्हीं को मारने लगे। फिर कालू और शेरू दोनों बैलों पर जोर-जोर से भौंकने लगे। इससे बैल थोड़े घबराए। यह देखकर कालू और शेरू और जोर-जोर से भौंकने लगे। वे बुरी तरह बैलों के पीछे पड़ गए। इससे डरकर बैल स्कूल के बाहर चले गए।

10. आलू, मालू और कालू

मालू आज पहली बार बगीचे में सब्जी तोड़ने गया। मालू ने तोड़ा लाल टमाटर, लम्बे बैंगन और हरी-हरी भिण्डी। दादी ने कहा, 'शाबाश मालू! जाओ थोड़े आलू भी ले आओ।'

मालू ने सारे पेड़, बेलें और पौधें देखें। आलू कहीं दिखाई नहीं दिया।

'दादी आलू अभी उगे नहीं।' मालू ने खाली टोकरी रख दी। 'नहीं मालू बहुत आलू उग रहे हैं, ध्यान से देखो।' दादी ने समझाया। मालू फिर गया बगीचे में। पीछे-पीछे कालू भी चल पड़ा। मालू, आलू खोज रहा था कि उसे सुनाई दिया, 'भौं-भौं-भौं।' 'ओ...हो...! रुक-रुक कालू' मालू दौड़ा। 'बगीचा खराब मत कर।' मालू ने देखा, कालू ने गड्ढा खोदा हुआ था। खुदी मिट्टी में मोटे-मोटे आलू हैं! 'वाह कालू! ढूँढ़ निकाले आलू,' टोकरी भरकर बोला मालू।

साभार- विनीता कृष्णा (प्रथम)

11. मीठी सजा

बादशाह अकबर दरबार में पधारे। सिंहासन पर विराजमान होते ही उन्होंने दरबारियों से कहा, 'आज एक व्यक्ति ने मेरी दाढ़ी खींची है। कहिए, मैं उसे क्या सजा दूँ?' यह सुनकर सभी दरबारी सोचने लगे। वे परस्पर कानाफूसी करने लगे। थोड़ी देर के बाद एक दरबारी बोला, 'जहाँपनाह! जिसने ऐसा दुस्साहस किया है, उसका सिर धड़ से उड़ा दिया जाए।' दूसरे दरबारी ने कहा, "अरे, कौन ऐसा नालायक है, जिसने ऐसी हिम्मत की? उसे तो हाथी के पैरों तले कुचलवा देना चाहिए।' जितने दरबारी, उतनी तरह की बातें। तरह-तरह की सजाएँ सुझाई गईं। उनकी बातें सुनकर बादशाह ऊब गया। अन्त में, उसने बीरबल से कहा, 'बीरबल, तुम क्या कहते हो? मैं दाढ़ी खींचने वाले को क्या सजा दूँ?" बीरबल मंद-मंद मुस्कराया। फिर बोला, "जहाँपनाह, आप उसे प्यार से मिठाई खिलाइए। इस अपराध की यही सजा है।' बीरबल के उत्तर से खुश होकर बादशाह ने कहा, 'बीरबल, तुम्हारी बात सही है। लेकिन यह तो बताओ कि मेरी दाढ़ी किसने खींची होगी?'

बीरबल ने कहा, 'जहाँपनाह! छोटे शहजादे के अलावा ऐसी हिम्मत कौन कर सकता है? उसने तो प्यार से ही ऐसा किया होगा! इसलिए उसे सजा में मिठाई खिलानी चाहिए।' बीरबल की बात सही थी। आज सुबह शहजादा, बादशाह की गोद में बैठा था। खेलते-खेलते उसने बादशाह की दाढ़ी खींची थी। चतुर बीरबल के जवाब से बादशाह खुश हुआ। अन्य सभी दरबारी लज्जित हो गए।

कविताएँ

ये बालगीत और कविताएँ अलग-अलग स्रोतों से ली गई हैं। हम उन सभी लेखकों/प्रकाशकों का आभार व्यक्त करते हैं, जिनकी कविताएँ इस संग्रह में शामिल की गई हैं। इनका उपयोग कक्षा में सौहार्दपूर्ण वातावरण निर्माण में कर सकते हैं।

मुर्गी माँ

मुर्गी माँ घर से निकली,
झोला ले बाज़ार चली।
बच्चे बोले चें चें चें,
अम्मा हम भी साथ चलें।

— निरंकार देव सेवक

नन्हा खरगोश

छोटा—सा नन्हा खरगोश,
देखो, देखो, उसका जोश।
धूप तापता दौड़ लगाता,
फिर झट झाड़ी में घुस जाता।

तितली रानी

तितली रानी, तितली रानी,
तुम हो चंचल, बड़ी सयानी।
डाल—डाल पे झूमती हो,
फूल—फूल को चूमती हो,
इतनी मस्ती में मत आओ,
इन पंखों पर मत इतराओ।

हाथी

हाथी राजा बहुत भले
सूँड हिलाते कहाँ चले?
कान हिलाते कहाँ चले?
मेरे घर आ जाओ ना,
हलवा पूरी खाओ ना।

साभार : बिल्ली बोले म्याऊँ (एकलव्य)

अद्‌दक—बद्‌दक

अद्‌दक—बद्‌दक चंपा,
उसमें गला घंटा।
बारह बजे की छुट्‌टी में
बारह मिट्‌ठू बैठे थे।
एक मिट्‌ठू कच्चा,
वही रंग का पक्का।

साभार : बैठ घोड़ा पानी पी (एकलव्य)

कोयल रानी

कोयल रानी, कोयल रानी
कहाँ मिली यह मीठी बानी?
किसी नदी ने दावत में क्या
तुझे पिलाया शक्कर पानी?

— शकुंतला सिरोठिया

साप्ताहिक आकलन ट्रैकर (भाषा)

साप्ताहिक आकलन ट्रैकर भरने हेतु निर्देश-

1. इस ट्रैकर में शिक्षकों द्वारा सभी बच्चों की प्रगति साप्ताहिक रूप से भरा जाना अनिवार्य है।
2. तीनों कालांशों की शिक्षण योजना को ध्यान में रखते हुए प्रत्येक सप्ताह में तीन दक्षताएँ दी गई हैं।
3. यदि बच्चा सप्ताह की निर्धारित दक्षता में निपुण है, तो उसके आगे '1' अंक लिखें अन्यथा '–' लगा दें।
4. मौखिक भाषा विकास की दक्षताओं के लिए बच्चे द्वारा सप्ताह में किए गए आपके अवलोकन के आधार पर ('1' या '–') दर्ज करें।
5. डिकोडिंग/पठन से संबंधित दक्षताओं के लिए कार्यपुस्तिका के दिवस 6 में दिए गए साप्ताहिक आकलन के प्राप्तांक के आधार पर 50 प्रतिशत से अधिक के लिए '1' और 50 प्रतिशत से कम के लिए '–' दर्ज करें।
6. पठन एवं प्रवाहपूर्ण पठन संबंधित दक्षताओं में स्तर 3 व 4 के लिए '1' व स्तर 1 व 2 के लिए '–' दर्ज करें।
7. जिन बच्चों का आकलन नहीं हुआ है, उनकी जगह खाली रखेंगे।
8. बच्चों के प्राप्त अंकों के आधार पर समूह निर्धारण एवं रिमीडियल कार्य किया जाएगा।
9. सप्ताह 13 और 20 में आकलन ट्रैकर NAT के आधार पर भरा जाएगा।

	साप्ताहिक आकलन	Student 1	Student 2	Student 3	Student 4	Student 5	Student 6	Student 7	Student 8	Student 9	Student 10	Student 11	Student 12	Student 13	Student 14	Student 15	Student 16	Student 17	Student 18	Student 19	Student 20	Student 21	Student 22	Student 23	Student 24	Student 25	Student 26	Student 27	Student 28	Student 29	Student 30
सप्ताह 1	चित्र चार्ट/कविता पोस्टर के बारे में अपने विचार कुछ शब्दों/1-2 वाक्यों में साझा करना।																														
	अब तक सिखाए गए वर्णों/अक्षरों पहचान करना।																														
	अब तक सिखाए गए वर्णों/अक्षरों से बनने वाले शब्दों को पढ़ना।																														
सप्ताह 2	चित्र चार्ट/सुनाई गई मौखिक कहानी के बारे में अपने विचार कुछ शब्दों/1-2 वाक्यों में साझा करना।																														
	अब तक सिखाए गए वर्णों/अक्षरों पहचान करना।																														
	अब तक सिखाए गए वर्णों/अक्षरों से बनने वाले शब्दों को पढ़ना।																														
सप्ताह 3	चित्र चार्ट/सुनाई गई मौखिक कहानी के बारे में अपने विचार कुछ शब्दों/1-2 वाक्यों में साझा करना।																														
	अब तक सिखाए गए वर्णों/अक्षरों से बनने वाले शब्दों को पढ़ना।																														
	सरल वाक्यों (4-5 शब्दों वाले) को पढ़ना।																														
सप्ताह 4	चित्र चार्ट/सुनाई गई मौखिक कहानी के बारे में अपने विचार कुछ शब्दों/1-2 वाक्यों में साझा करना।																														
	अब तक सिखाए गए वर्णों/अक्षरों से बनने वाले शब्दों को पढ़ना।																														
	सरल वाक्यों (4-5 शब्दों वाले) को पढ़ना।																														

साप्ताहिक आकलन ट्रैकर (भाषा)

सप्ताह	साप्ताहिक आकलन	Student 1	Student 2	Student 3	Student 4	Student 5	Student 6	Student 7	Student 8	Student 9	Student 10	Student 11	Student 12	Student 13	Student 14	Student 15	Student 16	Student 17	Student 18	Student 19	Student 20	Student 21	Student 22	Student 23	Student 24	Student 25	Student 26	Student 27	Student 28	Student 29	Student 30
सप्ताह 5	कहानी पोस्टर के बारे में अपने विचार कुछ शब्दों/1-2 वाक्यों में रखना/सुनी हुई कहानी से सम्बन्धित पूछे गए बंद एवं खुले छोर के प्रश्नों का उत्तर कुछ शब्दों में दे पाना।																														
	परिचित, सरल शब्दों को पढ़ना।																														
	सरल वाक्यों (5-7 शब्दों वाले) को पढ़ना।																														
सप्ताह 6	कहानी पोस्टर के बारे में अपने विचार कुछ शब्दों/1-2 वाक्यों में रखना/सुनी हुई कहानी से सम्बन्धित पूछे गए बंद एवं खुले छोर के प्रश्नों का उत्तर कुछ शब्दों में दे पाना।																														
	परिचित, सरल शब्दों को पढ़ना।																														
	सरल वाक्यों (4-5 शब्दों वाले) को पढ़ना।																														
सप्ताह 7	कहानी पोस्टर के बारे में अपने विचार कुछ शब्दों/1-2 वाक्यों में रख पाना/सुनी हुई कहानी से सम्बन्धित पूछे गए बंद एवं खुले छोर के प्रश्नों का उत्तर कुछ शब्दों में दे पाना।																														
	परिचित, सरल शब्दों को पढ़ना।																														
	सरल वाक्यों (5-7 शब्दों वाले) को पढ़ना।																														
सप्ताह 8	परिचित/परिवेशीय विषयों से संबंधित अपने अनुभवों को कुछ शब्दों/1-2 वाक्यों में साझा करना।																														
	20 शब्दों वाले पाठ को पढ़कर तीन में से दो प्रश्नों का जवाब देना।																														
	15-20 शब्द का पाठ प्रवाह से पढ़ना।																														

साप्ताहिक आकलन ट्रैकर (भाषा)

साप्ताहिक आकलन		Student 1	Student 2	Student 3	Student 4	Student 5	Student 6	Student 7	Student 8	Student 9	Student 10	Student 11	Student 12	Student 13	Student 14	Student 15	Student 16	Student 17	Student 18	Student 19	Student 20	Student 21	Student 22	Student 23	Student 24	Student 25	Student 26	Student 27	Student 28	Student 29	Student 30
सप्ताह 9	कहानी पोस्टर के बारे में अपने विचार कुछ शब्दों/1-2 वाक्यों में रखना/सुनी हुई कहानी से सम्बन्धित पूछे गए बंद एवं खुले छोर के प्रश्नों का उत्तर कुछ शब्दों में दे पाना।																														
	20 शब्दों वाले पाठ को पढ़कर तीन में से दो प्रश्नों का जवाब देना।																														
	15-20 शब्द का पाठ प्रवाह से पढ़ना।																														
सप्ताह 10	कहानी पोस्टर के बारे में अपने विचार कुछ शब्दों/1-2 वाक्यों में रखना/सुनी हुई कहानी से सम्बन्धित पूछे गए बंद एवं खुले छोर के प्रश्नों का उत्तर कुछ शब्दों में दे पाना।																														
	20 शब्दों वाले पाठ को पढ़कर तीन में से दो प्रश्नों का जवाब देना।																														
	15-20 शब्द का पाठ प्रवाह से पढ़ना।																														
सप्ताह 11	चित्र कहानी पोस्टर/सुनाई गई मौखिक कहानी के बारे में अपने विचार 1-2 वाक्यों में साझा करना।																														
	25 शब्दों वाले पाठ को पढ़कर तीन में से दो प्रश्नों का जवाब देना।																														
	15-20 शब्द का पाठ प्रवाह से पढ़ना।																														
सप्ताह 12	परिचित/परिवेशीय विषयों से संबंधित अपने अनुभवों को कुछ शब्दों/1-2 वाक्यों में साझा करना।																														
	25 शब्दों वाले पाठ को पढ़कर तीन में से दो प्रश्नों का जवाब देना।																														
	15-20 शब्द का पाठ प्रवाह से पढ़ना।																														

साप्ताहिक आकलन ट्रैकर (भाषा)

	साप्ताहिक आकलन	Student 1	Student 2	Student 3	Student 4	Student 5	Student 6	Student 7	Student 8	Student 9	Student 10	Student 11	Student 12	Student 13	Student 14	Student 15	Student 16	Student 17	Student 18	Student 19	Student 20	Student 21	Student 22	Student 23	Student 24	Student 25	Student 26	Student 27	Student 28	Student 29	Student 30
सप्ताह 13	कविताओं/गीतों को हाव-भाव के साथ सुनाना।																														
	कहानी/कविता/चित्र/घटना/वस्तु एवं उपलब्ध प्रिंट सामग्री के बारे में अपने घर की भाषा/मिश्रित भाषा में 1-2 वाक्यों में साझा करना।																														
	3-5 वर्णों/अक्षरों से बने शब्द पढ़ना और किसी शब्द के अक्षरों से नए शब्द बनाना।																														
सप्ताह 14	चित्र कहानी पोस्टर पर अपने विचार 1-2 वाक्यों में रखना/सुनी हुई मौखिक कहानी को दुबारा अपने शब्दों में सुना पाना।																														
	30 शब्दों वाले पाठ को पढ़कर तीन में से दो प्रश्नों का जवाब देना।																														
	20-25 शब्द का पाठ प्रवाह से पढ़ना।																														
सप्ताह 15	परिचित/परिवेशीय विषयों से संबंधित अपने अनुभवों को कुछ शब्दों/2-3 वाक्यों में साझा करना।																														
	35 शब्दों वाले पाठ को पढ़कर तीन में से दो प्रश्नों का जवाब देना।																														
	20-25 शब्द का पाठ प्रवाह से पढ़ना।																														
सप्ताह 16	चित्र कहानी पोस्टर पर अपने विचार कुछ 2-3 वाक्यों में रख पाना/सुनी हुई मौखिक कहानी को दुबारा अपने शब्दों में सुना पाना।																														
	35 शब्दों वाले पाठ को पढ़कर तीन में से दो प्रश्नों का जवाब देना।																														
	20-25 शब्द का पाठ प्रवाह से पढ़ना।																														
सप्ताह 17	परिचित/परिवेशीय विषयों से संबंधित अपने अनुभवों को कुछ शब्दों/2-3 वाक्यों में साझा करना।																														
	40 शब्दों वाले पाठ को पढ़कर तीन में से दो प्रश्नों का जवाब देना।																														
	20-25 शब्द का पाठ प्रवाह से पढ़ना।																														

साप्ताहिक आकलन ट्रैकर (भाषा)

सप्ताह	साप्ताहिक आकलन	Student 1	Student 2	Student 3	Student 4	Student 5	Student 6	Student 7	Student 8	Student 9	Student 10	Student 11	Student 12	Student 13	Student 14	Student 15	Student 16	Student 17	Student 18	Student 19	Student 20	Student 21	Student 22	Student 23	Student 24	Student 25	Student 26	Student 27	Student 28	Student 29	Student 30
सप्ताह 18	चित्र कहानी पोस्टर पर अपने विचार 2-3 वाक्यों में रख पाना/सुनी गई मौखिक कहानी के घटनाओं को क्रमबद्ध तरीके से लगा पाना।																														
	40 शब्दों वाले पाठ को पढ़कर तीन में से दो प्रश्नों का जवाब देना।																														
	25-30 शब्द का पाठ प्रवाह से पढ़ना।																														
सप्ताह 19	परिचित/परिवेशीय विषयों से संबंधित अपने अनुभवों को कुछ शब्दों/2-3 वाक्यों में साझा करना।																														
	45 शब्दों वाले पाठ को पढ़कर तीन में से दो प्रश्नों का जवाब देना।																														
	20-25 शब्द का पाठ प्रवाह से पढ़ना।																														
सप्ताह 20	कहानी/कविता/चित्र/घटना/वस्तु एवं उपलब्ध प्रिंट सामग्री के बारे में अपने घर की भाषा/मिश्रित भाषा में 2-3 वाक्यों में बता पाना।																														
	चित्र/घटना/वस्तु के बारे में अपने घर की भाषा में 1-2 वाक्यों में बता पाना।																														
	8-10 वाक्यों की कहानी को सुनकर अपने घर की भाषा/मिश्रित भाषा में पुनः सुनाना।																														
	आयु उपयुक्त अज्ञात पाठ को कम से कम 50 शब्द प्रति मिनट की प्रवाह से पढ़ लेना।																														
	सरल अज्ञात पाठ (30-45 शब्द वाले) पढ़ना और उससे संबंधित 4 प्रश्नों (3 तथ्यात्मक एवं 1 उच्चस्तरीय चिंतन कौशल) में से कम से कम 3 के उत्तर अपने घर की भाषा/मिश्रित भाषा में दे पाना।																														
	किसी कहानी/बातचीत से संबंधित तथ्यात्मक प्रश्नों के उत्तर 1-2 सरल वाक्यों में लिखना।																														

साप्ताहिक आकलन ट्रैकर (भाषा)

		साप्ताहिक आकलन	Student 1	Student 2	Student 3	Student 4	Student 5	Student 6	Student 7	Student 8	Student 9	Student 10	Student 11	Student 12	Student 13	Student 14	Student 15	Student 16	Student 17	Student 18	Student 19	Student 20	Student 21	Student 22	Student 23	Student 24	Student 25	Student 26	Student 27	Student 28	Student 29	Student 30
सप्ताह 21		चित्र कहानी पोस्टर पर अपने विचार 3-4 वाक्यों में रख पाना/सुनाई गई मौखिक कहानी के घटनाओं को क्रमबद्ध तरीके से लगा पाना।																														
		45 शब्दों वाले पाठ को पढ़कर तीन में से दो प्रश्नों का जवाब देना।																														
		20-25 शब्द का पाठ प्रवाह से पढ़ना।																														
सप्ताह 22		परिचित/परिवेशीय विषयों से संबंधित अपने अनुभवों को 2-3 वाक्यों में साझा करना/चित्र कहानी पोस्टर आधारित रोल प्ले में खुद को अभिव्यक्त करना।																														
		55 शब्दों वाले पाठ को पढ़कर तीन में से दो प्रश्नों का जवाब देना।																														
		30-35 शब्द का पाठ प्रवाह से पढ़ना।																														
सप्ताह 23		सुनी गई मौखिक कहानी में नए पात्र/घटनाएं जोड़कर कहानी को आगे बढ़ा पाना।																														
		55 शब्दों वाले पाठ को पढ़कर तीन में से दो प्रश्नों का जवाब देना।																														
		35-40 शब्द का पाठ प्रवाह से पढ़ना।																														
सप्ताह 24		परिचित/परिवेशीय विषयों से संबंधित अपने अनुभवों को 4-5 वाक्यों में साझा करना।																														
		80 शब्दों वाले पाठ को पढ़कर तीन में से दो प्रश्नों का जवाब देना।																														
		40-45 शब्द का पाठ प्रवाह से पढ़ना।																														
सप्ताह 25		परिचित/परिवेशीय विषयों से संबंधित अपने अनुभवों को 4-5 वाक्यों में साझा करना।																														
		80 शब्दों वाले पाठ को पढ़कर तीन में से दो प्रश्नों का जवाब देना।																														
		45-50 शब्द का पाठ प्रवाह से पढ़ना।																														

इस संदर्शिका में अलग–अलग आइकन (icon) और रंगों का संकेत के रूप में उपयोग किया गया है, जिनके माध्यम से आप दी गई जानकारियों को समझ और पहचान सकते हैं।

शिक्षक संदर्शिका के मुख्य संसाधन

शिक्षण योजना

वार्षिक साप्ताहिक ट्रैकर

साप्ताहिक आकलन ट्रैकर

संदर्शिका का उपयोग

सैद्धांतिक पहलू

शिक्षण योजनाओं से संबंधित आइकन

सप्ताह

शिक्षण उद्देश्य

समय

तैयारी

शिक्षक के लिए बिंदु

कालांश-1

कालांश-2

कालांश-3

शिक्षक द्वारा चर्चा

शिक्षण-प्रक्रिया की समीक्षा

1 2 3

कालांश

कार्यपुस्तिका से संबंधित आइकन

पाठ

साप्ताहिक पुनरावृत्ति

साप्ताहिक आकलन : मैंने सीख लिया

सावधिक पुनरावृत्ति

कार्यपुस्तिका ट्रैकर

रंग भरना

गोला लगाना

सुनकर लिखना

जोड़ों में कार्य

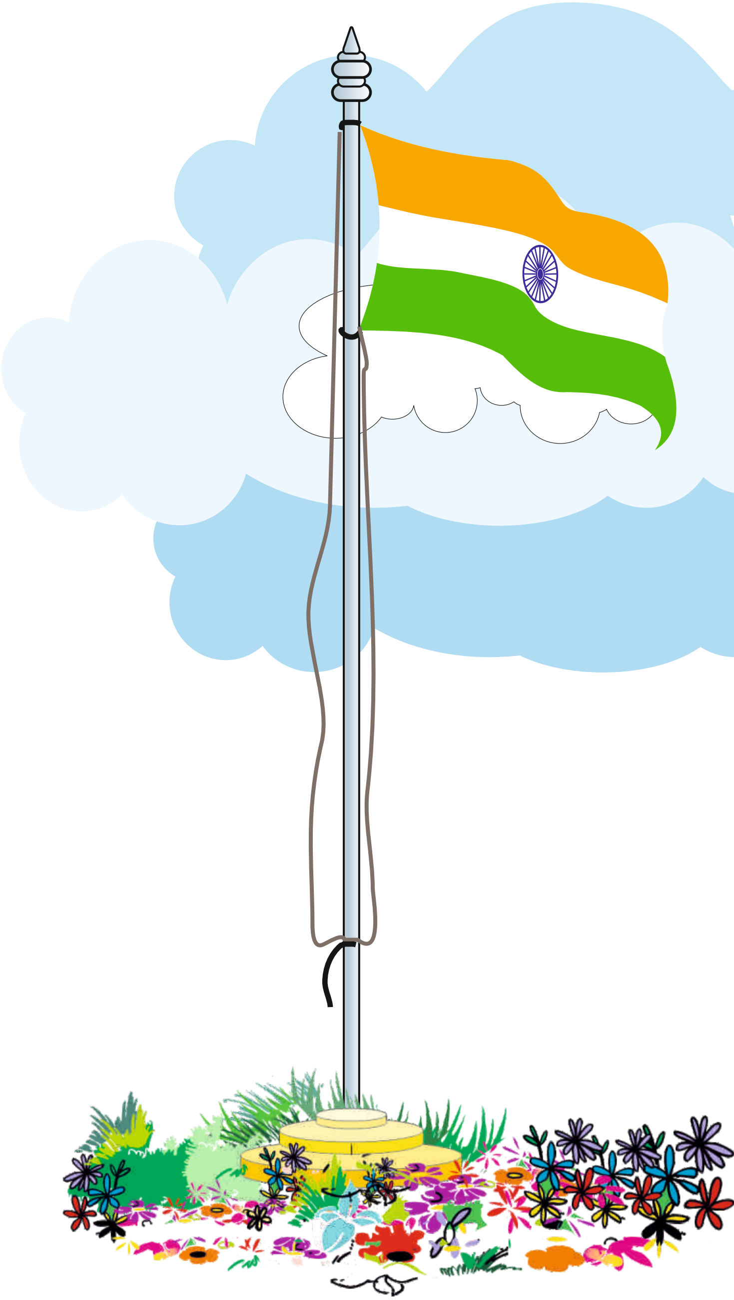

राष्ट्रगान

जन–गण–मन अधिनायक जय हे।
भारत–भाग्य–विधाता।।
पंजाब–सिंध–गुजरात–मराठा
द्राविड़–उत्कल–बंग।
विन्ध्य–हिमाचल–यमुना–गंगा,
उच्छल–जलधि तरंग।।
तव शुभ नामे जागे,
तव शुभ आशिष मांगे।।
गाहे तव जय गाथा।।
जन–गण–मंगलदायक जय हे,
भारत–भाग्य विधाता।।
जय हे, जय हे, जय हे,
जय जय जय, जय हे।।

सत्र 2024-2025

आवरण पृष्ठ के कागज का विशिष्टीकरणः प्रयुक्त कागज................ वर्जिन पल्पयुक्त 175 जी0एस0एम0 का आर्ट पेपर का प्रयोग किया गया है। जिसमें कागज का बर्स्ट इण्डेक्स–न्यूनतम 0.9, वैक्स पिक्स–नो पिक्स ऑन 5ए, ग्लास परसेंट–न्यूनतम 55, ब्राइटनेस न्यूनतम 72 प्रतिशत और सरफेस पी0एच0 5.5 से 8.0 है। कागज की अन्य विशिष्टियाँ बी0आई0एस0 कोड आई0एस0–4658–1988 के अनुसार हैं एवं कागज 53.34 सेमी x 78.74 सेमी है। आवरण पृष्ठ का बाहरी भाग चार रंगों तथा अन्दर का भाग एक रंग में मुद्रित है।

उ0प्र0, बेसिक शिक्षा परिषद्

निःशुल्क वितरण हेतु